काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

BANARAS HINDU UNIVERSITY

वार्षिक रिपोर्ट

२०१८-२०१९

सम्पादन समिति

अध्यक्ष
प्रो. माया शंकर पाण्डेय
अंग्रेजी विभाग, कला संकाय

सदस्य सचिव
डॉ. पुष्पमित्र त्रिवेदी
उपकुलसचिव (शिक्षण)

सदस्य

प्रो. राकेश सिंह
कृषि अर्थशास्त्र विभाग
कृषि विज्ञान संस्थान

प्रो. वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
हिन्दी विभाग
कला संकाय

प्रो. कृष्ण मोहन पाण्डेय
अंग्रेजी विभाग
कला संकाय

प्रो. निधि शर्मा
अर्थशास्त्र विभाग

प्रो. मधु जी. तापड़िया
जीव विज्ञान विभाग

डॉ. सत्यपाल शर्मा
हिन्दी विभाग
कला संकाय

डॉ. पंचानन दलाई
अंग्रेजी विभाग
कला संकाय

डॉ. आरती निर्मल
अंग्रेजी विभाग
कला संकाय

डॉ. संजीव सर्राफ
उप पुस्तकालय अध्यक्ष
केन्द्रीय ग्रन्थालय

डॉ. विचित्रसेन गुप्त
हिन्दी अधिकारी

कुलसचिव, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित।

डिजाइन, लेआउट एवं मुद्रण: **एडमैक्स एसोसिएट,** वाराणसी

संस्थापक

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय

२५.१२.१८६१ – १२.११.१९४६

(पौष कृष्ण अष्टमी, वि. सं. १९१८ – मार्गशीर्ष कृष्ण पंचमी, वि. सं. २००३)

The Founder

of the

BANARAS HINDU UNIVERSITY

Mahamana Pandit Madan Mohan Malaviya

25.12.1861 – 12.11.1946

(Paush Krishna Ashtami, V.S. 1918 – Margashirsha Krishna Panchami, V.S. 2003)

न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गं नाऽपुनर्भवम् ।
कामये दुःखतप्तानां प्राणिनामार्तिनाशनम् ॥

"I do not covet kingdom, neither heaven, nor Nirvana
The only desire I have is to serve Disconsolate."

– Mahamana Malaviya

कुलगीत

मधुर मनोहर अतीव सुन्दर,
यह सर्वविद्या की राजधानी।

यह तीनों लोकों से न्यारी काशी।
सुज्ञान धर्म और सत्यराशी।।
बसी है गंगा के रम्य तट पर,
यह सर्वविद्या की राजधानी। मधुर-।।

नये नहीं है ये ईंट पत्थर।
है विश्वकर्मा का कार्य सुन्दर।।
रचे हैं विद्या के भव्य मन्दिर,
यह सर्व सृष्टि की राजधानी। मधुर-।।

यहाँ की है यह पवित्र शिक्षा।
कि सत्य पहले फिर आत्म-रक्षा।।
बिके हरिश्चन्द्र थे यहीं पर,
यह सत्यशिक्षा की राजधानी। मधुर-।।

यह वेद ईश्वर की सत्यबानी।
बने जिन्हें पढ़ के ब्रह्मज्ञानी।
थे व्यास जी ने रचे यहीं पर,
यह ब्रह्मविद्या की राजधानी। मधुर-।।

वह मुक्तिपद को दिलाने वाले।
सुधर्म पथ पर चलाने वाले।।
यहीं फले फूले बुद्ध शंकर,
यह राज ऋषियों की राजधानी। मधुर-।।

सुरम्य धारायें वरुणा अस्सी।
नहाए जिनमें कबीर, तुलसी।।
भला हो कविता का क्यों न आकर,
यह वाग् विद्या की राजधानी। मधुर-।।

विविध कला अर्थशास्त्र गायन।
गणित खनिज औषधी रसायन।।
प्रतिचि-प्राची का मेल सुन्दर,
यह विश्वविद्या की राजधानी। मधुर-।।

यह मालवी की है देश भक्ति।
यह उनका साहस यह उनकी शक्ति।।
प्रकट हुई है नवीन होकर,
यह कर्मवीरों की राजधानी।

मधुर मनोहर अतीव सुन्दर,
यह सर्वविद्या की राजधानी।

Dr. SHANTI SWARUP BHATNAGAR
Eminent Scientist
who composed the BHU Kulgeet

Kulgeet (English Translation)

So sweet, serene, infinitely beautiful
This is the presiding centre of all learning.

Radiant Kashi, wonder of the three worlds
Treasure-Chest of Jnana, Dharma and Satya
Nestling on Ganga's bank,
centre for all disciplines. So sweet-.

No Recent work of brick and stone
Primordial design of divinity alone
Mansions of Vidya,
centre for all creation. So sweet-.

Clear here is the doctrine pure
Truth first, then only one's self
Home of Harishchandra,
Truth's testing ground. So sweet-.

The Voice of God in Vedic record
Constant Inspiration for soul-accord
Work-shop of Veda Vyasa,
centre for Brahma Vidya. So sweet-.

Find here the steps to freedom
Tread here the path of Dharma
Flaming trail Buddha's and Shankara's
centre for philosopher-kings. So sweet-.

Life-Giving waters of Varuna and Assi
Sustenance of Kabir and Tulsi
Fountainhead of eloquent speech and poetry. So sweet-.

Music, Economics, other arts so many
Maths, Mining, Medicine and Chemistry
Fraternal forum of East and West,
university in truest sense. So sweet-.

Patriotism of Malaviyaji
His intrepidity and energy
All in youthful manifestation,
centre for men of action.

So sweet, serene, infinitely beautiful
This is the presiding centre of all learning.

प्रो. राकेश भटनागर
कुलपति

Prof. Rakesh Bhatnagar, Ph.D
FNA, FASc, FNASc
Vice-Chancellor

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
Banaras Hindu University
(Established by Parliament by Notification No. 225 of 1916)
VARANASI-221 005 (INDIA)
Phones : 91-542-2368938, 2368339
Fax : 91-542-2369100, 2369951
E-mail : vc@bhu.ac.in
Website: www.bhu.ac.in

नवम्बर १३, २०१९

प्रस्तावना

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की वर्ष २०१८-१९ का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त गौरव और प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। इस प्रतिवेदन में विश्वविद्यालय के संस्थानों, संकायों, विभागों और केन्द्रों की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का समावेश है। प्रस्तुत प्रतिवेदन में शैक्षणिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त, उल्लिखित अवधि के दौरान संचालित महत्वपूर्ण सह-पाठ्यक्रम और विकास गतिविधियों के क्षेत्र में अर्जित विशिष्ट उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला गया है।

शैक्षणिक उत्कृष्टता के एक संस्थान के रूप में हम शिक्षा के समस्त क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्ति के अपने प्रयास में सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में अन्वेषण, नवाचार और ज्ञान प्रदान करने हेतु समर्पित हैं। अपने चारों ओर तीव्रता से बदलते इस माहौल में भी, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय देश और दुनिया भर के प्रतिभाशाली शिक्षाविदों और छात्रों को निरंतर आकर्षित कर रहा है।

प्रतिवेदित वर्ष के दौरान अनेक महत्वपूर्ण शैक्षणिक मुद्दों का समाधान किया गया। इससे विश्वविद्यालय में सौहार्दपूर्ण शैक्षणिक वातावरण विकसित करने में मदद मिली है। हमारी शैक्षणिक जिम्मेदारियों के अंतर्गत व्यवहार्य कार्यक्रमों और हमारे वर्तमान प्रस्तावित पाठ्यक्रमों की महत्वपूर्ण विशेषताओं की पूर्ण समझ और समाज की आवश्यकताओं के अनुसार उनमें उचित संशोधन करना शामिल है। विश्वविद्यालय की शोध और शैक्षणिक योजनाओं को व्यावहारिक रूप में कार्यान्वित करने के लिए परिचालन योजना को उच्च प्राथमिकता दी गयी। महामना की दृष्टि के अनुरूप, अकादमिकों के योग्यता स्तर में संवर्धन और शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया में सुधार द्वारा मजबूती और विकास दोनों पर ध्यान भी केन्द्रित किया गया।

अपने महान संस्थापक की समग्र शिक्षा प्रदान करने की दृष्टि के अनुरूप छात्रों के प्रत्यक्ष व्यावहारिक लाभ हेतु विद्यार्थियों के कौशल संवर्धन के लिए कई महत्वपूर्ण उल्लेखनीय कार्यक्रम और नीतियाँ शुरू की गईं। विद्यार्थियों के आध्यात्मिक और नैतिक उन्नयन की दृष्टि से वर्ष के दौरान अनेक लब्ध प्रतिष्ठ विद्वानों के व्याख्यान और संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। साथ ही, छात्रावास सुविधाओं में निरन्तर विस्तार और उन्नयन किया गया तथा इनडोर और आउटडोर खेलों की सुविधाओं में सुधार और योग शिक्षा की सम्यक व्यवस्था की गयी।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय समस्त सहभागियों की सामर्थ्य और सहयोग से बना है। इस वर्ष की वार्षिक प्रतिवेदन में उस गत्यात्मक विशेषता का उल्लेख है जिसमें परिसर की प्रत्येक कक्षा, प्रयोगशाला और भवन सम्मिलित है। अपने समर्पित सहकर्मियों के साथ लगनशील आचार्यों ने बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को गहनता से प्रेरित किया है और परिणामस्वरूप उनमें संतुष्टि का भाव विद्यमान है।

मैं, संपादक मण्डल और उससे जुड़े अन्य सभी कार्मिकों को इस महत्वपूर्ण और बहुमूल्य दस्तावेज को तैयार करने के लिए उनके अथक प्रयासों की सराहना करता हूँ और उन्हें हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

(राकेश भटनागर)

विषय सूची

भाग- १

१. भूमिका

१.१. विश्वविद्यालय - एक दृष्टि में १५-२२

१.२. शैक्षणिक सत्र २०१८-१९ की प्रमुख विशेषताएँ २३-३३

२. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अवयव (अंग)

२.१. मुख्य परिसर

२.१.१. संस्थान

२.१.१.१. कृषि विज्ञान ३७-४१

२.१.१.२. चिकित्सा विज्ञान (आधुनिक, आयुर्वेद, दन्त चिकित्सा) ४२-४५

२.१.१.३. पर्यावरण एवम् संपोष्य विकास ४६-४७

२.१.१.४. प्रबन्ध शास्त्र ४८-५२

२.१.१.५. विज्ञान ५३-६१

२.१.२. संकाय

२.१.२.१. कला ६४-६६

२.१.२.२. वाणिज्य ६७

२.१.२.३. शिक्षा ६८

२.१.२.४. विधि ६९-७०

२.१.२.५. संगीत एवं मंच कला ७१-७५

२.१.२.६. सामाजिक विज्ञान ७६-७७

२.१.२.७. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान ७८-७९

२.१.२.८. दृश्य कला ८०

२.१.३. महिला महाविद्यालय ८१-८२

२.१.४. अध्ययन केन्द्र

२.१.४.१. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ८४

२.१.४.२. आनुवांशिकी विकार ८५-८६

२.१.४.३. डी. एस. टी.-अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान ८७

२.१.४.४. नेपाल अध्ययन ८८

२.१.४.५. महिला अध्ययन एवं विकास ८९

२.१.४.६. मालवीय शांति अनुसंधान ९०

२.१.४.७. समन्वित ग्रामीण विकास ९१

२.१.४.८. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन ९२

२.१.४.९. हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र ९३

२.१.४.१०. नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी इकाई/केन्द्र ९४

२.१.५. स्कूल

२.१.५.१. सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज़ स्कूल ९६-९९
२.१.५.२. सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल १००-१०१
२.१.५.३. श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय १०२-१०३

२.१.६ का.हि.वि. ग्रंथालय प्रणाली १०४-१११
२.१.७ यू.जी.सी. मानव संसाधन विकास केन्द्र ११२-११३
२.१.८ मालवीय भवन ११४-११५
२.१.९ भारत कला भवन ११६-११८

२.२. दक्षिणी परिसर १२०-१२१

२.३. विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत संचालित नगरीय महाविद्यालय

२.३.१. आर्य महिला पी.जी. कॉलेज १२४-१२९
२.३.२. वसन्त महिला महाविद्यालय १३०-१३२
२.३.३. वसन्त कन्या महाविद्यालय १३३-१३७
२.३.४. दयानन्द पी.जी. कॉलेज १३८-१३९

३. अध्ययन हेतु पाठ्यक्रम १४०-१४५

४. प्रदत्त उपाधियाँ/ सनद/ प्रमाण पत्र १४८-१४९

४.१. छात्रों की संख्या १५०-१५२
५. मानव संसाधन रूपरेखा १५३-१५६
६. वित्तीय संसाधन १५७-१५८
७. पुरस्कार, सम्मान व पेटेन्ट १५९-१८३
८. छात्रवृत्तियाँ/ अध्येतावृत्तियाँ (छात्रों के लिये) १८४
९. सुविधाएँ

९.१. आवास १८६
९.१.१. छात्रावास (बालक) १८७
९.१.२. छात्रावास (बालिका) १८७
९.१.३. छात्रावास (विवाहित/विदेशी छात्र) १८७
९.१.४. विश्वविद्यालय कर्मचारियों के निवास हेतु आवास सुविधाएँ १८८
९.२. अतिथि गृह संकुल १८८
९.३. इन्टरनेट एवं संगणक १८८-१८९
९.४. सम्मेलन कक्ष १८९
९.५. पुरातन छात्र प्रकोष्ठ १८९
९.६. भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् १८९-१९०
९.७. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय १९०-१९१
९.८. अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र १९१
९.९. समाचार पत्र प्रकाशन एवं प्रचार प्रकोष्ठ १९१-१९५
९.१०. विद्युत, जल और दूरभाष केन्द्र १९५-१९६
९.११. अनुरक्षण (भवन एवं उपकरण) १९६-१९९

९.१२. स्वास्थ्य देखभाल (अस्पताल और स्वास्थ्य केन्द्र) १९९-२००
९.१३. विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् २००-२०३
९.१४. छात्र अधिष्ठाता द्वारा आयोजित कार्यक्रम २०३-२०७
९.१५. कैरियर विकास केन्द्र २०८
९.१६. जलपान गृह २०८
९.१७. राष्ट्रीय सेवा योजना २०८-२०९
९.१८. नेशनल कैडेट कोर २०९-२१०
९.१९. बैंक एवं डाक घर २१०-२११
९.२०. रेल आरक्षण पटल २११
९.२१. एयर स्ट्रिप एवं हेलीपैड २११
९.२२. विपणन संकुल २११
९.२३. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय क्लब २११
९.२४. छात्र कल्याण
९.२४.१. संस्थापन सेवा २११-२१३
९.२४.२. विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र २१३-२१६
९.२४.३. छात्र परिषद् २१६
९.२४.४. नगर छात्र निकाय २१६-२१७
९.२४.५. छात्र कल्याण: समान अवसर एवं समावेशी पद्धति २१७-२१९
९.२४.६. पाठ्येतर क्रियाकलाप २१९-२२०
९.२५. हिन्दी प्रकाशन समिति २२०
१०. नये अध्यादेश/संशोधन २२१-२३२

भाग – २

परिशिष्ट-१ विश्वविद्यालय कोर्ट, कार्यकारिणी परिषद् व विद्वत् परिषद् के सदस्यगण एवं अधिकारीगण २३४-२४४
परिशिष्ट-२ वर्ष २०१८-१९ में विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शैक्षणिक योगदान का विवरण २४५-२६१
परिशिष्ट-३ विभिन्न अभिकरणों द्वारा वित्तपोषित शोध परियोजनाओं की सूची २६२-२७०
परिशिष्ट-४ वर्ष २०१८-१९ में आयोजित कुछ प्रमुख संगोष्ठियाँ, सम्मेलन एवं कार्यशालाएँ २७१-२७८
परिशिष्ट-५ वर्ष २०१८-१९ में शैक्षणिक विचार-गोष्ठियों में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षकों की संख्या का विवरण २७९-२८८
परिशिष्ट-६ वर्ष २०१८-१९ में सीधी नियुक्ति और पदोन्नति २८९

मालवीय भवन

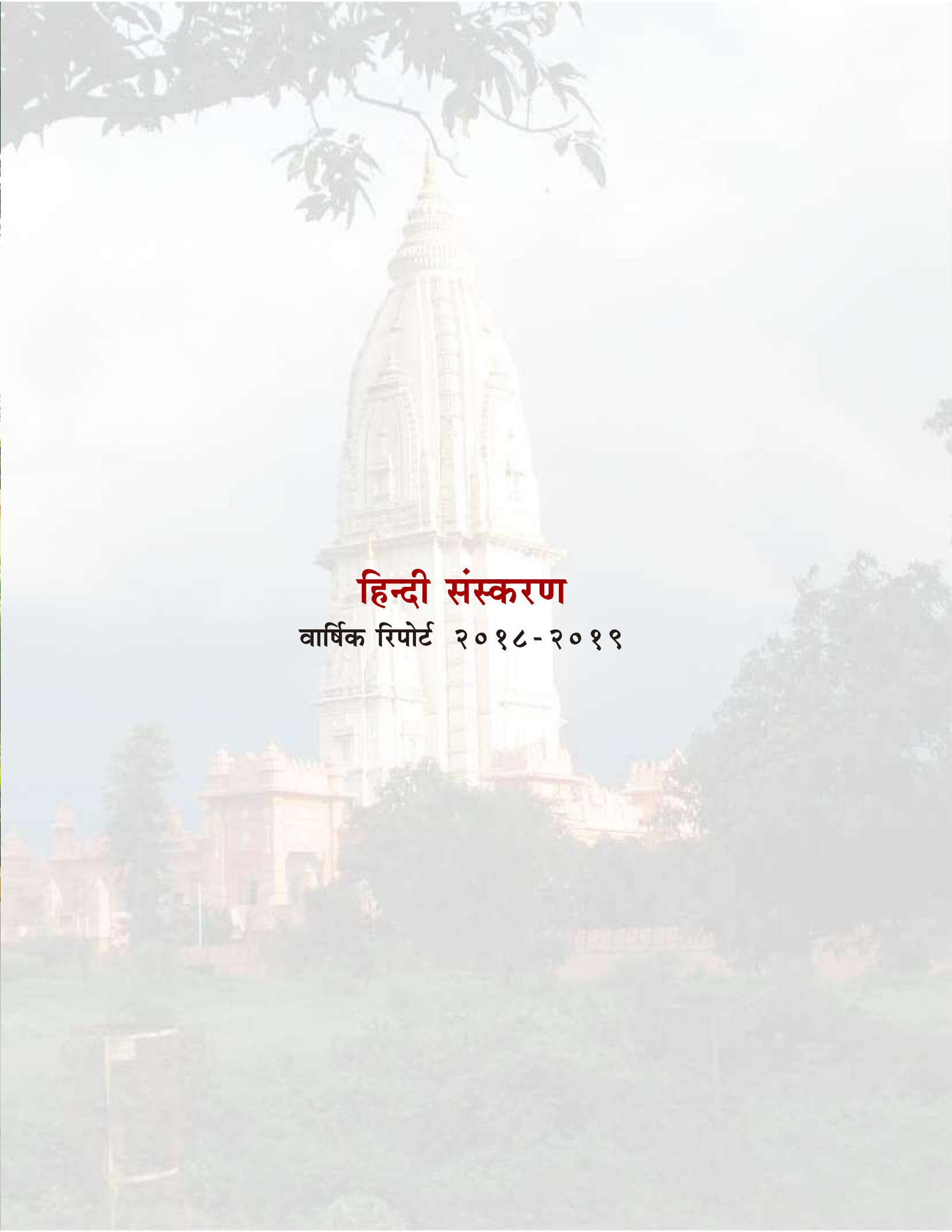

हिन्दी संस्करण

वार्षिक रिपोर्ट २०१८-२०१९

अद्‌भुत स्थापत्य कला

प्रौद्योगिकी संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

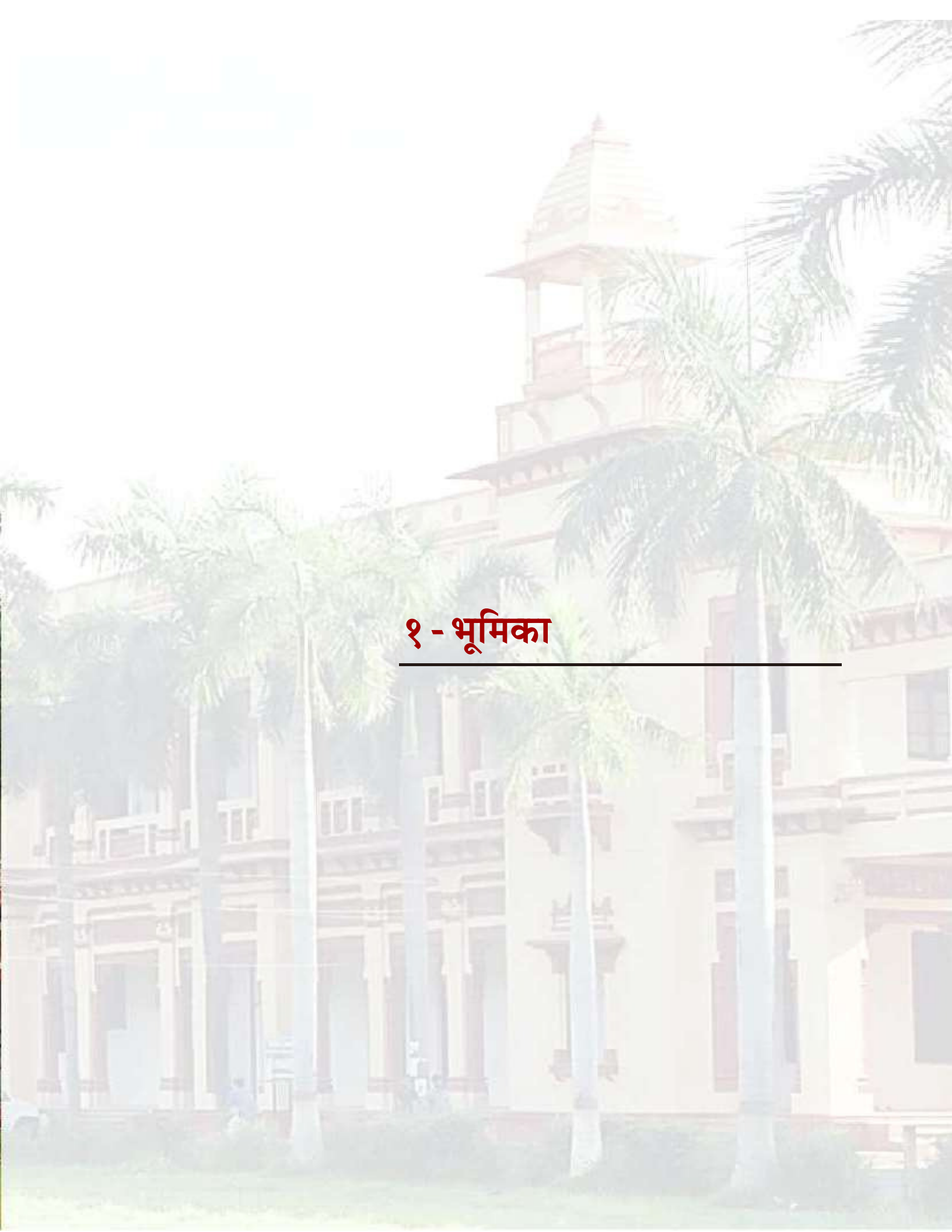

१ - भूमिका

सन् १९१६ में परिसर विन्यास संबंधी महामना की दृष्टि

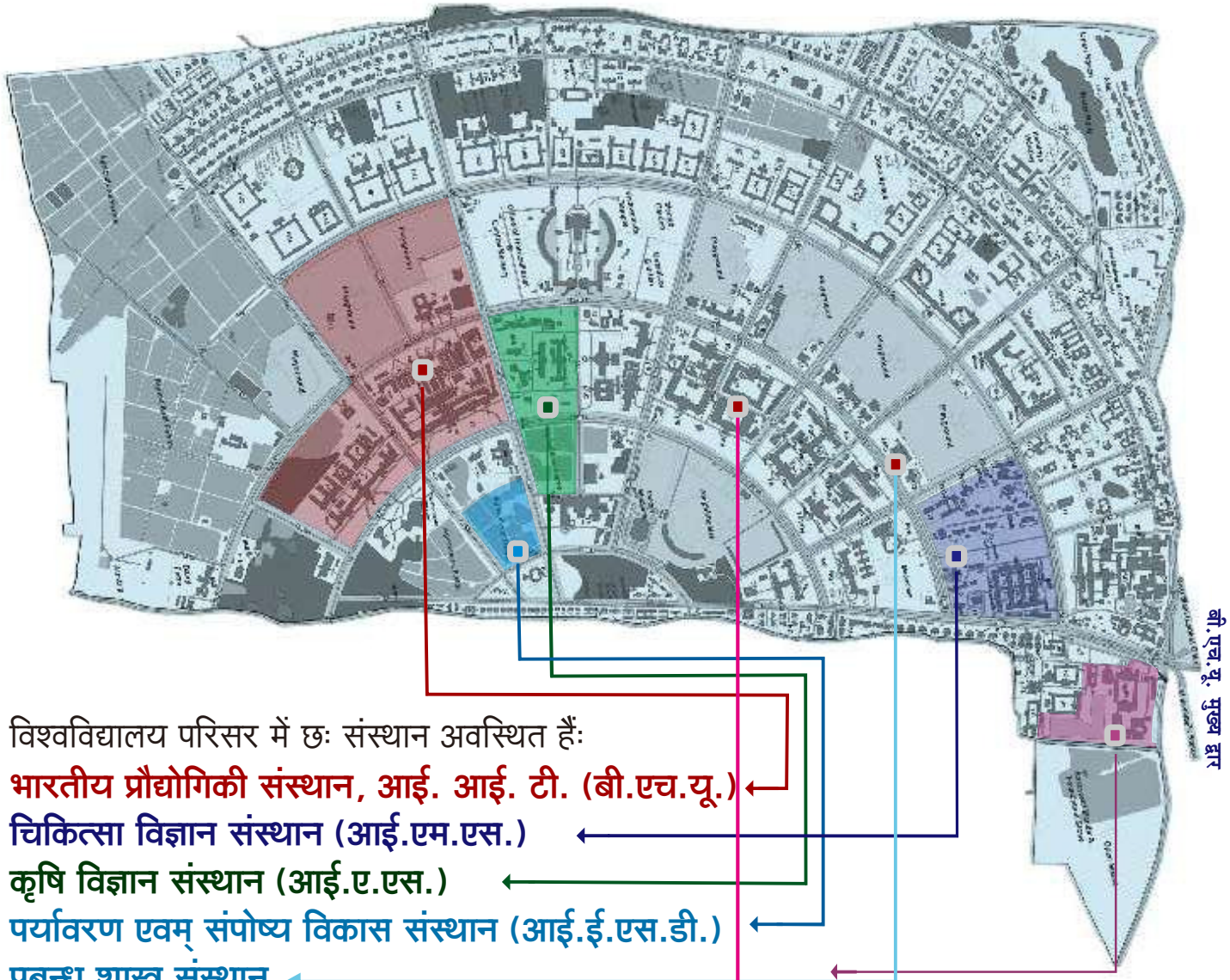

विश्वविद्यालय परिसर में छः संस्थान अवस्थित हैं:

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, आई. आई. टी. (बी.एच.यू.)

चिकित्सा विज्ञान संस्थान (आई.एम.एस.)

कृषि विज्ञान संस्थान (आई.ए.एस.)

पर्यावरण एवम् संपोष्य विकास संस्थान (आई.ई.एस.डी.)

प्रबन्ध शास्त्र संस्थान

विज्ञान संस्थान

एवं **महिला महाविद्यालय (एम.एम.वी.)**

१.१. विश्वविद्यालय - एक दृष्टि में

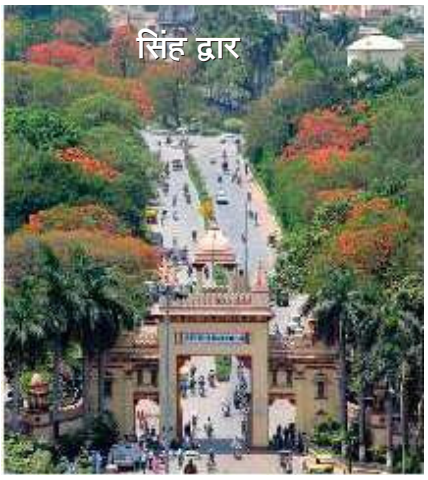
सिंह द्वार

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (का.हि.वि.वि.), देश के अति-प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक है जिसकी स्थापना महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी द्वारा सन् १९१६ में की गयी थी। यह एक स्वायत्तशासी उत्कृष्ट संस्था है जिसके विज़िटर भारत के महामहिम राष्ट्रपति जी हैं। यह एशिया का सबसे बड़ा आवासीय विश्वविद्यालय है। पं. मदन मोहन मालवीय जी, डॉ. एनी बेसेंट एवं डॉ. एस. राधाकृष्णन् जैसे मनीषियों की दूरदर्शिता की जीवन्त प्रतीक यह राष्ट्रीय संस्था प्राचीन भारतीय ज्ञान-विज्ञान एवं आधुनिक वैज्ञानिक चिन्तन दृष्टि का एक अद्भुत संगम है। अपने ज्ञानदीप्त संस्थापक द्वारा पल्लवित-प्रतिपादित शिक्षा की समग्र और पवित्रतामूलक पद्धति को नूतन आयामों से जोड़कर यह विश्वविद्यालय युवा वर्ग का उन्नयन कर रहा है तथा उनकी सृजनात्मक प्रतिभा का संपोषण कर उन्हें पर्याप्त सुविधाएँ प्रदान कर रहा है।

संस्थापक की दृष्टि

- ''यह मेरी हार्दिक इच्छा और उम्मीद है कि आज से स्थापित होने वाले इस प्रकाश स्तम्भ से ऐसे स्नातक दीक्षित हों जो न केवल बौद्धिकता में विश्व के किसी भी क्षेत्र के विद्यार्थियों के समतुल्य हों बल्कि एक सुसंस्कृत जीवन यापन करने वाले देशभक्त तथा धर्मनिष्ठ भी हों।''
- ''एक आवासीय विश्वविद्यालय अपने उद्देश्य के प्रति अपूर्ण है यदि वह अपने स्नातकों में समान उत्कंठा से उनके भावावेगों को समुन्नत नहीं करता जिस प्रकार उनके बौद्धिक विकास हेतु वह सचेष्ट है। अतएव इस विश्वविद्यालय ने अपना मूल लक्ष्य युवकों का चरित्र निर्माण के लिए निर्धारित किया है। यह संस्थान न केवल अभियन्ताओं, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, धार्मिक विचारकों, व्यापारियों को बनाने के लिए प्रयत्न करेगा बल्कि ऐसी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा जो अत्यंत चरित्रवान, नैतिक तथा सम्मान के योग्य होंगे, जिनका उदाहरण महान विश्वविद्यालय के महनीय उद्देश्यों के समरूप दिया जा सकेगा।''

विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय की स्थापना चरित्र निर्माण तथा अभिभावकत्व की मूल परिकल्पना के अनुरूप एक आवासीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई। यह सम्भवत: विश्व का अनूठा विश्वविद्यालय है जिसमें ५५० हेक्टेयर (१३६० एकड़) के चहारदीवारी से घिरे तथा स्थापत्य की दृष्टि से अनुपम भवनों के परिसर में नर्सरी से लगायत डॉक्टरेट उपाधि तक की शिक्षा प्रदान की जाती है। इस विशाल हरीतिमा से परिपूर्ण परिसर में विज्ञान, अभियांत्रिकी एवं तकनीकी, मानविकी, समाज विज्ञान, वाणिज्य, विधि, शिक्षा, दृश्यकला, मंचकला, संस्कृत विद्या धर्मविज्ञान, कृषि, पुस्तकालय विज्ञान, पत्रकारिता तथा बड़ी संख्या में भारतीय एवं विदेशी भाषाओं आदि लगभग समस्त विधाओं की शिक्षा प्रदान की जाती है।

विश्वविद्यालय के आठ विभागों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत (इनमें पांच उच्चानुशीलन केन्द्र तथा तीन विभाग डी. आर. एस. लेवल- २) वित्तीय अनुदान प्राप्त हैं। अन्य ५ विभागों/ स्कूलों को विज्ञान एवं तकनीकी विभाग (भारत सरकार) के डी. एस. टी. - कार्यक्रम एफ. आई. एस. टी. तथा ०२ डी. एस. टी.-पी. यू. आर. एस. ई. के अन्तर्गत वित्तीय अनुदान मिल रहा है। शहर में अवस्थित चार महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्रदान की गयी है। विश्वविद्यालय तीन विद्यालयों का भी संचालन करता है, इसके अतिरिक्त एक केन्द्रीय विद्यालय भी परिसर में अवस्थित है। इनके अलावा मुख्य परिसर से ७५ किलोमीटर दूर मिर्जापुर जिले के बरकछा नामक स्थान पर १०९२.६ हेक्टेयर (२७०० एकड़) भूमि के विस्तृत परिसर में सन् २००६ में राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर की भी स्थापना की गई है।

उत्कृष्टता का प्रतीक

इंडिया टुडे (३१ मई, २०१०) में प्रकाशित इंडिया टुडे-नील्सन सर्वेक्षण के अनुसार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को भारतीय विश्वविद्यालयों में प्रथम श्रेणी प्राप्त हुआ है। यह महत्वपूर्ण सर्वेक्षण प्रसिद्धि, शैक्षणिक गुणवत्ता, संकाय गुणवत्ता, शोध प्रकाशन/रिपोर्ट/परियोजना, बुनियादी संरचना एवं रोजगार अवसरों जैसे छ: विशिष्ट मानकों के विश्लेषण पर आधारित था। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता के आयाम में सुधार करने के लिए निरंतर प्रयास किये गये हैं। सत्र २००९-१० के दौरान प्रतिष्ठित पत्रिका *करेंट साइंस* में प्रकाशित दस वर्षीय सर्वेक्षण में सूचकांक जर्नलों में अधिकतम शोध-पत्रों के प्रकाशन के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को सर्वोच्च २५ भारतीय विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर रखा गया है। इंडिया टुडे के (जून २०१३) में प्रकाशित इंडिया टुडे-नील्सन के द्वारा कराये गये सर्वेक्षण के अनुसार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय भारत के पाँच शीर्ष विश्वविद्यालयों में स्थान रखता है। अन्य एजेंसियों ने भी इस विश्वविद्यालय एवं इसके विभिन्न संकायों/विभागों को समान प्रकार की श्रेणी दी है।

कृषि विज्ञान संस्थान

समग्र कृषि और संबद्ध विज्ञान के सतत् और समान विकास के उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध, मानव संसाधन विकास, अध्यापन, अनुसंधान एवं विस्तार के एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से स्वतंत्रता, सुरक्षा और समृद्धि के द्वारा मानव संसाधन का विकास करना ज्ञान निर्माण कारक उपयोग दक्षता, फसलों / सब्जियों / फलों / पशुओं / मुर्गी / मछली में उत्पादन, गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन सुधार, आजीविका सुरक्षा में सुधार और भुखमरी मुक्त समाज के सपने को साकार करने की दिशा में संस्थान ने सतत् २०१२-१३ में उपलब्ध संसाधनों एवं विशेषज्ञताओं के सहयोग से शिक्षा (खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों सहित) और अनुसंधान (प्रसार गतिविधियों सहित) के क्षेत्र में उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

आई.आई.टी. (बी.एच.यू.)

कृषि विज्ञान संस्थान

चिकित्सा विज्ञान संस्थान

सर सुन्दरलाल चिकित्सालय

ब्रोचा छात्रावास

चिकित्सा विज्ञान संस्थान एवं चिकित्सालय

विश्वविद्यालय द्वारा उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं झारखण्ड आदि राज्यों से आने वाले गरीबों को १२०० बिस्तर की क्षमता वाले सर सुन्दरलाल चिकित्सालय द्वारा सस्ती चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत १५० करोड़ रुपये की लागत से ट्रॉमा सेन्टर का निर्माण किया गया है तथा जिसके द्वारा बड़े पैमाने पर प्रसार, शोध एवम् अध्ययन-अध्यापन कार्यक्रमों का विस्तार होगा।

पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने वर्ष २०१० में एक राष्ट्रस्तरीय पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान स्थापित किया तथा २०११ में शैक्षणिक पदों पर नियुक्तियां हुई। संस्थान का उद्देश्य संपोष्य विकास के बारे में शिक्षा एवं संपोष्य विकास हेतु शिक्षा को शामिल करना है। संस्थान का लक्ष्य ऐसा शिक्षण, शोध व विस्तार कार्य करना है जिससे भविष्योन्मुख भारत का संपोष्य विकास हो तथा निर्धनता मिटे और देश के प्राकृतिक संसाधनों का कुशल व समुचित प्रबंधन बरकरार रहे।

एशिया का सबसे बड़ा आवासीय विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों में संपूर्ण भारत एवं विश्व के ५४ देशों से ३१,००० छात्र एवं छात्राएँ अध्ययनरत हैं। विभिन्न विषयों के लगभग १४,००० अन्त:वासी छात्र-छात्राओं के लिए इन्टरनेट सहित सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त ७० छात्रावास उपलब्ध है। १४०० कर्मचारी आवास एवं ७ अतिथि गृह भी हैं।

एन.सी.सी.कैडेट्स के लिए फ्लाइंग प्रशिक्षण

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसके पास अपना हवाई पट्टी एवं तीन हेलीपैड हैं। इनका उपयोग एन.सी.सी. कैडेट्स के प्रशिक्षण के लिए किया जाता है।

पुस्तकालय

का.हि.वि.वि. के केन्द्रीय पुस्तकालय प्रणाली में १३,००० ऑनलाइन शोध पत्रिकाओं, ५०,००० ई-पुस्तकों, डिजिटलाइज़्ड पाण्डुलिपियों सहित १५ लाख पुस्तकों का विशाल संग्रह है। यह पुस्तकालय विभागीय, संकायों तथा संस्थानों के पुस्तकालयों की शृंखला का समुच्चय है। इसके अतिरिक्त दिन-रात कार्यरत २०० से अधिक सीटों की एक वातानुकूलित साइबर लाइब्रेरी है। नवीनीकृत वातानुकूलित पत्रिका अध्ययन कक्ष की भी स्थापना की गई है जिसमें ६० व्यक्तिगत कक्ष शोध छात्रों एवं शिक्षकों के लिए उपलब्ध हैं।

पर्यावरण जागरूकता एवम् सौन्दर्यीकरण

- का.हि.वि.वि. परिसर ५७५.७५ एकड़ का प्रक्षेत्र सुन्दर बागीचों एवं हरीतिमा युक्त है।
- ३३.५ कि.मी. का कटिलें बाड़ों का घेरा है।
- संस्थानों, संकायों, मैदानों एवम् आवासीय परिसरों के चारों तरफ १,४२,८०० झाड़ियाँ लगाई गयी हैं।

हवाई पट्टी

साइबर लाइब्रेरी

केन्द्रीय पुस्तकालय

महिला महाविद्यालय

संगणक केन्द्र

- ११ एकड़ की नर्सरी जिसमें ४०,५०० फलदार पौधे, २०,००० वन वृक्ष, १५००० सजावटी पौधे, १५ लाख मौसमी फल के पौधे एवं ५००० अन्य पौधे हैं।

सूचना एवं संचार संरचना

विश्वविद्यालय में १०० किलोमीटर लम्बी फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क है जो समस्त शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवनों तथा छात्रावासों को लोकल एरिया नेटवर्क (LAN) द्वारा संगणक केन्द्र से जोड़ता है एवं उच्च क्षमता की संगणना एवं प्रशिक्षण की सुविधाओं से युक्त है। विश्वविद्यालय को एन.एम.ई.आई.सी.टी. के अंतर्गत नेशनल नॉलेज नेटवर्क के तीन १ जी. बी. पी. एस. नोड् उपलब्ध है।

मन्दिर

परिसर के केन्द्र में भगवान शिव का मन्दिर स्थित है जो 'श्री विश्वनाथ मन्दिर' के नाम से जाना जाता है। सफेद संगमरमर से निर्मित इस मन्दिर का विस्तृत ले-आउट एवं नक्शा स्वयं मालवीय जी की देखरेख में तैयार हुआ था। हरीतिमा युक्त मन्दिर परिसर तथा सुरुचिपूर्ण उद्यान दर्शनार्थियों के नेत्रों को ठंडक तथा मन को शांति प्रदान करता है। मन्दिर के केन्द्र में शिवलिंग तथा दीवारों पर हिन्दू शास्त्रों के श्लोक चित्रों सहित उत्कीर्ण हैं।

भारत कला भवन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय महत्व का संग्रहालय - भारत कला भवन है जिसमें प्राचीन कलात्मक वस्तुओं का अद्भुत संग्रह उपलब्ध है। भारत कला भवन में १३ कला वीथिकाएँ हैं जिनमें एक लाख से अधिक दुर्लभ कला वस्तुओं तथा दुर्लभ मूर्तियाँ, मिनिएचर पेन्टिंग्स, राजस्थान, मुगल एवम् पहाड़ी पेन्टिंग, सिक्के, गहनें, रत्न आदि सहित ऐतिहासिक महत्व की साहित्यिक वीथिका में प्रसिद्ध लेखकों की हस्तलिखित कृतियाँ संग्रहीत हैं। यहाँ दुर्लभ पुस्तकों का एक पुस्तकालय भी है।

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने मिर्जापुर जिले के बरकछा में अपने दक्षिणी परिसर का विस्तार किया है। समाज के कमजोर वर्गों एवं जनजातियों के युवकों एवं युवतियों के लिए विशेषत: स्थापित इस शिक्षा केन्द्र का विकास शिक्षण, प्रशिक्षण एवम् उद्यमशीलता के लिए किया जा रहा है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य इस पिछड़े क्षेत्र के निवासियों के लिए जीवनभर के लिए उपयुक्त शैक्षणिक सुविधाओं तथा नवीन अनुसंधान से लाभान्वित होने का अवसर उपलब्ध कराना है।

ब्राण्ड का.हि.वि.

भारत का यह ऐसा पहला केन्द्रीय विश्वविद्यालय है जिसने 'ग्राफिक आइडेन्टिटी कार्यक्रम' को लागू किया है। इसके अन्तर्गत सील, लोगो, द्विभाषी लोगोटाइप्स, टैगलाइन, कलर आइडेंटिटी के अतिरिक्त कार्यालयीय उपयोग की स्टेशनरी एवं साइनेज़ सिस्टम का मानकीकरण डिज़ाइन स्टूडियो, सोविनियर शॉप, इलेक्ट्रॉनिक, वेब एवं सोशल मीडिया की सहायता से किया जा रहा है।

श्री विश्वनाथ मंदिर

भारत कला भवन

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय BANARAS HINDU UNIVERSITY

Bilingual Logotype with Seal

बीएचयू

सर्वविद्या की राजधानी

Logo with Tagline

शोध एवं शिक्षण

का.हि.वि.वि. ने गुणवत्तापूर्ण शोध व अध्यापन को प्रोत्साहित किया है। इसमें कुछ मील के पत्थर निम्नलिखित हैं:

- यू.जी.सी. द्वारा 'पोटेंशियल फॉर एक्सलेंस' की मान्यता ।
- परिसर स्थित 'भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, आई.आई.टी. (बी.एच.यू.) की स्थापना।
- दक्षिणी परिसर में पशु चिकित्सा विज्ञान संकाय की स्थापना हेतु विद्वत्/ कार्यकारिणी परिषदों की स्वीकृति।
- डी.बी.टी. (भारत सरकार) की सहायता से सेंटर फॉर फूड साइंस एवं टेक्नोलॉजी द्वारा स्नातक/ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन।
- डी. एस. टी. समर्थित अन्तर्वैषयिक सेंटर फॉर मैथेमेटिकल साइन्सेस।
- डी.बी.टी. समर्थित सेंटर फॉर जेनेटिक डिसआर्डर।
- डी.बी.टी. समर्थित अन्तर्वैषयिक जीव विज्ञान स्कूल।
- पी.एम.एस.एस.वाई. द्वारा ट्रॉमा सेंटर की स्थापना।
- यू.एस.ए.आई.डी.कार्यक्रम के अन्तर्गत कृषि विज्ञान संस्थान तथा अमरीकी विश्वविद्यालयों - कारनैल, जॉर्जिया, ओहियो, यू. सी. डेविस, टस्किजी, बफैलो, परदू तथा इलिनायस् के मध्य नवप्रवर्तन सहभागिता/भागीदारी।
- फैकल्टी ऑफ डेंटल साइन्स।
- आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली द्वारा कृषि शिक्षा का सशक्तिकरण एवं विकास।
- आई.सी.ए.आर., नई दिल्ली द्वारा कृषि विज्ञान संस्थान में बायो कन्ट्रोल, टीशू कल्चर, फिशरीज़ एवं उच्च तकनीक संपन्न प्रयोगशालाओं के जरिए प्रयोग आधारित शिक्षण।
- भौतिकी विभाग के लिए टैन्डेट्रान एक्सेलेरेटर की मंजूरी।
- इसरो द्वारा का.हि.वि.वि. में स्पेस साइंस एवं शोधकार्यों का सशक्तिकरण।
- आई.सी.ए.आर. द्वारा केन्द्रीय सुविधाओं के अन्तर्गत कृषि विज्ञान संस्थान में सीड/अध:संरचनीय सुविधाएँ।
- संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सेंटर फॉर ह्यूमन वैल्यूज़ एण्ड एथिक्स एवम् सेंटर फॉर इण्टर कल्चरल स्टडीज़ की स्थापना के लिए सहयोग।
- संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तर-सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र का स्थापना हेतु सहयोग।
- विशिष्ट भोजपुरी अध्ययन केन्द्र एवं लोक कला संग्रहालय।

का.हि.वि.वि. में अन्तर राष्ट्रीय पीठ

- यूनेस्को शान्ति एवं अन्तर्सांस्कृतिक सहमति पीठ
- नेपाल पीठ
- प्रस्तावित यूनिसेफ बाल अधिकार पीठ

भावी योजना

- राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में ट्राइबल एवं जेनोमिक मेडिसीन संस्थान।
- गंभीर संक्रामक बीमारियों पर अनुसंधान के लिए बायोसेफ्टी लेवेल चतुर्थ (बीएसएल-४) सुविधा।
- ट्रांसलेशनल अनुसंधान केन्द्र।
- सेन्टर फॉर बोन मैरो ट्रांसप्लांट एवं स्टेम सेल रिसर्च सेंटर।
- सेंटर फॉर एडवांस्ड फंक्शनल मैटेरियल्स।
- जेनोमिक्स एवं प्रोटियेमिक्स में शोध को बढ़ावा ।
- संगणक केन्द्र, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया सेंटर, डिज़ाईन स्टूडियो, सोफिस्टिकेटेड इन्स्ट्रूमेन्टेशन सेंटर आदि सुविधाओं से युक्त 'अनुसंधान भवन'।
- भारतीय सांस्कृतिक परम्परा के अध्ययन को प्रोत्साहन।
- विश्वस्तरीय सुविधाओं से संपन्न एकीकृत खेलकूद परिसर।
- आवासीय अपार्टमेंट का बहुमंजिला भवन।
- १०,००० की क्षमता का कन्वेन्शन सेन्टर।
- ५०० कमरों की क्षमता का अन्तर्राष्ट्रीय छात्रावास।

पुरातन छात्र

अपने प्रतिष्ठित विद्वानों के माध्यम से विशिष्ट क्षेत्रों में उच्चतम शिक्षा व ज्ञान के प्रसार में योगदान करने के साथ ही सामुदायिक मूल्यों का पुनर्स्थापन एवं सतत् प्रवाह इस बात का प्रमाण है कि यहाँ से ज्ञान प्राप्त विशिष्ट व्यक्तियों की एक लम्बी शृंखला सम्पूर्ण विश्व में विभिन्न व्यावसायिक संगठनों के प्रमुख पदों पर आसीन हैं।

हमारे कुलपति

यहाँ के यशस्वी कुलपतियों में महामना मालवीयजी, सर सुन्दरलाल, डॉ.एस. राधाकृष्णन् एवं आचार्य नरेन्द्र देव जैसे महापुरुष रहे, जिन्होंने इस महान विश्वविद्यालय का नेतृत्व किया।

- सर सुन्दर लाल (०१.०४.१९१६ - १३.१२.१९१८)
- डॉ. पी.एस. शिवस्वामी अय्यर (१३.०४.१९१८ - ०८.०५.१९१९)
- पंडित मदन मोहन मालवीय (२९.११.१९१९ - ०६.०९.१९३८)
- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् (१७.०९.१९३९ - १६.०१.१९४८)
- डॉ. अमर नाथ झा (२७.०२.१९४८ - ०५.१२.१९४८)
- पंडित गोविन्द मालवीय (०६.१२.१९४८ - २१.११.१९५१)
- आचार्य नरेन्द्र देव (०६.१२.१९५१ - ३१.०५.१९५४)
- डॉ. सी.पी. रामास्वामी अय्यर (०१.०७.१९५४ - ०२.०७.१९५६)
- डॉ. वी.एस.झा (०३.०७.१९५६ - १६.०४.१९६०)
- जस्टिस एन. एच. भगवती (१६.०४.१९६० - १५.०४.१९६६)
- डॉ. त्रिगुण सेन (०९.१०.१९६६ - १५.०३.१९६७)
- डॉ. ए.सी. जोशी (०१.०९.१९६७ - ३१.०७.१९६९)
- डॉ. के. एल. श्रीमाली (०१.११.१९६९ - ३१.०१.१९७७)
- डॉ. मोती लाल धर (०२.०२.१९७७-१५.१२.१९७७)
- डॉ. हरि नारायण (१५.०५.१९७८-१४.०५.१९८१)
- प्रो. इकबाल नारायण (१९.१०.१९८१ - २९.०४.१९८५)
- डॉ. आर. पी. रस्तोगी (३०.४.१९८५-२९.४.१९९१)
- प्रो. सी. एस. झा (०१.०५.१९९१ - १४.०६.१९९३)
- प्रो. डी. एन. मिश्रा (०८.०२.१९९४ - २७.०६.१९९५)
- डॉ. हरि गौतम (०२.०८.१९९५ - २५.०८.१९९८)
- प्रो. वाई. सी. सिम्हाद्रि (३१.०८.१९९८ - २०.०२.२००२)
- प्रो. पटचा रामचन्द्र राव (२०.०२.२००२ - १९.०२.२००५)
- डॉ. पंजाब सिंह (०३.०५.२००५ - ०७.०५.२००८)
- प्रो. डी. पी. सिंह (०८.०५.२००८ - २१.०८.२०११)
- डॉ. लालजी सिंह (२२.०८.२०११ - २२.०८.२०१४)
- प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी (२७.११.२०१४-२६.११.२०१७)
- डॉ. नीरज त्रिपाठी (२७.११.२०१७-२८.०३.२०१८)
- प्रो. राकेश भटनागर (२८.०३.२०१८-)

दीक्षान्त सम्बोधन

८८वां दीक्षान्त समारोह : २००६;
भारत के राष्ट्रपति, महामहिम
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

८९वां दीक्षान्त समारोह : २००७;
भारत के उपराष्ट्रपति, महामहिम
डॉ. श्री भैरो सिंह शेखावत

९०वां दीक्षान्त समारोह : २००८;
माननीय भारत के प्रधानमंत्री,
डॉ. मनमोहन सिंह

९१वां दीक्षान्त समारोह : २००९;
भारत की राष्ट्रपति, महीयसी
श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल

९२वां दीक्षान्त समारोह : २०१०;
भारत के उपराष्ट्रपति, महामहिम
श्री हामिद अंसारी

९३वां दीक्षान्त समारोह : २०११;
माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री
श्री कपिल सिब्बल

९४वां दीक्षान्त समारोह : २०१२;
माननीय लोक सभा स्पीकर
श्रीमती मीरा कुमार

विशेष दीक्षान्त समारोह
२५ दिसम्बर २०१२
भारत के राष्ट्रपति
महामहिम श्री प्रणब मुखर्जी

९५वां दीक्षान्त समारोह : २०१३;
कुलाधिपति, का.हि.वि.वि.
डॉ. कर्ण सिंह

९६वां दीक्षान्त समारोह : २०१४;
पद्म विभूषण
प्रो. जयन्त विष्णु नार्लिकर

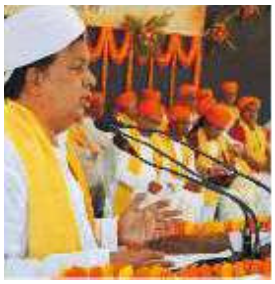

९७वां दीक्षान्त समारोह : २०१५;
पद्म विभूषण
डॉ. जी. माधवन नायर

९८वां दीक्षान्त समारोह : २०१६;
भारत के प्रधानमंत्री
माननीय श्री नरेन्द्र दामोदार दास मोदी

९९वां दीक्षान्त समारोह : २०१७;
भारत रत्न
प्रो. सी.एन.आर. राव

१००वां दीक्षान्त समारोह : २०१८;
पद्म विभूषण
डॉ. रघुनाथ अनन्त माशेलकर

प्रशासन

विश्वविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था मुख्य रूप से कार्यकारिणी परिषद् एवं विद्वत् परिषद् द्वारा संचालित की जाती है। इस उच्च अधिकारयुक्त मण्डल में सत्र २०१८-१९ के सदस्यों के नाम परिशिष्ट-१ में वर्णित हैं। वर्तमान आंकलन अवधि (२०१८-१९) के अन्तर्गत निम्नलिखित महानुभाव विश्वविद्यालय के वैधानिक अधिकारियों के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं :

कुलपति
प्रो. राकेश भटनागर

कुलसचिव
डॉ. नीरज त्रिपाठी

वित्ताधिकारी
डॉ. एस.बी. पटेल

परीक्षा नियंता
श्री मनोज पाण्डेय

छात्र अधिष्ठाता
प्रो. महेन्द्र कुमार सिंह

मुख्य कुलानुशासक
प्रो. रॉयना सिंह

पुस्तकालयाध्यक्ष
प्रो. एच.एन. प्रसाद (प्रोफेसर इंचार्ज)

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद बैठक

१.२. शैक्षणिक सत्र २०१८-१९ की प्रमुख उपलब्धियाँ

उक्त अवधि के दौरान अनेक महत्वपूर्ण शैक्षणिक एवं विकासपरक कार्यक्रम पूरे किए गए और नई पहलें की गईं। वर्तमान वर्ष के दौरान की मुख्य उपलब्धियां व पहलें नीचे दी जा रही हैं-

प्रवेश

नया शैक्षणिक सत्र गुरूवार, २८-जून, २०१८ को प्रारम्भ हुआ और विभिन्न स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में १२,२३० नये विद्यार्थी (७५१९ पुरुष, ४७११ महिला) पंजीकृत हुये। विभिन्न स्नातक/स्नातकोत्तर/पीएच.डी. पाठ्यक्रमों में पंजीकृत हुए पुरूष व महिला विद्यार्थियों का संकायवार विवरण अध्याय-४.१ में दिया जा रहा है। उक्त अवधि के दौरान १६९ नये विदेशी विद्यार्थियों (१०२ पुरुष, ६७ महिला) ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया। इन विद्यार्थियों का देशवार का विवरण अध्याय ४.१ में दिया जा रहा है।

समीक्षाधीन वर्तमान वर्ष के दौरान ५८८५ स्नातकों, ४४०६ परास्नातकों एवं ०६ एम.फिल. शोधार्थियों ने अपनी-अपनी उपाधियाँ प्राप्त की और १२३९ शोधार्थियों को पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। उपाधि प्राप्तकर्ताओं का संकाय व पाठ्यक्रम विवरण अध्याय ४ में दिया गया है।

शैक्षणिक योगदान

उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक परिवेश को प्रोत्साहित करने में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य अग्रणी रहे हैं। वर्ष २०१८-१९ की अवधि के दौरान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से ३०६९ से अधिक प्रकाशन (विवरण अनुलग्नक-२ में दिया गया है) निर्गत हुए हैं जिनमें २५२२ शोध पत्र (अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में १५०४ तथा राष्ट्रीय जर्नल्स में १०१८) शामिल हैं।

सम्मान/पुरस्कार/मान्यता

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शैक्षणिक योगदान को विभिन्न रूपों में मान्यता मिली है (अध्याय-७ में सूचीबद्ध)। अनेक शिक्षक विभिन्न प्रतिष्ठित अकादमियों (यथा-इंडियन अकेडेमी ऑफ साइंस, नेशनल अकादमी ऑफ साइंस, नेशनल अकेडेमी ऑफ मेडिकल साइंस) के अध्येता चुने गए हैं। विदेशों में (उदाहरणार्थ-अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ड, अध्येत्तावृत्ति, जर्मनी; आईएनएसए-डीएफजी अध्येतावृत्ति) उन्नत शोध के लिए कई शिक्षकों को अध्येतावृत्ति तथा एशोसिएटशिप प्रदान की गई है। व्यावसायिक संगठनों में पदाधिकारी, अध्यक्षता/विद्वत निकायों एवं सम्मेलनों की अध्यक्षता, राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय समितियों, पत्रिकाओं का संपादकत्व इत्यादि अन्य मान्यताओं में शामिल हैं।

शोध परियोजनाएं

वर्ष के दौरान कुल रू.३५८२ लाख से अधिक अनुदान की १३१ नई शोध परियोजनाएं मंजूर की गई। साथ ही, ३५९ चालू परियोजनाएं (कुल अनुदान रु.१५७४० लाख से अधिक) जारी रहीं। देश की प्रमुख निधियम एजेंन्सियों ने बीएचयू को शोध में सहयोग प्रदान किया। शोध परियोजनाओं का विस्तृत विवरण अनुलग्नक-३ में दिया गया है।

वर्ष २०१८-१९ की अवधि में शिक्षकों का शैक्षणिक योगदान

शोध पत्र			लेख		पुस्तकें			मोनोग्राफ्स	७
राष्ट्रीय	१०१८		राष्ट्रीय	१९३	राष्ट्रीय	८५		मैनुअल्स	८
अन्तर्राष्ट्रीय	१५०४		अन्तर्राष्ट्रीय	८२	अन्तर्राष्ट्रीय	६३		लीफलेट्स/अन्य	१०९
योग	**२५२२**		**योग**	**२७५**	**योग**	**१४८**		**योग**	**१२४**

विभिन्न अभिकरणों द्वारा वित्तपोषित शोध परियोजनाओं की सूची
सत्र २०१८-१९ में स्वीकृत नई शोध परियोजनाएँ

	नवीन परियोजनाएं		पूर्व से संचालित परियोजनाएं	
संस्थान/संकाय/विभाग का नाम	**संख्या**	**स्वीकृत धनराशि (लाख रू.)**	**संख्या**	**स्वीकृत धनराशि (लाख रू.)**
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	२०	१६५.६७	३२	२६४.८८
अतंर विश्वविद्यालय त्वरण केन्द्र	-	-	०१	.७५
अनाज अनुसंधान एवं विकास निगम	-	-	०१	८.३२
जैव प्रौद्योगिकी विभाग	१७	५७३.१५	३२	१५३१.२५
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग	५५	२१६०.४६	१३७	८६७९.६३
जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान संस्थान,	०४	५०.९१	१२	१८८.१७

विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्	-	-	१२	१८१.८०
क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, वेल्लोर	-	-	०१	८.०१
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्	०४	४८.१०	१३	२१३.८९
भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली	०४	५.३७	०४	२८.३७
परमाणु उर्जा विभाग	०५	१५.५५	०५	१८३.७३
रक्षा मंत्रालय	-	-	०३	९९.४५
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय	०३	५३.२६	०५	१०६.८९
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्	०९	५९.२६	-	-
विदेशी अभिकरण वित्त पोषण एजेंसी	०२	४०.०१	-	-
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्	०४	२३१.०१	१५	५९८.४०
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी	-	-	०९	५२.८५
धनुका एग्रीटेक लिमिटेड	-	-	१	८.०३
विदेशी अभिकरण	-	-	०५	७७.३५
सहयोग परियोजना, स्ट्रैसा	-	-	०३	६.३०
संस्कृति मंत्रालय	-	-	०१	१०७.००
भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन	-	-	०४	१०४.२६
विश्व स्वास्थ्य संगठन	-	-	०३	३९३.६३
आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी.(एक्सलेरेटर प्रोग्राम ग्री-टेक स्टार्ट-अप)	-	-	०२	३५.३०
बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउडेंशन, यू.एस.ए.	-	-	०१	३१९.१२
जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहयोग परिषद्, नई दिल्ली	-	-	०१	१५.३०
जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालय पर्यावरण एवं संधारणीय विकास संस्थान	-	-	०१	१४.१५
उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड	-	-	०१	२४.०३
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय	-	-	०१	४१.२७
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी	०१	२.३४	०२	६.६०
अन्तरराष्ट्रीय मक्का और गेहूं उन्नयन केंद्र सहयोगी परियोजना, हैदराबाद	-	-	०३	१२.६१
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान	-	-	०१	२.००
मानव और परिवार स्वास्थ्य कल्याण सोसाइटी मंत्रालय, नई दिल्ली	०२	१७२.८०	-	-
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्	-	-	१७	१२४.२६
आई.आई.टी., दिल्ली	-	-	०१	१.७५
इंडोफिल उद्योग	-	-	०१	३.९०
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, बेलगम	-	-	०१	३.०७
राष्ट्रीय स्वाथ्य मिशन	-	-	०१	१.५०
राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, ब्लूमवर्ग	-	-	०१	१०.१४
स्ट्रेस टोलरेंट राइस फॉर अफ्रीका एंड साउथ एशिया	-	-	०१	५.०
संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, (यूनिसेफ)	-	-	०१	६.२५
कृषि अनुसंधान परिषद् (उत्तर प्रदेश)	-	-	०१	४.६२
केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान, लखनऊ	-	-	०१	२७.७४
कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका	-	-	०१	९.४२
कोरोनमोन्डाल, अन्तर्राष्ट्रीय लिमिटेड, सिकन्दराबाद	-	-	०१	२.०४

ग्वर्नेंस वित्तीय सेवा आयोग	-	-	०१	१२.९८
रक्षा मंत्रालय एवं विकास संगठन	-	-	०१	१०.२६
वित्त आयोग, नई दिल्ली	-	-	०१	२.४३
डर्मोटोलॉजी, वेनेरोलॉजी और लेप्रौलॉजी के भारतीय संघ	०१	४.५	-	-
भारतीय संघ जनसंख्या के अध्ययन के लिए	-	-	०१	३.९५
मानव संसाधन विकास मंत्रालय	-	-	०१	.४०
जल संसाधन विकास मंत्रालय	-	-	०१	४०.१७
वित्त मंत्रालय	-	-	०१	९.५०
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय	-	-	०१	२.३४
ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय केन्द्र	-	-	०१	१७.२०
शिक्षा अनुसंधान प्रशिक्षण की राष्ट्रीय परिषद्	-	-	०१	३.९१
राष्ट्रीय मिशन स्वच्छ गंगा	-	-	०१	६३.०७
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय	-	-	०१	२०.६
तेल और प्राकृतिक गैस निगम	-	-	०१	१५.६८
जनसंख्या और स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान	-	-	०१	३.६०
चिकित्सक अनुसंधान महासंघ,एपीआई	-	-	०१	.६५
राष्ट्रीय कृषि विकास योजना	-	-	०१	२०००.००
निवास जीवन समन्वयक	-	-	०१	१०.७७
संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और संगठन	-	-	०१	४.००
यूपी.एस.ए.एल.	-	-	०१	५.५१
योग	**१३१**	**३५८२.३९**	**३५९**	**१५७४०.०५**

सम्मेलन

विभिन्न विषय क्षेत्रों में हुए विकास का मूल्यांकन करने तथा शैक्षणिक विचार-विमर्श हेतु अवसर उपलब्ध करने के लिए बहुत से विभागों/संकायों में शैक्षणिक समागम आयोजित किया गया जिसमें काफी संकाय में बाहरी प्रतिभागी शामिल हुए। कुल मिलाकर सन् २०१८-१९ के दौरान बीएचयू में १३७ सम्मेलन आयोजित किए गए (विस्तृत विवरण में अनुलग्नक -४ में दिया गया है)।

देश एवं विदेशों में आयोजित संगोष्ठियों/सेमिनारों/कार्यशालाओं इत्यादि में बीएचयू के शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की। वर्ष २०१८-१९ के दौरान विभिन्न सम्मेलनों में भाग लेने के लिए शिक्षकों को प्रतिनियुक्त किया गया जिनमें से १०० विदेश हेतु तथा ८७ भारत के लिए प्रतिनियुक्त किए गए थे। बाहरी देशों में जो प्रतिनियुक्ति की गई थी वे हैं – यूएसए, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, चीन, यूके, जापान, भूटान, आस्ट्रेलिया तथा जर्मनी इत्यादि (विवरण अनुलग्नक -५ में दिया गया है)।

शैक्षणिक सत्र २०१८-१९ से प्रारम्भ होने वाले नये पाठ्यक्रम

- पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर : पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान/ पारिस्थितिक विज्ञान/ पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी
- व्यावसायिक अर्थशास्त्र और प्रबंधन में स्नातकोत्तर
- बैचलर ऑफ वोकेशन (फैशन डिजाइनिंग एंड इवेंट मैनेजमेंट)
- बैचलर ऑफ वोकेशन (आधुनिक कार्यालय प्रबंधन)
- मास्टर ऑफ वोकेशन (मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी)
- भारतीय दर्शन और धर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
- बाल पंचकर्म में तकनीकी सहायक में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (पूर्णकालिक)

दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय के १०० वें दीक्षांत समारोह के भाग के रूप में विभिन्न संस्थानों/संकायों का दीक्षांत समारोह २२.११.२०१८ को आयोजित हुआ। प्रो. रघुनाथ अनंत माशेलकर, माननीय राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसर और अध्यक्ष, ग्लोबल रिसर्च एलायंस ने मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो राकेश भटनागर ने की। इस अवसर पर पं.राजन मिश्रा और पं. साजन मिश्रा को डी.लिट. की मानद उपाधि प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय की श्रेणी (रैंकिंग)

राष्ट्रीय संस्थागत श्रेणी ढांचा (एन.आई.आर.एफ.), भारत सरकार, मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को वर्तमान वर्ष में विश्वविद्यालयों में तृतीय तथा समग्र रूप से ९वीं श्रेणी प्रदान किया है।

विद्यार्थी केन्द्रित पहल

- **रोजगार परामर्श योजना:** विश्वविद्यालय ने एक रोजगार परामर्श योजना शुरू की है जिससे विद्यार्थियों को अपने लिए उचित रोजगार के चयन में मार्गदर्शन मिलेगा। पूर्णकालिक दो परामर्शदाता रखे गये

१००वाँ दीक्षांत समारोह काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

हैं जो छात्रावासों का दौरा करते हैं, विद्यार्थियों से मिलते हैं, उनसे बातचीत करते हैं और उनकी क्षमताओं का पता लगाकर, उन्हें नियमित परामर्श देते हैं। इस पहल के अन्तर्गत संकल्प जैसे प्रतिष्ठित संस्थाओं के विद्वानों की वार्ताएं एवं व्याख्यान भी आयोजित किए गए। विद्यार्थियों हेतु रोजगार की सम्भावनाएं बढ़ाने के लिए अंग्रेजी बोलने तथा साक्षात्कार कौशल का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

- **कॅरियर डेवलपमेंट सेन्टर की स्थापना:** विश्वविद्यालय में इस केन्द्र की स्थापना छात्रों के भावी जीवन की सम्भावनाओं को बेहतर बनाने एवं उनके सम्पूर्ण व्यक्तिव विकास को गतिशील बनाने हेतु की गई है। स्किल डेवलपमेंन्ट सेन्टर की स्थापना अधिसूचना सं.आर/जीएडी/स्किल डेवलेपमेंन्ट सेन्टर/४२१८१ दिनांक १९.०१.२०१६ के द्वारा की गई है। तदोपरान्त इसका नाम बदल कॅरियर डेवलपमेंट सेन्टर कर दिया गया। कॅरियर डेवलपमेंट सेन्टर विश्वविद्यालय के हॉबी सेन्टर में स्थित है। इस सेन्टर ने प्रतिवेदन अवधि के दौरान १६१ व्यक्तित्व विकास सत्र, ८२ एन्ड्रोयड एप्लीकेशन डेवलपमेंट सत्र, ८६ बेसिक कम्प्यूटर, ४८ सी प्रोग्रामिंग सत्र, ३८ बेबसाइट मेकिंग सत्र, ८ क्लिनिंग ड्राइवर, ७ अभिवृत्ति सत्र, साप्ताहिक गीता, दैनिक योग सत्र, ४ उद्यमिता सत्र, १० इंग्लिश स्पोकेन सत्र, आई.आर.डी.एम. परास्नातक छात्रों के लिए सामूहिक चर्चा पर एक कार्यशाला, लोक प्रशासन परास्नातक छात्रों के मॉक साक्षात्कार एवं विश्वविद्यालय के छात्रों को यू.पी.एस.सी. की तैयारी हेतु १५ सत्रों का आयोजन किया। कैरियर डेवलपमेंट सेंटर की प्रमुख उपलब्धियों में छात्रों के मामलों, कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श, व्यक्तित्व विकास सत्र, प्लेसमेंट पूर्व वार्ता, कैरियर ड्रॉप-इन एडवाइजिंग, कैरियर संबंधी गतिविधियों पर व्याख्यान, स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इंटर्नशिप २०१८, छात्रों के बीच आत्महत्या की प्रवृत्ति की पहचान पर कार्यशाला, नवीन संकायों हेतु संकाय अधिष्ठापन कार्यक्रम में व्याख्यान, कैरियर मार्गदर्शन और महिला महाविद्यालय के स्नातक की छात्राओं के साथ वार्ता सत्र, कैरियर परामर्श योजना की तैयारी और मॉड्यूल की तैयारी शामिल है। उपरोक्त के अतिरिक्त कैरियर डेवलपमेन्ट सेन्टर ७ नवम्बर, २०१६ से समर्थ ग्राम अभियान में सक्रिय रूप से शामिल था जिसकी प्रमुख उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं:
- ६ ट्रिप में ३२ गाँवों का भ्रमण किया।
- जैविक कृषि सम्मेलन
- मधुपुर और मुरादेव में दंत चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर और वृक्षारोपण
- तारापुर और नरोत्तमपुर में महिला स्वास्थ्य शिविर और वृक्षारोपण
- सामने घाट, वाराणसी में पशु चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर
- **स्थापना दिवस पर झाँकी निकालने की परम्परा का पुन: प्रवर्तन:** विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर २४ जनवरी २०१५ को बसंत पंचमी के दिन लगभग ३ दशकों के बाद विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों इकाईयों द्वारा झाँकी निकालने की उल्लेखनीय परम्परा पुन: शुरू की गई। संकायों द्वारा इसमें पूरे जोश के साथ

सहयोगिता की गई। इस पहल से विद्यार्थी ज्ञान व कला की देवी की आराधना करने के लिए तथा अपने संरचनात्मक विचारों से बीएचयू के स्थापना दिवस का उत्सव मनाने हेतु काफी प्रेरित हुए। विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई झाँकी के माध्यम से प्राचीन व आधुनिक भारत के गौरवशाली इतिहास तथा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की कई घटनाओं को प्रस्तुत किया गया था।

- महिला विद्यार्थियों हेतु महिला संवेदीकरण, एन्टी रैगिंग इत्यादि जैसे सामाजिक मुद्दों पर भी मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रकोष्ठ के गठन द्वारा कई पहलें की गई हैं और परामर्शदाताओं तथा एन्टी-रैगिंग दस्ता के अन्य सदस्यों को भी इसमें सक्रिय सहभागिता दी गई है जिससे रैगिंग की घटनाएं न्यूनतम हों।
- खाली समय में विद्यार्थी खेल-कूद में लगे रहें इसके लिए हर छात्रावास में खेल-कूद की सामान्य न्यूनतम सुविधाओं के साथ एक नये तरण ताल का निर्माण किया गया ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके।
- **बीएचयू पर वृत्तचित्र:** विभिन्न संकायों में प्रवेश के समय नये प्रवेशार्थियों को बीएयू का इतिहास, इसका गौरव, इसके पुराछात्र एवं अपने क्षेत्र के अग्रणी शिक्षकों तथा विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का चित्रण करने वाला एक वृत्त चित्र दिखाया गया जिससे कि नवप्रवेशार्थी अपने संकायों में प्रवेश से पूर्व विश्वविद्यालय से परिचित हो सके।
- **गीता प्रवचन:** गीता समिति के पुनर्गठन के साथ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की एक अनन्य विशेषता विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों हेतु आयोजित किए जाने वाले गीता प्रवचन की पुन: शुरूआत की गई है। इससे हमारे धर्मग्रंथों के जीवन्त दार्शनिक व आध्यात्मिक विचार विमर्श की संस्कृति सुदृढ़ हुई है। शताब्दी समारोह के हिस्से के तौर पर स्वामी श्रीवत्स गोस्वामी द्वारा मालवीय भवन में एक सप्ताह तक चलने वाले गीता व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- कृषि विज्ञान संस्थान, बीएचयू में ''भारतीय उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ और अवसर'' विषय पर मुख्य अतिथि यूजीसी के अध्यक्ष प्रो.डी.पी.सिंह द्वारा एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

- **साइबर पुस्तकालय अध्ययन केन्द्र:** विद्यार्थियों को इलेक्ट्रानिक संसाधनों का अभीष्ट उपयोग करने तथा स्वाध्याय हेतु प्रेरित करने के लिए एक उच्च क्षमता के साइबर पुस्तकालय अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई है। यह विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को ऑनलाइन इलेक्ट्रानिक संसाधनों (पत्रिकाओं एवं पुस्तकों) तक पहुँच प्रदान करता है। इस केन्द्र में २२० कम्प्यूटर टर्मिनल एवं उच्चगति की इंटरनेट पहुँच सुविधा उपलब्ध है जिसमें एक साथ २०० से अधिक विद्यार्थी बैठ सकते हैं। यह बीएचयू साइबर पुस्तकालय एक इलेक्ट्रानिक पुस्तकालय है जो बेब ऑफ साइंस, ऐनुअल रिव्यू, मैथसाइनेट, साइफाइडर स्कालर तथा कैब एबस्ट्रेक्ट्स नामक पत्रिकाओं और पुस्तकों के पूर्ण पाठ तक पहुँच प्रदान करता है। यह डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इण्डिया, वर्ल्ड डिजिटल लाइब्रेरी, युनिवर्सल डिजिटल लाइब्रेरी तथा प्रोजेक्ट गुटनवर्ग तक भी पहुँच प्रदान करता है। सेज ई-गुक्त, स्प्रिंगर ई-बुक्स, टेलर एण्ड फ्रांसिस, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, इनसाइक्लोपीडिया, ब्रिटानिक, मेडिकल रिसोर्सेज, (ईआरएमईडी) तथा पम्ब, इंजीनियरिंग साइंस रिसोर्सेज, इंस्टीट्यूशन रिपाजिटरीज नामक ई-पुस्तक साइबर पुस्तक में उपलब्ध है। हिन्दी समय, हिन्दी साहित्य दर्पण, हिन्दी कवितायें, कविता कोश, साहित्य शिल्पी, संस्कृत शोध प्रबंध तथा संस्कृत ई-बुक्स जैसे हिन्दी व संस्कृत की सामग्रियाँ इस साइबर पुस्तकालय में अभिगम्य हैं। पुस्तकालय में ''लाइब्रेरी आन मोबाइल'' की भी शुरूआत किया है जहाँ पुस्तक के ई-संसाधन मोबाइल प्रारूप में उपलब्ध कराये गये हैं जिसे इंटरनेट के जरिये स्मार्ट फोन से प्राप्त किया जा सकता है।
- **परामर्श और मार्गदर्शन केंद्र:** इस प्रकोष्ठ की स्थापना मुख्य रूप से बीएचयू के छात्रों, कर्मचारियों और कर्मचारियों के परिवारों की आवश्यकताओं को पूरा करने, विशेषकर कैरियर मार्गदर्शन के क्षेत्र में और साथ ही उनके व्यक्तिगत, मनोवैज्ञानिक, और सामाजिक समस्याओं के लिए समाधान खोजने में उनकी मदद करने के उद्देश्य से किया गया था। केंद्र छात्रों के लिए उनके व्यक्तित्व और सामाजिक कौशल को बढ़ाने के लिए कार्यशालाओं और विशेषज्ञों के लोकप्रिय व्याख्यानों को आयोजित करता है। केंद्र छात्रों को विभिन्न विषयों, पाठ्यक्रमों और शैक्षिक विकल्पों और कैरियर के नियमों के बारे में जानने में मदद करने के लिए कैरियर परामर्श सत्र आयोजित करता है। इस प्रकार, छात्र एक अवगत विकल्प बना सकते हैं, और उक्त कैरियर का मूल्यांकन कर सकते हैं जो कैरियर के निर्णय लेने में जोखिम से बचने में मदद करता है। यह मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ा सकता है और छात्रों को नई दिशा दे सकता है। इसके अलावा, यह प्रकोष्ठ बीएचयू के छात्रों के लिए शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन, मनोवैज्ञानिक परामर्श सेवाएँ और जागरूकता और शिक्षाप्रद प्रक्रियाओं जैसे विभिन्न प्रकार की सेवाएँ प्रदान करता है।

नई सुविधाओं का विकास

- चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू को उन्नत करके एम्स की स्थिति प्रदान कर दी गई। दिनांक ०४.०८.२०१८ को केंद्रीय मानव

संसाधन मंत्री, श्री प्रकाश जावड़ेकर, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, श्री जे.पी. नड्डा, और कुलपति, डॉ. राकेश भटनागर सहित कुछ और मंत्री तथा प्रख्यात गणमान्य लोगों की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।

- **वैदिक विज्ञान केंद्र की स्थापना:** उत्तर प्रदेश सरकार ने कुल रुपये १२१०.३६ लाख की राशि मंजूर की और वैदिक विज्ञान केंद्र की स्थापना और साथ ही उसके भवन निर्माण हेतु अपनी मंजूरी दी जिसे बाद में शैक्षणिक परिषद ने एसीआर संख्या. ७३, दिनांक ०८.०९.२०१८ द्वारा और कार्यकारी परिषद ने इसीआर संख्या. ४५ दिनांक २६.११.२०१८ द्वारा अनुमोदित किया। दिनांक १८.०९.२०१८ को, माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने अटल इन्क्यूबेशन सेंटर का उद्घाटन किया। वैदिक विज्ञान केंद्र और क्षेत्रीय

नेत्र संस्थान की आधारशिला भी उनके द्वारा रखी गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी उपस्थित थे।

- कई नए छात्रावासों का निर्माण किया गया है और अब वे उपयोग के लिए तैयार हैं।
- **केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र की स्थापना:** विश्वविद्यालय एक केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र स्थापित कर रहा है जिसमें एडवांस इंस्ट्रूमेंटेशन, सेंटर फार एडवांस कम्प्यूटिंग, सेन्टर फॉर डिजिटल मीडिया, मेजर रिसर्च इक्यिूपमेंट तथा अन्तरविषयी शोधों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं विद्यमान होंगी। यह भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) समेत विश्वविद्यालय के उन सभी संकाय सदस्यों को जो नवोन्मेषी शोध करना चाहते हैं, के लिए एक केन्द्रीकृत सुविधाएं प्रदान करेंगे। केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र का भवन निर्माण शीघ्र ही पूर्ण होने वाला है।
- **मालवीय विरासत संकुल का निर्माण:** मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र तथा अंतर-सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र (संस्कृति मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से निर्मित हो रहा) का शिलान्यास महामना पं. मदन मोहन मालवीयजी की १५०वीं जयन्ती की स्मृति में २५ दिसम्बर २०१२ को भारत के राष्ट्रपति ने किया। इस भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और इसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री ने किया जो अब उपयोग में है।
- **बोन मैरो ट्रान्सप्लांट एण्ड स्टेम सेल रिसर्च सेंटर की स्थापना:** चिकित्सा विज्ञान संस्थान ट्रामा सेंटर में अपनी तरह का पहला सटेम सेल रिसर्च तथा बोन मैरो ट्रांन्सप्लांटेशन सेंटर स्थापित कर रहा है। इस प्रस्तावित शोध केन्द्र में cGLP तथा cGMP मानकों के अनुरूप चिकित्सीय एवं भौमिक शोध पर मरीजों पर सर्जिकल कार्य एवं अन्य चिकित्सीय उपचार करने के लिए अपेक्षित मूलभूत संरचनाएं एवं संसाधन होंगे। बोन मैरो ट्रान्सप्लांट तथा स्टेम सेल शोध केन्द्र हेतु पूर्णतया सुसज्जित भवन का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है।
- **भारत अध्ययन केन्द्र की स्थापना:** प्राचीन भारतीय ज्ञान एवं आधुनिक ज्ञान के बीच की खाई को पाटने के लिए प्राचीन भारतीय ज्ञान, संस्कृति, साहित्य, संगीत व परम्परा के अध्ययन हेतु भारत अध्ययन केन्द्र स्थापित किया गया है। संबंधित विस्तृत रिपोर्ट तैयार करके विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रस्तुत की गई है। इस केन्द्र की स्थापना हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रु.२५.०० करोड़ की स्वीकृति दी है। केन्द्र के भवन निर्माण का कार्य जोर-शोर से चल रहा है। इस केन्द्र हेतु सेंटेनरी चेयर प्रोफेसर और सेंटेनरी फेलो के लिए पद सृजित किए गए हैं। यूजीसी द्वारा नए नियमित शिक्षण पदों को मंजूरी दे दी गई है।
- **गंगा नदी विकास एवं जन संसाधन प्रबंधन हेतु मालवीय शोध केन्द्र की स्थापना:** नदियाँ तथा जल-बेसिन की समस्याओं के अध्ययन हेतु गंगा नदी विकास एवं जल संसाधन प्रबंधन हेतु मालवीय शोध केन्द्र स्थापित किया गया है। इसके वित्तपोषण हेतु विचारार्थ भारत सरकार को एक प्रस्ताव भी दिया गया है।
- **सौर ऊर्जा का उपयोग:** सौर ऊर्जा प्लांट लगाने और इस क्षेत्र में शोध हेतु हरित ऊर्जा केन्द्र स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय ने भारतीय सौर ऊर्जा निगम लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया है। उम्मीद की जा रही है कि सौर ऊर्जा प्लांट लग जाने से विद्युत उत्पादन के साथ ही विश्वविद्यालय की ऊर्जा जरूरतें भी पूरी हो सकेंगी। सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली उत्पादन के लिए विश्वविद्यालय के भवनों पर रुफ-टॉप पीवी पैनल लगाने का काम चल रहा है।
- **जलवायु परिवर्तन पर महामना उत्कृष्टता** केन्द्र का कार्य चल रहा है।
- **कैंसर अस्पताल की स्थापना:** महामना मालवीय कैंसर अस्पताल तथा अनुसंधान केन्द्र की मंजूरी माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार के द्वारा दे दी गई है। जिसके लिए १५ एकड़ का भू-खण्ड सुन्दर बगिया में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किया गया है।
- **सर सुन्दर लाल अस्पताल की सुविधाओं का उन्नयन:** विश्वविद्यालय का सर सुन्दर लाल अस्पताल जिसकी स्थापना १९२४ में हुई थी, का व्यापक उन्नयन तथा विस्तार आवश्यक है ताकि उत्तर भारत क्षेत्र के वृहद आबादी को निर्विघ्न तथा गुणवत्ता परक स्वाथ्य सेवायें प्रदान की जा सकें। यह प्रस्ताव भारत सरकार के द्वारा मंजूर हो चुका है तथा रु.२०० करोड़ की लागत से सर सुन्दर लाल अस्पताल में एक सुपर स्पेशियलिटी कॉम्पलेक्स की स्वीकृति दी गई है।
- **विश्वविद्यालय गोशाला:** महामनाजी द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय गोशाला का सुधार कार्य किया जा रहा है। गोशाला संबंधी कार्यों के प्राथमिकता वाले क्षेत्र के हिस्से के तौर पर गाय की देशी नस्ल यथा-साहिवाल के संरक्षण व प्रजनन हेतु एक परियोजना शुरू की गई है। इसके अतिरिक्त गोबर गैस उत्पादन के लिए गाय के गोबर के प्रसंस्करण तथा उसके मूत्र के चिकित्सीय उपयोग हेतु शीघ्र अनुसंधान की तैयारी चल रही है।

प्रशासकीय सुधार एवं इ-गवर्नेंस पहल

- पुराने रिकॉर्ड के ज्यादातर हिस्से का डिजिटलाइजेशन का कार्य चल रहा है और कैंपस में वाई-फाई नेटवर्क स्थापित करने से संबंधित काम पूरा हो चुका है।

प्रवेश एवं परीक्षा प्रक्रिया का स्वचालन

प्रवेश में दक्षता और पारदर्शिता लाने के लिए विश्वविद्यालय में आनलाइन प्रवेश कार्यक्रम को विकसित कर लिया गया है। विभिन्न पाठ्यक्रमों व कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रवेश पत्र जारी करना, प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित करना, अभ्यर्थियों द्वारा पाठ्यक्रमों में वरीयता चयन काउंसलिंग, प्रवेश का प्रस्ताव, प्रवेश शुल्क का भुगतान, छात्रावास आवंटन इत्यादित जैसी प्रक्रियाएं ऑनलाइन कर दी गई हैं। अभ्यर्थी बहुविकल्पीय प्रश्नों वाली प्रवेश परीक्षा (उन कुछ पाठ्यक्रमों को छोड़कर जिनमें समूह-चर्चा तक साक्षात्कार अथवा प्रायोगिक परीक्षा जाँच का आवश्यक अंग है) में शामिल होते हैं। उत्तर पत्रक ओएमआर मूल्यांकन आधारित है जिसका मूल्यांकन ओएमआर स्कैनर के माध्यम से किया जाता है। प्रवेश के लिए नामाकंन परीक्षा फार्म भरना तथा प्रवेश पा चुके अभ्यर्थियों की अन्य महत्वपूर्ण नियमित परीक्षा प्रक्रियाएं भी ऑनलाइन कर दी गई हैं। स्वचलन की यह प्रक्रिया अन्य शैक्षणिक प्रशासनिक क्षेत्रों में भी जारी रहेगी।

- **ई-गवर्नेन्स का क्रियान्वयन:** विश्वविद्यालय ने प्रवेश, काउंसिलिंग तथा परीक्षा हेतु एक समर्पित आनलाइन पोर्टल के माध्यम से विद्यार्थियों के जीवन चक्र प्रबंधन का एक बड़ा हिस्सा पहले ही स्वचालित बना दिया है। इसी तरह से भर्त्ती तथा वित्तीय प्रबंधन की प्रशासनीय प्रक्रियाओं को भी आंशिक तौर पर स्वचालित कर दिया गया है। सरसुंदरलाल अस्पताल में पूर्णत: कार्यक्षम अस्पताल सूचक प्रबंधन प्रणाली स्थापित की गई है। ई-खरीद एवं ई-नीलामी भी की जा रही है। प्रभावी आंकड़ा आधारित विश्वविद्यालय की वेबसाइट निर्माणाधीन है। बढ़ते कार्यभार तथा घटते मानव संसाधन के बीच की खाई को पाटने के लिए अन्य महत्वपूर्ण प्रशासकीय प्रक्रियाओं के कम्प्यूटरीकरण का भी खाका तैयार कर लिया गया है। कार्यालयी कामकाज को स्वचालित बनाते समय प्रक्रियागत पुनर्संरचना को भी ध्यान में रखा जा रहा है तथा इसमें दक्षता लाने के लिए तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। विश्वविद्यालय प्रभावी एवं दक्षतापूर्ण प्रबंधन हेतु आधुनिक उपकरणों के उपयोग के लिए सजग एवं सक्रिय प्रयास कर रहा है।
- **संकाय भर्ती हेतु संशोधित प्रक्रिया:** अध्ययन-अध्यापन एवं शोध की गुणवत्ता सुधारने के लिए असाधारण गुणवत्ता सुधार के रूप में आईआईटी एवं आईआईएससी द्वारा अपनायी जाने वाली प्रक्रिया की तर्ज पर नवप्रवर्तनकारी संकाय भर्ती प्रक्रिया क्रियान्वित की गई है। संकाय चयन की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने, शिक्षण में उच्च गुणवत्तायुक्त अभ्यर्थियों को आकर्षित करने हेतु रोलिंग विज्ञापन द्वारा ऑन लाइन चयन प्रक्रिया अपनायी जा रही है। विश्वविद्यालय ने अपनी उस भर्ती प्रक्रिया को विद्वत परिषद् व कार्यकारिणी परिषद् के अनुमोदन से संशोधित कर दिया है जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों के अनुरूप नहीं थी और जिसकी वजह से अतीत में मुकदमेबाजी हुई थी। नये विनियम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों के अनुरूप और पारदर्शी हैं। जिसकी वजह से विश्वविद्यालय में शिक्षकों व कर्मचारियों का निष्पक्ष व निर्बाध चयन हो पा रहा है। मुकदमों या किसी अवांछित शिकायतों से बचने के लिए, विश्वविद्यालय ने यूजीसी के नियमों के अनुसार अपनी भर्ती प्रक्रिया को भी संशोधित किया है। नए नियम यूजीसी के नियमों के अनुरूप हैं, और विश्वविद्यालय के लिए शिक्षकों और कर्मचारियों के निष्पक्ष और सहज चयन के लिए पर्याप्त पारदर्शी हैं। विश्वविद्यालय ने १२६ शिक्षकों, २५ ग्रुप ए अधिकारीऔर ४८३ ग्रुप बी, सी तथा गैर-शिक्षण कर्मियों की पदोन्नति की है।
- **ख्यातिलब्ध शिक्षकों की अल्पकालिक नियुक्ति:** विश्वविद्यालय समय-समय पर नियुक्ति योजना के अंतर्गत संबंधित विभागों की नीति एवं आयोजना समिति की सिफारिश पर विजिटिंग प्रोफेसरों, मानित प्रोफेसरों, विजिटिंग फेलो तथा एक्सटर्नल एडजंक्ट फैकल्टी के तहत ख्यातिलब्ध शिक्षकों व विशेषज्ञों की नियुक्ति करता है। एक्सटर्नल एडजंक्ट फैकल्टी की नियुक्ति योजना को आकर्षक बनाने के लिए इसमें सुधार किया गया है। प्रतिवेदित वर्ष के दौरान उक्त योजना के अंर्तगत नियुक्तियॉं की गईं। विश्वविद्यालय में विद्यमान पूर्व प्रदत्त चेयर्स को पुन: प्रवर्तित करने के प्रयास किए गए हैं विश्वविद्यालय ने भारत अध्ययन केन्द्र के अंतर्गत सेंटेनरी चेयर प्रोफेसर्स के ०५ पद तथा सेंटेनरी विजिटिंग फेलो के १० पदों का भी सृजन किया है।

विस्तारण एवं सुदूर पहुँच

- **समुदाय विकास प्रकोष्ठ:** विश्वविद्यालय ने स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत तथा कौशल विकास जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों समेत आस-पास के गाँवों को निर्धारित मानकों के अनुरूप आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने के लिए एक समुदाय विकास प्रकोष्ठ बनाया है जिसने ५ गाँवों के विकास का उत्तरदायित्व लिया है।
- **समर्थ ग्राम अभियान की शुरूआत:** विश्वविद्यालय ने भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत समर्थ ग्राम अभियान की शुरूआत की है। अभियान के हिस्से के तौर पर विद्यापीठ ब्लाक के अन्तर्गत आने वाले १०० गाँवों का चयन किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, जैविक खेती, वृक्ष रोपण, घरेलू जानवरों के स्वास्थ्य, घरेलू उद्यान, जल प्रबन्धन, पर्यावरणीय जागरूकता आदि के महत्व के बारे में शिक्षित करना तथा स्वयं-संपोष्य आत्मनिर्भर बनाने वाले विधिक मामलों की जानकारी प्रदान करना है। समर्थ ग्राम अभियान के तहत विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रतिवेदन अवधि के दौरान समर्थ ग्राम अभियान ग्राम दल द्वारा चिह्नित गाँवों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। कुछ महत्वपूर्ण गतिविधियाँ अग्रलिखित हैं। आधारभूत संरक्षण का आयोजन; ग्रामीण बालिकाओं द्वारा सिलाई, कढ़ाई तथा बुनाई का प्रशिक्षण; ग्रामीण को जैविक खेती एवं इसके महत्व की जानकारी हेतु जैविक कृषि मेला का अयोजन; एन.सी.आर.आई. कार्यशाला का आयोजन; एन.एस.एस. द्वारा गाँवों में आम, नीबू एवं आँवला के वृक्षों का रोपण; घरेलू उद्यान हेतु बीज वितरण; महिलाओं के स्वास्थ्य जाँच शिविर;

पशु चिकित्सा शिविर; दन्त परीक्षण शिविर; आँख, नाक व गला संबंधी चिकित्सा शिविर तथा अन्य चिकित्सा शिविरों का आयोजन; ग्रामीणों हेतु योग कक्षाओं का आयोजन; शिक्षा एवं स्वास्थ्य के महत्व पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन आदि।

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

विदेशों के कई प्रतिनिधियों ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का दौरा किया एवं यहाँ के प्रतिनिधियों ने भी विदेशों का दौरा किया। विश्वविद्यालय ने जापान, स्वीडन, इग्लैण्ड, मालदीव इत्यादि देशों समेत कई देशों के विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया। इनमें से, दो विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं: (१) भारत में अमेरिकी दूतावास के दो प्रतिनिधिमंडल ने पिछले वर्ष के दौरान अमेरिकी शिक्षा संस्थानों और काशी हिंदू विश्वविद्यालय के बीच हुए समझौते ज्ञापन को आगे बढ़ाने के लिए दिनांक १२.१२.२०१८ को कुलपति से मुलाकात की। (२) कार्लस्टड विश्वविद्यालय, स्वीडन के प्रो. पीटर ओल्सन ने ११.०२.२०१९ को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रमों पर चर्चा की।

विश्वविद्यालय-उद्योग सहभागिता प्रकोष्ठ

उच्चतर शिक्षा एवं शोध को समाज एवं अर्थव्यवस्था के प्रति और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए विश्वविद्यालय में एक व्यापार प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। व्यापार प्रकोष्ठ की अवधारणा का केन्द्र बिन्दु यह है कि उद्योग क्षेत्र को चाहिए कि वह निर्देशन हेतु इनपुट प्रदान करे जिससे विश्वविद्यालय में शोध कार्य हो सके और दूसरी ओर शोध के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा प्रौद्योगिकी/उत्पाद/प्रक्रियाएं विकसित हों जिनका पर्याप्त मात्रा में विपणन हो ताकि औद्योगिक क्षेत्र उन्हें अपनाएं और नवप्रवर्तनों का उत्पादनपरक उपयोग हो सके। विश्वविद्यालय के व्यापार प्रकोष्ठ के लिए यह अनिवार्य है कि वह उचित प्रौद्योगिकी के विकास, हस्तांतरण, व्यापार विकास और औद्योगिक शैक्षणिक पारस्परिक प्रभाव हेतु दिशा निर्देश दें। विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों,शोध एवं अपने संकाय सदस्यों द्वारा विकसित शोध-उत्पादों के वाणिज्यिक दोहन हेतु अरविन्द रेमेडिज प्रा.लि. के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया है। विश्वविद्यालय सेबी, एनएसई, एक्सिस बैंक तथा अन्य औद्योगिक संगठनों के साथ भी समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर करने की योजना बना रहा है।

शिकायत निवारण तंत्र का सुदृढ़ीकरण

समस्त शिकायतों को प्रस्तुत करने और संसाधित करने हेतु एक केन्द्र बिन्दु प्रदान करने के लिए सभी शिकायत निवारण समितियों के एक संपर्क अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए उपकुलसचिव की अध्यक्षता में केन्द्रीय कार्यालय में एक केन्द्रीकृत शिकायत निवारण प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। प्रकोष्ठ का उद्देश्य सभी शिकायतों का समाधान करना है। सभी शिकायत निवारण समितियों को पर्याप्त प्रबंधकीय एवं सचिवीय सहायता प्रदान करने और शिकायत निवारण समितियों से संबंधित दस्तावेजों के रख-रखाव हेतु प्रकोष्ठ को पर्याप्त कर्मचारी मुहैया कराए गए हैं। भेदभाव-निरोध अधिकारी की नियुक्ति की गई है।

महत्वपूर्ण बैठकें :

कार्यकारिणी परिषद् की बैठक

जुलाई १४, २०१८
नवम्बर २६, २०१८
मार्च ०१, २०१९

विद्वत् परिषद् की बैठकें

सितम्बर ०८, २०१८
नवम्बर १६, २०१८

का.हि.वि.वि. कोर्ट की बैठक

नवम्बर २६, २०१८

वित्त समिति की बैठक

अगस्त २९, २०१८

संकाय की बैठकें

विधि संकाय	२४.०४.२०१८
विज्ञान संकाय	२८.०५.२०१८
चिकित्सा विज्ञान, आयुर्वेद और दंत विज्ञान संकाय (संयुक्त)	०९.०७.२०१८
सामाजिक विज्ञान संकाय	२४.०९.२०१८
विधि संकाय	०१.१०.२०१८
विज्ञान संकाय	१६.१०.२०१८

कृषि संकाय	१५.११.२०१८
शिक्षा संकाय	२४.१२.२०१८
दन्त विज्ञान संकाय	०८.०१.२०१९
प्रबन्धशास्त्र संकाय	१६.०१.२०१९
कला संकाय	०७.०१.२०१९
आयुर्वेद संकाय	१३.०३.२०१९

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संरचना

क. संस्थान

- चिकित्सा विज्ञान संस्थान
- कृषि विज्ञान संस्थान
- पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास संस्थान
- प्रबन्ध शास्त्र संस्थान
- विज्ञान संस्थान

ख. संकाय

- कृषि
- कला
- आयुर्वेद
- वाणिज्य
- दन्त चिकित्सा विज्ञान
- शिक्षा
- पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास
- विधि
- प्रबन्ध शास्त्र
- चिकित्सा
- मंच कला
- संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान
- विज्ञान
- सामाजिक विज्ञान
- दृश्य कला
- पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय

ग. महाविद्यालय

अंगीभूत महाविद्यालयः महिला महाविद्यालय (वूमेन्स कॉलेज) परिसर के अन्दर स्थित

घ. अन्तर्विषयी उच्च शिक्षापीठ (स्कूल)

- जैव-प्रौद्योगिकी स्कूल
- जीवन विज्ञान स्कूल

च. अध्ययन केन्द्र

- खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- आनुवांशिक विकृति
- डीएसटी.सेन्टर फार इंटर डिसीप्लीनरी मैथमेटिकल साइंस
- नेपाल अध्ययन केन्द्र
- महिला अध्ययन एवं विकास
- मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र
- समन्वित ग्रामीण विकास
- सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र

छ. विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित विद्यालय

- सेन्ट्रल हिन्दू ब्वाय़ज स्कूल
- सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल
- श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय

ज. विश्वविद्यालयी सुविधाओं की अनुमति के लिए स्वीकृत महाविद्यालय

- आर्य महिला पी.जी. कॉलेज
- दयानन्द पी.जी. कॉलेज
- वसन्त महिला महाविद्यालय (राजघाट)
- वसन्त कन्या महाविद्यालय

झ. यू.जी.सी.-एस.ए.पी.: डी.आर.एस., डी.एस.ए. व सी.ए.एस. कार्यक्रम

विशेष सहायकता कार्यक्रम (स्तर)

- भौतिकी (सी.ए.एस.)-५
- सांख्यिकी (डी.आर.एस.)-२
- भूगोल (डी.आर.एस.)-२
- रसायन शास्त्र (सी.ए.एस.)-२
- भूविज्ञान (सी.ए.एस.)-२
- मनोविज्ञान (डी.आर.एस.)-२
- जन्तु विज्ञान (सी.ए.एस.)-६
- वनस्पति विज्ञान (सी.ए.एस.)-६

ट. विशेषज्ञ अनुसंधान के अन्य केन्द्र/कार्यक्रम

- सी. एफ. एस. टी. , कृषि विज्ञान संस्थान – इन्हेन्सिंग रिसर्च कैपेसिटी एण्ड इनिशिएटिंग इन्टिग्रेटेड एम.एससी./एम.टेक. व पीएच.डी. प्रोग्राम इन द एरिया ऑफ फूड साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी।
- महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय।
- सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन, सामाजिक विज्ञान संकाय।
- नेपाल अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय
- विज्ञान संकाय – स्ट्रेन्थेनिंग स्पेस साइन्स एक्टीविटीज इन

यूनिवर्सिटीज (इसरो), भौतिकी विभाग।

- जलवायु परिवर्तन अनुसंधान में उत्कृष्टता केंद्र डीएसटी महामना केंद्र- पर्यावरण और सतत विकास संस्थान
- वैदिक विज्ञान केन्द्र

ठ. डी एस टी-फीस्ट कार्यक्रम

(विश्वविद्यालय एवं उच्च शैक्षणिक संस्थानों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए आधारभूत कार्यक्रमों (फीस्ट) के उन्नयन के लिए कोष)

- शरीर रचना विज्ञान, चि.वि.सं.
- कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान
- रसायनशास्त्र
- जन्तु विज्ञान
- भूविज्ञान

ढ. डी एस टी-पी.यू.आर.एस.ई.(पर्स)- कार्यक्रम

विज्ञान संस्थान एवं चिकित्सा विज्ञान संस्थान।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

२. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अवयव (अंग)

२.१. मुख्य परिसर

२.१.१. संस्थान

२.१.२. संकाय

२.१.३. महिला महाविद्यालय

२.१.४. अध्ययन केन्द्र

२.१.५. स्कूल

२.१.६. का.हि.वि.वि. ग्रंथालय प्रणाली

२.१.७. यू.जी.सी. ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर

२.१.८. मालवीय भवन

२.१.९. भारत कला भवन

२.२. दक्षिणी परिसर

२.३. विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत संचालित नगरीय महाविद्यालय

गुणवत्ता बीज उत्पादन पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण

२.१.१.१. कृषि विज्ञान संस्थान

रॉयल कमीशन ऑन एग्रीकल्चर, इस विश्वविद्यालय की स्थापना करने वाले दिवंगत महामना पं. मदन मोहन मालवीय जी जिसके सदस्य थे, की संस्तुति पर वर्ष १९३१ में केवल ३ शिक्षकों के साथ कृषि अनुसन्धान संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च) के रूप में इस संस्थान की सादगीपूर्ण शुरूआत हुई। एकमात्र अन्य संस्थान लायलपुर (अब पाकिस्तान में है) के अतिरिक्त अपनी स्थापना के समय, यह संस्थान भारत में कृषि में स्नातकोत्तर अध्यापन और अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करने में अग्रणी था। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संस्थान ने क्षुधामुक्त भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए ८७ वर्षों की अपनी शानदार यात्रा पूरी की है। अलग-अलग नामों को ग्रहण करते हुए संस्थान अंततः१९८९ में कृषि के क्षेत्र में शिक्षण, अनुसंधान विस्तार एंव विकास के एकीकरण के उद्देश्य से कृषि विज्ञान संस्थान के स्तर तक उच्चीकृत हो गया। वास्तव में कृषि विज्ञान संस्थान के तौर पर स्थापित यह संस्थान स्नातकोत्तर और पीएच.डी. उपाधियों को प्रारंभ करने वाला प्रथम संस्थान था। वर्ष १९४५ में स्नातक शिक्षण शुरू हुआ और कृषि अनुसन्धान संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च) का नाम बदलकर अभियांत्रिकी संकाय के तहत कृषि महाविद्यालय कर दिया गया। वर्ष १९६८ में, कृषि महाविद्यालय कृषि का एक स्वतंत्र संकाय बन गया। इसके बाद वर्ष १९६९ में छह विभागों अर्थात पादप कार्यिकी, शस्य विज्ञान, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन, पादप रोग विज्ञान तथा कृषि अर्थशास्त्र का सृजन किया गया। वर्ष १९७१ में उद्यान विज्ञान तथा कीट विज्ञान और कृषि प्राणिशास्त्र विभागों को जोड़ा गया, जबकि प्रसार शिक्षा, पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान और कृषि अभियांत्रिकी को वर्ष १९८१ में जोड़ा गया। खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सेंटर ऑफ फूड सायंस एंड टेक्नोलॉजी-सीएफएसटी) २००८ में स्थापित किया गया था और २००६ में यह संस्थान का अभिन्न और स्थायी अंग बन गया। मानव संसाधनों की आवश्यकता और २१वीं शताब्दी की विशेष माँग को ध्यान में रखते हुए २००६ के बाद के वर्षों के दौरान, संस्थान ने ११ नए विशेष पाठ्यक्रमों, यथा, कृषि व्यवसाय प्रबंधन (एमएबीएम), कृषि वानिकी, पादप जैव-प्रौद्योगिकी विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, मृदा और जल संरक्षण में, एम.एस-सी. तथ एम.टेक., खाद्य विज्ञान में एम.एस-सी. और पीएच.डी. कृषि सांख्यिकी, मृदा और जल संरक्षण तथा कटाई-पश्चात् (पोस्ट हार्वेस्ट) प्रबंधन में पीएच.डी. और बीज उत्पादन एवं विपणन में एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम को प्रारम्भ किया।

प्रतिवेदित सत्र में संस्थान के अनेक शिक्षकों को कृषि शिक्षा, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी मूल्यांकन/रूपांतरण के लिए विभिन्न राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और वैज्ञानिक समुदायों द्वारा विशिष्टता के साथ सम्मानित किया गया है। इस संस्थान के समृद्ध अध्यापक मण्डल द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में २१ शोध पत्र और राष्ट्रीय सम्मेलनों/

सेमिनार/ संगोष्ठी और कार्यशालाओं में ३० शोध पत्र प्रस्तुत किये गए हैं। हमारा शोध सहयोग भा.अनुप-केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, भा.अनुप-भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान, भा.अनुप-राष्ट्रीय कृषि आर्थिकी एवं नीति अनुसंधान संस्थान, एग्रटेक सायंस लिमिटेड, भारतीय पैकेजिंग संस्थान, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग, डीएसएम नीदरलैंड, भा.अनुप-राष्ट्रीय पादप आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो, भा.अनुप-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, भा.अनुप-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, भा.अनुप-भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान-हैदराबाद, अन्तर्राष्ट्रीय विकास के लिए संयुक्त राज्य अभिकरण द्वारा कृषि नवप्रवर्तन कार्यक्रम (यूएसएआईडी-एआईपी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, सीआईएमएमवाईटी (सिमिट), मेक्सिको, अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसन्धान संस्थान तथा कॉर्नेल, इलिनॉय, जॉर्जिया, डेनमार्क विश्वविद्यालयों और भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के विभिन्न अनुसंधान संस्थानों जैसे केन्द्रों के साथ जारी है। संस्थान के ११ विभागों और तीन इकाइयों, अर्थात दुग्धशाला प्रक्षेत्र, कृषि प्रक्षेत्र और कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किए गए अनुसंधान, विकास के कार्य और प्रसार की गतिविधियाँ उत्कृष्ट और अत्यधिक सराहनीय रही हैं। सात छात्रों को अंततः भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा संचालित प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से कृषि अनुसंधान सेवा के लिए चुना गया। इसके अलावा, ११ से अधिक कंपनियों और गैर-सरकारी संगठनों ने संस्थान के प्लेसमेंट सेल के माध्यम से परिसर साक्षात्कार का आयोजन किया, ५२ नए स्नातकों/स्नातकोत्तर छात्रों को किसी न किसी सेवा के लिए चुना गया, २८ छात्र सहायक प्राध्यापक के रूप में चयनित हुए और ५ छात्रों को भा.अनुप-कनिष्ठ अध्येतावृत्ति परीक्षा में सफलता मिली।

प्रमुख उपलब्धियाँ

- भाकृअनुप से रु.९३.० लाख की वित्तीय सहायता से पशुपालन और दुग्ध विज्ञान विभाग में दूध और दुग्ध उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए विश्वस्तरीय प्रायोगिक शिक्षण इकाई (ईएलयू) की स्थापना।
- वर्तमान सत्र के दौरान 'विकसित त्वरित बहुधान्य खिचड़ी', 'सूक्ष्मजैविक संघ युक्त संपुटीकृत जैवरंजित बीजों के विकास की विधि और उनके उपयोग का तरीका' और 'अंतर्पादपी जीवाणुओं के लिए जैवफिल्म के उत्पादन की विधि और उनके उपयोग' के लिए तीन पेटेंट दायर किए गए।
- संस्थान द्वारा प्रतिवेदित वर्ष में ०१ अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, ०५ राष्ट्रीय सम्मेलन/कार्यशालाएँ, ०१ उन्नत संकाय प्रशिक्षण और २३८ किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गए।
- पशुपालन और दुग्ध विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय दुग्धशाला विज्ञान अकादमी (भारत) (एनएडीएसआई) का पहला क्षेत्रीय अध्याय खुला।
- वर्तमान सत्र के दौरान, ४७७ शोध पत्र, २१ किताबें, ५८ पुस्तक अध्याय, ०५ प्रायोगिक पुस्तिकाएँ और १६ लोकप्रिय लेख प्रकाशित किए गए।
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् की कृषि अनुसंधान सेवा में छः छात्र चयनित हुए, २३ छात्रों का सहायक प्राध्यापक के पद पर चयन हुआ, २५ छात्रों को अधिकारी के रूप में बैंकिंग/कॉर्पोरेट क्षेत्र में, ३२ को केन्द्र और राज्य सरकार की सेवाओं में चुना गया और १६ छात्रों ने उद्यमिता कार्य प्रारंभ कर दिया है।
- संस्थान के पाँच छात्रों को भा.अनुप-कनिष्ठ अध्येतावृत्ति परीक्षा में सफलता मिली और २९ छात्रों ने भा.अनुप-वरिष्ठ अध्येतावृत्ति परीक्षा उत्तीर्ण की। पैंसठ छात्रों ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) उत्तीर्ण किया।
- वाराणसी जिले के आराजी लाइन विकास खंड में सिंचाई/पेयजल की गुणवत्ता के लिए भूजल संसाधन सूची (जीआईएस आधारित मैपिंग के माध्यम से) विकसित की गई और इसी विकास खंड के कनारी ग्राम में ग्राम-सरोवर का भूजल पुनर्भरण के लिए आदर्श रूप में पुनर्निर्मित किया गया।
- लेह की कृषि संबंधी स्थिति में लेह (जम्मू एवं कश्मीर) की मिट्टी से टमाटर की फसल के लिए फ्रैंकिया एफएल-१, एजोटोबैक्टोर एएल-४, एएल-५ और स्फुर-विलायक जीवाणु, पीएसबीएल-१, पीएसबीएल-२ प्रभावी सूक्ष्मजैविक उपभेदों का पृथक्करण किया गया, जबकि वाराणसी इनसेप्टिसोल से चावल के लिए यहाँ के प्रभावी जस्ता विलायक जीवाणु, जेडएसबी-६, जेडएसबी-२३ और कवक उपभेद, जेडएसबी-१ का पृथक्करण किया गया।
- वाराणसी इनसेप्टिसोल में सौंफ की खेती के लिए उर्वरक संस्तुति समीकरण विकसित किया गया।
- वाराणसी इनसेप्टिसोल में गुणवत्ता वाले गेहूँ उत्पादन के लिए नत्रजन, स्फुर, सज्जी, गंधक और जस्ता के संतुलित प्रयोग की सिफारिश विकसित की गई।
- कार्बनिक अवशिष्टों के अनुप्रयोग से मृदा (इनसेप्टिसोल) में स्फुर संग्रहण (४-८० टन/हे.) विकसित किया गया और जैविक अवशेषों के खनिजीकरण की दर इस प्रकार थी: सुअर की खादखलीकुक्कुट खादधान का पुआल गोबर की (फार्मयार्ड) खाद।
- जौ (प्रजाति के-६०३) की फसल के लिए निकल की क्रांतिक सीमा वाराणसी के इनसेप्टिसोल में ०.२२ मिलीग्राम/किग्रा स्थापित की गई और ०.२ प्रतिशत निकल (एनआई(एसओ४)२ के रूप में) के पर्णीय अनुप्रयोग की उपयुक्तता की पुष्टि की गई।
- वाराणसी के इनसेप्टिसोल में खरीफ धान की फसल की खेती में जल-दबाव की स्थिति पर काबू पाने के लिए न्यूनतम हानि (१५-२० प्रतिशत) के साथ प्रतिस्वेदकों-केओलिन धूलि ४ प्रतिशत या दीर्घ श्रृंखला अल्कोहल (ग्रीन मिरेकल) ०.३ प्रतिशत के छिड़काव की तकनीक की स्थापना।
- भिंडी और बैंगन के कीटों के विरुद्ध पर्यावरण-प्रिय पादप आधारित संरूप विकसित किया गया।
- देश भर में हेलीकोवर्पा आर्मिजेरा की आनुवंशिक विविधता का निर्धारण किया गया।

- मृदा संधिपादों की २० से अधिक प्रजातियों की आकारिकी का वर्णन किया गया जो कि पारिस्थितिक तंत्र सेवा प्रदाता हैं।
- पर्यावरण-प्रिय तरीकों को सम्मिलित करते हुए प्रक्षेत्र और सब्जी फसलों, मूँग, मटर, सरसों और संग्रहीत अनाज के लिए समेकित नाशीजीव प्रबंधन का मूल्यांकन किया गया।
- बैंगन और भिंडी के चींचड़ी नाशीजीवों के लिए एकीकृत चींचड़ी प्रबंधन कार्यक्रम का मूल्यांकन किया गया।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्थान-विशिष्ट फसल और पोषक तत्व प्रबंधन के लिए एक निर्णय समर्थन उपकरण चावल-गेहूँ फसल प्रबंधक का मूल्यांकन और विकास।
- पादप कार्यिकी विभाग ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर), जालंधर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और भाकृअनुप-राष्ट्रीय अजैविक स्ट्रेस प्रबन्धन संस्थान (आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एबॉयोटिक स्ट्रेस मैनेजमेंट), पुणे के साथ दूसरा समझौता प्रगति पर है।
- विभिन्न पौधों के मूलक्षेत्र से १६एस रिबोसोमल आरएनए अनुक्रमण के आधार पर सर्वश्रेष्ठ जैव उर्वरक गतिविधि वाले और लवण तनाव को सहन करने में सक्षम पादप वृद्धि उन्नायक मूलक्षेत्रजीवाणु स्यूडोमोनास एरुजिनोसा की पहचान।
- बहुअमीन और कवकमूल का मक्का, ज्वार और पालक के पौधों में अनुप्रयोग कैडमियम विषाक्तता को ऑक्सीकरण-रोधी प्रणाली सहित विभिन्न जैव रासायनिक विशेषताओं को संशोधित करके कम करता है।
- मटर के पौधों में लवणता के प्रभाव को सैलिसिलिक एसिड और ट्राइकोडर्मा के उपयोग द्वारा मुख्य रूप से पौधों के एंटी-ऑक्सीडेंट प्रणाली के संशोधन के माध्यम से समाप्त किया गया।
- आदर्श पौधे के रूप में तम्बाकू का उपयोग करके नाइट्रिक ऑक्साइड की मध्यस्थता वाले अतिसंवेदनशील प्रतिक्रिया को सक्रिय करने में प्रबल सूक्ष्मजैविक संरोप के रूप में ट्राइकोडर्मा एस्परेलम टी४२ की प्रभावकारिता का प्रदर्शन किया गया।
- यह स्थापित किया गया कि मैग्निशियम नाइट्राइट (एमजी (एनओ२)३) (५ मिलीमोलर) और काइनेटिन (५ दशलक्षांश) के साथ बीजरंजन धान की किस्म एचयूबीआर-१०९ और एचयूआर-१०५ में अंकुरण शरीर क्रिया विज्ञान, नाइट्रोजन और एंटीऑक्सीडेंट चयापचयों, उपज गुणों पर अग्रिम और विलंबित बुवाई से उत्पन्न प्रतिकूल प्रभावों को कम कर सकती है और यह दाने की लंबाई, मांडधु सामग्री, मात्रा विस्तार, गिरी बढ़ाव अनुपात और जलोद्ग्रहण के मामले में अनाज की गुणवत्ता में सुधार करता हुआ सिद्ध किया गया।
- बोरिक एसिड का उपयोग करके बीज रंजन से गेहूँ के बीज को अंकुरित करने में अंकुरण क्षमता, अंकुर ओज और शर्करा चयापचय में सुधार हो सकता है और यह प्रभाव वानस्पतिक विकास की अवधि तक ले जाया जाता है, जिसे अंकुर विकास, सुपर ऑक्साइड डिस्म्यूटेज गतिविधि, प्रोलाइन सामग्री और एसडीएस-पेज प्रोटीन प्रोफाइलिंग जैसे मॉर्फो-फिजियोलॉजिकल मापदंडों के आधार पर वैधता प्रदान की गई। बीज रंजक के रूप में बोरिक एसिड के प्रभाव को सुधारने के लिए एमजी(एनओ२)३ का संयोजन स्थापित किया गया।
- बीज रंजक के रूप में एमजी (एनओ२)३ और केनेटिन का उपयोग चावल के अंकुरण में कैडमियम क्लोराइड (सीडीसीएल२) के निरोधात्मक प्रभाव को कम करने के लिए स्थापित किया जा रहा है, इसे चावल की प्रजाति एचयूबीआर-१०-९ के अंकुरण शरीर विज्ञान के अध्ययन के माध्यम से वैधता प्रदान की गई।
- कार्यिकीय अध्ययन के आधार पर वैधता प्रदान करते हुए काजू (अनाकार्डियम ऑक्सीडेन्टेल) के पाउडर का उपयोग कर बंगाल में मिठाई की एक अत्यंत पारंपरिक व्यंजन प्रतिशत के खाद्य मूल्य में वृद्धि की गई।
- गेहूँ में सोडियम फ्लोराइड की सांद्रता में ० से २०० दशलक्षांश की सीमा तक वृद्धि करने पर इसके बीज आचमन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा लेकिन अंकुरण में कमी आई। गेहूँ के पौधों पर फ्लोराइड विषाक्तता के चाक्षुष लक्षण पतले तनों के रूप में दिखाई दिए। फ्लोराइड की २५० मिलीग्राम/किग्रा मृदा अथवा अधिक सांद्रता पर बाली निकलने के बाद के चरण में पर्ण शीर्ष और पत्तियों के किनारों पर हरिमाहीन धब्बे विकसित हुए जो बाद में चलकर ऊतकक्षयी धब्बों में परिवर्तित हो गये। उच्च एफ स्तर के परिणामस्वरूप पर्ण क्षेत्र और कुल भूपरि कटाई योग्य पादप शुष्क पदार्थ में कमी आई।
- बेबी कॉर्न जीनोटाइप जौनपुरी को उपयुक्त बेबी कॉर्न जीनोटाइप विकसित करने के लिए प्रजनन कार्यक्रम में उपयोग करने का सुझाव दिया गया है। प्रजनन के लिए जीनोटाइप्स में जौनपुरी, डीकेसी-७०७४, ९५४४ और एमएचएम-२ का उपयोग किया जा सकता है क्योंकि इन जीनोटाइप्स में भंडारण के दौरान फिनोल सामग्री अपेक्षाकृत कम थी। यह सुझाव दिया जाता है कि फसल के दौरान उच्च कुल प्रतिऑक्सीकरण गतिविधि को कम तापमान पर बेबी कॉर्न के लंबे भंडारण जीवन के साथ जीनोटाइप के चयन के लिए मानदंड के रूप में लिया जा सकता है।
- घुटने की ऊँचाई वाली अवस्था पर मक्का में जलभराव घातक पाया गया है। यह सुझाव दिया जाता है कि आसंधिक मूल/पौधा, उच्च घुलनशील चीनी और प्रोलिन सामग्री को जलभराव सहिष्णु जीनोटाइप की पहचान करने के लिए स्क्रीनिंग मापदंडों के रूप में लिया जा सकता है।
- तापमान के प्रति संवेदनशील गेहूँ के पौधों में अवसान ताप दबाव की गंभीर समस्या को २४-एपिब्रैसिनोलाइड (ईबीआर) और थायोयूरिया द्वारा कम किया गया। गेहूँ का जीनोटाइप सी-३०६ जीनोटाइप एचयूडब्ल्यू-४६८ की तुलना में अधिक ताप सहिष्णु पाया गया।
- वर्तमान सत्र में आईसीएआर ने स्नातक/स्नातकोत्तर और पीएच.डी. के छात्रों को १ लाख ४२ हजार रुपये जारी किए।

नेट/जेआरएफ/सीएसआईआर/गेट आदि।

- छात्रों को ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण से युक्त करने के लिए सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए एक उत्कृष्ट संस्थान

जेआरएफ अर्हताप्राप्त	५
एसआरएफ अर्हताप्राप्त	२९
नेट अर्हताप्राप्त	६५

विकसित करना, वैश्विक चुनौतियों और कृषक समुदाय की स्थानीय समस्याओं का समाधान करना।

- पढ़ने लिखने, प्रभावी संचार, महत्वपूर्ण सोच और समस्या समाधान सहित रोजगार कौशल में सुधार।
- आईसीएआर संस्थानों, कृषि-उद्योगों, खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन संस्थानों में प्रशिक्षण और इंटर्नशिप पर अधिक जोर देने के साथ कृषि में विशेषज्ञता की बढ़ती मांग को पूरा करेने के लिए पाठ्यक्रम में नविनिकरण।
- देश और विदेश के विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक क्षेत्रों से आने वाले छात्रों के विविध समूह द्वारा सामग्री की समझ में सुधार करने के लिए ई-लर्निंग पर जोर।
- निजी क्षेत्र से धन प्राप्त करने के लिए एक शोध परिणाम उत्पन्न करना।
- किसानों के प्रशिक्षण और संसाधनों के प्रबंधन में एम-एक्सटेंशन, मौसम की दुर्बलता, बीमारी और कीट प्रबंधन को कम करने के साथ विस्तार सेवाओं को मजबूत करने के लिए सुविधा का निर्माण।
- किसानों को प्रौद्योगिकियों के समय पर हस्तांतरण के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बीच संबंधों को मजबूत करना।

पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय

- नये संकायों के लिए स्टार्ट-अप अनुदान – १२वीं योजना के अन्तर्गत शोध परियोजना पूर्ण हुई।
- डॉ. रमादेवी निम्मनपल्ली, संकाय प्रमुख, पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय,कृषि विज्ञान संस्थान, का.हि.वि. का प्रधान अन्वेषक (पी आई) के रूप में एक आर के वी वाई परियोजना प्रगति पर है।
- नये परिसर (दक्षिणी परिसर), बरकछा, मिर्जापुर में पशु विज्ञान तथा पुशपालन में स्नातक का पाठ्यक्रम चल रहा है।
- नये परिसर (दक्षिणी परिसर), बरकछा, मिर्जापुर में पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर की सुविधाएं उपलब्ध है।
- नये परिसर (दक्षिणी परिसर), बरकछा, मिर्जापुर में पशुपालन का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।
- नये परिसर (दक्षिणी परिसर), बरकछा, मिर्जापुर में पशु चिकित्सालय की सुविधा प्रारम्भ कर दी गई है।
- निम्नलिखित जगहों पर पशु स्वास्थ्य-सह-जागरूकता कैम्प का आयोजन/भागीदारी की गई-
  - (क) दिनांक ०८/१२/२०१८ को ग्राम-कोटवा पांडे, ब्लॉक-पधेरा में।
  - (ख) मिर्जापुर जिले में दिनांक १९/०१/२०१९ को ग्राम-छन्नी बाँध, ब्लॉक-राजगढमे।
  - (ग) दिनांक ०७/०३/२०१९ को पशु चिकत्सा तथा पशु विज्ञान संकाय रा.गा.द.प.का.हि.वि.में पशु मेला का आयोजन किया गया।
  - (घ) दिनांक १२/०१/२०१९ को ग्राम-अमोही, मिर्जापुर में आयोजित दीनदयाल उपाध्याय मंडल स्तरीय पशु आरोग्य मेला में सहभागिता।
- १० फरवरी,२०१९ को विश्व विद्यालय के मुख्य परिसर वाराणसी में का.हि.वि.की स्थापना दिवस की झाँकी -२०१९ में समस्त कर्मचारी (शैक्षणिक एव गैर शैक्षणिक) एवं छात्रों ने भाग लिया।
- कैलाश छात्रावास (एन बी एच-१) के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान में स्नातक करने वाले छात्रों ने का.हि.वि. , मुख्य परिसर, वाराणसी में १२ मार्च २०१९ से चलने वाले अन्तर-छात्रावास क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिया।
- २८ अप्रैल,२०१८ को विश्व पशु चिकित्सा दिवस मनाया गया।

पाठ्येत्तर गतिविधियां

पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय ने रा.गा.द.प., का.हि.वि. मिर्जापुर में २फरवरी,२०१९ को एक सफल सांस्कृतिक कार्यक्रम: कलरव का आयोजन किया।

छात्र केन्द्रित गतिविधियाँ

कैलाश छात्रावास (एनबीएच-१) के पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान में रहकर स्नातक करने वाले छात्रों ने का.हि.वि., मुख्य परिसर, वाराणसी में १२ मार्च, २०१९ से चलने वाले अन्तर-छात्रावास क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिया।

संकाय ने का.हि.वि., मुख्य परिसर, वाराणसी में १० फरवरी, २०१९ को का.हि.वि. स्थापना दिवस झांकी २०१९ में भाग लिया।

विशिष्ट आगंतुक

- राज्य मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, श्रीमती अनुप्रिया पटेल।
- डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, अध्यक्ष (अतिरिक्त प्रभार) एवं सदस्य, कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (ए एस आर बी), नई दिल्ली।

संस्थान/संकाय/कॉलेज/द्वारा संचालित आउटरीच कार्यक्रम:

- दिनांक ८/१२/२०१८ को ग्राम-कोटवां पांडे, ब्लॉक-पथेरा में और दिनांक १९/०१/२०१९ को मिर्जापुर में ग्राम-छन्नी बाँध, ब्लॉक-राजगढ़ में पशु स्वास्थ्य-सह-जागरूकता कैम्प।
- दिनांक ०७/०३/२०१९ को पशुचिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय रा.गा.द.प., का.हि.वि.में पशु मेला का आयोजन किया गया।
- दिनांक १२/०१/२०१९ को संकाय ने ग्राम-अमोही,मिर्जापुर में आयोजित दीनदयाल उपाध्याय मंडल स्तरीय पशु आरोग्य मेला में सहभागिता की।

गैर-शैक्षणिक गतिविधियाँ

रक्त दान शिविर, विस्तृत क्षेत्र वृक्षारोपण, पशु स्वास्थ्य शिविर।

परिसर विकास/नई अवसंरचना का निर्माण

कृषि विज्ञान संस्थान की छत्र छाया में पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय ने रा.गा.द.प., का.हि.वि. बरकछा, मिर्जापुर में पशु चिकित्सा एवं पशु पालन पाठ्यक्रम में स्नातक की कक्षाएं प्रारम्भ कर दी है। दक्षिणी परिसर में स्थित पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय के पास अंतर्राष्ट्रीय स्तर की समस्त आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है। यहाँ एक व्याख्यान शाला के साथ दो शैक्षणिक भवन हैं और प्रत्येक भवन में भू-तल, प्रथम एवं द्वितीय तल है। आधुनिक पशु चिकित्सा अस्पताल और पशु शाला को भी निर्माण किया गया है। पशुओं के पीने हेतु जल सह चेक डैम और चारगाह भी क्रियाशील है।

पशु चिकित्सा तथा पशु विज्ञान संकाय ने उत्कृष्ट संस्थान आई सी ए आर –भारतीय पशु चिकित्सा शोध संस्थान, इज्जतनगर, बरेली के साथ एक समझौता ज्ञापन भी है।

२.१.१.२. चिकित्सा विज्ञान संस्थान

चिकित्सा विज्ञान संस्थान (आईएमएस), वर्तमान में जिसके अंतर्गत चिकित्सा, दंत चिकित्सा विज्ञान और आयुर्वेद संकाय शामिल है, ने अपनी स्थापना के बाद से एक लंबा सफर तय किया है। १९२२ में ओरिएंटल लर्निंग एंड थियोलॉजी संकाय में आयुर्वेद विभाग के रूप में शुरू, १९२७ में यह एक अलग आयुर्वेदिक कॉलेज के रूप में शुरू हुआ, जिसे बाद में १९६० में मेडिकल साइंसेज कॉलेज में परिवर्तित कर दिया गया था। इसे बाद में यूजीसी द्वारा १९७१ में चिकित्सा विज्ञान संस्थान के रूप में उन्नत किया गया था। वर्ष १९७८ में इसे दो संकायों चिकित्सा और आयुर्वेद संकाय में विभाजित कर दिया गया । इसके बाद, वर्तमान स्थिति तक पहुंचने के लिए संस्थान ने उल्लेखनीय विकास किया है। वर्तमान में, यह संस्थान देश का एक अद्वितीय चिकित्सा केंद्र है जिसमे एक ही छत के नीचे पांच पूर्ण विकसित घटक यथा- चिकित्सा संकाय, आयुर्वेद संकाय, दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय, कॉलेज ऑफ नर्सिंग और लगभग १५८५ बिस्तरों वाला अस्पताल (एस एस हास्पिटल) स्थित है ।

चिकित्सा संकाय १९६० में एमबीबीएस पाठ्यक्रम की शुरुआत के साथ अस्तित्व में आया। आधुनिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम १९६३ में शुरू किया गया था और वर्तमान में १६८ सीटों के साथ एमडी/ एमएस पाठ्यक्रम संस्थान में चल रहे हैं। डीएम/ एमसीएच जैसे सुपर-विशेष पाठ्यक्रम १९७६ में शुरू किए गए थे, और वर्तमान में ११ सुपर-स्पेशलिटी में २१ सीटें आवंटित हैं। प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारियों को तैयार करने के लिए पैथोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और रेडियोथेरेपी और रेडिएशन मेडिसिन विभाग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम चल रहे हैं। पीजीडीएमएलटी, पीजीडीएमटी, पीजीडीडीटी, पीडीसीसी (एनेस्थेसिया) जैसे विभिन्न एक्सट्रामुरल (बाह्य) प्रशिक्षण कार्यक्रम भी मेडिसिन संकाय में चल रहे हैं।

आयुर्वेद संकाय विश्वविद्यालय के सबसे पुराने संकायों में से एक है। वर्तमान में आयुर्वेद संकाय के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर, पीजी डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स चल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि देश में आयुर्वेद का यह एकमात्र संकाय है जो १५ विशिष्ट विषयों में स्नातकोत्तर उपाधि प्रदान करता है। द्रव्यगुण विभाग के अंतर्गत १० एकड़ भूमि में २०० औषधीय पौधों की प्रजातियों के साथ एक औषधीय पौधशाला उद्यान का भी रखरखाव होता है। रस शास्त्र विभाग ४५० हर्बेरियम नमूनों वाले एक हर्बेरियम और क्रूड ड्रग संग्रहालय का भी रख-रखाव करता है। आयुर्वेद में पंचकर्म विभिन्न रोगों के लिए पूर्ण उपचार प्रदान करता है। शल्य तंत्र विभाग के अंतर्गत क्षारसूत्र इकाई गुदा रोगों से पीड़ित रोगियों को बड़ी संख्या में लाभ पहुंचाता है।

दंत चिकित्सा की शुरुआत १९६२ में एमबीबीएस छात्रों को पढ़ाने के लिए सर्जरी विभाग की इकाई के रूप में हुई थी। दंत चिकित्सा विभाग अक्टूबर, १९७१ में अस्तित्व में आया और एमडीएस (ऑपरेटिव डेंटिस्ट्री) पाठ्यक्रम १९७९ में दो छात्रों के प्रवेश के साथ शुरू किया गया। एमडीएस (प्रोस्थोडॉन्टिक्स) पाठ्यक्रम १९८८ में प्रति वर्ष एक छात्र के प्रवेश के साथ शुरू किया गया था। सितंबर, २००५ में, दंत चिकित्सा विभाग को दंत विज्ञान संकाय के रूप में उन्नत किया गया और यह अब विश्वविद्यालय के स्थापना स्थल के नए भवन में कार्य कर रहा है। बीडीएस कोर्स की शुरुआत २००८ में २५ छात्रों के प्रवेश के साथ हुई थी। अब, प्रवेश की संख्या बढ़कर ५० छात्र कर दिया गया है। वर्तमान में, प्रत्येक वर्ष १२ छात्र विभिन्न एमडीएस पाठ्यक्रमों में नामांकित होते हैं। संकाय में दो डिप्लोमा कोर्स - डीडीएम और डीडीज़ेडएच भी चल रहे हैं।

चिकित्सा विज्ञान संस्थान से जुड़े सर सुंदरलाल अस्पताल में लगभग १५८५ बिस्तर हैं। संस्थान ने चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए इसे कर्मचारी स्वास्थ्य देखभाल केंद्र और छात्र स्वास्थ्य देखभाल संकुल से भी जोड़ रखा है। सर सुंदरलाल अस्पताल पूर्वी यूपी और सात पड़ोसी राज्यों और नेपाल देश के आसपास की आबादी को तृतीयक स्तर की देखभाल प्रदान करता है। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने चिकित्सा विज्ञान संस्थान का चयन एम्स जैसे उत्कृष्ठ संस्थान के स्तर पर उन्नयन के लिए किया है। इस के एक भाग के रूप में, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने प्रधान मंत्री स्वास्थय सुरक्षा योजना के तहत, उन्नत विशिष्ट उपचार के लिए ४३० बिस्तरों वाला शताब्दी सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल के निर्माण के लिए सहायता प्रदान किया है। अस्पताल में घटक पृथक्करण सुविधाओं के साथ एक आधुनिक ब्लड बैंक है। इसे एनएसीओ, नई दिल्ली द्वारा 'ए' ग्रेड का दर्जा प्रदान किया गया है। एनएसीओ, द्वारा अस्पताल के ब्लड बैंक को प्रदान की गई रु.१.३७ करोड़ की लागत वाली मोबाइल ब्लड बैंक वैन का उपयोग रोगियों की सेवा के लिए किया जा रहा है।

एनएचएम द्वारा प्रायोजित १०० बिस्तरों वाला एमसीएच विंग और एमएचएफडब्लू, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत मनोचिकित्सा विभाग का उन्नयन तय समयानुसार पूरा होने वाला है। क्षेत्रीय नेत्र रोग संस्थान के निर्माण की प्रक्रिया चल रही है।

संस्थान विभिन्न पाठ्यक्रमों में भर्ती छात्रों को उन्नत शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध सुविधाएँ प्रदान करता है। शिक्षण और शोध कार्यक्रमों के लिए विभिन्न विभागों में पूरी तरह से सुसज्जित लैब सुविधाएं उपलब्ध हैं। छात्रावास मे रहने वाले छात्रों को भी कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा प्रदान की गई है।

बुजुर्गों की उचित चिकित्सा देखभाल के लिए संस्थान में जेरियाट्रिक मेडिसिन का एक पूर्ण विकसित विभाग बनाया गया है। क्षेत्रीय संसाधन केंद्र-टेलिमेडिसिन अल्ट्रा आधुनिक उच्च तकनीक कक्षा की सुविधा के साथ टेली-शिक्षा, टेली-परामर्श को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान में कार्य कर रहा है।

बोन मैरो और स्टेम सेल ट्रांसप्लांट जिसका शिलान्यास जनवरी २०१३ में हुआ था, अब कार्य करने के लिए तैयार है।

इस अवधि के दौरान देश और विदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित आगंतुकों ने संस्थान के विभिन्न विभागों का दौरा किया। उनमें से कुछ हैं - डॉ. क्रिस्टीन पीटरसन, डॉ. जेनेफर ब्लैकवेल, डॉ.मैरी ई. विल्सन, डॉ. एरियाना स्नाइडर, डॉ. कजसा क्लासोन, डॉ.ओलिवा गैटेनो, डॉ. एडगर रोवटन, प्रो सीमा कपूर, डॉ. जोन केटज़र, प्रो. नीरज कुमार, प्रो.मंजरी त्रिपाठी, प्रो.शरद चंद्र, प्रो संजय गुप्ता, डॉ. प्रवीर सेन, वी.डी. बालेन्दु प्रकाश, आदि।

चिकित्सा विज्ञान संकाय

वर्तमान सत्र के दौरान चिकित्सा विज्ञान संस्थान के छात्रों और रेजीडेंट्स ने विभिन्न सम्मेलनों में भाग लिया और पुरस्कार जीते।

- डॉ. गौतहमान टी.बी. (एमडी छात्र, एनेस्थिसियोल जी) ने केजीएमसी, लखनऊ मे राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी मे प्रथम पुरस्कार जीता
- पीयूष हरि (एम डी छात्र, माइक्रोबायोल जी) ने यूपी-यूके माइक्रोकॉन में प्रथम पुरस्कार जीता।

अतिथि व्याख्यान और अभिभाषण

- प्रो. ए.के. खन्ना (जनरल सर्जरी) ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में २९ अतिथि व्याख्यान और भाषण दिए।
- डॉ. अभिषेक पाण्डेय (जनरल मेडिसिन) ने ०७ अतिथि व्याख्यान और भाषण दिए।
- प्रो. सुनीत कुमारी सिंह (आणविक जीवविज्ञान) ने विभिन्न वैज्ञानिक कार्यक्रमों में ०९ अतिथि व्याख्यान और भाषण दिए।
- डॉ. आर.पी. मौर्य (नेत्र विज्ञान) ने ०७ अतिथि व्याख्यान और भाषण दिए।
- डॉ. सुनील के राव (बाल रोग) ने ०६ अतिथि व्याख्यान और भाषण दिए।

आउटरीच कार्यक्रम

- सामुदायिक चिकित्सा: स्वास्थ्य केंद्रों पर किशोर जागरूकता कार्यक्रम।
- जराचिकित्सा : बुजुर्ग लोगों के लिए जागरूकता कार्यक्रम।
- प्रसूति और स्त्री रोग: विभिन्न चिकित्सा शिविरों का आयोजन।

आयुर्वेद संकाय

आयुर्वेद संकाय के छात्रों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोधपत्र प्रस्तुत किया।

- डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी (कायचिकित्सा) ने आयुर्वेदिक पद्धति से दर्द प्रबंधन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, बीएचयू में सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक लेख का पुरस्कार जीता।
- डॉ. अनम आफताब (क्रिया शरीर) ने नैदानिक उपकरण, विकसित करने के लिए बुनियादी विज्ञान की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, बीएचयू में लेख प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता।

- डॉ. शांतनु तिवारी (स्वास्थवृत्त और योग) ने आयुष का वर्तमान, अतीत और भविष्य विषय में योग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता
- आयुर्वेद के संकाय सदस्यों ने विभिन्न अतिथि व्याख्यान और भाषण दिए
- प्रो. के.एन. द्विवेदी (द्रव्यगुण) ने ०४ अतिथि व्याख्यान और भाषण दिए।
- डॉ पी.एस. उपाध्याय (कौमार्यभृत्य / बाल रोग) ने विभिन्न वैज्ञानिक घटनाओं में १० अतिथि व्याख्यान और भाषण दिए।
- डॉ. अजय कुमार पांडे (कायचिकित्सा) ने १० अतिथि व्याख्यान और भाषण दिए।
- डॉ. सुनीता सुमन (प्रसुति तंत्र) ने विभिन्न कार्यक्रमों में १२ अतिथि व्याख्यान और भाषण दिए।
- प्रो डी. एन. पाण्डेय (संघा हरण) ने ०९ अतिथि व्याख्यान और भाषण दिए।

आउटरीच कार्यक्रम: संघाहरण- कैंसर जागरूकता कार्यक्रम, शालक्य तंत्र-नि:शुल्क जाँच का आयोजन।

दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय

दंत चिकित्सा विज्ञान के संकाय सदस्यों ने पुरस्कार प्राप्त किए और अतिथि व्याख्यान व भाषण दिए:

- प्रो नीलम मित्तल ने आईडीए और कंटीन्यूइंग डेंटल एजुकेशन प्रोग्राम में अतिथि व्याख्यान दिया।
- प्रो. टी.पी. चतुर्वेदी ने ४६ वें भारतीय ओरथोडोन्टिक सम्मेलन में अतिथि व्याख्यान दिया और सत्र की अध्यक्षता की।

आउटरीच कार्यक्रम

तंबाकू विरोधी जागरूकता रैली, स्वास्थ्य मेला शिविर, मुख स्वास्थ्य जागरूकता और उपचार शिविर आयोजित किए गए।

कॉलेज ऑफ नर्सिंग

सत्र २००९-२०१० से ६० छात्रों के वार्षिक प्रवेश के साथ ४ वर्षीय बी.एससी. नर्सिंग कोर्स शुरू करने के लिए नर्सिंग स्कूल को नर्सिंग कॉलेज में उन्नत किया गया था। छात्रों ने खेल सहित विभिन्न शैक्षणिक और सामाजिक गतिविधियों में भाग लिया है, और विभिन्न पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

सर सुंदरलाल चिकित्सालय

सर सुंदरलाल चिकित्सालय चिकित्सा विज्ञान संस्थान के छात्रों को नैदानिक शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक शिक्षण और प्रशिक्षण चिकित्सालय है। वर्ष १९२६ में ९६ बेड की क्षमताके साथ स्थापित, आज यह १५८५ बेड वाला एक आधुनिक चिकित्सालय है। यह पूरे पूर्वी यूपी, पश्चिमी बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश और पड़ोसी देश नेपाल के लगभग २० करोड़ आबादी की चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए एकमात्र तृतीयक देखभाल वाला रेफरल केंद्र है। यहाँ एक ही छत के नीचे दोनों आधुनिक चिकित्सा और भारतीय चिकित्सा की सुविधा है। हाल ही में इसमे एक नया ६० बेड वाला वातानुकूलित ईओपीडी भवन जोड़ा गया है।

विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कई विशेष क्लीनिक भी चलाए जा रहे हैं: वेल बेबी क्लिनिक एंड टीकाकरण क्लिनिक, जेरियाट्रिक क्लिनिक, नशा उन्मूलन क्लिनिक, वुण्ड क्लिनिक, डॉट्स क्लिनिक, किशोर और रजोनिवृत्ति क्लिनिक, हेमाटोलाजी क्लिनिक, ग्लूकोमा क्लिनिक, क्षार सूत्र क्लिनिक, एआरटी क्लिनिक, पोस्ट पार्टम क्लिनिक, मधुमेह व्यवधान क्लिनिक, बाल हेमटोलॉजी-ऑन्कोलॉजी यूनिट और थैलेसीमिया डे केयर यूनिट, रुमेटोलॉजी क्लिनिक और आहार संबंधी क्लिनिक।

अस्पताल कई विशिष्ट चिकित्सीय और नैदानिक सुविधाओं से भी सुसज्जित है जैसे: कैंसर रोगियों के लिए पूर्ण विकसित रेडियोथेरेपी सेवाएं, गुर्दे के रोगियों के लिए हेमोडायलिसिस, मूत्र पथरी के लिए लिथोट्रिप्सी (इएसडब्लूएल), १६ बेडेड आधुनिक आईसीयू, कार्डियक पेस मेकर लैब, नियोनेटोलॉजी / नवजात सर्जरी आईसीयू, दंत चिकित्सा सेवा, फिजियोथेरेपी और पुनर्वास इकाई, बाल चिकित्सा आईसीयू, एंडोस्कोपी और बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान यूनिट, बाल चिकित्सा आईसीयू, ऑन्कोलाजी में लेजर ओटी सर्जिकल, न्यूरो नेविगेशन सिस्टम, न्यूरो एंडोस्कोपी, उत्कृष्ट एआरटी सेंटर, पोस्ट पार्टम प्रोग्राम, आयुर्वेदिक पंचकर्म थेरेपी, लीच थेरेपी और केशर सूत्र थेरेपी, आई बैंक और कॉर्नियल ट्रांसप्लांट यूनिट।

ट्रामा सेंटर

वर्तमान कैलेंडर वर्ष के दौरान ट्रामा सेंटर के आंकड़े निम्नानुसार हैं: कुल संख्या. ओपीडी + ईओपीडी मरीजों की संख्या: - १४७७२३, कुल भतएँ मरीजों की संख्या -११९१९, कुल जांच की संख्या - ७८५९२, कुल मृत्यु -८७८, कुल आपरेशन की संख्या -८५४५

भविष्य के लक्ष्य

चिकित्सा विज्ञान संस्थान को एम्स जैसे संस्थान की तरह उन्नत करना, उत्कृष्ट केंद्र स्थापित करना, और थ्रोम्बौसिस शोध के लिए उन्नत प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करना, विश्व स्तरीय कार्डिएक केंद्र स्थापित करना, प्रायोगिक चिकित्सा में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना, बायोमेडिकल रिसर्च में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में आणविक जीवविज्ञान इकाई का विकास करना, प्रसूति विज्ञान की स्थापना करना, क्रिटिकल केयर यूनिट, फार्माकोविजिलेंस सेंटर का अपग्रेडेशन, नियोनेटोल जी में डीएम कोर्स शुरू करना, ट्रामा से संबंधित इमरजेंसी प्रोग्राम शुरू करना, नेशनल मेंटल हेल्थ प्रोग्राम के तहत सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मनोचिकित्सा का अपग्रेडेशन, ऑप्थेलमोलॉजी का रीजनल इंस्टीट्यूट, पंचकर्म सुपर स्पेशलिटी सेंटर का विकास, नर्सिंग मे स्नातकोत्तर कोर्स शुरू करना।

Banaras Hindu University
Up-gradation of IMS, BHU into AIIMS like Institution and Exchange of MoU
by
Shri. Prakash Javadekar
Shri. Jagat Prakash Nadda
In August presence of
Shri. Manoj Sinha
Shri. Ashwini Kumar Choub
Smt. Anupriya Patel

२.१.१.३. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसम्बर, २००२ में अपने ५७वें सत्र में वर्ष २००५-२०१४ तक की अवधि के धारणीय विकास हेतु 'शिक्षा-दशक' (डीईएसडी) के रूप में घोषित किया था। डीईएसडी के दृष्टिकोण से धारणीय विकास हेतु शिक्षा से व्यक्तियों, समूहों, समुदायों, संगठनों एवं देशों की संपोष्य विकास के पक्ष में निर्णय लेने तथा विकल्प चुनने की क्षमता विकसित व मजबूत होगी। संयुक्त राष्ट्र के इस दृष्टिकोण के अनुसार उपयुक्त ज्ञान के विकास एवं संपोष्य विकास क्षमता के क्षेत्र में उच्चतर शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान होना चाहिए। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने वर्ष २०१० में एक राष्ट्र स्तरीय पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान स्थापित किया। वर्ष २०११ एवं २०१७ में शैक्षिक पदों पर भर्ती की गई। वर्तमान में संस्थान के चार प्रोफेसर (आचार्य), २ सह आचार्य एवं आठ (सहायक आचार्य) हैं। संस्थान के उद्देश्य धारणीय विकास के बारे में शिक्षा (समाविष्ट के बारे में जागरूकता विकास करना) एवं धारणीय विकास हेतु शिक्षा (संपोष्यता की प्राप्ति हेतु शिक्षा को एक औजार के रूप में उपयोग करना) को शामिल करना है। संस्थान का मिशन ऐसा शिक्षण, शोध व विस्तार कार्य करना है जिससे भविष्योन्मुख भारत का संपोष्य विकास हो तथा गरीबी मिटे और देश के प्राकृतिक संसाधनों का कुशल व समुचित प्रबंधन बरकरार रहे। संस्थान के उद्देश्य- १. पर्यावरणीय एवं धारणीय विकास शिक्षा को बढ़ाना, इसमें सुधार करना एवं तत्संबंधी शिक्षा प्रदान करना, २. पर्यावरणीय एवं धारणीय विकास शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए अंतर-अनुशासनिक उपागम में कार्य करना, ३. समुदाय स्तर पर धारणीय सामाजिक एवं आर्थिक विकास संबंधी मुद्दों और चुनौतियों के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाने में योगदान करना, ४. धारणीय विकास के संदर्भ में पर्यावरणीय एवं सामाजिक समस्याओं की बेहतर समझ प्रदान करने के लिए एक विचार-विमर्श मंच तैयार करना, वैज्ञानिक चर्चाओं को बढ़ावा देना एवं निर्णयकर्ताओं के लिए उपयुक्त उपागम व विश्लेषण नीति विकसित करना तथा ५. एक राष्ट्रीय नीति विकसित करने एवं धारणीय विकास संबंधी पहलों को क्रियान्वित करने के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करना है।

शिक्षण कार्यक्रम

यह संस्थान पर्यावरण एवं धारणीय विकास के क्षेत्र में अंत: विषय शिक्षा के लिए योगदान देता है और पर्यावरण और धारणीय विकास के संकाय, आईईएसडी में एकीकृत एम-फिल -पीएचडी २०१२-१३ से चल रहा है। एकीकृत एम-फिल-पीएचडी को संचालित करने वाले पाठ्यक्रम और आदेश विश्वविद्यालय के एकडमिक परिषद् द्वारा ०५.०३.२०१२ के एसीआर नं० ६८ के तहत् डिग्री कार्यक्रम को मंजूरी दी गयी थी । इसके अलावा एमफिलपीएचडी पढ़ाने के अलावा छात्र आईईएसडी के संकाय सदस्य एमएससी में शिक्षण और शोक्ष मार्ग दर्शन में भाग लेते हैं। वर्तमान में संस्थान में तीन नये एमएससी पर्यावरण एवं जैव प्रौद्योगिकी, पारिस्थितिक विज्ञान और पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान में जुलाई २०१८ से विशेषज्ञता के साथ पढाये जा रहे हैं। संस्थान के शिक्षकों ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के महिला महाविद्यालय में एमएससी जैव सूचना, विज्ञान संकाय में एमएससी टेक. भूभौतिकी एवं एमएससी पर्यावरण विज्ञान में शिक्षण एवं विनिबंध मार्गदर्शन कार्यक्रम में भी सहभागिता की। आईईएसडी के संकाय सदस्य एम.फिल.-पी.एच.डी. के एकीकृत छात्रों को पर्यावरण विज्ञान एवं धारणीय विकास की शिक्षा देते हैं।

शोध कार्यक्रम

संस्थान सामाजिक आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से पूरा करने वाली प्रणाली को डिजाइन करने, मूल्यांकन व प्रबंधन करने वाले अंतर-अनुशासनिक एवं सहयोगी शोध का आयोजन एवं नेतृत्व करता है। आईइएसडी द्वारा चिह्नित पाँच प्राथमिकता प्राप्त शोध हैं : १. वैश्विक परिवर्तन एवं वातावरण-प्रदूषण, २. प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन ३. धारणीय कृषि, ४. वैकल्पिक ऊर्जा संसाधन तथा ५. धारणीय विकास के सामाजिक-आर्थिक एवं विधिक आयाम। आईइएसडी के संकाय सदस्यों ने वर्तमान शैक्षणिक सत्र के दौरान कई शोध परियोजनाएँ संचालित की। इन परियोजनाओं के लिए ज्यादातर धनराशि भारत सरकार प्रयोजक एजेंसियों यथा- डीएसटी, एसईआरबी, डीबीटी, सीएसआईआर, मिनिस्ट्री ऑफ फारेन अफेयर्स, जापान सरकार तथा राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय संगठनों ने परियोजना हेतु धन प्रदान किया।

सुदूर पहुँच/विस्तार

यह संस्थान अपनी सुदूर गतिविधियों के माध्यम से समुदाय स्तरीय प्रदर्शन एवं संगोष्ठियों इत्यादि समेत धारणीयता को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के भागीदारी को शामिल करना चाहता है। संस्थान का उद्देश्य तथ्यपत्र, स्थिति रिपोर्ट एवं शैक्षणिक संसाधन तैयार करना भी है। इस दिशा में सार्क आपदा प्रबंधन केन्द्र (एसडीएमसी), नई दिल्ली के निर्देशानुसार आईइएसडी ने ''सार्क देशों में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन पर सारांश'' तैयार किया।

शैक्षणिक/शोध/प्रशासनिक कार्यकलाप

- पर्यावरण विज्ञान एवं धारणीय विकास के स्नातकोत्तर स्तर पर एम.फिल. शिक्षण
- पर्यावरण विज्ञान (पर्यावरण प्रौद्योगिकी) के स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षण।
- पर्यावरणीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में पी.एच.डी. कोर्स वर्क।
- भू-भौतिकी, पर्यावरण विज्ञान एवं प्रयुक्त सूक्ष्मजैविकी में एम.एससी. कक्षाएँ।
- ५ जुलाई २०१८ से तीन नए एम.एससी. कोर्स पर्यावरण जैव प्रोद्योगिकी, पारिस्थितिकी विज्ञान और पृथ्वी तथा वायुमंडलीय विज्ञान, संस्थान में शुरू हुए।

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला

- दो दिवसीय पंचम स्नातक गोष्ठी ३०-३१ जनवरी, २०१९ का आयोजन पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में किया गया।
- विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ५ जून २०१८ को संस्थान ने पर्यावरण दिवस मनाया।
- ९ अगस्त २०१८ को संस्थान में सायेशा वेलफेयर फाउण्डेशन नई दिल्ली द्वारा लिंग संवेदनशीलता एवं आत्मरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें छात्र/छात्राओं को आत्मरक्षा के आसान तरीकों पर विधिवत् चर्चा की गयी।
- संस्थान की ओर से एक अन्तर्राष्ट्रीय इन्डो-यू.एस. बाइलेटरल वर्कशाप १६-२१ नवम्बर २०१८ को आयोजित किया गया। पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान ने १६-२१ नवंबर २०१८ को एक अंतराष्ट्रीय इंडो-यूएस द्विपक्षीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसने मुख्यत: पानी, भोजन, उर्जा और जलवायु परिवर्तन पर भारतीय वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं को विशेष रूप से पानी की स्थिरता के मुद्दों को बेहतर ढंग से समझने और उचित समाधानों को निर्धारित करनें में मदद की।
- संस्थान में ११-१२ दिसम्बर, २०१८ को दो दिवसीय कार्यशाला ''विज्ञान सलाह एवं पर्यावरण'' पर इग्सा एशिया कैपिसिटी बिल्डिंग द्वारा आयोजित किया गया।
- २८ जनवरी २०१९ को दो दिवसीय पर्यावरण मीडिया तथा गैर सरकारी संगठन पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

छात्रों के लिए उपलब्ध अनुसंधान सुविधाएँ

छात्र-छात्राओं के लिए शोध सुविधाओं हेतु संस्थान में सेन्ट्रल इन्स्ट्रूमेन्टल लैब की सुविधा प्रदान की गयी है, जिसमें गैस क्रोमैटोग्राफी, एचपीएलसी, सोलर फोटोवोल्टेक ट्रेनिंग किट, यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोमीटर, इलेक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम, एरोसॉल सैम्पलर इत्यादि।

प्रस्तावित अध्ययन के कार्यक्रमों की नवीनतम सूची

- पर्यावरण एवं धारणीय विकास में एकीकृत एम.फिल.-पीएच.डी.
- पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान (पर्यावरण प्रौद्योगिकी)
- पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी में पीएच.डी.
- एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान (पर्यावरण बायोटेक्नोलॉजी)
- एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान (पर्यावरण परिस्थितिकी विज्ञान)
- एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान (पर्यावरण पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान)

२.१.१.४. प्रबन्ध शास्त्र संस्थान

विश्वविद्यालय ने साठ के दशक के अंत में अपने महान संस्थापक के स्वप्न को कार्यान्वित करने की दिशा में एक और मील का पत्थर पार किया जब सन् १९६८ में वाणिज्य विभाग में प्रबन्ध में परास्नातक एंव विद्यावाचस्पति के अध्ययन का शुभारम्भ हुआ।

प्रबन्ध में उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने की बढ़ती आवश्यकता के विचार से सन् १९८४ में प्रबन्ध अध्ययन विभाग को प्रबन्ध शास्त्र संकाय में परिणत किया गया और तब से राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के प्राध्यापकों के स्फूर्त नेतृत्व में व्यवसाय जगत के नवप्रवर्तनशील एवं आवश्यकता पर आधारित कार्यक्रमों को चलाने की भी चेष्टा की गई है। सन् २०१५ में यह प्रबन्ध शास्त्र संकाय से प्रबन्ध शास्त्र संस्थान के रूप उन्नत हुआ।

आवश्यकता पर आधारित कार्यक्रम

व्यवसाय जगत की परिवर्तनशील आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए प्रबन्ध शास्त्र संस्थान ने इन वर्षो के दौरान विभिन्न नवप्रवर्तनशील प्रबंध पाठ्यक्रमों का संचालन किया है।

प्रबन्ध में विद्यावाचस्पति के अतिरिक्त संकाय ने द्विवर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रमों – विशारद प्रबन्ध अध्ययन चलाया जो कि कालान्तर में विशारद व्यवसाय प्रबन्ध के नाम से जाना जाने लगा और वर्तमान में विशारद प्रबन्ध प्रशासन के नाम से जाना जाता है।

कार्यरत् अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए प्रबन्ध अध्ययन में त्रिवर्षीय अंशकालिक उपाधि पाठ्यक्रम विशारद व्यवसाय प्रबन्ध भी संकाय द्वारा चलाया गया। इसके अतिरिक्त त्रिवर्षीय अंशकालिक स्नातकोत्तर सनद पाठ्यक्रम कार्मिक प्रबन्ध विपणन प्रबन्ध एंव वित्त प्रबन्ध में कार्यरत अभ्यर्थियों के लिए चलाया गया।

सतत् पुनरीक्षण एवं नवप्रर्वतन के साथ संकाय सदैव ही वर्तमान एवं भविष्य की जटिल व्यावसायिक गतिविधियों को सम्भालने में सक्षम प्रबन्धकों को निखारता आया है।

दूरदृश्य: संकाय प्रबन्धकीय ज्ञान एवं विकासशील सामाजिक संवेदनशील नेतृ-प्रबन्धकों के कार्यक्षेत्र को पुनर्परिभाषित करने हेतु प्रतिबद्ध एवं सर्वप्रशंसित वैश्विक, उत्कृष्ट केन्द्रों में से एक बनने का अभिलाषी है।

लक्ष्य: प्रबन्ध शास्त्र संस्थान का लक्ष्य, उत्कृष्ट शिक्षा, शोध, मंत्रणा एवं अन्य सेवाओं द्वारा व्यवसाय, उद्योग तथा अन्य आवश्यक आयामों की आवश्यकताओं को पूरित करना है।

उद्देश्य: प्रबन्ध क्षेत्र में अपना भविष्य संवारने के अभिलाषी होनहार युवा प्रतिभागियों को आवश्यकता आधारित शिक्षा प्रदान करना।

- प्रबन्ध शिक्षा क्षेत्र को व्यावहारिक एवं वैचारिक दोनों प्रकार के शोध कार्यों एवं गुणवत्ता प्रकाशन के द्वारा समृद्ध बनाना

- प्रबन्धकीय विकास कार्यक्रमों द्वारा व्यावसायिक प्रबन्धकों की निर्णय निर्धारण प्रवीणता एंव प्रशासनिक सामर्थ्य को बढ़ाना तथा मंत्रणा सेवा द्वारा उनकी विशिष्ट समस्याओं को सुलझाना
- गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न प्रबन्ध संस्थानों के अध्यापकगणों के ज्ञान एवं प्रवीणता को समृद्ध करना
- निगम एवं विश्वस्तरीय शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग करके प्रबन्ध शिक्षा के शोध को प्रोत्साहन प्रदान कर विभाजन रेखा का अन्तर मिटाना
- संभाग के छात्रों और युवाओं में उद्यमिता के प्रति उन्मुखता को अंतर्निविष्ट करना।

व्यवसाय जगत के साथ सहयोग

संस्थान के व्यवसाय जगत से प्रबल सम्बन्ध हैं। संकाय में सामयिक विषयों पर अतिथि व्याख्यानों और छात्रों एवं संकाय के सदस्यों के साथ पारस्परिक व्यवहार हेतु संकाय उच्च व्यावसायिक कार्यकारियों को आमंत्रित करने में निरन्तर प्रयासरत रहा है।

संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न शैक्षणिक आयोजनों जैसे कि वर्ष पर्यन्त व्याख्यान शृंखला, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन, कार्यशालाएँ, बुद्धिशीलता/विचारावेश संकाय विकास कार्यक्रम, प्रबन्धकीय विकास और अन्य कार्यक्रमों में उद्योग जगत के वरिष्ठ कार्यकारियों को हमेशा ही से मुख्य संसाधक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया जाता रहा है। इन शैक्षणिक पारस्परिक व्यवहारों ने निश्चित ही संकाय में शिक्षकों के ज्ञान को बढ़ाया है। हमें अपने पाठ्यक्रम पुनरीक्षण में भी उद्योग जगत से सहयोग और सामृद्धिक सुझाव मिलते रहे हैं।

व्यावहारिक प्रशिक्षण, शोध प्रबन्ध एवं अंतिम स्थापन

व्यवसाय जगत के साथ सहयोग का एक और क्षेत्र है। हमारे प्रबन्ध छात्रों का व्यावहारिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का भाग होने के नाते हमारे छात्र प्रतिवर्ष गर्मियों के दौरान आठ सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण लेते हैं।

हमें उद्योग से इस हेतु अपार सहयोग प्राप्त हुआ है। शोध प्रबन्ध की सफलता पूर्वक सम्पन्नता में भी हमारे छात्रों को सहयोग मिलता है।

परिसर स्थापन्न भी उद्योग जगत से अच्छे सम्बन्धों का एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है। अनेकों प्रतिष्ठित निजी एंव सरकारी क्षेत्र के संगठन परिसर स्थापन में सहयोग करते हैं। इनमें से भारतीय रिजर्व बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय कोयला निगम, डीएलएफ, पेन्टालून्स, इन्फोसिस, फाईनों, बैंक ऑफ इंडिया, देना बैंक, इण्डोगल्फ, आईसीआरएम, आईडीबीआई, एनसीएमएसएल, एक्सिस बैंक, वीजा स्टील, यूको बैंक, स्टैग इन्टरनेशनल कुछ प्रमुख नाम हैं।

सहयोग

- इलाहाबाद बैंक चेयर
- नीमेट के अन्तर्गत संकाय विकास कार्यक्रम
- प्रबन्ध विकास कार्यक्रम, एनटीपीसी
- ग्रामीण विद्युतीय निगम राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
- आईसीआईसीआई के साथ एक वर्षीय सनद पाठ्यक्रम
- मंत्रणा परियोजना यूएनडीपी के साथ
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ अध्येतावृत्ति कार्यक्रम

अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षण संस्थाओं के साथ सहयोग

इस पहल में विश्वविद्यालय ने हाल ही में जिन संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं : इथियोपिया लोक सेवा कॉलेज, इथियोपिया; विल्कीस विश्वविद्यालय, पेन्सिलेविया, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका; व्यवसाय विद्यालय, क्लेपियन विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका; लॉसित्ज विश्वविद्यालय, जर्मनी (हस्ताक्षर होना है)।

उपरोक्त संस्थाओं के अतिरिक्त, संस्थान ने विभिन्न अवसरों पर अन्य संस्थाओं के साथ भी बौद्धिक एवं शैक्षणिक भागीदारी की है। इनमें से कुछ निम्न हैं –

- व्यवसाय विद्यालय, कंसास विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- कृषि एंव संगणक विज्ञान विद्यालय, टैनेसी राजकीय विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- वैश्विक सामरिक प्रबन्ध इंक., संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
- ग्राहक सम्बन्ध प्रबन्ध संस्थान, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका

मान्यताएँ

- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा छः दिवसीय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम केन्द्र के रूप में अभिज्ञात
- प्रबन्ध में राष्ट्रीय विद्यावाचस्पति अध्येतावृत्ति हेतु पोषक संस्थान के रूप में मान्यता
- डी.आर.एस.–प्रावस्था द्वितीय (विशिष्ट सहयोग कार्यक्रम) वि.अ.आ.
- उद्योग संस्थान भागीदारी प्रकोष्ठ (अ.भा.त.शि.प.)

योगदान

नियमित शैक्षिक कार्यक्रम

संकाय ने स्थापना से लेकर अब तक ५००० से भी अधिक प्रबन्ध स्नातक निर्मित किये हैं जो कि विश्वभर में सरकारी एवं निजी क्षेत्र के संगठनों में मुख्य पदों पर अपनी सेवा दे रहे हैं। यह संख्या संकाय द्वारा संचालित स्नातकोत्तर सनद पाठ्यक्रमों एवं विद्यावाचस्पति प्रबन्ध शोध के सैकड़ों अभ्यर्थियों के अतिरिक्त है।

शोध प्रकाशन

संकाय की अपनी शोध पत्रिका–काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रबन्ध समीक्षा–समसामाजिक प्रबन्ध शोध की एक पत्रिका (आईएसएसएन–२२३१०१४२) है। संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा की पत्रिकाओं में लगभग ५०० से अधिक शोध पत्र एवं १०० से अधिक पुस्तकें प्रकाशित करवाई हैं।

विस्तृत गतिविधियाँ

- उद्योग शैक्षिक सम्मेलन २०१२
- उभरती अर्थव्यवस्थाओं में विपणन परिप्रेक्ष्य पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला

- पोस्ट एकोनोमिक मेल्ट डाऊन इरा पर एमडीसा के साथ अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला
- सम्मिलित वृद्धि एवं सूक्ष्म वित्त अभिगम्य पर सम्मेलन (सिगमा)
- उच्चतर शिक्षा में गुणवत्ता परिप्रेक्ष्य पर डायरेक्टर्स कान्क्लेव
- भारतीय विश्वविद्यालय संघ के साथ उच्चतर शिक्षा संस्थानों में वित्तीय प्रशासन पर राष्ट्रीय कार्यशाला
- चिरस्थायी विकास हेतु ऊर्जा पर्यावरण एवं आपदा प्रबन्ध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन
- कृषि एंव ग्रामीण विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

इसके अतिरिक्त संस्थान ने पिछले दो वर्षों के दौरान ५० सभाओं का आयोजन भी किया। निम्न के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किये गये।

- ग्रामीण विद्युतिकरण निगम लि.
- मानव संसाधन विकास प्रकोष्ठ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
- मा.सं.मं. के सहयोग से माईक्रोसाफ्ट द्वारा शिक्षण सशक्तिकरण कार्यक्रम
- विज्ञान एवं तकनीकी विभाग नीमेट के सहयोग से संकाय विकास कार्यक्रम
- अ.भा.त.शि.प. के सहयोग से गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम

व्यवसाय निदानगृह

संकाय द्वारा व्यवसाय निदान गृह की स्थापना हेतु एक नव प्रवर्तनीय कदम था। इस पहल का उद्देश्य – कक्षा के उपरान्त व्यवसाय अध्ययन के व्यावहारिक एवं सैद्धान्तिक अन्तर को मिटाना एवं व्यवसायियों एंव उद्यमियों को विशेषज्ञ सेवाएँ प्रदान कराना है।

सामुदायिक सेवाएँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत डीआरएस १ की पहल के तहत संकाय के छात्रों के सामाजिक संघ-सेवार्थ, मानवता के लिए भी स्थापना की गई। इस पहल का उद्देश्य युवा पीढ़ी को समाज कल्याण के लिए आकर्षित करना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की चेतना का अन्तर्रनिविष्टीकरण करना है।

अब तक की गतिविधियाँ

रक्तदान शिविर, सरसुन्दरलाल अस्पताल में भर्ती गरीब रोगियों को कम्बल वितरण, सामाजिक उद्यमियों से पारस्परिक व्यवहार, सामाजिक उद्यमों का भ्रमण, जॉय ऑफ गिविंग वीक आदि।

पुराछात्र गतिविधियाँ

प्रबन्ध अध्ययन कार्यक्रम के सूत्रपात से आज तक, विश्वविद्यालय ने ५००० से भी अधिक प्रबन्ध स्नातक निर्मित किए हैं। जो कि विश्व की शासकीय और निजी संस्थानों में महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रबन्ध पुरा छात्र संघ इस बिरादरी को सशक्त करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भूमा के भारत एंव विश्व में प्रादेशिक खण्ड हैं। संघ संकाय की विकासीय पहलों में भी योगदान दे रहा है। व्यवसाय जगत से सम्बन्धों के प्रबलीकरण तथा संकाय के छात्रों में प्रशिक्षण एवं स्थापन की व्यवस्थाएँ आदि में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। संघ नियमित रूप से विश्वविद्यालय परिसर में वार्षिक सम्मेलन आयोजित करता है। संकाय अध्यक्ष इस संघ के पदेन अध्यक्ष एवं संरक्षक होते हैं।

संस्थान के क्रियाकलापों का संक्षिप्त प्रतिवेदन

वर्तमान सत्र के अन्तर्गत, संकाय ने नियमित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न विकासीय गतिविधियों का आयोजन किया –

प्रसंग का शीर्षक	दिनांक
मुख्य संरक्षक: कुलपति, बीएचयू (संरक्षकगण: प्रो. एस.के.दूबे, निदेशक, प्रबंध शास्त्र संस्थान-बीएचयू और प्रो. पी. एस. त्रिपाठी, संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, प्रबंध शास्त्र संस्थान-बीएचयू, संयोजक: डॉ. अमित गौतम और अनुराग सिंह, प्रबंधशास्त्र संस्थान-बीएचयू)	२ मार्च २०१९
कृषिसंग्राम - रा.गा.द. प. में एमबीए एग्रीबिजनेस का प्रबंधन उत्सव	२८ फरवरी २०१९
अतिथि व्याख्यान विशिष्ट अतिथि : प्रो.अनोल भट्टाचार्य, पीएच.डी. व्यवसाय - नीति के प्रोफेसर, आईएसडीएस फुलब्राइट - नेहरू विशिष्ट पीठ, मुमा कॉलेज ऑफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, यूएसए के प्रोफेसर।	१२ फरवरी २०१९
शोध कार्यप्रणाली पर राष्ट्रीय कार्यशाला (संरक्षकगण: प्रो. एस.के.दूबे, निदेशक, प्रबंध शास्त्र संस्थान - बीएचयू और प्रो. पी. एस. त्रिपाठी, संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, प्रबंध शास्त्र संस्थान- बीएचयू, समन्वयक: डा. आशुतोष मोहन, प्रबंध शास्त्र संस्थान-बीएचयू)	११-१६ फरवरी २०१९
समूह निर्माण पर अतिथि व्याख्यान, विशिष्ट अतिथि श्री अनिरुद्ध माहेश्वरी, पूर्व डीजीएम, ओएनजीसी और आईटी -बीएचयू वी आईएम -बीएचयू के एक विशिष्ट पूर्व छात्र।	८ फरवरी २०१९
बीएचयू के पूर्व प्रबंधन छात्र संघ की वार्षिक बैठक (बीएचयूएमएए)	२७ जनवरी २०१९
अतिथि व्याख्यान, निर्णय निर्माण में विपणन विश्लेषण, विशिष्ट अतिथि: श्री रजनीश तुली, प्राचार्य व्याख्याता और सलाहकार, डाटा साइंस प्रैक्टिस, इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्टम साइंसेज, नेशनल यूर्निवसिटी, ऑफ सिंगापुर, यूनिवर्सल डिजिटल यूनिवर्सिटी, यूएसए।	२३ जनवरी २०१९

अतिथि व्याख्यान, व्यवसाय के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और नवाचार का प्रभाव विशिष्ट अतिथि: डॉ. हरिकृष्ण मोहन, कुलपति, यूनिवर्सल डिजिटल यूनिवर्सिटी, यूएसए।	२१ जनवरी २०१९
भारत अध्ययन केंद्र, कला संकाय, बीएचयू के सहयोग से संस्थान के गैर शिक्षण कर्मचारियों के लिए ''योग पर तीन दिवसीय कार्यशाला'' का आयोजन किया गया। डॉ.गीता वाई भट्ट, शताब्दी अभ्यागत प्रोफेसर, भारत अध्ययन केंद्र ने कार्यशाला का संचालन किया।	२० - २१ दिसंबर २०१८
''हैंडबुक ऑफ एड्वान्सेज इन मार्केटिग इन एन एरा ऑफ डिसरप्सन '' (प्रसिद्ध विद्वान डा. जगदीश एन शेठ के सम्मान में निबंध संग्रह) की पुस्तक का विमोचन, लेखक-प्रोफेसर अतुल परवातीयर, टेक्सास टेक यूनिवर्सिटी, यूएसए और प्रो. राजेन्द्र सीसोदिया, एफ़डबल्यू ओलिन विशिष्ट प्रोफेसर, ग्लोबल बिजनेस, बाबसन कालेज, मैसाचुसेट्स	१३ दिसंबर २०१८
१५ एसबीआई अधिकारियों का दौरा एवं वार्तालाप	८ दिसंबर २०१८
ग्रीनलीफ़ इन्क्यूबेटर (आईआईटी-बीएचयू और लंदन बिजनेस स्कूल के पूर्व छात्र) के संस्थापक श्री सुमित श्रीवास्तव द्वारा अतिथि व्याख्यान	४ दिसंबर २०१८
प्रो.एस.के. दूबे ने संस्थान के निदेशक के रूप में कार्य ग्रहण किया।	२९ नवंबर २०१८
विश्वविद्यालय के १०० वें दीक्षांत समारोह के हिस्से के रूप में उपाधि वितरण समारोह।	२२ नवंबर २०१८
राष्ट्रीय शिक्षा दिवस (मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद का जन्म दिवस, स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री) मुख्य अतिथि: प्रो. सी. लाल।	११ नवंबर २०१८
नेतृत्व विकास पर अतिथि व्याख्यान और वार्ता सत्र, श्री सी.के. पोद्दार, पूर्व कार्यकारी निदेशक (एचआर /आर), नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड।	३० अक्टूबर - १ नवंबर २०१८
श्री अमित पाण्डेय, सीओओ, एक्सिकम टेलिसिस्टम्स लिमिटेड द्वारा अतिथि व्याख्यान, समन्वयक - प्रो. एच.पी. माथुर।	२६ अक्टूबर २०१८
प्रोफेसर मोहम्मद मसूद अहमद, निदेशक, इंडो अस हास्पिटल, हैदराबाद की व्याख्यानमाला ''नो योर नेशन''(अपने राष्ट्र को जाने) पर व्याख्यान की अपनी १०० श्रृंखला के भाग के रूप में उनके द्वारा अतिथि व्याख्यान। समन्वयक: डा. शशि श्रीवास्तव	२६ अक्टूबर २०१८
आर-स्टूडियो का उपयोग कर आर और सांख्यिकीय विश्लेषण के परिचय पर कार्यशाला। मुख्य वक्ता: डा. नीरज कौशिक, विभागाध्यक्ष, डीबीए, एनआईटी-कुरुक्षेत्र। समन्वयक: डा. राजकिरण प्रभाकर और डा. शशि श्रीवास्तव। सहयोग: नॉलेज फोरम।	८-१० अक्टूबर २०१८
अतिथि व्याख्यान / वार्तालाप सत्र: प्रो. सी. रमेश कुमार, निदेशक, सरदार वल्लभाई पटेल इंटरनेशनल स्कूल ऑफ टेक्सटाइल्स एंड मैनेजमेंट, कोयंबटूर। श्री अमिताव ऐश, प्रमुख विपणन, एचसीएल हेल्थकेयर, नई दिल्ली। समन्वयक : प्रो. पी.वी. राजीव। एआईसी-महामना फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप - प्रबंधशास्त्र संस्थान -बीएचयू की एक पहल।	२९ सितंबर २०१८
एमबीए एग्रीबिजनेस छात्रों हेतु श्री कमल कुमार, सलाहकार, धानुका एग्रीटेक लिमिटेड द्वारा अतिथि व्याख्यान। समन्वयक, प्रो.एस.के. दुबे।	२९ सितंबर२०१८
ग्राहक अनुभव: नया प्रतिस्पर्धात्मक क्षेत्र पर पैनल चर्चा। समन्वयक: प्रो. एच.सी. चौधरी	२५ सितंबर २०१८
अटल ऊष्मायन केंद्र, प्रबंधशास्त्र संस्थान, बीएचयू का शुभारंभ और शुभारंभ पश्चात समारोह माननीय प्रधान मंत्री ने अटल ऊष्मायन केंद्र- महामना फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप - प्रबंधशास्त्र संस्थान, बीएचयू का शुभारंभ किया	१८ सितंबर २०१८
शिक्षक दिवस समारोह	५ सितंबर २०१८
ABBSCISSA HR प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्धारण कार्यशाला का आयोजन। मुख्य वक्तागण: श्रीमती जयति मित्रा, श्री बी.एम. सैश, श्री संजय पात्रो। समन्वयक: प्रो.एच.पी. माथुर	१-२ सितंबर २०१८
भारतीय खुदरा परिदृश्य और फ्यूचर ग्रुप की यात्रा पर अतिथि व्याख्यान। मुख्य अतिथि: श्री श्रीनाथ गांगिल, मार्केटिंग हेड (यूपी जोन), फ्यूचर ग्रुप। समन्वयक: प्रो. एच.पी. माथुर	२१ अगस्त २०१८
पीजीडीबीए के नव प्रवेशित छात्रों के लिए अधिष्ठापन कार्यक्रम। मुख्य अतिथि: श्री अमिताभ अग्रवाल, निदेशक, एनआईआईटी, वाराणसी	१६ अगस्त २०१८
शोध छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए अतिथि व्याख्यान /वार्तालाप सत्र डॉ. अभिरूपा चक्रवर्ती, एसोसिएट प्रोफेसर और विशिष्ट संकाय सदस्य, स्ट्रेटजी स्मिथ स्कूल ऑफ बिजनेस, क्वीन यूनिवर्सिटी, कनाडा	१३ अगस्त २०१८

लैंगिक जागरूकता और आत्मरक्षा पर कार्यशाला: महिला शिकायत प्रकोष्ठ, बीएचयू और सायशा फाउंडेशन, दिल्ली के सहयोग से आयोजित। मुख्य अतिथि: प्रो रॉयना सिंह, मुख्य आरक्षाधिकारी एवं अध्यक्ष, महिला शिकायत प्रकोष्ठ, बीएचयू ,अध्यक्षता : प्रो. पी.एस. त्रिपाठी, निदेशक, संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष ; समन्वयक: प्रो. उषा किरण राय, अध्यक्ष,महिला शिकायत प्रकोष्ठ, प्रबंधशास्त्र संस्थान -बीएचयू	९ अगस्त २०१८
एमबीए और एमबीए आईबी के नव प्रवेशित छात्रों के लिए अधिष्ठापन कार्यक्रम	१७-२१ जुलाई २०१८
श्री दीपक बहल, निदेशक एचआर, एपीजे ग्रुप और सुश्री विनीता थापा, निदेशक एचआर, द ग्रांड होटल, सराफ होटल्स ग्रुप के साथ वार्तालाप सत्र	२९ जून२०१८
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	२१ जून २०१८
उभरती व्यवसाय प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन	७-८ अप्रैल २०१८ ७-८ अप्रैल २०१८ ७-८ अप्रैल २०१८

छात्रों हेतु उपलब्ध शोध सुविधाओं का विवरण

संकाय प्रबन्ध अध्ययन में परास्नातक पाठ्यक्रम चलाता है। छात्रों को अपने पाठ्यक्रम के समेकित भाग के रूप में लघु परियोजना शोध प्रबन्ध तथा आठ सप्ताह के व्यावहारिक प्रशिक्षण का प्रतिवेदन देना अनिवार्य है।

बौद्धिक अवसंरचना

संकाय की सबसे महत्वपूर्ण विशिष्टता इसके निष्ठावान संकाय सदस्य हैं जो कि अपने भावी प्रबन्धकों को उभरते प्रचलन के प्रति प्रबुद्ध करने एवं उनको व्यवसाय जगत की चुनौतियों का सामना करने के लायक बनाने में सदैव तत्पर रहते हैं।

इसके अतिरिक्त एक शोध वैज्ञानिक एवं चार संविदा आधारित संकाय सदस्य भी हैं। उक्त में दक्षिण परिसर स्थित एम.बी.ए. एग्री बिजनेस के संकाय सदस्य सम्मिलित हैं।

बौद्धिक सहभाजन

प्रमुखतम सुविधा यह है कि एक ही छत के नीचे अन्तर्विषयी शोध एवं मंत्रणा के लिए बुद्धिजीवी उपलब्ध हैं। छात्र, शोध छात्र एवं संकाय सदस्य, विश्वविद्यालय में किसी भी अन्य संकाय या विभाग के संकाय सदस्यों के साथ पारस्परिक व्यवहार हेतु स्वतंत्र हैं। विश्वभर में यह सबसे दुर्लभ स्थितियों में से एक है।

ग्रीष्म प्रशिक्षण, शोध प्रबन्ध, लघु परियोजना, प्रेरणा एवं इंटर्नशिप

आठ सप्ताह का ग्रीष्म प्रशिक्षण शोध प्रबन्ध, लघु परियोजना आलेख एवं प्रेरक संकाय के एम.बी.ए. एम.बी.ए. आई.बी. और एम.बी.ए. एग्रीबिजनेस पाठयक्रमों का अन्य भाग है। छात्र इन परियोजना समुनदेशनों को संकाय सदस्यों के परामर्श पर करते हैं।

संकाय उक्त पाठयक्रमों के नवप्रवेशी छात्रों के लिए एक सप्ताह का प्रेरण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। इसका उद्देश्य नवागन्तुकों को संकाय, सदस्यों एवं उद्योग पर्यावरण बनने के लिए आवश्यक मापदण्डों से परिचित करवाना है। इनमें से कुछ विषय प्रसंग निम्नानुसार हैं-

- सम्प्रेषण कौशल
- व्यक्तिगत विकास
- समूह चर्चा/साक्षात्कार तकनीक
- व्यवहार कुशल विकास
- गैर लेखा कर्मियों के लिए लेखा ज्ञान
- पारसांस्कृतिक प्रशिक्षण
- सांगठनिक कौशल एवं समूह निर्माण

छात्रों की प्रतिपुष्टि के आधार पर संकाय अपने पाठ्यक्रमों के तत्व क्षेत्र, अवधि को औद्योगिक एवं शैक्षिक विशिष्टता के मिश्रण के साथ अद्यतन करता है।

शोध के नव प्रवेशियों को छ: माह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करना अनिवार्य है जो कि मूलत: छात्रों को शोध कार्य पद्धति, सम्प्रेषण कौशल, सूचना प्रौद्योगिकी अस्त्र एवं तकनीकी तथा गहन साहित्य पुनरीक्षण से सम्बन्धित ज्ञान प्रदान करने में सहायक है।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक छमाही में एमबीए एग्रीबिजनेस के नव छात्रों हेतु विशिष्टत: आकल्पित एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य परिसर में आयोजित किया जाता है। प्रतिदिन कक्षाओं का आरम्भ लगभग ४५ मिनट के चिन्तन सत्र से होता हैं जो कि छात्रों को दिवस पर्यन्त पाठ्यक्रमों व गैर पाठ्यक्रमेत्तर गतिविधियों के दौरान स्फूर्तित करता है।

२.१.१.५. विज्ञान संस्थान

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना के समय से ही इसके संस्थापक पं. मदन मोहन मालवीय जी ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की शिक्षा व शोध पर विशेष ध्यान दिया। वर्ष २०१५-१६ में विज्ञान संकाय का विज्ञान संस्थान के रूप में उन्नयन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विज्ञान संस्थान में भौतिकी, रसायन, गणित, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, संगणक विज्ञान तथा विज्ञान-शिक्षा के क्षेत्र में मौलिक अनुसंधान किए जाते हैं। मौलिक अनुसंधान के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए विज्ञान संस्थान के विभिन्न विभागों में शोध-केन्द्र स्थापित किए गए हैं। उत्कृष्टता को कायम रखने के लिए नैनो-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र अन्तर्विषयी गणितीय विज्ञान केन्द्र आनुवंशिक रोग अनुसंधान केन्द्र तथा अन्तर्विषयी लाइफ साइंस स्कूल केन्द्र जैसे अनेक शोध केन्द्रों की स्थापना की गई है। बीएचयू अन्तर्विषयी लाइफ साइंस स्कूल भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं इसरो से सहायित है। इन दोनों सस्थाओं ने भौतिकी विभाग के अतंर्गत अंतर्विषयी विज्ञान की शिक्षा एवं शोध के विकास के लिए पाँच वर्षों तक सहायता प्रदान की। भौतिकी विभाग प्रतिष्ठित यूजीसी नेटवर्किंग कार्यक्रम संचालित करने वाला देश का इकलौता विभाग है। विज्ञान संस्थान लगातार बेहतर कार्य कर रहा है और संस्थान के तौर पर इसने अपनी स्थिति और भी मजबूत की है।

विज्ञान संस्थान, काहिविवि भारत के अग्रणी शोध संस्थानों में से एक है। इसमें लगभग ३०० शिक्षक हैं, और इनमें से अधिकांश शिक्षक अपने-अपने विषयों में शोध के शिखर पुरुष हैं। समस्त शिक्षण-पाठ्यक्रमों में प्रवेश राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से होता है। ये शिक्षण-पाठ्यक्रम सेमेस्टर प्रक्रिया द्वारा संचालित किए जाते हैं। पाठ्यक्रमों के लिए क्रेडिट प्रणाली एवं मूल्यांकन हेतु ग्रेडिंग प्रणाली अपनायी गई है। अन्तर्विषयी समझ को बढ़ावा पाठ्यक्रम तथा स्नातकोत्तर स्तर पर लघु वैकल्पिक पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किए जाने वाले चयन-शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराये जाते हैं। शिक्षक, विद्यार्थियों को वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय के सदस्यों के तौर पर चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने का प्रयास करते हैं।

वर्तमान में विज्ञान संस्थान के अंतर्गत १३ विभाग, २ स्कूल एवं २ अन्तर्विषयी केन्द्र हैं जिनका संचालन एवं समन्वयन संस्थान के निदेशक द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त एक मस्तिष्क अनुसंधान केन्द्र भी है जो प्राणी विज्ञान विभाग, हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र तथा भौतिकी विभाग द्वारा संचालित होता है।

यू.जी.सी. के विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत ८ विभागों को प्राप्त सहायता, जिसमें से ०५ उन्नत अध्ययन केन्द्र हैं तथा अन्य ०३ डी.एस.ए./डी.आर.एस. सहायता प्राप्त हैं, की उत्कृष्टता अध्यापन तथा शोाध में प्रतिबिंबित होती है। कुछ विभाग/स्कूल प्रथम कार्यक्रम के तहत डी.एस.टी. से सहायता प्राप्त कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त

डी.एस.टी.पी.यू.आर.एस.सी. कार्यक्रम से पाँच सालों के लिए रू.३५ करोड़ की सहायता राशि प्राप्त हुई है। जैव प्रौद्योगिकी स्कूल तथा अन्तर्विषयी प्राणि विज्ञान स्कूल को डी.बी.टी. भारत सरकार के द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आणविक और मानव आनुवंशिकी विभाग, आनुवांशिक विकार केंद्र और जीवन विज्ञान के अंत:विषय स्कूल जैव प्रौद्योगिकी विभाग, सरकार द्वारा समर्थित हैं। भारत की। प्रतिष्ठित यूजीसी नेटवर्किंग कार्यक्रम को चलाने के लिए देश में भौतिकी विभाग केवल एक है। विज्ञान संस्थान के शिक्षकों द्वारा किए गए शोध योगदान को हाल ही में देश के शीर्ष तीन संस्थानों में शामिल किया गया है। संकाय सदस्यों ने वर्तमान सत्र के दौरान ८०० से अधिक ग्रेजुएट, ८०० पोस्ट-ग्रेजुएट और ४८ पीएचडी डिग्री के पुरस्कार के लिए लगभग १२०० शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। विभिन्न फंडिंग एजेंसियों जैसे डीएसटी, डीबीटी, आईसीएआर, आईसीएमआर, बीआरएनएस, सीएसआईआर, यूजीसी, डीआरडीओ आदि की अनुसंधान परियोजनाएं संकायों द्वारा संचालित की जाती हैं।

विज्ञान संस्थान ज्ञान के मामले में सबसे आगे बढ़कर दस दशकों से भी अधिक समय से अनुसंधान कार्यों को पूर्ण करने में लगा हुआ है, तथा सर्वोत्तम गुणवत्ता के अनुसंधान संस्थान के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय महत्ता अर्जित की है। विज्ञान संस्थान से प्राप्त कुछ परिणामों ने अपने संबद्ध विषयों पर ऐसा प्रभाव छोड़ा है कि शोध के नये क्षेत्रों की राह खुल गयी है। कई संकाय सदस्य देश के प्रतिष्ठित विज्ञान अकादमियों के अध्येता हैं और शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों के विजेता हैं। भारतीय संदर्भ में, विज्ञान संस्थान मूलभूत विज्ञान में मेगा परियोजनाओं को लेने की क्षमता रखने वाले कुछ संस्थानों में से एक है। विज्ञान संकाय के उत्कृष्ट योगदान को ध्यान में रखते हुए इसे २०१६ में विज्ञान संस्थान के रूप में ऊंचा किया गया।

विज्ञान संस्थान बहुत ही गर्व के साथ अपने रोल पर गर्व महसूस कर सकता है जैसे शिक्षक और विद्वान आर.के. असुंधी, एस.एस.भटनागर, एम. एस. कानूनगो, ए.बी. मिश्रा, गणेश प्रसाद, एस.एस. जोशी, वी.वी. नार्लीकर, सी. एन. आर. राव, यू.आर. राव, जे. वा. नार्लीकर, के.के. माथुर, राजनाथ, जी बी सिंह, आर. मिश्रा, एस.पी. रे-चौधुरी, लालजी सिंह, ए. आर. वर्मा, आर.एस. मिश्रा, एच.एस. राठौर, एच। एल। छिब्बर, आर. एल. सिंह, एस. एल. कायस्थ, वी.के. पाटोदी, वी. के. गौर, आर.के. लाल, एम. एस. श्रीनिवासन, आर.एस. शर्मा और कई अन्य प्रसिद्ध भारतीय विज्ञान के दिग्गज।

कैंपस सेलेक्शन के माध्यम से छात्रों को रोजगार के अवसर भी प्रदान किए जाते हैं। संकाय छात्रों को एक वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय के सदस्यों के रूप में चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने का प्रयास करता है।

जैव रसायन विज्ञान विभाग

जैव रसायन विभाग को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में सन् १९८३ में एक स्वतंन्त्र विभाग के रूप में स्थापित किया गया। विभाग में जैव रसायन विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षण एवं अनुसंधान के लिए पर्याप्त बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। वर्तमान समय मे विभाग में अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे-कैंसर बायोलॉजी, न्यूरोबायोलॉजी, इम्यूनालॉजी, इनफेक्टीअस डिजीज, क्लीनीक बायोकमेस्ट्री, इनजाइमोलॉजी, इनजाइम तकनीक, प्लान्ट बायोकमेस्ट्री, आदि क्षेत्रों में अनुसंधान की सूविधाएँ हैं। विभाग स्नातकोत्तर एवं शोध की डिग्री बोयोकमेस्ट्री में प्रदान करता है। स्नातकोत्तर में प्रतिवर्ष कुल छात्रों की संख्या-२८ सामान्य और ०४ स्व-वित्तपोषित है।

विभाग को सबसे अधिक उत्पादक शोधकर्ता पुरस्कार २०१९ (डॉ एससी गुप्ता को) और सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार २०१८ (डॉ ए गुप्ता) इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बीएचयू से मिला है।

विद्यार्थी केन्द्रित गतिविधियाँ

विभाग के सभी छात्रों को परामर्श की सुविधा प्रदान की जाती है। विभाग से प्रतिवर्ष लगभग ४० प्रतिशत छात्र नेट योग्यता में सफल होते हैं। इसके अतिरिक्त विभाग नियमित रूप से स्नातकोत्तर एवं शोधछात्रों के बीच प्रश्नोत्तरी एवं वाद-विवाद गतिविधियों का अयोजन करता रहता है। इस विभाग के कई छात्र देश-विदेश के कई संगठनों में विभिन्न पदों पर विराजमान है।

प्रतिष्ठित आगंतुक

विभाग में नियमित रूप से व्याख्यानों का आयोजन होता रहता है। विभाग के कुछ प्रतिष्ठित आगंतुक है - प्रो. देवी सरकार (दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत), प्रो. ओ.पी. मल्होत्रा (रिचमांड, वी.ए. यू.एस.ए.), प्रो. ओ.पी. मिश्रा (यूनिर्वसीटी आफ पेन्सिलवानिया, यू.एस.ए.), प्रो. डी. के. श्रीवास्तव (यूनिर्वसीटी आफ नार्थ डकोटा, यू.एस.ए.), प्रो. निर्भय कुमार (यूनिर्वसीटी आफ टूलेन, यू.एस.ए.), प्रो. सत्यप्रकाश (मैकगिल यूनिर्वसीटी, कनाडा, यू.एस.ए.), प्रो. सियाराम पाण्डेय (यूनिर्वसीटी आफ विन्डसोर, यू.एस.ए.), प्रो. के. के. सिंह (न्यूयार्क मेडिकल सेन्टर, न्यूयार्क, यू.एस.ए.), प्रो. राजेन्द्र अग्रवाल (वर्डसवार्थ सेन्टर न्यूयार्क, यू.एस.ए.), डॉ. सुधा लाल (हरवर्ड मेडिकल स्कूल, यू.एस.ए.)।

अभिनव शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम

सेल बायोलॉजी और फिजियोलॉजी जैव-विश्लेषणात्मक तकनीकों, जैव-ऊर्जा विज्ञान और चयापचय, जैव-अणुओं और माइक्रोबियल जैव-रसायन, आणविक जीव विज्ञान, इम्यूनोलॉजी, एंजाइमोलॉजी, पादप जैव रसायन, आणविक जीव विज्ञान, नैदानिक जैव-रसायन और जैव प्रौद्योगिकी की रूपरेखा पर आधारित प्रमुख सिद्धांत पत्र वर्तमान शोध आउटपुट हैं।

जैव प्रौद्योगिकी स्कूल

सन् १९८६ में जैवप्रौद्योगिकी स्कूल की स्थापना जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विज्ञान संस्थान में हुई। बायोटेक्नोलॉजी स्कूल २००९ में इंटर डिसिप्लिनरी स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज (आईएसएलएस), डीबीटी, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित केंद्र में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

स्कूल में शिक्षण और व्यावहारिक कक्षाओं के लिए उत्कृष्ट सुविधाएं हैं। पीसीआर, डीएनए अनुक्रमण और फ्लो साइटोमेट्री आदि जैसी हालिया तकनीकों का उपयोग करके विभिन्न कोर पाठ्यक्रमों में प्रैक्टिकल आयोजित किए जाते हैं। स्कूल डीएसटी-एफआईएसटी और यूजीसी-एसएपी (चरण-प्रथम, द्वितीय और तृतीय) का प्राप्तकर्ता है।

जैवसूचना केन्द्रः स्कूल मे सन् १९८९ में जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्त-पोशित एक जैवसूचना केन्द्र भी विकसित की गई है, जिसमें इण्टरनेट सुविधा, डाटाबेस, जैवसूचना मशीन, दूरभाष, फैक्स मशीन, मौजूद हैं और छात्रों, अध्यापकों तथा शोध छात्रों के अलावा विश्वविद्यालय के अन्य विभागों व बाहरी संस्थाओं द्वारा इसका भारी पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। केन्द्र पीएचडी छात्रों के लिए प्रतिवर्ष २-३ कार्यशाला आयोजित करता है।

वृहद्शोध क्षेत्रः वर्तमान में शोध कार्य हेतु स्कूल के प्राध्यापकों की सक्रियता निम्न क्षेत्रों में हैः-

कार्यात्मक जीनोमिक्स, सिस्टम जीव विज्ञान और जीवाणुओं में सिंथेटिक जीव विज्ञान, कोशिकीय एवं आणुविक प्रतिरक्षा एवं अर्भुद विज्ञान, कर्क एवं इन्फ्लेमेटरी रोगों का प्रतिरक्षात्मक उपचार, जीनोमिक एवं प्रोटोमिक स्तर पर चूहे में यकृत कैंसर से बचाव मे जड़ी बूटियों की भूमिका, इमोनोटाक्सिक और इमोनोमॉलिडेटरी शिक्षा में साइनो बैक्टीरियल पदार्थों का अध्ययन, फुट अल्सर की मौलीकुलर टाइपिंग जो जीवाणुओं के कारण होता है, आणुविक सूक्ष्मजीव विज्ञान के साथ प्लांट ग्रोथ जीवाणुओं के अध्ययन पर जोर, नाइट्रोजन फिक्सिंग जीवाणुओं का क्रियात्मक जीनोमिक्स एवं आणुविक विज्ञान पर आधारित यूबी-बी विकरण की जीवाणुओं और साइनो बैक्टीरिया की सहन शक्ति।

अभिनव शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम

प्रशिक्षण पर व्यापक हाथ से जैव सूचना विज्ञान का शिक्षण शुरू किया गया। यूजीसी-एसएपी से प्राप्त सहायता से स्कूल में शिक्षण और अनुसंधान गतिविधि में व्यापक सुधार हुआ है। संकाय के प्राध्यापको द्वारा नियमित शिक्षण और एम.एस.सी/पी.एच.डी. के छात्रों की संगोष्ठी प्रस्तुति लिए एलसीडी प्रोजेक्शन सिस्टम का उपयोग करते हैं। सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट लैबोरेटरी में रखे गए उपकरण जैसे कि जेल डाक्यूमेंटेशन सिस्टम, फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप, स्पेक्ट्रोफ्लोरोमीटर, थर्मल साइक्लर, एलिसा प्लेट रीडर, डीएनए सीक्वेंसर, रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज आदि का उपयोग पीएचडी और पीजी के छात्र द्वारा भारी किया जाता है। ठंडे कमरे का नियमित रूप से शोधकर्ताओं द्वारा उपयोग किया जाता है।

शैक्षणिक सहयोग/ समझौता ज्ञापन

आईआईवीआर (वाराणसी),एनबीआरआई, आईआईटीआर, सीबीएमआर व सीमैप (लखनऊ), जेएनयू, आईएआरआई, एनबीएआईएम (मऊ) व दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ सहयोगात्मक शोध कार्य शुरू किये गये है।

वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग देश में सबसे पुराना और प्रमुख स्नातकोत्तर और शोध केंद्रों में से एक है। वनस्पति विज्ञान में उन्नत अध्ययन केंद्र ने देश में वनस्पति विज्ञान के सबसे अच्छे विभागों में से एक को पारिस्थितिकी, अल्गोलॉजी, माइकोलॉजी और प्लांट रोग विज्ञान के क्षेत्र में और आणविक जीव विज्ञान के गैर-जोर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के रूप में अपने को प्रतिष्ठित किया है। पारिस्थितिकीय संबन्धित क्षेत्र मे घास पारिस्थितिकी, निवास संरक्षण, प्राथमिक उत्पादकता, कार्बन जब्ती, नदी पारिस्थितिकी, वैश्विक परिवर्तन प्रभाव, सीएचजी का उत्सर्जन, पारिस्थितिक तंत्र के विश्लेषण और प्रदूषण का पौधों पर पड़ते प्रभाव के क्षेत्रों में शोध किया है। पारिस्थितिकी समूह द्वारा विकसित अवधारणाओं और तरीकों ने राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर स्थापित किया है और जिसको दुनियाभर में आत्मसात कर लिया गया है। फाइकोलॉजी स्कूल ने जैव रसायन, फिजियोल जी, पारिस्थितिकी, आनुवांशिकी, आणविक जीव विज्ञान, नाइट्रोजन निर्धारण, हाइड्रोजन उत्पादन, भारी धातु के प्रदूषण और अप्लाइड फाईकोलॉजी के क्षेत्र में शोध जारी रखे हैं। माइकोलॉजी और प्लांट पैथोलॉजी ग्रुप के जड़ क्षेत्र की सूक्ष्म जीव विज्ञान में सक्रिय रुचियों, एंडोसम्बियंट्स, पत्ती की सतह का माइक्रोफ्लोरा, जैविक और पौधे रोग नियंत्रण की अन्य रणनीतियों, कवक एंडोफाइटस, प्रा.तिक कीटनाशकों और पौध सूक्ष्मजीव के बीच संबंध में सक्रिय रुचियां हैं। विभाग में अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र, जिसे उच्चानुशीलन केंद्र के जोर क्षेत्र के रूप में अभी तक मान्यता नहीं दी गई है, यह पौधा आणविक जीव विज्ञान है। प्रशंसनीय शोध गतिविधियों तनाव-सहिष्णु पौधों के कार्यात्मक जीनोमिक्स में चल रही है ताकि एबायोटिक तनाव सहिष्णुता और पादप मेटाबोलाइट के उत्पादन में वृद्धि हो सके।

वनस्पति विज्ञान विभाग मे इंडस्ट्रियल माइक्रोबायोलॉजी मे स्नातक स्तर पर व्यावसायिक पाठ्यक्रम और स्नातकोत्तर में पर्यावरण विज्ञान और एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी के लिए शिक्षण कार्यक्रम चलाता है। भारत के माननीय सर्वोच न्यायालय के निर्देश के अनुसार विभाग के शिक्षकों ने विभिन्न संकायों के छात्रों को पर्यावरण अध्ययन पाठ्यक्रम मे शिक्षण प्रदान किया है। विभाग एमएससी स्तर पर माइनर वैकल्पिक विषय पत्र अन्य विभाग के छात्र छात्राओ के लिए भी प्रदान करता है। विज्ञान संकाय के गणित स्ट्रीम के छात्रों के लिए स्नातक स्तर पर जीव विज्ञान के एन्सिलरी पाठ्यक्रमों के अध्यापन में भी अध्यापकों की सहभागीता होता है। एमएससी के छात्र प्रयोगशाला कार्यो के लिए उपयोगी पौधों को इकट्ठा करने के अलावा, उनके प्राकृतिक आवासों और उनके प्राकृतिक वातावरण में पौधों का अध्ययन करने के लिए भ्रमण करने जाते है।

विभाग ने निम्नलिखित प्रमुख विषयों में अनुसंधान प्रशिक्षण की पेशकश की पारिस्थितिकी, अल्गोल जी, माइकोल जी और प्लांट पैथोल जी और प्लांट आणविक जीवविज्ञान।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

१८.०७.२०१८ को डॉ. सुदीप मित्रा, एसोसिएट प्रोफेसर सेंटर फॉर रूरल टेक्नोलॉजी (सी.आर.टी), टेक्नोलॉजी कॉम्प्लेक्स, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आई.आई.टी) गुवाहाटी का एक व्याख्यान, वनस्पति विज्ञान विभाग में आयोजित किया गया था जिसका शीर्षक था प्रोड्यूस ''अधिक चावल और कम (जी.एच.जी) का उत्सर्जन करें: क्या यह वास्तविकता या इसका मिथक हो सकता है?''

फरवरी ०१-०२, २०१९ के दौरान ''प्लांट साइंस रिसर्च में करंट ट्रेंड्स और फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

छात्रों के लिए उपलब्ध अनुसंधान सुविधाएँ

छात्रों के लिए उन्नत अनुसंधान सुविधाओं से युक्त फैकल्टी सदस्यों के अंतर्गत व्यक्तिगत प्रयोगशालाओं के अलावा, विभिन्न साधनों और उपकरणों को केंद्रीय साधन लैब में उपलब्ध कराया गया है। इससे विभाग बी.एच.यू. और अन्य विश्वविद्यालय के विद्वान भी उपकरणों का लाभ लेते हैं। इनमे मुख्य है:- बायोलॉग सिस्टम, अल्ट्रासेंट्रीफ्यूज, पोर्टेबल फोटोसिनेथिस सिस्टम, ग्रीन हाउस गैस विश्लेषक, जीसी एमएस, फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एचपीएलसी, सीएचएनएस एनालाइजर इत्यादि।

संगणक विज्ञान विभाग

विभाग की १४ सितम्बर १९८७ को स्थापना हुई थी। विभाग को एमसीए कोर्स चलाने की जिम्मेदारी शैक्षणिक सत्र २००६ से दी गई थी। एमसीए कोर्स शैक्षणिक सत्र २००७ से पेड सीट श्रेणी के तहत राजीव गाँधी दक्षिण परिसर में शुरू किया गया था।

गतिविधियां और कार्यक्रम: कुछ छात्रों को टीसीएस में और तीन को सिकोन नेटवर्क्स में चुना गया। दो छात्र अपने पी.एच.डी. कार्यक्रम आईआईटी में कर रहे है।

रसायन शास्त्र विभाग

रसायन विज्ञान विभाग विश्वविद्यालय के प्रमुख विभागों में से एक है, जिसकी स्थापना काशी हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना के तुरंत बाद वर्ष १९१६ में की गई थी। पूर्व निर्धारित समय में यह यूजीसी-सीएएस स्तर-द्वितीय और डीएसटी-एफआईएसटी स्तर-द्वितीय समर्थित विभाग है। औषधीय और तकनीकी महत्व के अणुओं और सामग्री के संश्लेषण के लिए नई रणनीतियों के विकास की ओर।

इस अवधि में विभाग को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित रसायनज्ञों के कुशल मार्गदर्शन में आकार दिया गया। इनमें प्रो. एस.एस. भटनागर, प्रो. एस. जोशी, प्रो. जी.बी. सिंह और प्रो. एच.जे. अर्निकर शामिल हैं। इस विभाग ने देश और दुनिया को उत्कृष्ट रसायनज्ञ दिये है। उनमें से कुछ प्रो. सी.एन. आर.राव, प्रो. वी. कृष्णन, प्रो. पी. नटराजन, प्रो. विजय नायर, प्रो. जे.एस. यादव, प्रो. गणेश पांडेय, प्रो. डी. बसवैया, प्रो. वी.के. सिंह, प्रो. संदीप वर्मा, डॉ. वी.के गुप्ता, डॉ. जी.जे. संजयन, डॉ. प्रदीप कुमार एवं प्रो. अर्चिता पटनायक आदि है। हमारे अकादमिक और शोध योगदान समय-समय पर अर्जित अच्छी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी के रूप में अच्छी तरह से परिलक्षित होते रहे हैं पिछले एक साल में विभाग ने हमारे १०० से ज्यादा शोध छात्रों को हमारे समर्पित चालीस से ज्यादा शिक्षकों के सक्षम मार्गदर्शन में कड़ी मेहनत के कारण बहुत उच्च ख्याति के अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में ११५ गुणवत्ता शोध पत्र प्रकाशित किए है।

हमारी अनुसंधान क्षमता विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, परमाणु विज्ञान में बोर्ड ऑफ रिसर्च, बायोटेक्नोल जी विभाग, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जैसे प्रमुख वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा प्रायोजित हमारे विभाग में बड़ी संख्या में परियोजनाओं के संचालन में परिलक्षित होती है। हमारे अनुसंधान कार्यक्रम में सौर सेल, जैव अकार्बनिक रसायन विज्ञान, जैव-कार्बनिक रसायन विज्ञान, सुपरामॉलिक्युलर रसायन विज्ञान, किमो-/बायोसेन्सर, आचरण सामग्री, मेसोजेनिक सामग्री, तरल क्रिस्टल्स आदि में उनके संभावित अनुप्रयोगों के लिए कार्यात्मक सामग्री विकसित करने के लक्ष्य के साथ वर्तमान रुचि के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इसके अलावा हमारे रिसर्च इंट्रेस्ट में कैटेलिसिस, केमिकल कैनेटीक्स, केमिकल स्पेक्ट्रोस्कोपी, कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, मेन ग्रुप मेटल केमिस्ट्री, आर्गेनोमेटिक्स, नेचुरल प्रोडक्ट्स, ड्रग डिजाइनिंग, पॉलिमर केमिस्ट्री, क्वांटम केमिस्ट्री और स्टैटिस्टिक मैकेनिक्स जैसे क्षेत्र भी आते हैं।

गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की उपलब्धियाँ

सभी संकाय सदस्य सक्रिय रूप से रसायन विज्ञान के सीमांत क्षेत्रों में शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान में लगे हुए हैं और जिसमे ग्यारह वर्षों में (२००७-२०१८) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के पत्रिकाओं में लगभग दो हजार शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और इसी अवधि में २७० शोध छात्रों को पीएचडी. की डिग्री प्रदान की गई है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों से हमारे विभाग के शिक्षको को एक हजार चार सौ पच्चीस लाख की धनराशि अनुदान के रूप में प्राप्त हुई हैं।

अनुसंधान अनुदान विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों से प्राप्त किया गया है। हमारे संकाय सदस्य विदेशी देशों (यूएसए, यूके, जर्मनी, फ्रांस, जापान, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, स्पेन, आदि) के प्रसिद्ध रसायनज्ञों की प्रयोगशालाओं का दौरा करते रहे हैं और उनके साथ सहयोगी परियोजनाएं भी हैं।

स्नातकोत्तर स्तर पर विभाग विश्लेषणात्मक, अकार्बनिक, कार्बनिक और भौतिक रसायन विज्ञान में विशेषज्ञता प्रदान करता है। कई प्रमुख और छोटे वैकल्पिक पाठ्यक्रम जैसे कि पर्यावरणीय रसायन विज्ञान, सामग्री रसायन विज्ञान, पॉलिमर रसायन विज्ञान, आणविक प्रतिक्रिया गतिशीलता, कार्बनिक फोटोकैमिस्ट्री, अकार्बनिक फोटोकैमिस्ट्री, बायोअ र्गेनिक रसायन विज्ञान, रिंग्स, चेन और क्लस्टर्स और समकालीन रासायनिक अनुसंधान के लिए प्रासंगिक विभिन्न विषयों को पढ़ाया जा रहा है। समय के साथ तालमेल रखते हुए हम रसायन विज्ञान में अनुसंधान प्रथाओं के लिए प्रासंगिक एक उच्च मानक कंप्यूटर पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जो हमारे सभी पीजी छात्रों को उनके अगले सेमेस्टर में कोर पेपर के रूप में देते हैं।

नई सहस्राब्दी के आगमन के साथ, वैज्ञानिक अनुसंधान का प्रमुख जोर विशेष रूप से सामान्य, नैनोमीटर और जैव-प्रासंगिक अणुओं में तकनीकी रूप से महत्वपूर्ण सामग्रियों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जिनका उपयोग उपकरणों, संरचनाओं, मशीनों, चिकित्सा और प्रदूषण नियंत्रण आदि में किया जा सकता है। हाल ही में फोरेंसिक विज्ञान विभाग सहयोगी संस्था के रूप मे स्थापित की गई है । हमने इस सहयोगी संस्था, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू के साथ साथ अपने विश्वविद्यालय के ३१ अन्य विभागों से भी सहयोग विकसित किया।

छात्र केन्द्रित गतिविधियाँ

विभाग ने कई आधुनिक परिष्कृत उपकरणों, जैसे ३०० और ५००MHz NMRs, सिंगल क्रिस्टल एक्सआरडी, एफटीआईआर, यूवी-वीआईएस,जीसी-एमएस, एलिमेंटल एनालाइजर, इलेक्ट्रोकेमिकल सिस्टम, फ्लुओरेसेन्स स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, इलेक्ट्रोमीटर, टीजीए/डीटीए, एएफएम, एचपीएलसी, डीएससी और एक उच्च गति कंप्यूटिंग प्रणाली से सुसज्जित रसायन विज्ञान उपकरण सेवा केंद्र (सीआईएससी) की स्थापना की है। पिछले वर्ष हमने अपने विभाग में दो नई अनुसंधान सुविधाओं वीएसएम, बीईटी सतह विश्लेषक और इस वर्ष में उच्च रिजोल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमीटर (एचआरएमएस) को शामिल किया है। इस साल हमने चार व्याख्यान आयोजित किए, जिनमें तीन भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा जो आईआईएससी, बंगलौर, बारक (बीएआरसी) और एक स्कूल ऑफ मैटेरियल साइंस, जापान जैसे प्रतिष्ठित स्थानों से हैं।

विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम

देश भर के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए विभिन्न शोध प्रयोगशालाओं में अपनी परियोजना के काम को पूरा करने के लिए एक मेजबान। इस साल २४ घंटे लैन सुविधा और अन्य उपयोगी सॉफ्टवेयर के साथ उन्नत अध्ययन और अनुसंधान के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला की स्थापना की गई है।

अकादमिक सहयोग/समझौता ज्ञापन आदि

वर्तमान वर्ष के राष्ट्रीय स्तर के सहयोगियों में सीएसआर, इंदौर, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डीआडीओ, नई दिल्ली, सीडीआरआई, लखनऊ, आईआईएससी, जेबी लीमि. और जेडीसी बैंगलोर, ईडीआरडीई, ग्वालियर, एनसीआई, कोलकाता, एनआईएसटी – सीएसआईआर तिरुवंतपुरम, टीआईएफआर मुंबई और आईआईटी रुड़की जैसे संगठन शामिल हैं। जबकि अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी यूके (रीडिंग यूनिवर्सिटी), जापान (एआईएसटी ओसाका, टोक्यो विश्वविद्यालय), यूएसए (न्यूयार्क विश्वविद्यालय, मिशिगन डायग्नोस्टिक्स एलएलसी), इटली (वेरोना विश्वविद्यालय), चीन (डालियान विश्वविद्यालय) से हैं। प्रौद्योगिकी), कनाडा (विक्टोरिया विश्वविद्यालय), जर्मनी (म्यूनिख विश्वविद्यालय, कोन्स्टोनज विश्वविद्यालय), ताइवान (राष्ट्रीय चौ तुंग विश्वविद्यालय) आदि।

भूविज्ञान विभाग

भूविज्ञान विभाग देश का सबसे बड़ा भूविज्ञान विभाग है, जो भूविज्ञान की लगभग सभी शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान के संबंध में सबसे अधिक विविध है।

उच्च कोटि के शोध स्ट्रैटिग्राफी, पेलियोन्टोलॉजी, माइक्रो-पेलियोन्टोलॉजी और ओशियनोग्राफी, सेडिमेटोलॉजी, इकोनोमिक जियोलॉजी, कोल जियोलॉजी, आग्नेय और मेटाम र्फिक पेट्रोलॉजी, स्ट्रक्चरल जियोलॉजी एंड टेक्टोनिक्स, जियोकेमिस्ट्री, हाइड्रोलॉजी, जीआईएस, रिमोट सेंसिंग इत्यादी। भारतीय खनिज और ऊर्जा क्षेत्रों मे चुनौतियों का सामना करने के लिए नए पाठ्यक्रम तैयार किए से भी किया जाता है।

विभाग के पास एक सुव्यवस्थित संग्रहालय (प्रो. राजनाथ मेमोरियल संग्रहालय) है जिसमें भारत में टाइप क्षेत्रों और अन्य भूवैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण क्षितिज से चट्टानों, खनिजों और जीवाश्मों का प्रदर्शन है और इसके संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों द्वारा एकत्र किया गया है। संकाय में हम्बोल्ट (जर्मनी), कॉमनवेल्थ (यूके), कैम्ब्रिज-नेहरू, मैरी क्यूरी (फ्रांस), लेउवरहोलमे (यूके) और कई अन्य प्रतिष्ठित यूएस, कनाडाई, इतालीयन, स्पेनिश, हंगेरियन, जर्मन, जापानी, ब्राजील के फेलोशिप धारक, प्रतिष्ठित भारतीय और विदेशी अकादमियों आदि फैलो शामिल हैं। पेट्रोलियम भूविज्ञान की एक ओएनजीसी मालवीय कुर्सी और दो कार्यरत प्रोफेसर हैं। कई छात्र यूपीएससी, ओएनजीसी, बीएआरसी, कोल इंडिया लिमिटेड, एनईटी, गेट और आईआईटी जेएएम के भूवैज्ञानिकों/भूविज्ञानी जैसे राष्ट्रीय स्तर की शीर्ष प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होते हैं

छात्र केंद्रित गतिविधियाँ

छात्रों की एक बड़ी संख्या विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों और निजी कंपनियों और गर्मियों में प्रशिक्षण के लिए प्रतिष्ठित अनुसंधान प्रयोगशालाओं में भेजी गई है। विभाग छात्रों को उनके प्लेसमेंट के लिए सहायता भी करता है। तेल और खनन के लिए भूविज्ञान की नौकरियां सिर्फ अन्वेषण से अधिक हैं, भूविज्ञान को समझना शहरी नियोजन, पर्यावरण बहाली और विश्लेषणात्मक और अनुसंधान प्रयोगशाला में विविध प्रयासों को रेखांकित करता है। विभाग में अध्ययन करने के लिए आने वाले विदेशी छात्रों की संख्या में निरंतर वृद्धि हुई है, छात्रों की बड़ी संख्या का कैंपस प्लेसमेंट इस विभाग की पहचान है। इस साल जीएसआई, ओएनजीसी, एमईसीएल, सीजीडब्ल्यूबी कोल इंडिया लिमिटेड, बीएआरसी, वेदांत आदि की पसंद के प्रतिष्ठित भारतीय और बहुराष्ट्रीय बिजनेस हाउसों में छात्र प्लेसमेंट देखा गया।

छात्रों के लिए उपलब्ध अनुसंधान सुविधाएँ

यूजी, पीजी और शोध छात्रों के लिए २५ कंप्यूटर सिस्टम कॉर्डलेस वाईफाई से लैस केंद्रीय सुविधा के रूप में कंप्यूटर और जीआईएस - रिमोट सेंसिंग लैब की सुविधा दी। डीएसटी-एफआईएसटी, सीएएस अनुदान और विश्वविद्यालय की सहायता से विभिन्न प्रमुख उपकरणों की खरीद की गई है। प्रमुख उपकरणों में शामिल हैं (१) स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (२) मोर्टार ग्राइंडर (३) सीबीएम के लिए थर्मल गैस का विलोपन (४) कण आकार विश्लेषक (५) पतले खंड की तैयारी इकाई, (६) द्रव समावेशन माइक्रोस्कोप और फ्रीजिंग चरण, (७) एलईआईसीए डीएमआरएक्स ध्रूवीकरण और स्टीरियोस्कोपिक चर्चा सूक्ष्मदर्शी और आर्थोप्लान (८) रॉक एवल पायोलाइजर (९) फ्रांज इसोडायनामिक विभाजक (१०) आर्क-व्यू जीआईएस और रिमोट सेंसिंग उपकरण (११) एक्सआरडी (१२) जीपीएस, सर्वेक्षण उपकरण, मिरर स्टीरियोस्कोप और टोटल स्टेशन (१३) इलेक्ट्रॉनिक बैलेंस (१४) परावर्तन माप फोटोमेट्री सिस्टम (१५) पेट्रोलियम सिस्टम एडवांस्ड सॉफ्टवेयर और (१६) इलेक्ट्र न जांच माइक्रो एनालाइजर (ईपीएमए)। शिक्षकों के सभी क्लास रूम, प्रयोगशालाओं और व्यक्तिगत कार्यालयों में इंटरनेट सुविधा भी अब उपलब्ध कराई जा रही है। विकसित प्रयोगशाला की अधिकांश सुविधाएं पीजी और शोध छात्रों के लिए और बीएचयू और देश के अन्य विभागों के वैज्ञानिकों के लिए भी उपयोगी हैं। जेराक्स मशीन, प्लॉटर, स्कैनर्स, प्रिंटर और सर्वर के साथ केंद्रीय सुविधा प्रदान की जाती है। पीजी, अनुसंधान कर्मियों और शिक्षकों के लिए केंद्रीय सूक्ष्म सुविधा भी विकसित की जा रही है।

संस्थान/संकाय/कॉलेज के लिए प्रख्यात आगंतुक

प्रो.के.एस. वल्दिया (पद्म भूषण), जे.एन. गोस्वामी (पद्मश्री) और प्रो. वी.के. गौर ने विभाग का दौरा किया। वर्ष २०१८-१९ में, छात्रों और शिक्षकों की बातचीत यूपी के मिर्जापुर और सोनभद्र जिलों में हुई और कुछ चुनिंदा क्षेत्र म.प्र., सिक्किम, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, दिल्ली यूनिवर्सिटी और कुमाऊं विश्वविद्यालयों में हुए। उच्च माध्यमिक विद्यालय स्तर के छात्रों के लिए विभाग में व्याख्यान और संग्रहालय का दौरा भी आयोजित किया गया था ताकि उन्हें अपने संभावित वाहक को चुनने के लिए एक विषय के रूप में भूविज्ञान से परिचित कराया जा सके।

निर्मित नई प्रयोगशालाएँ (१) आर.के. लाल पेट्रोलॉजी और ऑप्टिकल मिनरलॉजी लैब यूजी और पीजी छात्रों के लिए (२) आग्नेय पेट्रोलियम लैब (३) मेटामोरफिक पेट्रोलियम लैब (४) स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी लैब (५) पतली अनुभाग तैयारी लैब। इस भवन में आधुनिक शिक्षण उपकरणों से सुसज्जित दो नए क्लासरूम भी स्थापित किए गए हैं।

कोयला और ऑर्गेनिक पेट्रोलॉजी लैब का नवीनीकरण किया गया और स्वर्गीय प्रो. एम.पी. सिंह के सम्मान में प्रयोगशाला को उनका नाम दिया गया। हरित परिसर के लिए, इस वर्ष विभाग में वृक्षारोपण कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसके तहत प्रत्येक कर्मचारी अपने जन्मदिन पर एक पेड़ लगाता है, ताकि उसकी विशेष देखभाल की जा सके

शैक्षणिक सहयोग/समझौता ज्ञापन आदि

वर्तमान में यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, अमेरिकी, फ्रेंच, कनाडा, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, क्रोएशिया और टोगो के प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ कई सक्रिय सहयोगी अनुसंधान कार्यक्रम प्रगति पर हैं। कई संकाय सदस्य वैश्विक अनुसंधान कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं, जो कि इंटरनेशनल यूनियन ऑफ जियोला जिकल साइंसेज (IUGS), स्ट्रेटीग्राफी के अंतर्राष्ट्रीय उप-आयोग और एकीकृत महासागर ड्रिलिंग कार्यक्रम के सदस्य हैं।

भूगोल विभाग

भूगोल का अध्यापन काशी हिंदू विश्वविद्यालय में १८ अगस्त १९४६ को (दिवंगत) प्रो एचएल छिब्बर (एम.एस.सी, पीएच.डी., लंदन) के एक स्वतंत्र और पूर्ण विकसित विभागरध्यक्ष के रूप में शुरू किया गया था।

प्रयोगशालाएँ: पर्यावरण प्रयोगशाला, जीआईएस लैब, कंप्यूटर लैब, पीजी कंप्यूटर लैब, इमेज प्रोसेसिंग और जीआईएस लैब, पीजी डिप्लोमा छात्रों के लिए, कार्टोग्राफी लैब, और सर्वेक्षण लैब छात्रों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं।

पीजी स्तर पर, तीन विशेषज्ञता हैं, (१) जनसंख्या और निपटान भूगोल (२) अनुप्रयुक्त भूगोल और योजना, और (३) कार्टोग्राफी और रिमोट सेंसिंग।

विभाग के एनेक्सी भवन में तीन व्याख्यान कक्ष (१२० बैठने की क्षमता के साथ) का निर्माण किया गया है। विभाग के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन हमारे माननीय कुलपति प्रो राकेश भटनागर ने फरवरी २५, २०१९ को किया था।

भू- भौतिकी विभाग

भूभौतिकी विभाग तीन साल के स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स की पेशकश करता है, जिसमे एम.एससी (टेक.) भूभौतिकी उपाधि और सक्रिय रूप से दो विशिष्टताओं में संशोधित और अद्यतन पाठ्यक्रम पढ़ाने में लगे हुए हैं: अर्थात, अन्वेषण भूभौतिकी और मौसम विज्ञान। संकाय सदस्य सक्रिय रूप से भूभौतिकी के विभिन्न विषयों में और क्षेत्र की जांच करने के लिए अनुसंधान (सैद्धांतिक और अवलोकन) करने में लगे हुए हैं। सहयोगात्मक कार्य विभिन्न सरकारी/अर्ध-सरकारी संगठनों और इच्छुक एजेंसियों को परामर्श सेवाओं की पेशकश के साथ किया जाता है। अनुसंधान मुख्य रूप से निम्नलिखित सीमा/जोर क्षेत्रों में आयोजित किया जाता है:

ग्राउड वाटर भू-भौतिकी, वाटर रिसोर्स एवं माडलिंग, जियो-इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एवं मैग्नेटोटेलुरिक, नान लीनियर डायनामिक्स, फ्रैक्टल डायनामिक्स एवं माडलिंग, साइट रिस्पान्स एवं सैस्मिक माइक्रोजोनेशन और ग्राउण्ड रपचरिंग, सैस्मिक हैजार्ड एसेस्मेंट, क्रस्टल फीचर की टैकटानिक्स, न्यूमेरिकल वैदर प्रेडिक्सन, मानसून वैरियाबिलिटी और मानसून एनरजेटिक्स, जलवायु परिवर्तन और इसका समाज पर प्रभाव, कृषि मौसम विज्ञान एवं सूझाव सेवा के साथ फसल उपज का पूर्वानुमान एवं पर्यावरणीय मौसम विज्ञान/प्रदूषण

भू-भौतिकी विभाग भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग के साथ मिलकर एक मौसम वेधशाला, एक भूकम्प वेधशाला, एक ओजोन प्रयोगशाला का संचालन करता है एवं केन्द्रीय भूजल बोर्ड के साथ

प्राथमिक आंकडों के लिए पीजोमीटर टैप का संचालन करता है। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान के साथ मिलकर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के बप्च्म्म् कार्यक्रम के लिए वर्षाजल के रसायनिक शोध दर के अध्ययन पर कार्य करता है। साथ ही राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला नई दिल्ली के साथ मिलकर धूल कणों का अध्ययन किया जाता है।

भू-भौतिकी विभाग में मुख्यत: निम्न विशिष्टताओं में शोध कार्य होता है: ग्राउड वाटर भू-भौतिकी, वाटर रिसोर्स एवं माडलिंग, जियो-इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एवं मैग्नेटोटेलुरिक, नान लीनियर डायनामिक्स, फ्रैक्टल डायनामिक्स एवं माडलिंग, साइट रिस्पान्स एवं सैस्मिक माइक्रोजोनेशन और ग्राउण्ड रपचरिंग, सैस्मिक हैजार्ड एसेस्मेंट, क्रस्टल फीचर की टैकटानिक्स, न्यूमेरिकल वैदर प्रेडिक्सन, मानसून वैरियाबिलिटी और मानसून एनरजेटिक्स, जलवायु परिवर्तन और इसका समाज पर प्रभाव, कृषि मौसम विज्ञान एवं सूझाव सेवा के साथ फसल उपज का पूर्वानुमान एवं पर्यावरणीय मौसम विज्ञान/प्रदूषण ।

विभाग के मौसम विज्ञान प्रयोगशाला के नवीनीकरण का कार्य इस सत्र में किया गया तथा प्रयोगशाला मे स्थापित सर्वर हेतु प्रयोगशाला को वातानुकुलित किया गया तथा अब सर्वर लगातार २४ घंटे कार्य कर रहा है एव पी.जी.एस. मुम्बई से दानस्वरुप प्राप्त एच.पी.सी. मशीन को स्थापित करने हेतु विभाग के कक्ष संख्या ११ को नवीनीकृत किया गया तथा इसके फलस्वरुप ओएनजीसी से २०.२४ लाख रुपये के सहयोग का अनुरोध की पहली किस्त के स्वरुप में १६.०० लाख रुपये प्राप्त हुई जो वातानुकूलन यंत्र एवं अन्य सहयोगी उपकरणों के लिए उपयोग किया गया। आयल इण्डिया लिमिटेड द्वारा विभाग के एच.पी.सी. मशीन हेतु ५:०० लाख रुपये के सहयोगी उपकरण प्राप्त हुए।

गृह विज्ञान

गृह विज्ञान विभाग की शुरूआत घरेलू विज्ञान के रूप में पंडित मदन मोहन मालवीय जी के द्वारा महिला महाविद्यालय की सन् १९२९ में स्थापना के साथ ही किया गया और १९७३ मे गृह विज्ञान विभाग रूप से जाना जाता है। यह विज्ञान संकाय के विभागो मे से एक है और यह महिला महाविद्यालय का एक हिस्सा भी है जहॉ यह मौजूद है। पीएचडी कार्यक्रम १९७६ मे शुरू हुआ। पोस्ट ग्रेजुएट टीचिंग की शुरूआत १९८४ में फूड एंड न्यूट्रिशन, होम मैनेजमेट एवं एक्सटेशन एजुकेशन मे विशेषज्ञता के साथ हुई। १९९७ मे होम मैनेजमेन्ट मे पोस्ट-ग्रेजुएट बंद कर दिए गए। शिक्षा और अनुसंधान मे विभाग का प्रमुख ध्यान खाद्य और पोषण, क्लॉथिन और वस्त्र, विस्तार और शिक्षा/संचार गृह प्रबंधन और बाल विकास नामक गृह विज्ञान वैं सभी पांच क्षेत्रो को यूजी और पीजी मे पढाया जाता है।

अन्तर्विषयी जीव विज्ञान स्कूल (आई.एस.एल.एस.)

अन्तर्विषयक जैविक विज्ञान स्कूल (आईएसएलएस) की स्थापना विज्ञान संस्थान में जैव-प्रौद्योगिक विभाग, विज्ञान व तकनीकी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के सहयोग से बिल्डर (बुस्ट टू यूनिवर्सीटी डिस्प्लीनरी लाइफ साइसेस फार एजुकेशन एण्ड रिसर्च) प्रोग्राम के तहत किया गया है। यह चार मंजिला स्कूल भवन पूर्ण रूप में वातानुकूलित व सीसीटीवी कैमरा के निगरानी में है। इस स्कूल का उद्देश्य जैविक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च स्तर इंटरैक्टिव अन्तर्विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना है यह पाँच जीवन विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों के सहयोग से चलता है। अन्तर्विषयक जैविक विज्ञान स्कूल में सात प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई है- संरक्षण जीवविज्ञान, रोग जीव विज्ञान, कार्यात्मक जीनोमिक्स, सूक्ष्म पारिस्थितिकी, तंत्रिका जीव विज्ञान, प्रजन्न जीव विज्ञान, और तनाव जीव विज्ञान। अन्तर्विषयक जैविक विज्ञान स्कूल में अनुसंधान से सम्बंधित आधुनिक उपकरणों की स्थापना किया गया है जिसके उपयोग से विज्ञान संस्थान के विभिन्न विभागों एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के अन्य संस्थानों के अध्यापक व शोध छात्र लाभान्वित हो रहे है, एवं वर्तमान सत्र से अन्तर्विषयक जैविक विज्ञान स्कूल द्वारा जैविक विज्ञान में एकीकृत एम.फिल.-पीएच.डी. कार्यक्रम का पठन-पाठन प्रारम्भ हो गया है।

उपलब्ध उपकरण: कनफोकल माइक्रोस्कोप (एलएसएम-७८०); २४- कैपीलरी डीएनए सिकवेन्सर (यूजीसी-यूपीइ एफ-२); प्रोटियोमिक्स फैसिलिटि वीथ २डी जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम एण्ड मलाडी टाफ/टाफ; प्रोटियोमिक्स फैसिलिटि वीथ २डी जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम एण्ड मलाडी टाफ/टाफ; आईसीपी (इन्डूसिटीव कपल्ड प्लास्मा) स्पेक्ट्रोफोटोमीटर; एचपीएलसी (हाई परफारमेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी) विथ यूवी एण्ड आरएफ डिटेक्टर; एफपीएलसी (फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी); रीयल टाइम पीसीआर (७५००); रीयल टाइम पीसीआर क्वांट स्टूडियों-५; जेल डाक सिस्टम; कम्प्यूटर एसिस्ट सिमेन एनालिसिस (सीएसीए) सिस्टम यूबी २०० आई; टाइफून फास्फोर इमेजर (एफएलए-९०००); पाइकोड्राप सिस्टम; माइक्रोवालूम पेक्ट्रोफोटोमीटर (नैनो ड्राप); २डी-जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम; पोर्टेबल फोटोसिन्थेसिस सिस्टम;

माइक्रोएरे फैसिलिटि; फ्लूरोसेंस एक्टिवेटेड सेल सार्टर (एफएसीएस); अल्ट्रासेन्ट्रीफ्यूज; थर्मल साइक्लिर (पीसीआर); रेफ्रिजरेटेड सेन्ट्रीफ्यूज; स्पीड वैक; लाइव सेल इमेजिंग सिस्टम एण्ड फ्लूरोसेंस माइक्रोस्कोप; फ्लूरोसेंस माइक्रोस्कोप; क्रायोमाइक्रोटोम; वाइब्रोटोम (डीएसटी-पर्स); स्टिरियोंस्कोपीक माइक्रोस्कोप (स्टिरियोजूम माइक्रोस्कोप); मिलीपोर; डिस्टिलेसन प्लान्ट, वाटर प्यूरीफायर; डी.जी. सेट ३२० केवीए, एसी; ग्रीन हाउस फैसिलिटि (लोकेटेड एट बोटानिकल गार्डेन, बीएचयू); -८०0C फ्रिजर; CO2 इन्कुबेटर; अल्ट्राप्रोब सोनिकेटर।

गणित विभाग

गणित विभाग सन् १९१६ में स्थापित हुआ और इसका एक सुविख्यात अतीत है। यह राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध गणितज्ञों, शोधकर्ताओं एवं अध्यापकों द्वारा अभिसिंचित रहा है। विभाग में इस वर्ष एक राष्ट्रीय सेमिनार-सह कार्यशाला ''डिफरेन्शियल इक्वेशन, बाईफारकेशन एण्ड चाओस विथ न्युमेरिकल सिमुलेशन'', एक कार्यशाला ''इक्सप्लोरिंग सम एप्लीकेशन आफ मैथमेटिकल साइन्सेस'' तथा ०१ कान्फरेन्स ''३४वीं वार्षिक कान्फरेंस आफ मैथेमेटिकल सोसाइटी'' का आयोजन किया गया है। हमारे कई स्नातकोत्तर एवं शोध छात्र लगातार राष्ट्रीय स्तर पर छात्रवृत्ति/फेलोशिप प्राप्त कर रहे है।

शोध सुविधाएं

विभागीय पुस्तकालय, स्नातक संगणक प्रयोगशाला ३१-यूजर मैथेमेटिका सुविधा के साथ, स्नातकोत्तर संगणक प्रयोगशाला, शोध छात्रों हेतु इण्टरनेट सुविधाओं से युक्त संगणक प्रयोगशाला। विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने हेतु फोटोकापीयर, नेटवर्क प्रिन्टर और दो लैपटाप सहित ४ एलसीडी प्रोजेक्टर।

आणविक एवं मानव अनुवंशिकी विभाग

आणविक एवं मानव आनुवंशिकी विभाग (स्थापना वर्ष-२००४) अपने पाँच शिक्षकों के साथ एक विलक्षण विषय का पठन-पाठन सफलतापूर्वक कर रहा है, जिसमें विज्ञान संकाय के अन्य विभागों के शिक्षकों के साथ-साथ चिकित्सा विज्ञान संस्थान के शिक्षकों की भी मदद ली जाती है। हमारे विभाग को जैव-प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जाती हैं। इस विभाग में एमएससी में प्रवेश हेतु विद्यार्थियो का चयन प्रवेश वर्तमान वर्ष में जे.एन.यू. के द्वारा सी.ई.ई.बी. परीक्षा के माध्यम से किया गया हैं।

अभिनव शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम

- शैक्षिक विषय जैसे बायोकेमेस्ट्री, सेल बायोलाजी, बायोइन्फोरमेटिक आदि अन्य विषयों का विवेकपूर्ण संयोजन किया गया है।
- जीव विज्ञान, चिकित्सा एवं सूचना प्रौद्योगिकी में अद्वितीय संबंध।
- अस्पताल में नियमित रूप से दौरा करके केस-प्रस्तुति, आणविक निदान और आनुवांषिक परामर्श के साथ प्रशिक्षण।
- शैक्षिक कार्यक्रम के अर्न्तगत विभाग से देश के विभिन्न सुसज्जित प्रयोशालाओं में अपनी समर प्रोजेक्ट, ड्रीम प्रोजेक्त की तैयारी करना, सेमिनार की प्रस्तुति आदि इनमें शामिल है।

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग का दस दशकों का गौरवशाली इतिहास रहा है और विज्ञान संस्थान के तहत जल्द से जल्द विभागों में से एक के रूप में स्थापित किया गया था। विभाग प्रयोगात्मक और साथ ही सैद्धांतिक भौतिकी की हमारी समझ में कई महत्वपूर्ण योगदान के लिए पहचाना जाता है। प्रायोगिक और सैद्धांतिक समूह की अनुसंधान गतिविधियों के मुख्य फोकस में शामिल हैं: नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नॉलॉजी, हाइड्रोजन स्टोरेज मैटीरियल्स, मल्टिफिरोक्सिक्स एंड स्पिनट्रॉनिक्स, फिजिक्स ऑफ क्वार्क ग्लोन प्लाज्मा, क्वांटम फील्ड थ्योरी, बीआरएसटीवाद, नॉन-हर्मिशन क्वांटम मैकेनिक्स, क्यूसीडी और होलोग्राफी, डीएनए विकृतीकरण, पॉलिमर और प्रोटीन तह, चश्मे और अन्य सामग्रियों की लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी, अल्ट्रासोनिक, आणविक और आणविक भौतिकी, सेंसर, आईआर और रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी, वायुमंडलीय भौतिकी, आमरस सामग्री, बायोमोलेक्यूलर, ऑप्टिकल फाइबर, आदि की संरचना और स्पेक्ट्रा। बीएनएल, यूएसए और जीबीएस में सीबीएम, जर्मनी में क्वीन ग्लोन प्लाज्मा (क्यूजीपी) का पता लगाने और न्यूट्रिनो की पहचान के लिए एक भारतीय सहयोग आईएनओ के हिस्से के रूप में दो अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं का एक हिस्सा। भौतिकी विभाग, सेंटर ऑफ एडवांस स्टडी (सीएएस) कार्यक्रम का पाँचवाँ चरण चला रहा है, जिसका उद्देश्य विभाग में भौतिकी के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च स्तरीय इंटरैक्टिव, अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देना है। स्पेस फिजिक्स और संबंधित इंस्ट्रूमेंटेशन के क्षेत्र में चल रहे अनुसंधान और शिक्षण कार्यक्रम को जारी रखने के लिए इसरो ने दीर्घकालिक वित्तीय सहायता प्रदान की है।

गतिविधियों और कार्यक्रमों की उपलब्धियां

विभाग पी.जी. स्पेक्ट्रोस्कोपी में डिप्लोमा। इसमें छः प्रकार के विशेषज्ञता हैं: संघनित पदार्थ भौतिकी, लेजर और स्पेक्ट्रोस्कोपी, परमाणु और उच्च ऊर्जा भौतिकी, इलेक्ट्र निक्स, अंतरिक्ष और वायुमंडलीय भौतिकी और बायोफिजिक्स पी.जी. स्तर पर। इस विभाग के संकाय सदस्य सैद्धांतिक और प्रायोगिक क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों में शामिल हैं जैसे: संघनित पदार्थ प्रयोग और सिद्धांतय सामग्री के ऑप्टिकल गुणय परमाणुओं की संरचना और गुण, अणु जिनमें जैव अणु शामिल हैंय सामग्री, ऊर्जा भंडारण सामग्री और उपकरणों के इलेक्ट्रॉनिक, आयनिक और चुंबकीय गुण, अंतरिक्ष भौतिकी और परमाणु और उच्च ऊर्जा भौतिकी: प्रयोग और सिद्धांत।

सांख्यिकी विभाग

सांख्यिकी विभाग अध्यापकों के अंदर उच्चकोटि की शिक्षा और समझ साथ ही साथ शैक्षिक जटिल समस्याओं के समाधान हेतु उपलब्ध विधियों एवं तकनीकियों के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने के पक्ष में रहा है। सांख्यिकी विभाग उन अध्ययन विभागों में से एक है जो एक से ज्यादा संकाय (जैसे विभाग संकाय, सामाजिक विज्ञान संकाय) की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

शोध गतिविधियाँ

विभाग में शोध गतिविधियाँ संतोषजनक रूप में विभिन्न क्षेत्रों

सांख्यिकीय निष्कर्ष, जीवन परीक्षण और विश्वसनीयता, बेसियन निष्कर्ष, प्रतिचयन, सिद्धांत, माडलीकरण और जनसंख्या अध्ययन में सुचारू रूप से प्रतिपादित हो रहा है। विभाग में शोध छात्रों एवं अध्यापकों द्वारा उच्चकोटि के शोधपत्र प्रकाशित किये जाते हैं। कुछ परियोजनाएं हाल ही में विभाग द्वारा पूर्ण की गयी हैं। विभाग में सम्मेलन, संगोष्ठी और कार्यशाला लगातार संचालित किया जाता है।

प्राणी विज्ञान विभाग

प्राणी विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय पशु विज्ञान पर शिक्षण और अनुसंधान के लिए देश के अग्रणी विभागों में से एक है। शिक्षण में पशु व्यवहार, और अधिक हाल ही में, आणविक और मानव आनुवंशिकी, आणविक एंडोक्रिनोलॉजी, न्यूरोबायोलॉजी, आर्थिक जूलॉजी, आदि ने विभाग को सामने रखा है। शिक्षण में वृद्धि और विविधता (शारीरिक अक्षमताओं वाले छात्रों के लिए आडियो-विजुअल एड्स की सुविधा) प्रगतिशील और प्रतिस्पर्धी संकाय सदस्यों के प्रेरण द्वारा संभव बनाया गया है, जिनके विभिन्न क्षेत्रों में गहराई से अनुसंधान, जैसे कि जैव रसायन और उम्र बढ़ने के आणविक जीव विज्ञान, आणविक न्यूरोबायोलॉजी, कैंसर, प्रजनन, प्रतिरक्षा और ताल के हार्मोनल नियंत्रण, पादप उत्पादों और प्रजनन और शरीर क्रिया विज्ञान, विकिरण प्रभाव, कैंसर जीव विज्ञान, कीट और मछली शरीर विज्ञान, आनुवंशिक और गुणसूत्र विकास, गैर-कोडिंग आरएनए के कार्य और विनियमन पर, न केवल। सीमावर्ती क्षेत्रों में ज्ञान के लिए जोड़ा गया लेकिन एक ऐसा वातावरण बनाया गया जो रचनात्मक अनुसंधान को उत्तेजित करता है। विकास और प्रगति का यह स्तर बड़े पैमाने पर कई प्रयोगशालाओं के माध्यम से संकाय के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं के विकास के कारण संभव हुआ है। इसके अलावा, विशेष सहायता कार्यक्रम, कोसिस्ट, उन्नत अध्ययन के लिए केंद्र के रूप में यूजीसी समर्थन, और उपकरणों के लिए विभाग को डीएसटी के फिस्ट समर्थन ने अनुसंधान और शिक्षण में विभाग की उपलब्धियों में काफी योगदान दिया है। पद्म श्री, एस एस भटनागर, जवाहरलाल नेहरू, फिक्की, हरिओम ट्रस्ट, यूजीसी कैरियर अवार्ड, विज्ञान रत्न, और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय, नेशनल फेलोशिप जैसे संकाय और सम्मान के माध्यम से संकाय की वैज्ञानिक योग्यता को समय-समय पर मान्यता दी गई है। अलेक्जेंडर व न हम्बोल्ट, जेएसपीएस, डीएएडी, आईब्रो-यूनेस्को, फुलब्राइट, आदि) और विज्ञान अकादमियां। संकाय सदस्य विशेषज्ञता के अपने डोमेन में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के विभिन्न पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्डों पर काम कर रहे हैं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शासी निकायों के सदस्य हैं जो अनुसंधान और शिक्षा पर सामान्य नीति/ योजना तैयार करते हैं। निम्नलिखित हाल के दिनों में प्रगति के मुख्य आकर्षण हैं:

तीन विशिष्ट प्रोफेसर और एक एमेरिटस प्रोफेसर विभाग की विशेषज्ञता को मजबूत कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त विभाग में तीन प्रतिष्ठित बीएसआर फैलो हैं। विभागीय पुस्तकालय ने सुविधा को उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए पुस्तकों और पत्रिकाओं की सूची का डिजिटलीकरण शुरू किया है। हमारे विभागीय प्रयोगशालाएं, कक्षाएं, कार्यालय और आसपास के क्षेत्र सुरक्षा उद्देश्य के लिए सीसी कैमरे के तहत अच्छी तरह से कवर हैं। विकलांग छात्रों के लिए लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध है। सफल मरम्मत के बाद विभागीय इंसीनरेटर पूरी दक्षता से काम कर रहा है और पशु घर की सुविधा पूरी तरह से कार्यात्मक है सीपीसीएसईए द्वारा संस्थागत पशु नैतिक समिति का पुनर्गठन किया गया है और यह सुविधा की समीक्षा करने और जानवरों का उपयोग करके परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए वर्ष में दो बार बैठकें आयोजित की जाती हैं। विभाग के पास सभी अनुसंधान प्रयोगशालाओं और कक्षाओं में इंटरनेट सुविधा और नेटवर्किंग के साथ अनुसंधान प्रयोगशालाएं, केंद्रीय परिष्कृत साधन प्रयोगशालाएं और कंप्यूटर लैब हैं।

अनुसंधान

प्रमुख अनुसंधान प्रकाशनों से स्पष्ट है, विभाग के शिक्षक सक्रिय रूप से थ्रस्ट क्षेत्रों में जैव रसायन, साइटोजेनिटिक्स प्रजनन जीव विभाग और इंडोक्राइनोलॉजी, इकोफिजियोलॉजी और अन्य क्षेत्रों इम्येनोलॉजी और क्रोन बायोलॉजी में सक्रिय रूप से शामिल है।

कला संकाय
FACULTY OF ARTS

२.१.२. संकाय

२.१.२.१. कला संकाय

सन् १९१६ में स्थापित का.हि.वि.वि. महान दिव्यदर्शी तथा असाधरण राष्ट्रवादी नेता पं. मदन मोहन मालवीय के सपनों का वास्तविक आविर्भाव है। इस का.हि.वि.वि. में कला संकाय को मानविकी के केन्द्र के रूप में विकसित किया गया जो कि पूर्व में सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज के नाम से जाना जाता था तथा १८९८ में एनी बेसेन्ट के द्वारा स्थापित किया गया था। यह वह नींव साबित हुआ जिस पर का.हि.वि.वि. की महान इमारत तथा आशावादी भाविष्य का निर्माण हुआ। कला संकाय पारंपरिक तथा आधुनिक ज्ञान व्यवस्था के बीच एक अद्वितीय समन्वय को विकसित करने की परिकल्पना करता है तथा सर्वदा ऐसे मतों एवं विचारों को विकसित करने की योजना में संलग्न रहता है जो कि मानवता की समग्र अवधारणा के अनुकूल हो। अपनी आंतरिक उर्जा को संरक्षित रखते हुए यह संकाय अन्तर्विषयी शोधों के नये परिदृश्यों को प्रोत्सहित करता है ताकि ''मानव स्वतंत्रता'' के सिद्धान्त को जीवंत बनाकर उसे मूर्त रूप दिया जा सके। २१ विभागों तथा ०४ महत्वपूर्ण केन्द्रों-भोजपुरी अध्ययन केन्द्र, मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र, अंतर-संस्कृति अध्ययन केन्द्र तथा अनुवाद अध्ययन केन्द्र के साथ, यह संकाय विभिन्न पारम्परिक तथा देशज ज्ञान स्त्रोतों और उनके सापेक्ष पारम्परिक महत्व के मूल्यांकन हेतु संवाद को प्रोत्साहन देता है। छात्रों तथा अध्यापकों को और जागरूक, जीवंत तथा परस्पर संवादात्मक बनाने हेतु, यह संकाय समय-समय पर राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों तथा कार्याशालाओं का आयोजन करता रहता है। एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के रूप में, संकाय ''तुलनात्मक साहित्य'' पर एक अभिविन्यास पाठ्यक्रम का आयोजन करता है। जिसकी परिकल्पना साहित्य के प्रति अंतर्विषयी दृष्टिकोण के क्षेत्र में संकाय सदस्यों की जागरूकता को बढ़ाने के लिए की गयी है। संकाय की वार्षिक पत्रिका 'अपूर्वा' का प्रकाशन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। क्योंकि यह अध्यापकों एवं शोध छात्रों के शोध-पत्रों के प्रकाशन के लिए एक मंच प्रदान करता है।

मूलरूप से संकाय का केन्द्र बिन्दु त्रिआयामी है- यह छात्रों को दोनों भाषाओं भारतीय तथा विदेशी भाषाओं में शिक्षण प्रदान करता है जैसे कि एक ओर हिन्दी, संस्कृत, पाली, उर्दू, तेलगू, तमिल मराठी, बंगाली, भाषा-विज्ञान है तो दूसरी ओर अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, स्पैनिश, अरबी, परसीयन, रूसी, तथा चीनी भाषाएँ हैं। यह छात्रों को इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व, कला का इतिहास, दर्शन तथा धर्मशास्त्र के क्षेत्र में नूतन प्रगति से भी परिचित करवाता है। इसका तीसरा आयाम वृत्तिक तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे- पत्रकारिता व जन संचार, पुस्तकालय व सूचना विज्ञान, पर्यटन व यात्रा प्रबंधन संग्रहालय विज्ञान तथा प्रयोजनमूलक हिन्दी के परिचय से संबंधित है। इसमें तनिक भी अतिशयोत्ति नहीं होगी यदि हम कहें कि कला संकाय मानव विकास की प्रक्रिया तथा एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में एक उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त विद्वानों की एक लम्बी सूची है जो कि इस संकाय से सम्बद्ध हैं तथा का.हि.वि.वि. की छवि को बढ़ा चुके हैं। उसमें से कुछ इस प्रकार है- डॉ एस. राधाकृष्णन, बी.एल. अत्रेया, टी.आर.वी. मूर्ति, जे.एल. मेहता, देवराज (दर्शनशास्त्र); बाबू श्याम सुन्दर दास, आचार्य राम चन्द्र शुक्ल, केशव प्रसाद मिश्र, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंद दुलारे बाजपेयी, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, शिव प्रसाद सिंह, नामवर सिंह,

केदार नाथ सिंह (हिन्दी); सी.एन. मेनन, राम अवध द्विवेदी, डॉ. साहनी, विक्रमादित्य राय, हरीश त्रिवेदी (अंग्रेजी), रामावतार शर्मा, ए.बी. ध्रुव, पी.एल. वैद्य, बलदेव उपाध्याय, रेवा प्रसाद द्विवेदी, सत्यव्रत शास्त्री (संस्कृत); राय कृष्ण दास, राय आनन्द कृष्णा, कपिला वात्सयायन (कला इतिहास); ए.एस. आल्टेकर, राजबली पाण्डेय, वासुदेव शरण अग्रवाल, आर.सी. मजूमदार तथा ए.के. नारायन (प्रा.भा.इति.संस्कृति व पुरातत्व) कहने की आवश्यकता नहीं कि ये लोग भावी पीढ़ी के लिए शक्ति और प्रेरणा के महान स्त्रोत थे।

कला संकाय को न केवल सबसे पुराना संकाय होने का सौभाग्य प्राप्त है बल्कि-सबसे बड़े संकायों में से भी एक है-जिसके अर्न्तगत लगभग २५० संकाय सदस्य, ४००० छात्र तथा १२ कार्यालय कर्मचारी हैं। इसके पास सबसे बड़े २१ शिक्षण विभागों की होने का एक विरल विशिष्टता प्राप्त है जो कि निम्नलिखित है- प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति व पुरातत्व के साथ संग्रहालय विज्ञान अलग अनुभाग के रूप में, अरबी, बंगाली, अंग्रेजी, विदेशी भाषाएं (रूसी, चीनी, जापानी, स्पैनिश तथा पोलिश), फ्रांसीसी, अध्ययन, जर्मन, अध्ययन, हिन्दी, कला इतिहास, भारतीय भाषाएं (नेपाली, तमिल), पत्रकारिता व जनसंचार, पुस्तकालय व सूचना विज्ञान, भाषा विज्ञान, संस्कृत, तेलगू तथा उर्दू। इन विभागों के अतिरिक्त संकाय के पास व्यावसायिक वर्ग जैसे कार्यालय प्रबंधन व सचिवालयी तकनीक, विज्ञापन व विक्रय कला, सुरक्षा (बीमा) प्रबंधन, लेखा एवं लेखा परीक्षा, पुरातत्व विज्ञान व संग्रहालय विज्ञान तथा यात्रा एवं पर्यटन प्रबंधन भी है। इन विभागों के माध्यम से संकाय विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम जो कि प्रमाणपत्र व डिप्लोमा पाठ्यक्रम से लेकर शोध स्तर तक जैसे पीएच.डी. और डी.लिट. तक के कार्यक्रमों को प्रदान करता है।

प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व विभाग

यह विभाग उन्नत अध्ययन केन्द्र की विशिष्टता के साथ भारत विद्या अध्ययनों का प्रमुख विभाग है। इसके शिक्षण तथा शोध के मूलभूत क्षेत्र के अंतर्गत कला एवं वास्तुकला, धार्मिक तथा दार्शनिक अध्ययन, पुरालेख विद्या तथा प्राचीन शिलालेखों का अध्ययन, मुद्राशास्त्र व पुरातत्व तथा संग्रहालय विज्ञान सम्मिलित हैं। संकाय के सबसे बड़े पुस्तकालय के साथ ही विभाग के पास आर्कियोमेटालर्जी में वैज्ञानिक शोधों, मृत्तिका कला तकनीक अकार्बनिक (अजैवीय) पदार्थों से संबंधित आंकड़ों को संभालने हेतु एक प्रयोगशाला भी है। अतीतकाल के विस्तृत तथा वैज्ञानिक ज्ञान हेतु विभाग के पास पुरातत्व विभाग, कैम्ब्रीज विश्वविद्यालय, आई.आई.टी., कानपुर, बीरबल, साहनी प्राचीन शिलालेख अध्ययन संस्थान, लखनऊ जैसे संस्थानों के साथ सहयोगी शोध कार्यक्रम भी हैं। वर्तमान सत्र के दौरान विभाग के द्वारा शिक्षण तथा शोधों की नियमित गतिविधियां निष्पादित की गयी हैं।

बंगाली विभाग

छात्रों के ज्ञान को समृद्ध तथा विस्तृत करने हेतु विभाग, नियमित शिक्षण तथा शोध को प्रदत्त करने के अलावा, बंगाली भाषा तथा साहित्य के विख्यात विद्वानों की संगोष्ठियों/व्याख्यानों को भी आयोजित करता है। इस संबंध में, इस सत्र में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विदेशी भाषा विभाग

सन् १९४८ में स्थापित इस विभाग की महत्ता है कि यह एशिया व यूरोप के सात प्रमुख भाषाओं यथा चीनी, जापानी, सिंघली, रूसी, स्पैनिश तथा पोलिश भाषाओं के शिक्षण कार्यक्रम को संचालित करता है। इस विभाग का वर्तमान केन्द्र-बिन्दु चीनी भाषा एवं साहित्य, संस्कृति, इतिहास, राजनीति, चीनी, भारतीय बातचीत, रूसी भाषा तथा साहित्य है। वर्तमान सत्र के दौरान विभाग के द्वारा शिक्षण तथा शोधों की नियमित गतिविधियां आयोजित की गयीं।

भारतीय भाषा विभाग

दिनांक २१ फरवरी २०१९ को बंगाली विभाग के छात्रों तथा संकाय सदस्यों ने अंग्रेजी विभाग के संकाय सदस्यों तथा कुछ छात्रों के साथ मिलकर अन्तर राष्ट्रीय भाषा दिवस का उत्सव आयोजित किया। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों ने बंगाली भाषा के इतिहास पर संक्षिप्त व्याख्यान प्रस्तुत किए। भाषा दिवस की महत्ता के बारे में अपने व्याख्यानों से उन्होंने छात्रों का संवर्धन भी किया। छात्रों ने भी अपने विचारों को व्यक्त करके तथा कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करके इस दिवस का उत्सव मनाया।

पाली तथा बौद्ध अध्ययन केन्द्र

भारत में बौद्ध अध्ययन के क्षेत्र में यह विभाग अग्रणी संस्थानों में से एक है। यद्यपि इस विभाग की स्थापना १९८२ में हुयी, लेकिन भिक्खु जगदीश कश्यप, भारत में बुद्ध धर्म के पुनर्जीवन के अग्रदूत के प्रयास से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में पाली की शिक्षा १९४० में ही प्रारम्भ हो गयी थी। वर्तमान सत्र के दौरान विभाग के द्वारा शिक्षण तथा शोधों की नियमित गतिविधियां आयोजिन की गयीं।

अंग्रेजी विभाग

वर्तमान शैक्षणिक सत्र अंग्रेजी विभाग के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण रहा, जिसमे शिक्षण, प्रसार और शोध गतिविधियों में विशेष उपलब्धियां उल्लेखनीय रहीं। शिक्षण इस विभाग की सर्वोपरि ऊर्जा रही है, और इस वर्ष भी इसमे कोई संदेह नहीं था। वर्तमान सत्र के दौरान स्नातक, स्नातकोत्तर और पूर्व-पीएचडी पाठ्यक्रम की समीक्षा की गई और अद्यतन किया गया। दस छात्रों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई और पचास से अधिक छात्रों ने नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण किया। १४-१५ नवम्बर, २०१८ को विभाग द्वारा ''इतिहास, मिथक और मौखिकता: भारत में सांस्कृतिक और साहित्यिक परम्पराएं'' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। संगोष्ठी के संयोजक प्रो. पी.सी. प्रधान और आयोजन सचिव डॉ. आरती निर्मल थीं। आमंत्रित गणों में प्रसिद्ध पौराणिक कथाकार देवदत्त पट्टनायक और दिवंगत प्रो.ए.के. सिंह शामिल थे। विभाग ने जेएनयू से प्रो. हरीश नारंग, नीदरलैंड्स से प्रो. रूबेन गोविचरन और ईएफएलयू से प्रो. चंचला नाइक के तीन विस्तृत व्याख्यान आयोजित किए। संकाय सदस्य विभाग में और अन्य संकायों/संस्थानों/विभागों जैसे वाणिज्य, विधि, कृषि और अर्थशास्त्र में भी अध्यापन से जुड़े रहे। उन्हें देश भर के शैक्षणिक संस्थानों में अभ्यागत और अतिथि संकाय के रूप में भी आमंत्रित किया गया। संकाय सदस्यों ने वसंता कॉलेज, राजघाट और डीएवी पी.जी. कॉलेज के शिक्षकों के साथ

राष्ट्रीय संगोष्ठी ''इतिहास, मिथक और मौखिकता: भारत में सांस्कृतिक और साहित्यिक परम्पराएं'' के समापन समारोह में देव दत्त पटनायक और प्रो. चन्द्रकला पाडिया

मिलकर तीन अन्तर राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस वर्ष डॉ. विवेक सिंह द्वारा एक नई पहल आरंभ की गई जिसके अंतर्गत प्रतिच्छेदन (इंटरसेक्सन) द्वारा व्याख्यान और अनौपचारिक पाठ्यक्रमों के रूप में महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियां भी आयोजित की गई।

सत्र के दौरान उच्च स्तरीय शोध कार्य के अंतर्गत चार पुस्तकों के संपादित संस्करण प्रकाशित हुए: प्रो. एम.एस. पाण्डेय और प्रो. अनीता सिंह, रीविजिटिंग लिटरेरी थ्योरी: ईस्टर्न एंड वेस्टर्न पर्सपेक्टिव्स, पेनक्राफ्ट इंटरनेशनल, प्रो. संजय कुमार और प्रो. अर्चना कुमार, चाइना, इंडिया एंड अल्टरनेटिव एशियन माडर्निटीज, रुटलेज, प्रो. बी. महंता, इंग्लिश स्टडीज इन इंडिया: कंटेम्परेरी एंड इव ल्विंग पैराडाइज, स्प्रिंगर नेचर और डॉ. आरती निर्मल, लीगल रिसर्च एंड मेथोडोल जी, सत्यम लॉ इंटरनेशनल। प्रो. पी.सी. प्रधान द्वारा लिखित एक किताब (वी.एस. नायपाल एंड पोस्टकोलोनियलिज्म: राइटिंग हिस्ट्री, पॉलिटिक्स, कल्चर, सेल्फ, अटलांटिक) भी प्रकाशित हुई। दुनिया भर में प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में लगभग ४८ शोध पत्र विभागीय सदस्यों के प्रकाशित है। विभागीय शोध पत्रिका 'रिसर्च एंड क्रिटिसिज्म' का वर्तमान अंक भी प्रकाशित हुआ। विभाग के सदस्यों ने भारत और भारत के बाहर कई अन्तर राष्ट्रीय सम्मेलनों में रिसोर्स पर्सन/ बीजवक्ता के रूप में भाग लिया। प्रो. अनीता सिंह वर्तमान में आईआईएएस शिमला की अध्येता हैं, प्रो. अर्चना कुमार, प्रो. देवेंद्र कुमार, डॉ. उमेश कुमार और सुश्री दीपाली यादव ने क्रमश: श्रीलंका, अमेरिका, ब्रिटेन, इटली और रूस में प्रतिष्ठित सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भाग लिया। इसके अलावा, कई संकाय सदस्यों को देश भर के संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और रिफ्रेशर/ओरिएंटेशन पाठ्यक्रमों में मुख्य वक्ता/पूर्ण वक्ता और रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया। विभाग के सदस्य विश्वविद्यालय के कई शैक्षणिक, सह-पाठ्यचर्या और प्रशासनिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे और उच्च शिक्षा के लिए रचनात्मक वातावरण को बढ़ावा देने में समृद्ध योगदान दिया।

इसी तरह दर्शनशास्त्र तथा धर्म विभाग, उर्दू विभाग, अरबी विभाग, फ्रेंच/फ्रांसीसी अध्ययन विभाग, जर्मन अध्ययन विभाग, हिन्दी विभाग, पत्रकारिता तथ जनसंचार विभाग, भाषा-विज्ञान विभाग, मराठी विभाग, पारसी विभाग, शारीरिक शिक्षा विभाग, संस्कृत विभाग, तेलगू विभाग, कला इतिहास विभाग, पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान विभाग एवं मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र में भी वर्तमान सत्र के दौरान विभाग के द्वारा शिक्षण तथा शोधों की नियमित गतिविधियां आयोजित की गयीं।

व्यावसायिक तथा विशेष पाठ्यक्रम अध्ययन

छात्रों में कौशल विकास के संवर्धन हेतु, कला संकाय व्यावसायिक तथा विशेष पाठ्यक्रमों के अध्ययन की सुविधा प्रदान करता है। इस संकाय में व्यावसायिक पाठ्यक्रम सन् १९८५ से चल रहे हैं। पर्यटन तथा कार्यालय प्रबंधन में दो वर्षीय अंशकालिक डिप्लोमा कार्यक्रम इस संकाय में बहुत प्रचलित पाठ्यक्रम हैं। इन कार्यक्रमों के अर्न्तगत कक्ष शिक्षण के साथ-साथ अध्यवसाय में व्यवहारिक सत्र तथा क्षेत्र स्तरीय अनुभव के लिए शैक्षिक यात्रा भी सम्मिलित है।

भारत अध्ययन केन्द्र

भारत अध्ययन केन्द्र की स्थापना वर्ष २०१५ में भारत संबंधी अध्ययन के क्षेत्र में योगदान के लिए की गई।

गतिविधियों और कार्यक्रमों की उपलब्धियाँ

राष्ट्रीय संगोष्ठी: २४-२५ अक्टूबर २०१८ को आयोजित भारतीय सभ्यता विमर्श: धर्मपाल की इतिहास दृष्टि; अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: ११-१२ मार्च, २०१९ को आयोजित संत साहित्य और महामति प्राणनाथ।

कार्यशाला: १९ मार्च से ०६ अप्रैल, २०१८ को योगसाधना के सिद्धान्त तथा अभ्यास; १६ अगस्त से ०५ सितम्बर २०१८ को नाट्यशास्त्र के अनुसार आंगिक अभिनय; ०१ सितम्बर से ११ सितम्बर २०१८ को योग एवं स्वास्थ्य; १२ सितम्बर से २४ सितम्बर २०१८ को पुराण-चिन्तन (समसामयिक परिप्रेक्ष्य में); १३ सितम्बर से २० सितम्बर २०१८ को योग एवं स्वास्थ्य; २२ सितम्बर से ०१ अक्टूबर २०१८ को योग एवं स्वास्थ्य; २५ सितम्बर से १२ अक्टूबर २०१८ को नाट्यशास्त्र में अभिनय; एक हर्मेन्यूटिक दृष्टि; १४ से १६ नवम्बर, २०१८ को योग एवं स्वास्थ्य; २६ नवम्बर-०६ दिसम्बर, २०१८ को हिन्दी क्षेत्र और उसकी जनपदीय भाषाएँ; २०-२१ दिसम्बर, २०१८ को योग एवं स्वास्थ्य; २०-२२ दिसम्बर, २०१८ को योग एवं स्वास्थ्य; ३ जनवरी से ११ जनवरी २०१९ को पाणिनि अष्टाध्यायी में उपदर्शित अन्तर्वैषयिक विमर्श; २१ जनवरी से २ फरवरी, २०१९ को स्थापत्य वेद: पारम्परिक एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य; १५-२७ फरवरी, २०१९ को 'पंचतन्त्र में व्यावहारिक सिद्धान्त'; ०६-१३ मार्च, २०१९ को योग एवं स्वास्थ्य एवं २५ मार्च से ०१ अप्रैल, २०१९ को योग एवं स्वास्थ्य आयोजित की गई।

पाठशृंखला: २५ जून, २०१८ से १३ अगस्त, २०१८ को आयोजित भरतमुनि विरचित नाट्यशास्त्र की विशिष्ट पाठ-शृङ्खला।

विशिष्ठ व्याख्यान: ०४.०४.२०१८ को चैती लोक के आलोक में: व्याख्यान कार्यशाला तथा संगीतात्मक प्रस्तुति; २८.०६.२०१८ को छत्रपति शिवाजी का पुन:स्मरण और भारतीय राजनीति; २०.११.२०१८ को महाकवि कालिदास का भारत; २८.०३.२०१८ को भारतीय ज्ञानपरम्परा के पुरस्कर्ता: महात्मा गांधी, महात्मा की १५० वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित की गई।

२.१.२.२. वाणिज्य संकाय

वाणिज्य संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वर्तमान में देश का सबसे बड़ा वाणिज्य शिक्षण का विभाग है। वाणिज्य विभाग का प्रादुर्भाव सन् १९४० में विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह के अवसर पर अर्थशास्त्र विभाग का.हि.वि.वि. के एक सहायक के रुप में हुआ। सन् १९५० में यह एक स्वतंत्र विभाग बना और सन् १९६५ में उच्चीकृत होकर इसने एक संकाय का दर्जा प्राप्त किया। इस संकाय द्वारा सत्र २०१८-१९ की अवधि में बी.कॉम्. (प्रतिष्ठा), एम.कॉम्. तथा पीएच.डी. का पाठ्यक्रमों का संचालन जारी है। इसके साथ ही एम.बी.ए.-एफ.एम., एम.बी.ए.-आर.एण्ड आई. और एम.बी.एम.-एफ.टी. जैसे विशेष स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम संचालित है। इसके अतिरिक्त वर्तमान सत्र में राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर (रा.गाँ.द.प.), बरकछा, मिर्जापुर में भी वाणिज्य संकाय के नियंत्रण में पेड सीट श्रेणी के आधार पर बी.कॉम्. (प्रतिष्ठा) और एफ.एम.एम. के पाठ्यक्रम भी संचालित हैं।

संकाय ने अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, इरान, पोलैण्ड और श्रीलंका इत्यादि जैसे अनेक विदेशी राष्ट्रों के छात्रों को आकृष्ट किया है। इस वर्ष में छात्राओं का प्रवेश वाणिज्य संकाय विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा।

संकाय के सदस्यों ने पीएच.डी. धारक तैयार करने, शोध पत्रों/लेखों एवं पुस्तकों के प्रकाशन, भारत व विदेशों में विभिन्न स्थानों पर सम्पन्न हुए संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों में सहभागिता के द्वारा तथा का.हि.वि.वि. और अन्य विश्वविद्यालयों के विभागों में परीक्षा या अतिथि वक्ता के रूप में कार्य करके अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

संकाय के शिक्षक सदस्य अध्यापन के कार्यक्रमों जैसे बी.कॉम. (आनार्स), एम.काम., एम.बी.ए.-एफ.एम., एम.बी.ए.- आर. एण्ड आई. और एम.बी.ए.-एफ.टी. तथा शोध शिक्षा में कार्यरत रहे। कुछ शिक्षक महिला महाविद्यालय, कला संकाय, संगणक विज्ञान विभाग एवं सांख्यिकी विभाग में भी अध्यापन संलग्न रहे।

छात्रों के लिए सुविधाएँ

छात्रों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने एवं उनके प्रदर्शन में उत्थान की दृष्टि से संकाय उन्हें अनेक प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करता है। वे सुविधाएँ हैं :

- विभागीय पुस्तकालय
- ट्रैक्सट् बुक बैंक
- वाणिज्य संघ पुस्तकालय
- शुल्क मुक्त अध्ययन
- योग्यता एवं एनडाउमेंट स्कॉलरशिप
- यू.जी.सी. फैलोशिप
- बी.एच.यू.छात्रवृति
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति
- एन.सी.सी.
- एन.एस.एस.
- गेस्ट फेकल्टी व्याख्यान
- परियोजना प्रशिक्षण
- बिजनेस एक्सीक्यूटिव के साथ वार्तालाप
- इन्टरनेट सुविधा
- वाई-फाई सुविधा

संकाय पुस्तकालय में विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए २५३९३ पुस्तकें हैं।

२.१.२.३. शिक्षा संकाय

शिक्षा संकाय की स्थापना १५ अगस्त, १९१८ को टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज (टी.टी.सी.) के रूप में हुई। कालान्तर में यह काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्ण संकाय के रूप में विकसित हुआ। अपने स्थापना के समय से अद्यतन शिक्षा संकाय ने सामान्य एवं विशेष रूप से शिक्षक-शिक्षा के सुधार में विशेष भूमिका अदा की। यह ऐसा एकल विभाग संकाय है जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध की सुविधायें है। संकाय पंडित मदन मोहन मालवीय जी के शिक्षा के सम्प्रत्यय की एक महान कृति है। यह संकाय स्वाधीन एवं अग्रगामी भारत में मूल्यों एवं आदर्शों के प्रसार में केन्द्रीय भूमिका का निर्वहन कर रहा है। संकाय ने अपना शताब्दी वर्ष १५ अगस्त २०१८ को मनाया है।

इस सत्र के दौरान २१ पी.एच.डी. विद्यार्थियों को उपाधि और १ विद्यार्थी को नेट/ जे.आर.एफ. से सम्मानित किया गया। शैक्षिक कार्यक्रम के सफल संचालन के अलावा शिक्षा संकाय ने सामान्य और विशेष शिक्षा दोनों के लिए शैक्षिक नेतृत्व, व्यक्तित्व विकास, कौशल विकास, संगणक संचालन कौशल, एमओओसी और सहायक उपकरणों में प्रशिक्षण, सांकेतिक भाषा और अनुसंधान संस्कृति के लिए संसाधन केंद्र के रूप में काम किया।

संकाय के १०० वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शताब्दी द्वार के निकट मालवीय वाटिका विकसित की गई जिसमें अपने संस्थापक पं. मदन मोहन मालवीय जी के अपनत्व को उच्चतम करने एवं प्रतिदिन शुभाशीष हेतु उनकी अर्धप्रतिमा स्थापित की गई। रामकृष्ण मिशन गृह सेवा, वाराणसी के सहयोग से 'विश्व धर्म संसद' शिकागो की १२५ वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। संकाय ने गैर सरकारी संस्थानों एवं अन्य संस्थानों/ संगठन के साथ अनेक सह-पाठयक्रम गतिविधियों का आयोजन किया है।

संकाय ने विभिन्न प्रकार के संगठनों के साथ विभिन्न मुद्दों पर आधारित सहयोग एवं समन्वय का कार्य भी किया है जैसे;

- उत्तर प्रदेश में विद्यालयीय शिक्षा का स्तर ।
- विशिष्ठ अध्यापकों का विशिष्ठ उन्मुखीकरण ।
- प्राचार्यों हेतु नेतृत्व प्रशिक्षण ।
- दृष्टिबाधित एवं श्रवणबाधित विद्यार्थियों हेतु उभरती तकनीकियों संबंधी कार्यक्रम।
- विश्वविद्यालय के अधिकारियों हेतु प्रवेश कार्यक्रम।
- विद्यार्थियों हेतु संगणक प्रशिक्षण।
- स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी.एच.डी. कोर्स वर्क कार्यक्रमों का पुनरीक्षण एवं विकास।

संकाय के विद्यार्थियों ने विभिन्न गैर सरकारी संगठनों, मलिन क्षेत्रों आदि का भ्रमण किया और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। पर्यावरण को बचाने के लिए संकाय परिसर में कई वृक्ष लगाये गए। इको क्लब, शिक्षा संकाय और अंकुर (एनजीओ) ने संयंत्र प्रदर्शनी और वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। संकाय ने गैर-सरकारी संगठनों और अन्य संस्थानों/संगठनों के साथ अनेक सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन किया। शिक्षकों और प्राचार्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके संकाय ने विद्यालयी शिक्षा के साथ सम्बंध स्थापित किया। संकाय ने प्रभावी अर्थपूर्ण तरीके से अन्य संस्थानों जैसे महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, आई.यू.सी.टी.ई., शेपा, निपा, आई.सी.एस.एस.आर., एन.सी.ई.आर.टी., आर.सी.आई. के साथ कार्य किया। गुणात्मक दृष्टिकोण में लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों में जवाबदेहिता, समयबद्धता और नियमितता प्रमुख उपकरण हैं।

संकाय भारतीय राज्यों के विद्यार्थियों के अतिरिक्त विदेशी विद्यार्थियों को भी अच्छी संख्या में आकर्षित करता है। वर्तमान सत्र के दौरान उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ, पं.बंगाल, उत्तराखण्ड एवं दिल्ली के विद्यार्थी सम्मिलित थे। विदेशी विद्यार्थियों में कम्बोडिया, जापान एवं यमन के विद्यार्थियों ने पर्याप्त संख्या में प्रवेश लिया।

संकाय में निम्नलिखित प्रयोगशालायें हैं: विज्ञान प्रयोगशाला, भाषा प्रयोगशाला, संगणक प्रयोगशाला, सामाजिक विज्ञान प्रयोगशाला, दृष्टिबाधित प्रयोगशाला, श्रवणबाधित प्रयोगशाला, पर्यावरण शिक्षा प्रयोगशाला, मनोविज्ञान प्रयोगशाला, निर्देशन एवं परामर्श प्रकोष्ठ, चयन प्रकोष्ठ, आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ, पुरातन विद्यार्थी प्रकोष्ठ, क्रीड़ा कक्ष।

२.१.२.४. विधि संकाय

विधि शिक्षा के परिष्कार और उसकी सामाजिक प्रासंगिकता की निर्मिति की दृष्टि से शुरू से ही बनारस लॉ स्कूल की महती भूमिका रही है। तीन वर्षीय पूर्णकालिक एल.एल.बी. पाठ्यक्रम एवं दो वर्षीय एल.एल.एम. पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने में यह संस्था अग्रणी रहा है। सत्र १९९८-९९ से लॉ स्कूल ने 'ह्यूमन राइट्स एण्ड ड्यूटीज एजूकेशन' में दो वर्षीय एल.एल.एम. पाठ्यक्रम की शुरूआत की और सत्र २००१-०२ में 'एनिमल लॉ' से सम्बन्धित एक प्रश्नपत्र को उसमें प्रारम्भ किया। 'बार काउंसिल ऑफ इण्डिया' के निर्देशानुसार लॉ स्कूल ने सत्र २००९-१० में पाठ्यक्रम का पुनर्निधारण/पुनर्निर्माण करते हुए एल.एल.बी. (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम की शुरूआत की। सत्र २०१०-११ के विश्वविद्यालय आर्डिनेंस के अनुसार उसी सत्र से संकाय ने एल.एल.बी. (प्रतिष्ठा), एल.एल.एम. और एल.एल.एल (एचआरडीई) पाठ्यक्रमों में 'च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम' लागू किया। इसके अतिरिक्त लॉ स्कूल ने जनवरी, २०११ से पी-एच.डी. प्रोग्राम में 'कोर्स वर्क' को प्रारम्भ कर दिया है।

वर्तमान सत्र में विधि संकाय ने एल.एल.एम. (एक वर्षीय) में (सीबीसीएस) लागू किया है जो सत्र २०१९-२० से प्रारम्भ होगा। इसके साथ ही विधि संकाय ने सत्र २०१८-१९ में एलएलबी (आनर्स)-३ वर्षीय पाठ्यक्रम, बीएएलएलबी (आनर्स)-५ वर्षीय पाठ्यक्रम तथा एलएलएम डिग्री पाठ्यक्रम के विषय वस्तु को भी संशोधित किया है जो कि सत्र २०१९-२० से प्रारम्भ होगा।

एल.एल.बी. स्तर की शिक्षा इस बात को ध्यान में रख कर दी जाती है कि विद्यार्थी विधि व्यवसाय की चुनौतियों के अनुसार तैयार हो सकें और व्यवसाय, वाणिज्य और उद्योग के क्षेत्र में भी लॉ ग्रेजुएट के रूप में अपने को योग्य प्रमाणित कर सकें। समुदायोन्मुख कई पाठ्यक्रमों को भी लॉ स्कूल ने प्रारम्भ किया है जो समाज, पर्यावरण, उपभोक्ता, महिलाओं, बच्चों एवं अन्य और की भी दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। 'एग्रीकल्चरल लैंड लॉ एण्ड रिफार्म्स' की दृष्टि से तत्सम्बन्धी ग्रामीण समस्याओं के निमित्त विधि शिक्षा का प्रबंध है। निर्धन एवं साधनहीन व्यक्तियों को १९७८ से विधिक सहायता प्रदान की जा रही है।

विधि संकाय एक स्तरीय जर्नल निरन्तर 'बनारस लॉ जर्नल' के नाम से प्रतिवर्ष प्रकाशित कर रहा है जिसमें भारत एवं विदेश के अध्यापकों, प्रख्यात व्यावसायिकों एवं शिक्षाविदों के शोध

आलेख/पुस्तक समीक्षा प्रकाशित होते रहते हैं। भारत एवं भारत से बाहर के अनेक महत्वपूर्ण एवं मूल्यवान जर्नल्स के आदान-प्रदान का यह जर्नल एक प्रमुख आधार है। हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों एवं शोध छात्रों के द्वारा इस जर्नल में उल्लिखित लेखों का नजीर के रूप में उपयोग किया जाता है। इसके अलावा संकाय ने राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद कोर्ट प्रतियोगिता-महामना मालवीय राष्ट्रीय वाद-विवाद कोर्ट को आरम्भ किया है।

प्रमुख गतिविधियाँ

- प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश, अध्यापन एवं परीक्षा की समस्त गतिविधियां निर्धारित समय पर सकुशल सम्पन्न हुईं।
- बी.एच.यू. एवं अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, ओरियन्टेशन कोर्स-रिफ्रेसर कोर्स एवं राष्ट्रीय कार्यशालाओं में विभाग के अनेक अध्यापकों ने स्रोत विद्वान के रूप में सहभागिता की।
- विश्वविद्यालय के १००वें दीक्षांत समारोह के भाग के रूप में संकाय का दीक्षांत समारोह २२ नवम्बर २०१८ को आयोजित किया गया।
- एल.एल.एम. के कई विद्यार्थी बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में ज्यूडिसियल और प्रासीक्यूशन ऑफीसर के रूप में चयनित हुए।
- वर्तमान सत्र में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'स्पंदन' सांस्कृतिक समारोह में लॉ स्कूल के विद्यार्थियों ने शार्ट प्ले, क्विज, नृत्य, गायन, इलोक्यूशन आदि में भाग लिया तथा पुरस्कार प्राप्त किए।
- वर्तमान सत्र के दौरान दो राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। १७ नवम्बर, २०१८ को लॉ स्कूल में भारतीय कराधान प्रणाली: आर्थिक विकास के प्रवर्तक एवं साधन विषय पर पहली राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में देश भर के विभिन्न भागों से ५०० से अधिक प्रतिभागियों ने भाग किया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता माननीय (प्रो.) राकेश भटनागर, कुलपति, बी.एच.यू. के द्वारा की गई।
- विधि संकाय को विधि संस्थान में उन्नयन करने हेतु कार्य प्रगति पर है।

शिक्षण-अध्ययन के कार्यक्रम

देश के अन्य लॉ स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पारंपरिक विषयों के अतिरिक्त लॉ स्कूल बी.एच.यू. अन्य अनेक पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। यथा-अपराध एवं दण्डशास्त्र, अन्तर राष्ट्रीय अर्थ/आर्थिक कानून, कारपोरेशन एवं पब्लिक कंट्रोल कानून, ग्रामीण विकास सम्बन्धी कानून, रेन्ट कंट्रोल संबंधी कानून, मिलिटेरी लॉ, हिन्दू एवं मुस्लिम विधि शास्त्र आदि। उसी प्रकार विगत कई वर्षों से अनेक सेमिनार पाठ्यक्रम (सेमिनार कोर्सेस) भी लॉ स्कूल आयोजित करता है। यथा-लॉ एण्ड सोसाइटी, लॉ एण्ड पावर्टी, लॉ एण्ड एजूकेशन, लॉ एण्ड रिलीजन, लॉ एण्ड वीमेन, लॉ एण्ड चाइल्ड, लॉ एण्ड प्लानिंग, लॉ एण्ड कन्ज्यूमर, लॉ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, लॉ एण्ड मेडिसिन आदि। इसके अतिरिक्त एल.एल.एम. (ह्यूमन राइट्स एण्ड ड्यूटी एजूकेशन) पाठ्यक्रम में जिन विषयों को पढ़ाया जाता है वे इस प्रकार हैं- मानवाधिकार एवं विधि शास्त्र, मानवाधिकार एवं भारत, अन्तर्राष्ट्रीय विधि एवं मानवाधिकार, मानवाधिकार वं आपराधिक न्याय, अन्तर्राष्ट्रीय शरणार्थी कानून, अन्तर्राष्ट्रीय मानवता कानून, मानवाधिकार एवं पर्यावरण, मानवाधिकार एवं महिलाएं, मानवाधिकार एवं बच्चे, लॉ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी एवं मानवाधिकार आदि। एल.एल.एम. डिग्री प्राप्ति के लिए विद्यार्थियों द्वारा लघु शोध प्रबन्ध लिखना आवश्यक है।

२.१.२.५. संगीत एवं मंच कला संकाय

संगीत एवं मंच कला संकाय, संगीत और नृत्य की पारम्परिक कलाओं के प्रचार और संरक्षण के लिए काम करता है। पं. गोविन्द मालवीय और संस्थापक संगित मार्तंड पं. ओंकार नाथ ठाकुर के अथक प्रयासों से वर्ष १९५० में इस संकाय की स्थापना हुई।

संकाय में चार विभाग हैं: स्वर, वाद्य संगीतशास्त्र और नृत्य। संकाय निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित करता है: पीएच.डी., स्नातक, स्नातकोत्तर और जूनियर डिप्लोमा इन वोकल (हिंदुस्तानी/कर्नाटक); वाद्य (सितार/वायलिन/बांसुरी/तबला), नृत्य (कथक/भरनाटयम्)

संकाय स्तर पर होने वाली कुछ सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ

- राष्ट्रीय शास्त्रीय नृत्य महोत्सव २८ से २९ जुलाई २०१८
- शास्त्रीय एवं उप-शास्त्रीय संगीत नृत्य महोत्सव - दिनांक २३ अक्टूबर २०१८
- देश भक्ति गीत प्रतियोगिता - दिनांक ७ अक्टूबर २०१८
- कृष्णाप्रिया नृत्य महोत्सव राष्ट्रीय स्तर दिनांक २६ से ३० अक्टूबर २०१८ तक सम्पन्न हुआ।
- संगीत त्रिवेणी ध्रुपद महोत्सव - ३१ अक्टूबर से २ नवम्बर २०१८
- भावार्पण - भारतरत्न पं. रविशंकर को समर्पित मुख्य अतिथिवक्ता पद्मभूषण एवं ग्रैमी अवार्ड अलंकृत पं. विश्वमोहन भट्ट एवं विख्यात संतूरवादक, पं. तरूण भट्टाचार्या - दिनांक ४ एवं ५ जनवरी २०१९
- पद्मश्री पं. बलवंत राव भट्ट स्मृति संगीत संध्या दिनांक १७ नवंबर २०१८
- प्रवासी भारतीय सांस्कृतिक सन्ध्या - दिनांक २१ जनवरी २०१९

गायन संगीत विभाग

- **सम्मान :** बनारस घराने के विश्वविख्यात कलाकार पं. राजन मिश्र एवं पं. साजन मिश्र को डी.लिट. की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।
- संकाय के विशिष्ट पूर्व छात्र पं. राजेश्वर आचार्य को भारत सरकार की और से पद्मश्री अलंकरण से संगीत के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए, सम्मानित किया गया।

क्रियाकलाप

- कंठ संगीत विभाग एवं श्रीकान्त मिश्र ध्रुपद फाउन्डेशन के एकत्र सौहार्द्र से पं. श्रीकान्त मिश्रा जी की स्मृति में तीन दिवसीय ध्रुपद उत्सव का आयोजन दिनांक २५.०१.२०१९ से २७.०१.२०१९ तक किया गया।

- जिला प्रशासन व अमर उजाला द्वारा आयोजित मतदाता जागरुकता कार्यक्रम में २७.०४.१९ को विभाग की छात्राओं ने वन्दे मातरम व देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया। सप्ताह में २८.०१.२०१९ से ०२.०२.२०१९ तक प्रस्तुतियाँ दीं।
- विभाग के छात्रों द्वारा सामाजिक स्तरीय कार्यक्रम जैसे-एनएसएस के स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, कैन्डल मार्च आदि में सक्रियता से भाग लिया।
- विभाग के शिक्षकों, संगतकारों, शोधार्थियों व छात्रों ने वर्ष पर्यन्त ७५ से अधिक प्रतिष्ठित मंचों पर प्रस्तुतियों दीं एवं संकाय स्तरीय व विश्वविद्यालय स्तरीय क्रियाकलापों में सक्रिय सहभागिता प्रदान करते रहे।
- इसके अतिरिक्त नियमित तौर पर छात्र सुबह-ए-बनारस में प्रस्तुति देते रहे।

छात्र उपलब्धियाँ – गायन विभाग

पुरस्कार

श्री मुकेश कुमार एवं श्री विक्की को एल्युमनाई ऐसोसिएशन, मुंबई द्वारा शैक्षिक उत्कर्ष के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गयी।

सुश्री अर्पिता भट्टाचार्या एवं पूजा बसाक को उनकी बहुमुखी उपलब्धियों के लिए पं. कनक राय त्रिवेदी नगद पुरस्कार।

सुश्री स्वाती तिवारी एमपीए चतुर्थ सेमेस्टर २०१९ में विश्वास संगीत समिति द्वारा डॉ. सन्त कुमार गर्ग पुरस्कार लाइट वोकल सोलो में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर दिया गया।

सुश्री स्वाती तिवारी को सुर संगत संस्थान द्वारा सर्वश्रेष्ठ महिला गायिका पुरस्कार २०१८ प्रदान किया गया।

सुश्री स्वाती तिवारी को कृष्णप्रिया कथक केन्द्र रस बनारस द्वारा स्वर्ण मयूर सम्मान २०१८ दिया गया।

सुश्री स्वाती तिवारी को प्रयाग संगीत समिति इलाहाबाद (प्रयागराज) द्वारा विशेष लाइट वोकल सोलो में द्वितीय पुरस्कार।

सुश्री अलंकृता रॉय एमपीए द्वितीय सेमेस्टर को कृष्ण प्रिया महोत्सव, रस बनारस, द्वारा सर्वश्रेष्ठ कलाकार २०१८ पुरस्कार दिया गया।

सुश्री स्वाती तिवारी एमपीए चतुर्थ सेमेस्टर विश्वास संगीत समिति में शास्त्रीय गायन में प्रथम पुरस्कार।

श्री. बागीश पाठक एमपीए चतुर्थ सेमेस्टर ने चन्दौली महोत्सव में सूफी गायन के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

सुश्री अलंकृता रॉय एमपीए द्वितीय सेमेस्टर को कृष्ण प्रिया महोत्सव रस बनारस द्वारा स्वर्ण मयूर (प्रथम पुरस्कार) सम्मान २०१८

श्री मोहित साहनी बीपीए द्वितीय को लमही महोत्सव २०१८ में लाइट वोकल सोलो में प्रथम पुरस्कार।

श्री मोहित साहनी एवं उज्जवल साहनी बीपीए द्वितीय सेमेस्टर को भारत विकास परिषद, वाराणसी में २०१८ में लाइट वोकल सोलो में प्रथम पुरस्कार।

क्रमांक	छात्र/छात्रा का नाम	प्रसंग	पुरस्कार	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय
१.	सोहिनी गांगुली	शास्त्रीय गायन (एकल)	प्रथम	क्षेत्रीय
२.	अर्पिता भट्टाचार्या	पाश्चात्य एकल गायन	तृतीय	क्षेत्रीय
३.	प्रियंका सहवाल	सुगम एकल गायन	द्वितीय	क्षेत्रीय
४	अर्पिता भट्टाचार्या, सोहिनी गांगुली, प्रियंका सहवाल, सुरभि तिवारी, साक्षी सिन्हा, युक्ता शर्मा,	भारतीय समूह गान	द्वितीय	क्षेत्रीय
५.	अर्पिता भट्टाचार्या, सोहिनी गांगुली प्रियंका सहवाल, सुरभि तिवारी, साक्षी सिन्हा, युक्ता शर्मा,	पाश्चात्य समूह गान	द्वितीय	क्षेत्रीय
६.	सोहिनी गांगुली	शास्त्रीय एकल गायन	द्वितीय	राष्ट्रीय
७.	अर्पिता भट्टाचार्या	पाश्चात्य एकल गायन	तृतीय	राष्ट्रीय
८.	प्रियंका सहवाल	सुगम एकल गायन	प्रथम	राष्ट्रीय
९.	अर्पिता भट्टाचार्या, सोहिनी गांगुली, प्रियंका सहवाल, सुरभि तिवारी, साक्षी सिन्हा, युक्ता शर्मा	भारतीय समूह गान	प्रथम	राष्ट्रीय
१०.	अर्पिता भट्टाचार्या, सोहिनी गांगुली, प्रियंका सहवाल, सुरभि तिवारी, साक्षी सिन्हा, युक्ता शर्मा	पाश्चात्य समूह गान	तृतीय	राष्ट्रीय
११.	अर्पिता भट्टाचार्या, सोहिनी गांगुली, प्रियंका सहवाल, सुरभि तिवारी, साक्षी सिन्हा, युक्ता शर्मा	भारतीय समूह गान	प्रथम	स्पंदन विश्वविद्यालय स्तरीय युवा महोत्सव
१२.	अर्पिता भट्टाचार्या, सोहिनी गांगुली, प्रियंका सहवाल, सुरभि तिवारी, साक्षी सिन्हा, युक्ता शर्मा	पाश्चात्य समूह गान	द्वितीय	स्पंदन विश्वविद्यालय स्तरीय युवा महोत्सव
१३.	स्वाति तिवारी	शास्त्रीय एकल गायन	प्रथम	स्पंदन विश्वविद्यालय स्तरीय युवा महोत्सव
१४.	बागीश पाठक	सुगम एकल गायन	प्रथम	स्पंदन विश्वविद्यालय स्तरीय युवा महोत्सव
१५.	अंकिता मिश्रा	पाश्चात्य एकल गायन		स्पंदन विश्वविद्यालय स्तरीय युवा महोत्सव

श्री पीयूष दीक्षित बीपीए द्वितीय सेमेस्टर को संगीत नाटक अकादमी अयोध्या में २०१८ में ध्रुपद गायन में प्रथम पुरस्कार।

श्री पीयूष दीक्षित बीपीए द्वितीय सेमेस्टर को संगीत नाटक अकादमी लखनऊ में २०१८ ध्रुपद गायन के लिए तृतीय पुरस्कार।

श्री प्रवीण पाण्डेय बीपीए द्वितीय सेमेस्टर को संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ में २०१८ में ख्याल गायन के लिए तृतीय पुरस्कार क्षेत्रीय व राष्ट्रीय युवा महोत्सव एवं स्पन्दन में डॉ. इन्द्रेव चौधरी एवं श्री. पंकज राय के निर्देशन में विभाग के छात्र-छात्राओं की प्रतिभागिता एवं विजयी पुरस्कार।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- डॉ. मधुमिता भट्टाचार्या - हिन्दुस्तानी संगीत ख्याल गायन में बी-हाई ग्रेड प्राप्त किया (२०१८)।
- डॉ. मधुमिता भट्टाचार्या - उपशास्त्रीय संगीत गायन में बी-हाई ग्रेड प्राप्त किया (२०१९)।
- श्री पंकज राय- हिन्दुस्तानी संगीत वादन (तबला) में बी-हाई ग्रेड प्राप्त किया।
- डॉ. रामशंकर एवं डॉ. विजय कपूर के निर्देशन में छात्र-छात्राओं द्वारा सुबह-ए-बनारस में नियमित मंच प्रदर्शन प्रस्तुत किये जाते हैं।

वाद्य विभाग

वर्तमान वर्ष में संस्थान/संकाय के सम्मान, अध्येता वृत्ति, पारितोषिक, विशिष्ट सम्मान तथा उल्लेखनीय उपलब्धियों की सूची - वादन विभाग के विद्यार्थीगण :-

- श्री उदय कुमार सिंह (बीपीए.बांसुरी) को मुंबई के पुरा छात्र संघ से शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति मिली।
- श्री बसनायके मुध्यांसलगे लाहिरु मधुशंके बंदरारा रत्नायके, विदेशी छात्र (बीपीए-वायलिन) को मुंबई के पुरा छात्र संघ से शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति मिली।
- श्री बिस्वजीत सेवा (बीपीए-तबला) को मुंबई के पुरा छात्र संघ से शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति मिली।
- कुमारी सुहासिनी शर्मा (बीपीए-सितार) को मुंबई के पुरा छात्र संघ से शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति मिली।
- श्री प्रशांत मिश्रा (बीपीए-वायलिन) को मुंबई के पुरा छात्र संघ से शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति मिली।
- श्री प्रशांत मिश्रा (बीपीए-वायलिन) को २०१८ में बीएचयू में चांसलर मेडल सम्मान प्राप्त हुआ ।
- प्रशांत मिश्रा - (बीपीए-वायलिन) को विश्वविद्यालय में अंडर ग्रेजुएट स्तर के पाठ्यक्रम में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए चांसलर मेडल प्राप्त हुआ।
- हिंदुस्तानी संगीत वाद्ययंत्र के क्षेत्र में युवा कलाकारों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।
- सोनू यादव - (एमपीए - बांसुरी) नेशनल यूथ फेस्टिवल २०१९ में इंस्ट्रूमेंट नॉन परकशन (गैर ताल वाद्य) में प्रथम पुरस्कार जीता।
- आशीष नारायण मिश्रा - (एमपीए - तबला) नेशनल यूथ फेस्टिवल २०१९ में इंस्ट्रूमेंट परकशन (ताल वाद्य) में द्वितीय पुरस्कार जीता ।

नृत्य विभाग

उपलब्धि: विभाग में २४ अगस्त २०१८ को १२ कम्प्यूटरों से युक्त एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया जिसका उद्देश्य बच्चों को इन्टरनेट की सुविधाएँ प्रदान करना है।

क्रियाकलाप

- प्रधानमंत्री योजना ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' के दौरान नृत्य विभाग का एक समूह नेहू (एनइएचयू) मेघालय गया। दिनांक १०-१८ नवम्बर २०१८ में डॉ. श्वेता चौधरी और श्री पंकज राय के नेतृत्व में वहां समूह नृत्य और वाद-विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- विभाग के शिक्षक-शिक्षिकाओं व छात्र-छात्राओं ने २१.०१.२०१९ को स्वतंत्रता भवन में आयोजित प्रवासी भारतीय दिवस की सांस्कृतिक संध्या में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम का आयोजन स्वतंत्रता भवन, बी.एच.यू में हुआ।
- विद्यार्थियों ने अंतरसंकाय युवा-महोत्सव, स्पन्दन, २०१९ में भाग लिया और प्रस्तुतियाँ दीं।
- विभाग के शिक्षक-शिक्षिकाओं व छात्र-छात्राओं द्वारा ५ दिवसीय वार्षिक संगीत कार्यक्रम ''आचार्य स्मृति समारोह'' १३ से १६ मार्च २०१९ आयोजित किया गया।
- विद्यार्थियों ने अंतरसंकाय युवा-महोत्सव, स्पन्दन, २०१९ में भाग लिया और प्रस्तुतियाँ दीं।

इसके अतिरिक्त नियमित तौर पर डॉ. विधि नागर और श्री प्रेमचन्द होम्बल (सेवानिवृत शिक्षक) के निर्देशन में छात्र एवं छात्राओं ने घाट सन्ध्या में नियमित प्रस्तुतियाँ दीं।

छात्र उपलब्धियां

पुरस्कार

- सुश्री रागिनी कल्याण को एल्युमनाई ऐसोसिएशन, मुंबई द्वारा शैक्षिक उत्कर्ष के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गयी।
- श्री मितुल शर्मा को एल्युमनाई ऐसोसिएशन, मुंबई द्वारा शैक्षिक उत्कर्ष के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गयी।
- सुश्री नेहा कुमारी राम को अकादमी एक्सेलेन्स, एन्यूमनी एसोसिएशन, मुम्बई की ओर से छात्रवृति प्रदान किया गया।
- सुश्री रागिनी कल्याण को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा विभाग एवं संकाय में शैक्षिक उत्कर्ष (उच्चतम अंक) के लिए स्वर्ण पुरस्कार प्रदान किया गया।
- सुश्री श्रेया रघुवंशी को राजकीय स्तर उ.प्र.सं.ना.अ., लखनऊ युवा वर्ग हेतु कथक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।
- सुश्री प्रेरणा जैन को राजकीय स्तर उ.प्र.सं.ना.अ., लखनऊ किशोर वर्ग हेतु कथक प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

क्रम. सं.	नाम एवं विभाग सहित प्राप्तकर्त्ता का नाम	सम्मान की प्रकृति आदि	पुरस्कार देने वाली संस्था का नाम
१.	१.श्री प्रेम प्रकाश प्रजापति २.सुश्री संगीता शुक्ला ३.श्री निर्मल कुमार ४.श्री सतीश कुमार सिंह	वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति तथैव तथैव तथैव	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथैव तथैव तथैव
२.	१. श्री सोनू यादव (शास्त्रीय बांसूरी एकल वादन)-एम.पी.ए. २. श्री अशेष नारायण मिश्रा (शास्त्रीय तबला एकल वादन)-एम.पी.ए.	स्वर्ण पुरस्कार (युवा महोत्सव) तथैव	अन्तर विश्वविद्यालयीय युवा महोत्सव (क्षेत्रीय व राष्ट्रीय स्तर) तथैव
३.	१. श्री कृष्ण कुमार उपाध्याय (शास्त्रीय तबला एकल वादन)-एम.पी.ए. २. श्री शत्रुघ्न बेउरा (शास्त्रीय वायलिन एकल वादन)-एम.पी.ए.	प्रथम पुरस्कार (स्पन्दन-२०१९) प्रथम पुरस्कार (स्पन्दन-२०१९)	अन्तर संकाय युवा महोत्सव, का.हि.वि.वि. तथैव

व्याख्यान प्रदर्शन और कार्यक्रम

क्र.सं.	**नाम**	**प्रसंग**	**तिथि**	**स्थान**
१.	पं. हरिराम द्विवेदी	लोक संगीत : सोलह संस्कार	०९ मई २०१८	पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
२.	विदुषी वर्षा प्रधान	सहजयोग आज का महायोग संगीत एवं ध्यान योग का महासंगम	२१ जून २०१८	पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
३.	प्रो. राधेश्याम जायसवाल	शोध पद्धति	२०-२१ अगस्त २०१८	सेमिनार कक्ष, एनेक्सी भवन, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
४.	श्री मधुसूदन नाग	सर्जनात्मक लोक संगीत और तबले का सौंदर्यपरक घटक	०४ सितम्बर २०१८	सेमिनार कक्ष, एनेक्सी भवन, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
५.	पं. ऋतुराज कात्यायन	रामचरित्रमानस में संगीत	०६ सितम्बर २०१८	सेमिनार कक्ष, एनेक्सी भवन, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
६.	डॉ. नीलू शर्मा	तबलावादन के क्षेत्र में पारंपरिक बंदिशें आवश्यकता एवं महत्व	१५ अक्टूबर २०१८	सेमिनार कक्ष, एनेक्सी भवन, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
७.	प्रो. इन्द्राणी चक्रवर्ती	गांव और मुर्चना	२५ अक्टूबर २०१८	पं. लालमणि मिश्रा वाद्य संग्रहालय, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
८.	पं. विश्वमोहन भट्ट	विश्वगुरू भारत रत्न पं. रविशंकर जी की सांगीतिक धरोहर - उनके वादन व शिक्षण शैली के विशेष संदर्भ में	०४ जनवरी २०१९	पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
९.	पं. तरूण भट्टाचार्य	विश्वगुरू भारत रत्न पं. रविशंकर जी की सांगीतिक धरोहर - उनके वादन व शिक्षण शैली के विशेष संदर्भ में	०५ जनवरी २०१९	पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
१०.	श्री अश्विनी श्रीनिवासन	गायकी अंग में हिन्दुस्तानी शास्त्रीय बाँसुरी वादन और उसकी तकनीकी	१३ फरवरी २०१९	पं. लालमणि मिश्रा वाद्य संग्रहालय, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
११.	श्री नरेन्द्र मिश्रा	गायकी एवं तंत्रकारी अंग में हिन्दूस्तानी शास्त्रीय सितार वादन और उसकी तकनीकी	१५ फरवरी २०१९	पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.

क्र.सं.	नाम	प्रसंग	तिथि	स्थान
१.	पं. हरिराम द्विवेदी	लोक संगीत : सोलह संस्कार	०९ मई २०१८	पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
२.	विदुषी वर्षा प्रधान	सहजयोग आज का महायोग संगीत एवं ध्यान योग का महासंगम	२१ जून २०१८	पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
३.	प्रो. राधेश्याम जायसवाल	शोध पद्धति	२०-२१ अगस्त २०१८	सेमिनार कक्ष, एनेक्सी भवन, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.
४.	श्री मधुसूदन नाग	सर्जनात्मक लोक संगीत और तबले का सौंदर्यपरक घटक	०४ सितम्बर २०१८	सेमिनार कक्ष, एनेक्सी भवन, संगीत एवं मंचकला संकाय, का.हि.वि.

- सी.सी.आर.टी.- सुश्री प्रेरणा जैन
- सी.सी.आर.टी. (किशोर वर्ग) - सुश्री रीतिका दास

क्रमांक	छात्र/छात्रा का नाम	प्रसंग	पुरस्कार	क्षेत्रीय/राष्ट्रीय
१.	रागिनी कल्याण	शास्त्रीय नृत्य (एकल)	प्रथम	३४वां युवा महोत्सव क्षेत्रीय
२.	रागिनी कल्याण सौम्या गुप्ता, शिवानी मिश्रा, नेहा कुमारी राम, आरती थापा, सोहिनी गांगुली, सुनिधि पाठक, ओम प्रकाश, विकास गुप्ता, गुड़िया मिश्रा	लोक नृत्य	द्वितीय	क्षेत्रीय
३.	रागिनी कल्याण	शास्त्रीय नृत्य (एकल)	द्वितीय	३४वां युवा महोत्सव क्षेत्रीय
४.	रूद्र शंकर मिश्रा	शास्त्रीय नृत्य (एकल)	प्रथम	स्पन्दन विश्वविद्यालय स्तर युवा वर्ग
५.	सौम्या गुप्ता, शिवानी मिश्रा, नेहा कमार राम, आरती थापा, सोहिनी गांगुली, सुनिधि पाठक, गुड़िया मिश्रा, स्वजन गोविन्द, उर्वशी मोहनानी, सृष्टी	लोक नृत्य	प्रथम	स्पन्दन विश्वविद्यालय स्तर युवा वर्ग
६.	धर्मराज (समूह नेतृत्व)			

२.१.२.६. सामाजिक विज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान संकाय अधिगम के सबसे पुराने और विशिष्ट केन्द्रों में से एक है, जो काशी हिंदू विश्वविद्यालय के शैक्षणिक संरचना को एक लंबे समय से मजबूती प्रदान कर रहा है। सामाजिक विज्ञान संकाय (कला संकाय जो कि पहले सेन्ट्रल हिंदू कालेज था, से विभाजित) की स्थापना वर्ष १९७१ में हुई जिसके अंतर्गत पांच विभाग - अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र शामिल हैं। इसने बहुत से विद्वानों और शोधकर्ताओं को तैयार किया है जिनके योगदान को दुनिया भर में पहचान और सराहना मिली है। संकाय लगभग ६०० शोधार्थियों को सुविधाएं प्रदान करता है। हमारे ७० शोध छात्र वर्तमान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त जूनियर रिसर्च फेलोशिप प्राप्त कर रहे हैं। सामाजिक विज्ञान संकाय के छात्र विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त हुये हैं। उक्त पांच विषयों यथा - अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान और समाजशास्त्र में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर शिक्षण देने के अलावा, संकाय ने नए केन्द्रों की स्थापना करके अपने कदम को नई दिशा में बढ़ाया है, जो निम्नलिखित है:

- एकीकृत ग्रामीण विकास केन्द्र
- नेपाल अध्ययन केन्द्र
- सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र
- महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र
- मालवीय शांति एवं अनुसंधान केन्द्र

संकाय में ०२ पीठों की स्थापना की गई - अक्टूबर, २०१७ में पं. दीन दयाल उपाध्याय पीठ: अक्टूबर, २०१७ डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पीठ

संकाय और विभागों में एक पुस्तकालय (सामाजिक कार्य), इंटरनेट सुविधा और इंटरनेट सुविधा युक्त कक्षाएं हैं। हम बहुत जल्द कम्प्यूटर लैब स्थापित और संगोष्ठी और व्याख्यान कक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा भी उपलब्ध करने जा रहे हैं। शोध भी संकाय स्तर पर शैक्षणिक गतिविधि का एक अभिन्न और महत्वपूर्ण घटक है और कुछ शिक्षकों के योगदान को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्राप्त हुई है। इसी को ध्यान मे रखते हुये इस संकाय ने सामाजिक विज्ञान संस्थान के रूप में अपनी स्थिति को उन्नत करने का प्रस्ताव किया है।

अर्थशास्त्र विभाग

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में प्रतिष्ठित संस्थापक पं. मदन मोहन मालवीय द्वारा स्थापित अर्थशास्त्र विभाग सबसे पुराने विभाग में से एक है। इसका विकास राष्ट्र निर्माण की दृष्टि से किया गया, जिसकी भारत को स्वतंत्रता-पूर्व युग के दौरान सबसे ज्यादा आवश्यकता थी। शिक्षकों ने आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित ०१ प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन किया है। ०७ पुस्तक अध्यायों के अलावा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में लगभग २० शोध पत्र प्रकाशित हुए। विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया और कई शोध पत्रों को प्रस्तुत किया और कुछ वरिष्ठ संकाय सदस्यों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में मुख्य भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया। १७ विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए और विभाग के छात्रों द्वारा इक्यूयूआईएलआईबीआरआईए का आयोजन किया गया।

इतिहास विभाग

वर्ष १९१८ में स्थापित, इतिहास विभाग विश्वविद्यालय के सबसे पुराने विभाग में से एक है। हाल ही में विशेष पाठ्यक्रम के अध्ययन के तहत विरासत प्रबंधन में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को सत्र २०१९-२० से शुरू करने के लिए संकाय परिषद, शैक्षणिक परिषद और कार्यकारिणी परिषद् द्वारा अनुमोदित किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सबसे पुराने विभागों में से एक है। अर्थशास्त्र विभाग के साथ एक संयुक्त विभाग के रूप में स्थापित, इसे १९२९ में एक स्वतंत्र अस्तित्व मिला। विभाग ने खुद को शैक्षणिक दृष्टि से स्थापित कर लिया है, जिसे अतीत और वर्तमान में भी विभाग को सुशोभित करने वाले विख्यात राजनीतिक वैज्ञानिकों द्वारा सत्यापित किया गया है।

मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, ने अप्रैल २०१८ से मार्च २०१९ तक शिक्षण और शोध सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की। विभाग की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियाँ निरंतर गति से आगे बढ़ रही हैं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रिसोर्स पर्सन द्वारा विशेष व्याख्यान के अलावा इस अवधि के दौरान प्रतिष्ठित रिसोर्स पर्सन द्वारा एक कार्यशाला, दो राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए। विभाग के छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों द्वारा कई शैक्षणिक और क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए। देश के विभिन्न हिस्सों से विशेषज्ञों को शोध छात्रों और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अतिथि व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था ताकि उन्हें मनोविज्ञान में शोध के उभरते नवीन क्षेत्रों से परिचित कराया जा सके और विषय के सैद्धांतिक पहलुओं से परे उसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समाज में बड़े पैमाने पर व्यापक बनाया जा सके। इस श्रृंखला में डॉ. ईतेश सचदेवा द्वारा ''समूह की पहचान और बहुभाषी संचार: कुछ सामाजिक मनोवैज्ञानिक विचार'' विषय पर एक विशेष व्याख्यान दिया गया था। इस वर्ष हमने विभाग के स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों को परामर्श और कैरियर विकास के लिए विभिन्न जीवन कौशल का पता लगाने और विकसित करने में मदद के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। उक्त कार्यशाला ''जीवन कौशल प्रशिक्षण'' भारत के एक प्रतिष्ठित रिसोर्स पर्सन द्वारा आयोजित की गई थी।

इन राष्ट्रीय सम्मेलनों में सम्पूर्ण भारत से कई प्रतिभागी और विख्यात मनोवैज्ञानिक भी आते हैं। २५ जनवरी, २०१९ को 'चिल्ड्रन एंड यंग पीपल मेंटल हेल्थ' पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। अनुभूति और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभाग के उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक कार्य का संज्ञान लेते हुए यूजीसी ने विभाग को यूपीपी-डीआरएस-प्रथम से अपग्रेड करके यूपीपी-डीआरएस-द्वितीय कर दिया है। ०९ पुस्तकों / पुस्तक अध्यायों के अलावा राष्ट्रीय पत्रिकाओं में लगभग ३६ शोध पत्र और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में १३ शोध पत्र प्रकाशित हुए। विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया और कई शोध पत्रों को प्रस्तुत किया और कुछ वरिष्ठ संकाय सदस्यों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में मुख्य भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया। शोध अनुदान, पुरस्कार और फैलोशिप के संदर्भ में संकाय सदस्यों द्वारा किए गए शैक्षिक और शोध योगदान को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली। इस अवधि के दौरान कई चल रहे शोध परियोजनाओं के अलावा, विभिन्न संकाय सदस्यों को दो नए मुख्य शोध परियोजनाएं (एक डीएसटी द्वारा,एक, एनसीइआरटी द्वारा) प्रदान की गई हैं। देश के बाहर के विशेषज्ञों के साथ बातचीत के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के प्रयास भी जारी रहे।

समाजशास्त्र विभाग

विभाग ने अपनी स्थापना के बाद से बहुत उन्नति की है और नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। पूर्व छात्रों की एक प्रभावशाली संख्या ने भारत ही नहीं बल्कि विदेशों में भी उच्च शैक्षणिक संस्थानों में अपनी एक योग्य पहचान बनाई है, जैसे- पंजाब विश्वविद्यालय, मिजोरम विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ .बी.आर. अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, रोहिलखंड विश्वविद्यालय, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, एसएम कानपुर विश्वविद्यालय, जेएनयू, अवध विश्वविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, डॉ. एचएसजी विश्वविद्यालय,सागर, आईआईटी, थाईलैंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों में और संबद्ध कॉलेजों में संकाय सदस्यों के रूप में सेवाएँ दे रहे हैं। उनमें से कई आईएएस-संवर्ग और प्रदेश पीसीएस, अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठनों इत्यादि में भी हैं।

विभाग १९८४-८५ में अध्ययन के लिए एम.फिल पाठ्यक्रम का नेतृत्व करने वाले विश्वविद्यालय के मात्र तीन विभागों में से एक था। समाजशास्त्र विभाग के अंतर्गत सोशल वर्क में स्नातकोत्तर की पढ़ाई १९९९ में अध्ययन के विशेष पाठ्यक्रम के रूप में शुरू हुई। विभाग के सभी शोध छात्र एक शोध मंच 'सन राइज' के माध्यम से एक साथ आ चुके है।

शिक्षकों ने विभिन्न भारतीय और विदेशी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित लगभग ०२ मुख्य शोध परियोजनाओं का संचालन किया है। ०३ पुस्तकों /पुस्तक अध्यायों के अलावा लगभग १२ शोध पत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया और कई शोध पत्रों को प्रस्तुत किया और कुछ वरिष्ठ संकाय सदस्यों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में मुख्य भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया।

२.१.२.७. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

वर्तमान में इस संकाय के अन्तर्गत कुल आठ विभाग कार्यरत हैं- **वेद विभाग, व्याकरण विभाग, साहित्य विभाग, ज्योतिष विभाग, वैदिकदर्शन विभाग, जैनबौद्ध दर्शन विभाग, धर्मशास्त्र मीमांसा विभाग एवं धर्मागम विभाग।** इन विभागों में लगभग २३ विषयों का शिक्षण होता है तथा त्रिवर्षीय (छ: सेमेस्टर) शास्त्री सम्मान और द्विवर्षीय (चार सेमेस्टर) आचार्य उपाधियाँ दी जाती हैं। इसके अतिरिक्त सभी विषयों में उच्चकोटि के अनुसंधान की सुविधा भी उपलब्ध है जिसके माध्यम से विद्यावारिधि की उपाधि दी जाती है। इन पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त धर्मागम विभाग के अन्तर्गत एकवर्षीय संस्कृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा द्विवर्षीय 'डिप्लोमा इन शैवागम' पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं। इन पाठ्यक्रमों का भारतीय और विदेशी – सभी छात्र समान रूप से भाग लेते है।

संकाय का पंचांग अनुभाग सन् १९२६से नियमित रूप से विश्वपंचांग का प्रकाशन कर रहा है।

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ

- अखिलभारतीय शास्त्रार्थ संगोष्ठी
- संस्कृत दिवस महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है।
- व्याकरण विभाग के अन्तर्गत
- क- द्विदिवसीय राष्ट्रीय पतंजलि समारोह, १६-१७ अगस्त, २०१८
- ख- महामना पं. मदनमोहन मालवीय व्याख्यानमाला-२५से २६फरवरी २०१९
- ज्योतिष विभाग, बी.एच.यू द्वारा अखिलभारतीय संगोष्ठी/कार्यशाला, १०.०४.२०१८ फण्ड यू.जी.सी. द्वारा प्रदत्त।
- धर्मागम विभाग द्वारा धर्मागमिय भक्ति तत्व विमर्श विषय पर ९-१० मार्च २०१९को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार

वैदिक विज्ञान केन्द्र

१८ सितम्बर २०१८ को वैदिक विज्ञान केन्द्र का शिलान्यास माननीय प्रधानमंत्री जी के करकमलों द्वारा सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर एक वैदिक विज्ञान केन्द्र की परिचय-पुस्तिका का प्रकाशन किया गया। दिनांक १५ से १७ दिसम्बर २०१८ को एक अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन एवं वैदिक विज्ञान विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन महर्षि सान्दीपनी वेदविद्या आतिष्ठान उज्जैन, श्री ब्रह्मा वेद विद्यालय, वाराणसी एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित किया गया। केन्द्र के

द्वारा समय-समय पर लगभग ०५ व्याख्यानों का आयोजन विभिन्न केन्द्रों एवं विभागों के सहयोग से किया गया। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस (वसन्त पंचमी) दिनांक १०.०२.२०१९ को वैदिक विज्ञान केन्द्र के प्रथम झांकी की प्रस्तुति की गयी। दिनांक १७ फरवरी २०१९ को प्रयागराज कुम्भ में वैदिक विज्ञान केन्द्र की प्रदर्शनी लगायी गयी। भारतीय नवसंवत्सर (चैत्रशुक्ल प्रतिपदा) के अवसर पर वैदिक विज्ञान केन्द्र की लगभग १००० प्रति केलेण्डरों को निर्मित कर वितरित किया गया। यद्यपि इसका विमोचन दिनांक २३ अप्रैल २०१९ को संचालन समिति एवं माननीय कुलपति महोदय द्वारा किया गया।

२.१.२.८. दृश्य कला संकाय

दृश्य कला संकाय (स्थापित १९५०), काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, भारतवर्ष के प्रमुखतम् कला संस्थानों में है, जहाँ ललित कला के मुख्य पाठ्यक्रमों में व्यावहारिक कला, चित्रकला, टेक्सटाइल डिजाइनिंग, प्लास्टिक आर्ट (मूर्तिकला) तथा पॉटरी-सिरेमिक में स्नातक (बीएफए) और परास्नातक (एमएफए) की उपाधियाँ प्रदान की जाती है। संकाय परास्नातक के उपरान्त परास्नातकोत्तर (डॉक्टोरल) पाठयक्रम के अर्न्तगत शोध-कार्य के अवसर भी प्रदान करता है। दृश्य कला का इतिहास एवं रूपांकन एक आवश्यक विषय के रूप में, स्नातक एवं परास्नातक के साथ कला की समस्त शाखाओं में शोध के अवसर भी प्रदान करता है। दृश्य कला संकाय उन गिने-चुने संस्थानों में से एक है, जहाँ उपर्युक्त सभी पाठ्यक्रमों में परास्नातक की उपाधि प्रदान करने की विशिष्टता के कारण, न केवल सम्पूर्ण भारत, बल्कि **सार्क राष्ट्रों** (एसएएआरसी) एवं दूरस्थ अमेरिका-यूरोप के छात्र भी इसकी ओर आकर्षित होते हैं। यह संस्थान अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों द्वारा विद्यार्थियों में सृजनात्मक विचारों को विकसित करने के साथ उनमें उद्यमशीलता को भी बढ़ावा देने का सतत् प्रयास कर रहा है, जिससे छात्र समाज में सकारात्मक भूमिका निभाते हुए सार्थक चिंतन के साथ, समग्र राष्ट्र की समसामयिक कलात्मक गतिविधियों में परस्पर सामंजस्य स्थापित कर सकें। वैश्विक कलाशिक्षा के संदर्भ के अनुरूप सेमेस्टर प्रणाली से शिक्षा को मुख्य धारा में जोड़ने का प्रयास किया गया है, जिससे समसामयिक कलात्मक गतिविधियों को आत्मसात् करते हुए देश की मुख्य धारा से जुड़ सकें। बीएफए एवं एमएफए स्तर के निर्धारित सभी पाठ्यक्रम रोजगारपरक है तथा समस्त उपाधि-धारक देश-विदेश में विभिन्न नियोजकों द्वारा रोजगार प्राप्त कर अपनी दक्षता का परिचय देते आ रहे हैं।

शिक्षणेत्तर गतिविधियों, में संकाय की भूमिका उल्लेखनीय रही है। अर्न्तविश्वविद्यालयीय पूर्वी क्षेत्र महोत्सव में ललित कला प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठता के साथ राष्ट्रीय युवा महोत्सव में प्रशंसनीय कार्य किया। अंतर संकाय युवा महोत्सव स्पंदन २०१८ प्रतिस्पर्धाओं में समस्त संकायों में दृश्य कला संकाय उपविजेता एवं फाइन आर्टस में प्रथम स्थान रहा।

सत्र में दो बार होने वाली स्केच प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। वर्ष पर्यंत पूरे सत्र में कुल ३० प्रदर्शनियाँ जिनमें २५ राष्ट्रीय एवं १ अर्न्तराष्ट्रीय प्रदर्शनी आयोजित हुई।

वर्तमान शैक्षणिक सत्र में संकाय का सबसे महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्यक्रम वार्षिक कला प्रदर्शनी तथा कलामेला का आयोजन संकाय में दिनांक १४ से १६ मार्च, २०१९ तक आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में संकाय द्वारा सहयोग किया गया।

२.१.३. महिला महाविद्यालय

महिला महाविद्यालय का प्रारम्भिक नाम 'वुमेन्स कालेज' था। इसकी स्थापना सन् १९२९ में की गयी थी।

उपलब्धियाँ, गतिविधियाँ तथा कार्यक्रम

- वर्तमान में महिला महाविद्यालय में ३१ विषय संचालित हैं, जिसके अन्तर्गत २२८२ विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। इनमें ८ मुख्य विषय शामिल हैं: कला, विज्ञान, सामाजिक-विज्ञान, प्रदर्शन-कला, दृश्य-कला और शिक्षाशास्त्र। महिला महाविद्यालय तीन परास्नातक कार्यक्रमों को महिला छात्राओं को प्रदान कर रहा है। परास्नातक स्तर पर एम.ए./एम.एस.सी. गृह-विज्ञान में, एम.एस.सी. जैव सूचना विज्ञान तथा एम.ए. शिक्षाशास्त्र संचालित है। महिला महाविद्यालय के अन्तर्गत ब्राजील, रूस, मारिशस, नेपाल आदि देशों की १४ अन्तर राष्ट्रीय छात्राएँ अध्ययन कर रहीं हैं।
- राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा अनुसंधान परियोजनाएँ नियमित रूप से अनुदानित तथा संचालित हैं। महिला महाविद्यालय की छात्रायें प्रति वर्ष बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय में मानविकी, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान में प्रथम दस स्थान में आती रही हैं। यूजीसी/सीएसआईआर/डीएसटी/डीआरडीओ द्वारा अनुदानित अन्य शोध-परियाजनाएँ महिला महाविद्यालय में चल रहीं हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में महिला महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा प्राप्त स्थान-

स्नातक प्रथम वर्ष में मेरिट सूचीबद्ध छात्राओं की कुल संख्या - ०३
स्नातक द्वितीय वर्ष में मेरिट सूचीबद्ध छात्राओं की कुल संख्या - ०७
स्नातक तृतीय वर्ष में मेरिट सूचीबद्ध छात्राओं की कुल संख्या – १६

छात्रों के लिए विशेष व्याख्यान

- ०३ अगस्त २०१८ को व्याख्यान : "To be or not to be : How to do things with words" प्रो. प्रकाश कोना, अंग्रेजी व विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद के द्वारा।
- ०४ सितम्बर २०१८ को डॉ. अरविन्द घोसलकर, (Former Curator, Tribal Research Institute, Ahmedabad) द्वारा विशेष व्याख्यान।
- ११ सितम्बर २०१८ को महाविद्यालय की 'डायमंड जुबली' व्याख्यान माला श्रृंखला में प्रो. मानोबी बन्दोपाध्याय, भारत की प्रथम उभयलिंगी प्राचार्या द्वारा हिजड़ा समाज और साहित्य पर विशिष्ट व्याख्यान।
- १६ नवम्बर २०१८ को तनाव प्रबन्धन पर प्रो. ए. के. श्रीवास्तव, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का विशिष्ट व्याख्यान।

- ०७ फरवरी २०१९ को भूतपूर्व छात्र एसोसिएशन द्वारा ''उच्चशिक्षा के प्रति महामना का परिदृश्य'' विषय पर प्रो. बी.के. त्रिपाठी, निदेशक, अन्तर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षण केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी का विशिष्ट व्याख्यान।

ख्यातिलब्ध आगंतुक: चित्रा मुद्गल, प्रसिद्ध लेखिका; डॉ. अरविन्द घोसलकार, आदिवासी अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद, गुजरात; डॉ. उषा शर्मा, प्रसिद्ध लेखिका; प्रो. गरिमा श्रीवास्तव, प्रसिद्ध कथा लेखिका; पद्मश्री प्रो. राजेश्वर आचार्य; प्रो. ए.के. श्रीवास्तव, बी.एच.यू.; प्रो. बी.के. त्रिपाठी, डायरेक्टर, अन्तर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षण केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय; प्रो. काशीनाथ सिंह, प्रसिद्ध कथाकार; प्रो. मनोबी बन्दोपाध्याय, कला भारत की प्रथम उभयलिंगी प्राचार्या; प्रो. प्रकाश कोना, अंग्रेजी व विदेशी भाषा विश्वविद्यालय; प्रो. सावित्री जरीवाला, पूर्व आचार्य, महिला महाविद्यालय; प्रो. यू.एस. उपाध्याय, महात्मा गाँधी अन्तराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र; प्रो. वशिष्ठ नारायन त्रिपाठी, बी.एच.यू.; प्रो. एम.एन.वी. प्रसाद, हैदराबाद।

प्रशिक्षण कार्यक्रम विश्वविद्यालय/संकाय स्तर

- वैश्विक पर्यावरण की दृष्टि से महिला महाविद्यालय ने ''पर्यावरण अधोसंरचना'' में निवेश किया है।
- सौर पैनल स्थापित किये जा रहे हैं।

नेट/जे.आर.एफ./सी.एस.आई.आर./गेट

जैव सूचना विज्ञान - ०३ नेट, ०३ जे.आर.एफ.,
शिक्षाशास्त्र- ०४ नेट, ०३ जे.आर.एफ.
गृह विज्ञान - ०५ नेट, ०४ जे.आर.एफ.

२.१.४. अध्ययन केन्द्र

२.१.४.१. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र
२.१.४.२. आनुवांशिकी विकार केन्द्र
२.१.४.३. डी.एस.टी.-अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान केन्द्र
२.१.४.४. नेपाल अध्ययन केन्द्र
२.१.४.५. महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र
२.१.४.६. मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र
२.१.४.७. समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र
२.१.४.८. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र
२.१.४.९. हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र
२.१.४.१०. नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी इकाई/केन्द्र

२.१.४.१. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र

खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र २००८ में स्थापित किया गया था। केंद्र में एक प्रायोगिक संयत्र है, जिसमें पाँच इकाइयाँ शामिल हैं - दूध प्रसंस्करण, फल और सब्जी प्रसंस्करण, नीरो स्प्रे ड्रायर, रिटॉर्ट मशीन और पैकेजिंग मशीन और नवीनतम प्रयोगशाला जिसमें गुणवत्ता का विश्लेषण करने के लिए सभी प्रकार के उपकरण उपलब्ध हैं। केंद्र के अनुसंधान क्षेत्रों में डेयरी प्रौद्योगिकी, कार्यात्मक और पोषक तत्व प्रौद्योगिकी, किण्वन प्रौद्योगिकी, तत्काल खाद्य पदार्थ, फल कैंडी, ब्रेड और कुकीज में मोटे अनाज और कृषि अपशिष्ट पद्राथों में जैव उत्प्रेरक तथा जैवकण का उत्पादन आदि 'शामिल है । सेंटर ने फूड साइंटिस्ट्स एंड टेक्नोलॉजिस्ट्स (इंडिया) वाराणसी का चैप्टर खोला। आईसीएआर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद समर्थित सेंटर आफ एडवांस फैकल्टी ट्रेनिंग प्रोग्राम (सीएएफटी) केन्द्र में स्थापित किया गया है। केंद्र ने २१ दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सीएएफटी के तहत किया है। इक्कीस स्नाकोत्तर छात्रों को उनकी संबंधित डिग्री के साथ सम्मानित किया गया था । इसके अलावा केंद्र ने तेईस से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए थे जो अंतर राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं के स्तर के थे। प्रो.चौहान को ''स्थानीय भोजन के माध्यम से स्वस्थ आहारों को बढ़ावा देने'' विषय पर २० फरवरी-२१ फरवरी, २०१९ नई दिल्ली, भारत-फ्रेंच कार्यशाला के लिए अकादमिक-उद्योग भागीदारी में फरवरी ५,२०१९, हैदराबाद, भारत में फ्रेंच संस्थान में आमंत्रित व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था।१२ से १५ दिसंबर २०१८ के दौरान, ८ वें अंतर राष्ट्रीय खाद्य सम्मेलन (आईएफसीओएन २०१८), सीएसआईआर-सीएफटीआरआई, मैसूर और १७ से १९ अगस्त, २०१८ के दौरान तंजावुर में खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी (आईसीआरएएफपीटी १८) में अंतर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रो- चौहान ने व्याख्यान दिया। केंद्र ने खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र में १ मार्च, २०१९ को प्रो. बृजेश कुमार तिवारी (प्रधान अनुसंधान अधिकारी, टेगस्क-आयरिश कृषि और खाद्य विकास प्राधिकरण, आयरलैंड) द्वारा ''खाद्य श्रृंखला में लचीलापन सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी हस्तक्षेप'' पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

- छात्रों के लिए उपलब्ध अनुसंधान सुविधाओं का विवरण।
- डेयरी, फल और सब्जी प्रसंस्करण के लिए एक प्रायोगिक संयंत्र
- रिटोर्ट मशीन
- स्प्रे ड्रायर
- हिमकृत शुष्कीकरण
- पैकेजिंग मशीनें (संशोधित वायुमंडलीय पैकेजिंग)
- एक अच्छी तरह से सुसज्जित खाद्य प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला
- आईसीएआर द्वारा अनुमोदित अग्रिम संकाय प्रशिक्षण के लिए केंद्र

सेंटर ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलाजी द्वारा आयोजित सीएएफटी प्रशिक्षण के प्रतिभागियों को निदेशक और डीन कृषि विज्ञान संस्थान के द्वारा प्रमाण पत्र प्राप्त किये।

२.१.४.२. अनुवांशिकी विकार केन्द्र

प्रारम्भ में डीबीटी द्वारा वित्त पोषित (२००६-२०११) आनुवांशिक विकार केंद्र की स्थापना बीएचयू द्वारा विज्ञान संस्थान में की गई। केंद्र का प्राथमिक उद्देश्य एक स्वस्थ और स्वास्थ्य-सचेत समाज बनाना है जिसमें कम आनुवंशिक बोझ और बीमारी का बेहतर प्रबंधन हो। केंद्र का लक्ष्य समाज में आनुवंशिक रोगों के बोझ का अनुमान लगाना है, उनके अंतर्निहित आणविक तंत्र को उजागर करना और उनका निदान, उपचार और प्रबंधन करने के लिए रणनीतियों का विकास करना है। इसे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, केंद्र में आनुवंशिक और जटिल विकारों पर शोध कार्यक्रम है, गुणसूत्र और आनुवंशिक विकारों के लिए एक नैदानिक इकाई और अनुसंधान, और शोध, निदान और प्रबंधन के लिए तकनीकी रूप से कुशल संसाधन कर्मियों को तैयार करने के लिए एक शिक्षण कार्यक्रम है।

गतिविधियों और कार्यक्रमों की उपलब्धियां

केंद्र निम्नलिखित गतिविधियों और कार्यक्रमों को संचालित कर रहा है

- आनुवांशिक रोगों की जांच: रेफर किए गए मामलों के विभिन्न गुणसूत्रीय और आनुवंशिक विकारों की नैदानिक जांच की जाती है ।
- जारी शोध कार्य: पूरे जीनोम का अनुक्रमण - मानव दाँत न बनाने के कारणों का पता लगाना। वृक्क कोशिका कैंसर का आण्विक विश्लेषण, पारंपरिक, आयुर्वेदिक और औषधीय पौधों के उत्पादों या मिश्रणों से कैंसर विरोधी गतिविधियों का आंकलन, बहुपुटीय वृक्क विकार के जीनोमिक्स, जेनेटिक्स पार्किंसन रोग के संदर्भ में, तंत्रिका अपकर्षक विकरों की आनुवंशिकी, प्रत्यारोपण हेतु मिश्र धातुओं से बने जैवअनुकूल दंत का विकास, दुर्लभ आनुवंशिक विकारों के अध्ययन के लिए लिम्फोब्लास्ट्वाइड कोशिका नस्लों का संवर्धन,अल्जाइमर रोग की आनुवंशिकी, दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय, चि.वि.सं. , बीएचयू के सहयोग से तीसरे डाढ दंत और गिरने वाले अस्थायी दंत से व्यूत्पन्न मानव दंत पल्प स्टेम सेल का पृथक्करण और अभिलक्षण। बाल शल्य चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान.,काशी हिन्दू विश्वविद्यालय बीएचयू के सहयोग से बच्चों में गठित ट्यूमर की आनुवंशिकी। डाउन सिंड्रोम के लिए मातृ आनुवांशिक जोखिमों का मूल्यांकन, मासिक धर्म के संबंध में महिलाओं की तरह टर्नर सिंडोम में एक्स क्रोमोसोम की आणविक साइटोजेनेटिक्स मैपिंग, बाइं महिलाओं में उम्मीदवार जीन का संधि विश्लेषण करती हैं, ओरोफेशियल क्लीफ डिसऑर्डर का आणविक आनुवांशिक विश्लेषण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सहयोग से जन्मजात अंग विरूपताओं का सामान्य विश्लेषण और सामान्य अंग विकास। पैथोलॉजी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान., बी.एच.यू. के सहयोग से माइलोप्रोलिफेरेटिव विकारों के लिए जिम्मेदार उत्परिवर्तन की पहचान हेतु अनुसंधान, गर्भाशय फाइब्रॉएड के लिए स्टेम सेल आधारित शोध का विकास। बाल चिकित्सा और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग,चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के साथ मिलकर गर्भावधि मधुमेह और सीआरआईएसपीआर/सीएएस-९ जीन उपकरणों का उपयोग कर चुहों की पीढी का विकास पर अनुसंधान।

आनुवांशिक रोगों की जाँच – डाउन सिंड्रोम, टर्नर सिंड्रोम, डीएमडी/बीएमडी, थैलेसीमिया, आवर्ती गर्भपात, एनटीडी, सीएमएल आदि सहित विभिन्न के लिए ९०० से अधिक रेफर मामलों की जाचं की गई।

शोध: डाउन सिंड्रोम बच्चों की युवा माताओं में फोलेट उपापचय जीन में गड़बडी देखी गई। नाइट्रिक ऑक्साइड मधुमेह घाव फिब्रोब्लास्टस में कोनेसींस ३१,३१.१ और ४३ की उपस्थिति और कोशिकीय प्रसार को नियंत्रित करता है। शतावरी रेसमोसस के पत्ते का रस स्वभोजिता बढ़ा कर और पीआरसीसीटीएफइ ३संलयन प्रोटीन को घटाकर, यूओके १४६ (प्राथमिक अंकुरक वृक्क कोशिका कार्सिनोमा) कोशिका विकास को बाधित करता है। एक वंशानुगत नया जीएलआई३सी.७५०डीइएलसी ट्रंकेशन उत्परिवर्तन परिवार के एक रोगी में अंगूठे की तरह उंगली एवं अन्य असामान्य लक्षणों सहित एक ५पीढ़ी के परिवार में ग्रेग Cephalopolysyndactyly सिंड्रोम का एक नया कारण खोजा गया। पूर्वी उत्तर प्रदेश में बीसीआर-ऐबीएल फ्यूजन टेप के सह अभिव्यक्ति की उच्च आवृत्त पाई गई। भारतीय समाज में सीआरवाईएए में नये उत्परिवर्तन मोतियाबिंद के कारण खोजे गये।

शिक्षण

- मानव और नैदानिक आनुवंशिकी पर पीएच.डी.कार्यक्रम।
- गुणसूत्रीय, आनुवंशिकी और आणविक निदान पर एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा

केंद्र में अतिथि व्याख्यान

दिनांक १२ दिसंबर, २०१८ कोलम्बिया विश्वविद्यालय के डॉ. पंकज द्वारा ''आईजीएच बिन्दु पर सममितीय उत्परिवर्तन में गैर-कोडिंग आरएनए चयापचय के आणविक तंत्र का पता लगाने'' विषय पर व्याख्यान। दिनांक ४ मई २०१९ को डॉ. गरिमा जैन, महिला वैज्ञानिक, सीजीडी, बीएचयू द्वारा ''माइक्रोबायोम इंफ्लुएंसेज प्रीनेटेल एंड अडल्ट माइक्रोग्लिया इन ए सेक्स स्पेसिफिक मैनर'' पर व्याख्यान।

शोध सुविधाएं

मूल आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला जिसमें डीएनए, आरएनए, प्रोटीन, पीसीआर, जीनोटाइपिंग, डीएनए अनुक्रमण, आदि के विभिन्न विश्लेषणों के लिए सुविधाएं शामिल हैं। पूरे ब्लड कल्चर, स्टेम सेल और सेल लाइनों सहित सेल कल्चर प्रयोगशाला, क्रोमोसोम तैयार करना, बैंडिंग, कैरीयोटाइपिंग आदि सहित मानक साइटोजेनेटिक प्रयोगशाला उपलब्ध हैं और सेंट्रीफ्यूज, जेल इलेक्ट्रोफोरेटिक एपराट्यूस, यूवी-ट्रांसपेर्युमिनेटर, जेल-प्रलेखन प्रणाली, पीएच-मीटर, वाटर बाथ इंक्यूबेटर, ओवन, वजन संतुलन, रेफ्रिजरेटर, -20°C डीप रेफ्रिजरेटर, -80°C डीप फ्रिज, कोल्ड चौम्बर्स, थर्मल साइक्लर्स, लैमिनर फ्लो चेंबर्स, अटोमैटिक कैरियोटाइप सिस्टम विद फ्लुओरेसिटी माइक्रोस्कोप, लाइट लाइट डोरप, इनवर्टेड माइक्रोस्कोप, इन्टरनेट के साथ कंप्यूटर सिस्टम, स्वचालित डीएनए सीक्वेंसर, नैनोड्रॉप स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, हेमाटोअनलीजर आदि शामिल हैं।।

- २ छात्रों ने जेआरएफ उत्तीर्ण किया
- रोगी देखभाल सेवा के लिए अधिक डीएनए आधारित नैदानिक परीक्षण विकसित करना और कम्यूनिटी जेनेटिक्स में मास्टर डिग्री कार्यक्रम शुरू करना।

२.१.४.३. डी.एस.टी.-अन्तर विषयक गणितीय विज्ञान केन्द्र

डी.एस.टी.-अंतर विषयक गणितीय विज्ञान केंद्र, गणितीय विज्ञान में प्रशिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए और अपने चुने हुए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अनुसंधान की सुविधाओं को विकसित करने के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में २००७ में स्थापित किया गया था।

सी.आई.एम.एस. ने शैक्षणिक गतिविधियों को अनुकूल और जीवंत वातावरण में विकसित करने के लिए संकायों, छात्रों और आगंतुकों के लिए उत्कृष्ट बुनियादी सुविधाओं को विकसित करना और जोड़ना जारी रखा है।

०४ गेट ०२ यू.जी.सी. नेट, ०२ यू.जी.सी.-जे.आर.ऍफ., ०१ सी.एस.आई.आर.नेट।

भावी लक्ष्य

दिसंबर, २०१९ में सीआईएमपीए स्कूल, स्नातकोत्तर और शोध छात्रों के लिए ब्रेन स्टॉर्मिंग (विचार विमर्श) सत्र, छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/सम्मलेन, केंद्र में उच्च प्रदर्शन अवसंरचना का विकास, व्याख्यानों का आयोजन, मुख्य और संबंधित क्षेत्रों में शोध, बीएचयू के बाहर शैक्षणिक और शोध गतिविधियों में सीआईएमएस के सदस्यों के माध्यम से इसकी भागीदारी/विमर्श और अवसंरचनात्मक सुविधाओं (जैस भवन, कम्प्यूटेशनल सुविधाओं सहित सॉफ्टवेयर, पुस्तकालय के लिए पुस्तकें इत्यादि) में वृद्धि।

२.१.४.४. नेपाल अध्ययन केन्द्र

नेपाल अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना १९७६ में क्षेत्रीय अध्ययन कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा की गयी। शुरू में यह केवल नेपाल के अध्ययन के लिए समर्पित था। समय के साथ, भारतीय उपमहाद्वीप को समग्र रूप से समझने के लिए नेपाल अध्ययन के साथ ही ट्रांस-हिमालयन क्षेत्र (पार-हिमालयी क्षेत्र) को शामिल कर अध्ययन के क्षेत्र को विस्तृत किया गया है। इसकी आगे की इच्छा अध्ययन के क्षेत्र को सम्पूर्ण दक्षिण एशियाई क्षेत्र तक विस्तृत करना है, जिससे नेपाल और पार-हिमालयी क्षेत्र को विस्तृत परिप्रेक्ष्य में समझा जा सकें। केन्द्र ने वर्तमान शैक्षणिक सत्र के दौरान विभिन्न गतिविधियों जैसे कार्यशालाएं और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किए गए।

२.१.४.५. महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र (सामाजिक विज्ञान संकाय)

वर्ष १९८८ में स्थापित महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, महिला अध्ययन के क्षेत्र में देश के अग्रणी केन्द्रों में से एक है और तब से यह लिंग आधारित भेदभाव से रहित समाज को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस क्षेत्र में लैंगिक संवेदनशीलता लाने के अपने निरंतर प्रयासों के कारण केन्द्र को राष्ट्रीय और अंतर राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त हुई है।

लिंग और सामाजिक पहचान मानव समाज में हमेशा से विवाद का विषय रहा है। इसके अलावा महिला मुद्दों पर नेटवर्किंग केन्द्र के रूप में काम करते हुए केन्द्र, महिला अध्ययन के क्षेत्र में शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अग्रणी केन्द्रों में से एक बनकर उभरा है। केन्द्र ने विश्वविद्यालय के उच्च प्रशासन में अधिक से अधिक महिलाओं को लाने के लिए अन्य महिला अध्ययन केन्द्रों और गैर-सरकारी संगठनों और उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ एक समृद्ध संपर्क तंत्र (नेटवर्किंग) स्थापित किया है।

केन्द्र में आउटरीच गतिविधियों का भी एक समृद्ध इतिहास है। इसने वाराणसी जिले के निर्वाचित ग्राम-पंचायत नेताओं के साथ कई बैठकें की हैं, वाराणसी जिले की ग्रामीण महिलाओं के साथ लिंग संवेदीकरण पर कार्यशालाएं आयोजित की हैं। इसने वाराणसी जिले के विभिन्न स्तरों पर कई स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया है, स्वास्थ्य और कानूनी साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम, वाराणसी में ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षित पेयजल, पर्यावरण और स्वच्छता के बारे में जागरूकता सृजन शिविर आदि का भी आयोजन किया है। केंद्र द्वारा २७ जुलाई, २०१८ को जेंडर वॉयलेंस इन यूनिवर्सिटी कैंपस पर एक व्याख्यान, ०१-०२ मार्च, २०१९ को ''बियॉन्ड द बाइनरी: ए लुक ऑन जेंडर'' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी और ०१ पुनश्चिर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

पं. दीन दयाल उपाध्याय पीठ

एकात्म मानववाद में पं. दीन दयाल उपाध्याय पीठ का संचालन २७ सितंबर, २०१७ को चेयर प्रोफेसर की नियुक्ति के साथ इस महान व्यावहारिक - मानवतावादी विचारक को उनके जन्म शताब्दी समारोह वर्ष के अवसर पर श्रद्धांजलि देने के साथ आरम्भ हुआ।

यह पीठ सामाजिक विज्ञान संकाय और संबद्ध विषयों के छात्रों और शिक्षकों को संगोष्ठियों, परिसंवादों, कार्यशालाओं, क्षेत्र भ्रमण और नाटक, वाद-विवाद आदि जैसे सांस्कृतिक गतिविधियों, लघु अवधि के लिए पं. दीन दयाल उपाध्याय पीठ को अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों और शिक्षकों के साथ विनिमय करके संवेदनशील बनाएगी। संवेदीकरण का उद्देश्य भारतीय समाज में पं. दीन दयाल उपाध्याय द्वारा देखे गए भेदभावपूर्ण रवैये को बदलना है।

पीठ का उद्देश्य पं.दीन दयाल उपाध्याय के विचार और दर्शन पर अध्ययन और शोध के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करना है। आगामी वर्ष के लिए आउटरीच गतिविधियों, शोध फैलोशिप और कार्यशालाओं /संगोष्ठियों की संख्या प्रस्तावित है।

२.१.४.६. मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र

मालवीय शांति अनुसंधान केंद्र (एमसीपीआर) की स्थापना वर्ष १९९८ में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान संकाय के अंतर्गत अंतर्विषयक केंद्र के रूप में की गई थी। सामाजिक विज्ञान के विविध विषयों, विशेष रूप से राजनीति विज्ञान और अंतर राष्ट्रीय संबंधों से विशेष ज्ञान प्राप्त करके, मालवीय शांति अनुसंधान केंद्र शोध और नीति इनपुट प्रदान करता है, जो लोक नीति निर्माताओं और संघर्ष के प्रबंधन और समाधान से जुड़े अन्य लोगों के लिए सहायक होता है।

इस केंद्र का उद्देश्य दक्षिण एशिया के भीतर और बाहर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और संवादों में पारस्परिक और वेब-आधारित बातचीत के माध्यम से कुशल व्यक्तियों और विद्वानों का एक विस्तृत शांति वर्ग स्थापित करना है। प्रो. प्रियंकर उपाध्याय को सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइंसेज, मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कलकत्ता के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। २०१८ में गांधी स्मृति और दर्शन समिति, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ सहयोग स्थापित करने हेतु एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ। शिक्षकों ने विभिन्न भारतीय और विदेशी एजेंसियों द्वारा वित्त पोषित प्रमुख शोध परियोजनाओं को संचालित किया है। राष्ट्रीय पत्रिकाओं और अंतर राष्ट्रीय पत्रिकाओं में लगभग ०२ शोध पत्र प्रकाशित हुए। विभाग के संकाय सदस्यों ने और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर राष्ट्रीय सम्मेलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया कई शोध पत्रों प्रस्तुत किया और कुछ वरिष्ठ संकाय सदस्यों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर राष्ट्रीय सम्मेलनों में मुख्य भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया।

२.१.४.७. समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र

संपोषित विकास, आर्थिक सुधार और गाँव के आम आदमी की चिंता नवीन वास्तविकताएँ है। चुनौतियाँ फिर भी बरकरार हैं। इसके निराकरण हेतु भारत सरकार के राष्ट्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीण विकास की अवधारणा के पश्चात् १९८० में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की पहल पर समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र की स्थापना की गयी। समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की मान्यता प्राप्त ईकाई के रूप में कार्य करता है तथा सामाजिक विज्ञान संकाय के अधीन विश्वविद्यालय के अन्य विभागों से सकारात्मक सहयोग करता है।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष में विश्वविद्यालय ने काशी विद्यापीठ ब्लॉक के १०० गाँवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ''स्मर्थ ग्राम अभियान'' की शुरुआत की।

इस तरह के कई फील्ड विजिट/फील्ड रिसर्च किये गये :

- सोशल मैपिंग ग्राम - ऊंचगांव -३०.०९.२०१८।
- पार्टीसिपेटरी रूरल अप्रैजल फील्ड सर्वे ग्राम -ऊंचगांव- ०३.१०.२०१८।
- जागरूकता अभियान 'जैविक खेती' ग्राम विजुनपुर, जरहान, जनपद मिर्जापुर दिनाकं २१.१०.२०१८, सी. आई.आर.डी. एवं दिव्यांग फाउण्डेशन (संयुक्त रूप से)।
- सरसमेला २०१८,एवं दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम, दिनाकं २३.१०.२०१८ एवं २४.१०.२०१८।
- हैण्डीक्राफ्ट मेला का आयोजन राजपुताना मैदान, आई.आई.टी., बीएचयू एवं सी.आई.आर.डी. के छात्रों एवं छात्राओं के द्वारा।
- सिलाई प्रशिक्षु हेतु स्वंय सहायता समूह एवं सूक्ष्मवित्त पर जागरूता कार्यक्रम दिव्यांग फाउण्डेशन एवं सी. आइ.आर. डी., बीएचयू के संयुक्त तत्वाधान में दिनाकं २६.१२.२०१८।
- ''सूक्ष्म वित्त एवं जैविक खेती'', जागरूकता कार्यक्रम ग्राम तारापुर, संयुक्त तत्वाधान सी.आई.आर. डी. एवं दिव्यांग फाउण्डेशन दिनाकं ०२.०१.२०१९।
- १५ वें युवा प्रवासी भारतीय दिवस'' कार्यक्रम में सी. आई. आर. डी. के छात्रों की भागीदारी दिनाकं २१.०१.२०१९।
- सोशल मैपिंग (पार्टी सिपेटरी रूरल अप्रैल) अध्ययन तुलाचक गाँव, दिनाकं २७.०१.२०१९।
- उपविजेता, फैक्ल्टी क्रिकेट टुर्नामेन्ट दिनाकं ०९.०२.२०१९।
- गौशाला भ्रमण, रमना गाँव, श्री स्वामी वीरगानन्द सरस्वती (नागा) बाबा आश्रम, वाराणसी दिनाकं १२.०२.२०१९।
- वर्मी कम्पोस्ट'' सी. आई. आर. डी. के छात्रों के द्वारा प्रोजेक्ट दिनाकं २८.०२.२०१९।
- सी. आई.आर.डी. के छात्रों ने दिव्यांग फाउण्डेशन के साथ ''किसान परामर्श सेवा एवं वर्मी कम्पोस्ट'' विषय पर जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए एक कार्यक्रम में सहभागिता की। छात्रों ने १४.०३.२०१९ को अपनी (ए.आई.सी., बी.एच.यू.) गतिविधियों को प्रारम्भ किया।
- दुग्ध परीक्षण कार्यशाला डेयरी बी.एच.यू. डॉ. बी. के. पासवान, असि. प्रोफेसर, इन्स्टीयूट आफ एग्रीकल्चर साइंसेज दिनांक ३१.०३.२०१९।

२.१.४.८. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र

यह केन्द्र वर्ष २००८ में ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत स्थापित हुआ है। यह उन ३५ केन्द्रों में से एक है जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भारत में जाति, धर्म, वर्ग एवं लिंग के आधार के अंतर्गत उपाश्रित वर्गों को समाज की मुख्य धारा में लाने संबंधी अध्ययन एवं नीतियों के निर्माण करने के उद्देश्य हेतु किया गया है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का यह केन्द्र देश के उन केन्द्रो में से है, जिसने अपने आप को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सामने प्रमाणित किया है, एवं आयोग ने इसे निरंतर अनुदान प्रदान करने की सहमति दी है। इस केन्द्र में एम.फिल, पी.एच.डी. एवं पी.जी. स्तर पर उपाश्रित वर्गों का उध्ययन हेतु पाठ्यक्रम संचालित होता है साथ ही साथ निरन्तर व्याख्यान माला, सेमिनार, संगोष्ठी तथा कार्यशालाओं का आयोजन होता है।

२.१.४.९. हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र

हाईड्रोजन उर्जा केन्द्र की स्थापना यूजीसी द्वारा मुख्य/प्रमुख अनुदान के माध्यम से की गई थी जिसका समर्थन एवं सहयोग यूजीसी और एमएनआरई द्वारा पिछले एक दशक के दौरान किया गया है। उससे पहले केंन्द्र ने हाईड्रोजन के उत्पादन और भंडारण से संबधित बुनियादी अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया है। भले ही उत्पादन और भंडारण पर बुनियादी अनुसंधान नैनो प्रौद्योगिकी के अतिरिक्त अनुप्रयोगो/क्रियान्वन के साथ जारी है परन्तु हमने पिछले पांच वर्षो में विशेष रूप से वाहनों के परिवहन संचालन के प्रयोग पर जोर /ध्यान दिया गया है। जैसा कि हाईड्रोजन, सौर उर्जा सहित विभिन्न प्रकार की इनपुट उर्जा के माध्यम से उत्पादित किया जाता है एवं यह आई सी इंजन या ईंधन सेल के बाद वापस पानी में जलता है। हमने हाईड्रोजन/हाईड्राइड द्वारा ईधन वाले तीन पहिया वाहनों का एक बेड़ा तैयार किया है। विश्वविद्यालय के मंदिर और गेट के बीच थ्री व्हीलर चलाकर इस बेड़े का परिक्षण किया जा रहा है। इन तीन पहिया वाहनों का उपयोग बैटरी चालित वाहनों के समान्तर एस.एस. अस्पताल परिसर में किया जान प्रस्तावित है

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा

- MgH_2 के De/Re हाईड्रोजन गुण में सुधार के लिए एक गतिशील योजना के रूप में TiH^2 (एक संयुक्त प्रायोगिक और सैद्धांतिक यंत्रवत जाच (प्रो. जे के जानसन पिट्सवर्ग विश्वविद्यालय, यूएसए के सहयोग से) २०१९ HEC की एक और उपलब्धि है।
- प्रतिवर्ती हाइड्रोजन भंडारण के साथ शुद्ध MgH_2 का संश्लेषण MgH_2 के बडे पैमाने पर उत्पादन के लिए ICL इजरायल के साथ सहयोग करना
- MgH_2 से हमारे अध्ययन के दौरान (सामने चल रही हाईड्रोजन भंडारण सामग्री) MgH_2 की खरीदारी उच्च लागत (अल्फा एजर से प्राप्त) हमारी प्रमुख चिंता है।

MgH_2 synthesised at HEC, BHU

- इसीलिए हमारे अध्ययन में हमें लागत प्रभावी विधी द्वारा MgH_2 को संश्लेषित करना है। MgH_2 को बनाने और उसके गुण को सुधारने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला उत्प्रेरक खुद MgH_2 जिसके कारण कोई अतिरिक्त Dead weight नहीं है (Mg उत्प्रेरक के बिना MgH_2 में परिवर्तित नहीं हो सकता है) सामने शु की वालमिलिंग के दौरान अलग अलग हाईड्रोजन प्रेशर (१५,३०,४५ एटीएम का उपयोग करके शुद्ध MgH_2 जिसमें ३० एटीएम इण्टरतम पाया गया) को संश्लेषित किया गया है।
- यह पाया गया कि सश्लेषण मार्श द्वारा बनाये गये MgH_2 ने De/Re हाईड्रोजन गुणो में सुधार किया है। और यह अल्फा एशर से खरीदे गये MgH_2 की तुलना में ५ गुना सस्ता है और 300^0C पर हाईड्रोजन को ७ Wt^3 तक प्रतिवर्ती रूप से तेजी से कर सकता है।

२.१.४.१०. नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी इकाई/केन्द्र

बी.एच.यू. ने २००४ के आसपास भारत में शुरू से ही R&D कार्य नैनो विज्ञान प्रौद्योगिकी की शुरूआत की। नैनो विज्ञान प्रौद्योगिकी केंद्र डीएसटी (नैनो मिशन) अनुदान एवं विश्वविद्यालय से अतिरिक्त अनुदान द्वारा स्थापित किया गया।

बी.एच.यू. एनएसटी केंद्र के मुख्य आकर्षण में से एक कार्य की अंत:विषय प्रकृति है। इस प्रकार भौतिकी विभाग (विज्ञान संस्थान) और मेडिसिन विभाग (चिकित्सा विज्ञान संस्थान) ने मिलकर सीएनटी वाहक आधारित के रूप में कार्यात्मक सीएनटी पर आधारित Amphotericin-B के लक्षित दवा वितरण प्रणाली का विकास किया है। इस केन्द्र से निकलने वाले हाल के महत्वपूर्ण कार्य एंटी रडार समाग्री (आसानी से संरेखित सीएनटी) और Fe_3O_4-graphene मिश्रित के विकास से संबंधित है।

NST केन्द्र ईकाई की एक और हालिया नई उपलब्धि प्रतिरक्षा केन्द्रो पर मल्टी-स्टैक्ड रेडियल गठबंधन CNTS से बना ग्रेफीन असिस्टेड कार्बन खोखले सिलिडंर (Gr-CHCs) से उच्च प्रदर्शन-क्षेत्र उत्सर्जन की प्राप्ती है। इन ण्प्पे में अंतिर्निहित सम्लेषण संबंधित Fe सूक्ष्मकण (NPs) है। यह अभियान्त्रिक सूक्ष्म – संरचना अत्यन्त उत्कृष्ट क्षेत्र उत्सर्जन गुण जैस अल्ट्रा लो टर्न-ऑन क्षेत्र (0.64V/μm at 10 $\mu A/cm^2$), निम्न थ्रेशोल्ड/फील्ड/क्षेत्र (0.74 V/μm at 100 $\mu A/cm^2$), उच्च धारा धनत्व (15.49mA /cm^2 at 1.32 V/μm) जो हमारे पिछले अध्ययन में प्राप्त वर्तमान धनत्व से दो गुना है। उच्च क्षेत्र वृद्धि कारक (0.72 x 104) 100μA पर अत्यधिक उत्सर्जन के साथ लगभग 1×10-8mbar. के आधार पर दबाव में ३ घंटे से अधिक के लिए देखा गया था। यह अध्ययन प्रस्तावित अभिनव सूक्ष्म संरचना का उपयोग करके वर्तमान धनत्व को बढ़ाने के लिए एक दृष्टिकोण का सुझाव देता है और इस संचार का मूल विषय बनाता हैं। अत्यधिक कुशल और स्थिर क्षेत्र उत्सर्जन को सिलेंडर की ज्यामिती और ग्रेफीन शीट्स के भीतर तेज प्रोट्शियंस के उच्च धनत्व के उत्पादन के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। जो स्थानीय विधुत क्षेत्र उत्सर्जन को बढ़ाते है। ग्राफ बेलन से जुड़ी यह अभिनव बेलनाकार ज्यामिति बल्क सिलेंडर की परिधि के साथ संरेखित CNTs पर सहायक इा असर करती है ण्प्प के चालन बैंड से बाहरी विधुत क्षेत्र की उपस्थिति में निर्वात में इलेक्ट्रानों का एक आसान इंजेक्शन प्रदान करती है। इन CHC के क्षेत्र उत्सर्जन गुणों की स्थिरता को उनके व्यास (१० और २०mm) और अग्रदूत के विभिन्न सांद्रता को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। ग्रेफीन असिस्टेड बेलनाकार ज्यामिति आधारित क्षेत्र उत्सर्जन स्त्रो का यह नया दृष्टिकोण अगली पीढ़ी के उच्च संकल्प प्रदर्शन उपकरणों के लिए भारी संम्भावनाएं और मांग प्रदान करता है।

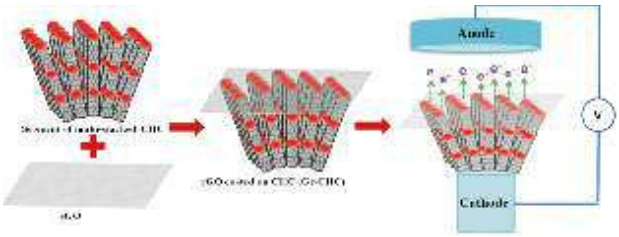

Figure: Schematic of synthesis of graphene assisted CHCs (Gr-CHCs) and their field emission measurements.

Prof. KA Suresh
Professor of Eminence
Nano Science Technology and Soft matter Centre, Bangalore

२.१.५. स्कूल

२.१.५.१. सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज़ स्कूल
२.१.५.२. सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल
२.१.५.३. श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय

२.१.५.१. सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज़ स्कूल, कमच्छा

सर्वविद्या की राजधानी काशी में ७ जुलाई १८९८ ई.को भारतीय संस्कृति एवं हिन्दू धर्म के प्रति समर्पित इंग्लैण्ड में जन्म लेने वाली डॉ. एनी बेसेण्ट द्वारा सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल की स्थापना की गई। ३० मार्च १९१४ को माता एनी बेसेण्ट ने अपने कॉलेज के ट्रस्ट्रियों सहित विद्यालय तथा उसकी भूमि, भवन तथा कोष महामना को समर्पित किया तथा यह बचन लिया कि यह विद्यालय महामना जी द्वारा स्थापित होने वाले विश्वविद्यालय का एक अभिन्न अंग बना रहेगा तथा विश्वविद्यालय अपने अन्य विभागों की भांति उनका पोषण करता रहेगा। सन् १९१६ ई. से सन् १९२१ ई. तक काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की कक्षाएं इसी परिसर में संचालित होती थी। जैसे-जैसे विश्वविद्यालय परिसर में भवन बनते गये, यहाँ से कक्षाएँ विश्वविद्यालय में स्थानान्तरित होती गई। वर्तमान में यह विद्यालय परीक्षा एवं पाठ्यक्रम को छोड़कर प्रशासनिक दृष्टि से विश्वविद्यालय का अभिन्न अंग है। विद्यालय अपनी स्थापना के १२० वर्ष पूरे कर चुका है।

विद्यालय में कक्षा ६,९,११ में प्रवेश हेतू प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय द्वारा यू.ई.टी.,पी.ई.टी की तरह ही एस.ई.टी. (स्कूल प्रवेश परीक्षा) आयोजित होता है, उस परीक्षा में प्राप्त अंको के आधार पर मेरिट क्रम से छात्रों का प्रवेश होता है उल्लेखनीय है इस सत्र में केवल इस विद्यालय में प्रवेश हेतु लगभग ९० हजार छात्र प्रवेश परीक्षा में शामिल हुए जिसे विद्यालय की सुदृढ़शैक्षिक गुणवत्ता का मानक माना जा सकता है। इस विद्यालय से सम्बन्धित एक प्राइमरी विभाग राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मिर्जापुर में संचालित है। जहां कक्षा नर्सरी से कक्षा ५वीं तक की कक्षाएँ चल रही है।

विद्यालय में गणित,विज्ञान, कृषि, संगीत, संगणक, शरीरिक शिक्षा आदि विषयों की शिक्षा व्यवस्था है तथा सभी की अपनी–अपनी प्रयोगशालाएँ है।

विद्यालय में स्थित तैलंग पुस्तकालय, सरगाहॉल तथा काशी नेरश हॉल विद्यालय की प्राचीनता, भव्यता एव ऐतिहासिक के द्योतक है। विद्यालय के कक्ष विभिन्न दान-दातओं, पूर्व छात्रों के अभिभावकों द्वारा दिए गए दान की धनराशि से निर्मित हैं। कक्षों के द्वार पर लगे शिलापट्ट उनकी उदारता तथा सामाजिक सेवाभाव को प्रस्फुटित करते हैं। पुस्तकालय में लगभग ४० हजार पुस्तकें, विभिन्न प्रकार की पत्र–पत्रिकाएं, दैनिक समाचार–पत्र छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। विद्यालय परिसर में ही एक छात्रावास है, जिसमें सुदूर क्षेत्र से आनेवाले मेधावी छात्रों के लिए योग्यता क्रम के आधार आवासीय सुविधा प्रदान की जाती है।

परिसर में ही विश्वविद्यालय द्वारा संचालित छात्र स्वास्थ्य संकुल स्थापित है, जिसमें छात्रों को चिकित्सकीय सुविधा समुपलब्ध है। विद्यालय में छात्रों के लिए जल पान गृह, वाहन स्टैण्ड आदि की सुविधाएं भी विद्यमान हैं। विद्यालय के निर्धन एंव मेधावी छात्रों की सहायता हेतु 'विद्यालय सहायक सभा'(वी.एस.एस.) तथा 'छात्र कल्याण कोष' की स्थापना की गई हैं इसके माध्यम से छात्रों को नगद धनराशि, पुस्तकें तथा यूनिफार्म की सुविधा प्रदान की जाती है।

पाठ्यसहगामी क्रियाएँ

छात्रों के बहुआयामी सम्पूर्ण विकास हेतु विद्यालय में पाठ्य सहगामी क्रियाओं का भी संचालन किया जाता है। इस हेतु विद्यालय के समस्त छात्रों एवं शिक्षकों को चार सदनों में (शिवाजी, टैगोर सदन, अशोक सदन, रमन सदन) में विभाजित किया गया है। प्रत्येक शनिवार को विद्यालय में अन्तर्सदनीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है जिसके अन्तर्गत भाषण, वाद-विवाद, चित्रकला, अन्त्याक्षरी,कविता पाठ, सामान्यज्ञान, लोकगीत, लोकनृत्य निबन्धलेखन आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है। शारीरिक विकास हेतु विभिन्न खेलकूद भी आयोजित होते है। प्रतिदिन सभा में सदनवार छात्रों तथा शिक्षकों मूल्यपरक व्याख्यान दिये जाते है। इसी सभा में प्रतिदिन छात्रों को सभी प्रकार की सूचनाओं से अवगत कराया जाता है। तथा विद्यालय स्तर पर एवं जिला स्तर पर आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में सफल छात्रों को पुरस्कृत किया जाता है। अन्य छात्रों को प्रोत्साहित भी किया जाता है। छात्रों के शैक्षिक, शरीरिक विकास के साथ-साथ ही आध्यात्मिक विकास के लिए कृष्ण-जन्माष्टमी महावीर जयंती, माता एनी बेसेन्ट जयन्ती समारोह, पं. मदन मोहन मालवीय जयन्ती समारोह आदि का भी आयोजन छात्रों तथा शिक्षकों के द्वारा अत्यन्त ही धूम-धाम के साथ मनाया जाता है। छात्रों की रचनात्मकता को मुखरित एवं विकसित करने हेतु प्रतिवर्ष विद्यालय की वार्षिक – पत्रिका 'सृजन' का प्रकाशन विद्यालय द्वारा किया जाता है।

वर्तमान शैक्षणिक सत्र की विशिष्ट उपलब्धियाँ

- सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा २०१८ में कक्षा दस का परीक्षा परिणाम ९९.२६ प्रतिशत रहा। जिसमें मो. शकिब अन्सारी ९७.४ प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान पर रहे। सात छात्रों (युवराज सिंह, अभिषेक कुमार, आदर्श कुमार, कमल किशोर उपाध्याय, नीरज वर्मा राघवेन्द्र प्रताप सिंह, मो. शाकिब अन्सारी) ने सामाजिक विज्ञान में १००/१०० अंक प्राप्त किया तथा ०.१ प्रतिशत छात्रों की योग्यता सूची में स्थान प्राप्त किया। उन्हें सी.बी.एस.सी. द्वारा मेरिट प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
- सीबीएसई बोर्ड परिक्षा २०१८ में कक्षा १२ का परीक्षाफल ९२.७५ प्रतिशत रहा अमन मेहरोत्रा ने भूगोल में १००/१०० अंक प्राप्त किए तथा राजेश रंजन ने राजनीति विज्ञान में १००/१०० अंको के साथ ०.१ प्रतिशत की सूची में स्थान प्राप्त कर सी.बी.एस.ई. द्वारा उत्कृष्टता प्रमाण पत्र भी प्राप्त किया। गणित वर्ग में अभिनव श्रीवास्तव ने ९४.८ प्रतिशत अंक, जीव-विज्ञान में ९१.४ प्रतिशत अंक के साथ चन्द्रशेखर शर्मा, वाणिज्य वर्ग में विशाल गुप्त ने ९४.८ प्रतिशत तथा कला वर्ग में अमन महरोत्रा ९६.२ प्रतिशत प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रहे तथा अमन मेहरोत्रा ने विद्यालय टॉपर होने का गौरव अर्जित किया।
- विद्यालय की गृह परीक्षा कक्षा ६,७,८,९, तथा ११ की परीक्षा ९९ प्रतिशत रही। कक्षा ६ के ऐश्वर्यमणि सिंह तथा कक्षा ७ के हार्दिक राय ने ९७.६७ प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी–अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने के साथ ही विद्यालय के टॉपर होने का भी सम्मान अर्जित किया। कक्षा ८ में अनुपम चौबे ९५.८ प्रतिशत, कक्षा ९ में प्रज्ञेश मिश्रा ९७.२ प्रतिशत, कक्षा ११ गणित वर्ग में साहिल जायसवाल ९२.६ प्रतिशत तथा कक्षा ११ कला वर्ग में अनुराग मिश्रा ८७ प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी कक्षाओं में प्रथम रहे।
- भारत वर्ष की प्रतिष्ठित परीक्षा जे.ई.ई. एडवान्स में विद्यालय के १८ छात्रों ने अपने प्रथम प्रयास में उच्च स्थान के साथ देश के विभिन्न प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग तथा मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। उन मेधावी छात्रों के नाम है- उत्कर्ष यादव, प्रशांत वर्धन, जीवेश मिश्रा, सूरज बंसल, पीयूष तिवारी, सूरज पटेल, नितिन कुमार, हृदय नारायण, सिद्धार्थ कुमार, विजय शंकर, प्रांजल द्विवेदी इत्यादि।
- विद्यालय के निम्नलिखित १० छात्र प्रथम प्रयास में ही एन.ई.ई.टी. परीक्षा में उत्तम प्रदर्शन कर देश के विभिन्न मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लेने में सफल रहे। उन मेधावी छात्रों के नाम है- आकाश कुमार, ऋषभ कुमार, रविन्द्र कुमार शाह, राहुल कुमार, अमित कुमार, विपिन कुमार, प्रतीत सिंह, चंद्र प्रकाश शर्मा, अंकित तिवारी, आशीष गोरई।
- प्रथम प्रयास में कम्बाईन्ड लॉ एडमीशन टेस्ट सी.एल.ए.टी. २०१८ में उत्तीर्ण करने वाले छात्र राजेश रंजन वर्तमान में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, असम में तथा शिवांक वर्मा (जिन्हें सम्पूर्ण गीता कण्ठस्थ है) राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रायपुर में अध्यनरत है।
- राष्ट्रीय स्तर पर कक्षा १० के छात्रों के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा नेशनल टैलेन्ट सर्च इग्जाम (एन.टी.एस.ई.२०१८) में कुल सफल छात्रों में ४० छात्र सेन्ट्रल हिन्दू ब्वॉयज स्कूल के है। इसमें क्रमश: २ से १० तक की रैंक प्राप्त करने वाले छात्र इसी विद्यालय के है।
- यूनिफाईड काउन्सिल हैदराबाद द्वारा आयोजित मेन्टल एबीलिटी रिकोग्नाइजेशन टेस्ट -२०१८ में विद्यालय के रोहित शेखर (१२) को प्रथम पुरस्कार के रूप में १५०००/-की नगद धनराशि तथा प्रत्युष सिंह (१२) को सांत्वना पुरस्कार के रूप में ५०००/- नगद धनराशि प्रदान कर सम्मानित किया गया।
- संस्कृत भारती के तत्वाधान में आयोजित 'अखिल भारतीय शलाका परीक्षा-२०१८' में विद्यालय के मेधावी छात्र आलोक कुमार ने द्वितीय पुरस्कार के रूप में ११०००/- का चेक, प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह तथा गौरव कुमार ने तृतीय पुरस्कार के रूप में ५०००/- का चेक, प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। उल्लेखनीय है कि इस परीक्षा में कक्षा १० की संस्कृत पुस्तक का कण्ठस्थ होना आवश्यक है।
- राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी संचार परिषद्, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम नेशन चिल्ड्रेन

साइंस कान्फ्रेन्स-२०१८ में विद्यालय के अभिषेक यादव और अर्जुन ने भाग लिया तथा जिला स्तर पर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में जिले के ४० विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया।

- मालवीय भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में गीता जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान प्रतियोगिता में सुधांशु रघुवंशी ने द्वितीय पुरस्कार के रूप में ५००/- का नगद पुरस्कार प्राप्त किया।
- भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित इन्सपायर अवार्ड योजना के अन्तर्गत विद्यालय की ओर से प्रतिभाग करने वाले कुल ५ छात्रों में से ४ छात्रों को जिला स्तर पर चयनित किया गया जिन्हें पुरस्कार स्वरूप प्रमाण पत्र तथा वैज्ञानिक मॉडल तैयार करने हेतु प्रत्येक को १०-१० हजार रूपये तथा कक्षा ७ के शिवांग को राज्य स्तर पर प्रतिभाग करने हेतु चयनित किया गया।

पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

- वेदान्ता सोसाइटी' द्वारा गीता आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों को मानवीय गुणों को पालन करने, निजधर्म और सत्यनिष्ठा से कार्यपालन हेतु प्रोत्साहित किया गया।
- २६ नवम्बर २०१८ को संविधान दिवस का आयोजन बड़ी भव्यता के साथ किया गया।
- विद्यालय अपने समस्त शैक्षिक एवं सांस्कृतिक क्रियाकलापों के साथ ही महापुरूषों की जयन्ती का भी भव्य आयोजन करता है। जिसमें विद्यालय के छात्र तथा अध्यापक उत्साहपूर्वक भाग लेते है। इस वर्ष माता एनी बेसेन्ट तथा महामना की जयन्ती पर विद्यालय में हवन, पूजनादि तथा भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया।

कला के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियाँ

- राज्य ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित 'भगवान बुद्ध और उनकी जीवनगाथा' विषय पर आधारित द्विस्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र अनिकेश वर्मा (१२ एफ), नित्यानंद गोंड (कला १२ बी२) तथा शिवम सेठ (१२ एफ) को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार तथा प्रत्येक को २१००/- की नगद धनराशि प्रदान की गयी।
- गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में शिवम सेठ (१२एफ), प्रथम पुरस्कार, १०००रू; शिवम चौरसिया (११बी२),द्वितीय पुरस्कार ७००रू; विवेक यादव (८डी), तृतीय पुरस्कार, ५००रू; हर्ष कुमार सिंह (८बी) सान्त्वना, पुरस्कार, ३००रू.; मोहित वर्मा (७ए) सान्त्वना पुरस्कार, ३००रू को कुलसचिव, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किये गये।
- राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में 'पानी की कहानी' विषय पर आधारित स्पर्धा में शिवम सेठ ने सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्राप्त किया।
- नगर निगम द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता 'स्वच्छ गंगा' ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।
- राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता-प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मेकेनाइजेशन फॉर इन स्ट्रीट मैनेजमेन्ट ऑफ क्रॉप रेज्डियू योजनान्तर्गत चित्रकला प्रतियोगिता में 'फसल अवशेष न जलाने हेतु' १०,०००/- की नगद धनराशि प्राप्त की।

खेल-कूद गतिविधियॉ

स्कूल इंडिया कप अन्डर १४ फुटबॉल प्रतियोगिता में विद्यालय टीम ने प्रतिभाग किया, जिसमें विद्यालय के ४ खिलाड़ी मण्डल स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चयनित हुए।

एन.सी.सी.

एन.सी.सी. कैम्प सी.ए.टी.सी.-३११ में एस.जे.डी. एयर विंग के कैडेट अंकित सिंह वेस्ट कैडेट रहे, शुभम सिंह व उनकी टीम ने फूटबॉल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाकर विद्यालय को भी सर्वश्रेष्ठ टूप होने का गौरव प्राप्त कराया। एन.आई.सी. कैम्प 'एक भारत सर्वश्रेष्ठ भारत' के अन्तर्गत स्वप्निल यादव ने बेस्ट कैडेट होने का गौरव प्राप्त किया।

शैक्षणिक भ्रमण व अन्य गतिविधियॉ

- विद्यालय के कक्षा १२ विज्ञान वर्ग के १५ छात्रों का एक दल शैक्षणिक भ्रमण हेतु लखनऊ गया।
- वाणिज्य वर्ग के छात्र ज्ञानार्जन हेतु बी.एच.ई.एल, बाबतपुर शैक्षिक भ्रमण हेतु गए।
- ११ वर्षों के अन्तराल के पश्चात् रविवार दिनांक १३.०१.२०१९ को विद्यालय में एल्यूमिनी मीट का आयोजन हुआ। इसमें विद्यालय के वर्ष १९८९ ई. से १९९२ ई. तक के पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

अन्य गतिविधियाँ

- राजभाषा हिन्दी को कार्यालय स्तर पर प्रोत्साहन देने के लिए हमारे कार्यालय में कार्यरत कनिष्ठ लिपिक राजा ने वर्ष २०१८ में राजभाषा प्रकोष्ठ, बी.एच.यू. द्वारा आयोजित, '५ दिवसीय पूर्णकालिक हिन्दी टंकण प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के आधार पर केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक ०९ जुलाई २०१८ को परीक्षा आयोजित की गई, जिसमे उन्होंने ८८ प्रतिशत अंक प्राप्त किये तथा परीक्षा की शर्तों के अनुसार उन्हें एक वेतन वृद्धि दी गई।
- शिक्षक दिवस के अवसर पर चातुर्वेदसंस्कृतप्रचारसंस्थानम् एवं तुलनात्मक दर्शन विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में श्री अनुपम तिवारी (संस्कृत) को प्रो. राजाराम शुक्ल (कुलपति) एवं प्रो. रजनीश शुक्ल जी के द्वारा शिक्षक सम्मान से अलंकृत किया गया।
- चातुर्वेदसंस्कृतप्रचारसंस्थानम् की ओर से विद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में, संस्कृत अध्यापक अनुपम तिवारी को प्रो. रामयत्न शुक्ल, अध्यक्ष, काशी विद्वत्, परिषद् के द्वारा 'संस्कृतसेवा सम्मान' से विभूषित किया गया।

परिसर विकास एवं निर्माण कार्य

- विद्यालय की भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला का पूरी तरह से नवीनीकरण किया गया। अब यह प्रयोगशाला पूर्ण सुसज्जित रूप से छात्रों के लिए उपलब्ध है।
- विद्यालय के क्षतिग्रस्त मुख्य द्वार को परिवर्तित किया गया।
- विद्यालय छात्रावास में रंगाई-पुताई मरम्मत आदि कार्य सम्पन्न हुआ। छात्रावास में एक नया वाटर कूलर-कम-प्यूरीफायर लगवाया गया। बहुत से कक्षों का नवीनीकरण किया गया।

विद्यालय का प्राथमिक विभाग जो राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, बरकच्छा में जिसका वर्तमान में छात्र क्रीड़ा भवन में हो रहा है। इस सत्र में वहा स्वतन्त्र भवन निर्माण कार्य चल रहा है जो अतिशीघ्र पूर्ण होने वाला है।

२.१.५.२. सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल

सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्राचीन एवं सर्वोत्कृष्ट स्कूलों में से एक हैं। यह प्राचीन मध्यकालीन तथा आधुनिक मूल्यों से नव जीवन के बौद्धिक तथा मानसिक विकास के साथ-साथ उन्हें नवीनता की ओर अग्रसर करने का माध्यम है।

१९०४ में सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज के नाम से इसकी नींव रखी गयी तथा ट्रस्ट बोर्ड ने इसे, एनी बेसेन्ट के सपनों को महिला उत्थान हेतु अपनी हरी झंडी भी दे दी। १९१६ में यह महामना पं. मदन मोहन मालवीय के उज्ज्वल सपनों की मूर्ति के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का एक अभिन्न अंग बना। यह विद्यालय मालवीय जी के सुविचारों से ओत प्रोत होने के साथ-साथ बालिकाओं को आधुनिक प्ररिप्रेक्ष्य में शिक्षित करने का भी कार्य करता है। यहाँ कला, विज्ञान, वाणिज्य व सांस्कृतिक विधाओं की मूल्यपरक शिक्षा दी जाती है। यहाँ सम्बन्धित विषयों की सुसज्जित प्रयोगशालाएं व पुस्तकालय हैं। यह विद्यालय सी.बी.एस.ई. से सम्बद्ध है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

कक्षा ११व १२ में उपलब्ध विषय

उच्चतर माध्यमिक कक्षा में भौतिकी, रसायन, गणित, जीव विज्ञान, कंप्यूटर, मनोविज्ञान, भूगोल, इतिहास, राजनिति शास्त्र, अर्थशास्त्र, लेखाविधि, व्यवसायिक, अध्ययन अंग्रेजी कोर एवं ऐच्छीक, हिंदी कोर एवं ऐच्छिक, संस्कृत कोर एवं ऐच्छिक, चित्रकला, शारीरिक, शिक्षा, संगीत, गायन एवं वादन (तबला, सितार) की शिक्षा दी जाती है एवं सुसज्जित प्रयोगशालाएं उपलब्ध है।

उपलब्ध समाचार पत्र

हिंदी में दैनिक जागरण, हिंदूस्तान और उमर उजाला । अंग्रेजी में द हिंदू और द टाइम्स ऑफ इंडिया।

अन्य क्रिया-कलाप

विद्यालय में प्रशिक्षित प्रशिक्षक उपलब्ध है, जो कई प्रकार के खेलों जैसे बैडमिंटन, बास्केटबॉल, खो-खो, कबड्डी, टेबल टेनिस, मार्शल आर्टस इत्यादि। छात्राओं को विभिन्न प्रकार की खेलकूद गतिविधियों में सहभागिता के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

बस सुविधाएँ

हमारे विद्यालय में छात्राओं के लिए बस की सुविधाएँ उपलब्ध हैं हमारे विद्यालय में बसों की संख्या १० है। ये बसें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से छात्राओं को विद्यालय तक पहुंचाती है। हमारी बसें शहर के आन्तरिक भागों से लेकर मुख्य क्षेत्रों तक जाती है।

उपलब्धियां

विद्यालय की उपलब्धियां इस प्रकार हैं। वर्तमान सत्र में विद्यालय का परीक्षा परिणाम सेकण्डरी एवं सीनियर सेकण्डरी कक्षाओं में क्रमश: १००% व ९९% रहा।

कुमारी पलक सिंह सेकेंडरी परीक्षा २०१८-१९ में ९९% अंक प्राप्त कर वाराणसी जनपद में अव्वल रही।

कुमारी ज्योत्सना राज, पार्वती पांडे, उपासना राय व स्वाति गुप्ता ९७.४ अंक प्राप्त कर विद्यालय में द्वितीय स्थान पर रही।

कुमारी सोनी कुमारी और दीपशिखा यादव ९७.२ अंक प्राप्त कर तीसरें स्थान पर रहीं।

सीनियर सेकेंडरी परीक्षा २०१८-१९ में वाणिज्य वर्ग में कुमारी अंशुला सक्सेना व कला वर्ग में कुमारी सुनिधि ९७% अंक प्राप्त कर विद्यालय मे प्रथम स्थान पर रहीं तथा विज्ञान वर्ग में श्रेया कुमारी गुप्ता ९६.६% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रही। स्पोर्ट्स क्लब, रेड क्रॉस, योग, एन.सी.सी. आदि क्रिया-कलाप वर्ष पर्यन्त चलते रहे हैं।

वर्तमान सत्र में विद्यालय में एन.सी.सी.सीनियर विंग का पुन: संचालन आरम्भ किया गया है।

प्रति वर्ष विद्यालय परिसर में १ सितंबर से १५ सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है जिसके अन्तर्गत विविध प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। जिसमें विद्यालय की छात्राएँ बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करती हैं तथा मातृभाषा के प्रति उनके प्रेम व श्रद्धा का प्रदर्शन देखने को मिलता है। इसके अतिरिक्त हमारे विद्यालय की छात्राएँ शहर की विविध संस्थाओं द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में वर्ष पर्यन्त प्रतिभाग कर सम्मानित एवं पुरस्कृत होती रहती हैं।

उपलब्धियां

एस.एम.एस. की ओर से २८ अक्टूबर २०१८ को आयोजित मेंटल एबिलिटी रिकॉग्निशन टेस्ट में १२ की छात्रा मेधा तिवारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया जिसमें इन्हें रु.१०,०००/- का नगद पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त छात्राओं को विविध कार्यक्रमों में बी.एच.यू. द्वारा भी पुरस्कृत किया गया।

छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए शैक्षणिक कार्यक्रमों के साथ-साथ पाठ्यसहगामी क्रियाएं खेलकूद प्रतियोगिताएँ एन.सी.सी., गाइडिंग, रेड क्रॉस, फर्स्ट एण्ड और अन्य सांस्कृतिक क्रिया-कलाप भी वर्ष पर्यन्त आयोजित किए जाते है। तथा विद्यालय का वार्षिकोत्सव ''अभिव्यक्ति'' प्रति वर्ष बड़े धूम-धाम से आयोजित किया जाता है। विद्यालय की पत्रिका ''पारमिता'' प्रति वर्ष प्रकाशित होती है। जो विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की साहित्यिक कुशलता को जागृत करने तथा उनके पाठ्येत्तर अनुगमनता को प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है।

२.१.५.३. श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय

श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है। पं. अम्बा दास शास्त्री एवं पं. अनन्त राम शास्त्री, जो पूज्य मदन मोहन मालवीय के गुरुतुल्य अध्यापक रहे, इस विद्यालय के अध्यक्ष पद को सुशोभित कर चुके हैं। प्रवेशिका (कक्षा - ८) से आचार्य (एम ए) स्तर की कक्षाऐं इस विद्यालय में चला करती थीं और यहाँ तक की प्रमाणपत्र भी उपर्युक्त महानुभावद्वय के हस्ताक्षर द्वारा जारी होते थे।

प्रारम्भ में इस विद्यालय की स्थापना जम्मू के सदरे रियासत द्वारा १८८३ में प्रचीन भारतीय ज्ञान के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जम्मू संस्कृत पाठशाला के रूप में जम्मू कश्मीर भवन, जो टेढ़ीनीम, दशाश्वमेघ, वाराणसी में स्थित है, में हुई थी। कालान्तर में यह विद्यालय सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल कालेजियट सोसायटी के रुप में तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. एनी बेसेन्ट को हस्तांतरित हुई। तदनन्तर विद्यालय का कार्यस्थल कमच्छा स्थित महाराजा काशी नरेश के ऐतिहासिक राजभवन में हो गया एवं विद्यालय का नाम श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय जम्मू सदरे रियासत महाराजा प्रताप सिंह के पिता के नाम पर कर दिया गया। विकास के इस क्रम में बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी सोसायटी अस्तित्व में आयी और इस प्रकार रणवीर संस्कृत विद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का एक अभिन्न अंग बन गया जिसका वर्तमान परिसर कमच्छा स्थित काशी नरेश राजभवन है।

प्राच्य विद्या एवं धर्म विज्ञान संकाय (वर्तमान में संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय) के अस्तित्व में आने पर मध्यमा एवं आचार्य पर्यन्त उसकी अग्रिम कक्षाएं वहीं (विश्वविद्यालय परिसर) से चलना प्रारम्भ हुई एवं इस विद्यालय में केवल प्रथमा (कक्षा - ८) तक कक्षाएं शेष रह गयीं। यह स्थिति सन् १९६८ तक रही।

जुलाई १९७८ से मध्यमा कक्षाओं में सभी विषयों के चारों भाग (साहित्य, वेद, व्याकरण, ज्योतिष एवं दर्शन) रणवीर संस्कृत विद्यालय में जो पाठ्यक्रम चल रहे हैं, वे निम्नलिखित हैं-

१. प्राइमरी कक्षा १ से ५ सी.बी.एस.ई.
२. प्रथमा (कक्षा ६ से ८) सं.वि.ध.वि. संकाय द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम
३. प्रवेशिका (कक्षा ९ एवं १०) सं.वि.ध.वि. संकाय द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम
४. मध्यमा (कक्षा ११ एवं १२) सं.वि.ध.वि. संकाय द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम

इस विद्यालय में छात्रों को परम्परागत विषयों (वेद, ज्योतिष, व्याकरण, दर्शन, साहित्य) के साथ-साथ आधुनिक विषयों अंग्रेजी, हिन्दी, गणित, विज्ञान एवं समाजिक अध्ययन का भी ज्ञान दिया जाता है जो कि प्राचीन और अर्वाचीन ज्ञान को जोड़ते हुए एक सेतु का कार्य कर रहा है। अभी भी विज्ञान एवं ज्योतिष भाषा प्रयोगशालाओं को विकसित करने के अवसर हैं। विद्यालय एक विकासशील संस्था के रूप में अग्रसर है लेकिन इसे और अधिक विकसित करने की आवश्यकता है।

- वर्तमान में प्रो. रमा शंकर दूबे, जैव रसायन विभाग, विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि. स्कूल बोर्ड के उपाध्यक्ष है।
- वर्तमान सत्र में इस विद्यालय में १२ स्थायी अध्यापक तथा १५ संविदा अध्यापक है।
- वर्तमान सत्र में विद्यालय के प्राइमरी विभाग में छात्र/छात्राओं की कुल संख्या १८५ है तथा प्रथमा से मध्यमा कक्षा ६ से १२ तक छात्रों की कुल संख्या ३०१ है।

अन्तरविद्यालय प्रतियोगिताएं

- अन्तरविद्यालयीय/विद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न

प्रतियोगिताओं में विद्यालय के विभिन्न छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा पुरस्कार अर्जित किये जिनका विवरण निम्नलिखित है।

- श्री धर्म संघ शिक्षा मंडल दुर्गाकुंड, वाराणसी द्वारा दिनांक ०८/०८/२०१८ को आयोजित व्याकरण अष्टध्यायी सूत्रान्त्याक्षरी प्रतियोगिता में विवेक त्रिपाठी मध्यमा प्रथम वर्ष ने प्रथम स्थान एवं विशाल पाण्डेय मध्यमा वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता में आर्यन पाण्डेय मध्यमा द्वितीय वर्ष ने तृतीय स्थान एवं ध्रुवनारायण शुक्ल मध्यमा प्रथम वर्ष ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।
- शारदा संस्कृत संस्थान, अगस्त्यकुंड, वाराणसी द्वारा आयोजित दिनांक १५/०९/२०१८ को अमरकोष (प्रारम्भ से दिग्वर्ग तक) कंठ पाठ प्रतियोगिता में अर्पित शुक्ल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- संपूर्ण अबकहोडाचक्रम् (ज्योतिष) कंठ पाठ प्रतियोगिता में दिव्यराज उपाध्याय कक्षा प्रथमा ने द्वितीय स्थान एवं विजयगिरि कक्षा प्रथमा ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।
- सांगवेद विद्यालय रामघाट, वाराणसी द्वारा दिनांक २१/०९/२०१८ को आयोजित मुहुर्तचिंतामणि (शुभाशुभ प्रकरण) में आर्यन पाण्डेय एवं शिखर तिवारी मध्यमा द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान, सुशील मिश्रा मध्यमा द्वितीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा विशाल पाण्डेय एवं आशुतोष पाण्डेय मध्यमा प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- प्रहलाद राय झुनझुनवाला स्मृति गीता स्वाध्याय केंद्र द्वारा दिनांक ०८/१२/२०१८ को आयोजित व्याख्यान प्रतियोगिता (गीता के अनुसार जाति वर्ण) में दिलीप शुक्ल मध्यमा द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- मौखिक प्रश्नोत्तरी में आदित्य मिश्र प्रवेशिका द्वितीय वर्ष ने प्रथम स्थान तथा अर्पित शुक्ल प्रवेशिका प्रथम ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।
- गीता प्रथम अध्याय कंठस्थ पाठ प्रतियोगिता में आनंद झा कक्षा प्रथमा ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।
- मालवीय भवन गीता समिति, का.हि.वि.वि. द्वारा दिनांक ०९/१२/२०१८ को आयोजित भाषण प्रतियोगिता (गीता में भक्ति योग) में दिलीप शुक्ल मध्यमा द्वितीय ने सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया।
- सम्पूर्ण गीता कंठस्थ पाठ प्रतियोगिता में आनंद झा कक्षा प्रथमा ने विशिष्ट पुरस्कार १०००० रूपयों की राशि प्राप्त की।
- सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल (क) बी.एच.यू. (करतार कौर पेंटल स्मृति अंतर विद्यालयीय खेलकुद प्रतियोगिता आयोजित थी जिसमे प्राइमरी विभाग कबड्डी (बालक वर्ग) प्रतियोगिता में अभिषेक रंजन, सौरभ सिंह यादव, पूर्णेंदु दुबे, उत्कर्ष पाण्डेय, सुजल सोनकर, अभिजीत बसाक, विष्णु सोनकर, विनीत कुमार, आशु पाल तथा शुभम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- कबड्डी (बालिका वर्ग) प्रतियोगिता में सिद्धिका पाण्डेय, जान्हवी सिंह, रिया, गुनगुन बौद्ध, सुरभि, पलक, शिवा, खुशी कुमारी, अंकिता, सिमरन वर्मा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- रिले दौड़ (बालक वर्ग) में अभिषेक रंजन, शुभम, विनीत कुमार, अमन मौर्या ने द्वितीय स्थान (रजत पदक) प्राप्त किया।
- रिले दौड़ (बालिका वर्ग) में सिद्धिका पाण्डेय जान्हवी सिंह, रिया, आस्था तिवारी ने द्वितीय स्थान (रजत पदक) प्राप्त किया।
- सूर्य नमस्कार (बालक वर्ग) में प्रखर पाण्डेय कक्षा ४ ने तृतीय स्थान (कांस्य पदक) प्राप्त किया।
- सूर्य नमस्कार (बालिका वर्ग) में आन्या सिंह कक्षा ५ ने तृतीय स्थान (कांस्य पदक) प्राप्त किया।
- मालवीय जयंती के अवसर पर छात्र अधिष्ठाता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक २०/१२/२०१८ को आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में प्रखर पाण्डेय कक्षा ४ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- संकटमोचन फाउंडेशन वाराणसी द्वारा दिनांक ११/०२/२०१९ को आयोजित श्रीरामचरितमानस के सातों काण्डों के संस्कृत श्लोकों का सस्वरगान प्रतियोगिता में प्राइमरी वर्ग में कक्षा ४ के प्रखर पाण्डेय ने द्वितीय स्थान तथा सीनियर वर्ग में मध्यमा द्वितीय के बलराम दूबे ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- दिनांक १२/०२/२०१९ को आयोजित श्रीरामचरितमानस के दोहे और चौपाईयों का सस्वरगान प्रतियोगिता (सीनियर वर्ग) में मध्यमा द्वितीय के बलराम दूबे ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- दिनांक १३/०२/२०१९ को आयोजित अयोध्याकाण्ड पर आधारित क्विज प्रतियोगिता (कक्षा ८-१२ के लिए) में गजेन्द्र तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।
- दिनांक १४/०२/२०१९ को आयोजित जूनियर वर्ग भाषण प्रतियोगिता (विषय-श्रीरामचरितमानस में बालोपयोगी शिक्षाएं) में कक्षा ४ के प्रखर पाण्डेय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- दिनांक १६/०२/२०१९ का आयोजित श्रीरामचरितमानव के पात्रों की झाँकी प्रतियोगिता (फैंसी ड्रेस) में कक्षा ४ के क्षितिज विक्रम सिंह ने प्रथम स्थान तथा कक्षा ४ के प्रखर पाण्डेय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम: १५ अगस्त, २०१८ को स्वतंत्रता दिवस; ०२सितम्बर, २०१८ को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी; ०५ सितम्बर, २०१८ को शिक्षक दिवस; ७ से १४ सितम्बर, २०१८ तक हिन्दी सप्ताह; ०२ अक्टूबर, २०१८ को गांधी जयन्ती; १७ नवम्बर, २०१८ को अक्षय नवमी के अवसर पर ऑवला वृक्ष पूजन; दिसम्बर २०१८ को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता; वसन्त पंचमी के अवसर पर सरस्तवी पूजा कार्यक्रम का अयोजन किया गया।

भविष्य में विद्यालय की विकास सम्बन्धी योजनाएँ: २०० छात्रों के लिए छात्रावास का निर्माण, एक नवीन पुस्तकालय भवन का निर्माण करना, ज्योतिष सम्बन्धी उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला का निर्माण, भाषा प्रयोगशाला का निर्माण करना आदि।

२.१.६. का.हि.वि.वि. ग्रंथालय प्रणाली

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुस्तकालय, देश के सबसे बड़े पुस्तकालयों में से एक है। इस पुस्तकालय की शुरुआत न्यायमूर्ति स्व. काशी नाथ त्रयम्बक तैलंग की याद में उनके पुत्र प्रो. पी.के. तैलंग द्वारा दान स्वरूप प्रदान किए गए पुस्तकों के संग्रह से सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज, कमच्छा के तैलंग हाल में हुई। अपने प्रारम्भिक काल में इसे प्रसिद्ध इतिहासकार सर जदुनाथ सरकार ने सँवारा और बाद में पुस्तकालय आन्दोलन के जनक डॉ. एस.आर. रंगनाथन व उनके बाद डॉ. जे.एस. शर्मा व प्रो. पी.एन. कौल यहाँ के पुस्तकालयाध्यक्ष बने।

पाठ्य सामग्री

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुस्तकालय की व्यवस्था में शीर्ष पर सयाजीराव गायकवाड ग्रन्थालय (केन्द्रीय ग्रन्थालय) है और इसके अतिरिक्त 'संस्थान पुस्तकालय' चिकित्सा विज्ञान, कृषि विज्ञान, प्रबंन्ध शास्त्र तथा पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान, ६ संकाय पुस्तकालय ४२ विभागीय पुस्तकालय हैं। साथ ही राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, बरकच्छा, मिर्जापुर में स्थित पुस्तकालय भी सम्मिलित है। सभी पुस्तकालयों को मिलाकर १६ लाख से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। भारत की विश्वविद्यालय पुस्तकालय व्यवस्थाओं में यह पुस्तकालय व्यवस्था सबसे वृहत व्यवस्थाओं में से एक है। वितीय वर्ष २०१८-२०१९ में ३२४६ पुस्तकें एवं ५८८९१ ऑनलाइन पुस्तकें जोड़ी गई। पुस्तकालय में १२४ विदेशी पत्रिकायें एवं २०८ भारतीय पत्रिकायें मुद्रित प्रारूप में आती हैं। इसके अतिरिक्त एक अच्छी संख्या में नि:शुल्क पत्रिकायें भी पुस्तकालय को प्राप्त होती हैं। पुस्तकालय में लगभग ७२२७ पाण्डुलिपियों के अद्वितीय संग्रह के अतिरिक्त दुर्लभ पुस्तक संग्रह, शोध प्रबन्ध संग्रह, विश्वविद्यालय संस्थापक संग्रह, कर्मचारी प्रकाशन संग्रह एवं स्थानीय इतिहास संग्रह भी उपलब्ध हैं।

केन्द्र, राज्य सरकार व उनके अधिकरणों के प्रकाशन विशेशत: समाज विज्ञान, विधि, वाणिज्य व कृषि विषयों के लिए बहुत उपयोगी सूचना स्रोत हैं, जिन्हें पुस्तकालय या तो क्रय करता है या उपहार रूप में प्राप्त करता है।

केन्द्रीय पुस्तकालय को संयुक्त राष्ट्र संघ तथा उसके अधिकरणों के प्रकाशन के लिए ''डिपॉजिटरी पुस्तकालय'' का स्थान प्राप्त है। १९७३ में नि:शुल्क वितरण प्रथा के समाप्त हो जाने के बाद भी पुस्तकालय इन प्रकाशनों को डिपॉजिटरी पुस्तकालय सदस्यता योजना के अन्तर्गत खरीदता है। पुस्तकालय की यह विशेषता किसी भारतीय विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में नहीं है।

पुस्तकालय समय

केन्द्रीय ग्रन्थालय वर्ष में ३५९ दिन खुला रहता है। स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, दशहरा, दीपावली, बसंत पंचमी व होली इन छह दिनों में पुस्कालय बंद रहता है। सामान्यत: पुस्तकालय का समय सप्ताह के दिनों में प्रात: ९.०० बजे से रात्रि ९.०० बजे तक व रविवार व छुटिटयों में प्रात: १०.०० से रात्रि ९.०० बजे तक रहता है। साइबर लाईब्रेरी सुबह ८.०० बजे से रात्रि ११.०० बजे तक खुली रहती है।

प्रतिलिपि सेवा

केन्द्रीय पुस्तकालय में छायाप्रति सुविधा की भारी माँग रहती है। विश्वविद्यालय एवं बाहर के छात्रों व अध्यापकों की माँग पूरी करने के लिए यहाँ तीन फोटोकापी मशीने हैं। वर्तमान सत्र में पुस्तकालय ने १,६१,०८० छायाप्रतियां प्रदान कीं।

दृष्टिबाधित विभाग

केन्द्रीय ग्रन्थालय में दृष्टिबाधित पाठकों की सुविधा के लिए अलग से अनुभाग है, जो पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सामग्री को साफ्ट कापी में दृष्टि बाधित पाठकों को उपलब्ध कराता है। वर्ततान वर्ष में ४२ दृष्टिबाधित पाठकों को ग्रन्थालय द्वारा यह सुविधा उपलब्ध कराई गई एवं ०.७९ जीबी डेटाबेस तैयार किया गया। वर्तमान में कुल १९८.२४ जीबी डेटाबेस तैयार हो चुका है।

ऑनलाइन पत्रिकायें, ऑनलाइन पुस्तकें एवं डाटाबेस

केन्द्रीय पुस्तकालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ई-जर्नल्स प्राप्ति हेतु ई-शोध सिंधु का सदस्य है। केन्द्रीय ग्रन्थालय के पास वर्तमान में १५००० से अधिक फुल टेक्स्ट आनलाइन जर्नल्स और बिब्लियोग्राफिक डाटाबेस को सर्च करने की सुविधा उपलब्ध है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुस्तकालय नेचर पब्लिशिंग ग्रुप (८ पत्रिकायें), एमेराइल्ड विषय संग्रह (३१२ पत्रिकायें), कैब एब्सट्रेक्ट और इण्डियन जर्नल्स डाटकॉम (३०५ पत्रिकायें), सेज एच.एस.एस. ऑनलाइन (५०६ जर्नल्स एवं बुक्स) को सबस्क्राइब कर रहा है। पुस्तकालय में अमेरिकन केमिकल सोसाईटी, रायल सोसाईटी आफ केमेस्ट्री, नेचर, साइंस प्रोजेक्ट म्यूज (सोशल सांइस एवं ह्यूमिनिटी), इमेराइल्ड (लाइब्रेरी सांइस), एमेराइल्ड मैनेजमेन्ट एक्सट्रा, साइंस, इन्स्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, अमेरिकन इन्स्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, स्प्रिंगर वारलॉग, क्लुवर ऑनलाइन, आदि के ई-स्रोतों को एक्सेस करने की सुविधा यू.जी.सी. इन्फोनेट के माध्यम से उपलब्ध है। विश्वविद्यालय पुस्तकालय सेज, केम्ब्रिज, स्प्रिंगर, टेलर एवं फ्रांसिस, वर्ल्ड सांइटिफिक, पीर्यसन आदि से ५८८९१ से अधिक ई-बुक्स को सब्सक्राइब कर रहा है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के पास केमिकल एब्सट्रेक्ट (सांइस फाइण्डर), मैथ साइनेट, मनुपात्रा (लॉ), वेस्टलॉइण्डिया गेल, इण्डियन साइटेशन इन्डेक्स, स्प्रिंगर प्रोटोकोल (१९८०-२०१३) आदि डाटावेस की उपयोग सुविधा भी उपलब्ध है। सभी ऑनलाइन जर्नल्स को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर में नेटवर्क के माध्यम से सर्च किया जा सकता है। इसकी विस्तृत जानकारी बी.एच.यू. की वेबसाइट http://www.bhu.ac.in से प्राप्त की जा सकती है।

प्रलेख प्रदान सेवा

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुस्तकालय इन्फ्लिबनेट कार्यक्रम के अन्तर्गत, प्रलेख प्रदान सेवा केन्द्र के रूप में चिह्नित देश के पाँच पुस्तकालयों में से एक है। इस सेवा के अन्तर्गत बाह्य पाठकों को शीघ्र एवं तुरन्त प्रलेखों की इलेक्ट्रानिक प्रति उपलब्ध कराने एवं स्रोत संसाधन साझेदारी को बढ़ाने एवं साझेदारी सुविधा उपलब्ध कराना है। जिससे कम लागत मे अधिक से अधिक पाठकों की सूचना आवश्यकता की पूर्ति हो सके।

दुर्लभ सामग्री का डिजिटाइजेशन

केन्द्रीय ग्रन्थालय को राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पाण्डुलिपि संरक्षण केन्द्र के रुप में मान्यता दी गई है। ग्रन्थालय ने दुर्लभ सामग्री का डिजिटाइजेशन प्रारम्भ कर दिया है। वर्ष २०१८-१९ में लगभग ६० दुर्लभ ग्रन्थों के २,५३२ फोलियो का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है।

जनगणना आँकड़ा केन्द्र

इस केन्द्र में भारत सरकार द्वारा कराये गए जनगणना सर्वेक्षण के सभी प्रकार के जन साँख्यिकी आँकड़ा को संग्रहित किया जाता है और शोध के उद्देश्य के लिए शोधार्थियों को उपलब्ध कराया जाता है। इसके साथ ही एसपीएसएस (सामाजिक विज्ञान के लिए सांख्यिकीय) सॉफ्टवेयर को इस केन्द्र के सभी संगणक में अपलोड किया गया है जिससे शोधार्थी आँकड़ों को तालिकाबद्ध विश्लेषण एवं व्याख्या करते हैं। शोधार्थी एवं संकाय सदस्य अपने शोध एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सूक्ष्मस्तरीय जनगणना आँकड़ा का उपयोग करते हैं।

शोध सूचना अनुभाग

केन्द्रीय ग्रंथालय में सन् २०१७ से एक नए अनुभाग की संरचना की गयी है जो विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं शोध छात्रों को उनके शोध से सम्बन्धित सूचनाएँ प्रदान करता है। यह सूचना उनको व्यक्तिगत रूप से ई-मेल के माध्यम से प्रदान की जाती है। यह एक प्रकार की एसडीआई सेवा (चयनात्मक सूचना संप्रेषण) ग्रंथालय के द्वारा दी जाती है।

इन्स्टीच्यूशनल रिपाजिटरी

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का संस्थानिक आधान केन्द्र विश्वविद्यालय के बौद्धिक अवदान को पूरा अभिलेखीय केन्द्र बनाने के उद्देश्य से केन्द्रीय ग्रंथालय द्वारा संस्थानिक अवदान केन्द्र की संरचना एवं

विकसित किया गया है। पुराने शोध प्रबंधों को इसमें अपलोड किया गया है। इस रिपाजिटरी को ऑन लाईन (http://dl.bhu.ac.in./xmlui/) पर प्राप्त किया जा सकता है।

सेवानिवृत संकाय सदस्यों के लिए ग्रंथालय सेवाएं

२०००/- रूपये सदस्यता शुल्क के साथ सेवानिवृत संकाय सदस्यों के लिए ग्रंथालय उपयोग की सुविधा प्रदान की जाती है।

साइबर लाईब्रेरी अध्ययन केन्द्र

साइबर लाईबेरी का उद्घाटन ३मार्च २०१३ को माननीय डा. करण सिंह कुलाधिपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा किया गया था। यह पूरी तहर से वातानुकूलित वातावरण में सफलतापूर्वक चल रहा है जिसमें ४०२ आपरेटिंग सिस्टम अलग-अलग केबिन में है।

साइबर लाइब्रेरी सूचना के माध्यम से प्रति उपयोगकर्ताओं के व्यवहार को बदल रही है। साइबर लाइब्रेरी का हाल हमेशा छात्रों से भरा होता है जो ३५९ दिनों में सुबह ८:०० बजे से रात ११:०० बजे तक खुला रहता है। मार्च २०१९ के सांख्यिकीय विश्लेषण के अनुसार, प्रतिदिन औसतन ९०० उपयोगकर्ता साइबर लाइब्रेरी की सुविधा का लाभ उठा रहे है।

सांख्यिकीय

१. (क) पुस्तकें व पत्रिकाएँ

अ) वर्तमान वर्ष की शुरूआत में मुद्रित किताबों/थीसिस/पत्रिकाओं की कुल संख्या	११,३०,१६९
आ) वर्तमान वर्ष में परिग्रहण की गयी मुद्रित किताबों/थीसिस/पत्रिकाओं की संख्या	३२४६
इ) वर्तमान वर्ष के अंत में मुद्रित किताबों/थीसिस/पत्रिकाओं की संख्या	११,३३,४१५
ई) वर्तमान वर्ष की शुरूआत में पत्रिकाओं जोड़ की संख्या	शून्य
उ) वर्तमान वर्ष के शुरूआत में पत्रिकाओं (बाउंड संस्करणों) की संख्या	१,३४.०४०
ऊ)परिग्रहण संस्करणों की संख्या	३०३
(ख) प्राप्त पत्रिकाओं की संख्या (१ जनवरी से दिसम्बर २०१७)	
(अ) शुल्क देकर	३३२ (१२४ विदेशी व २०८ भारतीय)
(आ) ऑनलाइन पत्रिकायें	२३०२
(इ) नि:शुल्क (अनियमित)	६९३
(ग) बाउंड संस्करणों की संख्या	१८१४

२. तकनीकी (अंग्रेजी)

अ) तैयार पुस्तकों की संख्या	१५४३
आ) तैयार जिल्द बन्धी पत्रिकाओं की संख्या	४४५
इ) तैयार शोध प्रबन्धों की संख्या	१३२२
ई) रि-बाउंड पुस्तकों की संख्या	७७३

३. तकनीकी (हिन्दी)

अ) तैयार पुस्तकों की संख्या	१६०५
आ) तैयार जिल्द बन्धी पत्रिकाओं की संख्या	शून्य
इ) तैयार शोध प्रबन्धों की संख्या	शून्य
ई) रि-बाउंड पुस्तकों की संख्या	६७०

४. सेवाएं

क) कार्य दिवस

अ) साप्ताहिक कार्य दिवस	प्रात:९.०० से रात्रि ९.०० बजे तक
आ) रविवार व अवकाश के दिन	प्रात:१०.०० से रात्रि ९.०० बजे तक
इ) ग्रन्थालय खुलने के दिवस (एक वर्ष में)	३५९

ख) सदस्य व पुस्तकों का वितरण

१) सदस्यता	
क) छात्र (३१.३.२०१९ तक)	२४५१३
ख) कर्मचारी	५००९
ग) सेवानिवृत्त शिक्षक	२७
२) पुस्तकों का वितरण	
क) छात्र	४५०८०
ख) कर्मचारी	४६१०
ग) विभागीय पुस्तकालय	३८२

ग) सन्दर्भ अनुभाग

१) परामर्श सेवा

क) संदर्भ पुस्तकें परामर्श सेवा	हाँ
ख) ओपेक सेवा	हाँ
ग) डिस्प्ले बोर्ड सूचना सेवा	प्रत्येक महीने

२) बाहरी व्यक्ति का पंजीकरण

क) बाह्य पाठकों की पंजीकरण संख्या	३१२
ख) प्राप्त कुल पंजीकरण शुल्क	रू.३१,६८०.००

घ) पाठ्य-पुस्तक विभाग

पढ़ी गयी पुस्तकों की संख्या	८९,७५०(लगभग)

ड.) सं. राष्ट्र संघ व सरकारी प्रकाशन विभाग

क) सेवा प्रदान पाठकों की संख्या	२७३
ख) पढ़े गये दस्तावेजों की संख्या	१८९९
ग) पढ़े दस्तावेजों मिमियोग्राफ सहित की संख्या	२८९

च) पांडुलिपि विभाग

क) सेवा प्रदान पाठकों की संख्या	३५०
ख) पढ़े गये दस्तावेजो की संख्या	४४१
ग) दुर्लभ प्रलेखों का डिजिटाइजेशन	६०
घ) डिजिटल फोलियो की संख्या	२५३२

छ) शोध ग्रंथ अनुभाग

क) पाठकों की संख्या	१५,६९१
ख) पढ़ी गई शोध ग्रंथों की संख्या	१६७८५

ज) प्रतिलिपि इकाई

क) फोटो कापी किये गये पृष्ठों की संख्या	१,३७,४८०
ख) कार्यालयीन	२३,६००

झ) संगणक अनुभाग

क) वाई-फाई/इंटरनेट/ई-संसाधन के द्वारा सेवा (लगभग) दिए गए पाठकों की संख्या	२५००(लगभग)
ख) साइंस फाइन्डर पंजीकरण	१२
ग) इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज डिलिवरी सेवा + एण्टी प्लेगियारिज्म चैक	१२००
घ) कम्प्यूटर और नेटवर्क का रखरखाव	प्रतिदिन
ड.) प्रश्नावली का कार्य	२५
च) सर्वर और नेटवर्क प्रबंधन	प्रतिदिन
छ) सोल डेटाबेस प्रबंधन	प्रतिदिन
ज) ई-संसाधनों की चेकिंग	प्रतिदिन

ञ) दृष्टिबाधित अनुभाग

क) उपयोगकर्ताओं की संख्या	४२
ख) रिकॉर्डिंग पुस्तकों की संख्य	०२
ग) दृष्टिवाधित छात्रों को प्रदान की गई डेटाबेस की संख्या	१९८.२४ जीबी की संख्या
घ) ऑडियो डेटाबेस का आकार	०.७९ जीबी
ड.) प्रिन्ट सेवा	२२७ (पेज)

ट) जनगणना ऑकड़ा केन्द्र

क) उपयोगकर्ताओं की संख्या	२४५

ठ) शोध संरचना विभाग

क) शोध प्रोफाईल की संख्या	३५५
ख) शोधकर्ताओं को प्रदान किए गए पूर्ण पाठ लेखा की संख्या	२४३५

५. वित्त

(१ अप्रैल २०१७ से ३१ मार्च २०१८)

अ) खर्चे

क) पुस्तकें व पत्रिकाएँ रखरखाव अनुदान आवर्ती अनुदान,विलय अनुदान	रू.२,७०,१२,०४१,००
ख) प्रतिलिपि करना	रू.२,०७,३५३.००
ग) जिल्द बँधवाई	रू.२,५९,२००.००

आ) आमदनी

क) विलम्ब शुल्क	रू.३,९३,६१४.००
ख) पुस्तक भरपाई मूल्य	रू.९०,७९७.००
ग) टोकन खोना	रू.६१५.००
घ) प्रतिलिपिकरण	रू.६८,७८८.००
ड.) इंटरनेट सेवा (प्रिंट आउट)	रू.२२७.००
च) पुस्तकालय परामर्श शुल्क	रू. ३१,६४०.००
छ) अन्य शुल्क	रू.५३,३०२.००

६. साईबर लाईब्रेरी अध्ययन केन्द्र

क) इन्टरनेट सर्च विद्यार्थियों की संख्या (प्रति दिन)	९०० (लगभग प्रति दिन)
ख) साईबर लाइब्रेरी समय सेवा	प्रात: ८.०० बजे से रात्रि ११.०० बजे तक

कृषि विज्ञान संस्थान

वर्तमान सत्र के दौरान नई पुस्तकों की खरीद-४५

विदेशी प्रकाशन	-	२१
भारतीय प्रकाशन	-	२४
कुल पुस्तकालय संग्रह	-	३०,३५२

चिकित्सा विज्ञान संस्थान

चिकित्सा विज्ञान संस्थान का ग्रन्थालय १३५० वर्गमीटर में स्थित है, जिसमें २४० लोगों के बैठने का प्रबन्ध हैं। ग्रन्थालय में लगभग १ लाख पुस्तकें उपलब्ध हैं। संस्थान पुस्तकालय सभी रविवार एवं छुट्टियों में २४ घंटे खुला रहता है। इंटरनेट व फोटोकापी की सुविधा उपलब्ध है।

लाइब्रेरी में टोटल बुक्स १०५७३७(वर्तमान सत्र में ४०० सजिल्द पत्रिकाओं को शामिल करना)

प्रिंटजर्नल चिकित्सा विज्ञान संस्थान

भारतीय जर्नल – ७०

विदेशी जर्नल – ५१

ई-जर्नल्स चिकित्सा विज्ञान संस्थान पुस्तकालय

एआरएमइडी के माध्यम से	- २४३
आईएनएफएलआईबीएनइटी के माध्यम से	- ४०१

पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान

छात्रों के लिए विश्वविद्यालय की केन्द्रीय ग्रन्थालय की सुविधा के साथ-साथ संस्थान में भी ग्रन्थालय की सुविधा उपलब्ध है जिसमें २०६ पुस्तकें एवं ३ पत्रिका रखे गये हैं संस्थान के विशाल शिक्षण और अनुसंधान गतिविधि को कवर करता है।

प्रबन्धशास्त्र संस्थान

कुल पुस्तके	१९८१३
जर्नल/पीरियाडिकल्स	४५
इलेक्ट्रॉनिक संस्करण	९८
पुस्तकें जारी की और परामर्श दिया	१८३००
लाइब्रेरी खुलने का समय	सुबह ९: बजे से सांय ६बजे तक

कला संकाय

बंगाली विभाग का विभागीय पुस्तकालय है। इसमें लगभग ३५०० पुस्तकों और पत्रिकाओं से सुसज्जित पुस्तकालय है।

शिक्षा संकाय

संकाय के ग्रंथालय मे १९८१९ से अधिक पुस्तकें, १३२ शब्दकोष, ३४७ शोध थीसिस, १०८७ लघुशोध प्रबन्ध, ७५० पत्रिकाएं एवं ऑन लाइन पत्रिकायें विद्यार्थियों, शोध छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिये उपलब्ध हैं। इसके साथ ही साइबर लाइब्रेरी में ४० संगणक टर्मिनल विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए उपलब्ध हैं।

विधि संकाय

लॉ स्कूल के १६०० विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं शोध छात्रों की दृष्टि से एक बड़ा पुस्तकालय है। एल.एल.बी. के विद्यार्थी ऋण योजना के अधीन पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं। इसका क्षेत्रफल १८७०० वर्गफीट है। लगभग २५० छात्रों के बैठने की दृष्टि से एक बड़ा रीडिंग रूम यहाँ उपलब्ध है। पुस्तकालय ज्ञानार्थियों के लिए अपने खुले द्वार के साथ हमेशा उपस्थित है। लॉ स्कूल पुस्तकालय निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करता है –

पुस्तकालय संग्रह	पुस्तकों की संख्या	शामिल पुस्तकों की संख्या
पुस्तकें	५४,१९४	५६६
पीरियाडिकल्स (सजिल्द)	२९,७८१	३६६
पीरियाडिकल्स (करेंट टाइटिल्स)	७०	
पीरियाडिकल्स (बनारस लॉ जर्नल से आदान-प्रदान द्वारा)	४० विदेशी, १५२ भारतीय (कुल १९२)	
शोध प्रबंध एवं लघु शोध प्रबंध	१८८७	१०५
कुल	**८६१२४**	**१०३७**

दृश्य कला संकाय

कुल पुस्तकों की संख्या	-	१००४२
कुल शोध पत्रिकाओं की संख्या	-	४६२ (सजिल्द)
संकाय ग्रन्थालय में रिपोर्ट अवधि के दौरान सग्रंहीत पुस्तकों की संख्या	-	८६५
रंगीन स्लाईड्स	-	३२३
मूल ग्राफिक्स प्रिंट	-	३६३
सामयिक जर्नल	-	२५

वाणिज्य संकाय

विभागीय पुस्तकालय एक उल्लेखनीय संख्या में किताबों के साथ समृद्ध हो गया है। कुल मिलाकर छात्रों के परामर्श के लिए किताबें २५३९३ वाणिज्य संघ पुस्तकालय से संबंधित किताबें इस आंकडे के साथ शामिल नहीं हैं।

मंच कला संकाय

मंच कला संकाय में स्थित संगीतशास्त्र में स्थित संगीतशास्त्र विभाग में लगभग ७५०० दुर्लभ पुस्तकें, पत्रिकाएं, पांडूलिपि, समसामयिक पत्रिकाएं हैं।

संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

संकाय ग्रंथालय में लगभग २५,००० से भी अधिक पुस्तकों तथा सैकड़ों पाण्डुलिपियों का विशाल संग्रह है।

महिला महाविद्यालय

इस साल बढ़ाई गई पुस्तकों की संख्या - ४०३

नियतकालिक पत्रिकाओं की बढ़ी हुई संख्या - ०४

कुल पुस्तकालय में पुस्तक : ५४४६५

पुस्तकालय में नए संदर्भ अनुभाग की स्थापना।

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर

क) कुल पुस्तकों की संख्या - १२,९०२

ख) इस सत्र में बढ़ी हुई पुस्तकों की संख्या - ६९२

ग) निर्गत की गई पुस्तकें - ११,७५२

घ) परामर्श की गई पुस्तकें - ५५,३८२

च) ग्रंथालय के खुलने का समय

कार्य दिवसों में - ०८:००पूर्वाहन से ०८:००अपराहन

छ) कम्पूटर कक्ष की संख्या - १

ज) सहायक उपकरण के साथ कम्प्यूटर की संख्या - ६०

झ) वर्ष के दौरान परामर्श दिये गये विद्यार्थियों की संख्या- १५,७५१

संस्थानों, संकायों व महाविद्यालयों के पुस्तकालय

अनेक विभागों के पास छात्रों एवं शिक्षकों के लिए उनके अपने पुस्तकालय हैं।

१. रसायन शास्त्र विभाग

पुस्तकें	७०००

२. भौमिकी विज्ञान विभाग

पुस्तकें	४९८५
पीरियाडिकल्स	३०१

३. भूगोल विभाग

पुस्तकें	७९३०
भारतीय जर्नल	१५
विदेशी जर्नल	१५

४. भू-भौतिकी विभाग

पुस्तकें	२५००

५. आणविक एवं मानव अनुवांशिकी विभाग

पुस्तकें	५९६

६. जन्तु विज्ञान विभाग

पुस्तकें	८८६०

७. सांख्यिकी विभाग

पुस्तकें (लगभग)	४००

८. जैव रसायन विभाग

पुस्तकें	१६२१

९. भौतिकी विभाग

पुस्तकें (लगभग)	२००००

१०. गणित विभाग

पुस्तकें (लगभग)	५३२१
पीरियाडिकल्स	५०
जर्नल (लगभग)	२५३५

११. वनस्पति विज्ञान विभाग

पुस्तकें	५५८३

१२. जैव प्रौद्योगिकी स्कूल

पुस्तकें	२६२९
नई पुस्तकें	२१

१३. गृह विज्ञान विभाग

पुस्तकें	३०००

१४. डी.एस.टी.- अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान केन्द

पुस्तकें	७४५
जर्नल	६०६

१५. संगणक विज्ञान विज्ञाग

पुस्तकें	३६६२

१६. आनुवांशिकी विकार केन्द्र

पुस्तकें	७४

१७. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र

पुस्तकें	२००

१८. नेपाल अध्ययन केन्द्र

पुस्तकें	३५००
जर्नल	१४००

१९. सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन

नई पुस्तकें	१२

२०. मालवीय शांति अनुसंधान केन्द्र

प्रपत्र	२०००
समाचार पत्र	१०
जर्नल	३०

२१. भारत कला भवन

किताब	२२,५४५
पीरियाडिकल्स	६३४०
जर्नल	०८

२२. यू.जी.सी.-ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर

किताब	१८०६
जर्नल	०७

२३. महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र

पुस्तकें	३०००
जर्नल	०१
समाचार पत्र	०८
पत्रिका	०९
बुक (एडड)	५६८

२४. सेंटर ऑफ फॉरेंसिक साइंस

पुस्तकें	३५

२५. समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र

पुस्तकें	३५००

सम्बद्ध महाविद्यालयों के पुस्तकालय

१. आर्य महिला पी.जी.कॉलेज

पुस्तकें	३४४२०
जर्नल	५३
समाचार पत्र	१२
पत्रिका	२०
बुक (बुक बैंक)	१८८४

२. वसन्ता महिला महाविद्यालय

पुस्तकें	४३,६५६
जर्नल	४२
पत्रिका	११
समाचार पत्र	११

३. वसन्त कन्या महाविद्यालय

पुस्तकें	२७१२९
नई पुस्तकें	८४१
जर्नल	०६
पत्रिका	२०
प्रतिदिन समाचार पत्र	१०

४. डी.ए.वी. पी.जी कॉलेज

पुस्तकें	४५५७४
पीरियाडिकल्स	५९

विद्यालयों के पुस्तकालय

१. श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय

पुस्तकें	१००००

२. सेन्ट्रल हिन्दू ब्वाय़ज स्कूल

पुस्तकें	४००००

२.१.७ यू.जी.सी. मानव संसाधन विकास केन्द्र

मानव संसाधन विकास केन्द्र का मुख्य कार्य है- विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नव-नियुक्त अध्यापकों और प्रशासनिक अधिकारियों को दिशानिर्देशन पाठ्यक्रमों एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के द्वारा प्रशिक्षित करना। इसके अतिरिक्त यहाँ प्रशासकों के लिए कार्यशालाएं भी आयोजित की जाती हैं। समय-समय पर संगोष्ठियाँ और विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों के व्याखान भी इस सेंटर में आयोजित किये जाते हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अद्यतन दिशा निर्देशों के अनुसार दिशा निर्देशन एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित व्याख्यानों पर विशेष बल दिया जाता है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला वर्ष २००५-०६ में एचआरडीसी में स्थापित की गई है और सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित पाठ्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता रहा है।

अब तक यहाँ ५ विशेष समर स्कूल, ५ विशेष विन्टर स्कूल, ९ एकेडेमिक एडमिनिस्ट्रेटर्स कार्यशाला, ११ प्रोफेशनल डेवलपमेन्ट कार्यक्रम गैर शिक्षण कर्मचारियों हेतु, ३ प्रोग्राम शोधरत विद्यार्थियों हेतु, ८१ दिशानिर्देशन एवं निम्नलिखित विषयों में २१९ पुनश्चर्या कार्यक्रम (३१ मार्च २०१९ तक) आयोजित किये गये हैं : हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, इतिहास, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, महिला अध्ययन, पत्रकारिता, तिब्बती अध्ययन, वाणिज्य, भौतिक शास्त्र, रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणि शास्त्र, भौमिकी, भूगोल, समाज शास्त्र, गणित, विधि शास्त्र, अभियांत्रिकी, कृषि विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, तुलनात्मक साहित्य, संगीत एवं गायन और सूचना एवं संचार तकनीक अनुप्रयोग।

यू.जी.सी-मानव संसाधन विकास केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा वर्तमान वर्ष में २ दिशा निर्देशन कार्यक्रम, ७ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अन्तरविषयी पाठ्यक्रम सहित) और २ अल्पकालीन कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनसे कुल १०१५९ प्रतिभागी लाभान्वित हुए। ये प्रतिभागी विभिन्न विषयों के थे जो अरुणाचल, असम, आन्ध्रप्रदेश, मिजोरम, नागालैण्ड, पश्चिम बंगाल, बिहार, पंजाब, जम्मू कश्मीर, राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, गुजरात, त्रिपुरा, उत्तराखण्ड, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश राज्यों से थे। विभिन्न पुनश्चर्या पाठ्यक्रम इतिहास,, अंग्रेजी, पर्यावरण अध्ययन, सूचना तकनीकी, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, दर्शन एवं धर्मागम, शारीरिक शिक्षा, आयुर्वेद, तुलनात्मक साहित्य, मानवाधिकार, चिकित्सा विज्ञान, कृषि, महिला अध्ययन और संस्कृत विषयों में आयोजित हुए। इन कार्यक्रमों में देश के प्रमुख विषय

विशषज्ञों ने अपने व्याख्यान से प्रतिभागियों को लाभान्वित किया जिनमें प्रमुख रूप से डॉ. अर्चना ठाकुर (संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग), डॉ. सी.एस. झा, इसरो, हैदराबाद, प्रो. अनिल भरद्वाज, पी.आर.एल. अहमदाबाद, प्रो. अन्नपूर्णा देवी पाण्डेय, कैलीफोर्निया विश्वविद्यालय, यू.एस.ए., श्री रूपेश श्रीवास्तव, यू.एस.ए., प्रो. एम.एम. चतुर्वेदी, प्रो. मुरलीधर, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो. एस.एन. उपाध्याय, पूर्व निदेशक, आई.आईटी.-का.हि.वि.वि., प्रो. ओ. एन. श्रीवास्तव, का.हि.वि.वि., प्रो. विजयलक्ष्मी राव, जे.एन.यू., नई दिल्ली, प्रो. शसविया हुसैन, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, प्रो. के. श्रीवास्तव, एन.ई.आई.पी.ए., नई दिल्ली, डॉ. ए. के. मिश्रा, ए.आई.आई.एम.एस., नई दिल्ली और श्री एस.एस. उपाध्याय, उत्तर प्रदेश राज्यपाल के कानूनी सलाहकार प्रमुख हैं।

पाठ्यक्रम आयोजन

अन्य सुविधायें

यू.जी.सी-एच.आर.डी.सी. के व्याख्यान कक्ष और कालेज के अतिथि गृह को विश्वविद्यालय के सहयोग से आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जा रहा है। व्याख्यान कक्ष वातानुकूलित है। फरवरी २०१२ में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद बैंगलोर की टीम ने इसका निरीक्षण किया एवं कालेज के द्वारा आयोजित किए गए पाठ्यक्रमों एवं अन्य कार्यों की सराहना की तथा एक रिपोर्ट कालेज को और यू.जी.सी., नई दिल्ली को प्रेषित की।

अपनी स्थापना के समय से ही यू.जी.सी. एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज (वर्तमान में यू.जी.सी. मानव संसाधन विकास केन्द्र) राष्ट्रीय शिक्षा नीति १९८६ में सुनिश्चित किये गये उद्देश्यों की पूर्ति हेतु निरन्तर प्रयासरत है और पिछले ३२ वर्षों में इस उद्देश्य को प्राप्त करने में हमें महत्त्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
१.	दिशानिर्देशन पाठ्यक्रम-८०	जुलाई २१ से अगस्त १७, २०१८	७१
२.	दिशानिर्देशन पाठ्यक्रम-८१	नवम्बर १७ से दिसम्बर १४, २०१८	६६
पुनश्चर्या पाठ्यक्रम			
३.	चिकित्सा विज्ञान का आठवाँ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	जून ०१ से २१, २०१८	४४
४.	ह्यूमन राइट एवं लॉ का चौथा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	जनवरी १०-३०, २०१९	३७
५.	पर्यावरण अध्ययन का नौवाँ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	मई २३ से जून १२, २०१८	५९
६.	समाजिक विज्ञान का ग्रीष्मकालीन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	अक्टूबर १५ से नवम्बर ०४, २०१८	३२
७.	महिला एवं लिंग संवेदीकरण अध्ययन का १६वाँ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	दिसम्बर १८, २०१८ से जनवरी ०७, २०१९	५४
८.	तुलनात्मक साहित्य (भारतीय एवं विदेशी भाषाएं) का चौथा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	फरवरी ०७ से २७, २०१९	३५
९.	आधारभूत विज्ञान का पाचवाँ शीतकालीन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	फरवरी २६ से मार्च १८, २०१९	४५
अल्प अवधि के कार्यक्रम			
१.	मूक्स, ई-कान्टेंट विकास और ओपेन एजूकेशनल रिसोर्स की कार्यशाला	अगस्त १९ से २५, २०१८	४२
१.	अकादमिक प्रशासकों के लिए अल्प अवधि का पाठ्यक्रम	मार्च २५ से ३०, २०१९	४०
	महायोग		**५२५**

२.१.८ मालवीय भवन

मालवीय भवन, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के आदरणीय संस्थापक व शीर्षस्थ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. मदन मोहन मालवीय जी का पूर्व आवास होने के साथ-साथ विश्वविद्यालय-परिसर का मुख्य स्मारक भवन भी है और यह १९६१ में मालवीय-शताब्दी वर्ष के अवसर पर जनसाधारण के दर्शन हेतु खोल दिया गया था। मालवीय-भवन मालवीयजी की शिक्षा उनके विचारों, उनके अतिप्रिय विषयों की पढ़ाई और जीवन के ऊपर शोध -कार्य के दायित्व का निर्वहन भी करता है। मालवीय भवन में निम्नलिखित प्रकल्प कार्यरत हैं –

१. योग साधना केन्द्र
२. गीता -समिति
३. गीता-योग पुस्तकालय
४. सभागृह एवं
५. मालवीय-मूल्य अनुशीलन केन्द्र

सुविधाएं और कार्यक्रम

योग साधना-केन्द्र

मालवीय भवन के प्रथम मानित निदेशक प्रो.टी.आर. अनन्तरमन जो बाद में रेक्टर भी बने, के सतप्रयास से सन् १९७५ में वसन्त पंचमी के दिन योग साधना केन्द्र की स्थापना हुई। यह काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में योग के प्रशिक्षण, निर्देशन और शोध कार्य की अन्तरानुशासनिक शैक्षणिक संस्था है और योग के क्षेत्र में विश्वविद्यालय –परिसर में होने वाली सभी गतिविधियों का केन्द्र बिन्दु है। यहाँ दो तरह के पाठ्यक्रम संचालित होते हैं:

१. योग में सर्टिफिकेट एवं
२. योग में डिप्लोमा।

वर्तमान सत्र में उक्त पाठ्यक्रमों में प्रतिभागियों की संख्या निम्नवत् है:

पाठ्यक्रम	पुरुष	महिला	विदेशी	कुल
सर्टिफिकेट कोर्स इन योग	१२४१	१०१८	१५	२२७४
डिप्लोमा इन योग	१०९	११२	५	२२६

योग सर्टिफिकेट एवं योग डिप्लोमा पाठयक्रमों में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के आचार्यों द्वारा कुल तीस व्याख्यान हुए। इसके अतिरिक्त तीन विशिष्ट व्याख्यानों का आयोजन किया गया। मार्च मास में प्रथम व्याख्यान जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो. रामनाथ झा का एवं द्वितीय व्याख्यान स्वामी डॉ. रामकमल दास वेदान्ती जी महाराज का हुआ। इसी क्रम में अप्रैल मास में मानस के सुप्रसिद्ध कथावाचक पूज्य श्री अतुल कृष्ण जी भारद्वाज का विशिष्ट व्याख्यान गीतोक्त योग शास्त्र पर हुआ।

उक्त कार्यक्रमों की अध्यक्षता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. राकेश भटनागर ने की। जून मास के प्रथम सप्ताह में पंचम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन के अन्तर्गत दिनांक ०६ जून से २०जून,२०१९तक पंचदश दिवसीय प्रात: एवं सायंकालीन योग-कार्यशाला की गई। इस कार्यशाला में लगभग कुल ८०० छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/कर्मचारियों ने भाग लिया। उक्त कार्यशाला में विशिष्ट व्याख्यानों का आयोजन भी किया गया। प्रथम व्याख्यान दिनांक ०६.०६.२०१९ को मालवीय भवन के मानित निदेशक प्रो. उपेन्द्र पाण्डेय का ''गीता एक सार्वभौमिक ग्रन्थ'' विषय पर हुआ। द्वितीय व्याख्यान दिनांक ०९.०६.२०१९ को श्री पूर्णानन्द अजपा योग संस्थान के संस्थापक श्री गुरूप्रसाद जी महाराज, एवं उनके सहयोगी श्री नीरज गोस्वामी का योग से सम्बद्ध विषय पर हुआ। इस क्रम में आध्यात्मिक व्याख्यान गीता-योग विषय पर दिनांक १५.०६.२०१९

को सांय ५.०० बजे से हुआ। उपर्युक्त व्याख्यानों के अतिरिक्त लेख, भाषण, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी एवं योगासन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। पंचम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस २१ जून, २०१९ के अवसर पर प्रात: ७ बजे से ८ बजे तक आयुष मंत्रालय द्वारा निर्दिष्ट सामूहिक सामान्य योगाभ्यास का आयोजन माननीय कुलपति जी के नेतृत्व में मालवीय भवन परिसर में सम्पन्न हुआ। मुख्य आयोजन के अन्तर्गत प्रात: १० बजे से आयोजित संगोष्ठी में सफल प्रतिभागियों को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति एवं रेक्टर महोदय के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया गया तथा योग साधना केन्द्र के सभी अनुदेशकों को भी सम्मानित किया गया।

गीता- समिति

गीता प्रवचन महामना द्वारा सुनिश्चित महनीय प्रकल्पों में से एक है। महामना जी समय-समय पर स्वयं भागवत, पुराण गीता आदि विषयों पर प्रवचन किया करते थे। गीता समिति द्वारा मालवीय भवन में प्रति रविवार गीता प्रवचन होता है। वर्तमान सत्र में कुल ३६ प्रवचन सम्पन्न हुए हैं, जिनमें ८ विशिष्ट प्रवचन हुए हैं। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट प्रवचन सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजाराम शुक्ल जी का हुआ। इसी क्रम में मथुरा के मानस –कथा के मर्मज्ञ श्री अतुलकृष्ण भारद्वाज, भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सचिव सदस्य प्रो. रजनीश शुक्ल, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, प्रो. ए.डी.एन. वाजपेयी, अहमदाबाद गुजरात के आचार्य महामण्डलेश्वर विशोकानन्द भारतीय जी महाराजा तथा संस्कृत विद्या धर्मविज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के वेद विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हृदय रंजन शर्मा जी के विशिष्ट गीता- प्रवचन हुए। सम्पूर्ति सत्र में महामना मालवीय मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रभुनारायण श्रीवास्तव का प्रवचन हुआ

महामना सभागार (सभागृह)

मालवीय भवन के सभागृह में विश्वविद्यालय के सभी महत्वपूर्ण सांस्कृतिक वा धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है। अगस्त २०१८ में मालवीय भवन के सभागृह में कृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व आयोजित हुआ। यह सभागृह नियमित रूप से योग से सम्बंधित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, गीता, योग व मूल्य शिक्षा से सम्बद्ध व्याख्यानों तथा संगोष्ठियों के लिये उपयोग में लाया जाता है। इस वर्ष मालवीय भवन के सभागृह में मालवीय भवन के शताब्दी समारोह का सत्र २०१८-१९ में आयोजित कार्यक्रम इस प्रकार हैं नौ दिवसीय महामना मानस- कथा का शुभारम्भ मथुरा से पधारे हुए सुप्रसिद्ध मानस- कथा मर्मज्ञ श्री अतुलकृष्ण भारद्वाज जी महाराज के द्वारा दिनांक १८ अगस्त ,२०१८ तक सायं ५ से ८ बजे तक तथा साथ ही मालवीय जयन्ती के अवसर पर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा के संस्कृत विभाग के आचार्य डॉ. जयशंकर झा द्वारा भागवत – कथा सम्पन्न हुई।

मालवीय- मूल्य अनुशीलन केन्द्र

मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र विगत कई वर्षों से उच्च शिक्षा के अर्न्तगत नैतिक एवं मानवीय मूल्यों की स्थापना हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता आ रहा है।

२.१.९. भारत कला भवन

भारत कला भवन, कला एवं पुरातत्व का एक विश्वविद्यालयीय संग्रहालय है तथा यह मुगल एवं राजस्थानी शैली की भारतीय चित्रकला के समृद्ध संकलनों के साथ-साथ मूर्ति, वसन, सिक्के तथा भारतीय साहित्य पुरातत्व की हस्तलिखित पाण्डुलिपियों आदि ख्याति प्राप्त संग्रहों के लिये विश्वविख्यात है। इस संग्रहालय में लगभग १.५ लाख से भी अधिक दुर्लभ वस्तुओं का विशाल संग्रह है। जिनके विविध विधा के उत्कृष्ट संग्रहों को भूतल एवं प्रथम तलमें स्थित १३ वीथिकाओं में प्रदर्शित किया गया है, जिसके अवलोकनार्थ राष्ट्रीय एवं अन्तर राष्ट्रीय दर्शक निरन्तर आते रहते हैं। स्थानीय एवं विदेशी पर्यटकों, दर्शकों के अतिरिक्त यह संग्रहालय देश एवं विदेश के विद्यार्थियों, शोध-छात्रों एवं विद्वानों के शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति भी करता है। भारत कला भवन का अपना एक समृद्ध पुस्तकालय भी है जो कला एवं पुरातत्व के एक उत्कृष्ट सन्दर्भ पुस्तकालय के रूप में जाना जाता है।

वर्तमान सत्र में भारत कला भवन संग्रहालय के विक्रय पटल द्वारा प्रवेश शुल्क, छायाचित्रण तथा प्रकाशन से अर्जित आय रू.४,१२,१८२/-की है।

दर्शक

भारतीय	-१२१६६×२०	= २,४३,३२०/-
छात्र	--४७३३×१०	= ४७,३३०/-
विदेशी	-२७०७×२५०	= ६७६,७५०
		९,६७,४००/-

वर्तमान सत्र के दौरान निम्न कार्य किये गये

- भारत कला भवन की निधि एवं अलंकरण कला दीर्घा का इन्फोसिस फाउण्डेशन के सौजन्य से आधुनिकीकरण किया गया।
- भारत कला भवन में २०० केवी का सौर उर्जा पॉवर प्लाण्ट यूनिट स्थापित किया गया।

- वसन एवं अलंकरण कलावस्तुओं के प्रलेखन, फोटोग्राफी एवं भौतिक सत्यापन का कार्य किया गया।
- भारत कला भवन के मुद्रा विभाग संग्रह के ३२२०२ सिक्कों का मूल्यांकन कार्य किया गया।
- भारत कला भवन के चित्र विभाग संग्रह के १३५०० लघु चित्रों का मूल्यांकन कार्य किया गया।
- भारत कला भवन के मृण्मूर्ति विभाग संग्रह के ४४१९ टेराकोटा का मूल्यांकन कार्य किया गया।
- भारत कला भवन के अलंकरण विभाग के १२०८कला वस्तुओं का मूल्यांकन कार्य किया गया।
- भारत कला भवन के संकलनों से लगभग ६२००० कलावस्तुओं का छायांकन किया गया।
- भारत कला भवन के चित्र कला विभाग भण्डारण कक्ष के रख-रखाव तथा उनमें संरक्षित प्रदर्शों की पहचान, माप तथा आवश्यक संरक्षण के कार्य किये गये।

प्रदर्शनी/संगोष्ठी/कार्यशाला/अनुदान

- भारत कला भवन के चित्रकला संग्रहो में से आधुनिक चित्रकारों के चित्रों की प्रदर्शनी ०१ जनवरी २०१८ से १२ जून २०१८ तक कराई गयी।
- वर्षा ऋतु के अवसर पर भारत कला भवन के चित्र कला संग्रहों में से ''पावस'' प्रदर्शनी २७ जून से १६ जुलाई जक लगाई गई।
- डॉ. राधाकृष्ण गणेशन, वरिष्ठ कलाकार भा. क.भ. की एकल छायाचित्र प्रदर्शनी ''साधुस् ऑफ बनारस'' अगस्त २०१८ को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा पाण्डिचेरी में आयोजित।
- श्री लीलाधन मण्डलोयी, निदेशक दूरदर्शन नई दिल्ली द्वारा दिनांक ०६ सितम्बर से ०५ अक्टूबर २०१८ तक 'देखा–अदेखा' नामक अमूर्त छायाचित्र प्रदर्शनी भारत कला भवन में लगाई गयी।
- न्ययार्क अमेरिका के चित्रकार कैटरीना अब्रमोवा द्वारा दिनांक २५ अक्टूबर से १७ नवम्बर २०१८ तक 'द विण्डो' नामक चित्र कला प्रदर्शनी भारत के प्रबुद्ध कलाकारों द्वारा १७ फरवरी को भारत कला भवन में आयोजित की गयी।

इस वर्ष हमारे सहकर्मियों ने विविध गतिविधियों में सहभागिता की:

- इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र द्वारा पाण्डिचेरी में आयोजित डॉ. राधाकृष्ण गणेशनकी प्रदर्शनी ''साधूस् ऑफ बनारस'' पर एक सचित्र कैटलॉग प्रकाशित किया गया।
- डॉ. देवेन्द्र बहादुर सिंह (सहायक संग्रहालयाध्यक्ष) ने वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर, बम्बई द्वारा आयोजित १०२ वीं राष्ट्रीय न्यू मिस्मेटिक्स सोसाइटी ऑफ इन्डिया में ३० अगस्त से ०१ सितम्बर २०१८ में सहभागिता की।
- श्री दीपक भरथन अलथुर (सहायक संग्रहाध्यक्ष) ने शिवाली संग्रहालय, मुम्बई द्वारा आयोजित क्यूरेटोरियल कार्यशाला '२१वीं शदी में भारतीय कला प्रदर्शनी: संभावनाये एवं चुनौतिया' में सहभागिता की।

- डॉ. प्रियंका चन्द्रा (सहायक संग्रहाध्यक्ष) ने इ.-पी.जी. पाठशाला प्रोजक्ट में नारी थियेटर एवं ललित कला के अर्न्तगत एक लेखक के रूप में कार्य किया। जो नेशनल मिशन ऑन एजूकेशन यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित था।
- श्री स्वतन्त्र कुमार सिंह (वीथिका परिचारक) ने कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार द्वारा ०६-०८ फरवरी २०१९ को आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में सोनभद्र के रॉक आर्ट पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रमुख दर्शक

दस हजार से अधिक दर्शन (२७०७ विदेशी तथा १६८९९ भारतीय) इस वर्ष संग्रहालय आमंत्रित हुए। भारत कला भवन के रजिस्टर पर प्रमुख दर्शकों की सम्भातियां लिखवाई गयी।

प्रमुख दर्शकों की सूची: लेफ्टिनेन्ट जनरल, निर्भय शर्मा मिजोरम; बी नरेन्द्र पटेल, कालेज ऑफ मैटेरियल मैनेजमेंट, जबलपुर; न्यायमूर्ति वी.के. दीक्षित, पूर्व न्यायाधीश इलाहाबाद हाईकोर्ट; वैन डेन हौता पीटर, बेल्जीयम; येलेर वैन डेन, बेल्जीयम; यूनिक बईज, बेल्जीयम; प्रो. राकेश भटनागर, कुलपति काशी हिन्दू विश्वविद्यालय; यश एण्ड उषा सिम्हा, साउथर्नटन, इंग्लैण्ड; एअर चीफ मार्शल अरूप राहा; श्रेउमा मन्जर, इजराइल एम्बेसी।; सैयद परजम अली, बाग्लादेश हाई कमीशनर, नई दिल्ली।

भारत कला भवन में आयोजित न्यूयार्क की चित्रकार कैटरीना अब्रमोवा की चित्र प्रदर्शनी 'द विण्डो' का शुभ उद्घाटन प्रो. राकेश भटनागर, कुलपति का.हि.वि.वि. ने किया

संग्रहालय दिवस के अवसर पर एक विशिष्ठ 'टीपू सुल्तान का शंख' जन अवलोकनार्थ भारत कला भवन में प्रदर्शित किया गया।

२.२. दक्षिणी परिसर

२.२. दक्षिणी परिसर

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा संचालित एक मानकीकृत शैक्षिक संस्था के रूप में (इजारा/पट्टा) भारतमंडल ट्रस्ट द्वारा १ अप्रैल १९७९ में स्वीकृत किए गए ११०४ हेक्टेयर भूखण्ड में विस्तारित है। यह मीरजापुर शहर से लगभग ८ किमी. दक्षिण पश्चिम राबर्टसगंज राजमार्ग पर स्थित है।

मुख्य कार्य

दिनांक ०८ व ०९ अप्रैल, २०१८ को आयुर्वेद व योग में नये प्रगति एवं भविष्य के परिप्रेक्ष्य में, अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ०२ अप्रैल से ०९ अप्रैल, २०१८ तक व्यक्तित्व प्रबंधन पर सात दिवसीय कार्यशाला; दिनांक १४ अप्रैल २०१८ को अम्बेडकर जयंती; २१मई, २०१८ आतंकवाद निरोध दिवस; ०५ जून,२०१८ को विश्व पर्यावरण दिवस;२१ जून,२०१८ को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस; दिनांक ०४ जुलाई,२०१८ को शैक्षणिक सत्र २०१८-१९ का शुभारम्भ; ११२वीं जयंती २३ जुलाई, २०१८को चन्द्रशेखर जयंती; दिनांक ०३ अगस्त,२०१८ को नवनियुक्त आचार्य प्रभारी का उद्बबोधन; ०७ अगस्त,२०१८ को एक दिवसीय अभिसंस्करण कार्यक्रम; १२ अगस्त, २०१८ को परिसर में पौधरोपण अभियान; ७२वां स्वतंत्रता दिवस समारोह २०१८; ०३सितम्बर,२०१८ को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी; दिनांक ५ सितम्बर, २०१८ को शिक्षक दिवस समारोह; दिनांक ०९ सितम्बर,२०१८ को स्वास्थ्य सेवाओं एवं नये भवनों का उद्घाटन; १० अक्टूबर, २०१८ से १२ अक्टूबर,२०१८ तक डीडीयू कौशल केन्द्र के छात्र-छात्राओं के लिए तीन दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सी एम ई) तथा अभिसंस्करण (ओरिएटेशन) कार्यक्रम का आयोजन; दिनांक १९ सितम्बर, २०१८ को कार्यकारिणी परिषद सदस्य का परिसर भ्रमण; दिनांक २७ सितम्बर, २०१८ को विश्व पर्यटन दिवस; २३सितम्बर,२०१८ से २९ सितम्बर,२०१८ तक तनाव प्रबंधन पर सात दिवसीय कार्यशाला; ०२ अक्टूबर,२०१८को गाँधी जयंती; ०३ अक्टूबर,२०१८ को रक्तदान शिविर; १० से १२ अक्टूबर, २०१८ तक दर्द प्रबंधन एवं आराम की विधाओं पर आधारित तीन दिवसीय कार्यशाला; वासंतिक नवरात्र के शुभअवसर पर विशेष चंडी यज्ञ; दिनांक २६ अक्टूबर,२०१८ को आयुर्वेदिक उपायों द्वारा रोगों/बीमारियों से बचाव विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; दिनांक २७ अक्टूबर,२०१८ को पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय का उद्घाटन तथा एडवाइजरी कमेटी की बैठक; महामना जयंती, मालवीय दीपावली व भागवत परायण कथा; १७ जनवरी, २०१९ को विवेकानन्द जयंती (राष्ट्रीय युवादिवस समारोह); २४ व २५ जनवरी,२०१८ को वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता; गणतंत्र दिवस समारोह; दिनांक २८ से ३० जनवरी, २०१९ को युवा महोत्सव दिशा-२०१९; दिनांक ०१ से ०७ फरवरी, २०१९ तक ट्रांस्जेन्टल मेडिटेशन पर एक साप्ताहिक कार्यशाला; दिनांक १० फरवरी २०१९ को वसंत पंचमी समारोह; दिनांक २२ से २६ फरवरी, २०१९ तक अन्तर संकाय युवा महोत्सव स्पंदन; दिनांक २७ फरवरी, २०१९को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आयोजित शिविर; दिनांक २८फरवरी,

२०१९ को मैनेजमेन्ट फेस्ट ''कृषि संग्राम''; दिनांक २८ फरवरी, २०१९ से १६ मार्च २०१९ तक शिक्षक विकास कार्यक्रम; ०२ मार्च,२०१९को युवा महोत्सव कलरव; दिनांक ०७ मार्च,२०१९को उन्नत तकनीकी एवं सरोगेसी के माध्यम से उच्च देशी गायों की नस्लों का संवर्धन; राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, का.हि.वि.वि. द्वारा वर्तमान सत्र में विविध कार्यक्रम आयोजित कराए गए।

विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अनुसंधान सुविधाएं

- नवस्थापित केन्द्रीकृत संगणक प्रयोगशाला की शुरूआत हुई है। इस प्रयोगशाला में २२ नये कम्प्यूटर्स आज के समय के अनुसार नये साफ्टवेयर पैकेज युक्त सुसज्जित हैं जो कि विद्यार्थियों तथा शिक्षकों के लिए उपयोगी हैं।
- छात्रों तथा कर्मचारीगण हेतु कैम्पस बस सुविधा का इसी सत्र से शुभारम्भ किया गया है।
- इसी सत्र से तीन नये छात्रावासों का संचालन शुरू हुआ है जिनके नाम कैलाश व हिमगिरी पुरूष छात्रावास तथा हिमाद्री महिला छात्रावास हैं।
- एमसीए पाठ्यक्रम के पूर्ण सुविधायुक्त संगणक प्रयोशाला की स्थापना हुई जिसमें उच्चतकनीक वाले सर्वर व डिस्प्ले स्क्रीन की सुविधा प्रदान की गई है।
- दक्षिणी परिसर पूर्णतया वाई-फाई परिसर है। यह संगणक केन्द्र, रा.गाँ.द.प. के सहायक समन्वयक डॉ. मनोज कुमार मिश्रा के कुशल निर्देशन में कार्यरत है।
- एम.बी.ए. (ए.बी.) के छात्रों के लिए संगणक प्रयोगशाला है जिसमें छात्रों को प्रबंधन सूचना प्रणाली एवं प्रौद्योगिकी उपकरणों के विभिन्न पहलुओं को जानने की सुविधा उपलब्ध है।
- एम.सी.ए. में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए सभी सुविधाओं से युक्त नवनिर्मित कम्प्यूटर लैब उपलब्ध है।
- राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में लगभग २ हेक्टेयर भूमि एस.एस.सी.(एजी.) इन एग्रोफोरेस्ट्री के छात्रों को शोध कार्य हेतु प्रदान की गई है जो शरीफा, अमरूद और बेल कृषि बागवानी प्रणाली पर आधारित है।
- राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में आयुर्वेदिक फार्मेसी प्रयोगशाला एम.फार्म. (आयुर्वेद) के छात्रों के लिए उपलब्ध हैं जिसमें विभिन्न उपकरण जैसे फोरियर ट्रान्सफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, यू.वी.स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एटोमिक एब्जार्प्शन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रोटरी इवैपोरेटर, इन्क्यूबेटर्स, फर्नेस, ऑटोक्लेव, टैबलेट पंचिंग मशीन, टैबलेट पैकेजिंग मशीन, पिल मेकिंग मशीन, डिस इन्टीग्रेशन टेस्टर, हार्डनेस टेस्टर, लेमिनार एयरफ्लो यू.वी. चेम्बर, कैप्सूल फिलिंग मशीन,टिशू होमोजेनाइजर, टिशू बाथ, इलेक्ट्रो कन्वल्जीयोमिटर, डिसटिलेशन एसेम्बली उपलब्ध है।
- राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में पादप जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला उपलब्ध है जिसमें विभिन्न उपकरण जैसे हारिजॉन्टल इलेक्ट्रोफोरेसिस यूनिट, मिनी स्पिन, रेफ्रीजरेटेट माइक्रोसेंट्रीफ्यूज, आइस फ्लेकिंग मशीन, वाटर बाथ, वोटैक्स, लेमिनार एयरफ्लो, थर्मलसाइक्लर, जेल डाक्यूमेंटेशन सिस्टम, और्बीटल शेकिंग सिस्टम, डीप फ्रीजर, फ्लोर सेंट्रीफ्यूज, इनवर्टेड माइक्रोस्कोप, यू.वी.स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, प्लांट ग्रोथ चेम्बर, टिशू कल्चर फैसिलिटी उपलब्ध है।
- राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में नये निर्माण कार्य भी अपने अन्तिम चरण की ओर अग्रसर है जिसमें विशेष रूप से निर्माणाधीन नवीन लेक्चर थियेटर काम्पलेक्स, नवीन प्रयोगशाला, सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल तथा वेटनरी एवं एनिमल साइंसेज के भवन आदि सम्मिलित हैं।
- इस वर्ष से दक्षिणी परिसर में आधुनिक आधारभूत संरचनायुक्त सुविधाएं छात्रों तथा कर्मचारीगणों हेतु उपलब्ध करायी जा रही हैं जिसमें मुख्यत: बास्केटबॉल कोर्ट, टेनिस कोर्ट, नव निर्मित दुकानें, कैन्टीन सुविधा तथा सौर ऊर्जा द्वारा संचालित विद्युत परियोजना का संचालन सम्मिलित है।

२.३. विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत संचालित महाविद्यालय

२.३.१. आर्य महिला पी.जी. कॉलेज
२.३.२. वसन्त महिला महाविद्यालय
२.३.३. वसन्त कन्या महाविद्यालय
२.३.४. दयानन्द महाविद्यालय (डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज)

२.३.१. आर्य महिला महाविद्यालय

देश की शैक्षिक गतिविधियों को निरन्तर अग्रसर करने एवं कला, संस्कृति, ज्ञान-विज्ञान के धरोहर को विकसित करने तथा स्त्रियों को स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से महर्षि ज्ञानानन्द जी की कर्मठ एवं सुयोग्य शिष्या श्रीमती विद्या देवी के योगदान से सन् १९५६ में इस महाविद्यालय की स्थापना की गयी। आज इस महाविद्यालय में सुचारू रूप से स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं का अध्ययन-अध्यापन तथा शोध कार्य हो रहा है। काशी का यह प्रतिष्ठित प्राचीन संस्थान महर्षि ज्ञानानन्द जी द्वारा संस्थापित तथा श्री आर्य महिला हितकारिणी महापरिषद् द्वारा संचालित है।

अपने सामाजिक दायित्व के निर्वहन में महाविद्यालय प्रतिवर्ष १५ जरूरतमंद छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए स्त्री सशक्तिकरण को बहुआयामी स्वर प्रदान करता है। महाविद्यालय में अशक्त तथा शारीरिक रूप से अक्षम छात्राओं को भूमि तल से अन्य तलों पर जाने के लिए लिफ्ट की व्यवस्था की गयी है।

शैक्षणिक एवं शिक्षणेतर गतिविधियाँ

- वर्तमान सत्र का आरम्भ ०९ जुलाई २०१८ से हुआ। कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर छात्राओं ने विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। शिक्षक दिवस के अवसर पर स्नातक कला, सामाजिक विज्ञान, स्नातक, वाणिज्य, शिक्षाशास्त्र विभाग तथा स्नातकोत्तर कक्षा की छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया साथ ही प्राध्यापिकाओं को सम्मानित किया गया।
- इसके अतिरिक्त स्वतंत्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस तथा सरस्वती पूजनोत्सव के अवसर पर छात्राओं ने एकल नृत्य, समूह नृत्य, सितार वादन इत्यादि सुरुचिपूर्ण एवं सुन्दर प्रस्तुतियाँ कर अपनी बहुविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया।

संस्कृत विभाग

- ३०.०८.२०१८ को 'संस्कृतपाठचर्या- कार्यक्रम के अन्तर्गत' ''संस्कृतभाषा एवं साहित्य की समझ'' विषय पर प्रो. राजीव रंजन सिंह, पूर्व अध्यक्ष, श्रमणविद्यासंकाय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी का द्विदिवसीय व्याख्यान आयोजित हुआ।
- दिनांक ३१.०१.२०१९ को महाविद्यालयीय पूर्व छात्रा समीति, संस्कृत विभाग एवं शिक्षा शास्त्र विभाग के संयुक्तत्त्वाधान में ''सामाजिक विकास एवं मानवमूल्य'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- २२.०२.२०१९ से २६.०२.२०१९ तक काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित (युवामहोत्सव) 'स्पन्दन' (२०१९) के अन्तर्गत आयोजित होने वाली संस्कृतभाषण स्पर्द्धा, वाद-विवाद स्पर्द्धा, निबन्धस्पर्द्धा एवं स्वरचित काव्यपाठ स्पर्द्धा में संस्कृत विभाग की छात्राओं ने सहभागिता की, जिनमें प्रतीति आर्या, एम.ए. उत्तरार्द्ध ने निबन्ध- प्रतियोगिता में तृतीय स्थान एवं अनुष्का, एम.ए. उत्तरार्द्ध ने स्वरचित संस्कृतकाव्य स्पर्द्धा में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- डॉ. चन्द्रकान्ता राय द्वारा दिनांक १७ सितम्बर, २०१८ को हरिश्चन्द्र बालिका इण्टर कॉलेज में 'संस्कृति भारती' एवं लोकमान्य

सार्वजनिक श्री गणेशोत्सव द्वारा आयोजित 'सामाजिक समरसता वर्ष' के आयोजन के उपलक्ष्य में 'काशी की कन्या मणिकर्णिका मनु' 'महारानी लक्ष्मीबाई' विषय पर व्याख्यान; राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, वाराणसी तथा डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, वाराणसी की ओर से 'शकुन्तला का अभिज्ञान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिनांक २० नवम्बर २०१८ को व्याख्यान प्रस्तुत किया गया; गाजीपुर नगर में आयोजित विचारगोष्ठी 'आज के सन्दर्भ में स्वामी विवेकानन्द' विषय पर दिनांक १३ जनवरी, २०१९ को बीज वक्तव्य; न्यू होराइजन एकेडमी, गाजीपुर में दिनांक १२ जनवरी, २०१९ को 'संस्कृतशिक्षण के मूल सिद्धान्त' विषय के अन्तर्गत कक्षा ८ के विद्यार्थियों को संस्कृत व्याकरण का शिक्षण; संस्कृत विभाग, पी.जी. कॉलेज, गाजीपुर के विभागीय शोध समिति में २१ फरवरी, २०१९ को बाह्यपरीक्षक रही।

- डॉ. राय ने स्वामी सहजानन्द पी.जी. कॉलेज, गाजीपुर में राष्ट्रीय सेवायोजना के समापन शिविर में दिनांक २१ फरवरी, २०१९ को विशिष्ट अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।
- काशी ब्राह्मण समाज की ओर से आयोजित पं. विद्यानिवास मिश्र जी की पावन पुण्यतिथि पर दिनांक १४ फरवरी, २०१९ को डॉ. पुष्पा त्रिपाठी को सम्मानित किया गया।

हिन्दी विभाग

- दिनांक १४ सितम्बर, २०१८ को अन्तरविद्यालयीय काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस काव्यगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. अखिलेश दूबे, महात्मा गाँधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा उपस्थित थे। इस काव्यगोष्ठी में विभिन्न विद्यालयों/महाविद्यालयों से आये हुए ७० छात्र/छात्राओं ने स्वरचित काव्यपाठ प्रस्तुत किया।
- दिनांक ०५.१०.२०१८ को महाविद्यालय की संस्थापिका पूजनीया श्रीमती विद्यादेवी जी के आविर्भाव-स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में **'नैतिकता एवं मूल्यबोध'** विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- २१ जनवरी, २०१९ को 'रामचरितमानस में निहित मानव-मूल्य : अन्तरराष्ट्रीय परिदृश्य' विषयक अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में श्री राजेन्द्र अरुण, मारिशस तथा विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ. विनोद बाला अरुण मारिशस इस आयोजन में उपस्थित रहे।
- डॉ. मीनाक्षी मिश्रा द्वारा दिनांक ०७.०२.२०१९ से २७.०२.२०१९ तक का.हि.वि.वि. (एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज) में यू.जी.सी, एच.आर.डी.सी. द्वारा आयोजित तुलनात्मक चतुर्थ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, विषय- 'समकालीन सन्दर्भ में भारतीय भाषाओं में रामकथा' को पूर्ण किया गया।
- दिनांक ०१ मार्च, २०१९ को 'साहित्य की आवश्यकता: जीवन का प्राणतत्व' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- ८ मार्च, २०१९ को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'वैश्विक पटल पर स्त्री' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- ३० मार्च, २०१९ को हिन्दी विभाग द्वारा छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के निमित्त प्रयागराज में स्थित महादेवी वर्मा निवास स्थल एवं आनंद भवन ले जाया गया।
- दिनांक ०५.१०.२०१८ को महाविद्यालय में चलाये जा रहे विमर्श व्याख्यानमाला के अन्तर्गत आई.क्यू.ए.सी. एवं हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में 'समकालीन साहित्य की अवधारणा: वाद एवं विमर्श विषय पर प्रो. रामकीर्ति शुक्ल, पूर्व अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग, का.हि.वि.वि., के व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- दिनांक १२ मार्च, २०१९ को 'अंग्रेजी का अलौकिक साम्राज्य' ''मेटाफिजीकल एम्पायर ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज'' विषय पर प्रख्यात मीडिया विश्लेषक अभय कुमार दूबे, निदेशक, भारतीय भाषा कार्यक्रम विकासशील समाज अध्ययनपीठ, (सी.एस.डी.एस. नई दिल्ली) के व्याख्यान का आयोजन किया गया।

दर्शनशास्त्र विभाग

- विभाग द्वारा ७ अक्टूबर से ९ अक्टूबर तक दर्शनशास्त्र विषयक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इस व्याख्यानमाला में मुख्य वक्ता के रूप में विभाग की अवकाश प्राप्त एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. उमापन्त उपस्थित रहीं।
- २० सितम्बर, २०१९ को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. ममता गुप्ता को रोटरी क्लब, वाराणसी द्वारा सम्मानित किया गया।
- १७ नवम्बर, २०१८ को विश्व दर्शन दिवस के अवसर पर विभाग द्वार 'योग दर्शन की महत्ता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- २७ फरवरी, २०१९ को 'सांप्रदायिक सौहार्द' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- ३१ मार्च, २०१९ को दर्शनशास्त्र बी.ए. (ऑनर्स) के अन्तिम वर्ष की छात्राओं एवं एम.ए. की छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण हेतु भगवान् पार्श्वनाथ जन्मस्थली, श्वेताम्बर एवं दिगम्बर जैन मन्दिर, भेलुपूर, वाराणसी ले जाया गया।

बांग्ला विभाग

- बी.एड. तृतीय वर्ष (बांग्ला) की छात्रा पूजा विश्वास को अधिकतम् अंक प्राप्त करने पर बी.एच.यू. गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।
- २० सितम्बर, २०१९ को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. ममता गुप्ता को रोटरी क्लब, वाराणसी द्वारा सम्मानित किया गया।
- आई.आई.टी. बी.एच.यू. काशीयात्रा २०१९ में 'तूलिका' में रिया सामन्ता को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- दिनांक २४.०४.२०१९ को अखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन की परीक्षा 'विशारद' में प्रथम पुरस्कार पूजा विश्वास, द्वितीय पुरस्कार, सुमन गुप्ता, स्नेहिल पाल और संजू कुमारी व तृतीय पुरस्कार अफसाना बेगम को प्राप्त हुआ।
- दिनांक २१.०२.२०१९ को महिला महाविद्यालय बी.एच.यू. में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ. बिन्दु लाहिड़ी, एसोसिएट प्रोफेसर, बांग्ला विभाग द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक १०.०४.२०१९ को मिरसराय, चटोग्राम, बांग्लादेश में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय कवि समागम में डॉ. झुमुर सेनगुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, बांग्ला विभाग द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।
- दिनांक ३०.०४.२०१९ को हिन्दी विभाग, बी.एच.यू. द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'स्त्री लेखन के आदि हस्ताक्षर' विषय पर डॉ. स्वप्ना बन्द्योपाध्याय द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

अंग्रेजी विभाग

- दिनांक २९.०९.२०१८ को विभाग द्वारा भारत और शांति विषय पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।
- दिनांक १४.०२.२०१९ को 'इक्कीसवीं सदी में साहित्य' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दिनांक ३०.०३.२०१९ को 'मतदाता जागरूकता अभियान' विषय पर पोस्टर-मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दिनांक ०६.०४.२०१९ को अंग्रेजी विभाग द्वारा 'अंग्रेजी काव्य' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा से प्रोफेसर उदय शंकर ओझा तथा विशिष्ट वक्ता के रूप में का.हि.वि.वि. से प्रोफेसर लता दुबे जी उपस्थित रहीं।
- अम्बेडकर जयंती के अवसर पर दिनांक २३.०४.२०१९ को 'सामाजिक एकता' विषय पर अन्तर्महाविद्यालयीय 'रचनात्मक लेखन' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- सत्र २०१८-१९ से विभाग द्वारा **कैम्ब्रिज क्लासेस** तथा आर्य महिला पी.जी. कॉलेज के संयुक्त तत्त्वावधान में कला एवं सामाजिक वर्ग की छात्राओं के निमित्त डॉ. अमित कुमार शुक्ला के निर्देशन में ''इंग्लिश स्पोकेन क्लासेस'' चलाया गया।
- विभाग द्वारा बी.ए. (ऑनर्स) षष्ठ सेमेस्टर एवं एम.ए. प्रथम वर्ष व अन्तिम वर्ष की छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के लिए रामनगर किला ले जाया गया।

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग

- दिनांक ६.१०.२०१८ को प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा ''पुरुषार्थ चतुष्टय'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- दिनांक ९.१०.२०१८ को ''अशोककालीन ब्राह्मी लिपि-नवीन साक्ष्य'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- दिनांक १९.११.२०१८ को ''विश्व धरोहर सप्ताह'' के अवसर पर हेरिटेज वाक का आयोजन किया गया।
- दिनांक २५.०१.२०१९ को ''इंडियन कल्चरल हेरिटेज : ए सिविलाइजेशनल लेगेसी टू द वर्ल्ड'' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- दिनांक १२.०२.२०१९ को ''एन्वॉयरमेंट कल्चर एंड रिलिजन - पास्ट ट्रेडिशन एंड प्रेजेंट चैलेंजेज'' विषय पर एक दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- दिनांक २३.०४.२०१९ को शैक्षणिक भ्रमण के निमित्त छात्राओं को शूलटंकेश्वर ले जाया गया।

संगीत विभाग (वादन)

- संगीत वादन विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कु. आंशिकी दीक्षित को १४ दिसम्बर, २०१८ को स्थापना दिवस के अवसर पर 'ठाकुर राजभान सिंह स्मृति' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- दिनांक ११.०३.२०१९ को संगीत वादन एवं संगीत गायन विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में 'हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में राग सिद्धान्त' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगीत विभाग (गायन)

- दिनांक ३१.०२.२०१९ को विभाग द्वारा डॉ. संगीता के व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- दिनांक ११.०३.२०१९ को विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

गृह विज्ञान विभाग

- दिनांक १६.०७.२०१८ से २३.०७.२०१८ तक प्लास्टिक फ्री कैम्पस अभियान के अन्तर्गत ''कैरी बैग मेकिंग'' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं ने सहभागिता की।
- विभाग द्वारा दिनांक ३०.०८.२०१८ को ''बी द चेंज'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता ओ.पी.के. मिश्रा, विभागाध्यक्ष, केमिकल इंजीनियरिंग और औद्योगिकी विभाग, आई.आई.टी., बी.एच.यू. रहे।
- दिनांक १-७ सितम्बर २०१८ को विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया गया जिसके अन्तर्गत छात्राओं के लिए हेल्दी ब्रेकफास्ट, पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- दिनांक ०६ सितम्बर २०१८ को गृह विज्ञान विभाग एवं कॉलेज के हेल्थ एण्ड हाइजीन यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में ''थैलेसीमिया रोग: बचाव एवं उपचार'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता कु. निकिता आजवानी, फाउन्डर लेट्स हेल्प सम १ (एन.जी.ओ.) रहीं।

- विभाग द्वारा दिनांक १९ जनवरी २०१९ को ''डायट्री मेनैजमेंट इन नान कम्यूनिकेबल डिसेसेज'' विषय पर एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- दिनांक ०१ अऔल २०१९ को विभाग एवं ''हेल्थ और हाइजीन यूनिट'' के अन्तर्गत तरणी फाउन्डेशन ऑफ लाइफ (एन.जी.ओ.) द्वारा ''विश्व स्वास्थ्य दिवस'' के उपलक्ष्य में छात्राओं के मध्य जेनेरिक दवाइयों की जानकारी प्रदान करने हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा दिनांक ०५ अप्रैल २०१९ को बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्राओं को ''ट्रेड फैसीलीटेशन सेन्टर एण्ड क्रॉफ्ट म्यूजियम, बड़ा लालपुर, वाराणसी'' शैक्षणिक भ्रमण हेतु ले जाया गया।
- दिनांक १० अप्रैल २०१९ को विभाग एवं महिला प्रकोष्ठ ''तेजस्विनी'' के संयुक्त तत्त्वावधान में 'मतदाता जागरूकता अभियान' के अन्तर्गत मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- गृह विज्ञान विभाग आईडीए (लखनऊ चैप्टर) एवं एनएसआई के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक १५ अप्रैल २०१९ को 'राष्ट्रीय पोषण अभियान' के अन्तर्गत ''एनीमिया मुक्त भारत'' विषय पर 'सतत चिकित्सीय पोषण शिक्षा' का आयोजन किया गया।
- दिनांक २० अप्रैल २०१९ को विभाग के बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की समस्त छात्राओं द्वारा हस्त निर्मित सामग्रियों का एक दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत छात्राओं द्वारा हस्त निर्मित सामग्रियों का प्रदर्शन किया गया।
- विभाग द्वारा दिनांक ३० अप्रैल २०१९ को बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं को डी.आई.एस.सी. सेन्टर (स्पेशल नीड चिल्ड्रेन) कमच्छा वाराणसी शैक्षणिक भ्रमण हेतु ले जाया गया।
- गृह विज्ञान विभाग एवं अन्नपूर्णा अन्न क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा एक वर्षीय नि:शुल्क डिप्लोमा कोर्स ''कटिंग एवं टेलरिंग'' का आयोजन किया गया जिसके समापन पर प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी (११०) जरूरतमंद लोगों को सिलाई मशीन वितरित की गई।

अर्थशास्त्र विभाग

- दिनांक १३.०३.२०१९ को 'पर्यावरण : समस्या एवं संरक्षण' विषय पर बी.ए. तृतीय वर्ष एवं एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्राओं के बीच पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- दिनांक ३०.०३.२०१९ को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एक दिवसीय 'भारतीय अर्थव्यवस्था - मुद्दे और चुनौतियाँ' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- दिनांक १८.०४.२०१९ को बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं को औद्योगिक भ्रमण हेतु झुनझुनवाला कारखाना ले जाया गया।
- दिनांक २२-२३ फरवरी, २०१९ को आई.एस.एम.ई., बंगलौर द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विभाग की वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. मंजु बनिक को 'बेस्ट पेपर अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

समाजशास्त्र विभाग

- वर्तमान सत्र में समाजशास्त्र विभाग द्वारा छात्रों के व्यक्तित्व विकास एवं बौद्धिक कुशलता हेतु विभिन्न व्याख्यान, वाद-विवाद प्रतियोगिता, क्वीज प्रतियोगिता, अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार, मलिन बस्ती में उपयोगी वस्तुओं का वितरण इत्यादि कार्यक्रम संपादित किए गए।
- दिनांक ११-१३ नवम्बर, २०१८ में कॉलेज स्तर पर सभी शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से उपयोगी वस्तुओं का संकलन किया गया तथा करसड़ा (वाराणसी) में स्थित मुसहर मलिन बस्ती में जाकर उसे वितरित करने का कार्य किया गया।
- दिनांक २० जनवरी, २०१९ को समाजशास्त्र विभाग द्वारा रोल ऑफ एनआरआईएस इन डेवलपमेंट ऑफ इंडिया विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें पोलैंड के डॉ. जगदीश घीक मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे।
- दिनांक ०२ फरवरी, २०१९ को विभाग द्वारा 'महिला उद्यमिता' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- विभाग की शिक्षिका डॉ. मधुमिता भट्टाचार्या एवं डॉ. स्वाती एस. मिश्रा द्वारा जेन्डर एण्ड इनवारमेंट सस्टेनेबल डिफरेन्ट पर्सपेक्टिव विषय पर पुस्तक का संपादन किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग

- २३ जनवरी, २०१९ को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'रिन्युएबल एनर्जी एण्ड एनवायरमेंट: द ग्लोबल कांटेक्स्ट एण्ड रोल ऑफ मैनकाइण्ड' पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इसके मुख्य वक्ता प्रो. हरिमोहन उपाध्याय थे।
- २४ नवम्बर, २०१८ को प्रोटेक्शन ऑफ एनवायरमेंट थ्रू सस्टनेबल डेवलेपमेंट एवं रिन्युएबल एनर्जी विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम का आयोजन किया गया इसके मुख्य वक्ता डॉ. जितेन्द्र कुमार राय, विभागाध्यक्ष भौतिक विज्ञान विभाग, केब्बी स्टेट विश्वविद्यालय ऑफ साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी, नाईजीरिया उपस्थित थे।
- राजनीति विज्ञान विभाग एवं प्रकृति फाउन्डेशन के संयुक्त तत्त्वावधान में कोईराजपुर हरहुआ वाराणसी में ९ मार्च, २०१९ को ''हरित धरती आज एवं कल'' विषयक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- राजनीति विज्ञान विभाग एवं लायंस क्लब वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में ''महिला सशक्तिकरण में महिलाओं की भूमिका'' शारदा आश्रम पिचाश मोचन, वाराणसी में आयोजित किया गया।
- राजनीति विज्ञान विभाग एवं भारतीय युवा कौशल के संयुक्त तत्त्वावधान में स्किल इण्डिया पर वार्ता का आयोजन किया गया। इसके मुख्य वक्ता नीरज श्रीवास्तव थे।

इतिहास विभाग

- दिनांक ०६.१०.२०१८ को इतिहास विभाग, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग और भारतीय इतिहास

संकलन समिति के संयुक्त तत्त्वावधान में 'पुरुषार्थ चतुष्टय ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

- विभाग द्वारा दिनांक २१.०१.२०१९ को 'डिस्प्रा एण्ड इट्स रूट्स' विषय पर एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- दिनांक २३.०२.२०१९ को उद्यान भवन में नगर निगम वाराणसी द्वारा आयोजित पुष्प प्रदर्शनी एवं रंगोली प्रतियोगिता में विभाग की ०६ छात्राओं ने भाग लिया और द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- विभाग द्वारा दिनाक २४.०२.२०१९ को शैक्षणिक भ्रमण के निमित्त छात्राओं को चुनार किला एवं लखनियादरी ले जाया गया।
- दिनांक ०८.०३.२०१९ को नमामिगंगे द्वारा आयोजित मैराथन प्रतियोगिता में विभाग की ५४ छात्राओं ने भाग लिया।
- महाविद्यालय द्वारा सत्र २०१८-१९ से प्रारम्भ किए गए विमर्श व्याख्यानमाला के अन्तर्गत विभाग द्वारा दिनांक १६.०३.२०१९ को २१ सेन्चुरी आईटीएस पोलिटिकल सोशल एण्ड इकोनोमिक्स इम्पलिकेशन विषयक व्याख्यान आयोजित किया गया।

मनोविज्ञान विभाग

- २३ जुलाई २०१८ को मनोविज्ञान विभाग द्वारा, ''मनोविज्ञान और मानव जीवन में इसका प्रयोग'' विषय पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- दिनांक १०.०९.२०१८ को विभाग द्वारा आत्महत्या रोकथाम दिवस पर रैली का आयोजन किया गया।
- २४ सितम्बर २०१८ को सामाजिक जागरूकता :एच आई वी/एड्स पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- २५ सितम्बर २०१८ को परामर्श की मूल कौशल विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।
- दिनांक २ अक्टूबर २०१८ को एम.ए. की छात्राओं को अन्वीता: एन आल वुमेन साइकोलॉजिकल वेलविंग एण्ड साइको - सोशल रिहैबिलिटेशन सेन्टर, चुनार मिर्जापुर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।
- विश्व मानसिक स्वास्थ दिवस पर १० अक्टूबर २०१८ को एम.ए. की छात्राओं के लिए 'मानसिक स्वास्थ्य' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- ११ अक्टूबर २०१८ को ''साइबर क्राइम : एथिक्स एण्ड अवेयरनेस'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- १३ अक्टूबर २०१८ को ''मेथड इन कॉगनेटिव साइकोलॉजी इन रिफरेन्स टु बिहैवरल एक्सपेरिमेन्टल पैराडाइम'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा दिनांक २९ अक्टूबर २०१८ को राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसका विषय ''एडिक्सन मैनेजमेंट : स्पेक्ट्रम एण्ड स्ट्रेटेजी'' था।
- 'स्वास्थ्य मनोविज्ञान' विषय पर २४ नवम्बर २०१८ को व्याख्यान का आयोजन हुआ।
- २६ नवम्बर २०१८ को 'इवैलूएसन ऑफ ओ डी एण्ड चेन्ज' विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ।
- दिनांक ०९ मार्च, २०१९ को ''आइटम एनालिटिक अप्रोच टू टेस्ट कन्सट्रक्सन'' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।
- दिनांक २६ मार्च, २०१९ को महाविद्यालय के सभी शिक्षण एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों और छात्राओं के लिए नि:शुल्क दन्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।
- चाइल्ड, एडोलसेन्ट एण्ड एडल्ट साइकॉलजी: डेलिमाज, इन्टरवेन्सन एण्ड न्यूअर लर्निंग विषय पर २७ मार्च २०१९ से ०५ अप्रैल २०१९ तक दस दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- दिनांक १८ अप्रैल २०१९ को फारमोकोलॉजिकल थैरेपीज: मेजर इन यूज ऑफ न्यूरोलेपटिक विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

वाणिज्य विभाग

- दिनांक ११ सितम्बर, २०१८ को विभाग द्वारा होन्डा कम्पनी के सहयोग से मोटर ड्राइविंग अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया।
- दिनांक १४ नवम्बर, २०१८ को विभाग द्वारा ''इनटेलेक्चूअल प्रॉपर्टी राईट'' विषय पर व्याख्यान का अयोजन किया गया।
- दिनांक १५ नवम्बर, २०१८ को ''बिजनेस इथिक्स'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- दिनांक ८ मार्च, २०१९ को विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।
- विभाग द्वारा ''वुमेन इन्टरप्रेन्योरशिप इन इण्डिया: चलेन्जेस एण्ड प्रोस्पेक्टर'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- दिनांक ३० मार्च, २०१९ को छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के निमित्त 'अपना घर' आश्रम ले जाया गया।
- दिनांक १० अप्रैल, २०१९ को छात्राओं को औद्योगिक भ्रमण के निमित्त पतंजलि प्लांट ले जाया गया।
- दिनांक १७ अप्रैल, २०१९ को छात्राओं को व्यावसायिक भ्रमण के निमित्त प्लास्टिक बैग फैक्टरी और पारलेजी फैक्टरी ले जाया गया।

बी.एड. विभाग

- विभाग द्वारा दिनांक ०२.१०.२०१८ को गाँधी जयन्ती के अवसर पर 'गाँधी जी' विषयक अंतरसंकाय काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- बी.एड. विभाग द्वारा १८.०१.२०१९ से १९.०१.२०१९ तक दो दिवसीय 'प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण' शिविर एवं २१.०१.२०१९ से २५.०१.२०१९ तक पाँच दिवसीय स्काउटिंग और गाइडिंग शिविर का आयोजन किया गया।

- दिनांक ०८.०२.२०१९ से २४.०२.२०१९ तक छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के निमित्त जैसलमेर एवं जयपुर ले जाया गया।
- दिनांक ०८.०२.२०१९ को 'लैंगिक समानता मिथक या यथार्थ' पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दिनांक ०९.०३.२०१९ को बी.एड. की छात्राओं द्वारा वाराणसी के अस्सी घाट पर 'साइबर क्राइम' विषय पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गई।

शोध समिति का गठन

- महाविद्यालय द्वारा वर्तमान सत्र २०१८-१९ में शोध-समिति का गठन किया गया। इस शोध-समिति में महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाओं को रू० २५०००/- की राशि एवं एक वर्ष की समय सीमा निर्धारित कर विभिन्न विषयों पर शोध प्रस्ताव पारित किया गया।

रेमेडियल पाठ्यक्रम

- हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत तथा एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. (क्रिमीलेयर के अधीनस्थ) वर्ग की छात्राओं के लिए यू.जी.सी. की ११वीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत उपचार-कक्षाओं का संचालन किया जाता है जिनमें छात्राओं को विषय का आधारभूत ज्ञान कराने पर बल दिया जाता है। ये कक्षाएँ सामान्यत: सप्ताह में ०२ दिन संचालित होती हैं।

वार्षिक खेलकूद

- इण्टर फैकल्टी बास्केटबॉल वुमेन टूर्नामेंट (लीग कम नॉकआउट) का आयोजन दिनांक ९ सितम्बर २०१८ से २४ सितम्बर २०१८ तक यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड, एम्पीथियेटर ग्राउंड काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में हुआ। जिसमें कुल ८ संकायों ने भाग लिया। इस पूरे प्रतियोगिता में आर्य महिला पी.जी. कॉलेज को चौथा स्थान प्राप्त हुआ।
- आर्य महिला पी.जी. कॉलेज के महिला प्रकोष्ठ तेजस्विनी एवं स्पोर्ट्स कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में सेल्फ डिफेंस क्लासेस एवं फिटनेस जिम का उद्घाटन दिनांक ८ अक्टूबर २०१८ को सम्पन्न किया गया।
- दिनांक १५-१७ नवम्बर, २०१८ को महाविद्यालय के प्रांगण में अन्तरविभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दो दिवसीय तृतीय श्रीमती विद्या देवी मेमोरियल वुमेन स्टेट लेवल बास्केटबाल टुर्नामेंट का आयोजन दिनांक २८.०१.२०१९ से २९.०१.२०१९ तक आर्य महिला पी.जी. कॉलेज के प्रांगण में हुआ जिसमें कुल ८ टीमों ने भाग लिया।
- आर्य महिला पी.जी. कॉलेज के प्रांगण में दिनांक ५ से ६ फरवरी, २०१९ तक शिक्षक एवं शिक्षणेतर कर्मचारियों के निमित्त अन्तर्विभागीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- आर्य महिला पी.जी. कॉलेज में अन्तर्विभागीय बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन १३ से १४ मार्च २०१९ को सम्पन्न किया गया।

छात्र परिषद्

- दिनांक ०५.१०.२०१८ को आर्य महिला पी.जी. कॉलेज में छात्र परिषद् का गठन किया गया जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित छात्राओं का चयन किया गया - आकृति वर्मन इशिका सिंह, सुदीक्षा सिंह, प्रियंका शाह, सौमी, प्रज्ञा दूबे, आशमा मिश्रा, अदिति सिंह, हर्षिता पाण्डेय, सना आफरीन, मीनाक्षी मिश्रा, प्रतिभा शंकर।

इग्नू

- महाविद्यालय में इग्नू सेन्टर दिनांक ११.०८.२०११ को प्रारम्भ हुआ इसके अन्तर्गत ०९ विषय संचालित किए जाते हैं विभिन्न विषयों के अन्तर्गत इस वर्ष २५८ छात्राओं का पंजीकरण किया गया है।

जागृति सेन्टर

- जागृति सेंटर द्वारा १० सितम्बर, २०१८ को ''वर्किंग टूगेदर टू प्रिवेन्ट सुसाईड: एवरीवन इज ए साइकोलाजिस्ट'' विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- ७ अक्टूबर, २०१८ को सेंटर द्वारा ''सस्टेन्स एब्यूज बी: एडीक्शन रिसाईडिगं एवरनेश इन यंग एडल्ट'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- दिनांक ०२ अप्रैल, २०१८ को वर्ड आस्टीस्म डे के अवसर पर आस्टीस्म एस्पेक्ट्रम डीसआडर: नेचर इटियोलाजीस एण्ड इन्टरवेन्शन विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

अन्त:संरचना सुविधा

- महाविद्यालय में चार प्रयोगशालाएँ है जिनमें ०१ मनोविज्ञान विभाग में, ०३ गृह विज्ञान विभाग में (फूड एवं न्यूट्रीशियन, टेक्सटाइल एण्ड क्लाथिंग, होम मैनेजमेंट एक्टेंशन एजुकेशन) तथा ०१ प्रशिक्षण विभाग में है।
- महाविद्यालय में एक आडिटोरियम (हॉल), स्टेज, खेल का मैदान, पुस्तक एवं पठन-पाठन सामग्री केन्द्र, छायाप्रति-सुविधा एवं जलपान गृह की सुविधा है। कम्प्यूटर प्रयोगशाला में ४० कम्प्यूटर इन्टरनेट सुविधा से युक्त हैं। प्रोजेक्टर के माध्यम से प्राध्यापिकाओं को व्याख्यान आयोजित कराने के लिए, पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण तथा अन्य दृश्य-श्रव्य उपकरणों की सुविधाएँ भी इस महाविद्यालय में उपलब्ध हैं। महाविद्यालय की अन्य सुविधाओं के अन्तर्गत छात्राओं के लिए चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है जिसमें सप्ताह में ०२ दिन छात्राओं के सामान्य चिकित्सीय परीक्षण के लिए योग्य चिकित्सक नियुक्त किए गए हैं। साथ ही नि:शुल्क दवा का वितरण भी होता है।
- महाविद्यालय में सत्र २०१८-१९ से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदत्त ''कमुनिटी कॉलेज'' के अन्तर्गत फुड प्रोसेशन और इनफारमेशन टेक्नोलॉजी जैसे महत्वपूर्ण कोर्स का संचालन डॉ. शुचि तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग के नेतृत्व में किया जा रहा है। इस कोर्स के अन्तर्गत २४ छात्राओं का ''फुड प्रोसेसिंग'' के अन्तर्गत एवं ४६ छात्राओं का ''इनफारमेशन टेक्नोलाजी'' के अन्तर्गत पंजीकरण किया गया है।

२.३.२. वसन्त महिला महाविद्यालय

वाराणसी के प्राचीनतम् शिक्षण संस्थानों में एक वसंत महिला महाविद्यालय, (स्थापित सन् १९१३) विश्वविख्यात संस्था ''कृष्णमूर्ति फाउण्डेशन इण्डिया'' के संरक्षण में संचालित है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से सम्बद्ध यह संस्था यूजीसी के अधिनियम १९५६ की धारा २(एफ) एवं १२(बी) के तहत मान्यता प्राप्त है।

आख्यात् दार्शनिक जे. कृष्णमूर्ति की विचारधारा से अनुआणित यह महाविद्यालय भारत के महान विचारकों जैसे डॉ. एनी बेसेन्ट, श्री जे. कृष्णमूर्ति तथा भारत रत्न पंडित मदन मोहन मालवीय इत्यादि की तपोभूमि है। स्त्री-शिक्षा की दिशा में उत्तरोत्तर विकासमान यह संस्था वैश्विक मनुष्य की संकल्पना के साथ मानवीय मूल्यों, करुणा, सहिष्णुता के भाव को पोषित करता है। वैश्विक संकट के मध्य यह महाविद्यालय अपने चिंतन में भगवान बुद्ध के ''अप्प दीपो भव'' के चिंतन को आत्मसात करता है।

पाठ्यक्रम: महाविद्यालय अनवरत रूप से भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के साथ ही सामाजिक विज्ञान, कला, शिक्षाशास्त्र एवं वाणिज्य में पाठ्यक्रमों का संचालन करता है।

परीक्षा परिणाम/योग्यता सूची: महाविद्यालय ने अपने पूर्व अकादमिक उत्कृष्टता के गौरवशाली परंपरा को सफलतापूर्वक बनाए रखा। महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम ६४ से १०० प्रतिशत रहा।

- कृष्णा कुमारी एवं रश्मिता सिंह ने परास्नातक (भूगोल) तृतीय सेमेस्टर परीक्षा २०१८ में उच्चतम् एसजीपीए अर्जित करने हेतु प्रो. काशी नाथ मेमोरियल नगद पुरस्कार रू.३३३३/- प्राप्त किया।
- कु. नाहिद, उर्दू (स्नातक), स्नातक (उर्दू) अंतिम वर्ष परीक्षा २०१८ में प्रथम स्थान अर्जित करने हेतु बी.एच.यू. पदक प्राप्त किया।

नए पाठ्यक्रमों का संचालन: काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद ने शैक्षणिक सत्र २०१९-२० से महाविद्यालय को चार नए परास्नातक पाठ्यक्रम (गृह विज्ञान, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र एवं प्रा. भा. इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व) एवं फ्रेंच में स्नातक एवं पार्ट टाइम डिप्लोमा पाठ्यक्रम को अपनी मंजूरी दे दी है। महाविद्यालय शैक्षणिक सत्र २०१९-२० से गृह विज्ञान, राजनीति विज्ञान एवं फ्रेंच में स्नातक एवं पार्ट टाइम डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करेगा। अन्य दो पाठ्यक्रमों का संचालन अगले सत्र से किया जाएगा।

नए पाठ्यक्रमों का प्रस्ताव: सत्र २०२०-२१ में महाविद्यालय ने फाइन आर्ट्स में स्नातक, कम्प्यूटर अनुप्रयोग में तीन वर्षीय यूजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं कुछ अन्य स्ववित्तपोषित डिप्लोमा व पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को शुरू करने हेतु काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को प्रस्ताव भेजा है।

समझौता ज्ञापन: महाविद्यालय ने स्नातक एवं परास्नातक स्तर पर शैक्षणिक गुणवत्ता एवं सहयोगपूर्ण शोध को बढ़ावा देने एवं शैक्षणिक गतिविधियों के आदान प्रदान हेतु डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, आर्य महिला पी.जी. कॉलेज और सोसायटी फॉर हायर एजुकेशन एण्ड प्रेक्टिकल एप्लिकेशन (सेपा), वाराणसी, मेधा, लीड, (देशपाण्डे फॉउण्डेशन) के अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन **'फ्यूचर आफ वोमेन १८'** के सहभागी आयोजक के रूप में इण्टरनेशनल इंस्टीट्यूट आफ नॉलेज मैनेजमेण्ट (प्रा.) लिमिटेड, श्रीलंका के साथ सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किया। सामाजिक विकास गतिविधियों में छात्राओं की सहभागिता के लिए महाविद्यालय ने स्वैच्छिक संगठन **सम्पर्क** के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला

- २५ सितम्बर २०१८: अर्थशास्त्र विभाग द्वारा **एमएस एक्सेल एवं एसपीएसएस सॉफ्टवेयर के उपयोग** विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. जी.पी. सिंह, सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय थे।
- १६ अक्टूबर २०१८: अंग्रेजी एवं हिन्दी विभाग द्वारा **प्रवासी साहित्य की चुनौतियाँ** विषयक अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन। मुख्य वक्ता प्रो. रजनीश धवन, अंग्रेजी विभाग, फ्रेजर वेली विश्वविद्यालय एवं प्रो. सरन घई, टोरन्टो विश्वविद्यालय, कनाडा थे।
- १२-१८ नवम्बर २०१८: अंग्रेजी विभाग द्वारा ''पैडागौएस एण्ड परफारमेन्स: फ्राम टेक्सट टू स्टेज'' विषयक सात दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो. संजय दत्ता रॉय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रो. आर.एन. रॉय, अंग्रेजी विभाग, बीएचयू, प्रो. रजनीश धवन, अंग्रेजी विभाग, फ्रेजर वेली विश्वविद्यालय, श्री सुधान्वा देशपाण्डे, जन नाट्य मंच एवं डॉ. गौतम चैटर्जी, नाट्य विद्वान थे।
- ९ फरवरी २०१९: अंग्रेजी विभाग द्वारा महिला अनुसंधान केन्द्र, आक्लाहोमा विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इंटरसेक्शन, बीएचयू के संयुक्त तत्वाधान में गोईगं ग्लोकल: ''जेन्डर इशूज इन द न्यू मिलेनियम'' विषयक एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन। प्रमुख वक्ता प्रो. लिंडसे चर्चिल एवं डॉ. डायना पार्डो, महिला अनुसंधान केन्द्र, ओक्लाहोमा विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, डॉ. विवेक सिंह, डॉ. राहुल चतुर्वेदी, डॉ. प्रवीण पटेल, डॉ. अमित उपाध्याय एवं डॉ. उमेश कुमार, बीएचयू थे।
- १५-१६ फरवरी २०१९: संस्कृत एवं अंग्रेजी विभाग द्वारा ''हाउ टू डू थिंग्स विथ लैंग्वेज'' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन। मुख्य वक्ता डॉ. संजुक्ता घोष, सह आचार्य, मानवतावादी अध्ययन विभाग, आईआईटी, बीएचयू एवं डॉ. अनिल ठाकुर, बीएचयू थे।
- **नियोजन गतिविधियाँ:** आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा व्यक्तिगत उत्कृष्टता एवं लक्ष्य निर्धारण विषयक एक दिवसीय कार्यशाला (३० जनवरी २०१९) का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रमुख वक्ता कर्नल एस.पी. शर्मा, निदेशक, एम्स, पुणे थे। इसी क्रम में दिनांक ३१ मार्च २०१९ को रोजगार में वृद्धि: प्रशिक्षण एवं नियोजन विषयक अन्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रमुख वक्ता श्री पवन चोपड़ा, नियोजन सलाहकार, बैंगलोर ने उद्गार व्यक्त किए।

इस सत्र में निम्न छात्राओं ने राष्ट्रस्तरीय नेट / जे.आर.एफ. परीक्षा उत्तीर्ण की।

कृष्णमूर्ति अध्ययन केन्द्र: जे. कृष्णमूर्ति अध्ययन केन्द्र, श्री जे. कृष्णमूर्ति पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुदानित भारत का एकमात्र केन्द्र है जिसका प्रमुख उद्देश्य कृष्णमूर्ति की शिक्षाओं का प्रचार - प्रसार करना है। इस सत्र में केन्द्र द्वारा ''स्ट्रेस एण्ड एनेक्सीटी एवं व्हाई इज इट सो डिफिकल्ट टू से आई डोन्ट नाउ'' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के प्रमुख वक्ता फ्रांसीसी भाषाविद् एवं विद्वान श्री जैकी मैकेनले थे। जुलाई २०१८ एवं जनवरी २०१९ में २०-२५ छात्राओं के साथ दो सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए गए एवं परास्नातक व बी.एड. छात्राओं हेतु साप्ताहिक संवादात्मक सत्र का नियमित आयोजन किया गया।

आन्तरिक शिकायत समिति: महाविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा छात्राओं एवं कर्मचारियों के लिए कानूनी जागरूकता कार्यक्रम (०७ एवं १७ नवंबर २०१८) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता श्री अजय सुमन, देशपाण्डे फाउण्डेशन थे। इसी क्रम में श्री दीपक सिंह, अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद ने महिलाओं के कानूनी अधिकारों पर एक व्याख्यान (२२ सितम्बर २०१८) दिया। राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार के तत्वाधान में महिलाओं के कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता हेतु महिलाओं से संबंधित कानून पर एक प्रतियोगिता (०३ अक्टूबर २०१८) का आयोजन किया गया, जिसमें २६२ छात्राओं ने भाग लिया। कु. प्रियंका गुप्ता (बीए, तृतीय वर्ष, राजनीति विज्ञान) ने प्रथम पुरस्कार नगद रू.२०००, कु. दिव्या दर्शन (बी.ए., तृतीय वर्ष, राजनीति विज्ञान) ने द्वितीय पुरस्कार नगद रू.१५०० एवं कु. सुभरमिता दास, कु. अंजली पाण्डे (बी.ए., प्रथम वर्ष, इतिहास) व चाँदनी यादव (एम.ए., प्रथम वर्ष, अर्थशास्त्र) ने तृतीय पुरस्कार रू.१००० प्राप्त किया।

खेल गतिविधियाँ: छात्राओं ने उर्जा, उत्साह और खेलभावना के साथ वर्षपर्यन्त खेल से जुडी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कक्षा/विषय	छात्रा का नाम
एम.ए., भूगोल २०१८-१९	पल्लवी शुक्ला, निहारिका, अवस्थी, लता गोपालिया, सुमना गोराई, शिवाम्भी रॉय
एम.ए., इतिहास २०१५-१६ बैच	रूबीना परवीन, जावा मधुर
बी.ए., राजनीति विज्ञान (तृतीय वर्ष) २०१६-१७ बैच	वर्षा उपाध्याय
एम.एड. २०१८-१९ बैच	बबीता सिंह, दीक्षा गौड़, गुंजन यादव, नीतु कुमारी, प्ररणा, (जेआरएफ), प्रिया यादव, प्रिया कुमारी जायसवाल (जेआरएफ), प्रियंका कुमारी, प्रियंका कुमारी, प्रियंका पटेल, रबिनन्दिनी, सविता कुमारी (जेआरएफ)

छात्राओं ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय एवं अन्य निकायों द्वारा आयोजित एथलेटिक्स, तैराकी, ताइक्वांडो, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल आदि अंतर-सकाय खेल प्रतियोगिता में भाग लिया और चयनित/सम्मानित हुए।

वार्षिक खेल दिवस (११ फरवरी २०१९) पर छात्राओं ने योग, पिरामिड गठन, ड्रिल और ताइक्वांडो आदि में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। महिला दिवस (८ मार्च, २०१९) पर अमर उजाला, वाराणसी के सहयोग से अपराजिता कार्यक्रम के तहत कराटे टीम के ब्लैक बेल्ट धारकों द्वारा सेल्फ डिफेंस तकनीकी प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के १०० से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

फेलोशिप/छात्रवृत्ति: मनोविज्ञान विभाग की शोध छात्रा सुश्री अंजलि वर्मा को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा ''वृद्धों एवं बुजुर्गों की भलाई में आध्यात्मिकता, मनमौजीपन और सामाजिक सहायता के प्रभाव'' विषयक शोध हेतु रू.२,६०,०००/- के डॉक्टोरल फैलोशिप प्रदान किया गया। यह फेलोशिप १ जनवरी, २०१९ से दो वर्ष के लिए है।

नाम/कक्षा	इवेंट का नाम	प्रायोजित संस्था	समय	सम्मान
हर्षिता जायसवाल बी.ए. (प्रथम वर्ष)	अखिल भारतीय योग चैंपियनशिप	उत्तर प्रदेश योगा स्पोर्टस एसोसिएसन, आगरा	२१-२२ अक्टूबर,२०१८	रजत पदक
हर्षिता जायसवाल बी.ए. (प्रथम वर्ष)	ओपेन नेशनल योगा स्पोर्टस एसोसिएसन, आगरा	१-२ दिसंबर २०१८	१-२ दिसंबर २०१८	भीजिंग में आयोजित इंटर योगा स्पोर्टस फेडरेशन वर्ल्ड चैंपियनशीप २०१८ में चयन
प्रिया कुमारी बी.ए. (तृतीय वर्ष)	इंटर फैक्लटी कराटे टूर्नामेंट	बी.एच.यू.		अंतर विश्वविद्यालयी कराटे टीम में चयन
कबड्डी टीम	गैरी कॉम कबड्डी टूर्नामंट	वसंत कन्या महाविद्यालय, वाराणसी	८ फरवरी २०१९	
वॉलीबॉल टीम	मैडम ब्लावट्स्की वॉलीबॉल टूर्नामेंट	वसंत कन्या महाविद्यालय, वाराणसी	८ फरवरी,२०१९	

महाविद्यालय अपने संसाधनों/दान से प्राप्त धनराशि से जरूरतमंद मेधावी छात्राओं (स्नातक एवं परास्नातक) को छात्रवृत्ति प्रदान करता है जिसका विवरण निम्न हैं -

क्र. सं.	छात्रवृत्ति का नाम	धनराशि	छात्रवृत्ति संख्या
१	अच्युत पटवर्धन छात्रवृत्ति	१०००/- प्रत्येक	५७
२	प्रेमा श्रीनिवासन छात्रवृत्ति	५०००/- प्रत्येक	१०
३	बी.एड. मेधावी छात्रा छात्रवृत्ति	२६००/- प्रत्येक	०२
४	पी. शंकर राव छात्रवृत्ति (संगीत की छात्राओं हेतु)	५०००/- प्रत्येक	०४
५	वसंत महाविद्यालय छात्रवृत्ति	५०००/- प्रत्येक	३०
६	डॉ. आशा रानी/डॉ. सरोज बागेश्वर छात्रवृत्ति (बी.एड.एवं एम.एड. की मेधावी छात्रा हेतु)	५०००/- प्रत्येक	०२

२.३.३. वसन्त कन्या महाविद्यालय

महान द्रष्टा एनी बेसेण्ट के शिक्षा सिद्धान्तों पर स्थापित तथा सुरम्य प्राकृतिक परिवेश के बीच थियोसॉफिकल सोसायटी भारतीय शाखा कमच्छा परिसर में स्थित वसन्त कन्या महाविद्यालय विगत ६४ वर्षों से महिला शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महती भूमिका का निर्वाह कर रहा है। नैक के द्वितीय चक्र के पुनर्प्रत्यायन हेतु नैक के विशिष्ट त्रिसदस्यीय दल ने १० और ११ अप्रैल २०१७ को महाविद्यालय का निरीक्षण किया और महाविद्यालय को 'अ' श्रेणी प्रदान की। सन् १९५४ में स्थापित यह महान महाविद्यालय 'शिक्षा ही सेवा है' के आदर्श को ग्रहण कर छात्राओं के व्यक्तित्व के बहुमुखी विकास के साथ ही उन्हें अनुशासित रहने व मानवीय मूल्यों के प्रति आदर का भाव प्रदर्शित करने की ओर भी सचेष्ट रखता है। यहाँ स्नातक स्तर पर कला व सामाजिक-विज्ञान वर्ग के १४ विषयों तथा परास्नातक स्तर पर हिन्दी, अंग्रेजी, गृह विज्ञान, समाजशास्त्र और मनोविज्ञान- इन पाँच विषयों के पाठ्यक्रम संचालित होते हैं तथा इन विषयों में छात्राएँ शोध-कार्य करते हुए शोध उपाधि हेतु भी संलग्न हैं। अन्तर्सांकायिक शोध-अध्ययनों के द्वारा शिक्षण-कार्य को उत्तरोत्तर विकास पथ पर अग्रसारित करते हुए यह महाविद्यालय महिला शिक्षा के क्षेत्र में स्वयं को मील का पत्थर सिद्ध किये हुए है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

महाविद्यालय में विभिन्न विषयों पर व्याख्यान, कार्यशालाएँ और परिभ्रमण संम्पन्न हुए जिनमें स्नातक और परास्नातक स्तर की छात्राओं ने हिस्सा लेकर सम-सामयिक विषयों के प्रति सचेत होते हुये उनसे प्राप्त ज्ञान से स्वयं को लाभान्वित भी किया।

प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग

- विभाग द्वारा दिनांक ५-६ अक्टूबर २०१८ को आईसीएसएसआर प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार ''भूमि अधिग्रहण और समजिक न्याय'' का आयोजन किया।

अंग्रेजी विभाग

- दिनांक ०६.०४.२०१८ को ''साहित्य पढ़ना'' पर एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. अंजली भेलान्डे थीं।
- दिनांक २१.०२.२०१९ को विभाग द्वारा काव्य महोत्सव ''शांति की सहानुभूति'' का आयोजन किया गया। इस महोत्सव में ७० कवियों ने अपनी कविताओं को प्रस्तुत किया।

हिन्दी विभाग

- हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक २३-२४ अप्रैल २०१८ को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''आज का सामाजिक-राजनीतिक संकट और कबीर का काव्य'' का आयोजन किया गया

इतिहास विभाग

- विभाग द्वारा दिनांक १५.०३.२०१९ को ''भारत की विदेश नीति और नेहरू युग'' पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता थे प्रो. केशव मिश्रा।

गृह विज्ञान विभाग

- दिनांक १७.८.२०१८ को विभाग द्वारा ''फैशन घटक'' विषय पर एक सप्रयोग व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें सुश्री स्मृति अवस्थी, डिज़ाइनर, अंशुल बुटीक विषय विशेषज्ञ थीं।
- दिनांक ०६.०४.२०१९ को ''टेक्सटाइल क्षेत्र में अग्रिम अध्ययन एवं रोजगार के अवसर'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता श्री एम.एम. तिवारी, डिप्टी डायरेक्टर, निट्रा, गाज़ियाबाद थे।
- दिनांक २४.०९.२०१८ को ''फैशन डिजाइनिंग के लिए ड्रेपिंग तकनीक'' विषयक कार्यशाला का आयोजन फैशन डिजाइनिंग की छात्राओं हेतु किया गया।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह

- वसन्त कन्या महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा पोषण माह २०१८ के अन्तर्गत द्वि-दिवसीय कार्यक्रम २७ तथा २८ सितम्बर को आयोजित किया गया।

मेला एवं प्रदर्शनी

- १०-११ अप्रैल, २०१८ को वसन्त कन्या महाविद्यालय, कमच्छा के गृह विज्ञान विभाग के द्वारा हस्तशिल्प कला प्रदर्शनी ''सुई धागा'' का आयोजन विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता देवडिया के निर्देशन में किया गया।
- दिनांक १३.१०.२०१८ को विभाग द्वारा 'दीवाली मेला' का आयोजन किया गया। इस मेले में छात्राओं द्वारा बनाये गये सुन्दर दीयों, मोमबत्तियों एवं साज-सामानों का प्रदर्शन किया गया जो अत्यन्त सराहनीय था।

संगीत विभाग- गायन तथा वाद्य

- दिनांक १०.४.२०१८ को प्रो. पुष्पा बसु ने रागों का तुलनात्मक अध्ययन एवं बंदिशों की रचना के संदर्भ में सप्रयोग व्याख्यान दिया।
- दिनांक २६.०३.२०१९ को प्रो. राजेश शाह, संकाय प्रमुख, संगीत एवं मंच कला संकाय ने रागों का तुलनात्मक अध्ययन एवं बंदिशों की रचना के संदर्भ में सप्रयोग व्याख्यान दिया।
- दिनांक ११.०४.२०१९ को संगीत गायन विभाग की बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा, सुश्री मंजरी शुक्ला, तथा ३०.०५.२०१९ को बी.ए. द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री हेमलता द्वारा वाराणसी के प्रतिष्ठत मंच 'सुबहे-बनारस' में एकल गीत प्रस्तुति दी गई।
- दिनांक १९.०४.२०१९ को महाविद्यालय की बी.ए. तृतीय वर्ष की संगीत वादन विभाग की छात्राओं द्वारा वाराणसी के प्रतिष्ठित मंच 'सुबहे-बनारस' में समूह सितार वादन की प्रस्तुति दी गई।

संगीत संचेतना

- वसन्त कन्या महाविद्यालय में दिनांक २०.०८.१८ को संगीत संचेतना मंच के अन्तर्गत संगीत गायन एवं वादन विभाग की ओर से महान संगीत साधक पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर जी की १४६वीं जयन्ती मनाई गई। कार्यक्रम के आरम्भ में सर्वप्रथम प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव द्वारा पलुस्कर जी के संगीत योगदान की चर्चा करते हुए उनके प्रति भावांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात् संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. स्वरवन्दना शर्मा द्वारा जीवन सम्बन्धित महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए विपरीत परिस्थितियों में भी कार्य की लगन हेतु छात्राओं को प्रेरित किया गया। इस अवसर पर फिल्म डिवीज़न की ओर से दिगम्बर जी के जन्मशताब्दी वर्ष पर बनाई गई एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया एवं विष्णु दिगंबर पलुस्कर जी के दो शिष्य पं. वी.डी. पलुस्कर (पुत्र) एवं पं. ओंकार नाथ ठाकुर जी के भजनों के श्रवण माध्यम से छात्राओं को उनकी गायकी धारा से परिचित कराया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय संगीत विभाग की डॉ. मीनू पाठक, डॉ. सुमन सिंह, डॉ. सीमा वर्मा, श्री सौम्यकान्ति मुखर्जी, श्री अमित ईश्वर सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सीमा वर्मा द्वारा किया गया।
- वसंत कन्या महाविद्यालय में पद्मश्री डॉ. राजेश्वर आचार्य जी का सम्मान समारोह दिनांक ८-४-२०१९ को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में माँ वसंत को पुष्पांजलि अर्पित की गयी तथा कुलगीत की प्रस्तुति की गयी। प्रबंधक श्रीमती उमा भट्टाचार्या एवं प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तव द्वारा अंगवस्त्र एवं सम्मान पत्र प्रदान कर श्री आचार्य जी का स्वागत किया गया। समारोह में आये समागत अतिथियों व संगीत रसिकजनों का स्वागत डॉ. स्वरवंदना शर्मा द्वारा तथा मानपत्र वाचन डॉ. आशा यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्री राजेश्वर आचार्य जी द्वारा जल तरंग वादन रहा। आपने चन्द्रकौंस राग की प्रस्तुति की।
- काशी के प्रबुद्ध संगीतज्ञ श्री आदिनाथ उपाध्याय जी, डॉ. प्रीतेश आचार्य जी, काशी संगीत समाज के पदाधिकारी, संगीत संकल्प, स्वरांगन, कला केन्द्र जैसे ख्याति लब्ध संस्थाओं के कलाकारों के साथ चारों महाविद्यालय के संगीत वादन एवं गायन विभाग के शिक्षक/शिक्षिकायें एवं छात्राओं एवं पं. काशीनाथ मिश्रा जी ने जलतरंग वादन का आनंद लिया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन संगीत विभाग की डॉ. सीमा वर्मा द्वारा किया गया।

दर्शनशास्त्र विभाग

- दिनांक ११ से १७ अप्रैल, २०१८ को वसन्त कन्या महाविद्यालय, कमच्छा में दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा ''आधुनिक जीवनशैली की समस्याओं के समाधान में योग की भूमिका'' विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- दिनांक १६.०३.२०१९ एवं २९.०३.२०१९ को भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद के द्वारा प्रायोजित व्याख्यानमाला दर्शनशास्त्र विभाग के द्वारा दो चरणों में सम्पन्न हुई।
- दिनांक १६.०३.२०१९ को प्रो. डी.एन. तिवारी , पूर्वविभागाध्यक्ष, दर्शन एवं धर्म विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, द्वारा ''आलोचनात्मक चिन्तन और दर्शन'' तथा प्रो. आर.पी. द्विवेदी, निदेशक, गाँधी अधययन पीठ, महात्मा गाँधी

काशी विद्यापीठ द्वारा ''वैश्वीकरण की नैतिकता'' विषय पर व्याख्यान दिया गया।

- दिनांक २९.०३.२०१९ को महाविद्यालय के सभागार व्याख्यानमाला का द्वितीय चरण प्रो. मुकुल राज मेहता, अध्यक्ष, दर्शन एवं धर्म विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, ने ''भारतीय संस्कृति में निहित मौलिक मूल्य तथा राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में उनकी प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान दिया।

राजनीतिशास्त्र विभाग

- इस सत्र में प्रो. रचना श्रीवास्तव, प्राचार्या को आईसीएसएसआर के आईएमपीआरईएसएस योजना के अन्तर्गत ''राज्य शिल्प् , मंडल सिद्धान्त और कौटिल्य के अर्थशास्त्र में छ:गुना नीति : समकालीन प्रासंगिकता'' नामक माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट, स्वीकृत किया गया।
- इलेक्ट्राल रीफार्म्स इन इण्डिया विषय पर १०.०४.२०१८ को प्रो. सोनाली सिंह, राजनीति शास्त्र विभाग, का.हि.वि.वि., का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- दिनांक १७-१८ सितम्बर २०१८ को राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित तथा आईसीएसएसआर द्वारा अनुदानित ''भारत में चुनाव सुधारों पर परिचर्चा'' विषयक द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- दिनांक ०५.०४.२०१९ को ''भारत की विदेश नीति मोदी युग में'' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. संजय श्रीवास्तव थे।

मनोविज्ञान विभाग

- ''संगठनात्मक व्यवहार'' विषय पर ०७.०९.२०१८ को प्रो. संदीप कुमार, मनोविज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि., का व्याख्यान आयोजित किया गया।
- सामाजिक मनोविज्ञान विषय पर ११.०९.२०१९ को डॉ. सुधा श्रीवास्तव, पूर्व विभागाध्यक्षा, मनोविज्ञान विभाग, व.क.म, का व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें एम.ए. प्रथम वर्ष की छात्राओं ने सहभागिता की।
- ''ध्यान-प्रकृति और प्रकार और अनुप्रयोग'' विषय पर २७.०९.२०१८ को डॉ. त्रयम्बक तिवारी, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि., का व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर की ३० छात्राओं ने सहभागिता की।
- डिस्क्रीमिनेशन फंक्शन एनालीसीस विषय पर ०२.०३.२०१९ को डॉ. उर्मिला रानी, एसोसिएट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि. का व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर की ३० छात्राओं ने सहभागिता की।
- संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान की विधि विषय पर २८.०३.२०१९ को डॉ. योगेश आर्या, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि., का व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें ३० छात्राओं ने सहभागिता की।
- दिनांक ०७.०३.२०१९ को ''मानसिक स्वास्थ्य के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. राकेश त्रिपाठी, एसोसिएट प्रोफेसर, के.जी.एम.यू. लखनऊ विषय विशेषज्ञ थे। इस कार्यशाला में लगभग ९० छात्राओं ने सहभागिता की।
- ३० मार्च, २०१९ को मनोविज्ञान विभाग द्वारा ''डेटा स्क्रीनिंग और एसपीएसएस के माध्यम से सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए तैयारी'' विषय पर एक-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. तुषार सिंह, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि. विषय-विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे।
- दिनांक १० अक्टूबर, २०१८ को मनोविज्ञान विभाग, वसन्त कन्या महाविद्यालय, कमच्छा, द्वारा ''विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस'' के अवसर पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. एच.एस. अस्थाना, मनोविज्ञान विभाग, बी.एच.यू. थे।

संस्कृत विभाग

- दिनांक ११.०९.२०१८ को वाग्वर्धिनी सभा के अन्तर्गत डॉ. कमला पाण्डेय द्वारा 'उच्चारयन्तु संस्कृतम्, उज्जीवयन्तु भारतम्' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें १५० छात्राओं ने सहभागिता की। सभा का उद्घाटन करते हुए संस्कृत मातृ मण्डलम् की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. कमला पाण्डेय ने भारत की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत बनाने हेतु संस्कृत अध्ययन की आवश्यकता पर बल दिया। विभागाध्यक्षा डॉ. शान्ता चटर्जी ने संस्कृत सम्भाषण के महत्त्व को समझाया।
- दिनांक ०२.०३.२०१९ को प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी द्वारा 'काव्यशास्त्र में रस' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें १४० छात्राओं ने सहभागिता की।
- दिनांक ११.०३.२०१९ से १६.०३.२०१९ तक 'कालिदास श्लोक पाठ' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कालिदास के काव्यों में प्रयुक्त छन्दों के सस्वर शुद्ध पाठ करने का प्रशिक्षण विभागीय प्राध्यापिकाओं द्वारा दिया गया।

समाजशास्त्र विभाग

- दिनांक ०६.०४.२०१९ को बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं हेतु ''डाटा एनालसीस विथ द हेल्प ऑफ ग्रुप एण्ड डाइग्राम'' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता थीं डॉ. कल्पलता डिमरी, विभागाध्यक्षा, अर्थशास्त्र विभाग, व.क.म। लगभग ३९ छात्राओं ने सहभागिता की।
- एम.ए. की छात्राओं हेतु ''थ्योरिज ऑफ ग्रुप इनटेरक्शन'' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञ थीं डॉ. कल्पना आनंद, समाजशास्त्र विभाग, व.क.म.।
- बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं हेतु ''थ्योरिज ऑफ क्राईम और क्राईम इन इण्डिया'' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

छात्रवृत्तियाँ, पदक और पारितोषिक

प्रतिवर्ष महाविद्यालय की पुरातन छात्राओं एवं प्राक्तन शिक्षिकाओं द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठित छात्रवृत्तियाँ/गोल्ड मेडल तथा पुरस्कार मेधावी छात्राओं को प्रदान किये जाते हैं। वर्तमान सत्र में महाविद्यालय की

क्रम. सं.	छात्रवृत्ति का नाम	विद्यार्थी का नाम	कक्षा	विषय
१.	स्व. लीलावती देवी स्मृति पुरस्कार	सुश्री माधवी ठाकुर	बी.ए.- तृतीय	मनोविज्ञान
		सुश्री अंजली जायसवाल	बी.ए.- तृतीय	गृहविज्ञान
२.	स्व. रमती देवी एवं डॉ. बालकृष्ण दुबे स्मृति पुरस्कार	सुश्री आस्था बाजपेयी	बी.ए.- तृतीय	दर्शनशास्त्र
		सुश्री प्रिया पाण्डेय	बी.ए.- तृतीय	दर्शनशास्त्र
३.	स्व. सुशील नारायण दुबे स्मृति छात्रवृत्ति	सुश्री उर्वी मेहरा	बी.ए.- तृतीय	अर्थशास्त्र
		सुश्री सिमरन सिन्हा	बी.ए.- तृतीय	अर्थशास्त्र
४.	रानी श्रीमती लोकेश्वरी देवी स्मृति पुरस्कार	सुश्री बुशरा ओबेदुल्लाह	बी.ए.- तृतीय	गृहविज्ञान
५.	त्रिवेणी देवी एवं किशोरी रमण प्रसाद मेमोरियल पुरस्कार	सुश्री अपराजिता	बी.ए.-प्रथम	हिन्दी आनर्स
६.	स्व. रामनाथ व्यास छात्रवृत्ति	सुश्री शिल्पा	बी.ए.- द्वितीय	इतिहास
		सुश्री दिव्या गुप्ता	बी.ए.- द्वितीय	अर्थशास्त्र
७.	स्व. प्रभा रामनाथ व्यास छात्रवृत्ति	सुश्री साधना कुमारी गुप्ता	बी.ए.- द्वितीय	गृहविज्ञान
८.	स्व. शिव मंगल पाण्डेय छात्रवृत्ति	सुश्री स्नेहा तिवारी	बी.ए.- द्वितीय	राजनीति विज्ञान
९.	रूप नारायण आत्रेय स्मृति प्रतिभान्वेषी छात्रवृत्ति	सुश्री दिपाली सिहारे	बी.ए.- द्वितीय	कला वर्ग
१०.	स्व. एम.वी. कालविंट स्मृति पुरस्कार	सुश्री शालू गोण्ड	बी.ए.- तृतीय	संगीत (गायन)
११.	पं. राधेश्याम शर्मा छात्रवृत्ति	सुश्री एश्वर्या श्रोतरिया	बी.ए.- तृतीय	अंग्रेजी
		सुश्री रितु राज	बी.ए.- तृतीय	अंग्रेजी
१२.	श्रीमती एस.के. दर छात्रवृत्ति	सुश्री रणनीति राय	बी.ए.- द्वितीय	
१३.	श्रीमती राधा सिन्हा स्मृति पुरस्कार	सुश्री अनन्या कंठ	बी.ए.- तृतीय	राजनीति विज्ञान

निम्नलिखित छात्राओं को पुरस्कार एवं छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गयीं :

वर्तमान सत्र में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में वसन्त कन्या महाविद्यालय की निम्नलिखित छात्राओं को स्वर्ण पदक प्राप्त होना घोषित हुआ है -

प्रियांशी सिंह: सुश्री सौमिता दत्ता स्मृति स्वर्ण पदक, अंग्रेजी विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए; बी.एच.यू मेडल, अंग्रेजी विषय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए; श्री दुर्गा ईश्वर दत्त पुरस्कार।

शालू गोंड़: बी.एच.यू मेडल, संगीत गायन में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए।

बुशरा ओबेदुल्लाह: बी.एच.यू मेडल, गृह विज्ञान में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए।

शिवांगी प्रकाश: पूनम मेमोरियल गोल्ड़ मेड़ल एवं बी.एच.यू गोल्ड़ मेडल, मनोविज्ञान में सर्वोच्च अंक लाने के लिए।

संस्कृत मातृमंडलम्

महिला अध्ययन प्रकोष्ठ ''उड़ान'' की तरफ से वसन्त कन्या महाविद्यालय में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में अतिथियों के रूप में प्रो. रचना दूबे, प्राचार्या आर्य महिला पी.जी. कालेज; पूनम राय, फ्रीलान्सर आर्टिस्ट तथा श्रीमती अंशुल मेहता, उद्यमी ने छात्राओं का उत्साहवर्द्धन किया। १८ छात्राओं को उदिता सम्मान से सम्मानित किया गया। ये छात्रायें शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक क्षेत्रों में सफलता के कीर्तिमान स्थापित कर रही है। बी.ए. की ये छात्रायें फिटनेस ट्रेनर, सामाजिक कार्यकर्ता, उद्यमी तथा ट्यूटर जैसे पारंपरिक व्यवसाय के साथ-साथ साइबर कैफे, ऑनलाइन ट्यूटोरियल क्लासेस, गर्ल्स इम्पैक्ट द वर्ल्ड फिल्म फेस्टिवल में प्रथम पुरस्कार, कलमकार के साथ जुड़कर स्टोरी टेलिंग जैसे नये क्षेत्रों में भी सफल हो रही हैं।

राइफल शूटिंग, एन.सी.सी. कैडेट, गवर्नर मेडल से सम्मानित हो कर महाविद्यालय का नाम रोशन कर रही हैं। इसके साथ ही महिला अध्ययन प्रकोष्ठ की तरफ से संचालित नि:शुल्क कम्प्यूटर कोर्स को सफलता पूर्वक पूर्ण करने वाली ५८ छात्राओं को सर्टिफिकेट वितरित किया गया। कम्प्यूटर कोर्स के सफल संयोजन के लिये श्री चन्द्रकांत चटर्जी, सुश्री नेहा कुमारी, तथा सुश्री पूजा कनोडिया को सम्मानित किया गया। अंतर संकाय महोत्सव ''स्पन्दन'' के विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त करने वाली छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। प्राचार्या प्रो. रचना श्रीवास्तवा तथा प्रबन्धक श्रीमती उमा भट्टाचार्या जी ने छात्राओं को संबोधित करते हुये जीवन में कठिनाईयों का दृढ़ता से सामना करने तथा अवसरों का सटीक उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने सभी सहयोगियो

को महिला दिवस की बधाई दी। अंग्रेजी विभाग की डॉ. बीना सिंह एवं संगीत विभाग के श्री सौम्यकांति मुखर्जी ने महिला सशक्तिकरण से संबन्धित कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम में महिला अध्ययन प्रकोष्ठ की संयोजिका डॉ. अंशु शुक्ला, डॉ. कुमुद रंजन तथा डॉ. सुप्रिया सिंह के साथ महाविद्यालय की सभी शिक्षक-शिक्षिकायें उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीमा वर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनोज कुमार सिंह ने किया।

शैक्षणिक परिभ्रमण एवं आउटरीच कार्यक्रम

- दिनांक २८.०२.२०१९ को प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, दर्शनशास्त्र विभाग तथा राजनीति शास्त्र की छात्राओं द्वारा अर्ध कुम्भ के उपलक्ष्य में प्रयागराज का; प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं द्वारा राजघाट पुरातत्वीय स्थलों का; गृहविज्ञान विभाग की बी.ए. द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की छात्राओं के द्वारा दिनांक ०३.११.२०१८ को बसनी, बड़ागाँव का; गृहविज्ञान विभाग की बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं ने दिनांक २१.०२.२०१९ को मूक बधिर विद्यालय का; गृहविज्ञान विभाग की बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं ने दिनांक ०१.०३.२०१९ को पोद्दार अन्ध विद्यालय का; गृहविज्ञान विभाग की बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं ने दिनांक ०५.०४.२०१९ को किरण विकलांग केन्द्र का; दिनांक ०५.०४.२०१९ को एम.ए. गृहविज्ञान की छात्राओं ने फैशन डिजाइनिंग की छात्राओं के साथ ट्रेड़ सेन्टर का; आचार्य स्मृति सप्ताह के अवसर पर संगीत गायन विभाग कर छात्राओं के द्वारा दिनांक १४.०३.२०१९ को का.हि.वि.वि का; दिनांक १६.०३.२०१९ को संगीत वादन विभाग की छात्राओं के द्वारा संगीत एवं मंच कला संकाय, का.हि.वि.वि का; मनोविज्ञान विभाग की एम.ए. द्वितीय वर्ष के ३० छात्राओं द्वारा देवा सेन्टर, कमच्छा का भ्रमण १३.०९.२०१८; मनोविज्ञान विभाग की बी.ए. तृतीय वर्ष ३० की छात्राओं द्वारा फैक्लटी आर्फ ऐजूकेशन एण्ड ओमन्स होंटीकल्चर सोसाइटी द्वारा आयोजित पुष्प प्रदर्शनी में; दिनांक १५.०३.२०१९ को मनोविज्ञान विभाग की बी.ए. तृतीय वर्ष ३० की छात्राओं द्वारा डगमगपुर एवं चुनार फोर्ट मिर्ज़ापुर का; दिनांक ०३.०४.२०१९ को मनोविज्ञान विभाग की एम.ए. द्वितीय वर्ष कर ३० छात्राओं ने किरण विकलांग केन्द्र, शूलटंकेश्वर का; दिनांक १६.०३.२०१९ को संस्कृत विभाग की छात्राओं के द्वारा ज्ञान प्रवाह, सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र का भ्रमण किया गया।

२.३.४. दयानन्द महाविद्यालय (डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज)

डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज की स्थापना सन् १९३८ में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की मान्यता के साथ इण्टरमीडिएट कॉलेज के रूप में हुई। इसके संस्थापक **पं. रामनारायण मिश्र** और **गौरीशंकर** ने मदनमोहन मालवीय के महान शिक्षा संकल्प के उद्देश्य में भागीदारी करके बनारस शहर के हृदय स्थल में शिक्षण संस्थान की बुनियाद रखी ताकि शहर के भीतर शिक्षा संस्कृति को विस्तार मिले। इस संस्थान ने सन् १९४७ में स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रम को लागू किया, जिसे सन् १९५४ में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से स्थायी मान्यता मिली। प्रारम्भ में कला, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य पाठ्यक्रम में कक्षाएं संचालित होती रही। विश्वविद्यालय ने सन् २००८ में कॉलेज में सहशिक्षा और कुछ विषयों में एम.ए. की कक्षाओं सहित शोध की स्वीकृति प्रदान की। वर्तमान में नौ विषयों में एम.ए. पाठ्यक्रम एवं शोध की सुविधा उपलब्ध है। यह कॉलेज रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम के अन्तर्गत यू.जी.डी.सी.ए., ट्रवेल एण्ड टूरिज्म मैनेजमेंट, रिस्क एण्ड इंश्योरेन्स मैनेजमेण्ट, कम्यूनिकेटिव इंगलिश, प्रयोजनमूलक हिन्दी पत्रकारिता एवं साइकोथेरेपी काउंसिलिंग डिप्लोमा की कक्षाओं के द्वारा विद्यार्थियों को रोजगारोपयोगी अध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराता है। महाविद्यालय न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और सुदूर अरुणाचल प्रदेश, कश्मीर (लद्दाख) तक के विद्यार्थियों में ज्ञान चेतना के साथ सतत् सांस्कृतिक चेतना का प्रवाह कर रहा है; राष्ट्रीय स्तर पर छात्रों की यह विविधता हमारी ताकत है। उत्तर प्रदेश के बाहर कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश जैसे सुदूर राज्यों से विद्यार्थियों की आमद महाविद्यालय के राष्ट्रीय स्वरूप का द्योतक है।

प्रवेश एवं परीक्षा प्रक्रिया

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (यू.ई.टी., पी.ई.टी एवं सी.आर.इ.ए.टी.) के माध्यम से स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध छात्रों का मेरिट द्वारा चयन कर विश्वविद्यालय एवं उससे सम्बद्ध महाविद्यालयों में छात्रों का प्रवेश होता है। महाविद्यालय, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित छात्रों की परीक्षा एवं आकलन सम्बन्धित सभी नियमों का अनुपालन करता है।

उपलब्धियाँ एवं कार्यक्रम

छात्र एवं छात्राओं में विषय के ज्ञान को अद्यतन बनाने हेतु कॉलेज विषय के आधार पर क्वेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष करता है। यह क्वेस्ट ०३ श्रेणियों (बहुविकल्पीय प्रश्न, विस्तृतउत्तरी प्रश्न और क्विज सम्बन्धित प्रश्न एवं प्रेजेनटेशन) के आधार पर होता है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान कर प्रोत्साहित करना एवं विशेष रूचि जागृत करने की कोशिश की जाती है,

जिनका विवरण निम्नवत है -

- ''हिन्दी क्वेस्ट'' का आयोजन हिन्दी विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा १५सितम्बर, २०१८ को किया गया।
- ''पॉलिटिकल क्वेस्ट'' का आयोजन राजनीतिशास्त्र विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा १३-१४ मार्च, २०१९ को किया गया।
- ''इकोक्वेस्ट'' का आयोजन अर्थशास्त्र विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा २७ फरवरी, २०१९ को किया गया।
- ''सोसियोक्वेस्ट'' का आयोजन समाजशास्त्र विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा २७ फरवरी, २०१९ को किया गया।
- ''साईकोक्वेस्ट'' का आयोजन मनोविज्ञान विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा २० फरवरी, २०१९ को किया गया।

अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियाँ

- शैक्षणिक चर्चा/संगोष्ठी ''भारतीय मुद्रकों का अवमूल्यन'' का आयोजन वाणिज्य विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा ०६ सितम्बर, २०१८ को किया गया।
- तंत्रिकी विज्ञान संगोष्ठी ''मस्तिष्क एवं महत्वाकांक्षा'' का आयोजन मनोविज्ञान विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा १९ सितम्बर, २०१८ को किया गया।
- एक दिवसीय विशेष संगोष्ठी ''भारतीय मुद्रा का अवमूल्यन और वीओसी के बैनर तले इसका निहितार्थ''का आयोजन वाणिज्य विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा २२ सितम्बर, २०१८ को किया गया।
- मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर ''भारतीय संदर्भ में बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य''का आयोजन मनोविज्ञान विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा १० अक्टूबर, २०१८ को किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ''प्रवासी और मातृभूमि''का आयोजन इतिहास विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा १८-१९ जनवरी, २०१९ को किया गया।
- राष्ट्रीय कार्यशाला ''सॉफ्टवेयर एसपीएसएस और 'आर' का उपयोग करके डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय तकनीक'' का आयोजन वाणिज्य विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा ०९-१९ जनवरी, २०१९ को किया गया।
- पाँच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला ''इनकम टैक्स'' का आयोजन वाणिज्य विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा २८ जनवरी, २०१९ से ०१ फरवरी, २०१९ को किया गया।
- संगोष्ठी ''इमेजिंग ट्रेड्स ऑन इण्टरवेंसन ऑफ चिड्रेन विथ न्यूरोडेवपलमेंट डिसआर्डर''का आयोजन मनोविज्ञान विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा १५फरवरी, २०१९ को किया गया।
- राष्ट्रीय कार्यशाला ''डेवपलमेंट ऑफ नागरी फ्राम ब्राह्मी स्क्रिप्ट''का आयोजन प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा १३-२२ फरवरी, २०१९ को किया गया।
- विशेष सर्वेक्षण ''जी.एस.टी.-२०१९'' का आयोजन वाणिज्य विभाग, डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी द्वारा ३० मार्च, २०१९ को किया गया।

शोध सुविधाएं

- विद्यार्थियों की सुविधा के लिए वाणिज्य, मनोविज्ञान एवं प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व विभाग में एक उत्तम प्रयोगशाला उपलब्ध है।
- वाणिज्य, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, अंग्रेजी प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व एवं हिन्दी विभाग के विद्यार्थियों हेतु स्मार्ट कक्षाओं की सुविधा।
- वर्चुअल क्लास रूम की सुविधा।
- सभी पी.जी. विभागों एवं पुस्तकालय में कम्प्यूटर एवं इण्टरनेट की सुविधा।
- इनफ्लीबनेट (ई-मैगजिन एवं जर्नल्स) की सुविधा।
- पुस्तकालय में लगभग ४५,५७४ पुस्तकें तथा अनेक शोध एवं विषय से सम्बन्धित पत्रिकाएं मंगवायी जाती हैं।
- सभी विभागों में उत्तम विभागीय पुस्तकालय की सुविधा है।
- पुस्तकालय में अध्यापकों, शोध छात्रों एवं स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अलग से बैठने की सुविधा है।
- विद्यार्थियों के लिए फोटोकॉपी की सुविधा।
- एल.सी.डी. प्रोजेक्टर की सुविधा।
- स्नातकोत्तर एवं शोध छात्रों हेतु ई-लाइब्रेरी की सुविधा।

कैम्पस डेवलपमेंट: महाविद्यालय में नए पुस्तकालय भवन का निर्माण, ई-लाईब्रेरी में १९ कम्प्यूटर वाई-फाई सुविधा युक्त, बुक्स एण्ड प्रापर्टी बॉक्स आदि की व्यवस्था छात्रों के लिए, महाविद्यालय का सम्पूर्ण परिसर वाई-फाई (इण्टरनेट) सुविधा युक्त है, महाविद्यालय के पुराने भवन में शुद्ध पेय जल हेतु जल शुद्धिकरण सयंत्र की व्यवस्था, दिव्यांग बच्चों की सुविधा हेतु एक अतिरिक्त शुल्क काउण्टर एवं रैम्प, महाविद्यालय के निजी सड़क का पुन: निर्माण।

३. अध्ययन के पाठ्यक्रमों की सूची

विभिन्न संस्थानों, संकायों, महाविद्यालयों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में शिक्षण हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं :

अ. पोस्ट डॉक्टोरल उपाधि

१. डॉक्टर ऑफ साइंस (डी.एससी.)
२. डॉक्टर ऑफ लेटर्स (डी.लिट्.)
३. डॉक्टर ऑफ लॉज़ (एलएल.डी.)
४. विद्या वाचस्पति

ब. शोध उपाधियाँ न्यूनतम अवधि ३-वर्ष

१. डॉक्टर ऑफ फिलॉसॉफी (पीएच.डी.)
२. विद्यावारिधि/चक्रवर्ती (सं.वि.ध.वि. संकाय हेतु)

स. मास्टर ऑफ फिलॉसॉफी एम. फिल्.

१. सबअल्टर्न स्टडीज़ में एम.फिल्.
२. संगीतशास्त्र में एम.फिल्.
३. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास में एम.फिल्.

१. कला संकाय

कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष

शारीरिक शिक्षण स्नातक (बी.पी.एड्.) २-वर्ष

कला स्नातकोत्तर (एम.ए.) : २-वर्ष

१. अंग्रेजी
२. हिन्दी
३. संस्कृत
४. तेलुगू
५. जर्मन
६. फ्रेंच
७. नेपाली
८. बंगाली
९. उर्दू
१०. फारसी
११. अरबी
१२. पालि एवं बौद्ध अध्ययन
१३. मराठी
१४. भूगोल
१५. प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व
१६. भारतीय दर्शन एरां धर्म
१७. गणित
१८. सांख्यिकी
१९. कला इतिहास
२०. भाषा विज्ञान
२१. दर्शनशास्त्र
२२. गृह विज्ञान
२३. चीनी
२४. कन्नड़
२५. रूसी

व्यावसायिक पाठ्यक्रम : २-वर्ष

१. जन-संचार में स्नातकोत्तर
२. शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.पी.एड्.)
३. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर (एम्.लिब्.एण्ड आई.एससी.)
४. प्रयोजनमूलक हिन्दी (पत्रकारिता)
५. एम.ए. इन म्यूज़ियोलॉजी
६. एम.ए. इन मैन्युस्क्रिप्टोलॉजी एण्ड पैलियोग्राफी

एडवांस पी.जी. डिप्लोमा १-वर्ष

१. पुरातत्व विज्ञान
२. कला इतिहास
३. भारतीय इतिहास एवं संस्कृति
४. अरबी
५. तेलुगू
६. हिन्दी
७. फ्रांसीसी अध्ययन
८. जर्मन
९. भारतीय दर्शनशास्त्र एवं धर्म
१०. नेपाली
११. मराठी
१२. फारसी
१३. उर्दू
१४. भारतीय भाषा (नेपाली में ब्रिज पाठ्यक्रम)
१५. तेलुगू (ब्रिज पाठ्यक्रम)

स्नातक डिप्लोमा : **२-वर्ष**

१. हिन्दी
२. तमिल
३. तेलुगू
४. रूसी
५. चीनी
६. मराठी
७. फ्रांसीसी
८. अरबी
९. फारसी
१०. जर्मन अध्ययन
११. अंग्रेजी
१२. कन्नड़
१३. उर्दू
१४. नेपाली
१५. पाली
१६. संस्कृत
१७. इटालियन
१८. स्पैनिश
१९. प्राकृत
२०. जापानी

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम : **१-वर्ष**

१. हिन्दी
२. अंग्रेजी
३. पर्शियन
४. उर्दू
५. अरबी
६. इटालियन
७. पाली
८. फ्रांसीसी (ब्रिज कोर्स)

विशेष पाठ्यक्रम: **२-वर्ष**

१. पर्यटन प्रशासन में स्नातकोत्तर
२. कार्पोरेट कम्यूनिकेशन मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर
३. कार्यालय प्रबन्धन एवं व्यवसाय संचार में स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम
४. पर्यटन प्रबन्धन में स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम
५. स्वास्थ्य संचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
६. खेलकूद पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
७. विभिन्न दक्षताओं के लिए अनुवाद कौशल में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्ण कालिक) १-वर्ष
८. भोजपुरी और जनपद अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (२ वर्ष)
९. हिन्दी पत्रकारिता में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (१ वर्ष)
१०. भोजपुरी और जनपद अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (१ वर्ष)
११. भोजपुरी भाषा में प्रवीणता प्रमाण पत्र (४ माह)

२. सामाजिक विज्ञान संकाय

कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष

कला स्नातकोत्तर २-वर्ष

१. अर्थशास्त्र
२. इतिहास
३. राजनीति विज्ञान
४. समाजशास्त्र
५. मनोविज्ञान

विशेष पाठ्यक्रम : **२-वर्ष**

१. कार्मिक प्रबन्धन व औद्योगिक संपर्क में स्नातकोत्तर (एम पी एम आई आर)
२. समाज कार्य में स्नातकोत्तर
३. जन प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम. पी. ए.)
४. कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंन्ट एण्ड डेवलेपमेन्ट में स्नातकोत्तर (एम. सी. एम. डी.)
५. एकीकृत ग्रामीण विकास और प्रबंधन में स्नातकोत्तर
६. एन्थ्रोपोलॉजी में कला स्नातकोत्तर
७. सामाजिक अनुकरण और समावेशी नीति में स्नातकोत्तर
८. उर्जा अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर
९. व्यावसायिक अर्थशास्त्र और प्रबंधन में स्नातकोत्तर
१०. जापानी अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १ वर्ष
११. कॉन्फ्लिक्ट मैनेजमेंन्ट एण्ड डेवलेपमेन्ट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
१२. परामर्श एवं मनश्चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्ण कालिक) १-वर्ष
१३. लिंग एवं महिला अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
१४. काउन्सलिंग गाइडेन्स एवं साइकोलॉजीकल इन्टरवेंशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष

१५. व्यावसायिक अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष

३. विधि संकाय

१. विधि स्नातक (एलएल. बी.) ३-वर्ष
२. बी.ए.एल.एल.बी. ५-वर्ष
३. विधि स्नातकोत्तर (एलएल. एम.) २-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम:

१. मानवाधिकार में विधि स्नातकोत्तर (एच आर. डी. ई.) २-वर्ष
२. एल एल.एम. पाठ्यक्रम १-वर्ष
३. इण्डस्ट्रियल एण्ड इन्टेलेक्चुअल प्रापर्टी लॉ में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
४. इन्वायरनमेंटल लॉ, पॉलिसी एण्ड मैनेजमेन्ट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
५. फोरेंसिक विज्ञान और चिकित्सा न्यायशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
६. टैक्स प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
७. जनसंचार और मीडिया कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
८. मानव संसाधन प्रबंधन, सेवा और औद्योगिक कानून में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
९. सूचना प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष
१०. कारपोरेट प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष

४. शिक्षा संकाय : २-वर्ष

१. शिक्षा स्नातक (बी.एड्.)
२. शिक्षा स्नातक (बी.एड्. विशेष)
३. शिक्षा स्नात्तकोत्तर (एम.एड्.)
४. शिक्षा स्नातकोत्तर (एम. एड्.विशेष)

५. वाणिज्य संकाय

१. वाणिज्य स्नातक (बी. काम्. प्रतिष्ठा) ३-वर्ष
२. वाणिज्य स्नातकोत्तर (एम. काम्.) २-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम: २-वर्ष

१. एम.बी.ए. (फॉरेन ट्रेड)
२. एम.बी.ए. (रिस्क एण्ड इन्श्योरेंस)
३. एम.बी.ए. (फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट)

६. प्रबंध शास्त्र संकाय: २-वर्ष

१. मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम. बी. ए.)
२. मास्टर ऑफ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (इंटरनेशनल बिज़नेस) (एम. बी. ए.-आई.बी.)

विशेष पाठ्यक्रम : १-वर्ष (अंशकालिक)

१. बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.बी.ए.)
२. माइक्रोफाइनेन्स एण्ड इन्टरप्रेन्योरशिप में डिप्लोमा
३. लेज़र एण्ड हॉस्पिटलिटी मैनेजमेन्ट में डिप्लोमा
४. हेल्थ केयर मैनेजमेन्ट में प्रमाणपत्र ६ माह

७. विज्ञान संकाय

विज्ञान स्नातक (बी. एससी. प्रतिष्ठा) (गणित और जीव विज्ञान ग्रुप) ३-वर्ष

विज्ञान स्नातकोत्तर (एम. एससी.) २-वर्ष

१. रसायन विज्ञान
३. वनस्पति विज्ञान
३. भूगर्भ विज्ञान
४. गणित
५. सांख्यिकी
६. भौतिकी विज्ञान
७. प्राणि विज्ञान
८. भूगोल
९. जैवरसायन
१०. गृह विज्ञान
११. जैव प्रौद्योगिकी
१२. संगणक विज्ञान
१३. मनोविज्ञान
१४. आणविक एवं मानव आनुवांशिकी
१५. भूगर्भशास्त्र
१६. बायोइन्फार्मेटिक्स (केवल महिलाओं के लिए, म.म.वि.)
१७. भू-भौतिकी विज्ञान में स्नातकोत्तर (टेक्.) (एम. एससी. टेक्.) ३-वर्ष
१८. मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.) ३-वर्ष

डिप्लोमा पाठ्यक्रम : १-वर्ष

१. स्पेक्ट्रोस्कोपी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
२. प्राकृतिक आपदा प्रबन्ध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

सांख्यिकी विधि १-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम : २-वर्ष

१. पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी.

२. अनुप्रयुक्त सूक्ष्म जीव विज्ञान में एम.एससी.

३. सांख्यिकी और कम्प्यूटिंग में एम.एससी.

४. कम्प्यूटेशनल साइंस और सिग्नल प्रोसेसिंग में एम.एससी.

५. फोरेंसिक साइंस में एम.एससी.

६. रिमोट सेन्सिंग एण्ड जी.आई.एस. में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष

७. जनसंख्या अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष

८. क्रोमोसोमल जेनेटिक एण्ड मोलेकुलर डायग्नोस्टिक में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष (पूर्ण कालिक)

९. साख्यिकी और कम्प्यूटिंग में डिप्लोमा १-वर्ष

८. दृश्य कला संकाय

स्नातक ललित कला (बी.एफ.ए.) : ४-वर्ष

स्नातकोत्तर ललित कला (एम.एफ.ए.): २-वर्ष

१. चित्र कला

२. अनुप्रयुक्त कला

३. प्लास्टिक कला

४. मृद्भाण्ड एवं मृतिका शिल्प

५. वस्त्र रूपांकन

विशेष पाठ्यक्रम : १-वर्ष

१. चित्रकला में प्रमाण-पत्र
२. विज्ञापन एवं रूपांकन में प्रमाण-पत्र
३. मृद्भाण्ड एवं मृत्तिका शिल्प में प्रमाण-पत्र
४. मूर्तिकला में प्रमाण-पत्र

९. मंच कला संकाय

संगीत स्नातक (बी.म्यूज.) : ३-वर्ष

१. गायन

२. वाद्य (सितार/वायलिन/तबला/बांसुरी)

प्रदर्शन कला में स्नातक (नृत्य में बी.पी.ए.) ३-वर्ष

१. नृत्य (कत्थक/भरतनाट्यम्)

संगीत स्नातकोत्तर (एम.म्यूज.): २-वर्ष

१. गायन

२. वाद्य (सितार/वायलिन/तबला/बांसुरी)

प्रदर्शन कला में स्नातकोत्तर (एम.पी.ए.) २-वर्ष

१. नृत्य (कत्थक/भरतनाट्यम्)

मास्टर ऑफ म्युजिकोलॉजी: २-वर्ष

म्युजिकोलॉजी

संगीत एवं नृत्य में जूनियर डिप्लोमा: ३-वर्ष

१. कंठ संगीत: हिन्दुस्तानी, कर्नाटक

२. वाद्य संगीत : (सितार/ वायलिन/ बांसुरी/ तबला/ कर्नाटक वीणा)

अ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -१

आ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -२

इ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -३

३. नृत्य (कत्थक/भरतनाट्यम्)

अ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -१

आ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -२

इ) जूनियर डिप्लोमा, स्तर -३

इस त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रत्येक वर्ष की समाप्ति पर अभ्यर्थियों को निम्नलिखित प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है :

प्रथम वर्ष - कनिष्ठ प्रमाण-पत्र

द्वितीय वर्ष- वरिष्ठ प्रमाण-पत्र

तृतीय वर्ष- डिप्लोमा

संगीतशास्त्र में सर्टिफिकेट कोर्स १-वर्ष

१०. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

शास्त्री (प्रतिष्ठा) : ३-वर्ष

आचार्य : २-वर्ष

१. वेद-ऋग्वेद/यजुर्वेद (शुक्ल/कृष्ण)/सामवेद

२. धर्मागम

३. पुराणेतिहास और साहित्य (अलंकार प्रधान एवं काव्य प्रधान व नाट्य प्रधान)

४. ज्योतिष (गणित एवं फलित)

५. व्याकरण

६. मीमांसा

७. न्याय वैशेषिक

८. वेदान्त

९. जैन दर्शन

१०. बौद्ध दर्शन

११. प्राचीन न्याय

१२. सांख्य योग

१३. धर्मशास्त्र

स्नातकोत्तर डिप्लोमा: आगमतंत्र २-वर्ष

प्रमाण-पत्र: संस्कृत १-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम : २-वर्ष (अंशकालिक)

१. वास्तुशास्त्र एवं ज्योतिष में स्नातक डिप्लोमा

११. चिकित्सा विज्ञान संकाय

स्नातक मेडिसिन और स्नातक सर्जरी

(एम.बी.बी.एस.) ५१/२ -वर्ष

डॉक्टर ऑफ मेडिसिन (एम.डी.) **३-वर्ष**

१. नि:संज्ञा विज्ञान
२. जैव रसायन
३. जैव भौतिकी
४. त्वचा विज्ञान
५. रतिरोग विज्ञान एवं कुष्ठ
६. विधि चिकित्सा शास्त्र
७. चिकित्सा
८. बाल चिकित्सा
९. सूक्ष्म जीव विज्ञान
१०. व्याधि विज्ञान
११. औषधि विज्ञान
१२. कार्यिकी
१३. निवारक एवं सामाजिक औषधि
१४. मनोरोग विज्ञान
१५. विकिरण निदान (विकिरण-निर्धारण)
१६. विकिरण चिकित्सा और विकिरण औषधि
१७. यक्ष्मा एवं श्वसन रोग विज्ञान

बैचलर ऑफ साइंस इन नर्सिंग ४-वर्ष

इंटर्नशिप के साथ

मास्टर ऑफ सर्जरी (एम.एस.): ३-वर्ष

१. शरीर रचना विज्ञान
२. नेत्र चिकित्सा
३. अस्थि रोग विज्ञान
४. कर्ण, नासा, कंठ विज्ञान
५. शल्य चिकित्सा
६. प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

डाक्टोरेट मेडिसिन (डी.एम.): ३-वर्ष

१. तंत्रिकीय चिकित्सा
२. अंत:स्राव विज्ञान
३. जठरांत्र शोथ विज्ञान
४. हृदय रोग विज्ञान
५. वृक्क रोग विज्ञान

मैजिस्टर चिरुरगॉय (एम.सीएच.) ३-वर्ष

१. तंत्रिकीय शल्य चिकित्सा
२. प्लास्टिक शल्य चिकित्सा
३. मूत्र रोग विज्ञान
४. बाल शल्य चिकित्सा
५. हृदय-लसिका एवं वक्षीय शल्य चिकित्सा

स्वास्थ्य सांख्यिकी में स्नातकोत्तर २ वर्ष

प्रमाण पत्र

पेन एण्ड पैलिएटिव केअर में पोस्ट डॉक्टोरल सर्टिफिकेट कोर्स १ वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम : २-वर्ष

१. विगलन चिकित्सा (डायलिसिस) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
२. चिकित्सकीय तकनीकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (रेडियोथिरेपी)
३. प्रयोगशाला तकनीकी में स्नातकोत्तर डिप्लोम

१२. आयुर्वेद संकाय

स्नातक आयुर्वेदिक मेडिसिन और सर्जरी (बी.ए.एम.एस.) ५½-वर्ष

डॉक्टर ऑफ मेडिसिन-आयुर्वेद (एम.डी.आयु.): ३-वर्ष

१. मौलिक सिद्धान्त
२. द्रव्य गुण
३. रस शास्त्र
४. काय चिकित्सा
५. प्रसूति तंत्र (स्त्री रोग)
६. प्रसूति (कौमारभृत्य/बालरोग)

मास्टर ऑफ सर्जरी - आयुर्वेद (एम.एस.आयुर्वेद): ३ वर्ष

१. शल्य
२. शालक्य

आयुर्वेदिक फार्मास्युटिक्स में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. आयु. पी.)**:** ***२ वर्ष***

विशेष पाठ्यक्रम: *२ वर्ष*

१. पंचकर्म चिकित्सा में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
२. नेओनाटाल एण्ड चाइल्ड केयर में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.एन.सी.(आयुर्वेद))
३. क्षार कर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
४. विकिरण एवं छाया में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
५. संज्ञाहरण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
६. अग्निकर्म एवं जलौका वाचरण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
७. आयुर्वेदिक दर्द प्रबंधन में प्रमाणपत्र (केवल विदेशी छात्रों

के लिए)

८. बाल पंचकर्म में तकनीकी सहायता प्रमाण पत्र (पूर्ण कालिक)

१३. दंत विज्ञान संकाय

बेचलर आफ डेन्टल सर्जरी (बी.डी. एस.) ३-वर्ष

मास्टर आफ डेन्टल सर्जरी (एम.डी.एस.) ३-वर्ष

विशेष पाठ्यक्रम : २-वर्ष

१. डेन्टल मेकैनिक में स्नातक डिप्लोमा

२. डेन्टल हाइजेनिस्ट में स्नातक डिप्लोमा

१४. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान: २-वर्ष

पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर

(१) पृथ्वी और वायुमंडलीय विज्ञान

(२) पारिस्थितिक विज्ञान

(३) पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी

१५. कृषि संकाय

स्नातक कृषि विज्ञान (बी.एससी.एजी.) ४-वर्ष

स्नातकोत्तर कृषि विज्ञान (एम.एससी.एजी.) : २-वर्ष

१. शस्य विज्ञान

२. कृषि अर्थशास्त्र

३. पादप कार्यिकी

४. कीट विज्ञान एवं कृषि जन्तु विज्ञान

५. प्रसार शिक्षा

६. आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन

७. पशु पालन एवं दुग्ध विज्ञान

८. कवक एवं पादप रोग विज्ञान

९. उद्यान विज्ञान

१०.मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन शास्त्र

विशेष पाठ्यक्रम : ***२ वर्ष***

१. कृषि व्यवसाय प्रबन्ध में स्नातकोत्तर

२. एम.टेक्. इन एग्रीकल्चरल इंजिनियरिंग (सॉइल एण्ड वाटर कन्जरवेशन इंजि.)

३. एम.एससी. इन फूड साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी

४. बीज तकनीकी में डिप्लोमा १-वर्ष

१६. पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान संकाय

पशु चिकित्सा विज्ञान तथा पशु पालन में स्नातक ४½-वर्ष

१७. महिला महाविद्यालय

१. कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष

२. विज्ञान स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष

३. विज्ञान स्नातकोत्तर (गृह विज्ञान) २-वर्ष

४. विज्ञान स्नातकोत्तर (बायोइन्फारमेटिक्स) (महिलाओं के लिए) २-वर्ष

५. शिक्षा में स्नातकोत्तर २-वर्ष

६. नृत्य में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (कत्थक, भरतनाट्यम्) ३-वर्ष

१८. सम्बद्ध महाविद्यालय

१. आर्य महिला पी. जी. महाविद्यालय

१. कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष

२. वाणिज्य स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष

३. शिक्षा स्नातक (बी. एड्.) २-वर्ष

४. कला स्नातकोत्तर (एम. ए.) २-वर्ष

(क) संस्कृत

(ख) दर्शनशास्त्र

(ग) हिन्दी

(घ) प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व

(च) अंग्रेजी

(छ) बंगाली

५. कला स्नातकोत्तर (सामाजिक विज्ञान) में २-वर्ष

(क) मनोविज्ञान

(ख) इतिहास

(ग) राजनितिशास्त्र

(घ) समाजशास्त्र

(च) अर्थशास्त्र

२. वसन्त कन्या महाविद्यालय

१. कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष

२. कला स्नातकोत्तर (एम. ए.) २-वर्ष

(क) हिन्दी

(ख) अंग्रेजी

(ग) गृह विज्ञान

३. कला स्नातकोत्तर (सामाजिक विज्ञान) में २-वर्ष

(क) मनोविज्ञान

(ख) अर्थशास्त्र

४. स्पोकेन इंग्लिश में ६ माह का प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा/ एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम

३. वसन्त महिला महाविद्यालय (राजघाट)

१. कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष

२. वाणिज्य स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष

३. शिक्षा स्नातक (बी. एड्.) २-वर्ष

४. शिक्षा स्नातकोत्तर (एम. एड्.) २-वर्ष

५. कला स्नातकोत्तर (एम. ए.) २-वर्ष

(क) अंग्रेजी

(ख) भूगोल

(ग) हिन्दी

६. कला स्नातकोत्तर (सामाजिक विज्ञान) में २-वर्ष

(क) मनोविज्ञान

(ख) अर्थशास्त्र

(ग) इतिहास

(घ) समाजशास्त्र

७.पत्रकारिता और पर्यटन प्रबन्धन में १ वर्षीय पूर्णकालिक प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा/ एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम

४. दयानन्द पी. जी. महाविद्यालय (डी. ए. वी. डिग्री कालेज)

१. कला स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष

२. वाणिज्य स्नातक (प्रतिष्ठा) ३-वर्ष

३. वाणिज्य स्नातकोत्तर (एम. काम.) २-वर्ष

४. कला स्नातकोत्तर (एम. ए.) २-वर्ष

(क) अंग्रेजी

(ख) भूगोल

५. कला स्नातकोत्तर (सामाजिक विज्ञान) में २-वर्ष

(क) राजनीति शास्त्र

(ख) मनोविज्ञान

(ग) समाजशास्त्र

(घ) अर्थशास्त्र

(च) इतिहास

६.पत्रकारिता और पर्यटन प्रबन्धन में प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा/ एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम १ वर्षीय पूर्णकालिक

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मिर्जापुर

अध्ययन हेतु नियमित पाठ्यक्रम

१. शिक्षा संकाय

शिक्षा स्नातक (बी.एड्.)

(पेड सीट श्रेणी के अन्तर्गत-स्नातक

प्रवेश परीक्षा के चयनित अभ्यर्थियों द्वारा) २-वर्ष

२. आयुर्वेद संकाय

बी.फार्मा. (आयुर्वेद) ४-वर्ष

एम. फार्मा. (आयुर्वेद) २-वर्ष

३. विज्ञान संकाय

मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.)

(पेड सीट श्रेणी के अन्तर्गत) ३-वर्ष

४. वाणिज्य संकाय

स्नातक वाणिज्य (प्रतिष्ठा)

(पेड सीट श्रेणी के अन्तर्गत) ३-वर्ष

अध्ययन के विशेष पाठ्यक्रम के अन्तर्गत

१. कला संकाय **२-वर्ष**

१. पर्यटन और यात्रा प्रबन्धन में एम.ए.

२. कार्यालय प्रबन्धन और व्यवसाय संचार में डिप्लोमा

३. पर्यटन प्रबन्धन में स्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम

४. भ्रमण प्रबन्धन में
स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्ण कालिक) १-वर्ष

५. कॉरपोरेट सेक्रेटेरीशिप में स्नातकोत्तर डिप्लोमा १-वर्ष

६. पीजी डिप्लोमा इन जर्नलिस्म एण्ड
मास कम्यूनिकेशन १-वर्ष

२. प्रबन्ध शास्त्र संकाय

कृषि व्यवसाय में एम.बी.ए. (पूर्ण कालिक) २-वर्ष

३. विज्ञान संकाय

१. पी.जी.डिप्लोमा इन रिमोट सेन्सिंग
एण्ड जी.आई.एस. १-वर्ष

४. वाणिज्य संकाय

वाणिज्य स्नातक (प्रतिष्ठा)

(फाइनेंशियल मार्केट मैनेजमेंट) ३-वर्ष

५. कृषि संकाय **२-वर्ष**

१. एम.एससी. (कृषि) एग्रोफोरेस्ट्री

२. एम.एससी. (कृषि) मृदा और जल संरक्षण

३. एम.एससी. इन प्लान्ट बायोटेक्नोलॉजी

६. सामाजिक विज्ञान संकाय **१-वर्ष**

१. परामर्श और मनश्चिकित्सा में
स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पूर्ण कालिक)

७. आयुर्वेद संकाय

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग उपचार में स्नातक डिप्लोमा

(बी.एन.वाई.एस.) ४½-वर्ष

८. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

१. कर्मकाण्ड में प्रमाण पत्र १-वर्ष

९. दृश्य कला संकाय

१. टेक्सटाइल डिजाइन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम १-वर्ष

२. हथकरघा कढ़ाई एवं हस्तकला में प्रमाण पत्र ६-माह

३. रंगाई और छपाई में प्रमाण पत्र ६-माह

४. टेक्सटाइल डिजाइन में प्रमाण पत्र ६-माह

१०. पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान

पर्यावरण विज्ञान में एम.एस.सी

(पर्यावरण प्रोद्यौगिकी) २-वर्ष

व्यावसायिक पाठ्यक्रम

कला संकाय **३-वर्ष**

१. खुदरा प्रबंधन में व्यावसायिक स्नातक

२. अतिथि एवं पर्यटन प्रबंधन में व्यावसायिक स्नातक

३. फैशन डिजाइनिंग एण्ड इवेंट मैनेजमेंट में व्यावसायिक स्नातक

४. आधुनिक कार्यालय प्रबंधन में व्यावसायिक स्नातक

५. खाद्य प्रंसस्करण और प्रबधन में व्यावसायिक स्नातक

६. मेडिकल लैब तकनीक में व्यावसायिक स्नातक

७. खुदरा प्रंबधन में व्यावसायिक स्नातकोत्तर २-वर्ष

८. अतिथि एवं पर्यटन प्रंबधन में व्यावसायिक
स्नातकोत्तर २-वर्ष

९. खाद्य प्रंसस्करण और प्रबधन में
व्यावसायिक स्नातकोत्तर २-वर्ष

१०. चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी (चिकित्सा प्रयोगशाला
प्रौद्योगिकी) २-वर्ष

४. उपाधि/सनद्/प्रमाण-पत्र सत्र

१. कृषि विज्ञान संकाय

बी.एससी.(एजी.)	१८९
एम.एससी.(एजी.)/एम.एससी.	२६८
पीएच.डी.	१३९

२. चिकित्सा विज्ञान संकाय

एम.बी.बी.एस.	६७
एम.डी.	८९
एम.एस.	४२
डी. एम.	११
एम. सीएच.	६
बी.एससी. नर्सिंग	९१
एम.एससी. (स्वास्थ्य सांख्यिकी)	१२
योग में डिप्लोमा	१५३
पीएच.डी.	४६

३. आयुर्वेद संकाय

बी.एन.वाई.एस.	०९
बी.ए.एम.एस.	४९
एम.डी. (आयुर्वेद)	२७
एम.एस. (आयुर्वेद	११
बी. फार्म.(आयुर्वेद)	०५
एम.फार्म.(आयुर्वेद)	०८
स्नातकोत्तर डिप्लोमा	०२
पीएच.डी.	४४

४. दन्त चिकित्सा संकाय

बी.डी.एस.	४०
एम.डी.एस.	११
पीएच.डी.	०४

५. पर्यावरण एवं धारणीय विकास संकाय

एम.एससी. (टेक.)	२९
पीएच.डी.	०२

६. कला संकाय

बी.ए. (प्रतिष्ठा)	१३९७
व्यावसायिक स्नातक	४४
एम.ए.	११५८
एम.पी.एड.	४९
बी.पी.एड.	५९
एम.लिब. और सूचना विज्ञान	२९
व्यावसायिक स्नातकोत्तर	१५
स्नातकोत्तर डिप्लोमा	९८
स्नातक डिप्लोमा	२८८
प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम	२५३
पीएच.डी.	३३७
डी.लिट्	०२

७. सामाजिक विज्ञान संकाय

बी.ए. (प्रतिष्ठा)	१४३४
एम.ए.	१०१९
स्नातकोत्तर डिप्लोमा	१९१
पीएच.डी.	१५२
एम.फिल.	०४

८. विज्ञान संकाय

बी.एससी. (प्रतिष्ठा)	८३४
एम.एससी./एम.एससी. (टेक्.)	७६२
एम.फिल. (जीव विज्ञान)	०२
स्नातकोत्तर डिप्लोमा	५६
प्रमाण-पत्र डिप्लोमा	२४
पीएच.डी.	३०४
डी.एससी.	०१

९. प्रबन्ध शास्त्र संकाय

एम.बी.ए.	५३
एम.आई.बी.ए.	५०
एम.बी.ए. (कृषि व्यवसाय)	४१
डिप्लोमा	७५
पीएच.डी.	२०
डी.लिट्	०१

१०.वाणिज्य संकाय

बी.काम्. (प्रतिष्ठा)	७४४
बी.काम्. (एफ.एम.एम.)	४१
एम.काम्.	२०५
एम.बी.ए. (एफ.एम.)	५५
एम.बी.ए. (एफ.टी.)	३५
एम.बी.ए.(आर .आई.)	३३
डिप्लोमा	४१
पीएच.डी.	६२
डी.लिट्	०१

११. शिक्षा संकाय

बी.एड्.	२५५
बी.एड्. (विशेष)	४८
एम.एड्.	६०
एम.एड्. (विशेष)	०६
पीएच.डी.	४२

१२.संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

शास्त्री (प्रतिष्ठा)	१६६
आचार्य	९६
स्नातक डिप्लोमा	२७
चक्रवर्ती	६७

१३.दृश्य कला संकाय

बी.एफ.ए.	८५
एम.एफ.ए.	६८
प्रमाण पत्र डिप्लोमा	१९
पीएच.डी.	१२

१४. मंच कला संकाय

बी.म्यूज./बी.पी.ए.	५२
एम.पी.ए.	६७
एम. म्यूजिकोलॉजी	१६
पीएच.डी.	४४
डी.लिट्	०१

१५.विधि संकाय

एलएल.बी. (प्रतिष्ठा)	२७७
एलएल.एम.(सामान्य)	३८
एलएल.एम (एचआरडीई)	१७
एलएल.एम.(एक वर्ष)	२०
स्नातकोत्तर डिप्लोमा	११०
पीएच.डी.	२२

४.१. छात्रों की संख्या, नवपंजीकृत छात्र एवं छात्राएँ

विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों/संकायों/महाविद्यालयों में नवपंजीकृत छात्रों की संख्या नीचे वर्णित है:

क्र. सं.	संकाय/महाविद्यालय का नाम	छात्र	छात्रा	योग
१.	कृषि विज्ञान संकाय	३८३	२०६	५८९
२.	पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय	५४	६	६०
३.	पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास	४३	२६	६९
४.	चिकित्सा विज्ञान संकाय	२५८	१८३	४४१
५.	आयुर्वेद संकाय	८८	८५	१७३
६.	दन्त विज्ञान संकाय	२८	३४	६२
७.	कला संकाय	२२०४	१०९०	३२९४
८.	वाणिज्य संकाय	४९७	३२८	८२५
९.	शिक्षा संकाय	१७७	१४९	३२६
१०.	विधि संकाय	५४७	१७९	७२६
११.	प्रबन्ध शास्त्र संकाय	११७	६९	१८६
१२.	मंच कला संकाय	२७१	२४३	५१४
१३.	विज्ञान संकाय	१६३८	६८९	२३२७
१४.	सामाजिक विज्ञान संकाय	९४०	४५३	१३९३
१५.	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	१५६	१२	१६८
१६.	दृश्य कला संकाय	११८	१०९	२२७
१७.	महिला महाविद्यालय	०	८५०	८५०
	सम्पूर्ण योग	**७५१९**	**४७११**	**१२२३०**

सम्बद्ध महाविद्यालयों में नवपंजीकृत छात्रों की संख्या नीचे वर्णित है:

क्र. सं.	सम्बद्ध महाविद्यालय का नाम	छात्र	छात्रा	योग
१.	वसंत कन्या महाविद्यालय	१५	७४४	७५९
२.	आर्य महिला पी.जी. कॉलेज	०	११४२	११४२
३.	वसन्त महिला महाविद्यालय	२२	९६०	९८२
४.	दयानन्द पी.जी. कॉलेज	१७०५	१०२	१८०७
	सम्पूर्ण योग	**१७४२**	**२९४८**	**४६९०**

विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित विद्यालयों में नवपंजीकृत छात्रों की संख्या नीचे वर्णित है:

क्र. सं.	विद्यालय का नाम	योग
१.	सेन्ट्रल हिन्दू ब्वॉएज् स्कूल	६९४
२.	सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल	४३६
३.	श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय	५०४
	सम्पूर्ण योग	**१६३४**

नवपंजीकृत विदेशी छात्र एवं छात्राएँ

क्र. सं.	देश का नाम	छात्र	छात्रा	योग
१.	आस्ट्रेलिया	०	१	१
२.	बांग्लादेश	७	२	९
३.	भूटान	१	०	१
४.	कम्बोडिया	२	०	२
५.	मिस्र	२	०	२
६.	एस्टानिया	०	२	२
७.	फ्रांस	१	०	१
८.	जर्मनी	0	१	१
९.	आयरलैण्ड	१	०	१
१०.	कोरिया	०	१	१
११.	मालदीव	०	१	१
१२.	मॉरिशस	३	५	८
१३.	नेपाल	६७	४४	१११
१४.	पोलैंड	१	०	१
१५.	रूस	०	१	१
१६.	सेशेल्स	१	०	१
१७.	दक्षिण कोरिया	१	०	१
१८.	स्पेन	१	१	२
१९.	श्रीलंका	३	४	७
२०.	सूडान	१	०	१
२१.	तजाकिस्तान	१	०	१
२२.	थाईलैंड	५	२	७
२३.	तिब्बत	**७**	**५**	**१२**
२४.	यूनाइटेड किंगडम	**०**	**१**	**१**
	योग	**१०५**	**७१**	**१७६**

वर्गानुसार और संकायानुसार सम्पूर्ण विद्यार्थियों की संख्या

क्र. सं.	संकायों के नाम	सामान्य वर्ग के छात्रों की संख्या			अनु. जाति वर्ग के छात्रों की संख्या			अनु. जनजाति वर्ग के छात्रों की संख्या			अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या			विदेशी छात्रों की संख्या			कुल योग		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
१.	कृषि विज्ञान संकाय	५०८	२६५	७७३	१७३	४९	२२२	७१	३४	१०५	४६६	१८०	६४६	८१	२९	११०	१२९९	५५७	१८५६
२.	पशु-चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय	२३	३	२६	१३	०	१३	७	१	८	४७	८	५५	०	०	०	९०	१२	१०२
३.	पर्यावरण एवं सम्पोष्य विकास	२९	२२	५१	९	४	१३	५	४	९	२४	१३	३७	०	०	०	६७	४३	११०
४.	चिकित्सा विज्ञान संकाय	४५४	३४०	७९४	१०१	९४	१९५	४९	३१	८०	२४२	१३८	३८०	११	११	२२	८५७	६१४	१४७१
५.	आयुर्वेद संकाय	१७८	१९८	३७६	५२	३९	९१	१९	१६	३५	१२५	१००	२२५	०	१	१	३७४	३५४	७२८
६.	दन्त विज्ञान संकाय	४१	६८	१०९	१६	२१	३७	५	६	११	२८	४३	७१	०	०	०	९०	१३८	२२८
७.	कला संकाय	२२४५	१०९२	३३३७	६७८	२९८	९७६	२७३	१३५	४०८	१९३९	८१७	२७५६	७७	३६	११३	५२१२	२३७८	७५९०
८.	वाणिज्य संकाय	५४४	४४१	९८५	२२९	८०	३०९	९६	४५	१४१	४७०	२३५	७०५	४२	२१	६३	१३८१	८२२	२२०३
९.	शिक्षा संकाय	१४३	१२१	२६४	६०	२६	८६	१६	१८	३४	१४६	१२०	२६६	५	१	६	३७०	२८६	६५६
१०.	विधि संकाय	७१२	२१५	९२७	१५९	२९	१८८	५८	२१	७९	३७९	८७	४६६	४	४	८	१३१२	३५६	१६६८
११.	प्रबन्ध शास्त्र संकाय	१४७	९४	२४१	२९	१४	४३	८	८	१६	८०	३९	११९	३	५	८	२६७	१६०	४२७
१२.	मंच कला संकाय	३७४	४२२	७९६	९९	७०	१६९	१६	२७	४३	१७१	१७९	३५०	७	१	८	६६७	६९९	१३६६
१३.	विज्ञान संकाय	१९३५	९६७	२९०२	४७०	१९८	६६८	१७९	६९	२४८	१२१७	४४६	१६६३	५२	२२	७४	३८५३	१७०२	५५५५
१४.	सामाजिक विज्ञान संकाय	१२३८	५२२	१७६०	३८५	१२१	५०६	१७५	५४	२२९	८२४	३०१	११२५	२०	१३	३३	२६४२	१०११	३६५३
१५.	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	१०१५	५४	१०६९	७	३	१०	४	३	७	५९	२३	८२	६	०	६	१०९१	८३	११७४
१६.	दृश्य कला संकाय	६८	८९	१५७	८५	३०	११५	२५	१९	४४	२१०	१४०	३५०	७	४	११	३९५	२८२	६७७
१७.	महिला महाविद्यालय	०	१२३३	१२३३	०	३१२	३१२	०	१५३	१५३	०	६९८	६९८	०	१३	१३	०	२४०९	२४०९
	सम्पूर्ण योग	**९६५४**	**६१४६**	**१५८००**	**२५६५**	**१३८८**	**३९५३**	**१००६**	**६४४**	**१६५०**	**६४२७**	**३५६७**	**९९९४**	**३१५**	**१६१**	**४७६**	**१९९६७**	**१११०६**	**३१८७३**

वर्गानुसार और सम्बद्ध महाविद्यालयों के सम्पूर्ण विद्यार्थियों की संख्या

क्र. सं.	महाविद्यालयों के नाम	सामान्य वर्ग के छात्रों की संख्या			अनु. जाति वर्ग के छात्रों की संख्या			अनु. जनजाति वर्ग के छात्रों की संख्या			अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या			विदेशी छात्रों की संख्या			कुल योग		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
१.	वसंत कन्या महाविद्यालय	३	७७२	७७५	६	२३४	२४०	२	६२	६४	४	६९३	६९७	०	०	०	१५	१७६१	१७७६
२.	आर्य महिला पी.जी कॉलेज	०	१२७०	१२७०	०	३६३	३६३	०	८४	८४	०	९४४	९४४	०	०	०	०	२६६१	२६६१
३.	वसन्त महिला महाविद्यालय	८	९५४	९६२	४	२७८	२८२	१	७१	७२	९	८२३	८३२	०	०	०	२२	२१२६	२१४८
४.	दयानन्द पी.जी. कॉलेज	२०५०	२१३	२२६३	५२२	३५	५५७	२५७	१८	२७५	१११८	९९	१२१७	०	०	०	३९४७	३६५	४३१२
	सम्पूर्ण योग	**२०६१**	**३१८७**	**५२७०**	**५३२**	**९१०**	**१४४२**	**२६०**	**२३५**	**४९५**	**११३१**	**२५५९**	**३६९०**	**०**	**०**	**०**	**३९८४**	**६९१३**	**१०८९७**

५. मानव संसाधन की रूपरेखा

अध्यापकों की संख्या

प्रतिवेदन अवधि में विश्वविद्यालय के महिला महाविद्यालय सहित संस्थानों व संकायों में विभिन्न पदों के शिक्षक सदस्यों की संख्या इस प्रकार रही :

आचार्य और उनके समकक्ष (स्तर-V)

संकाय/ संस्थान	पुरुष						महिला						कुल योग					
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.
चि.वि.सं.	१०४	४	०	०	४	०	२६	०	०	०	०	०	१३०	४	०	०	४	०
कृ.वि.सं.	७०	२	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	७३	२	०	०	०	०
कला	७६	१	०	०	३	०	२०	१	०	०	०	०	९६	२	०	०	३	०
विज्ञान	११२	४	१	२	०	०	१०	०	१	०	०	०	१२२	४	२	२	०	०
सामाजिक वि.	२७	४	०	०	०	०	१३	०	०	०	०	०	४०	४	०	०	०	०
सं.वि.ध.वि.	२३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२३	०	०	०	०	०
संगीत एवं मंच कला	६	०	०	०	०	०	३	१	०	०	०	०	९	१	०	०	०	०
दृश्य कला	४	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०
वाणिज्य	२०	२	०	०	२	०	१	०	०	०	०	०	२१	२	०	०	२	०
विधि	१५	०	०	०	२	०	१	०	०	०	०	०	१६	०	०	०	२	०
प्रबन्ध शास्त्र	११	१	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	१२	१	०	०	०	०
शिक्षा	४	३	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०	९	३	०	०	०	०
म.महा.वि.	३	०	०	०	०	०	२६	०	०	०	०	०	२९	०	०	०	०	०
प.एवं स. वि.सं.	३	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	४	०	०	०	०	०
यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
योग	४७८	२१	१	२	११	०	१११	२	१	०	०	०	५८९	२३	२	२	११	०

एसोसिएट प्रोफेसर (स्तर-IV)

संकाय/ संस्थान	पुरुष						महिला						कुल योग					
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.
चि.वि.सं.	३५	८	२	२	०	०	५	३	०	०	०	०	४०	११	२	२	०	०
कृ.वि.सं.	४	०	०	१	०	०	१	०	०	०	०	०	५	०	०	१	०	०
कला	१३	०	१	०	२	०	९	२	०	०	०	०	२२	२	१	०	२	०
विज्ञान	४१	८	१	०	२	०	९	१	०	०	०	०	५०	९	१	०	२	०
सामाजिक वि.	६	१	०	०	०	१	३	०	०	०	०	०	९	१	०	०	०	१
सं.वि.ध.वि.	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	६	०	०	०	०	०
संगीत एवं मंच कला	०	०	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०
दृश्य कला	४	०	०	१	०	०	२	०	०	०	०	०	६	०	०	१	०	०

वाणिज्य	०	०	१	०	०	०	१	०	०	०	०	०	१	०	१	०	०	०
विधि	०	१	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	१	०	०
प्रबन्ध शास्त्र	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०
शिक्षा	२	१	१	०	०	०	३	०	०	०	०	०	५	१	१	०	०	०
म.महा.वि.	३	०	०	०	०	०	१४	०	०	०	१	०	१७	०	०	०	१	०
प.एवं स. वि.सं.	१	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०
यूजीसी हयूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०
योग	११९	१९	६	५	४	१	५०	६	०	०	१	०	१६९	२५	६	५	५	१

असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्तर-III)

संकाय/ संस्थान	पुरुष						महिला						कुल योग					
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.
चि.वि.सं.	६	०	१	०	०	०	३	०	०	०	०	०	८	०	१	०	०	०
कृ.वि.सं.	९	३	१	०	०	०	१	०	०	०	०	०	१०	३	१	०	०	०
कला	९	४	०	०	०	०	२	०	१	०	०	०	११	४	१	०	०	०
विज्ञान	२	४	२	०	०	०	४	०	०	०	०	०	६	४	२	०	०	०
सामाजिक वि.	२	०	०	०	०	०	३	०	०	१	०	०	५	०	०	१	०	०
सं.वि.ध.वि.	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	७	०	०	०	०	०
संगीत एवं मंच कला	२	१	०	१	०	०	२	०	०	०	०	०	४	१	०	१	०	०
दृश्य कला	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
वाणिज्य	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
विधि	२	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	२	१	०	०	०	०
प्रबन्ध शास्त्र	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०
शिक्षा	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०
म.महा.वि.	१	०	१	०	०	०	७	३	०	०	०	०	८	३	१	०	०	०
प.एवं स. वि.सं.	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
यूजीसी हयूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
योग	४१	१३	५	१	०	०	२३	३	१	१	०	०	६४	१६	६	२	०	०

असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्तर-II)

संकाय/ संस्थान	पुरुष						महिला						कुल योग					
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.
चि.वि.सं.	८	३	१	२	०	०	३	२	०	१	०	०	११	५	१	३	०	०
कृ.वि.सं.	३	४	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	५	२	०	०	०
कला	८	१	०	०	१	०	१	०	०	०	०	०	९	१	०	०	१	०
विज्ञान	४	१	१	१	१	०	३	०	०	०	०	०	७	१	१	१	१	०
सामाजिक वि.	२	१	१	१	०	०	०	२	०	०	०	०	२	३	१	१	०	०
सं.वि.ध.वि.	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	०	०	०	०
संगीत एवं मंच कला	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०
दृश्य कला	५	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	५	१	०	०	०	०
वाणिज्य	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
विधि	४	०	१	३	०	०	०	१	०	०	०	०	४	१	१	३	०	०
प्रबन्ध शास्त्र	०	१	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	१	१	०	०	०	०
शिक्षा	२	१	०	०	०	१	०	०	१	०	०	०	२	१	१	०	०	१
म.महा.वि.	१	१	१	०	०	०	०	३	१	०	१	०	१	४	२	०	१	०
प.एवं स. वि.सं.	३	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	३	१	०	०	०	०
यूजीसी हयूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
योग	**४१**	**१६**	**८**	**७**	**२**	**१**	**९**	**८**	**२**	**१**	**१**	**०**	**५०**	**२५**	**९**	**८**	**३**	**१**

असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्तर-I)

संकाय/ संस्थान	पुरुष						महिला						कुल योग					
	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.	सामान्य	अ. जा.	अ. ज. जा.	अ. पि. वर्ग	अल्प सं.	शा. वि.
चि.वि.सं.	५५	७	३	१८	०	०	२४	६	४	६	०	०	७९	१३	७	२४	०	०
कृ.वि.सं.	१५	४	०	२	०	०	३	२	१	२	०	०	१८	६	१	४	०	०
कला	१९	१०	१	१०	०	२	१०	३	३	८	०	०	२९	१३	४	१८	०	२
विज्ञान	२७	९	२	२१	०	०	५	२	४	१	०	०	३२	११	६	२२	०	०
सामाजिक वि.	५	३	१	६	०	१	५	१	१	२	०	०	१०	४	२	८	०	१
सं.वि.ध.वि.	१	२	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	१	२	०	१	०	०
संगीत एवं मंच कला	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	०	०	०	०
दृश्य कला	१	१	०	२	०	०	०	०	०	०	०	०	१	१	०	२	०	०
वाणिज्य	१	२	०	३	०	०	४	१	०	२	०	०	५	३	०	५	०	०
विधि	३	१	१	१	०	०	०	०	०	०	०	०	३	१	१	१	०	०
प्रबन्ध शास्त्र	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
शिक्षा	१	०	०	०	०	०	३	०	०	१	०	०	४	०	०	१	०	०
म.महा.वि.	९	३	१	५	०	२	३	२	२	६	०	०	१२	५	३	११	०	२
प.एवं स. वि.सं.	२	१	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	२	१	०	१	०	०
यूजीसी हयूमन रिसोर्स डेवलपमेन्ट सेन्टर	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
योग	**१४०**	**४४**	**९**	**७०**	**०**	**५**	**५७**	**१७**	**१५**	**२८**	**०**	**०**	**१९७**	**६१**	**२४**	**९८**	**०**	**५**

शिक्षणेतर कर्मचारियों की संख्या

शिक्षणेतर कर्मचारियों की संख्या इस प्रकार है :

'अ' वर्गीय कर्मचारी

१. कुलपति	१
२. कुलसचिव	१
३. परीक्षा नियन्ता	१
४. प्रोफेसर निदेशक	१
५. संयुक्त कुलसचिव	११
६. उप-कुलसचिव	५
७. उप-निदेशक	२
८. आन्तरिक लेखा परीक्षक अधिकारी	१
९. उप-पुस्तकालयाध्यक्ष	१०
१०. उप- नर्सिंग अधीक्षक	२
११. कार्यकारी अभियंता	४
१२. सिस्टम अभियंता	१
१३. सिस्टम प्रबन्धक	१
१४. मुख्य चिकित्सा अधिकारी	१६
१५. वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी	७
१६. सहायक कुलसचिव	१६
१७. सहायक अभियंता	४
१८. सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	१२
१९. सहायक नर्सिंग अधीक्षक	९
२०. प्रोग्रामर	३
२१. सिस्टम प्रोग्रामर	२
२२. पी.आर.ओ.	१
२३. वैज्ञानिक (फोटो वोल्टिक)	१
२४. वरिष्ठ वैज्ञानिक	१
२५. सीनियर रेफेक्सनिस्ट	१
२६. नर्सिंग अधीक्षक	१
२७. अनुरक्षण अभियंता	२
२८. कनिष्ठ अनुरक्षण अभियंता	१
२९. कनिष्ठ शोध अधिकारी	१
३०. सूचना अधिकारी	१
३१. वेटरनरी ऑफिसर	१
३२. आडियोलॉजिस्ट	१
३३. वाणी उपचारक	१
३४. चिकित्सा अधिकारी	१८
३५. सहायक निदेशक	६
३६. सूचना वैज्ञानिक	१
३७. सूक्ष्म विश्लेषक	१
३८. परियोजना अधिकारी	१
३९. नेटवर्किंग अधिकारी	१
४०. शोध अधिकारी	३
४१. हिन्दी अधिकारी	१
४२. विधि अधिकारी	१
४३. छात्र परामर्शदाता	१
४४. प्रशिक्षण नियुक्ति अधिकारी	१
४५. कम्प्यूटर प्रोग्रामर	२
योग ('अ' वर्ग कर्मचारी)	**१६०**

'ब' एवं 'स' वर्गीय कर्मचारी

वर्ग	सामान्य	अनु.जाति	अनु.ज.जाति	अ.पिछड़ा वर्ग	शा.वि.	योग
'ब' वर्गीय कर्मचारी	९९०	१८५	८५	१९१	१४५१	१
'स' वर्गीय कर्मचारी	२०११	४४५	१७५	६६७	३२९८	१५
योग	३००१	६३०	२६०	८५८	४७४९	१६

६. वित्तीय संसाधन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय होने के कारण संघ सरकार द्वारा नियमित बजट के माध्यम से अनुदान के रूप में आवश्यक वार्षिक बजटीय सहायता प्राप्त करता है। वर्तमान में अनुरक्षण व्यय एवं पूजीगत व्यय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त क्रमश: ''प्रयोजन मद -३१(आवर्ती)'',''प्रयोजन मद -३६(आवर्ती)'' और ''प्रयोजन मद -३५ (अनावर्ती)पूंजी/अवसंरचना'' मद से पूरे किए जाते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा छात्र शुल्क, सम्पत्तियों से आय, दुग्धशाला एवं कृषि फार्म, चिकित्सालय, दुकानों की अनुज्ञप्ति शुल्क, आयुर्वेदिक औषधियों की बिक्री इत्यादि से आंतरिक संसाधन उपार्जित किये जाते हैं। वर्ष २०१८-१९ के लिए विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखा को पहले से ही अंतिम रूप दिया जा चुका है और इसे दिनांक १७.०६.२०१९को आयोजित वित्त समिति की बैठक में अनुमोदित कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय का राजीव गांधी दक्षिणी परिसर जो मिर्जापुर जनपद में स्थित है, वाराणसी स्थित मुख्य परिसर से ८० किमी. दूर है। इस नए परिसर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य जनजातीय बहुल विंध्य क्षेत्र के अल्प विकसित लोगों को रोजगारपरक उच्च शिक्षा तक पहुँच एवं सर्वांगीण विकास हेतु प्रशिक्षण व उद्यमी दक्षता हेतु अवसर प्रदान करना है। इस नए परिसर के विकास हेतु पूर्व योजना अवधि के दौरान आयोग द्वारा अलग से अनुदान प्रदान किए गए थे जिससे परिसर में अनेक आधारभूत संरचनाएं व अन्य सुविधाएं पहले ही निर्मित की जा चुकी हैं।

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर में बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने और विकास की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए अभी बहुत आवश्यकता है।

निधि के प्रकृति के अनुसार, विश्वविद्यालय अपने लेखा का रख रखाव निम्न मदों के तहत कर रहा है:

(अ) प्रयोजन/वस्तु मद- ३१(आवर्ती सामान्य)

विश्वविद्यालय का प्रयोजन मद -३१ (आवर्ती सामान्य) बजट के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रयोजन सम्मिलित हैं:

- अध्येता वृत्ति/छात्रवृत्ति/वेतन इत्यादि
- गैर-वेतन घटक
- पेंशन एवं पेंशन लाभ
  - (१) पेंशन
  - (२) पेंशन निधि में योगदान
  - (३) नई पेंशन योजना में योगदान
  - (४) लिंक इंश्योरेंस योजना में जमा

(ब) प्रयोजन मद -३६(आवर्ती सामान्य)

विश्वविद्यालय के प्रयोजन मद-३६ (आवर्ती सामान्य) बजट के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रयोजन शामिल हैं :

- शिक्षण संकाय और गैर –शिक्षण संकाय हेतु वेतन
  वेतन के अन्य घटक अर्थात्
  - छुट्टी का नकदीकरण
  - छुट्टी यात्रा रियायत
  - संतान/बाल शिक्षा भत्ता
  - दवा प्रभार की प्रतिपूर्ति
  - सेवा निवृत्ति लाभ

(स) प्रयोजन मद- ३५(अनावर्ती)- अवसंरचना/पूंजीगत/अनुदान:

विश्वविद्यालय के प्रयोजन मद-३५ (अनावर्ती) अवसंरचना/पूंजीगत अनुदान का प्रयोजन पूंजीगत परिसम्पत्ति को सृजित करना है। इसमें पुस्तकालय की पुस्तकें और पत्रिकाएं अन्य पूंजीगत (इमारतें तथा मशीनें), कार्यालय उपकरण, शिक्षण सहायक उपकरण इत्यादि शामिल हैं तथा सहायता के आधार पर व्यय पर नजर रखी जाती है।

(ब) विशिष्ट निधि

१. विशेष उद्देश्यों से दिए गए दान व उसके ब्याज जिसके अन्तर्गत पीठों हेतु वृत्ति, छात्रवृत्तियों, पुरस्कारों व पदकों के लिए स्थायी निधि है।

२. जमा निधियों जैसे- जी.आई.एस., शिक्षक कल्याण कोष, जमानत राशि, सुरक्षा जमाराशि, संघ कोष शुल्क, इत्यादि।

३. विशेष शुल्क जैसे- क्रीड़ा शुल्क, सार्वजनिक कक्ष, शैक्षणिक यात्रा शुल्क इत्यादि।

४. संगणक केन्द्र, भारत कला भवन, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय का आवर्ती कोष, परामर्श शुल्क, इत्यादि द्वारा अर्जित आय को विभागीय विशिष्ट कोष में रखा गया है।

५. इन मदों के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि का उपयोग केवल विशेष कार्यों के लिए ही किया जाता है और इनके खर्च को आय के अन्दर ही नियंत्रित रखा जाता है।

(स) परियोजना कोष

विशेष कार्यों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य अभिकरणों यथा-जैव रसायन विभाग, विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् इत्यादि से वित्तीय सहायता, जैसे-

- शोध परियोजना
- यात्रा अनुदान
- संगोष्ठी व सम्मेलन
- छात्रवृत्तियाँ

विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की स्थापना करने के लिए विश्व स्तर के समर्थन और रखरखाव राशि मौजूद होना चाहिए। वैश्विक मानकों के अनुरूप विश्वविद्यालय के विकास के लिए समर्थन और रखरखाव निधि की उपलब्धता एक प्रमुख पूर्व अपेक्षित तत्व है।

वर्ष २०१८-१९ के लिए ''प्रयोजन मद-३१(आवर्ती सामान्य)'', ''प्रयोजन मद-३६ (आवर्ती सामान्य)'', प्रयोजन मद -३५ (अनावर्ती)'', ''विशेष निधि'' और परियोजना निधि के अन्तर्गत व्यय का विवरण निम्नानुसार है:

प्रयोजन मद- ३१(आवर्ती सामान्य)			
दिनांक ०१.०४.२०१८ को अथ शेष	रू. ३८०४.३९ की आंतरिक रसीद सहित आवंटन	व्यय	शेष
०.००	३७६४३.१४	३८०१८.००	(-)३७४.८६
प्रयोजन मद -३६ (आवर्ती सामान्य)			
दिनांक ०१.०४.२०१८ को अथ शेष	आवंटन	व्यय	शेष
१४२००.७४	८७४०३.८७	८७३५०.८२	५३.०५
आयोजन मद -३५ (अनावर्ती) विशेष निधि			
दिनांक ०१.०४.२०१८ को अथ शेष	आवंटन	व्यय	शेष
	२०३५०.००	१६८३३.८१	३५८८.८५
विशिष्ट निधि			
	पावती	व्यय	
	३१३४५.८८	२५०८०.४८	
परियोजना कोष			
	पावती	व्यय	
	६७५७.४५	५५९२.०८	

प्रमुख उपलब्धियां

विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित को पूर्ण रूप से कार्यान्वित कर दिया है:-

(अ) सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (PFMS)

(ब) जेम (Gem) तथा ई-खरीद

(स) नकदी रहित/आनलाइन लेन-देन

७.संकाय सदस्यों द्वारा अर्जित पुरस्कार, अध्येतावृत्ति, विशिष्टताएँ (अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय) एवं पेटेन्ट

पुरस्कार

पुरस्कारों का नाम व अधिनिर्णय प्रधिकारी	विभाग एवं प्राप्तकर्ता
• हंसराज नैयर मेमोरियल अवार्ड, क्रिटिकेयर, २०१९; इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन, मुंबई	डॉ. बद्री प्रसाद दास निश्चेतन विभाग
• आईएससीआर अवार्ड; इंडियन सोसायटी ऑफ क्लिनिकल रिसर्च	प्रो. श्याम सुन्दर सामान्य चिकित्सा विभाग
• एनएवीबीडी - आणविक जीवविज्ञान पुरस्कार; राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग अकादमी	प्रो. सुनीत कुमार सिंह आणविक जीव विज्ञान विभाग
• नियोनेटोलॉजी में एसएस मनचंदा गोल्ड मेडल; भारतीय बाल रोग अकादमी	डॉ. प्रीतम कुमार बाल चिकित्सा विभाग
• फेलो अवार्ड-एफएसईडीईआर; शैक्षिक विकास और पर्यावरण अनुसंधान संस्था	डॉ. अजय कुमार पाण्डेय काय चिकित्सा विभाग
• डॉ. सी. द्वारिकानाथ पुरस्कार; आईएएसटीएएम	प्रो. किशोर पटवर्धन क्रिया शरीर विभाग
• आयुर्वेदिक पद्धति और शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए धनवंतरी पुरस्कार; अखिल भारतीय आयुर्वेदिक विशेषज्ञ संघ	प्रो. शिव जी गुप्ता शल्य तंत्र
• आई ए एम एम-मेरिएक्स यंग इन्वेस्टिगेटर्स अवार्ड २०१८; इंस्टीट्यूट मेरिएक्स, फ्रांस	डॉ. तुहिना बर्नजी शूक्ष्म जीविकी विभाग
• युवा वैज्ञानिक पुरस्कार; अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास संगठन	प्रो. मोनीका बंसल दंत चिकित्सा विभाग
• कांस्य पदक; केमिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीआरएसआई)	डॉ. एम.एस.सिंह रसायनशास्त्र विभाग
• उपाध्यक्ष; भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान संघ	प्रो. आर.एस. सिंह भूगोल विभाग
• सबसे उत्पादक शोधकर्ता पुरस्कार -२०१८; विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय • एन.एन. चटर्जी पुरस्कार-२०१८; भारतीय भूवैज्ञानिक सोसाइटी, बैंगलोर	डॉ. पी.के. सिंह भूविज्ञान विभाग
• अनी तलवानी स्मृति पुरस्कार; भारतीय भूभौतिकीय संघ	प्रो.एन.वी.चलपत्ती राव भूविज्ञान विभाग
• प्रो.डी. लाल उत्कृष्ठ लेख पुरस्कार २०१८; भारतीय भूभौतिकीय संघ	डॉ. दिलीप कुमार सिंह भूभौतिकी विभाग
• अभ्यागत वैज्ञानिक पुरस्कार, यूनिवर्सिटी ऑफ ट्यूबिंगन, जर्मनी; भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए)	डॉ. मौसुमी मुत्तसुद्दि आणविक एवं मानव जनन विज्ञान विभाग
• माननीय जूरी अकादमिक दीप्ति पुरस्कार २०१८; ईईटी सीआरएस	डॉ. गीता राय आणविक एवं मानव जनन विज्ञान विभाग
• नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी २०१९ में डीएसटी राष्ट्रीय पुरस्कार; डीएसटी, भारत सरकार।	प्रो. ओ.एन.श्रीवास्तव भौतिकी विभाग
• आईएनएसए आर्यभट्ट पदक २०१८; भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली • आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए आईएएसटीएम झंडू इंटरनेशनल (भारतीय नागरिक) पुरस्कार और /या प्राकृतिक उत्पाद पुरस्कार २०१९; इंडियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ ट्रेडिशनल एशियन मेडिसिन, पुणे	प्रो. एस.सी. लखोटिया जीवविज्ञान विभाग

• सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार; सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज, सतना, २०१८ • अध्येतावृत्ति पुरस्कार -२०१८; जूलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया • आईएनएसए-इंडो इजराइल द्विपक्षीय वैज्ञानिक विनिमय पुरस्कार-२०१८; आईएनएसए-नई दिल्ली • अध्येतावृत्ति पुरस्कार- २०१९; ब्लू प्लैनेट सोसाइटी ऑफ इंडिया	डॉ. राधा चौबे जीवविज्ञान विभाग
• युवा वैज्ञानिक पुरस्कार; उत्तर प्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद	डॉ. पवन कुमार दुबे आनुवांशिकी विकार केन्द्र
• आईयूसीएए सम्मानित विजिटिंग एसोसिएट सम्मान, पुणे; आईयूसीएए, भारत	डॉ. आर.चौबे डी. एस.टी.- अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान
• काशी विद्ववभूषण सम्मान, बी.ए.पी.एस.एन. शोध संस्थान, अक्षरधाम, नई दिल्ली, जून २०१९	प्रो. कौशलेन्द्र पाण्डेय साहित्य विभाग
• विभूति सम्मान राष्ट्रीय पुरस्कार; चाणक्य विद्यापति सोसाइटी, बिहार • प्रयागराज गौरव सम्मान- २०१८; ज्योतिष कर्मकांड एवं अध्यात्म शोध संस्थान, प्रयाग, उ.प्र.	प्रो.विनय कुमार पाण्डेय ज्योतिष विभाग
• प्रयागराज गौरव सम्मान- २०१८; ज्योतिष कर्मकांड एवं अध्यात्म संस्थान, प्रयागराज, उ.प्र.।	प्रो. चन्द्रमौली उपाध्याय ज्योतिष विभाग
• श्री रामकिंकर भूषण पुरस्कार, २०१८; श्री रामकिंकर विचार मिशन सम्मान २०१८ भारत सरकार।	प्रो. गिरीजा शंकर ज्योतिष विभाग
• महर्षि कणाद पुरस्कार; अखिल भारतीय विद्वत परिषद	डॉ. माधव जनार्धन रटाटे धर्मशास्त्र तथा मीमांसा विभाग
• महर्षि याज्ञवल्क्य पुरस्कार; अखिल भारतीय विद्वत परिषद	डॉ. शंकर कुमार मिश्रा धर्मशास्त्र तथा मीमांसा विभाग
• अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार उत्कृष्ट लेख प्रस्तुति, गेटे विश्वविद्यालय, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी, २०१९	प्रो. प्रद्यूमन शाह सिंह जैन बौद्ध दर्शन विभाग
• गाथांतर सम्मान २०१८; यूपी • शुकदेव सिंह स्मृति सम्मान २०१८; यूपी • सुचरिता गुप्ता संगीत अकादमी सम्मान २०१९; यूपी	प्रो.चन्द्रकला त्रिपाठी महिला महाविद्यालय
• पेंटिंग के लिए पुरस्कार; यू.पी. स्टेट परफॉर्मिंग आर्ट्स, पंचगंगा फाउंडेशन, वाराणसी	प्रो. सरोज रानी महिला महाविद्यालय
• नारी शक्ति सम्मान	प्रो. रिचा कुमार महिला महाविद्यालय
• एम. जे. नरसिम्हन पदक पुरस्कार; इंडियन फाइटोपैथोलॉजी सोसायटी	प्रो. रिचा राघवंशी महिला महाविद्यालय
• अखिल भारतीय पुरस्कार: राज्य ललित कला अकादमी	प्रो. सुनील कुमार सिंह कुशवाहा महिला महाविद्यालय
• एनएएएस फेलो; एनएएएस • लाल बहादुर शास्त्री युवा वैज्ञानिक पुरस्कार; आईसीएआर	डॉ. पी.सी. अभिलाष पर्यावरण एंव धारणीय विकाश संस्थान
• प्राइड ऑफ इंडिया अवार्ड २०१८; इंटरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली • भारत ज्योति पुष्कर, २०१८; बेस्ट सिटीजन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली	डॉ. अनूप कुमार मिश्रा दयानन्द पी.जी.कॉलेज
• उत्कृष्ट समीक्षक पुरस्कार; व्यक्तिगत भेदों के अध्ययन के लिए एल्सेवियर एंड इंटरनेशनल सोसायटी	डॉ. अखिलेन्द्र कुमार सिंह दयानन्द पी.जी.कॉलेज
• डॉ. यू.बी. सिंह स्मृति वैज्ञानिक पुरस्कार २०१७-१८; पशु पोषण संघ, भारत, १९ नवंबर २०१८	डॉ. विनोद कुमार पासवान पशुपालन और डेरी उद्योग

• लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार; वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन, चेन्नई	डॉ. पी.एस.सिंह कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान
• स्वर्गीय डॉ. संजय कुशवाहा स्मृति पुरस्कार; प्लांट प्रोटेक्शन साइंसेज, आईसीएआर-एनसीआईपीएम, नई दिल्ली	डॉ. सी.पी.श्रीवास्तव कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान
• अजरा (एजेडआरए) मानद फैलोशिप अवार्ड २०१८; एप्लाइड जूलॉजिस्ट्स रिसर्च एसोसिएशन, भुवनेश्वर, ओडिशा	डॉ. आर.एन.सिंह कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान
• प्रख्यात वैज्ञानिक पुरस्कार-२०१८; कृषि पर्यावरण विकास सोसाइटी (एईडीएस), रामपुर, यू.पी.	डॉ. एस.वी.एस. राजू कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान
• एसपीएसएस उत्कृष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार; सोसाइटी ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन साइंसेज, आईसीएआर-एनसीआईपीएम, नई दिल्ली	डॉ. एम. रघुरमन कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान
• एसपीपीएस फेलो अवार्ड २०१८; सोसाइटी ऑफ प्लांट प्रोटेक्शन साइंसेज, आईसीएआर	डॉ. राम केवल कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान
• कृषि विज्ञान में उत्कृष्ट संकाय; वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन वीआईएफए	डॉ. आर.एस.मीणा कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान
• लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार; वी.एस. रिसर्च फाउंडेशन, बैंगलोर • डीएएचडीएस फेलोशिप; डॉक्टर कृषि और बागवानी विकास सोसाइटी (डीएएचडीएस), लखनऊ • महर्षि सम्मान; रॉयल एसोसिएशन फॉर साइंस लेड सोसीओ -कल्चरल अडवांसमेंट	प्रो. एच.बी.सिंह कवक विज्ञान एवं पादप रोग विज्ञान
• राष्ट्रीय पुरस्कार (राजभाषा गौरव पुरस्कार); राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली	डॉ. आर.के. सिंह कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान
• सर्वश्रेष्ठ लेख पुरस्कार; धारणीय विकास का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: रणनीतियाँ और उभरते रुझान	डॉ. संगीता देवदिया गृह विज्ञान विभाग
• अभिनव कला सम्मान; अभिनव कला परिषद, भोपाल, म.प्र.	प्रो. प्रवीण उद्धव वाद्य संगीत विभाग
• उ.प्र. गौरव सम्मान (१७ अप्रैल २०१८); चंद्रशेखर फाउंडेशन (भारत)	डॉ.सत्यवर प्रसाद वाद्य संगीत विभाग
• प्रारंभिक कैरियर मनोवैज्ञानिक यात्रा पुरस्कार; अंतर्राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक परिषद	डॉ. तुषार सिंह मनोविज्ञान विभाग

निर्वाचित / अध्येता

अध्येतावृत्ति का नाम	प्राप्तकर्ता एवं विभाग
• भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी फेलो; आईएनएसए, नई दिल्ली	प्रो. मधुलिका अग्रवाल वनस्पति विभाग
• राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी फेलो (एफएनएएएस); राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी	प्रो. के.एन. दुबे वनस्पति विभाग
• भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी फेलो; आईएनएसए, नई दिल्ली	प्रो. मधुलिका अग्रवाल वनस्पति विभाग
• निर्वाचित उपाध्यक्ष; राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद	प्रो. एल.सी.राय वनस्पति विभाग
• भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एफएनए) फेलो; भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी	प्रो. एन.वी. चलपति राव भूविज्ञान विभाग
• इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडी (आईआईएएस) (२०१८-२०१९), शिमला में फेलो	प्रो. अनीता सिंह महिला अध्ययन एवं विकास

• कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सीओएल) द्वारा प्रशंसापत्र, विस्तृत ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) का प्रमाण पत्र	डॉ. पी.एस.सिंह कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान
• फेलो; भारतीय फाइटो पैथोलॅजिकल सोसायटी	प्रो. आशा सिन्हा कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान
• ग्लोबल फेलो; शांति अनुसंधान संस्थान ओस्लो (पीआरआईओ)	प्रो. प्रियंकर उपाध्याय मालवीय शांति व अनुसंधान केन्द्र

अध्येतावृत्तियाँ/एसोसियेटशिप/प्रायोजन

अध्येतावृत्ति का नाम	प्राप्तकर्ता एवं विभाग
• जेसी बोस राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति; डीएसटी, भारत सरकार • अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट (जर्मनी) अध्येतावृत्ति; मेंज विश्वविद्यालय, जर्मनी	प्रो. डी.दास जीव रसायन विभाग
• एसोसिएटेड अध्येतावृत्ति; अमेरिकन ओरल इंप्लांटोलॉजी	प्रो. आशीष अग्रवाल दंत विज्ञान विभाग
• अध्येतावृत्ति; एकेडमी ऑफ डेंटिस्ट्री इंटरनेशनल	डॉ. अंजू गौतम दंत विज्ञान विभाग
• अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ड्ट री-विजिट अध्येतावृत्ति; हम्बोल्ट फाउंडेशन, जर्मनी	प्रो. एन.वी.चलपती राव भूविज्ञान विभाग
• एनएएसआई वरिष्ठ वैज्ञानिक प्लेटिनम जुबली अध्येतावृत्ति; राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत, इलाहाबाद • एसईआरबी प्रतिष्ठित अध्येतावृत्ति २०१९; विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, नई दिल्ली	प्रो. एस.सी.लखोटिया जीव विज्ञान विभाग
• मानद अध्येतावृत्ति; सोसाइटी ऑफ लाइफ साइंसेज	प्रो. राधा चौबे जीवविज्ञान विभाग
• राष्ट्रपति की अंतर्राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति पहल (पीआईएफआई)	डॉ. कृपा राम पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान
• डीएएचडीएस अध्येतावृत्ति; डॉक्टर कृषि और बागवानी विकास सोसाइटी (डीएएसडीएस)	प्रो. एच.बी.सिंह कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय समितियों के सदस्य

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय समितियों के सदस्य	प्राप्तकर्ता एवं विभाग
• सदस्य, अधिकृत समिति; विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) • सदस्य, एनएएसआई परिषद; राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएएसआई), भारत • सदस्य, गवर्नर बोर्डय राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर), रायबरेली • सदस्य, डोमेन विशेषज्ञ समिति; विज्ञान में परिवर्तनकारी और उन्नत अनुसंधान के लिए योजना, (एसटीएआरएस)मा.सं.वि.म.	प्रो. ए.के.त्रिपाठी जैव-प्रौद्योगिकी स्कूल
• सदस्य, राज्य उच्च शिक्षा परिषद; उत्तराखंड, गुवाहाटी (आईएसएसएन ०९७३-०९१५) • (आईएसएसएन ०९७३-०९१५)	प्रो. आर.एस.सिंह भूगोल विभाग
• सदस्य, अनुसंधान सलाहकार परिषद • सदस्य, समीक्षा समिति आईओडीपी-भारत; पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय • सदस्य, अध्ययन बोर्ड, समुद्री भूविज्ञान; कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोचीन	प्रो. ए.डी.सिंह भूविज्ञान विभाग

• सदस्य, अनुसंधान सलाहकार परिषद; वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी • सदस्य, तकनीकी सलाहकार समिति; भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता • काउंसिल मेंबर, इंडियन सोसाइटी ऑफ एप्लाइड जियोकेमिस्ट्स, हैदराबाद; आईएसएजी, हैदराबाद	प्रो. एन.वी.चलपति राव भूविज्ञान विभाग
• अगति हेल्थकेयर, मुंबई के वैज्ञानिक सलाहकार; अगति हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड मुंबई • नीस लैब्स, मुंबई के वैज्ञानिक सलाहकार; नीस लिमिटेड	प्रो. गीता राय आणविक एवं मानव जनन विज्ञान
• यूजीसी द्वारा स्वीकृत एसए-डीआरएस तृतीय के लिए सलाहकार समिति के सदस्य; स्कूल ऑफ स्टडीज इन जूलॉजी, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर • एशियाई मायक्रोमोलॉजी जर्नल की संपादकीय समिति के सदस्य	प्रो. एन.रस्तोगी जीवविज्ञान विभाग
• सदस्य, सलाहकार बोर्ड; विकलांगजन सशक्तीकरण मंत्रालय, उ.प्र. सरकार	डॉ. कमालूद्दीन शेक दयानन्द पी.जी.कॉलेज
• सदस्य, सीएसआईआर मिशन परियोजना के लिए निगरानी समिति: एफओसीयूएस (खाद्य और उपभोक्ता सुरक्षा समाधान), भारत सरकार; सीएसआईआर, भारत सरकार	प्रो. डी.सी.राय पशुपालन और डेरी उद्योग
• सदस्य, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, सेंटर फॉर स्टडीज इन सोशल साइन्सेज; मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, कलकत्ता • यूनेस्को संचालन समिति के सदस्य; यूनेस्को, पेरिस	प्रो. प्रियंकर उपाध्याय मालवीय शांति व अनुसंधान केन्द्र

शोध पत्रिकाओं के सम्पादक/समीक्षक

शोध पत्रिकाओं के सम्पाक/समीक्षक	प्राप्तकर्ता एवं विभाग
• सह संपादक, ऊर्जा, अन्वेषण और शोषण; सेज पब्लिकेशन, यूके • सह संपादक, जर्नल ऑफ जियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया; स्प्रिंगर, बैंगलोर	डॉ. पी.के.सिंह भूविज्ञान विभाग
• प्रधान संपादक, शोध पत्रिका पृथ्वी प्रणाली विज्ञान; भारतीय विज्ञान अकादमी • सह संपादक, जियोलॉजिकल जर्नल; विली, लंदन	प्रो. एन.वी.चलपति राव भूविज्ञान विभाग
• सह संपादक, जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंसेज, स्प्रिंगर; भारतीय विज्ञान अकादमी, बैंगलोर, भारत	डॉ. आक्रोप्रोवो विश्वास भूविज्ञान विभाग
• राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित शोध पत्रों की समीक्षा इनशिएटिव ऑफ एग्रीकल्चरएनवर्नोमेंट एण्ड बायोटेनॉलॉजी, एनीटर्नेशनल रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी, फि जियोलॉजी एण्ड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट्स (स्प्रिंगर) इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स (एल्सेवियर) प्लांट ज्यूनल ३बायोटेक (ज्यूनील) फसलें जीवविज्ञान।	प्रो. पदमनाभ द्विवेदी पादप शरीर क्रिया विभाग

अन्य विशेष सम्मान

अन्य विशेष सम्मान	प्राप्तकर्ता एवं विभाग
• संज्ञाहरण विशारद; राष्ट्रीय एकीकृत चिकित्सा संघ	प्रो. के.के.पाण्डेय संज्ञाहरन विभाग
• एफआरसीएस; रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन	प्रो. ए.के.खन्ना सामान्य चिकित्सा विभाग
• प्रो. आर. वैद्यनाथन पुरस्कार व्याख्यानय जीएसआई, बैंगलोर	प्रो. के.एन.पी.राजू भूगोल विभाग

• सदस्य, राज्य उच्च शिक्षा परिषद; गुवाहाटी (आईएसएसएन०९७३-०९१५) • पूर्वोत्तर भूगोलवेत्ता संपादक मण्डल; आईसीएसएसआर, नई दिल्ली • बंगाल भूगोलवेत्ता शोध पत्रिका के संपादक मण्डल; कोलकाता • विशेषज्ञ अनुसंधान पद्धति पूल; आईआईजी, पुणे • भारतीय भूगोलवेत्ताओं का सचिवीय-संस्थान	प्रो. आर.एस.सिंह भूगोल विभाग
• जैव प्रौद्योगिकी औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (बीआईटीपी) के तहत कंपनियों के पूर्व- प्रशिक्षण की निगरानी के लिए विशेषज्ञ; जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार • वैज्ञानिक सलाहकार; सुबिको बायोफर्टिलाइजर, उ.प्र.	डॉ. मौसमी मूतशूद्दी आणविक एवं मानव जनन विभाग
• उत्तर प्रदेश नागकूप शास्त्रार्थ समिति	प्रो. भगवतशरन शुक्ला व्याकरण विभाग
• संस्कृत साहित्य सम्मेलन	डॉ. रामनरायन द्विवेदी व्याकरण विभाग
• आचार्य कुंदकंद प्रशस्ति, २०१८; सर्वभामिक प्राचीविद्या संस्थान, नरिया, वाराणसी	प्रो. अशोक कुमार जैन जैन बौद्ध दर्शन विभाग
• पंडित का शीर्षक और तबला में शीर्ष ग्रेड में स्थान; ऑल इंडिया रेडियो	पण्डित ललित कुमार महिला महाविद्यालय
• कुलाध्यक्ष के नामिती, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, कलबुरागी, कर्नाटक; एमएचआरडी, भारत सरकार	प्रो. डी.सी.राय पशुपालन और डेरी विभाग
• यूजीसी-एमओओसी कार्यक्रम के तहत कृषि विज्ञान संस्थान, का.हि.वि. में ''जैव-विविधता और धारणीय कृषि उत्पादन के संरक्षण मे जैव-प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेपों: माइक्रोप्रोपेगेशन तकनीकी की भूमिका'' पर एक आमंत्रित वार्ता	प्रो. पदमनाभ द्विवेदी पादप शरीर क्रिया विभाग
• मुख्य व्याख्यानय प्लांट साइंस एंड फिजियोलॉजी पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ओसाका, जापान, २१-२२ मई, २०१८ • मुख्य व्याख्यान; पादप विज्ञान पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पेरिस, फ्रांस, १५-१६ नवंबर, २०१८	डॉ. ए. हेमन्तरंजन पादप शरीर क्रिया विभाग
• प्रशंसा का प्रमाण पत्र, कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सीओएल) के द्वारा एमओओसीएस के तत्वावधान में विस्तृत ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी)	डॉ. अमृता पुनिया खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र
• इंटरकल्चरल डायलॉग पर ५ वें विश्व मंच पर एक निष्कर्षपूर्ण टिप्पणी ''यूनेस्को, यूएनएओसी, यूएनडब्लूटीओ, यूरोपीय परिषद और आईएसइएससीओ की साझेदारी में बाकू, अजरबैजान; अजरबैजान सरकार''	प्रो. प्रियंकर उपाध्याय मालवीय शांति व अनुसंधान केन्द्र
• स्वर शिरोमणि - जुलाई २०१८; जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर	प्रो. बी.एन.मिश्रा वाद्य संगीत विभाग
• ११.१२.२०१८ को पं. रविशंकर की पुण्यतिथि पर म्यूजिकोरम -२०१८ में सम्मानित।; पं.रविशंकर म्यूजिक फाउंडेशन • स्वर सम्राट - जुलाई २०१८; हैप्पी इवेंट, तिरुपति	प्रो. राजेश शाह वाद्य संगीत विभाग
• अखिल भारतीय सम्राट विक्रमादित्य शास्त्रीय वादन अलंकारण; विक्रमोत्सव आयोजन समिति, उज्जैन, म.प्र.	प्रो. प्रवीन उद्धव वाद्य संगीत विभाग
• ११.१२.२०१८ को पं. रविशंकर की पुण्यतिथि पर म्यूजिकोरम -२०१८ में सम्मानित; पं.रविशंकर म्यूजिक	डॉ. सुप्रिया शाह वाद्य संगीत विभाग
• पूर्वांचल रत्न अलंकरण • (७ जुलाई २०१८); उत्तर प्रदेश पत्रकार परिषद	प्रो. बी.सत्यबर प्रसाद वाद्य संगीत विभाग

पेटेन्ट

क्र.सं.	आवेदक का नाम	पेटेंट का विषय	आवेदन पत्र का वर्ष	वर्तमान स्थिति
१.	डॉ. एस.के. चौधरी, डॉ. एस.एन. ओझा एवं डॉ. वी. रामास्वामी	''डेवलेपमेंट ऑफ वेल्डिंग इलेक्ट्रोड्स फॉर स्पाइरली वेल्डेड लाइन पाइप स्टील्स''	आरडीसीआईएस, सेल द्वारा प्रस्तुत	१९९२ में प्रदत्त
२.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे; डॉ. अरुना अग्रवाल	''ए प्रासेस फॉर द प्रिपरेशन ऑफ ए हर्बल कम्पोजिशन युज्ड फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ रियूमेटायड आर्थराइटिस''	१९९८	ग्रान्टेड पेटेन्ट नं. १९०४३९ (ए१)
३.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे; डॉ. अरुना अग्रवाल	''ए प्रॉसेस फॉर द प्रिपरेशन ऑफ ए हर्बल कम्पोजिशन यूज़फुल फॉर द ट्रीटमेंट ऑफ सीज़र डिसआर्डर्स''	१९९८	ग्रान्टेड पेटेन्ट नं. १८९७३४ (ए१)
४.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल	''ए प्रासेस फार द प्रिपरेशन ऑफ ए हर्बल कम्पोजिशन यूज़फुल फार द ट्रीटमेंट आफ नान-अल्सर डिसपेप्सिया''	१९९८	ग्रान्टेड पेटेन्ट नं. १८९९६६ (ए१)
५.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल	''ए प्रासेस फार द प्रिपरेशन ऑफ ए न्यू फार्मुलेशन एडवोकेटेड फार द मैनेजमेंट आफ एलर्जिक रिनाइटिस ''	१९९८	ग्रान्टेड पेटेन्ट नं. १८९७२५ (ए१)
६.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय एवं अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय,का.हि.वि.वि.	''एन इम्प्रूव्ड आयन-सेलेक्टिव इलेक्ट्रोल्ड यूजफुल फॉर सेंसिंग पोटैशियम आयन फ्लूइड्स''	१९९९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१५५१२
७.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय एवं अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''ए प्रॉसेस फॉर द प्रिपरेशन ऑफ ए सालिड-एस्टेटेड बॉयोसेंसर फॉर यूरिया''	१९९९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१५३८३
८.	प्रो. अनिल कुमार राय, आर्थोपेडिक्स विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	''बाइसेंट्रिक हिप रिप्लेसमेंट डिवाइस'' कामन्ली नो एज़ बीएचयू हिप डिवाइस	१९९९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१६८०००
९.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय एवं अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	''ए डिवाइस यूजफूल फॉर सेंसिंग कॉपर (I) आयन इन फ्लूइड्स''	१९९९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२१६०१
१०.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय एवं अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	''ए प्रॉसेस फॉर द प्रिपरेशन ऑफ ए सालिड-एस्टेटेड मेटल बेस्ड पी.एच. इलेक्ट्रोल्ड''	१९९९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१८३४०
११.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल	''ए प्रासेस फार प्रोड्यूसिंग हर्बल कम्पोजिशन फार यूज़ इन इरिटेबल बावेल सिन्ड्रोम''	१९९९	ग्रान्टेड पेटेंट नं. १९०९७३ (ए१)
१२.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे एवं अन्य	''ए प्रासेस फार द प्रिपरेशन ऑफ हर्बल कम्पोजिशन फार इम्प्रूवींग मेंटल कैपैबिलिटीज''	१९९९	ग्रान्टेड इण्डिया पेटेंट नं. १९१४८४ (ए१)
१३.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, प्रो. प्रेमवती तिवारी, डॉ. अरुना अग्रवाल	''प्रासेस फार द प्रिपरेशन ऑफ हर्बल ऑफ फार्मास्यूटिकल् कम्पोजिशन फार द मैनेजमेन्ट मिनोपॉज़ल सिन्ड्रोम''	२०००	ग्रान्टेड पेटेंट नं. १९०८५० (ए१)

१४.	डॉ. एन.सी. करमाकर एवं अन्य, धातुकीय अभियांत्रिकी विभाग, प्रौद्योगिकी संस्थान, का.हि.वि.वि.	''एप्पलीकेशन ऑफ ग्राफ्टेड एमिलोपेक्टीन फॉर वेस्ट वॉटर ट्रीटमेंट''	२००१	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २००१२५
१५.	श्री राजेश्वर प्रसाद, डॉ. केशर प्रसाद यादव, श्री अनिल कुमार राय, श्री गौरी शंकर प्रसाद सिंह* एवं श्री गौतम बनर्जी	''डिवाइस फॉर सीलिंग इन्साइड एन अपवार्ड ड्रील्ड बोरहोल फॉर हाई प्रेसर वॉटर इंजेक्शन इन अंडरग्राउण्ड माइन्स''	२००१	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०६६०
१६.	डॉ. बिपीन कुमार गुप्ता, भौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''ए प्रॉसेस फॉर द प्रिपरेशन ऑफ ग्राफिटिक नैनो फाइबर्स एण्ड एपैरेट्स देयरफॉर''	२००१	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२२८२६७
१७.	श्री अनिल कुमार राय, श्री राजेश्वर प्रसाद, श्री गौरी शंकर प्रसाद सिंह*, डॉ. केशर प्रसाद यादव, श्री गौतम बनर्जी	''एन इम्प्रूव्ड केविंग लॉगवॉल मेथड फॉर विनिंग ऑफ कोल फ्रॉम थिक सीम इन सिंगल लिफ्ट अंडर मैसिव एण्ड हार्ड रूफ कंडिशन्स इन अंडरग्राउण्ड माइन्स''	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१९३०५
१८.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय, डॉ. गोविन्द सिंह और अन्य, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	''ए डिवाइस फॉर क्वांटिटेटिव इस्टीमेशन ऑफ क्रिटनिन''	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२३६२१
१९.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल कम्पोजिशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेंट आफ लोस ऑफ कागनिटिव डेकलीन एमंग द एज्ड पापुलेशन एण्ड ए प्रासेस फार प्रिपरेशन देयरआफ''	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २३२५०७
२०.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल प्रिपरेशन एण्ड ए प्रासेस फार द प्रिवेन्शन एण्ड ट्रीटमेन्ट ऑफ हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया एण्ड हाइपरट्राईग्लाइसरडाइमिया''	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२६२४२
२१.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल प्रिपरेशन एण्ड ए प्रासेस फार द प्रिवेन्शन आफ लीवर साइरोसिस आफ वेरिंग इटियोलॉजी''	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०८०६
२२.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल फार्मुलेशन फार प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेंट आफ कोरिज़ा एण्ड ए प्रासेस देयरआफ''	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०७८६
२३.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल कम्पोजिशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेंट ऑफ पोटन्शियल डियावेट्स एण्ड ए प्रासेस फार प्रिपरेशन देयरआफ''	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०७४९
२४.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल कम्पोजिशन हैविंग एन्टी-स्ट्रेस एण्ड एडाप्टोजेनिक प्रापर्टीज़ एण्ड ए प्रासेस फार द प्रिपरेशन देयरआफ''	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०६८८
२५.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ए हर्बल फार्मुलेशन फार द मैनेजमेन्ट आफ आस्टियो-आर्थराइटिस एण्ड ए प्रासेस फार द प्रिपरेशन देयरआफ''	२००२	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२०६८३

२६.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे,	''हर्बल प्रिपरेशन फॉर मैनेजमेंट आर्फ कार्डियोवेस्कुलर एण्ड न्यूरोलॉजिक डिसआडर्स''	२००२	ग्रान्टेड यू.एस.: ७,२७३,६२६ बी२; यूरोपियन यूनियन : १५६९६६६ ब्रिटेन : ०८८५७१३८००१ फ्रांस : ०२८०८२४७.७ इटली : ८५०६२ बीई/२००६, आस्ट्रेलिया : डब्ल्यू.ओ. २००४/०५४५९२ ए१
२७.	प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. माण्डवी सिंह, डॉ. रवि विक्रम सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	''ए प्रॉसेस ऑफ प्रिपरेशन ऑफ एंटीजेमा एजेण्ट फ्रॉम ड्राइमेच्योर सीड्स ऑफ माइरिस्टिका फ्रेगरेंस (नटमेग)''	२००३	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २३५९९०
२८.	डॉ. प्रेमचन्द्र पाण्डेय, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय	''इलेक्ट्रोकेमिकल सेंसर फॉर डिटरमाइनिंग डोपामाइन लेवेल्स''	२००३	ग्रान्टेड पेटेंट नं. १९६७६३
२९.	प्रो. ओमकार नाथ श्रीवास्तव, डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ. सुनील कुमार पाण्डेय, भौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''ए नावेल एबी५ टाइप हाइड्रोजन स्टोरेज मैटेरियल एण्ड प्रोसेस ऑफ प्रिपरेशन देयरऑफ	२००४	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २४३९३८
३०.	प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. माण्डवी सिंह, डॉ. रवि विक्रम सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	''ए प्रॉसेस ऑफ प्रीपरेशन ऑफ एंटीकैंडीडायसिस एजेण्ट फ्रॉम ड्राइमेच्योर सीड्स ऑफ माइरिस्टिका फ्रेगरेंस''	२००४	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२७३६४
३१.	प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. माण्डवी सिंह, डॉ. रवि विक्रम सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	''ए प्रॉसेस ऑफ फारमुलेशन ऑफ नीम (एजाडिरक्टा इंडिका) रूट बेस्ड नेचुरल फंगीसिडाल प्रोड्क्ट''	२००४	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २२६२१३
३२.	प्रो. उदय प्रताप सिंह, प्रो. माण्डवी सिंह, डॉ. रवि विक्रम सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	'प्रीपरेशन ऑफ ए ड्रग फ्रॉम ड्राई मेच्यूर सीड्स ऑफ माइरिस्टिका फ्रेगरेंस फॉर द ट्रीटमेंट एण्ड कंट्रोल ऑफ सोराइसिस इन ह्यूमन बीइंग्स बाई एक्सटर्नल एप्लीकेशन्स''	२००४	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१७८३१
३३.	डॉ. भीमबली प्रसाद, डॉ. धनलक्ष्मी, डॉ. पियूष सिंधू शर्मा, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''ए नॉवेल मॉलेक्यूलरली इम्प्रींटेड पॉलीमर (एम.पी.)-इमोबिलाइज्ड सिलिका जेल सॉर्बेंट प्रिपरेशन एण्ड ए प्रासेस फॉर डिटरमिनेशन ऑफ बारबाईट्यूरिक एसिड यूजिंग द सेम मिप-बेस्ड सॉर्बेंट''	२००५	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २१५३५५
३४.	प्रो. रमेश चन्द्र, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	''ए प्रासेस फॉर प्रोड्यूसिंग रियूजेबुल फॉर द प्रिवेंशन ऑफ अथौरोस्लेरोसिस एण्ड हाइपरलिपिडेमिया''	२००५	ग्रान्टेड पेटेंट नं. २३६३८३

३५.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''हर्बल फॉर्मुलेशन फॉर द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ डायबिटीज़ मेलिटस् एण्ड डायबिटिक माइक्रो-वेसकुलर काम्प्लीकेशन्स''	२००५	आवेदन नं. भारत १३९७/डीईएल/२००५ यूएस २००९/०२१४६७८ (ए१) यूरोपियन यूनियन डब्ल्यूओ २००६१२९३२५ (ए१) ई.पी.१९०१६९७ (ए१)
३६.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल एवं अन्य	''ए हर्बल प्रिपरेशन इफेक्टिव इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ रियूमेट्रायड आर्थराइटिस एण्ड असोसिएटेड कम्पलेन्ट्स्''	२००७	आवेदन सं. १९३/सीएचई/२००७
३७.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	''ए हर्बल पिपरेशन इफेक्टिव इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ ल्यूकोडर्मा''	२००७	आवेदन सं. १९४/सीएचई/२००७
३८.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	''रोल आफ सालसिया ओबलोन्जा इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ इन्डोथेलॉल डिसफंक्शन इन टाईप-दो डाइबिटीज़ मेलिटस्''	२००७	आवेदन सं. ३१४/सी.एच.ई./२००७
३९.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	'आग्रेनिक एक्सट्रैक्टस् आफ हिप्पोफाए रेएनोएड्स फॉर द प्रिवेशन एण्ड मैनेमेंट ऑफ हायपरहोमोबनटेनेमिया, डायसलिपिडेमियां एसोसिएटेड विथ सीएचडी''	२००७	आवेदन सं. ३१५/सी.एच.ई./२००७
४०.	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	''ए नोवेल हर्बल फार्मुलेशन एडवोकेटेड एण्ड टू ए प्रासेस देयरआफ फार द प्रेवेंशन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ न्यूरोसायक्लॉजिकल चेंजस एसोसिएटेड विथ मेनोपाउज़ल वुमेन''	२००७	आवेदन सं. ८५१/डी.ई.एल./२००७
४१.	प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी, डिमार्टमेंट ऑफ मेडिसिनल केमिस्ट्री, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	'' ए नॉवल पोली- हर्बल प्रीपेशन फार द प्रीवेन्शन ऑफ एथेरोस्क्लेरोसीस एण्ड हाइपरइपिडेमिया''	२००७	एन.ओ.सी. निर्गत भारतीय पेटेंट फिल्ड न.०२३८२५८ दिनांक २७.०१.२०१० यू.एस. पेटेंट संख्या ७४१६७४३
४२.	प्रो. डी. दास, बायोकमिस्ट्री विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	''नॉवेल एण्टी – प्लेटलेट एण्ड एन्टी – थ्रोम्बोटिक प्रोप्रर्टीज ऑफ नैनो सिल्वर विद पोटेन्शियल थेराप्यूटिक एप्लीकेशन्स''	२००८	एन.ओ.सी. निर्गत पेटेंट ग्रान्टेड संख्या २४१६/डी.ई.एल/२००८ दिनांक २३.१०.२००८ पेटेंट अनुमति नं० २७३७५२

४३	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे और अन्य	'' ऐ हर्बल फार्मूलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ कॉमन कोल्ड एण्ड कफ एण्ड असोसिएटेड प्राब्लम्स''	२००८	आवेदन सं. ६४/ के.ओ.एल./२००८
४४	डॉ. नीलम श्रीवास्तव असिस्टेन्ट प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.	'' फेनोमेन ऑफ ह्यूमिडिटी कन्ट्रोल्ड रिगेनिंग ऑफ मोबाइल आयोनिक चार्ज कैरियर्स इन स्टार्च बेस्ड इलेक्ट्रोलाइट''	२००९	ए.ओ.सी. निर्गत/पेटेंट ओवेदन संख्या दर्ज किया १६६४/डी.ई.एल/२०१२
४५	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''आयुर्वेदिक फॉर्मुलेशन एडवोकेटेड फॉर द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ कोरोनेरी हार्ट डिजीज''	२००९	ग्रोन्टेड पेटेंट नं. यू.एस. ८३१८२१६ (बी२) ईपी २३९३५०३ (ए१)
४६	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे	''ऐ नोबल हर्बल फार्मुलेशन एण्ड प्रासेस फार प्रिपरेशन देयरआफ फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम-एक्स''	२००९	आवेदन सं. १९९६/डी.ई.एल./ २००९
४७	डॉ. श्याम सुन्दर, मेडिसिन विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	''(क) डायग्नोसिस ऑफ इण्डियन विसेरल लिशमेनिशिस (वीएल) बाइ न्यूक्लिक एसिड डिटेक्शन यूजिंग पीसीआर (ख) आइन्डेन्टीफिकेशन एण्ड करेक्टराइजेशन ऑफ एल. डोनोवानी स्पेसीफिक एण्टीजेन''	२०१०	एन.ओ.सी.निर्गत/प्रतिक्रिया नहीं
४८	प्रो.एन.के.दूबे,वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	'' ए केमिकली स्टैण्ड्राइज्ड कम्पोजिशन कंटेनिंग प्लांट इसेंसिएल ऑयल इफिकेशियस ऐज एंटीफंगल, एफलाटॉक्सीन सप्रेसर, इनसेक्टीसाइडल एण्ड एन्टी-ऑक्सीडेंट'' मॉडीफाइड टाइटिल – ''ए नॉवल प्लांट इसेंसिएल ऑयल साइनरजेस्टिक कम्पोजीशन एण्ड इट्स प्रिपरेशन।''	२०१०	आवेदन संख्या २३३/डेल/२०११ टी.आई.एफ.ए.सी.,डी.एस.टी.,नई दिल्ली के माध्यम से प्रस्तुत।

४९	डॉ. (श्रीमती) आशा लता सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''रिमूवल ऑफ आरसिनिक फ्रॉम वेस्ट वाटर यूज़िंग लेक्टोबेसिलस एसिडोफाइलस''	२०१०	प्रक्रिया अन्तर्गत (रिक्वेस्टेड टू आब्टेन परमिशन फ्राम सीएसआईआर आन पटेंटबीलीटि ऑफ इनवेन्शन इन हर वन नेम-नो रिसपोन्स)
५०	ए.सी. पाण्डेय, राजीव प्रकाश एवं अन्य	अल्ट्रा फास्ट फेसिल मेथड फॉर द फॉरमेशन ऑफ कार्बन नैनो शीट्स एण्ड इट्स पॉलीमर कम्पोसाइट्स''	२०१०	पेटेंट आवेदन संख्या २९१५/डेल/२०१०
५१	राजीव प्रकाश एवं अन्य	''केमिकल सिंथेसिस प्रॉसेस फॉर फॉरमेशन ऑफ पॉलीइंडोल कंडक्टिंग पॉलीमर, डेरिवेटिव्स एण्ड कम्पोजिट्स विथ कंट्रोल्ड मॉरफोलॉजी''	२०१०	पेटेंट आवेदन संख्या २९१४/डेल/२०१०
५२	राजीव प्रकाश एवं अन्य	''अस्टेरासेई एण्ड पेपवेरेएइ प्लांट्स एक्स्ट्रैक्ट्स पैज इफिसिएंट कोरोसिऑन इनहिबिट्र्स ''	२०१०	आवेदन संख्या २९१३/डेल/२०१०
५३	प्रो.पी.सी. पाण्डेय, राजीव प्रकाश एवं अन्य	''कैल्सियम आयन-सेंसर कम्प्राइज़िग आइनोफोर/ कैरियर-फ्री पॉलीइंडोल-केंफर सल्फोनिक एसिड कम्पोजिट''	२०१०	नेशनल पेटेंट फील्ड सी.बी.आर. संख्या ८३७८ दिनांक ०४.१०.२०१० पेटेंट आवेदन संख्या २३८३८/डेल/२०१० दिनांक ०४.१०.२०१०
५४	राजीव प्रकाश एवं अन्य	''केमिकल सिंथेसिस प्रोसेस फॉर फॉरमेशन ऑफ पोलीकारबोजोल कन्डक्टिंग पॉलीमर, डेरिवेटिव्स एण्ड कम्पोजिट्स विथ कंट्रोल्ड मारफोलॉजी''	२०१०	पेटेंट एप्पलीकेशन संख्या १२८९/डेल/२०१०
५५	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ.अरुना अग्रवाल और अन्य	''रोल ऑफ एन हर्बल फॉमुर्लेशन इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ एज रिलेटेड न्यूरोजेनरेटिव डिसआर्डर्स विथ स्पेशल रेफरेन्स टू सिनाइल डिमेन्शिया''	२०१०	यू.एस.२०१२०३४३२४ (ए१) डब्ल्यू.ओ.२०१२०२०४ २३(ए१) डब्ल्यू.ओ.२०१२०२०४ २३ (ए८)

५६	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ.अरुना अग्रवाल और अन्य	''रोल ऑफ एन हर्बल फॉर्मुलेशन इन द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ एज रिलेटेड न्यूरोजेनरेटिव डिसआर्डर्स विथ स्पेशल रेफरेन्स टू सिनाइल डिमेन्शिया''	२०१०	आवेदन सं. २२७१/सी.एच.ई./२०१० यू.एस.२०१२०३४३२४ (ए१) डब्ल्यू.ओ.२०१२०२०४२३(ए१)
५७	डॉ. बी.एस. चौरसिया, गेस्ट फैकल्टी एण्ड पी.एच.डी. रिसर्च स्कॉलर, डिपार्टमेन्ट ऑफ इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरींग, आई.आई.टी. का.हि.वि.वि.	(क) अ नोवल आर्किटेक्चर फॉर प्रेशर सेंसर (ख) अ नोवल आर्किटेक्चार फॉर भेरी सेंसिटिव प्रेशर सेंसर	२०१०	नेशनल पेटेंट फिल्ड आवेदन संख्या-०९/डेल/२०११ दिनांक १२.०१.२०११ नेशनल पेटेंट फिल्ड आवेदन संख्या-६७/डेल/२०११ दिनांक ०४.०१.२०११ नाव वान्टस टू फाइल टू इन्टरनेशनल पेटेंट ऑन द सेम टोपीक्स एस एबव
५८	प्रो. वकील सिंह, डिपार्टमेन्ट ऑफ मेटलर्जीकल इंजीनियरींग, आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	इफेक्ट्स ऑफ सरफेस नैनोक्रेस्टेलीजेशन ऑन ओइन्टीग्रेशन ऑफ सीपी-टाइटेनियम	२०१०	फिल्ड ऑन २५.०५.२०११ एण्ड पब्लिस्ड इन जर्नल संख्या३३/२०११ ऑन दिनांक १९.०८.२०११ अप्लिकेशन अवेटिंग इक्जामिनेशन आवेदन संख्या१४८६/डेल/२०११
५९	प्रो. देवेन्द्र कुमार, डिमार्टमेन्ट ऑफ सेरामिक इंजीरियरींग, आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	आयरन एलूमीना बेस मेटल मैट्रिक्स कम्पोजिट मटेरियल	२०१०	आवेदन पत्र निर्गत/प्रतिक्रिया नहीं
६०	प्रो. धनंजय पाण्डेय, स्कूल ऑफ मेटेरियल साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	(क) रियक्टिव कम्पेटिबीलाइजेशन ऑफ पॉलीकार्बोनेट एण्ड ($SnCl_2.2H_2O$,{[$Ch_3(CH_2)_3CH(C_2H_5)COO]_3Sn(CH_2)_3\ CH_3$} and {[$CH_3(CH_2)_3CH)C_2H_5$)COO]$_2$S} (ख) मिसिबल पॉलीकार्बोनेट ब्लेड थ्रू रियक्टिव एक्टूसन (ग) कम्पटीबल ब्लेड ऑफ पॉलीकार्बोनेट वीथ क्रालेट पॉलीमर	२०१०	एन.ओ.सी. निर्गत/ वर्तमान स्थिति के तहत प्रार्थना पत्र निर्गत हुआ द्वारा पत्र संख्या - आई.पी.आर.सेल/५२ दिनांक १०.१०.२०१२/प्रतिक्रिया नहीं पेटेंट आवेदन संख्या-१४१/डेल/२०११ दिनांक २०.०१.२०११

६१	प्रो. डी. पाण्डेय, राजीव प्रकाश एवं अन्य, स्कूल ऑफ मैटेरियल साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी	'' ए प्रोसेस फॉर प्रीप्रेशन ऑफ ए होमोजिनियस पॉलीमर ब्लेंड्स पार्टीकुलर्ली ब्लेंड्स ऑफ पॉलीकार्बोनेट (पीसी) एण्ड पॉली (मेथाइलमेथाक्राइलेट) (पीएमएमए)''	२०११	पेटेंट एप्लीकेशन संख्या १४१/डेल/२०११
६२	प्रो. वकील सिंह, डॉ. राजेश बंसल एवं अन्य, दंत चिकित्सा संकाय	''इफेक्ट ऑफ सरफेश नैनोक्रिस्टलाइज़ेशन ऑन ओसिओइंटेग्रेशन ऑफ सीपी-टाइटेनियम''	२०११	आवेदन संख्या १४८६/डेल/२०११ (परीक्षण प्रतीक्षारत)
६३	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरून अग्रवाल एण्ड अदर्स	हर्बल फार्मूलेशन एडवोकेटेड फॉर द प्रीवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट ऑफ कोनरी हर्ट डीजीज	२०११	ग्रान्टेड पेटेंट नं. यू.एस २०१२००३४३२६ ए१ दिनांक १७ दिसम्बर २०१३ पब्लिश्ड इन भारतीय आवेदन संख्या २२७०/सीएचई/२०१०
६४	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरून अग्रवाल एण्ड अदर्स	अ नॉवेल हर्बल फारमूलेशन फॉर द माड्यूशन आफ इम्मूनी सिस्टम ऑफ एच.आई.वी इनफेक्टेड पेटेंट एण्ड अ प्रोसेश ऑफ प्रीपरेशन देयरऑफ	२०११	आवेदन संख्या यू.एस.२०१३०७१४३५ (अ१), डब्लू.ओ.२०१३०४२१३२ (अ१), ई.पी२७५८०६४ (अ१)
६५	प्रो. गोपाल नाथ, माइक्रोबॉयोलॉजी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	''नॉवेल स्यूडोमोनास एरुजिनोसा बेक्टेरियोफेज़ेश एण्ड देयर यूसेज़ेज इन सेप्टीसिमिया'' मोडीफाइड टाइटील-कम्पोजिशन फॉर थेराप्यूटीक या प्रोफिलेक्टीक ट्रीटमेन्ट आफ बैक्टेरियल इनफेक्शन	२०११	पेटेंट आवेदन संख्या ३५०४/डेल/२०१४ दिनांक ०२.१२.२०१४ दिनांक ०२.१२.२०१४ ड्राफ्ट पेटेंट इज इन प्रोसेश टू सेन्ड टू इक्जामिनर
६६	प्रो. संजय सिंह, डिमार्टमेंट ऑफ फरमासीटिक्स, आई.एम.एस. का.हि.वि.वि	पेटेंटिग ऑफ एन इनोवेटिव आइडिया इन द फिल्ड ऑफ फर्मासिटिकल इंजिनियर	२०१०	आवेदन पत्र निर्गत/प्रतिक्रिया नहीं
६७	डॉ. एन.एस. राजपुत, डिपार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रानिकस इंजिनियरींग, आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	(क) अ न्यूरल नेट इम्प्लीमेंशन ऑफ एस.पी.सी.ए. प्री. प्रोसेशर फॉर गैस/ओडॉर क्लासीफिकेशन यूजिंग द रिसपोन्स ऑफ थीक फिल्म गैस सेंशर एरे (ख) अ फुली न्यूरल इम्प्लीमेंशन ऑफ यूनिटरी रिसपान्स मॉडल फॉर क्लासीफीकेशन ऑफ गैस/ओडोर्स यूजिंग फील्म गैस सेंशर	२०११	आवेदन पत्र निर्गत/प्रतिक्रिया नहीं

६८	डॉ. के. आर .सी. रेड्डी, ऐसोसिएट प्रोफेसर, रसशास्त्र विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, का.हि.वि.वि.	''फार्मास्यूटिक्ल स्टडी एण्ड फार्माकोलाजीकल इवैल्यूयेशन ऑफ ब्राह्मी घृीता : ए प्रीक्लीनीकल स्टडी''	२०११	आवेदन पत्र निर्गत/प्रतिक्रिया नहीं
६९	डॉ. बी.एस. चौरसिया, गेस्ट फैकल्टी एण्ड पी.एच.डी. रिसर्च स्कॉलर, डिपार्टमेन्ट ऑफ इलेक्ट्रानिकस इंजीनियरिंग, आई.आई.टी. का.हि.वि.वि.	(क) अ नोवल आर्किटेक्चर फॉर प्रेशर सेंसर (ख) अ नोवल आर्किटेक्चर फॉर वेरी सेंसिटिव प्रेशर सेंसर	२०११	आवेदन फिल्ड फॉर नेशनल फिल्ड (क) संख्या ०९/डेल/२०११ (ख) संख्या ६७/डेल/२०११
७०	श्री सुदीप पौल, सिनियर रिसर्च फेलो, स्कूल ऑफ बॉयोमेडिकल, इंजीनियरिंग, आई.आई.टी. का.हि.वि.वि.	हियरिंग एड एलांग वीथ वायरलेश डोर बेल वाइबरेटर सिंस्टम एण्ड इलेक्ट्रानिक ट्रार्च लाईट फैसिलिटी	२०११	आवेदन संख्या १८३६/डेल/२०११ अ फिल्ड ऑन २८.०६.२०१२ प्रकाशन १३.०७.२०१२ प्रसेन्ट स्टेटस ऑफ अप्लिकेशन इज सोइंग '' अवेटिंग फार इग्जामिनेशन''
७१	डॉ. आर .एन. राय, एसोसिएट प्रोफेसर, रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय।	''सिन्थेसिस ऑफ प्रोमिसिंग नॉवल बाइनरी आरगेनिक व्हाइट लाइट एमिटिंग मेटेरियल''	२०११	एन.ओ.सी. निर्गत/ वर्तमान स्थिति के तहत प्रार्थना पत्र निर्गत हुआ द्वारा पत्र संख्या - आई.पी.आर.सेल/५२ दिनांक १०.१०.२०१२/ प्रक्रिया अन्तर्गत
७२	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव	''ए नोवल पॉलीहर्बल फॉरमुलेशन फॉर रिडक्शन इन ओबेसिटी एण्ड प्रोसेस फॉर इट्स प्रिपरेशन देअर ऑफ ...''	२०१२	आवेदित
७३	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव	''ए नोवल पॉलीहर्बल फॉरमुलेशन फॉर ट्रिटमेंन्ट ऑफ मैनोपॉस सीन्ड्रोम एण्ड प्रोसेस फॉर इट्स प्रिपरेशन देअर ऑफ	२०१२	आवेदित
७४	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव	''ए नोवल पॉलीहर्बल फॉरमुलेशन ऐज एंटी फैटिग एण्ड प्रोसेस फॉर इट्स प्रिपरेशन देअर ऑफ ...''	२०१२	आवेदित

७५	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव	''ए नोवल पॉलीहर्बल फॉरमुलेशन फॉर ग्रोइंग एडोलसेंट गर्ल एण्ड प्रॉसेस फॉर इट्स प्रीपरेशन देअर ऑफ ...''	२०१२	आवेदित
७६	प्रो. एस.के. तिवारी, विभागाध्यक्ष, कायचिकित्सा विभाग, आयुर्वेद संकाय, चि.कि.वि.सं.,का.हि.वि.वि.	स्टडी ऑफ एंटी- एस्थमेटिक इफेक्ट ऑफ स्टेंडर्डाइज़ एक्सट्रेक्ट ऑफ आयुर्वेदिक कम्पाउंड्स विआ नासल स्प्रे एक्टूऐशन इन एरोसल फारल इन रोडेन्ट्स एण्ड इट्स कम्पेरेटिव क्लीनिकल स्टडी	२०१२	आवेदन पत्र निर्गत/ प्रतिक्रिया नहीं
७७	डॉ. नीलम श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर- भौतिकी, महिला महाविद्यालय और अन्य	इलेक्ट्रालायसीस ऑफ स्ट्रेच वेस्ड इलेक्ट्रालायट	२०१२	आवेदन सं. १६६४/डीईएल/ २०१२ दिनांक ३१.०५.२०१२ को जारी
७८	डॉ. विकास कुमार एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टपामेंट ऑफ फारमासिटिक्स आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	थेरोप्यूटीक यूज ऑफ पाइपर लागम रूट पाउडर फार प्रावेन्शन एण्ड ट्रीटमेंट ऑफ माइल्ड इण्टरमीटेन्ट स्ट्रेश इनड्यूसेस साइकोपैथोलॉजी एण्ड एसोसिएटेड क्रोनिक डिजीज	२०१२	एन.ओ.सी निर्गमित वायड पत्र. संख्या आई.पी.आर सेल/४६ दिनांक २२.०९.२०१२ पेटेंट आवेदन को सूचित किया गया।
७९	डॉ. आशा लता सिंह, इन्वायरमेंट साइंस, डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी विज्ञान संकाय	डिसूलफेरिजेशन ऑफ कोल वीथ रालस्टोनिया एसपी एण्ड पीडोक्सनथोमनस एसपी	२०१२	पेटेंट आवेदन जारी हुआ २०.०६.२०१३
८०	डॉ. स्वर्ण लता, डिपार्टमेंट ऑफ जूलॉजि, महिला महाविद्यालय	हिपोटोप्रोटेक्टीव इफेक्ट ऑफ फील्लेनटस फ्रटरनस अगेंस्ट साइक्लोफोसफेमाइड पोटेन्ट एन्टीकैन्सर ड्रग	२०१२	आवेदन पत्र निर्गत/ प्रतिक्रिया नहीं
८१	डॉ. कविता शाह, एसोसिएट प्रोफसर, पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान, का.हि.वि.वि.	''प्रॉसेस फॉर आइसोलेशन एण्ड प्यूरिफिकेशन ऑफ पेरौक्सीडेज़ एन्जाइम फ्राम राइस प्लांट्स एण्ड एप्लीकेशन''	२०१२	प्रक्रिया के अंतर्गत
८२	डॉ. करुणा सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्राणि विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.	''एक्वेअस एक्स्ट्रेक्ट ऑफ होल फ्रूट्स ऑफ अजाडिरक्ता इंडिया एल. ऐज एंटी फंगल एजेंट फॉर द् ट्रीटमेंट ऑफ सप्रोलेग्निएसिस विद रिफरेंस टू फ्रेस वाटर फिशेस''	२०१२	डॉ. करुणा सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्राणि विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.

८३	श्री गोविन्द कपसेठी, सीनियर रिसर्च फेलो,बायोमेडिकल विभाग,आई.आई.टी, का.हि.वि.वि.	पीजोलेक्ट्रक बोन सीमेन्ट फॉर बायोमेडिकल आवेदन	२०१२	आवेदन पत्र निर्गत/ प्रतिक्रिया नहीं
८४	प्रो. डी. दास, हेड, जैव-रसायन विभाग, चि.वि.सं., का.हि.वि.वि.	''डेवलपमेंट ऑफ नैनो गोल्ड-बेस्डडायग्नोस्टीक मार्कर फॉर कार्डियोवैस्कूलर डिसॉडर्स''	२०१२	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/८३ दिनांक २९.१२.२०१२
८५	डॉ. पी. के. सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, भू- विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''रिमूवल ऑफ टॉक्सिक ट्रेस मेटल्स फ्राम कोल विद मिक्सड बेक्टेरियल कोन्सोंटीया''	२०१२	पेटेंट आवेदन जारी किया २०.०६.२०१३
८६	डॉ. कविता शाह, एसोसिएट प्रोफसर, पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान, का.हि.वि.वि.	''ए मोडिफाइड कार्बन पेस्ट इलेक्ट्रोड विथ पैरोक्साइडेसेस''	२०१२	आवेदन संख्या ४७८/डेल/२०१३
८७	डॉ. नीरज शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल आफ बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आई.आई.टी	नॉन इनवेन्सिव ब्लड ग्लूकोज मेटर बेस ऑन मोडूॅलेटेड अल्ट्रासाउंड एण्ड आप्टिकल टेक्नेनिक	२०१२	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर सेल/७२-७४ दिनांक २१.१२.२०१२/ नो रिसपान्स
८८	प्रो. एस.के. तिवारी, विभागाध्यक्ष, कायचिकित्सा विभाग, आयुर्वेद संकाय, चि.वि.सं., का.हि.वि.वि.	''स्टडी ऑफ एंटी अस्थमेटिक इफेक्ट ऑफ स्टैण्डर्डाइज एक्स्ट्रैक्ट ऑफ आयुर्वेदिक कंपाउण्ड वाया नसल स्प्रे एक्युएशन इन ऐरोसोल फार्म इन रोडेन्ट्स एण्ड इट्स कम्परेटिव क्लिनिकल स्टडी''	२०१२	आवेदन संख्या ७१९२/डेल/२०१३ दिनांक १६.०७.२०१३ प्रकाशन-१७.०८.२०१३
८९	डॉ. गीता राय, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''ए पेटर्न रिकगनाइजेशन रेसेप्टर पर्टिकुलरली ए टोल लाइक रिसेप्टर विच हेज ए यूनिक एसोसिएशन विथ द प्रेसेंस ऑफ ग्लोमेरूलोनेफ्रिटिज़ इन सिस्टम लूपस''	२०१४	आवेदन संख्या १२८/डेल/२०१३ जारी १८.०१.२०१३
९०	डॉ. के.एन. तिवारी, एसोसिएट प्रोफसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, का.हि.वि.वि.	''एटीफंगल एक्टीविटी ऑफ फयलान्ट्स फ्रेटेरन्स अगेन्स्ट क्रिप्टोकाकस स्पेसिंस फॉर पोटेंट एंटिफंगल ड्रग''	२०१३	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/३८ दिनांक १६.१०.२०१४ फाइनल पेटेंट आवेदन संख्या ४११/डेल/२०१६ दिनांक ११.०२.२०१६

९१	श्री ओ.पी.सिंह, ओक्यूपेन्सनल थीरेपिस्ट, आर्थोपेडिक्स विभाग, सर सुन्दर लाल हास्पिटल, का.हि.वि.वि	''टाइटिल इज नाट डिस्क्लोज़्ड''	२०१३	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
९२	डॉ. कविता शाह, एसोसिएट प्रोफसर, पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान, का.हि.वि.वि.	''टाइटिल इज नाट डिस्क्लोज़्ड''	२०१३	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
९३	प्रो. देबब्रत दास. विभागाध्यक्ष,जैव रसायन विभाग, आई.एम.एस. का.हि.वि.वि	डेवलपमेन्ट ऑफ इलेक्ट्रोकेमिकल सेन्सर फॉर स्क्रनिक एण्ड डाइग्लोसिस ऑफ इंडिवीजुएजल एट हाई रिस्क टू डेवलप आर्टीएलीयर थ्रोम्बोसिस	२०१३	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/०७ दिनांक ०३.०५.२०१३ और ०४.१२.२०१३
९४	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट इरिटेबल बॉवेल सिन्ड्रोम (आई.बी.एस.)''	२०१३ २०१४	आवेदन पत्र प्रस्तुत ३७९७/डी.ई.एल./ २०१३ १४/४६८,२७६ यू.एस.
९५	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ मेटॉबोलिक सिन्ड्रोम बाई इटस् एडिपोनेटिन इनहान्सिंग प्रापर्टी''	२०१३ २०१४	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६८,२८५ यू.एस.
९६	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''मेटॉबालिक सिन्ड्रोम एण्ड कार्डियोवेस्कुलर डिज़ीज मार्टेलिटी रिस्क-इटस् प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट बाई ए प्लान्ट बेस्ड ड्रग''	२०१३ २०१४	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६८,२८१ यू.एस.
९७	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ ओबेसिटी एण्ड असोसिएटेड काम्प्लीकेशन्स''	२०१३ २०१४	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६९,२७२ यू.एस.
९८	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ ओबेसिटी एण्ड असोसिएटेड काम्प्लीकेशन्स''	२०१३ २०१४	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६९,२७२ यू.एस.
९९	प्रो. गोविन्द प्रसाद दूबे, डॉ. अरुना अग्रवाल और अन्य	''ए प्लान्ट बेस्ड फार्मुलेशन फार द प्रिवेन्शन एण्ड मैनेजमेन्ट आफ ओबेसिटी एण्ड असोसिएटेड काम्प्लीकेशन्स''	२०१३ २०१४	आवेदन पत्र प्रस्तुत १४/४६९,२७२ यू.एस.

१००	डॉ. गीता राय, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''ए पैटर्न रिकगनाजेशन रेसेप्टर पार्टिकुलरली ए टोल लाइक रिसेप्टर ह्विच हैज ए यूनिक एसोसिएशन विथ द प्रेसेंस ऑफ ग्लोमेरूलोनेफ्रिटिज़ इन सिस्टम लूपस''	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत
१०१	डॉ. अरविन्द कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''एंटी केन्सरस इनहेंसमेंट बाई सीजीए टू कूर''	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत पत्र न. ०५ दिनांक १०.०४.२०१४ प्रतिक्रिया नहीं
१०२	डॉ. अरविन्द कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	क्लोरोजेनिक एसिड बाइन्ड टू एचएमजीबी-१ टू इनहेन्स एन्टी कैन्सरस कैपसीटभ ऑफ हरबल एक्ट्रक्ट अगेंस्ट लीबर कैंसर	२०१४	पेटेंट आवेदन संख्या १२२०/डेल/२०१४ फिल्ड दिल्ली जारी दिनांक २९.०४.२०१४
१०३	प्रो. जी.पी. दूबे, डिस्टिंग्विस्ट प्रोफेसर, स्टडी डायरेक्टर १०२एण्ड को-आर्डिनेटर, एनएफटीएचएम, चि.वि.सं., का.हि.वि.वि.	''इनवेंशन ऑफ ए न्यू टेक्नोलॉजी पी००७ टू मेज़र डेंसिटी इन न्यूरोडेजेनरेटिंव एण्ड न्यूरोसायट्रिक''	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत पत्र न. १६ दिनांक १३.०५.२०१४ प्रतिक्रिया नहीं
१०४	प्रो. जी.पी. दूबे, डिस्टिंग्विस्ट प्रोफेसर, स्टडी डायरेक्टर एण्ड को-आर्डिनेटर, एनएफटीएचएम, चि.वि.सं., का.हि.वि.वि.	(क) एसोसिएशन बिटवीन नीपोटेरिन कन्सटरेशन एण्ड न्यूरोवेसकूलर चेन्ज इन टाइप-२ डाइबीटीज पेटेंट इफेक्ट ऑफ एन आयुर्वेदिक फॉरमूलेशन मेनली कन्टेनिंग बर्बर इज रीस्टाटा (ख) इन्वेन्शन ऑफ अ न्यू टेक्नालॉजी पी ७०० टू मेजर डेंसिटी इन न्यूरोडिग्नेरेटिव एण्ड न्यूरोसाइकेट्रिक इलनेस	२०१४	(क)एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/१९ दिनांक १३.०५.२०१४ (ख) एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/१६ दिनांक १३.०५.२०१४
१०५	प्रो. डी. दास,बायो-केमेस्ट्री विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	फोटोथरमल अबलेशन ऑफ थ्रोम्बस एण्ड रीलीफ फ्राम वैसकूलर ब्लाकेज यूजिंग नीर-एक्टिव नैनोमैटेरियल मोडिफाइड टाइटिल- अ फेब्रीन-टारगेटिंग डिवाइज वीथ नीर- एक्टिव नैनोमैटेरियल्स फॉर इम्प्रूब थ्रोम्बोलीसिस एम्प्लाइंग फोटोथरमल मेथड	२०१४	पेटेंट आवेदन संख्या ०३१६८/डेल/२०१४ फिल्ड एट दिल्ली ०३.११.२०१४ को जारी। प्रार्थना टू फर्निस्ड द कॉमेन्ट ऑफ द फन्डिग एजेन्सी फॉर चेन्ज इन टॉपिक

१०६	डॉ. किरन सिंह, सहायक प्रोफेसर,मालिक्यूलर एण्ड हयूॅमन जेनेटिक्स, विज्ञान संकाय	यूज आफ माईलोएड ड्राइब सूप्रशर सेल बायोमार्कर फॉर द डाइग्लोसिस ऑफ अर्ली प्रेग्नेंसी लॉस	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/५५ दिनांक ११.०३.२०१४/ नो रिसपोन्स
१०७	डॉ.चन्दन रथ, सहायक प्रोफेसर,स्कूल ऑफ मटेरियल साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी,आई.आई.टी, का.हि.वि.वि	डिग्रशन ऑफ आर्गनिक पोलूटेन्ट अन्डर सनलाइट यूसिंग नैनोपार्टिकल सिन्थेसिड हाइड्रोथरमेलि	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/०६ दिनांक ०१.०५.२०१५
१०८	डॉ. करुना सिंह, सहायक प्रोफेसर, जीव विज्ञान विभाग,महिला महाविद्यालय	एन्टीफंगल इफेक्ट ऑफ सीन्नामोन एक्सट्रेक्ट ऑन यूरोबेसिडियम पूल्लस्लान्स (सी.बी.एस. ५७७.९३ सी.बी.एस. १०१११९) एण्ड एक्सोफीलॉल डर्मटाइडिस(एम.टी.सी.सी. ९३४६)	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/३१ दिनांक ०८.१०.२०१५ पेटेंट फिल्ड प्रोविजनल आवेदन संख्या २०१६११००४८४५ दिनांक ११.०२.२०१६
१०९	डॉ. पकंज श्रीवास्तव,सहायक प्रोफेसर, रसायन विभाग, विज्ञान संकाय	अ नॉवेल प्रोसेस फॉर द डेवलपमेंट ऑफ पी-टोलूनीसलफोनेट डॉप्ड पॉलीपेरॉल/कारबन कम्पोसाइड इलक्ट्रोड एण्ड अ प्रीपरेशन ऑफ द सेम इलक्ट्रोड फॉर सुपरकैपीसीटर	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/३५ दिनांक ३०.०९.२०१४ यू.स. पेटेंट आवेदन संख्या १४/४६४८४५ दिनांक २१.०८.२०१४
११०	डॉ. प्रीति.एस. सक्सेना, सहायक प्रोफेसर,जीव विज्ञान विभाग,विज्ञान संकाय	टाइटिल इज नाट डिस्कलोज्ड	२०१४	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१११	डॉ. सूर्य प्रताप सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, जैव रसायन विभाग, विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.	''मेकुना प्रुरिंस शीड एक्सट्रेक्ट देयरऑफ फॉर द ट्रिटमेंट ऑफ न्यूरोलॉजिकल डिसआर्डर''	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत पत्र न. ०३ दिनांक १०.०४.२०१४ प्रतिक्रिया नहीं आवेदन संख्या ९१८/डेल/२०१४ दिनांक ३१.०३.२०१४
११२	डॉ. रश्मि सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान, महिला महाविद्यालय	''फस्ट रिपोर्ट ऑन इन्ट्रेन्सल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ सरकम एण्ड इट्स एंटी- एस्थामेटिक पोटेंशियल इन माउस मोडल ऑफ अस्थमा: एचपीएलसी स्टडी आन इट्स एब जारप्सन थ्रो नसल मूकोसा टू द लंग्स''	२०१४	पेटेंट आवेदन पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/३९ दिनांक १६.११.२०१५

११३	डॉ. राजेश बंसल, रीडर,प्रोस्थोडोंटिक्स, यूनिट फैकल्टी ऑफ डेन्टल साइंस, आई.एम.एस, का.हि.वि.वि.	सरफेस मोडिफिकेशन ऑफ टाइटेनियम बाई इनकार्पोरेशन ऑफ कार्बन	२०१४	एन.ओ.सी. निर्गत/आई.पी.आर. सेल/२२/ दिनांक ०६.०६.२०१६
११४	डॉ. रश्मि सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, प्राणी विज्ञान, महिला महाविद्यालय	''फस्ट रिपोर्ट ऑन इन्ट्रेन्सल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ सरकम एण्ड इट्स एंटी- एस्थामेटिक पोटेंशियल इन माउस मोडल ऑफ अस्थमा: एचपीएलसी स्टडी आन इट्स एब सोरप्सन थ्रो नसल मूकोसा टू द लंग्स''	२०१५	पेटेंट आवेदन पत्र १, २ और ३ निर्गत एन.ओ.सी. निर्गत दिनांक ०६.११.२०१५ पत्र नं. टी.पी.आर. सेल/३९
११५	प्रो. अरूणा अग्रवाल, प्रो. और समन्वयक, एसीटीजीएम, आयुर्वेद संकाय, चि.वि.सं.	मार्केट ऑफ न्यूरो-इन्फलामेशन एसोसिएटेड विथ न्यूरोडेजेनेरेटिंव डिसआर्डर इन टाइप-२ डिवेटस मेलिट्स पेटेंट्स - रोल ऑफ मोरिंगा ओलेइफेरा एक्स्ट्रेक्ट	२०१५	प्रक्रिया के अंतर्गत डॉक्यूमेंट परटेनिंग टू फाइडिंग इन यू.एस रिवलाईडेशन ऑफ द क्लेम ऑफ पेटेंट वर्क/कोई प्रतिक्रिया नहीं
११६	डॉ. नीलम श्रीवास्तव, एसोसिएट प्रोफेसर- भौतिकी विभाग, महिला महाविद्यालय और अन्य	लॉ कॉस्ट इलेक्ट्रोलायट मेमब्रेस फॉर माइक्रोबायल फ्यूल सेल एप्लीकेशन सिंथेजाइड बाई कम्प्लेक्सिंग स्ट्रेच (ह्वीट, कार्न एण्ड राइस) विथ साल्ट	२०१५	एन.ओ.सी निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर सेल/५३ दिनांक १७.१२.२०१५ पेटेंट आवेदन संख्या २०१६११००६७३२ दिनांक २६.०२.२०१६
११७	डॉ. एस. भट्टाचार्या, असोशिएट केमेस्ट्री, विज्ञान संकाय, काहिविवि	न्यू फोटोक्रोमिक मटेरियल	२०१५	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
११८	श्री प्रसन्न कुमार, पीएच.डी. तृतीय वर्ष छात्र, कवक शरीर क्रिया विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	प्लांट बेस्ड हैवी मेटल सेंसर्स	२०१५	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
११९	प्रो ओंकार नाथ श्रीवास्तव, हाइड्रोजन ऊर्जा केन्द्र, भौतिकी विभाग, काहिविवि	सिंथेसिस ऑफ प्योर MgH2 विथ रिवर्सिबल हाइड्रोजन स्टोरेज कैपेसिटी	२०१५	पत्रांक-आईपीआर सेल/२८ दिनांक २४.०९.२०१५ के माध्यम से एनओसी निर्गत
१२०	श्री अविनाश उपाध्याय, बी.एससी. तृतीय वर्ष छात्र, कृषि संकाय, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	ओल्डेस्ट रेन गेज ०.२५ ड्रोन	२०१५	पत्रांक-आईपीआर सेल/२४ दिनांक १२.०९.२०१५ के माध्यम से एनओसी निर्गत

१२१	डॉ शशि पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि	मैपिंग द आर्सेनिक स्ट्रेस-इंड्यूस्ड प्रोटिओम ऑफ आर्टेमीसिया एन्यूआ यूजिंग २- डी इलेक्ट्रोफोरेसिस एण्ड एमएएलडीआई- टीओएफ-एमएस	२०१५	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१२२	डॉ. गीता राय, असिस्टेंट प्रोफेसर, आणविक एवं मानव आनुवंशिकी विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि	ए नोवेल फार्म्यूलेशन ऑफ विटामिन इंक्रीज द इम्यून इफिसिएंशी इन लो बर्थ वेट न्यूबोर्न	२०१५	पत्रांक- आईपीआर सेल/४१ दिनांक ०६.११.२०१५ के माध्यम से एनओसी निर्गत प्रपत्र २६ (पावर ऑफ एटोर्नी) प्रक्रियाधीन
१२३	प्रो एच.बी. सिंह, प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष, माइकोलॉजी एण्डप्लांट पैथोलॉजी विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	बोर्ड स्पेक्ट्रम एंटीफंगल एफीसिएंसी ऑफ सिल्वर नैनोफार्म्यूलेशन	२०१५	पत्रांक- आईपीआर सेल/५७ दिनांक २६.१२.२०१५ के माध्यम से एनओसी निर्गत कोई अग्रिम सूचना नहीं
१२४	डॉ. मीनाक्षी सिंह, असोसिएट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, काहिविवि	प्रिपरेशन ऑफ मॉलीक्यूलरली इंप्रिंटेड पॉलीमर- क्वार्ट्ज़ क्रिस्टल माइक्रोबैलेंश (एमआईपी-क्यूसीएम) डिवाइस फॉर डिटेक्शन ऑफ निशेरिया मेनिंगिटाइड्स बैक्टीरिया	२०१६	पत्रांक- आईपीआर सेल/०१ दिनांक ११.०४.२०१६ के माध्यम से एनओसी निर्गत कोई अग्रिम सूचना नहीं
१२५	प्रो. आर.एम. सिंह, रसायन विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि	प्रॉसेस फॉर प्रिपरेशन ऑफ टर्मिनल अल्काइन्स	२०१६	एन.ओ.सी निर्गमित पत्रांक संख्या आईपीआर सेल दिनांक ११.०.२०१६
१२६	डॉ. एम. मुत्सुद्दी, सहायक प्रोफेसर, आणविक एवं मानव आनुवांशिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि	केएच डोमेन कंटेनिंग प्रोटीन्स डेप्लेट्स पैथेजेनिक स्पाइनोसेरेबेलर अटैक्सिया ८ ट्रांस्क्रिप्ट्स एण्ड सप्रेसेस न्यूरोजेनेरेशन इन ड्रोसोफिला डिजीज मॉडल ऑफ द डिजीज	२०१६	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१२७	डॉ. देवव्रत दास, प्रोफेसर, जैवरसायन विभाग, चिकित्सा विज्ञान विभाग, काहिविवि	मल्टी- लेवेल थेरेप्यूटिक ऑफ प्लेटलेट मेटाबोलिज्म ऐज ए नोवेल एंटी- थ्रोंबोटिक स्ट्रैटेजी	२०१६	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१२८	प्रो. अमिताभ कृष्ण, जंतु विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि	प्रोफिलैक्टिक एफिकैसी ऑफ ट्रिब्यूलस टेरेस्ट्रिस ए पोटेंट एफ्रोडिसिक हर्ब ऑन पॉलीक्रिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस)	२०१६	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं

१२९	डॉ. विवेक सिंह, भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि	ब्राग फाइबर वावगाइड बायो-सेंसर बेस्ड ऑन डिफेक्ट मोड	२०१६	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१३०	प्रो. एन.के. दूबे,वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	नॉवेल कम्पोजीशन फॉर ऑन ट्रोलिग स्टोरेज पेस्ट एण्ड माइकोटॉक्सीन प्रोडक्शन	२०१७/२००६	आथोराइजेशन लेटर बाइ द रजिस्ट्रार इसूड द्वारा लेटर न. आई.पी.आर सेल/०१ दिनांक २७.०३.२०१७
१३१	डॉ. प्रीति.एस. सक्सेना, सहायक प्रोफेसर,जीव विज्ञान विभाग,विज्ञान संकाय	टाइटिल इज नाट डिस्कलोज्ड	२०१४	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१३२	प्रो. एन.के. दूबे,वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय	नॉवेल कम्पोजीशन फॉर ऑन ट्रोलिग स्टोरेज पेस्ट एण्ड माइकोटॉक्सीन प्रोडक्शन	२०१७/२००६	आथोराइजेशन लेटर बाइ द रजिस्ट्रार इसूड द्वारा लेटर न. आई.पी.आर सेल/०१ दिनांक ०३.०४.२०१७
१३३	प्रो. अमिताभ कृष्ण, जंतु विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान, काहिविवि	टाइटिल इज नाट डिस्कलोज्ड	२०१६	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१३४	डॉ. देवव्रत दास, प्रोफेसर, जैवरसायन विभाग, चिकित्सा विज्ञान विभाग, काहिविवि	नोवेल थर्मोजेनिक स्टेंट डिवाइस फॉर ऐब्लेशन ऑफ थ्रोंबस एण्ड प्रिवेंशन ऑफ रेस्टेनोसिस इन ऑब्स्ट्रक्टेडस्टेंट	२०१६	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत कोई प्रतिक्रिया नहीं
१३५	डॉ. विवेक सिंह, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी विभाग विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	ब्रग्ग फाइबर वेवगाइड बायो -सेंसर बेस्ड आन डीफेक्ट मोड अप्लिकेशन: डॉ. विवेक सिंह एण्ड बी.एच.यू.	२०१७	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/ ०३ दिनांक ११.०४.२०१७ पेटेंट संख्या २०१७११०१५१३० ए निर्गत
१३६	प्रो. एन.के. दुबे, वनस्पति विज्ञान विभाग विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	नोवेल कम्पोजिशन फार कन्ट्रोलिग स्टोरेज पेट्स एण्ड माइकोटिन प्रोडक्सन। (एम.ल्यूकेडेंड्रन एण्ड केरम कारवी) अप्लिकेशन: बी.एच.यू.	२०१७	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या २५८६/डीईएल/२००६ दिनांक ०४.१२.२००६ पेटेंट ग्रान्टेड संख्या २९८२२० दिनांक २८.०६.२०१८
१३७	डॉ. प्रीति एस. सक्सेना, जीवविज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	लीपोपोलाइसाचारिड (एलपीएस) एण्ड एन -डोपड कार्बन क्वांटम डाट (एनसीक्विडीएस) अप्लिकेशन: आल इनवेन्टर एण्ड बी.एच.यू.	२०१७	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/ २५ दिनांक ०९.०८.२०१७
१३८	प्रो. एन.के. दुबे, वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	नोवेल कम्पोजिशन फार कन्ट्रोलिग स्टोरेज पेट्स एण्ड माइकोटिन प्रोडक्सन। (एम. ल्यूकेडेंड्रन एण्ड केरम कारवी) अप्लिकेशन: बी.एच.यू.	२०१७	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या २५८६/डीईएल/२००६ दिनांक ०४.१२.२००६ पेटेंट ग्रान्टेड संख्या २९८२२० दिनांक २८.०६.२०१८

१३९	डॉ. प्रीति एस. सक्सेना, जीवविज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	लीपोपोलाइसाचारिड (एलपीएस) एण्ड एन -डोपड कार्बन क्वांटम डाट (एनसीक्विडीएस) अप्लिकेशन: आल इनवेन्टर एण्ड बीएचयू	२०१७	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/ २५ दिनांक ०९.०८.२०१७
१४०	प्रो. एन.के. दुबे, वनस्पति विज्ञान विभाग विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	नोवेल कम्पोजिशन फार कन्ट्रोलिग स्टोरेज पेट्स एण्ड माइकोटिन प्रोडक्सन। (एम.ल्यूकेडेंड्रन एण्ड केरम कारवी) अप्लिकेशन: बी.एच.यू.	२०१७	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या २५८६/डीईएल/२००६ दिनांक ०४.१२.२००६ पेटेंट ग्रान्टेड संख्या २९८२२० दिनांक २८.०६.२०१८
१४१	डॉ. गीता राय, सहायक प्रोफेसर, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	ए नोवेल मिल्क डेरिड फारमूलेशन वीथ पोटेन्सियन फार मनेजमेन्ट आफ डेंगू अप्लिकेशन: बी.एच.यू.	२०१७	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल ६२ दिनांक ३०.०१.२०१७ पेटेंट आवेदन संख्या २०१६११०४४४७१ दिनांक २७.१२.२०१६
१४२	डॉ. गीता राय, सहायक प्रोफेसर, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संकाय, बी.एच.यू.	ए नोवेल सिल्वर नैनोपार्टिकल कन्जगेट प्रीपेयर्ड पीटोकेमिकल एक्ट्रक्ट केसिग प्रीफर्ड इन कैंसर सेल लाइन एण्ड द प्रीपरेशन प्रोसेस थीरीन अप्लिकेशन: बी.एच.यू.	२०१७	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल ६२ दिनांक ३०.०१.२०१८ पेटेंट आवेदन संख्या २०१७११०१८८३४ दिनांक २९.०५.२०१७
१४३	डॉ. के.एम. पेलंडूकर सहायक प्रोफेसर, बायोकेमिट्री, आई.एम.एस., बी.एच.यू.	डीवाइस एण्ड मैथड फार बीलीरूबीन इन्टरफरेन्स रिमूवल फ्राम बाइलॉजिकल सैम्पल अप्लिकेशन : डॉ. के.एम. पेलंडूकर, बी.एच.यू. एण्ड डिजाइन इन्वोसन सेंटर, बी.एच.यू.	२०१८	एन.ओ.सी. निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल /७२ दिनांक १४.०२.२०१८
१४४	प्रो.ओ.एन. श्रीवास्तव, नैनो साइंस, भौतिकी विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि	कार्बन हालो सिलेंडर मेड उप फ्राम रेडियली एलाइंड कार्बन नैनोटूड ऐरेज एज एफिसिएंट एलेक्ट्रोमग्नेटिक मटेरियल। आवेदक सभी आविष्कारक और बीएचयू	२०१८	पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/ २१ दिनांक ०४.०६.२०१८ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी
१४५	डॉ. गीता राय, सहायक प्रोफेसर, आणविक एवं मानव आनुवंशिकी विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि	बिवेसिजुमेब (Bevacizumab) मोनोक्लोनल एंटीबॉडी के संवर्धित अभिव्यक्ति के लिए एक उपन्यास नवीन संचालन प्रणाली का विकास	२०१८	प्रपत्र १, २ व ३ निर्गत
१४६	डॉ. मनीष अरोरा, सहायक प्रोफेसर, समन्वयक, अभिकल्प नवप्रवर्त केन्द्र, काहिविवि	रिक्शा चालकों के लिए स्लीपर रिक्शा-मेक/डिजाइन रिक्शा घर। आवेदक सभी आविष्कारक, डीआईसी बीएचयू और बीएचयू	२०१८	पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/ २४ दिनांक १८.०६.२०१८ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी
१४७	डॉ. भाग्यलक्ष्मी महापात्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय, काहिविवि	डायग्नोस्टिक्स में इस्तेमाल किया जाने वाला बायोमार्कर	२०१८	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत

१४८	प्रो. अनिल कुमार चौहान, समन्वयक, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	पकाने के लिए तैयार मल्टी ग्रेन खिचड़ी के उत्पादन के लिए प्रक्रिया अनुकूलन (process optimization)। आवेदक: बीएचयू	२०१८	पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल/ ६० दिनांक ०४.८.२०१८ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी
१४९	प्रो. अनील कुमार चौहान, समन्वयक, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	मेथी के बीज पाउडर और प्राकृतिक मीठे (स्टीविया) के माध्यम से चीनी मुक्त बिस्किट का विकास और प्रक्रिया अनुकूलन (process optimization)	२०१८	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
१५०	प्रो. एच.बी. सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	माइक्रोबियल कंसोर्टियम युक्त एन्कैप्सुलेटेड बायोप्रैमड बीजों का विकास और उनका उपयोग । आवेदक: सभी आविष्कारक और बीएचयू	२०१८	पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल ६६ दिनांक ०४.०९.२०१८ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी
१५१	डॉ. करूना सिंह, सह-अध्यापक, जीवविज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय, काहिविवि		२०१८	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
१५२	प्रो. एच.बी.सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	एंडोफाइटिक बैक्टीरिया के बायोफिल्म गठन के लिए प्रक्रिया और उसका उपयोग	२०१८	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
१५३	प्रो. एच.बी. सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	संभावित शीर्षक: रैपिड मेथड अर्थवर्म (आइसेनिया फेटिडा)	२०१८	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
१५४	श्री आशीष कुमार सिंह, शोंध छात्र, सूक्ष्म जैविकी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काहिविवि	शीर्षक: क्लिक इंस्पायरड ऑफ वॉटर सोल्यूबल एंड बायोकंपैटिबल करक्यूमिन एंड इट्स एंटीबैक्टेरियल, एंटीबायोफिल्म एंड अदर पोटेन्सियल थ्योरेपेटिक यूसेज	२०१९	पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल ९३ दिनांक १४.०१.२०१९ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी
१५५	प्रो. एच.बी.सिंह, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान, काहिविवि	शीर्षक: गोल कृमि की आबादी को रोकने और पादप विकास संवर्धन के लिए एक नवीन नैनोफॉर्मुलेशन और उसकी प्रक्रिया	२०१९	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
१५६	प्रो. अंचल श्रीवास्तव, भौतिक विभाग विज्ञान संस्थान, काहिविवि	संभावित शीर्षक: प्रतिष्ठित गेट डाइलेक्ट्रिक का उपयोग करके उच्च प्रदर्शन ग्राफीन ट्रांजिस्टर	२०१९	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
१५७	डॉ. अभिजीत मुखर्जी, सहायक प्रोफेसर, जैव रसायन, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काहिविवि	शीर्षक: बैक्टीरियोफेज एंटीजन और एंटीब डी के शुद्धिकरण के लिए एक विधि	२०१९	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
१५८	श्री. स्मिता यादव, शोध छात्र, जैवरसायन विज्ञान संकाय, काहिविवि	शीर्षक: ग्रीन नैनोपार्टिकल यौगिक जो बहुत कम खुराक में फाइलेरिया परजीवी को मारने के लिए अधिक कुशल पाया गया	२०१९	प्रपत्र १,२ व ३ निर्गत
१५९	प्रो. देवब्रत दास विभागाध्यक्ष,जैवरसायन विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान काहिविवि	शीर्षक: इन-स्टेंट थ्रोम्बोसिस की रोकथाम के लिए एक नवीन मल्टीमॉडल ड्रग इल्यूटिंग थर्मोजेनिक स्टेंट डिवाइस	२०१९	निर्गमित पत्र संख्या आई.पी.आर. सेल १३५ दिनांक ०९.०३.२०१९ द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी
१६०	डा. अरविंद एम. कायस्थ प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी स्कूल, विज्ञान संस्थान, बी.एच.यू.	शीर्षक: इन्डियन पेटेन्ट ऑन बी- एमिलेस इन्जाइम प्योरीफाइड फ्रॉम प्लान्ट सोर्स	२०१९	पत्र संख्या १, २ और ३ जारी

८. छात्रवृत्तियाँ/अध्येतावृत्ति (छात्रों के लिए) २०१८-१९

क्र.सं.	छात्रवृत्ति का नाम	संख्या
१.	आर एकाउन्ट-आबजेक्ट हेड -'३१' (ए), (बी) और (सी) के अन्तर्गत यू.जी.सी. अध्येतावृत्ति	१२६९
२.	यू.जी.सी. नेट जे.आर. एफ. इन साइंस एण्ड ह्यूमनिटिज एण्ड सोशल साइंस	१४३१
३.	जे.आर.एफ./एस.आर.एफ. - सी.एस.आई.आर.	१४१
४.	सीएएस./एसएपी. में विलीन कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति	१३
५.	चिकित्सा विज्ञान संस्थान में आयुर्वेद कनिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति	१३
६.	चिकित्सा विज्ञान संस्थान में प्रायोगिक चिकित्सा केन्द्र एवं शल्य शोध प्रयोगशाला में विज्ञान स्नातकोत्तरों के लिए कनिष्ठ व वरिष्ठ शोध अध्येतावृत्ति	१५
७.	राजीव गाँधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में जे.आर.एफ.	१२५
८.	अपंग शोध छात्रों के लिए राजीव गाँधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	१३
९.	अनुसूचित जनजाति के शोधछात्रों को उच्च शिक्षा राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	१८
१०.	प्रतिभावान छात्रों के लिए विज्ञान में यू.जी.सी. शोध अध्येतावृत्ति	२०
११.	नेपाल अध्ययन केन्द्र में शोध अध्येतावृत्ति	०४
१२.	जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पूना विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त डी.बी.टी.-जे.आर.एफ.	१६
१३.	एक मात्र संतान लड़की के लिए इन्दिरा गाँधी स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति	०५
१४.	एक मात्र संतान लड़की के लिए विवेकानन्द स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति	०४
१५.	राज्य कृषि मंडी परिषद छात्रवृत्ति	८७
१६.	यू.जी.सी.-डॉ.डी.एस. कोठारी पोस्ट डाक्टोरल अध्येतावृत्ति	१९
१७.	डॉ. एस. राधाकृष्णनन् पोस्ट डाक्टोरल अध्येतावृत्ति	४७
१८.	यू.जी.सी.-महिला पोस्ट डाक्टोरल अध्येतावृत्ति	३४
१९.	मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप के अन्तर्गत विज्ञान वर्ग के शोधार्थियों को कनिष्ठ शोधवृत्ति (जे.आर.एफ.)	२४
२०.	पिछड़ी जाति के राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	४७
२१.	यू.जी.सी.-पोस्ट डाक्टोरल अध्येतावृत्ति एस.सी./एस.टी.	१६
२२.	सी.एस.आई.आर.–आर.ए. को अध्येतावृत्ति	००
२३.	आई.सी.ए.आर.-जे.आर.एफ. (पी.जी.)	१८
२४.	आई.सी.एम.आर. अध्येतावृत्ति	३६
२५.	आई.सी.पी.आर. अध्येतावृत्ति	२०
२६.	नेट रहित के लिए आई.सी.एच.आर. अध्येतावृत्ति	०६
२७.	आई.सी.एस.एस.आर.अध्येतावृत्ति	६७
२८.	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय छात्रवृत्ति शास्त्री तथा आचार्य	९९
२९.	जैव प्रौद्योगिकी विभाग के स्कीम नं ८२७ के अन्तर्गत एमएससी प्रीवियस एवं फाइनल वर्ष के छात्रों के लिए वृत्तिक	३१
३०.	इंस्पायर फेलोशिप	५०
३१.	एमएचए-बीपीआर एण्ड डी/ इसरो/ नाको/ एनएसीओ/ एमएनआरई/ एन.पी.डी.एफ.	२०
३२.	राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	२५३
३३.	अनु.जाति/अनु.जनजाति/अन्य पिछड़ी जाति/सामान्य श्रेणी/अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति (उ.प्र.)	५८९२
३४.	उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त अन्य राज्यों से अनु.जाति/अनु.जनजाति/अन्य पिछड़ी जाति छात्रवृत्ति	५५८
३५.	ब्लाइंड फाउण्डेशन छात्रवृत्ति	८९
	कुल	१०५००

९. सुविधाएँ

९. सुविधाएँ
९.१. आवास
९.२.१. छात्रावास (बालक)
९.२.२. छात्रावास (बालिका)
९.२.३. छात्रावास (विवाहित/विदेशी छात्र)
९.२.४. विश्वविद्यालय कर्मचारियों के निवास हेतु आवास सुविधाएँ
९.२. अतिथि गृह संकुल
९.३. इन्टरनेट एवं संगणक
९.४. सम्मेलन कक्ष
९.५. पुरातन छात्र प्रकोष्ठ
९.६. भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्
९.७. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
९.८. अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र
९.९. समाचार पत्र प्रकाशन एवं प्रचार प्रकोष्ठ
९.१०. विद्युत, जल और दूरभाष केन्द्र
९.११. अनुरक्षण (भवन एवं उपकरण)
९.१२. स्वास्थ्य देखभाल (अस्पताल और स्वास्थ्य केन्द्र)
९.१३. विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद्
९.१४. छात्र अधिष्ठाता द्वारा आयोजित कार्यक्रम
९.१५. कैरियर विकास केन्द्र
९.१६. जलपान गृह
९.१७. राष्ट्रीय सेवा योजना
९.१८. नेशनल कैडेट कोर
९.१९. बैंक एवं डाक घर
९.२०. रेल आरक्षण पटल
९.२१. एयर स्ट्रीप एवं हेलीपैड
९.२२. विपणन संकुल
९.२३. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय क्लब
९.२४. छात्र कल्याण
९.२४.१. संस्थापन सेवा
९.२४.२. विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र
९.२४.३. छात्र परिषद्
९.२४.४. नगर छात्र निकाय
९.२४.५. पाठ्येतर क्रियाकलाप
९.२५. हिन्दी प्रकाशन समिति

९. सुविधाएँ

९.१.१.छात्रों के लिये छात्रावास

क्र.सं.	छात्रावासों के नाम	संस्थान/संकाय	कमरों की संख्या	कुल छात्र	कुल छात्रावासी	सार्वजनिक कक्ष	भण्डार कक्ष
१.	बाल गंगाधर तिलक छात्रावास	कृषि विज्ञान संस्थान	१९६	३९२	३९२	०१	०८
२.	एस. राधाकृष्णन् छात्रावास	कृषि विज्ञान संस्थान	१२०	२४५	२२९	०४	०५
३.	बिरला 'ए' छात्रावास	कला संकाय	१२४	२४८	२२२	०३	०२
४.	बिरला 'ब' छात्रावास	कला संकाय	१२४	१५५	१४६	०१	०३
५.	बिरला 'स' छात्रावास	कला संकाय	१३३	२६७	२५८	०३	०२
६.	लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास	कला संकाय	२९५	५४०	५४०	०१	१७
७.	आई. एन. गुर्टू छात्रावास	वाणिज्य संकाय	११८	२३१	२२७	०१	०१
८.	ए. बी. हास्टल (कमच्छा)	शिक्षा संकाय	८५	१६६	१४७	०१	१२
९.	धनवन्तरी छात्रावास	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	२१०	२०७	२०७	०१	०६
१०.	पुनर्वसु आत्रेय छात्रावास (आयु)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	७६	१०९	१०९	०१	०५
११.	रुइया छात्रावास एनेक्सी	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१०७	२१०	२००	०१	०५
१२.	रुइया छात्रावास (मेडिकल ब्लाक)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	६९	२००	२००	०२	०५
१३.	सुश्रुत छात्रावास (ट्रामा सेंटर)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	४१०	४०५	३८९	०२	०५
१४.	बी. आर .अम्बेडकर छात्रावास	विधि संकाय	७०	७०	७०	०१	०१
१५.	भगवान दास छात्रावास	विधि संकाय	११९	२४६	२४६	०१	०२
१६.	चाणक्य छात्रावास	विधि संकाय	९३	१५८	१५८	०१	०५
१७.	मेनेजमेंट छात्रावास	प्रबन्धशास्त्र संकाय	६२	१२४	१०५	०१	०१
१८.	सरदार बल्लभ भाई पटेल छात्रावास	बहु संकाय	७५	१०८	८७	०२	०३
१९.	रीवा कोठी	मंच कला संकाय	३४	३४	२९	०१	०१
२०.	अरावली ब्वायज़ छात्रावास	आरजीएससी	२०५	४३०	४३०	०१	०६
२१.	न्यू ब्याज हास्टल	आरजीएससी	५०	८१	८१	०१	०३
२२.	शिवालिक ब्वायज़ छात्रावास,	आरजीएससी	१५०	३००	३००	०१	०५
२३.	विन्ध्याचल ब्वायज़ छात्रावास,	आरजीएससी	१५०	३५२	३१९	०१	०५
२४.	भाभा छात्रावास	विज्ञान संकाय	१९६	३९२	३५७	०१	०५
२५.	ब्रोचा छात्रावास	विज्ञान संकाय	३२२	६५२	५४६	०६	०७
२६.	सी. पी. आर .अय्यर छात्रावास	विज्ञान संकाय	१२८	२३७	२०३	०१	०४
२७.	डालमिया छात्रावास	विज्ञान संकाय	२२६	४५२	४११	०१	०७
२८.	रामकृष्ण छात्रावास	विज्ञान संकाय	१२७	२६७	२५५	०१	०२
२९.	आचार्य नरेन्द्र देव छात्रावास	सामाजिक विज्ञान संकाय	१०१	२०२	१९१	०१	०५
३०.	मूना देवी छात्रावास	सामाजिक विज्ञान संकाय	११२	२२४	२२४	०२	०५
३१.	पं. ब्रज नाथ हास्टल	सामाजिक विज्ञान संकाय	१६	३७	३७	०१	०२
३२.	राजा राममोहन राय छात्रावास	सामाजिक विज्ञान संकाय	११७	१९७	१९७	०१	०२
३३.	रुईया छात्रावास (संस्कृत ब्लाक)	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	२२०	४५७	४४०	०४	०८
३४.	राम किंकर छात्रावास	दृश्य कला संकाय	६२	४०२	१९०	०१	०४

९.१.२.छात्राओं के लिये छात्रावास

क्र. सं.	छात्रावासों के नाम	संस्थान/संकाय	कमरों की संख्या	कुल छात्र	कुल छात्रावासी	सार्वजनिक कक्ष	भण्डार कक्ष
१.	रानी लक्ष्मी बाई गर्ल्स हास्टल	कृषि विज्ञान संस्थान	१०३	२२३	२२३	०२	००
२.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	कला संकाय	४५	८९	४९	०१	०३
३.	फ्लोरेंस नाइटेंगल	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	६७	१८३	१८३	०२	०१
४.	कस्तूरबा गर्ल्स हास्टल	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	११०	२१८	२१८	०१	०७
५.	महिला डॉक्टर्स हास्टल	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	६२	९८	९८	०१	०१
६.	मदर टेरेसा छात्रावास (१-२)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	५०	५४	५४	०१	००
७.	नागार्जुन गर्ल्स हास्टल	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	९२	१०९	१०९	०१	०६
८.	न्यू डॉक्टर्स गर्ल्स हास्टल	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	९४	१८४	१८४	०२	०५
९.	सुकन्या गर्ल्स हास्टल (आयु)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	३५	७६	७६	०२	०१
१०.	ज्योति कुंज गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	१४१	२८२	२८२	०१	०९
११.	कीर्ति कुंज गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	६५	२६१	२६१	०१	०३
१२.	कुन्दन देवी गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	७४	१४८	१४८	०१	०४
१३.	पाउगी हाउस गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	०६	२२	२२	०१	०१
१४.	प्रज्ञा कुंज गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	८६	१७२	१७२	०१	०२
१५.	स्वस्ति कुंज गर्ल्स हास्टल	महिला महाविद्यालय	१९२	१९२	१७८	०२	०१
१६.	नवीन गर्ल्स हास्टल	बहु संकाय	१९	१०८	१०४	०१	०१
१७.	कामकाजी महिला हास्टल	बहु संकाय	६९	१५९	१५३	०७	०५
१८.	न्यू गर्ल्स हास्टल	आर.जी.एस.सी.	४२	११४	११०	०१	०४
१९.	नीलगिरी गर्ल्स हास्टल	आर.जी.एस.सी.	११५	२६८	२६८	०१	०४
२०.	विन्ध्यवासिनी गर्ल्स हास्टल, आरजीएससी	आर.जी.एस.सी.	११५	२४१	२४१	०१	०५
२१.	गार्गी गर्ल्स हास्टल	विज्ञान संकाय	५४	१०८	८२	०२	०७
२२.	जे. सी. बोस गर्ल्स हास्टल	विज्ञान संकाय	९३	१९८	१९८	०१	०१
२३.	कुन्दन देवी शताब्दी हास्टल	विज्ञान संकाय	१४४	२८८	२८८	०१	१५
२४.	मैत्रेयी गर्ल्स हास्टल	विज्ञान संकाय	६९	१४०	१३३	०१	०९
२५.	सरोजनी नायडू गर्ल्स हास्टल	विज्ञान संकाय	७०	११८	११८	०२	०२
२६.	क्वार्टर न.बी-१ गर्ल्स हास्टल	समाजिक विज्ञान	१०	२१	१९	०१	१२
२७.	गंगा गर्ल्स हास्टल	त्रिवेणी परिसर	८८	१८४	१८४	०२	०१
२८.	गोदावरी गर्ल्स हास्टल	त्रिवेणी परिसर	१५२	१५२	१५२	०१	०२
२९.	गोमती गर्ल्स हास्टल	त्रिवेणी परिसर	२३५	४६७	४६७	०१	०५
३०.	कावेरी गर्ल्स हास्टल	त्रिवेणी परिसर	१५४	१५४	१५०	०१	०१
३१.	सरस्वती गर्ल्स हास्टल	त्रिवेणी परिसर	९६	२००	२००	०२	००
३२.	यमुना गर्ल्स हास्टल	त्रिवेणी परिसर	७०	१४२	१४२	०१	०८

९.१.३. छात्रों के लिये छात्रावास (विवाहित/विदेशी)

क्र.सं.	छात्रावासों के नाम	संस्थान/संकाय	कमरों की संख्या	कुल छात्र	कुल छात्रावासी	सार्वजनिक कक्ष	भण्डार कक्ष
१.	इन्टरनेशनल हाउस काम्पलेक्स	विदेशी	91	168	168	01	08
२.	सिद्धार्थ विहार	विदेशी	19	40	40	01	00
३.	इन्टरनेशनल गर्ल्स हास्टल (एनेक्सी)	विदेशी	13	24	24	01	03
४.	न्यू.इन्टरनेशनल गर्ल्स हास्टल	विदेशी	31	74	74	01	07

९.१.४ विश्वविद्यालय कर्मचारियों के निवास हेतु आवास सुविधाएँ (शिक्षण एवं गैर-शिक्षण)

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना एक आवासीय विश्वविद्यालय के रूप में इस उद्देश्य के साथ हुई थी कि यहाँ शिक्षक, छात्र एवं कर्मचारी शैक्षणिक वातावरण में परस्पर सहयोग से व्यक्तित्व का विकास कर सकें। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु छात्र/छात्राओं के लिए छात्रावासों के साथ-साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों हेतु क्रमश: ६६२ एवं ७२९ आवासों का निर्माण किया गया है।

शिक्षकों हेतु २ मल्टी फ्लैट्स (एक में ८० तथा दूसरे में २००) का निमार्ण कार्य प्रगति पर है।

९.२. अतिथि गृह संकुल

- विश्वविद्यालय परिसर में अतिथि गृह संकुल के अंतर्गत पाँच (५) अतिथि गृह हैं, जो अतिथियों के लिए सुखद और आरामदायक आवास प्रदान करता है। सभी अतिथि गृह वातानुकूलित हैं और इनमें से अधिकांश अतिथि गृह में रसोई और भोजन कक्ष की पर्याप्त सुविधाएं हैं। अतिथि गृह परिसर विश्वविद्यालय की आधिकारिक और व्यक्तिगत आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। देश और विदेश के कई उच्च स्तरीय प्रतिनिधियों को इस अतिथि गृह में आतिथ्य सेवा प्रदान की जाती है। हाल ही में, इन अतिथि गृहों को भारत के माननीय राष्ट्रपति, भारत के प्रधान मंत्री, भारत के उप-राष्ट्रपति और कई राज्यों के राज्यपालों के आतिथ्य और सेवा प्रदान करने का सम्मान प्राप्त हुआ है।
- लक्ष्मण दास अतिथि गृह (अनुलग्नक) एक प्रीमियम अतिथि गृह है, जिसमें ४ वीआईपी कक्ष (क्वीन साइज बिस्तर), ५४ दो बेड वाले और ३ एक बेड वाले डीलक्स कक्ष हैं। परिचारकों के लिए, ७ बेड वाला एक वातानुकूलित शयनकक्ष है। सभी कक्ष समस्त आधुनिक सुविधाओं जैसे केबल कनेक्शन के साथ टेलीविजन, गीजर, ब्लोअर इत्यादि के साथ सुसज्जित हैं। अतिथि गृह में एक पूर्ण रूप से आधुनिक रसोईघर के साथ लगभग ५० व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाला भोजन कक्ष है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि, यहाँ बैठक और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एक पूरी तरह से वातानुकूलित सम्मेलन कक्ष भी उपलब्ध है।
- लक्ष्मण दास अतिथि गृह (ओल्ड/हेरिटेज बिल्डिंग) में ६ सुइट (क्वीन साइज बेड वाले) और १ क्वीन साइज कक्ष है। परिचारकों के लिए ४ बिस्तरों वाला शयनकक्ष है। सभी कक्ष समस्त आधुनिक सुविधाओं जैसे केबल कनेक्शन के साथ टेलीविजन, गीजर, ब्लोअर इत्यादि के साथ सुसज्जित हैं। लक्ष्मण दास अतिथि गृह (अनुलग्नक) में रसोई और भोजन कक्ष की सुविधा उपलब्ध है। विश्राम और बैठक के उद्देश्य से एक वातानुकूलित प्रतीक्षालय उपलब्ध है।
- विश्वविद्यालय अतिथि गृह में कुल २० कक्ष हैं, जिसमें से ६ सूईट, ३ कक्ष (तीन बेड वाले) और ११ कक्ष दो बेड वाले हैं। परिचारकों और प्रशिक्षण प्रयोजनों के लिए उपस्थित छात्रों के लिए १० और ६ बेड वाले दो डोरमेट्री हाल उपलब्ध हैं। सभी कक्ष समस्त आधुनिक सुविधाओं जैसे केबल कनेक्शन के साथ टेलीविजन, गीजर, ब्लोअर इत्यादि के साथ सुसज्जित हैं। अतिथि गृह में लगभग ३५ व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाला भोजन कक्ष है।
- संकाय अतिथि गृह में कुल १९ कक्ष हैं, जिसमें से १२ कक्ष (टी बेड वाले), ७ कक्ष (पांच बेड वाले) और परिचारकों और प्रशिक्षण प्रयोजनों के लिए उपस्थित छात्रों के लिए एक ही तरह के २ डोरमेट्री हाल हैं जिसमें प्रत्येक में ६ बेड हैं। सभी कक्ष समस्त आधुनिक सुविधाओं जैसे केबल कनेक्शन के साथ टेलीविजन, गीजर, ब्लोअर इत्यादि के साथ सुसज्जित हैं। संकाय अतिथि गृह में दो लॉन (सामने और पीछे की ओर), और लगभग १०० व्यक्तियों की क्षमता वाला एक हॉल (आयोजनों हेतु उपलब्ध) है। संकाय अतिथि गृह में एक रसोईघरभोजनकक्ष भी है जिसका लाभ आउटसोर्स के आधार पर लिया जा सकता है।
- शांति स्वरूप भटनागर अतिथि गृह में कुल ३२ कक्ष हैं (जिसमें एक फ्लैट प्रकार का कक्ष एक बेडरूम, डाइनिंग/अतिथि क्षेत्र और बाथरूम सहित है), इस अतिथि गृह में भूतल, प्रथम और द्वितीय तल पर तीन बहुउद्देश्यीय हॉल है। रसोईघर निर्माणाधीन है।

वर्तमान सत्र के दौरान लक्ष्मण दास अतिथि गृह की सकल आय रु. १,१८,५८,४४९.०० थी और भोजन और अन्य आवर्ती वस्तुओं पर व्यय रु. ६७,८९,२३५.०० था।

९.३. इन्टरनेट सुविधा एवं संगणक केन्द्र (संगणक केन्द्र)

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बी.एच.यू.) का संगणक केंद्र (१९८६ मे स्थापित) अब तीन दशकों के अस्तित्व को पूरा कर चुका है। अपनी स्थापना के साथ ही यह इस तरह का एक अकेला केंद्र है। संगणक केंद्र विश्वविद्यालय में विभिन्न आईटी सेवाएं प्रदान करता है, जैसे कि कैंपस-वाइड लैन के माध्यम से इंटरनेट का उपयोग, एक नया वाईफाई नेटवर्क, विश्वविद्यालय के उपयोगकर्ताओं के लिए वेबसाइट, कंप्यूटर और ईमेल की सेवा आदि। केंद्र विश्वविद्यालय के विभिन्न वीडियोकॉन्फ्रेंसिंग और वेबकास्ट कार्यक्रमों की भी देखभाल रख रहा है, जिसमें विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए भारत के माननीय राष्ट्रपति का देशव्यापी वीडियोकांफ्रेंस भी शामिल है। पिछले कई वर्षों के दौरान संगणक केंद्र ने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और पास के इंजीनियरिंग कालेजों के छात्रों को विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण प्रदान किए हैं। विश्वविद्यालय के अधिकांश बुनियादी आईटी ढांचे का संगणक केंद्र द्वारा डिज़ाइन और रखरखाव किया जाता है।

पिछले दो वर्षों के दौरान, संगणक केंद्र कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने में सक्षम रहा है। इसने न केवल अपनी मौजूदा सेवाओं को मजबूत किया है बल्कि कई नई पहल की भी शुरूआत की है। नई पहल में बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ सेवाओं में विकास भी सम्मिलित है। कुछ उल्लेखनीय नई पहल और / या सफलतापूर्वक पूर्ण की गई परियोजनाएं इस प्रकार हैं:

- **ई-गवर्नेंस:** संगणक केंद्र विश्वविद्यालय में ईआरपी के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाने में अहम भूमिका निभा रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत एचआरएमएस और वित्त कार्यों के स्वचालन शामिल है और वर्तमान में यह टेस्ट लाइव मोड में चल रहा है। परियोजना को टीसीएस के साथ मिलकर निष्पादित किया जा रहा है।

- **नया सक्रिय वेबसाइट:** संगणक केंद्र ने हाल ही में विश्वविद्यालय की एक नई विकेन्द्रीकृत सक्रिय वेबसाइट बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। वेबसाइट टेस्ट -लाइव मोड में है और विभिन्न विभागों द्वारा डेटा को इकट्ठा किया जा रहा है।
- **नया वाईफाई-सक्षम कैम्पस-वाइड नेटवर्क:** संगणक केंद्र ने विश्वविद्यालय में वाईफाई परियोजना को पूरा करने के लिए एनआईसीएसआई के साथ मिलकर काम किया है। अब विश्वविद्यालय में लगभग ३४०० वायरलेस एक्सेस पाइंट्स चालू हैं। किसी भी समय नेटवर्क में १०,००० से अधिक समवर्ती कनेक्शन बनाए रखे जा रहे हैं। बढ़ी हुई बैंडविड्थ में और अधिक लीज़ लाइनें जोड़ी जा रही हैं।
- **एडुरोम:** बीएचयू अब देश के सबसे बड़े एडुरोम सक्षम शैक्षिक परिसरों में से एक है। यह बीएचयू के संकाय सदस्यों को किसी भी सदस्य संस्थान के भ्रमण के दौरान उस संस्थान के नेटवर्क के लिए सहज कनेक्टिविटी प्राप्त कराकर यह लाभ पहुंचा रहा है। इसी तरह, बीएचयू आने वाले सदस्य संस्थानों के अतिथियों को बीएचयू के नेटवर्क तक स्वचालित पहुंच मिलेगी। उल्लेखनीय है कि दुनिया भर में एडुरोम के लगभग ८०,००० सदस्य संस्थान हैं।

९.४. सम्मेलन कक्ष

प्रेक्षागृहों/सभागारों का विवरण

विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों/संस्थान तथा महाविद्यालय के कई प्रेक्षागृह हैं तथा सभाओं के लिये कई सभागार हैं, जिनकी मरम्मत एवं रख-रखाव भी विश्वविद्यालय निर्माण विभाग सम्पादित करता है। जिनका विवरण निम्नलिखित है:-

- स्वतन्त्रता भवन (विश्वविद्यालय का मुख्य प्रेक्षागृह)
- के. एन. उडुप्पा प्रेक्षागृह (चिकित्सा विज्ञान संस्थान)
- कला संकाय का प्रेक्षागृह
- गोपाल त्रिपाठी सभागार (समाज विज्ञान संकाय)
- पं. ओंकार नाथ ठाकुर प्रेक्षागृह (संगीत एवं मंच कला संकाय)
- राधा कृष्णन सभागार (कला संकाय)
- प्रदर्शनी कक्ष (दृश्य कला संकाय)
- सभागार संख्या-१ (केन्द्रीय कार्यालय)
- सभागार संख्या-२ (केन्द्रीय कार्यालय)
- महिला महाविद्यालय प्रेक्षागृह
- चाणक्य सभागार, शिक्षा संकाय
- कृषि विज्ञान संस्थान प्रेक्षागृह

वित्तीय वर्ष २०१८-१९ के दौरान कई गणमान्य अतिथि और आगन्तुक इस विश्वविद्यालय में आये। इन अवसरों पर विश्वविद्यालय निर्माण विभाग ने प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

९.५. पुरातन छात्र-प्रकोष्ठ

फरवरी, २००६ में माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार पुरातन-छात्र प्रकोष्ठ, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। पुरातन छात्र-प्रकोष्ठ का आरंभिक उद्देश्य था- सभी पुरातन छात्रों की सूची तैयार करना, महामना द्वारा किये गये कार्यों एवं उन पर हुए कार्यों को प्रकाशित करना, क्षेत्रीय, प्रान्तीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरातन-छात्र समागम आयोजित करना तथा पुरातन छात्र-प्रकोष्ठ द्वारा समाचार-पत्र प्रकाशित करना।

अपने निर्माण के साथ ही पुरातन छात्र-प्रकोष्ठ विभिन्न स्तरों पर विभिन्न प्रकृति के कार्यक्रमों और गोष्ठियों का आयोजन कर रहा है। सत्र २०१५-१६ के दौरान प्रकोष्ठ ने एक अंतर्राष्ट्रीय बी.एच.यू. पुरा छात्र सम्मेलन आयोजित किया। प्रकोष्ठ निकट भविष्य में पुरातन छात्र सम्मेलन आयोजित करने के लिए आवश्यक तैयारी कर रहा है।

९.६. भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्

क्षितिज श्रृंखला के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम

अप्रैल २०१७ से मार्च २०१८ के मध्य भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्, क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी द्वारा क्षेत्रीय सांस्कृतिक संस्थाएं, राज्य सरकार एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में क्षितिज श्रृंखला के अन्तर्गत निम्नलिखित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:

- दिनांक २१.०५.२०१८ को श्री सिद्धार्थ बनर्जी, बनारस का होटल डायमंड में सिद्ध वीणा वादन
- दिनांक ३०.०६.२०१८ को श्री सुभाष घोष, चंडीगढ़ का कन्हैया लाल गुप्ता स्मृति भवन, वाराणसी में नव स्वर रागिनी
- दिनांक २२.०७.२०१८ को श्री दत्तात्रेय वेलंकार बंगलोर का होटल गंगेस व्यू, अस्सीघाट वाराणसी में शास्त्रीय गायन
- दिनांक ०५.०८.२०१८ को श्री पल्लव दास बनारस का शंकरा प्रेक्षागृह, भेलूपुर, वाराणसी में ध्रुपद गायन
- दिनांक २३.०९.२०१८ को सुश्री रूचिया केदार पूणे का मैत्री भवन भेलूपुर, वाराणसी में शास्त्रीय गायन
- दिनांक २१.१०.२०१८ को श्री रजनीश तिवारी बनारस का मैत्री भवन, भेलूपुर वाराणसी में तबला एकल वादन
- दिनांक १८.११.२०१८ को सुश्री मंजिरी चारूदत्ता पुणे का एनी बेसेंट प्रेक्षागृह कमच्छा वाराणसी में शास्त्रीय गायन
- दिनांक ०२.१२.२०१८ को सुश्री पिउ सारखेल राजकोट गुजरात का पराड़कर भवन, गोलघर वाराणसी में शास्त्रीय गायन
- दिनांक १७.०२.२०१९ को सुश्री रूचिरा पांडा कोलकाता का काशी मुमुक्ष भवन, अस्सी वाराणसी में शास्त्रीय गायन
- दिनांक २४.०२.२०१९ को सुश्री सुशीला मेहता बंगलोर का पराड़कर भवन, गोलघर, वाराणसी में भरतनाट्यम नृत्य
- दिनांक १६.०३.२०१९ को सुश्री नीला सिन्हा राय नई दिल्ली का गुरुधाम मंदिर, वाराणसी में शास्त्रीय गायन
- दिनांक २४.०३.२०१९ को सुश्री मालिनी अवस्थी लखनऊ का अस्सी घाट, वाराणसी में शास्त्रीय गायन

अन्तर्राष्ट्रीय ग्रुप कार्यक्रम का आयोजन

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय –वाराणसी द्वारा वर्तमान सत्र में निम्नलिखित तीन अन्तर्राष्ट्रीय ग्रुप कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा मीडिया द्वारा इन कार्यक्रमों को खूब सराहा गया:

- दिनांक २७.०५.२०१८ को मिश्र के ११ सदस्य दल 'एल होर्रिईया फोल्क ट्रप' द्वारा श्री नागरी नाटक मंडली, वाराणसी में पारंपरिक समूह नृत्य
- दिनांक ३१.१०.२०१८ को बांग्लादेश के ०८ सदस्य दल 'धृति नर्तनलाया ग्रुप' द्वारा श्री नागरी नाटक मंडली, वाराणसी में 'रामायण' स्त्री की शक्ति यात्रा (समूह नृत्य)
- दिनांक ०५.०३.२०१९ को ऑस्ट्रिया के ०७ सदस्य दल 'जैजमेड' द्वारा द बनारस क्लब वाराणसी में जैज बैंड

अन्य कार्यक्रम / प्रदर्शनी

भारतीय संस्कृतिक सम्बंध परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय –वाराणसी द्वारा वित्तीय वर्ष २०१८-१९ में निम्नलिखित अन्य कार्यक्रम/ प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था जिनकी मीडिया द्वारा सराहना की गई।

- १८.०४.२०१८ को बनारस के १५ विभिन्न कलाकारों द्वारा गुरुधाम मंदिर, वाराणसी में आर्ट कैप प्रदर्शनी का आयोजन
- २८.०५.२०१८ को उदयपुर के 'नटयांश' संस्थान द्वारा श्री नागरी नाटक मंडली, वाराणसी में 'अस्तित्व' मंचकला का आयोजन
- १०.०६.२०१८ को पंडित तरूण भट्टाचार्य द्वारा अस्सी घाट, वाराणसी में संतूर 'राग गंगा' का आयोजन
- ३१.१०.२०१८ को वाराणसी के १४- सदस्य दल 'रूपवाणी संस्थान द्वारा कमानी प्रेक्षागृह, नई दिल्ली में 'राम की शक्ति पूजा' मंचकला का आयोजन
- २२.०१.२०१९ को श्रीमती हेमा मालिनी ग्रुप द्वारा बड़ालालपुर स्टेडियम, वाराणसी में प्रवासी भारतीय दिवस जनवरी २०१९ के अवसर पर 'गंगा अवतरण' मंचकला का आयोजन

अकादमिक विजिटर प्रोग्राम/नॉन परफॉरमींग विजिटर प्रोग्राम के अंतर्गत विजिटर की मेजबानी:

भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय – वाराणसी द्वारा वित्तीय वर्ष २०१८-१९ में निम्नलिखित दो विजिटरों की मेजबानी की गई:

- २९-३० नवंबर २०१८ को अकादमिक विजिटर प्रोग्राम के अंतर्गत: अंटोन दे कोम विश्वविद्यालय परामरीबों, सूरीनाम के कुलपति प्रो. जेके मेनके का वाराणसी तथा प्रयागराज भ्रमण दिनांक २९ नवम्बर २०१८ बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ बैठक एवं दिनांक ३० नवम्बर २०१८ को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ बैठक।
- १७-१९ फरवरी २०१९ को नॉन परफॉरमिंग विजिटर प्रोग्राम के अंतर्गत: बग्लादेश प्रधानमंत्री के सलाहकार डॉ. तवफिक एलही चौधरी तथा उनकी पत्नी का बनारस के सभी घाटों का भ्रमण, गंगा आरती, नौका विहार तथा सारनाथ का भ्रमण

भारतीय सांस्कृतिक संम्बन्ध परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय – वाराणसी द्वारा वर्तमान सत्र में आईसीसीआर के विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे अंतर्राष्ट्रीय छात्र - छात्राओं को रू. १,१६,४७,७६० की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

९.७. इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए काशी हिंदू विश्वविद्यालय के परिसर मे संचालित इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के १९ जिले आते हैं जिसमें इलाहाबाद, अंबेडकरनगर, आजमगढ़, बलिया, चंदौली, देवरिया, गाजीपुर, गोरखपुर, जौनपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, मऊ, मिर्जापुर, प्रतापगढ़, संत कबीर नगर, संत रविदास नगर, सोनभद्र, सुल्तानपुर और वाराणसी शामिल हैं।

क्षेत्रीय केंद्र में विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियाँ यथा प्रवेश, पुनपंजीकरण, शिक्षार्थी सहायता केंद्र की स्थापना, शिक्षार्थी सहायता केंद्र में पार्ट-टाइम शैक्षणिक सलाहकार की नियुक्ति, परामर्श सत्र का आयोजन, कार्यों का मूल्यांकन, थ्योरी और प्रैक्टिकल के लिए सत्रांत परीक्षा का आयोजन, मौखिक परीक्षा का आयोजन और प्रोजेक्ट रिपोर्टों का मूल्यांकन, ओरिएंटेशन कार्यक्रमों का आयोजन, क्षेत्र में शिक्षार्थियों के समर्थन में सेवाओं की गुणवत्ता की समग्र निगरानी आयोजित की जाती है । क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी FM105.6MHZ पर ज्ञानवाणी रेडियो स्टेशन भी संचालित कर रहा है।

उपलब्धियां

- इग्नू और वस्त्र मंत्रालय के बीच हुए समझौता ज्ञापन के अनुपालन में, इग्नू क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी ने जनवरी -२०१७ सत्र में बुनकर समुदाय के २८२२ शिक्षार्थियों को प्रवेश हेतु नामांकित किया है।
- जेल में बंद दो (०२) कैदी यथा: श्री अजीत कुमार और श्री सुरेश राम ने क्रमश: २८ वें और २९ वें दीक्षांत समारोह में डीटीएस कार्यक्रम में स्वर्ण पदक प्राप्त किए।
- क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी के अंतर्गत पिछले ०६ वर्षों में कुल ०४ स्वर्ण पदक प्राप्त हुए।
- नक्सल प्रभावित जिलों में बीआरडी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुद्धी, सोनभद्र और सावित्री बाई फुले राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चकिया, चंदौली में ०२ नियमित अध्ययन केंद्र स्थापित किए गए।
- जीवन दीप महाविद्यालय, बड़ालालपुर, वाराणसी (४८०३७ डी) में झुग्गीवासियों के लिए एक (०१) विशेष अध्ययन केंद्र की स्थापना की गई।
- इग्नू अध्ययन केंद्र माइक्रोटेक कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलाजी (कोड-४८०१२) के कुल १४८ छात्रों को एमपीएचएएसआईएस, आउटलुक, वीडीओकॉन, वीआईएलएवाई इन्फोसिस्टम आदि कंपनियों में प्लेसमेंट प्राप्त हुआ।
- २१ जनवरी १९४२ को महात्मा गांधी ने बीएचयू की रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बीएचयू, वाराणसी मे भाग लिया और यह उनकी शपथ और वाराणसी की उनकी अंतिम यात्रा थी।

उन्होंने अपनी संध्या प्रार्थना उसी उसी जगह की थी जहाँ आज क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी वर्तमान में कार्य कर रहा है। वर्ष २०१६ के बाद से हर साल २१ जनवरी को क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी में गांधी जी के भजन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है और इसके बाद क्षेत्रीय केंद्र परिसर में प्रख्यात गांधीवादी विचारकों के व्याख्यान होते हैं।

- वाराणसी की समृद्ध सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत (काशी) को लोकप्रिय बनाने और प्रसारित करने के लिए १८ अप्रैल २०१८ (विश्व विरासत दिवस) से ज्ञानवाणी स्टेशन वाराणसी में वाराणसी के विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवियों के साथ साक्षात्कार के रूप में एक वार्ता शृंखला की पहल शुरू की गई है । प्रत्येक शनिवार को वार्ता शृंखला का विषय को ''काशी: अतीत और वर्तमान'' होता है।

इग्नू द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रम:

- बुनकर समुदाय के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन।
- भारतीय शिक्षा मंडल के सहयोग से ''भारत बोध'' विषय पर संगोष्ठी।
- वाराणसी में क्षेत्रीय केंद्र के कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता अभियान।
- ''वर्तमान संदर्भ में गांधी'' पर संगोष्ठी का आयोजन।
- इग्नू में आनलाइन प्रवेश के लिए सीएससी प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन।
- १९-२० मई- २०१८ को क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ और क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी का दो दिवसीय संयुक्त समन्वयक सम्मेलन।
- काशी अतीत व वर्तमान- इग्नू, ज्ञानवाणी पर साक्षात्कार श्रृंखला
- सीडी विमोचन समारोह
- हर साल २१ जनवरी को, इग्नू परिसर में प्रार्थना सभा का आयोजन।
- इग्नू विशेष अध्ययन केंद्र ४९०५३डी बाबा केशव दास शिक्षा समिति, पखनपुर का उद्घाटन दिनांक १७.०६.२०१८ को डॉ. सत्यपाल सिंह माननीय राज्य मंत्री, मा.सं.वि.म., भारत सरकार द्वारा किया गया और शिक्षार्थियों को एसएलएमएस वितरित किया गया
- दिनांक १२.०७.२०१८ को इग्नू अध्ययन केंद्र १८०४७ सकलडीहा पीजी कॉलेज (ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्र में) का उद्घाटन श्री अनिल राजभर, माननीय राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया।
- बीपीसीसीएचएन कार्यक्रम के लिए इग्नू पीएससी ४८०५१पी (एसएसपीजी मंडल जिला अस्पताल, वाराणसी) के प्रवर्तन बैठक में क्षेत्रीय निदेशक और अन्य क्षेत्रीय केन्द्रों के अधिकारियों ने भाग लिया
- बीपीसीसीएचएन इग्नू छात्रों ने प्रधान मंत्री आयुष्मान भारत योजना के लिए जागरूकता पैदा करने के लिए एक स्कीट प्ले का आयोजन किया। अध्ययन केंद्र ४८०५पी।
- शिकायतकर्ताओं की शिकायतों के निवारण के लिए हर महीने के दूसरे बुधवार को इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, वाराणसी परिसर में नियमित रूप से शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया जाता है।

९.८. अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र (२००४ में स्थापित) मालवीय भवन संकुल के टैगोर भवन, जो काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का एक प्राचीनतम् भवन है, में स्थित है। यह केन्द्र विदेशी नागरिकों के लिए एकल पटल प्रणाली के अन्तर्गत प्रवेश सम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारियाँ एवं विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों की उपलब्धता की जानकारियाँ प्रदान करता है। इसके साथ ही यहाँ बीएचयू पोर्टल पर आवेदन पत्र डाउनलोड/प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध है।

वर्तमान में ५४ देशों के अन्तर्राष्ट्रीय छात्र जिनमें यू.एस.ए., मॉरीशस, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, अफगानिस्तान, ईरान, यमन, नाइजीरिया, यूक्रेन, रूस, बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, थाईलैंड, भूटान, कम्बोडिया, म्यामर, फिजी और इस्टोनिया आदि के नागरिक इस विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं। इसके अतिरिक्त सात विदेशी छात्र/शोध कर्ताओं को उनके सीमित समय के अध्ययन/शोध हेतु, विश्वविद्यालय द्वारा इसके सीमित समय पंजीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत, अनुमति प्रदान की गई।

इस अवधि के दौरान कुल ५११ छात्र (३३७ पुरुष तथा १ महिला) विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन हेतु पंजीकृत हुए है इनमें १०३ पुरूष एंव ६६ छात्रायें हैं।

वर्तमान सत्र में २ अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय/संस्थाओं, जिसमें इण्टरनेशनल राइस रिसर्च इन्स्टीट्यूट, फिलिपींस और चियांग माई यूनिवर्सिटी, थाईलैंडस सम्मिलित है, द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के साथ शैक्षिणक एवं अनुसंधान सहयोग के लिए समझौतो की सम्भावना तलाशी गई।

इस सत्र का सबसे महत्वपूर्ण प्रवासी भारतीय दिवस २०१९ का आयोजन जनवरी माह में हुआ था जिसमें माननीय श्री चेतन चौहान, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे।

९.९. समाचार पत्र प्रकाशन एवं प्रचार प्रकोष्ठ

(१) सुविधाएं: सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय में मल्टीमीडिया कक्ष है जो वातानुकूलित है। यहाँ कम्प्यूटर के साथ इन्टरनेट सुविधा भी उपलब्ध है। कार्यालय के प्रथम तल पर अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मीडिया कान्फ्रेंस हाल है, जिसमें इलेक्ट्रानिक एवं प्रिन्ट मीडिया के बैठने हेतु आकर्षक टेबल लगाई गयी है। मीडिया हॉल में दो कम्प्यूटर इन्टरनेट तथा प्रिंटर, फोटोकापी एवं फोन के साथ जुड़े हैं। इसके अतिरिक्त पावर प्वाइंट प्रोजेक्टर, टीवी सेट तथा पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी उपलब्ध है। यह हॉल वातानुकूलित है।

(२) पत्रकार वार्ता एवं बैठक: मीडिया कान्फ्रेंस हाल में वर्तमान वर्ष के दौरान लगभग ४९ पत्रकारवार्ताओं का आयोजन किया गया जिसमें कुलपति जी की तीन पत्रकारवार्ताएं भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त यूनिवर्सिटी कॉन्फ्रेंस हाल में लगभग ३६ मीडिया सम्मेलन आयोजित किए गये थे जिनमें ४०-५० मीडियाकर्मी हिस्सा लेते हैं। यह हाल भी वातानुकूलित है। वर्तमान सत्र के दौरान कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के मुद्दों से सम्बन्धित ०४ प्रेस कान्फ्रेन्स को सम्बोधित किया गया।

(३) पूछताछ: सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय में लगभग १३०० लोगों ने सीधे आकर पूछताछ की, जबकि दूरभाष से लगभग

३५०० व्यक्तियों ने विश्वविद्यालय के कार्यकलापों से संबन्धित जानकारी प्राप्त की।

(४) प्रेस विज्ञप्ति: गत वर्ष स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर के संचार माध्यमों के लिए विश्वविद्यालय के कार्यकलापों से सम्बन्धित २१९७ से ज्यादा विज्ञप्तियाँ लिखित, तथा ईमेल द्वारा जारी की गयी।

(५) प्रकाशित समाचार: विभिन्न मुद्रित माध्यमों में विश्वविद्यालय की विकासात्मक गतिविधियों से सम्बन्धित १७५० समाचार विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित किए गए तथा इन्हें इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों द्वारा प्रसारित भी किया गया।

(६) साक्षात्कार: विभिन्न संचार माध्यमों द्वारा माननीय कुलपति जी का पन्द्रह बार एवं विभिन्न अधिकारियों का व्यक्तिगत तौर पर लगभग २० बार साक्षात्कार लिया गया।

(७) विज्ञापन: संदर्भ वर्ष में जनसम्पर्क कार्यालय द्वारा विश्वविद्यालय से संबन्धित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों तथा १२५ रोजगार हेतु राष्ट्रीय तथा स्थानीय समाचार पत्रों में विज्ञापन जारी किया गया।

(८) बैठकें: विश्वविद्यालय के विभिन्न बैठकों में इस कार्यालय द्वारा सहभागिता की गई तथा विश्वविद्यालय की छवि को उन्नत करने में सहयोग प्रदान/प्राप्त किया गया।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, प्रेस

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रेस अपने स्थापना वर्ष १९३६ से ही विश्वविद्यालय के विभिन्न पुस्तकों, पत्रिकाओं, पंजिकाओं, विश्व पञ्चांग पंजिकाओं, फार्मों एवं सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, ट्रामा सेण्टर, आई.आई.टी. एवं परीक्षा नियन्ता कार्यालय के अतिआवश्यक मुद्रण एवं उत्तर पुस्तिकाओं की तैयारिओं के कार्यो में अपना योगदान करता आ रहा है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में सम्पादित मुख्य प्रिंटिंग कार्य

१	प्रिंटिंग आफ समशिक्षा पत्रिका	९०० प्रतियाँ	६८ पृष्ठ
२	इंडियन मॉरैल पेन्टिंग	२०० प्रतियाँ	७२ पृष्ठ
३	भारती जर्नल, ए.आई.एच.सी. और पुरातत्व	१८० प्रतियाँ	३३५ पृष्ठ
४	प्रज्ञा जर्नल	१००० प्रतियाँ	२१२ पृष्ठ
५	इंडोक्रिमिनोलाजी एण्ड मेटाबोलिज्म	२०,००० प्रतियाँ	४ पृष्ठ
६	टीचर्स डे बुकलेट	३०० प्रतियाँ	५६ पृष्ठ
७	प्रगति पत्रिका जर्नल (राजभाषा प्रकोष्ठ)	१००० प्रतियाँ	१६० पृष्ठ
८	एबस्ट्रैक्ट एवं सोवेनियर-जूलॉजी विभाग	१०० प्रतियाँ	३५० पृष्ठ
९	विश्व पंचांग २०७५-सं.वि.ध.वि. संकाय	२९,५०० प्रतियाँ	५० पृष्ठ
१०	लैप्सेबुल पासबुक फॉर टीचर्स	२००० प्रतियाँ	
११	एकेडमिक कौंसिल एजेण्डा	२७५ प्रतियाँ	११८५ पृष्ठ
१२	वार्षिक लेखा एवं प्रतिवेदन-बी.एच.यू	१५० प्रतियाँ	२१६पृष्ठ
१३	हार्वेस्ट प्लस डिक्शनरी (कृषि विज्ञान संस्थान)	२५० प्रतियाँ	८८ पृष्ठ
१४	दृष्टि अंक -७ भाग-१हिंदी भाग-२संस्कृत/अंग्रेजी	 २००प्रतियाँ २००प्रतियाँ	 ३०० पृष्ठ १९२ पृष्ठ
१५	स्टूडेन्ट पासबुक-छात्र अधिष्ठाता	१५,००० प्रतियाँ	२४ पृष्ठ
१६	ओ.पी.डी. प्रिसक्रिप्शन स्लिप रू.२०/- एस.एस. हॉस्पीटल	१० लाख	४ पृष्ठ
१७	स्टूडेन्ट डायरी-से.हि.गर्ल्स स्कूल	२०१२ प्रतियाँ	८८ पृष्ठ
१८	पेंशनर्स हेल्थ डायरी	९६०० प्रतियाँ	४८ पृष्ठ
१९	कम्पैटिबिलिटी रिपोंट-ब्लड बैंक, एस.एस.एच	५०५ प्रतियाँ	१००+१०० पृष्ठ
२०	स्टूडेन्ट सर्जिकल रिकार्ड, सर्जरी	१०० प्रतियाँ	१०० पृष्ठ
२१	गाय एवं दूध कूपन, डेरी फार्म	१०,००० प्रतियाँ	१०० पृष्ठ
२२	डिप्लोमा फार्मेट –परीक्षा विभाग	३००० प्रतियाँ	१पृष्ठ
२३	मेन डिग्री फार्मेट- परीक्षा विभाग	१७७०० प्रतियाँ	१पृष्ठ
२४	छात्र स्वास्थ्य डायरी- स्टूडेन्ट हेल्थ सेन्टर	४०,००० प्रतियाँ	२४+कवर पृष्ठ
२५	कैश बुक-आई.आई.टी.	७५ रजिस्टर	१०० पृष्ठ
२६	रिपोर्टिंग रजिस्टर ऑफ यू.ए.आई.टी. आर.सी., आई.एम.एस.	६० रजिस्टर	५०० पृष्ठ
२७	एक्सरे मेन रजिस्टर-रेडियोलॉजी	२०३	१०० पृष्ठ

२८	मूल्य विमर्श शोध पत्रिका	३००	२१०पृष्ठ
२९	उत्तर पुस्तिका (अ) सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज स्कूल	२०,०००	१६ पृष्ठ
३०	उत्तर पुस्तिका परीक्षा विभाग	४ लाख	३६ पृष्ठ
३१	प्रायोगिक उत्तर पुस्तिका उत्तर	८० हजार	१२ पृष्ठ
३२	ह्यूमैटोलॉजी प्रोफार्मा, आई.एम.एस.	५००प्रतियाँ	६+कवर पृष्ठ
३३	फीस एवं उपस्थिति पंजिका, से.हि. ब्वायज स्कूल, कमच्छा	१५० रजिस्टर	
३४	यूरिन टेस्ट रिपोर्टिंग रजिस्टर, सी.सी.आई.	२४	३०० पृष्ठ
३५	आडियोग्राम प्रोफार्मा, ई.एन.टी.	११०पैड	१०० पृष्ठ
३६	ट्रेड बिल रजिस्टर, आई.आई.टी.	३०	२०० पृष्ठ
३७	आवेदन पत्र, विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद्	२,०००	२ पृष्ठ
३८	एडमिशन फार्म नर्सरी	५००	२० पृष्ठ
३९	ट्रेनिंग डायरी, टी.पी.ओ. आई.आई.टी.	५००पैड	२० पृष्ठ
४०	जर्नल आफ साइंटिफिक रिसर्च	१०० किताब	५०पृष्ठ
४१	स्टूडेंट डायरी (राजीव गाँधी साउथ कैंपस)	५०० प्रतियाँ	४४ पृष्ठ
४२	रीडिंग मैनुअल एग्रीकलचर	१००किताब	१५० पृष्ठ
४३	मिड सेमेस्टर उत्तर पुस्तिका आई.आई.टी.	९००००	२०पृष्ठ
४४	एंड सेमेस्टर उत्तर पुस्तिका आई.आई.टी.	९००००	३२ पृष्ठ
४५	सप्लीमेंट्री उत्तर पुस्तिका आई.आई.टी.	४००००	१६ पृष्ठ
४६	आब्जेक्शन मेमो, वित्त विभाग	२००पैड	१००पृष्ठ
४७	दूध वितरण रजिस्टर, एस.एस.एच.	१०	१०० पृष्ठ
४८	हिस्ट्री शीट, आर.टी.आर.एम.	२,०००	पृष्ठ ६
४९	जाँच फार्म, वि. छात्र स्वास्थ्य केन्द्र	४०.०००	
५०	आब्जेक्शन मेमो, आई.आई.टी.	१०० पैड	पृष्ठ १००
५१	लिफाफा	५००००	
५२	ओ.पी.डी. फालोअप बुकलेट, नेफ्रोलॉजी	५००० प्रतियाँ	पृष्ठ १६
५३	सर्टिफिकेट, रा. सेवा योजना	१०१०	
५४	रोगी फाईल. आर.टी. आर. एस.	२.०००	पृष्ठ २
५५	स्टेटमेन्ट ऑफ फेमिली मेम्बर्स,एल.टी.सी.	५.०००	पृष्ठ २
५६	यात्रा आवेदन एल.टी.सी.	५००	पृष्ठ ६
५७	ओ.पी.डी. प्रिशकिशन स्लिप, वि.क. स्वास्थ्य केन्द्र	२ लाख	
५८	ओटी रजिस्टर स.सु.हा	१००	२००
५९	वार्ड डायरी स.सु.हा	१००	४००
६०	ओ.पी.डी. रजिस्टर स.सु.हा	१००	४००
६१	जांच फार्म स.सु.हा	१५ लाख	
६२	फालोआफ बुकलेट,एस.एस.एच.	५.०००	१२ पृष्ठ
६३	एच.आई.वी.टेस्ट रिपोर्ट पैथोलोजी	४०.०००	२ पेज
६४	मीटर रिकार्ड बुक (ई.डब्लू.एस.एस.)	३७ रजिस्टर	१०० पेज
६५	बस कार्ड सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल, कमच्छा	१०००	४ पेज
६६	सर सुन्दर लाल हास्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर के विविध प्रकार के फार्म	५० लाख	
६७	टेस्ट रिपोर्ट फार्म	६०,०००	पेज २
६८	कलर डाप्लर	५०००	पेज २
६९	अल्ट्रा सोनोग्राम रिपोर्ट फार्म	५०००	पेज २
७०	एम.आर.आई. एपाइनमेंट	१०,०००	पेज २

७१	२डी कलर डाप्लर	२०,०००	पेज २
७२	हिस्टोपैथोलाजी रिपोर्ट फार्म	५०	
७३	हिस्टोपैथोलाजी रिपोर्ट रजिस्टर		
७४	एच.आई.वी.रिपोर्ट फार्म	२०,०००	१ पेज
७५	आई.सी.टी.सी.रेक्विजिसन फार्म	१०,०००	१ पेज
७६	रिपोर्टिंग रजिस्टार फार इन्वेस्टीगेशन	१०,०००	
७७	पी.आई.डी. रजिस्टार आई.सी.टी.सी.	२०रजिस्टार	
७८	पी.सी.आर. रिपोर्ट फार्म	५०००	१ पेज
७९	टी.वी. फारमेट	५०००	१ पेज
८०	प्रोसेयेटिक वाल्व क्लिनिक	४००	८ पेज
८१	प्रश्नोत्तरी ब्लड बैंक	१००००	४ पेज
८२	पीरीयॉडिकल उत्तर पुस्तिका आई.एम.एस.	२००००	
८३	योग डिप्लोमा	१००००	२ पेज
८४	स्नातक कक्षोन्ति आवेदन फार्म कला संकाय	५०००	६ पेज
८५	एग्रीमेंट फार्म	२०००	
८६	ई.डब्ल्यू.एल. सर्टिफिकेट	५००	
८७	एमडीएवाई/एमएसएवाई परीक्षा फार्म	१०००	८ पेज
८८	सहमति पत्र	१०१पैड	१पृष्ठ
८९	कॉशन मनी फार्म	१५०००	१पृष्ठ

स्टोर

१	ए.आर.१	७००० बुक	डुप्लीकेट
२	ए.आर.२	५०० बुक	ट्रिपलीकेट
३	ए.आर.३ए	५००	२ पेज
४	ए.आर.४	३००	
५	इम्प्रेस्ट रजिस्टर	५००	
६	सेलरी बिल फार्म	१०,०००	
७	सेलरी बिल रजिस्टर	४०	
८	स्टॉक बुक १०० पेज, २०० पेज , ४००पेज	१५००	
९	परचेज रजिस्टर	५००	
१०	स्टूडेंट अटेनडेंस शीट	२०,०००	
११	स्टूडेंट अटेनडेंस कवर	८०००	
१२	उपस्थित पंजिका	२०००	
१३	प्यून बुक	१०००	
१४	डिस्पैच रजिस्टर	५००	
१५	इनवर्ड रजिस्टर	५००	
१६	हॉस्टल एलाटमेंट रजिस्टर	१००	
१७	ड्राइवर कार डायरी	१००	
१८	ए.पी.ए.आर.फार्म	२०००	८ पृष्ठ
१९	ए.सी.आर.फार्म १-७	७०००	१२ पृष्ठ
२०	ए.आर.३७	१०,०००	१पेज
२१	मास्टर रोल	५०००	
२२	इशू स्लिप	५००	
२३	लीव एप्लीकेशन फॉर्म	२५,०००	

ट्रामा सेंटर

१	ओ.पी.डी.स्लिप	१,०००	४ पृष्ठ
२	जाँच फार्म	२००,०००	
३	ड्रग स्लिप	२००,०००	
४	डॉक्टर्स ऑर्डर	१४०,०००	
५	नर्सेज डेली रिकॉर्ड	१,५०,०००	
६	केस समरी एण्ड डिस्चार्ज स्लिप	१,५०,०००	
७	एडमिशन रजिस्टर	५०रजिस्टर	४००पृष्ठ
८	इमरजेंसी रजिस्टर	५०रजिस्टर	४००पृष्ठ
९	ओ.पी.डी. रजिस्टर	५०रजिस्टर	४००पृष्ठ
१०	ट्रामा सेन्टर ब्लड बैंक रजिस्टर	५०रजिस्टर	२००पृष्ठ
११	ओ.टी. रजिस्टर	३०रजिस्टर	२००पृष्ठ
१२	रीक्यूजेशन फार्म फॉर ब्लड बैक	१००पैड	१००पृष्ठ
१३	एम.आर.आई.रीक्यूजेशन फार्म	२०पैड	५०पृष्ठ
१४	एम.आर.आई.अपोइन्टमेंट स्लिप	२०पैड	५०पृष्ठ
१५	कोम्पेक्टब्लीटी रिपोर्ट फार्म	१००पैड	२००पृष्ठ

९.१०. विद्युत, जल और दूरभाष केन्द्र

मुख्य परिसर	
1.	लगभग सभी छात्रावासों के मुख्य सड़क को एल.ई.डी. लाईट से उर्जीकृत किया गया।
2.	इण्टरनेशनल छात्रावास का विद्युत संयोजन हुआ।
3.	गुपतनाथ कैंण्टिन चौराहे से लेकर प्रिन्सपल कालोनी चौराहे तक अण्डरग्राउण्ड केबलिंग के माध्यम से नया स्ट्रीट लाईट पोल लगाकर एल.ई.डी. लाईट की व्यवस्था की गयी।
4.	२०० किलोवाट सोलर पावर पैनल की बिजली का संयोजन किया गया।
5.	सर सुन्दरलाल अस्पताल में नये भूमिगत केबल के माध्यम से ओ.पी.डी. के ए.सी. को विद्युत आपूर्ति बहाल की गयी।
6.	ज्योतिकुंज छात्रावास का री-वायरिंग का कार्य किया गया।
7.	इतिहास विभाग में री-वायरिंग का कार्य किया गया।
8.	महिला महाविद्यालय परिसर में स्थित विभिन्न छात्रावासों को भूमिगत केबिल के माध्यम से विद्युत आपूर्ति बहाल करने का कार्य किया गया।
9.	अम्बेडकर छात्रावास के री-वायरिंग का कार्य किया गया।
10.	ए.एन.डी., ब्रोचा एवं गार्गी ट्यूबवेल का री-डेवलपमेन्ट किया गया।
11.	बी.एच.यू. परिसर में चार इंच के नौ स्लोइसबाल बदले गये।
12.	बी.एच.यू. परिसर में छः इंच के तीन स्लोइसबाल बदले गये।
13.	एम.पी. थियेटर, रुइया, केमेस्ट्री एवं महिला महाविद्यालय नलकूपों के प्लेटफार्म का जीर्णोद्धार किया गया।
14.	कमच्छा परिसर में शिक्षा संकाय स्थित ट्यूबवेल का री-डेवलपमेट किया गया।
राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मिर्जापुर	
1.	१.६ एमवीए ट्रान्सफार्मर की जगह ५ एमवीए ट्रान्सफार्मर को लगाकर उर्जीकृत किया गया।
2.	वेटेरिनरी साइंस के नये परिसर में विद्युत उपकेन्द्र को उर्जीकृत किया गया।
3.	लगभग सभी छात्रावासों के मुख्य सड़कों पर एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट का कार्य किया गया।
4.	वेटेरिनरी साइंस के नये परिसर में चेक डैम में स्थापित वाटर पम्प का विद्युत संयोजन किया गया।
5.	पशु विज्ञान संकाय हेतु जल संयोजन का कार्य पूरा किया गया।

दूरभाष केन्द्र

बी. एस. एन. एल. के पुराने एक्सचेन्ज के स्थान पर एक नया टेलीफोन एक्सचेन्ज स्थापति किया गया है, इसका रख-रखाव बी. एस. एन. एल. द्वारा किया जा रहा है। यह पूर्ण रूप से इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से संचालित है। वर्तमान में एक्सचेन्ज में १००० लाइन का टेलीफोन कनेक्शन का प्रावधान किया गया है, जो कि समस्त संस्थानों/ संकायों/ विभागों/ कार्यालयों को टेलीफोन की सुविधा प्रदान करेगा। इसी प्रकार संस्थानों व सरसुन्दर लाल चिकित्सालय में अपने एक्सचेन्ज लगे हुए हैं।

- सर सुन्दरलाल चिकित्सालय में ४०० लाइनों का एक्सचेन्ज कार्यरत है।
- केन्द्रीय ग्रन्थागार में ७२ लाइनों का एक्सचेन्ज कार्यरत है।

इसी प्रकार विभिन्न विभागों में सुविधानुसार एक्सचेंज लगे हुए हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा टेलीकम्यूनिकेशन सुविधा हेतु दिन प्रतिदिन प्रयासों का विकल्प विचाराधीन है। जिसके परिणाम स्वरूप काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में नित्य अपने प्रयासों से बेहतर से बेहतर बनाने की दिशा में सन् २००८ में टाटा इन्डिकॉम ने २०७० कनेक्शन की टेलीफोन सुविधा विश्वविद्यालय के कार्यालयों, विभागों में उपलब्ध करायी गई है।

९.११. अनुरक्षण (भवन एवं उपकरण)

''विश्वविद्यालय निर्माण विभाग'' का गठन विश्वविद्यालय की स्थापना के समय से ही किया है। यह विश्वविद्यालय स्थित समस्त भवनों की वार्षिक मरम्मत के साथ-साथ, सड़क, मल एवं जल निकासी की लाइनों का अनुरक्षण, बरसाती पानी की निकासी नालों का निर्माण एवं पुराने नालों की मरम्मत, सफाई इत्यादि के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों, संकायों, विश्वविद्यालय की बाहरी चहारदीवारी एवं आंतरिक चहारदीवारी का निर्माण एवं अनुरक्षण का भी कार्य करता है। साथ ही साथ विश्वविद्यालय के चिरईगाँव, नरायनपुर एवं टिकरी स्थित स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों का अनुरक्षण कार्य सम्पादित करता है। विश्वविद्यालय के राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मीरजापुर के भवनों की मरम्मत तथा नवीन भवनों, सड़क, सीवर, चहारदीवारी इत्यादि का निर्माण कार्य भी सम्पादित करता है। विभाग मुख्य परिसर एवं राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मीरजापुर में स्वीकृत नवीन भवनों का निर्माण कार्य भी अपने स्तर पर तथा केन्द्र व प्रदेश सरकार के उपक्रमों द्वारा सम्पादित कराता है। विभाग विभिन्न मदों में स्वीकृत अतिरिक्त निर्माण कार्य, भवनों के नवीनीकरण के कार्य के साथ-साथ विशेष मरम्मत का कार्य भी करता है। विभाग आंतरिक साज-सज्जा, योजना निर्माण के साथ-साथ विभिन्न छात्रावासों, विभागों, संकायों, अस्पतालों के लिये फर्नीचर के खरीद, निर्माण एवं मरम्मत का भी कार्य करता है।

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग, विश्वविद्यालय के सभी मुख्य राष्ट्रीय पर्व- जैसे गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस एवं गाँधी जयन्ती के साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न आयोजनों जैसे विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह, सरस्वती पूजन समारोह, कृष्ण जन्माष्टमी समारोह के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों, संकायों, महाविद्यालय, विद्यालयों एवं छात्रावासों के वार्षिक समारोहों तथा स्थापना समारोहों में भी व्यापक भूमिका निभाता है। यह विभाग विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोहो, विभिन्न सेमिनारों एवं संगोष्ठियों में भी आयोजकों के आवश्यकतानुसार कार्य सम्पादित करता है। विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के नियामक संस्थाओं के निरीक्षण के समय विभाग उनकी मान्यता प्राप्त करने के लिए एवं जारी रखने के लिए अपने संसाधनों द्वारा सहायता प्रदान करता है। यह विभाग विश्वविद्यालय के मुख्य भवनों जैसे- मालवीय भवन, टैगोर भवन, सुन्दरम लाज, भारत कला भवन, स्वतन्त्रता भवन, उडुप्पा प्रेक्षागृह, पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, कला संकाय प्रेक्षागृह, श्री विश्वनाथ मन्दिर का अनुरक्षण एवं वातानुकूलन का कार्य भी सम्पादित करता है। विभाग द्वारा सभी छात्रावासों, शैक्षिक भवनों व आवासीय भवनों की मरम्मत के साथ-साथ छतों पर जल अवरोधी उपचार, रसोईघरों व शौचालयों का नवीनीकरण व बाहरी दीवारों की रंगाई-पुताई इत्यादि का कार्य भी व्यापक तौर पर कराया गया।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभिन्न मदों में विश्वविद्यालय निर्माण विभाग को प्राप्त मदों का विवरण निम्नलिखित है जिसका कि पूरा सदुपयोग किया गया:

१.	विशेष मद	रू.२९,९०,८८,४८०.००
२.	विश्वविद्यालय के भवनों के मरम्मत के लिए मद-आवर्ती मद	रू.८२,१६,१६८.००

कुछ बड़े कार्यों का विवरण निम्नलिखित है, जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित किये गये थे और जो कार्य २०१८-१९ में के.लो.नि.वि. द्वारा निर्माण कार्य जारी है/पूर्ण किये गये:

क्र. सं.	**कार्य का नाम**	**प्रशासनिक अनुमोदन एवं व्यय स्वीकृति धनराशि**	**वर्तमान स्थिति**
१.	केन्द्रीय अनुसंधान केन्द्र का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू ६६.६१९० करोड़	कार्य प्रगति पर है।
२.	भारत अध्ययन केन्द्र (जी+५) के लिये शैक्षणिक भवन का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू १०.७७१४ करोड़	कार्य पूर्ण।
३.	दृश्य एवं मंच कला संकाय के लिये १५० कमरों वाले महिला छात्रावास का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू १४.७१७२ करोड़	कार्य पूर्ण।

४.	अन्तराष्ट्रीय पुरुष छात्रावास (जी+३) का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू २६.४२२७ करोड़	कार्य पूर्ण।
५.	राष्ट्रीय आपातकालीन लाइफ सपोर्ट स्कील सेन्टर के पास बचे हुए हिस्से में सीमोलेसन प्रयोगशाला का विकास कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू ०.७७७८ करोड़	कार्य पूर्ण।
६.	पं० मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन शिक्षक एवं शिक्षण -विकलांगता अध्ययन, करीकुलम रिसर्च, पालसी एवं शैक्षणिक विकास के सेन्टर के भवन का निर्माण लेक्चर थियेटर के भूतल एवं द्वितीय तल पर निर्माण कार्य, शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू २.२५८५ करोड़	कार्य पूर्ण।
७.	रणवीर संस्कृत पाठशाला सेकेन्डरी सेक्सन भूतल के ऊपर प्रथम तल एवं द्वितीय तल पर क्लासरूम का निर्माण कार्य, कमच्छा, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू १.६९६६ करोड़	कार्य पूर्ण।
८..	टीचिंग वेटेनरी क्लीनिकल कम्प्लेक्स (फेस-१) का निर्माण कार्य, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू १४.७०७१ करोड़	कार्य पूर्ण।
९.	१०० छात्रों के लिये ओ०बी०सी० पुरुष छात्रावास का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू ३.५२३० करोड़	कार्य पूर्ण।
१०.	१०० छात्राओं के लिये ओ०बी०सी० महिला छात्रावास का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू ३.५२३०	कार्य पूर्ण।
११.	शैक्षणिक भवन (जी+१) फेस-१ का निर्माण कार्य, पशु चिकित्सा व पशु विज्ञान संकाय, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू ६.५६६६ करोड़	कार्य पूर्ण।
१२.	शैक्षणिक भवन बी-१ (जी +२) के द्वितीय तल का निर्माण कार्य, पशु चिकित्सा व पशु विज्ञान संकाय, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू १.८९३३ करोड़	कार्य पूर्ण।
१३.	पशु घर (फेस-१) का निर्माण कार्य, पशु चिकित्सा व पशु विज्ञान संकाय, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू १४.३५४८ करोड़	कार्य पूर्ण।
१४.	व्याख्यान संकुल -ब्लाक-एच (जी +१) का निर्माण कार्य, पशु चिकित्सा व पशु विज्ञान संकाय, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू ५.२५७१ करोड़	कार्य पूर्ण।
१५.	शैक्षणिक भवन सी-१ का निर्माण कार्य, पशु चिकित्सा व पशु विज्ञान संकाय, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	रू १०.१४९८ करोड़	कार्य पूर्ण।

कमच्छा कम्पलेक्स, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

कमच्छा कम्पलेक्स में शिक्षा संकाय, सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज स्कूल, सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल, रणवीर संस्कृत पाठशाला, कोल्हुआ प्राईमरी स्कूल, बैजनत्था कालोनी, डा. ए. बी. छात्रावास व डा. आर. पी. छात्रावास इत्यादि।

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा लगभग २७०० एकड़ भूमि में फैला हुआ है। यहाँ पर शैक्षणिक कार्य का शुभारम्भ सन् २००६ ई. में हुआ। अधिक संख्या में भवन, छात्रावास, व्याख्यान कक्ष, महिला छात्रावास, प्रशासनिक, भवन, केन्द्रीय पुस्तकालय भवन, किसान आवास, टिसू कल्चर भवन, अतिथि गृह, बीज भण्डार, जलपान गृह इत्यादि पूर्णरूप से तैयार हैं। कुछ पहले से पूर्ण हो चुके हैं और वर्तमान में इस्तेमाल भी हो रहा है। प्रशिक्षण क्रिया-कलाप २००५-०६ से चल रहा है। राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा में बहुत ही तीव्र गति से विकास कार्य चल रहा है। वर्तमान में भवन निर्माण, रोड, जल-आपूर्ति और विद्युतीकरण का कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय- डाइवर्सिटी पार्क तथा बड़ा बीज भण्डार के निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर किया गया।

विभाग में कर्मचारियों की बेहद कमी होने के बावजूद २०१८-१९ में १३३ से अधिक एग्रीमेन्ट तथा ७८६ वर्क आर्डर द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यों को किया गया। बड़ी संख्या में कर्मचारियों के सेवा-निवृत्त हो जाने के कारण बहुत ही कठिन स्थिति और उच्च आशाओं में पूर्ण न्याय देने की कोशिश की गयी है। विगत साढ़े तीन वर्षों में बहुत सारे भवनों का निर्माण कार्य तथा भवनों की मरम्मत एवं रख रखाव का कार्य काफी बढ़गया है।

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग ने एक लाख रू से ऊपर के कार्य को एवार्ड करने के लिये ई.टेण्डरिंग प्रक्रिया प्रारम्भ कर दिया है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में जो मुख्य सिविल कार्य शुरू किये गये उन का विवरण निम्नलिखित है:-

क्र.सं.	कार्य का नाम	वित्त पोषण	प्रशासनिक अनुमोदन एवं व्यय स्वीकृति धनराशि	स्थिति
१.	महिला महाविद्यालय के नये स्नातकोत्तर भवन एवं चिकित्सा विज्ञान संस्थान के पुराने प्रशासनिक भवन में १३ यात्री वाले लिफ्ट लगाने का कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	विकास योजना नं० ५०२७	रू ७२.८०.०००.००	कार्य प्रगति पर है।
२.	नर्सिंग छात्रावास भवन, ट्रामा सेन्टर का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	विकास योजना आबजेक्ट हेड-३५	रू १२.०० करोड़	कार्य प्रगति पर है।
३.	शिक्षक आवासीय फ्लैट (८० नं०), दो ब्लाक (४० नं० प्रति ब्लाक), काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	विकास योजना आबजेक्ट हेड-३५	रू४६.७१०३ करोड़	कार्य प्रगति पर है।
४.	व्याख्यान संकुल (जी+२) का निर्माण कार्य, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	वन टाइम ग्राण्ट	रू१९.०० करोड़	कार्य प्रगति पर है।
५.	केन्द्रीयकृत प्रयोगशाला परिसर (जी+२) का निर्माण कार्य, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	वन टाइम ग्राण्ट	रू१२.०० करोड़	कार्य प्रगति पर है।
६.	शैक्षणिक भवन डी-१ का निर्माण कार्य, पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	विकास योजना	रू९.५० करोड़	कार्य प्रगति पर है।
७.	आर. के. वी. वाई. प्रोजेक्ट के अन्तर्गत पशु घर का निर्माण कार्य, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय	परियोजना ग्राण्ट	रू १९.९९ करोड़	कार्य प्रगति पर है।
८.	१०० बेड वाले (जी+५) एम.सी.एच. विंग के लिये भवन का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	विकास योजना नं. ६००८	रू४५.५० करोड़	कार्य प्रगति पर है।
९.	२०० नं. शिक्षक आवासीय फ्लैट (जी+१०), दो ब्लाक (१००नं. प्रति ब्लाक) का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	कैपिटल कंस्ट्रक्सन आफ बिल्डिंग	रू ५७.२५३९ करोड़	कार्य प्रगति पर है।
१०.	वैदिक विज्ञान केन्द्र (जी+३) एवं अपार्टमेन्ट (जी+२) शिक्षक व शोध छात्रों के लिये भवन का निर्माण कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	विकास योजना नं. ६००५	रू११.२९२१ करोड़	कार्य प्रगति पर है।
११.	रीजनल नेत्र संस्थान (जी+५) का निर्माण कार्य, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।		रू२९.६३ करोड़	कार्य प्रगति पर है।
१२.	केन्द्रीय कार्यालय के पिछले भाग में भूतल एवं प्रथम तल पर भवन निर्माण का विस्तार कार्य, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय।	विकास योजना नं. ५०६८	रू५.८५९८ करोड़	कार्य प्रगति पर है।

विश्वविद्यालय यंत्र समुच्चय विज्ञान केन्द्र

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्र समुच्चय केन्द्र (यूसिक) लेवल-दो वर्ष १९८० में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में केन्द्रीय सुविधा के रूप में स्थापित किया गया। यूसिक लेवल-दो एक गैर-शैक्षणिक विभाग के अन्तर्गत आता है। भवन का निर्माण सन् १९८२-८३ तथा तकनीकी कर्मचारियों की नियुक्ति वर्ष १९८५ के अन्त में पूरी हुई।

क्रिया-कलाप

विश्वविद्यालय यंत्र समुच्चय विज्ञान केन्द्र सम्बन्धित सेवाएं त्वरित प्रदान करता है जैसे-

- इलेक्ट्रानिक्स/ इलेक्ट्रिकल/ मैकेनिकल/ एनलिटिकल यंत्रों/ उपकरणों/ मशीनों की मरम्मत एवं रख-रखाव करना।
- यू.वी. विसिवुल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर तथा डबल डिस्टिल्ड वाटर इत्यादि।
- वर्तमान वर्ष के अंतर्गत यूसिक द्वारा किये गये मरम्मत कार्यों का विवरण नीचे दिया जा रहा है-

• विज्ञान संस्थान	२०
• कृषि विज्ञान संस्थान	०६
• पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	०१
• चिकित्सा विज्ञान संस्थान	०१
• अन्य	०६
कुल योग	**३४**

वर्तमान सत्र तक ९५३ लीटर वाटर प्रयोग में लाये गये।

वर्तमान सत्र तक विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में

शोधरत/अध्ययनरत छात्रों द्वारा उच्च कोटि के शोध हेतु प्रयोग में लाये गये उपकरण जैसे– यू.वी. स्पेक्ट्रोफोटोमिटर (शिमाड्जू एवं लैब इण्डिया) उपकरण द्वारा कुल ८३ सैम्पल किये गये।

९.१२. स्वास्थ्य देखभाल

सर सुन्दरलाल चिकित्सालय

सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं प्रशिक्षण हेतु संबंद्ध चिकित्सालय है जो अपने स्थापना वर्ष १९२६ से ही निरन्तर इस क्षेत्र के रोगियों की सेवा करता हुआ उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर गतिमान है। वर्तमान सत्र के दौरान चिकित्सालय द्वारा निम्नवत चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गयीं-

अस्पताल सांख्यिकी

कुल बहिरंग रोग	- १४,६९,२४५
भर्ती रोग	- ५७,३७९
कुल सर्जिकल आपरेशन	- २८,९६०
कुल जन्म	- ३,११५
कुल मृत्यु	- २,४६३
आपात चिकित्सा बहिरंग रोगी	- १,०३,८९५
कुल जांच	- २,४१,२४५
शैय्या की संख्या	- १,५८५

विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य निगरानी संकुल द्वारा उपलब्ध की जाने वाली सेवाएं/सुविधायें

विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य सेवा संकुल छात्रावास मार्ग पर स्थित है तथा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श के साथ-साथ विभिन्न चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध कराता है। स्वास्थ्य सेवा संकुल में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा प्रशिक्षित व समर्पित पैरामेडिकल स्टाफ के द्वारा मरीजों की देखभाल की जाती है। मुख्यचिकित्सा अधिकारी प्रभारी की देख-रेख में संचालित होने वाला विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य सेवा संकुल प्रत्येक कार्यदिवस पर प्रातः ८ बजे प्रारम्भ होकर सांय काल ८ बजे तक अपनी आकस्मिक चिकित्सा सुविधा प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को स्वास्थ्य पुस्तिका निर्गत कर बहिरंग विभाग के साथ-साथ आवश्यकता होने पर भर्ती मरीज के रूप में भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। स्वास्थ्य सेवा संकुल में सामान्य सर्जरी के साथ-साथ अस्थि रोग के भी चिकित्सक अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। संकुल में रक्त तथा अन्य से संबंधित सभी जांच की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय परिसर के साथ-साथ विद्यार्थियों को राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, बरकच्छा में भी स्वास्थ्य केन्द्र की सुविधाएं उपलब्ध करायी जाती हैं। विद्यार्थियों से स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए रूपये ३५०.०० वार्षिक उनके फीस के माध्यम से लिये जाते हैं। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कुल २ लाख ६० हजार विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संकुल की सेवाएं प्रदान की गईं।

स्वास्थ्य संकुल में उपलब्ध सुविधाएं

- सामान्य बहिरंग रोगी परामर्श विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से
- आपातकालीन सुविधा रात्रि ८ बजे तक
- लघु शल्य सेवाएं
- अस्थि रोग संबंधित प्लास्टर तथा अन्य सुविधायें
- श्वास रोग क्लीनिक
- विशिष्ट चिकित्सा परामर्श (जनरल मेडिसिन, सर्जरी, आर्थोपेडिक, टी.बी. एवं चेस्ट तथा महिला रोग एवं अन्य)
- फार्मेसी एवं दवा वितरण सेवाएं
- दुर्घटना एवं सामान्य परिस्थिति में ड्रेसिंग सेवाएं
- हेपेटाइट्स-बी, टिटेनस, टाइफाइड, रैबीज इत्यादि टीकाकरण सेवाएं
- इंजेक्शन और टीकाकरण सेवाएं
- दंत रोग विशेषज्ञ द्वारा आधुनकि उपकरणों के साथ दंत क्लीनिक का संचालन
- होमियोपैथी क्लीनिक
- योग क्लिनिक
- फिज़ियोथेरेपी क्लीनिक सुविधा
- डिज़िटल एक्सरे क्लीनिक सुविधा
- स्वास्थ्य सलाह परामर्श सेवाएं

स्वास्थ्य सेवा संकुल में संचालित लैब सुविधा में टाइफाइड, डेंगू, लीवर, लिपिड प्रोफाइल, यूरिन आदि की जांच हेतु आधुनिक उपकरण के माध्यम से जांच की सुविधा उपलब्ध है।

अन्य सुविधाएं

- मेडिकल फिट्नेस प्रमाण पत्र
- चिकित्सा प्रतिपूर्ति
- आकस्मिक चिकित्सा हेतु दवा क्रय
- विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न खेल कूद एवं अन्य आयोजनों के अवसर पर आवश्यकता होने पर चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

विश्वविद्यालय कर्मचारी स्वास्थ्य निगरानी संकुल उपलब्ध सेवायें

कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा संकुल में विश्वविद्यालय के नियमित व सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं उनके आश्रितों, रेजिडेन्ट डॉक्टर व केन्द्रीय विद्यालय (बी.एच.यू.) के कर्मचारियों को चिकित्सकीय सुविधा प्रदान की जाती हैं।

वर्तमान में लगभग ९५,८०० लाभार्थी कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा संकुल में नामांकित हैं तथा स्वास्थ्य केन्द्र में ०५ चिकित्सकों के माध्यम से वर्तमान सत्र में १०३८७६ रोगियों को चिकित्सा परामर्श उपलब्ध कराया गया है। स्वास्थ्य केन्द्र में माडर्न मेडिसिन एवं आयुर्वेदिक औषधियों का वितरण योग्य फार्मासिस्टों द्वारा किया जाता है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा संकुल में निम्नलिखित सेवाएं उपलब्ध हैं:

- सामान्य बहिरंग रोगी परामर्श
- शल्य परामर्श
- आर्थोपेडिक सेवायें
- विशेष चिकित्सा परामर्श

- स्त्री-रोग परामर्श
- फार्मेसी सेवायें
- ड्रेसिंग सुविधा
- इंजेक्शन व टीकाकरण की सुविधा
- चिकित्सा प्रमाण पत्र
- चिकित्सकीय दावाप्रतिपूर्ति
- ई.सी.जी. जाँच की सुविधा, नेबुलाईजेशन व ऑक्सीजन की सुविधा
- क्लिनिकल आब्जर्वेशन रूम में इलाज की सुविधा
- एक्सरे सुविधा
- डेन्टल क्लिनिक
- फिजियोथेरेपी

विश्वविद्यालय कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा संकुल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (प्रभारी) की योजनाओं में आने वाले समय में स्वास्थ्य केन्द्र में रक्त एवं मूत्र इत्यादि परीक्षण सुविधा तथा आयुर्वेदिक बहिरंग रोगी परामर्श की सुविधा प्रारंभ करने की योजना है।

क्रियाकलाप

- ओपीडी : १०,३,८७६ पेसेंट प्रेजेंट (कर्मचारी, पेंशनर, सुपर पेंशनर, जे.आर. रेजिडेंट, एस.आर. रेजिडेंट, के.वी. बी.एच.यू. एवं उनके परिवार
- ईसीजी : २७७
- आरबीएस : ६६७०
- एक्स-रे : ३८२०
- ड्रेसिंग : २९०९
- प्रतिपूर्ति बिल की सं. : ११३५५८
- दवाएं और ड्रेसिंग सामान : ४,३९,००,०००/- (लगभग)

९.१३. विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद्

कुलपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद का गठन १९७५ में किया गया, जिसका मूल नाम विश्वविद्यालय एथलेटिक संघ था। क्रीड़ा परिषद का उदेद्श्य सहायक निदेशकों/ उपनिदेशकों एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना है जिससे विश्वविद्यालय की टीम अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में एवं राज्य/राष्ट्र स्तरीय में प्रतिभागिता कर उच्च स्तर को प्राप्त करे। परिषद आवश्यकतानुसार राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान से प्रशिक्षित अतिरिक्त प्रशिक्षकों की सेवाएँ अल्पावधि के लिए लेता रहता है।

वर्तमान सत्र खेलकूद एवं उपलब्धियों की दृष्टि से विशिष्ट एंवम् उल्लेखनीय रहा है एवं खेल गतिविधियों में उत्तरोत्तर सुधार हुआ है।

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद द्वारा वर्तमान सत्र में आयोजित की गयी प्रतियोगिताएं

अन्तर संकाय प्रतियोगिता/चयन परीक्षण

क्र.स.	प्रतियोगिता का नाम
१.	अन्तर संकाय फुटबॉल (म.) प्रतियोगिता
२.	अन्तर संकाय तैराकी (पु.) प्रतियोगिता
३.	अन्तर संकाय तैराकी (म.) प्रतियोगिता
४.	अन्तर संकाय बास्केटबाल (पु.) प्रतियोगिता
५.	अन्तर संकाय बास्केटबाल (म.) प्रतियोगिता
६.	अन्तर संकाय हैंडबाल (पु.) प्रतियोगिता
७.	अन्तर संकाय क्रिकेट (पु.) प्रतियोगिता

अन्तर्राष्ट्रीय खेल दिवस (२९ अगस्त) पर विभिन्न स्पोटर्स प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी।
पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालयी, प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों का विवरण:

क्रम संख्या	खेल का नाम	पुरुष/ महिला	अवधि	प्रतियोगिता का स्थान	स्थिति
१	बास्केटबाल	पुरुष	१८-२१.१०.२०१८	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	सहभागिता
२	बास्केटबाल	महिला	०९-११.११,२०१८	गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी	सहभागिता
३	बैडमिंटन	पुरुष	२७-३०.१०,२०१८	गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी	सहभागिता
४	बैडमिंटन	महिला	१८-२१. १०. २०१८	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	सहभागिता
५	कबड्डी	पुरुष	२९.१०.१८ से ०१.११.२०१८	डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, विलासपुर	सहभागिता
६	वालीबाल	पुरुष	१८-२१. १०. २०१८	के. आई.आई.टी. भुवनेश्वर	सहभागिता
७	वालीबाल	महिला	१३-१६. ११. २०१८	त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला	सहभागिता
८	शतरंज	पुरुष	२१-२४.११,२०१८	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	चर्तुथ स्थान
९	शतरंज	महिला	२१-२४.११,२०१८	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	द्वितीय स्थान
१०	क्रिकेट	पुरुष	०६-२४.०१.२०१९	रावेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक	सहभागिता
११	टेनिस	पुरुष	१८-२१.१०,२०१८	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	तृतीय स्थान
१२	हैंडबाल	पुरुष	०१-०४. १२. २०८	वी.के.एस.विश्वविद्यालय, आरा	सहभागिता
१३	हैंडबाल	महिला	२५-३०.०१.२०१९	वी.बी.एस. पूर्वान्चल वि.वि. जौनपुर	सहभागिता
१४	टेबुल टेनिस	पुरुष	२९-३१. १०.२०१८	पं. आर.एस. विश्वविद्यालय, रायपुर	सहभागिता
१५	यू.पी. बास्केटबाल	पुरुष	०९-१४. १०.२०१८	एन.ई.रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर	सहभागिता
१६	यू.पी. बास्केटबाल	महिला	०९-१४. १०.२०१८	एन.ई.रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर	सहभागिता

अखिल भारतीय एवं अन्तर क्षेत्रीय अन्तर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की भागीदारी

क्रम संख्या	खेल का नाम	पुरुष/ महिला	अवधि	प्रतियोगिता का स्थान	स्थिति
१.	तैराकी	पुरुष	२८-३१.१०,२०१८	जैन विश्वविद्यालय, बंगलुरू	तृतीय एवं चतुर्थ स्थान
२.	तैराकी	महिला	०२-०४.११.२०१८	वी.टी.यू., वेलगावी	सहभागिता
३.	एथलेटिक्स	पुरुष	२४-२८. ११,२०१८	मंगलोर विश्वविद्यालय	सहभागिता
४.	एथलेटिक्स	महिला	२४-२८.११,२०१८	मंगलोर विश्वविद्यालय	सहभागिता
५.	बाक्सिंग	पुरुष	२१-२८.०२,२०१९	जे.आर.एन.विश्वविद्यालय,राजस्थान, विद्यापीठ	सहभागिता
६.	तीरंदाजी	पुरुष	२६-२९.१२,२०१८	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	सहभागिता
७.	तीरंदाजी	महिला	२६-२९.१२,२०१८	के.आई.आई.टी. भुवनेश्वर	सहभागिता
८.	कुश्ती	पुरुष	१४-१८.११,२०१७	चौधरी बंसी लाल. विश्वविद्यालय, भिवानी	सहभागिता
९.	ताइक्वान्डो	पुरुष	१४-१७.०३,२०१९	एम. डी. यू., रोहतक	सहभागिता
१०.	ताइक्वान्डो	महिला	१४-१७.०३,२०१९	एम. डी. यू., रोहतक	सहभागिता
११.	शूटिंग	पुरूष	३१.१०.२०१८से ०५.११.२०१८	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़	सहभागिता
१२.	शूटिंग	महिला	३१.१०.२०१८से ०५.११.२०१८	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़	सहभागिता
१३.	वुशू	पुरुष	१२-१६.०३.२०१९	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़	सहभागिता

१४.	वुशू	महिला	१२-१६.०३,२०१९	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़	**रजत और कांस्य पदक**
१५.	योग	पुरुष	०४.०८.०२,२०१९	मद्रास, विश्वविद्यालय, चेन्नई	सहभागिता
१६.	योग	महिला	०४.०८.०२,२०१९	मद्रास, विश्वविद्यालय, चेन्नई	सहभागिता
१७.	जिमनास्टिक	महिला	१७-१९,११,२०१८	पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़	सहभागिता
१८.	क्रास कंट्री	पुरुष	०४.१०.२०१८	गुलबर्गा विश्वविद्यालय कर्नाटक	सहभागिता
१९.	क्रास कंट्री	महिला	०४.१०.२०१८	गुलबर्गा विश्वविद्यालय कर्नाटक	सहभागिता
२०.	कराटे	पुरुष	२०-२५.०२.२०१९	एम.डी.यू. रोहतक	सहभागिता
२१.	कराटे	महिला	२०-२५.०२.२०१९	एम.डी.यू. रोहतक	स्वर्ण और रजत पदक
२२.	टेनिस	पुरुष	२०-२३.०२.२०१९	एस.आर.एम. विश्वविद्यालय, चेन्नई	सहभागिता
२३.	शतरंज	पुरुष	१६-२०.१२.२०१८	सी.सी.एस.यू.मेरठ	सहभागिता
२४.	शतरंज	महिला	१०-१४.१२.२०१८	गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय	तृतीय स्थान

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद द्वारा तृतीय पैरालम्पिक दिव्यांग खेल कूद प्रतियोगिता, अंतर छात्रावास महिला टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता और अंतर छात्रावास पुरुष टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की गयी। साथ ही, प्रथम महामना पं. मदन मोहन मालवीय हॉकी (पुरूष) प्रतियोगिता आयोजित की गयी। खेल दिवस पर विभिन्न आयु वर्ग के लड़कों एवं लड़कियों की हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। बी.एच.यू. कर्मचारी एवं उनके बच्चों हेतु फुटबॉल, तैराकी एवं क्रिकेट का ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के पास हॉकी का अपना एक एस्ट्रो टर्फ है जिसकी क्षमता १५००० है। यहाँ एक खेल कूद छात्रावास भी बनकर तैयार हो चुका है जिसमें तथा भारतीय खेल प्रधिकरण की महिला खिलाड़ी रहकर एथलेटिक्स, हॉकी तथा बॉक्सिंग खेल का अभ्यास कर रही हैं।

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद से सम्बद्ध खेल: तीरन्दाजी (पु. एवं म.); ट्रेक एण्ड फिल्ड (पु. एवं म.); बैडमिन्टन (पु. एवं म.); बास्केटबाल (पु. एवं म.); मुक्केबाजी (पु. एवं म.); शतरंज (पु. एवं म.); क्रिकेट (पु. एवं म.); फुटबाल (पु. एवं म.); जिम्नास्टिक्स एवं मलखम्भ (पु. एवं म.); हैण्डबाल (पु. एवं म.); हॉकी (पु. एवं म.); कबड्डी (पु. एवं म.); खो-खो (पु. एवं म.); भारोत्तोलन एवं शरीर सौष्ठव (पु. एवं म.); स्क्वैश रैकेट (पु.); तैराकी (पु. एवं म.); टेबल टेनिस (पु. एवं म.); टेनिस (पु. एवं म.); वॉलीबाल (पु. एवं म.); कुश्ती (पु. एवं म.); क्रास कन्ट्री दौड़ (पु. एवं म.); नेट बाल (पु. एवं म.); ताइक्वान्डो (पु. एवं म.); पिस्टल शूटिंग (पु. एवं म.); वुशू (पु. एवं म.) कराटे (पु.एवं म.)।

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के खेल प्रांगण

एम्फिथियेटर मैदान: **संख्या**

- ४०० मी. ८लेन मिट्टी का ट्रेक एण्ड फील्ड १
- सीमेंटेड एवं फ्लडलाइटेड बास्केट बाल कोर्ट १
- मैटिंग पिच क्रिकेट मैदान १
- सीमेंटेड नेट प्रैक्टिस क्रिकेट पिच १
- ओपेन फुटबाल स्टेडियम १
- हैन्डबॉल मैदान १
- नेट बाल मैदान १
- ग्रास हाकी मैदान १
- कबड्डी मैदान (पु. एवं म.) १+ १
- खो-खो मैदान १
- बजरी एवं सिंथेटिक टेनिस कोर्ट फ्लडलाइटेड २+ १
- फ्लडलाइटेड वालीबाल कोर्ट २

महाराजा डॉ. विभूतिनारायण सिंह अन्तरंग क्रीड़ांगन

- सीमेंटेड बैडमिंटन कोर्ट ४
- मुक्केबाजी रिंग २
- टेबुल टेनिस १ + १
- पोर्टेबल (हाइड्रोलिक) बास्केटबाल पोस्ट १
- ५० लक्ष्य का शूटिंग रेंज
- उचित मैटिग के साथ कबड्डी की सुविधा

छात्रपति शिवाजी व्यायामशाला

- कुश्ती एव जूडो मैट १ + १
- रोमन रिंग १ + १
- . हारिजन्टल बाल १ + १
- अनइवेन बार १ + १
- पैरलल बार १ + ४
- भारोत्तोलन वूडेन प्लेट फार्म १
- भारोत्तोलन स्टैंड स्टेशन जिम २ + ८

जम्मू कश्मीर बैडमिन्टन हाल

- वूडेन बैडमिन्टन कोर्ट (पु. एवं म.) १

जम्मू कश्मीर बैडमिंटन हाल में विश्वविद्यालय कर्मचारी (शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक) एवं सभी छात्रों हेतु हर सम्भव सुविधा प्रदान की जाती है)

तरण - ताल

- ८ लेन ५० मी तरण-ताल १
- डाइविंग बोर्ड एवं वाटर पोलो सहित १
- निर्माणाधीन प्रशिक्षुक तरण-ताल १

इसमें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक कर्मचारियों उनके वार्ड तथा विद्यार्थियो हेतु समय समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाते है।

स्क्वैश कोर्ट

वूडेन स्क्वैश कोर्ट ४

फुटबाल ग्राउण्ड

हाकी सिन्थेटिक स्टेडियम

९.१४. छात्र अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की संस्थापना का मूल मंत्र है कि अध्ययन के साथ-साथ चरित्र निर्माण भी हो। संस्थापक पूज्य पंडित मदन मोहन मालवीयजी के अनुसार ज्ञान व चरित्र दोनों का मेल होने पर संसार में मान होगा और गौरव प्राप्त होगा। जीवन का सर्वांगीण विकास शिक्षा का मूलमंत्र है। शिक्षा की ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि विद्यार्थी अपनी भावनात्मक, शारीरिक एवं मानसिक शक्तियों का विकास करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके। सच्चाई और ईमानदारी से अपना जीवन निर्वाह कर सके, कलापूर्ण सौहार्द जीवन व्यतीत कर सके, समाज में आदरणीय व विश्वासपात्र बन सके। देश भक्ति व राष्ट्रीयता से, जो मनुष्य को उच्चकोटि की सेवा को प्रेरित करती हो, अपने जीवन को अलंकृत कर राष्ट्र की सेवा कर सके।

तदनुरूप काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में अनेक विधाओं से उत्सव, समारोह एवं विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की जाती हैं, जिससे विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को उचित प्रोत्साहन मिले तथा वे एक चरित्रनिष्ठ युवा के रूप में देश की सेवा कर सकें। वर्तमान सत्र में आयोजित क्रियाकलापों का विवरण निम्नवत है:

उत्सव एवं समारोह प्रकोष्ठ के अधीन आयोजित कार्यक्रम

- **शैक्षणिक सत्र २०१७-१८ का शुभारम्भ:** विश्वविद्यालय की परम्परा के अनुरूप नये शैक्षणिक सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर माननीय कुलपति महोदय ने ०४.०७.२०१८ को प्रात: परिसर स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक एवं पूजन किया।
- **श्री कृष्ण जन्माष्टमी समारोह:** मालवीय भवन में सायं ५ बजे से श्री कृष्ण जन्माष्टमी समारोह का आयोजन किया गया। हर वर्ष की भाँति छात्रावासों में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर झांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- **स्वतंत्रता दिवस समारोह १५.०८.२०१८:** स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एम्पीथियेटर मैदान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- **शिक्षक दिवस समारोह:** डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर ५ सितंबर २०१८ को विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह मनाया गया।
- **गांधी जयन्ती:** २ अक्टूबर २०१८ को गांधी जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालय का मुख्य आयोजन मालवीय भवन में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. आनन्द कुमार, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने अपने विचार व्यक्त किये। समारोह में सर्व धर्म प्रार्थना के साथ ही राष्ट्रपिता का प्रिय भजन 'वैष्णव जन...' की प्रस्तुति की गयी। गांधी जयन्ती के अवसर पर कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय के १२४ प्रज्ञाचक्षु विद्यार्थियों को शिक्षण सहायता के रूप में रु. ५०००/- (पाँच हजार), ३६ अतिविकलांग विद्यार्थियों को तिपहिया साईकिल क्रय करने हेतु रू.४०००/- (चार हजार) तथा ३१ मूकबधिर विद्यार्थियों को रु. ३०००/- (तीन हजार) प्रत्येक को नगद प्रदान किया।
- **महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की पुण्य तिथि:** राष्ट्रीय हिन्दी पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष, कृष्णपक्ष, चतुर्थी तद्नुसार दिनांक २६.११.२०१८ को मालवीय भवन सभागार में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की पुण्य तिथि आयोजित की गयी। इस अवसर पर संस्थानों के निदेशक, संकायों के प्रमुख, प्राचार्या, महिला महाविद्यालय, छात्र अधिष्ठाता, मुख्य आरक्षाधिकारी सहित अध्यापकों व विद्यार्थयों ने महामना की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजली अर्पित की साथ ही शांति एवं गीता पाठ किया गया तथा दो मिनट का मौन रखा गया।
- **महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जयंती:** विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। २५ दिसंबर २०१८ को मालवीय दीपावली का उद्घाटन कुलपति जी द्वारा किया गया। दिनांक २३.१२.१८ को देवादिपूजन के साथ सप्ताहव्यापी श्रीमद्भागवत परायण एवं श्रीमद्भागवत् प्रवचन का शुभारम्भ एवं २९.१२.१८ को हवन पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण किया गया। मालवीय जयंती पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएँ-तत्काल चित्र कला, फैन्सी ड्रेस, लोकगीत व समूहगान, तत्काल स्लोगन, शास्त्रार्थ, संगीतमय कण्ठस्थ गीतापाठ आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान भजन, भक्ति संगीत व वेदशाखास्वाध्याय का भी आयोजन किया गया। उपरोक्त प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण २९.१२.२०१८ को किया गया। मालवीय जयंती के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में भी आयोजित की गईं।
- **गणतंत्र दिवस समारोह:** २६ जनवरी २०१९ को एम्फीथियेटर मैदान में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। प्रात: ९.०० बजे एन.सी.सी. के ग्रुप कमांडर ने समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति जी का स्वागत किया। तदुपरान्त राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा राष्ट्रगान के उपरान्त कुलपति जी ने परेड का निरीक्षण किया।
- सुश्री शैव्या सिंह, बी एससी. (एग्रीकल्चर), कृषि विज्ञान संस्थान को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक ज्ञान, उत्तम साधारण बोध एवं सर्वोत्तम आचरण के लिये पूर्व राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक २०१७-१८ तथा प्रमाण-पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।
- श्री ज्ञानेश ओझा, जैन बौद्ध दर्शन विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय को संस्कृत में आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर महामना संस्कृत पुरस्कार २०१८-१९ प्रदान करते हुए पदक तथा प्रमाण –पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।

- श्री कमल कुमार साहनी, कला संकाय को सर्वोच्च एथलीट के रूप में मेजर एस.एल. दर रजत पदक २०१८-१९तथा प्रमाण पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।
- २८ यू.पी. गर्ल्स बटालियन की कैडेट कामना मिश्रा को सर्वोत्तम एन.सी.सी. कैडेट के रूप में मेजर एस.एल. दर रजत पदक २०१८-१९ तथा प्रमाण –पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।
- समारोह में निम्नलिखित गैर शिक्षण कर्मचारियों को उनके सराहनीय सेवाओं के लिये ''सर्वोत्तम कर्मचारी पुरस्कार २०१८-१९'' प्रदान किया गया।

तृतीय श्रेणी सचिवीय वर्ग

श्री नागेन्द्र प्रसाद सोमवझला, वैयक्तिक सहायक, संकाय प्रमुख कार्यालय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान को उनके कर्तव्यों एवं दायित्व के प्रति अत्यन्त निष्ठा एवं सक्रियता के लिये गैर-शिक्षण सर्वोत्तम कर्मचारी पुरस्कार प्रदान करते हुए अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण-पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।

तृतीय श्रेणी लिपिकीय वर्ग

श्री मुर्तुजा आलम, वरिष्ठ सहायक, (सामान्य प्रशासन), कुलसचिव कार्यालय को उनके कर्तव्यों एवं दायित्व के प्रति अत्यन्त निष्ठा एवं सक्रियता के लिये गैर-शिक्षण सर्वोत्तम कर्मचारी पुरस्कार प्रदान करते हुए अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण-पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।

तृतीय श्रेणी तकनीकी वर्ग

डॉ. बाबू नन्दन मौर्य, वरिष्ठ तकनिकी सहायक, रेडियोडाइग्नोसिस एवं इमेजिंग विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान को उनके कर्तव्यों एवं दायित्व के प्रति अत्यन्त निष्ठा एवं सक्रियता के लिये गैर-शिक्षण सर्वोत्तम कर्मचारी पुरस्कार प्रदान करते हुए अंगवस्त्र, स्मृति चिहन तथा प्रमाण-पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।

चतुर्थ श्रेणी लिपिकीय वर्ग

श्री रमेश चन्द्र दास, अनुसेवक सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल, कमच्छा को उनके कर्तव्यों एवं दायित्व के प्रति अत्यन्त निष्ठा एवं सक्रियता के लिये गैर-शिक्षण सर्वोत्तम कर्मचारी पुरस्कार प्रदान करते हुए अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण-पत्र द्वारा अलंकृत किया गया।

स्थापना दिवस समारोहः परम्परा के अनुसार इस अवसर पर सर्वप्रथम हवन-पूजन करने के उपरान्त कुलपति महोदय द्वारा सरस्वती पूजन किया गया। विश्वविद्यालय परिवार के कुलगुरु, अध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी तथा विद्यार्थी भी पूजन समारोह में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर सभी संकायों एवं विभिन्न यूनिटों द्वारा करीब ५० आकर्षक झांकियां निकाली गयीं।

छात्रावास उत्कृष्टता पुरस्कारः इस वर्ष दिनांक ७ से ९ मार्च २०१९ तक छात्रावास उत्कृष्टता पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल ७० छात्रावासों (महिला व पुरुष) को शामिल किया गया। प्रतियोगिता में छात्रावास रखरखाव, स्वच्छता, उपलब्ध सुविधाएँ, खेल, छात्रों की संतुष्टि आदि विषयों पर मूल्यांकन किया गया। इसका पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक २७ मार्च २०१९ को आयोजित किया गया जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति जी ने की, इस समारोह में कुलगुरु, कुलसचिव, वित्ताधिकारी सहित अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं अन्य उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का आयोजन तीन वर्गों क्रमशः पुरुष छात्रावास, महिला छात्रावास एवं दक्षिणी परिसर के सभी छात्रावासों में कराया गया। इस प्रतियोगिता का परिणाम निम्नलिखित है।

पुरुष छात्रावासः डॉ. एस.आर.के. छात्रावास प्रथम पुरस्कार, बाल गंगाधर तिलक छात्रावास द्वितीय पुरस्कार, डालमिया छात्रावास तृतीय पुरस्कार

महिला छात्रावासः रानी लक्ष्मी बाई छात्रावास प्रथम पुरस्कार, यमुना छात्रावास द्वितीय पुरस्कार, गोमती छात्रावास तृतीय पुरस्कार

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसरः शिवालिक ब्वायज छात्रावास ओवरआल रा.गां.द.प. विन्ध्यवासिनी महिला छात्रावास प्रोत्साहन पुरस्कार

विद्यार्थियों के बहुमुखी व्यक्तित्व विकास एवं कल्याण के कार्यक्रम

पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय युवा महोत्सवः पूर्वी क्षेत्र अन्तर्विश्वविद्यालयीय युवा महोत्सवः ०३ जनवरी से ०७ जनवरी २०१९

अन्तर्विश्वविद्यालयीय ३४वां पूर्वी क्षेत्र ईस्ट जोन राष्ट्रीय युवा महोत्सव २०१८-१९ भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा में आयोजित किया गया जिसमें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ३९ सदस्यीय दल ने भाग लिया।

अन्तर्विश्वविद्यालयीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव

अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित ३४वां अन्तविश्वविद्यालयीय राष्ट्रीय महोत्सव चंडीगढ़विश्वविद्यालय, मोहाली में १ से ५ फरवरी २०१९ तक आयोजित हुआ जिसमें विश्वविद्यालय की २७ सदस्यीय टीम ने भाग लिया।

अन्तर संकाय युवा महोत्सव ''स्पंदन- २०१९''

दिनांक २२ फरवरी से २६ फरवरी २०१९ तक अंतर संकाय युवा महोत्सव ''स्पंदन-२०१९'' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सभी १७ संकाय, महिला महाविद्यालय, राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर व संबद्ध महाविद्यालयों के कुल २३ टीमों के लगभग २००० विद्यार्थियों ने

22-26 फरवरी
संदन

22-26 फरवरी
संदन

संदन

भाग लिया। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु इस आयोजन में संगीत, नृत्य, नाट्य, दृश्य कला व साहित्यिक स्पर्धाओं की कुल ३७ प्रतियोगिताओं को शामिल किया गया।

पांच दिवसीय अन्तर संकाय युवा महोत्सव 'स्पंदन-२०१९' का समापन दिनांक २६ फरवरी २०१९ को हुआ। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं कुलपति जी द्वारा पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिताओं में छात्रों की भागीदारी

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्रों ने जयपुरिया इन्सटीट्यूट आफ मैनेजमेंट द्वारा छात्र कल्याण केन्द्र में १५.९.२०१८ को प्रात: ११.०० पर आयोजित हुए सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भाग लिया। जीतने वाली टीम को नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

- नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, मेघालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत के अन्तर्गत दिनांक १६ से १८ नवम्बर, २०१८ तक एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की १२ सदस्यीय टीम ने भाग लिया।
- राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रव्यापी कानूनी जागरुकता प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक १९ नवम्बर २०१८ को छात्र अधिष्ठाता द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में महिलाओं के कानूनी अधिकार संबंधित विषय पर प्रश्न पूछे गये थे। प्रतियोगिता में शामिल सभी १०८ विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण पत्र एवं प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रतिभा प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया।
- बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम ''मानवाधिकार मुद्दे एवं कानून'' पर दिनांक १० दिसम्बर २०१८ के छात्र-अधिष्ठाता के द्वारा किया गया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो० डी०के० मिश्रा ने विभिन्न संकायों के ११४ विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया। सभी को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संस्थान से ३ तथा कला संकाय से १ (कुल ४) विद्यार्थियों ने जी.बी. पंत कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा १२ से १५ जनवरी २०१९ तक आयोजित स्वामी विवेकानन्द जयंती समारोह के अन्तर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया। इस प्रतियोगिता का विषयवस्तु 'भारत का वर्तमान सामाजिक परिदृश्य यह सिद्ध करता है कि भारतीय युवा सामाजिक परिवर्तन हेतु प्रतिबद्ध है।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय की छात्रा ने शिक्षा मंडल के ४४वीं कमलनयन बजाज मेमोरियल नेशनल इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता-२०१९ वर्धा द्वारा दिनांक २२.०१.२०१९ से २३.०१२०१९ तक भाग लिया। इस प्रतियोगिता की विषयवस्तु कल के गांधीवादी पर्याय थी।
- भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा प्रति वर्ष एक्सचेंज प्रोग्राम हेतु विद्यार्थियों के नाम मांगे जाते हैं। इस वर्ष काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कला संकाय, पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान, कृषि विज्ञान संस्थान, सामाजिक विज्ञान संकाय, विज्ञान संस्थान एवं संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, प्रबन्धशास्त्र संस्थान, दंत चिकित्सा विज्ञान, मंचकला संकाय, दृश्य कला संकाय से एक-एक एवं विश्वविद्यालय स्तर पर कुल १० विद्यार्थियों (५ छात्र एवं ५ छात्राओं) को नामित किया गया।

छात्र-अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा सह-आयोजित कार्यक्रम

लाला लाजपत राय पाठशाला में नि:शुल्क गर्म वस्त्रों का वितरण: काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में सुन्दर बगिया स्थित लाला लाजपत राय पाठशाला में अध्ययन करने वाले निर्धन विद्यार्थियों को पाठशाला में नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। दिनांक १ दिसम्बर २०१८ को कुलपति महोदय द्वारा विद्यालय के ८९ विद्यार्थियों को नि:शुल्क स्वेटर वितरित किया गया।

छात्र कल्याण योजना के अधीन विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाएं

- छात्रावासों में रहने वाले समस्त प्रज्ञाचक्षु विद्यार्थियों को उनके संबंधित मेसों में २ अक्टूबर २०१८ से ३० अप्रैल २०१९ तक नि:शुल्क भोजन उपलब्ध कराया गया। विकलांग विद्यार्थियों को भी उनके संबंधित मेसों में रियायती भोजन प्रदान किया गया। निर्धन व मेधावी विद्यार्थियों को 'छात्र कल्याण योजना' के अधीन विश्वविद्यालय स्थित श्री अन्नपूर्णा भोजनालय में नि:शुल्क मध्याह्न एवं रात्रि भोजन प्रदान किया गया। इस योजना के अन्तर्गत मुख्य परिसर व राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर के विद्यार्थी लाभान्वित हुए।
- छात्र कल्याण योजना के अंन्तर्गत दिनांक २ अक्टूबर २०१८ को मालवीय भवन में आयोजित गाँधी जयंती के अवसर पर कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय में अध्ययनरत १२४ प्रज्ञाचक्षु विद्यार्थियों को पठन सामग्री क्रय किये जाने हेतु रु.५०००/- प्रति विद्यार्थी प्रदान किये।
- छात्र कल्याण योजना के अंन्तर्गत विश्वविद्यालय के अतिविकलांग विद्यार्थियों को तिपहिया साईकिल प्रदान किये जाने का प्रावधान है। इस वर्ष गाँधी जयंती के अवसर पर कुलपति महोदय ने ३६ अतिविकलांग विद्यार्थियों को तिपहिया साईकिल क्रय किये जाने हेतु रु.४०००/- प्रति विद्यार्थी प्रदान किये।
- गाँधी जयंती के अवसर पर कुलपति महोदय द्वारा ३१ मूकबधिर विद्यार्थियों को भी रु.३०००/- प्रति विद्यार्थी नगद उपकरण हेतु सहायता प्रदान किया गया।
- विभाग स्तर पर विद्यार्थियों के लिये आयोजित किये जाने वाले सेमिनार, कार्यशाला व व्याख्यान हेतु विभिन्न संबंधित विभागों को रु.५०००/- का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया।
- शोधार्थी एवं परास्नातक विद्यार्थियों को कान्फ्रेन्स, सेमिनार, कार्यशाला आदि में शामिल होने व पंजीकरण हेतु छात्र कल्याण योजना के अंतर्गत आर्थिक सहायता प्रदान की गई।
- केन्द्रीय ग्रन्थालय में प्रज्ञाचक्षु विद्यार्थियों से संबंधित पठन सामग्री की आडियो रिकार्डिंग के कार्य में संलग्न विद्यार्थियों को 'अर्न वाइल लर्न' योजना के तहत लगभग रुपये ६५०००/- पारिश्रमिक प्रदान किया गया।

९.१५. कैरियर विकास केन्द्र

विश्वविद्यालय में इस केन्द्र की स्थापना छात्रों के भावी जीवन की सम्भावनाओं को बेहतर बनाने एवं उनके सम्पूर्ण व्यक्तिव विकास को गतिशील बनाने हेतु की गई है। स्कील डेवलपमेंन्ट सेन्टर की स्थापना अधिसूचना सं.आर/जीएडी/स्कील डेवलेपमेंन्ट सेन्टर/४२१८१ दिनांक १९.०१.२०१६ के द्वारा की गई है। तदोपरान्त इसका नाम बदल कॅरियर डेवलपमेंट सेन्टर कर दिया गया। कॅरियर डेवलपमेंट सेन्टर विश्वविद्यालय के हॉबी सेन्टर में स्थित है। इसका सेन्टर ने प्रतिवेदन अवधि के दौरान १६१ व्यक्तित्व विकास सत्र, ८२ एन्ड्रोयड एप्लीकेशन डेवलपमेंन्ट सत्र, ८६ बेसिक कम्प्यूटर, ४८ सी प्रोग्रामींग सत्र, ३८ बेबसाइट मेकींग सत्र, ८ क्लिनिंग ड्राइवर, ७ अभिवृत्ति सत्र, साप्ताहिक गीता, दैनिक योग सत्र, ४ उद्यमिता सत्र, १० इंग्लिश स्पोकेन सत्र, आई.आर.डी.एम. परास्नातक छात्रों के लिए सामूहिक चर्चा पर एक कार्यशाला, लोक प्रशासन परास्नातक छात्रों के मॉक साक्षात्कार एवं विश्वविद्यालय के छात्रों को यू.पी.एस.सी. के तैयारी हेतु १५ सत्रों का आयोजन किया। कैरियर डेवलपमेंट सेंटर की प्रमुख उपलब्धियों में छात्रों के मामलों, कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श, व्यक्तित्व विकास सत्र, प्लेसमेंट पूर्व वार्ता, कैरियर ड्रॉप-इन एडवाइजिंग, करियर संबंधी गतिविधियों पर व्याख्यान, स्वच्छ भारत ग्रीष्म कालीन इंटर्नशिप २०१८, छात्रों के बीच आत्महत्या की प्रवृत्ति की पहचान पर कार्यशाला, नवीन संकायों हेतु संकाय अधिष्ठापन कार्यक्रम में व्याख्यान, कैरियर मार्गदर्शन और महिला महाविद्यालय के स्नातक की छात्राओं के साथ वार्ता सत्र, कैरियर परामर्श योजना की तैयारी और मॉड्यूल की तैयारी शामिल है। उपरोक्त के अतिरिक्त कैरियर डेवलपमेन्ट सेन्टर ७ नवम्बर, २०१६ से समर्थ ग्राम अभियान में सक्रिय रूप से शामिल था जिसकी प्रमुख उपलब्धियाँ निम्नानुसार हैं:

- ६ ट्रिप में ३२ गाँवों का भ्रमण किया।
- जैविक कृषि सम्मेलन
- मधुपुर और मुरादेव में दंत चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर और वृक्षारोपण
- तारापुर और नरोत्तमपुर में महिला स्वास्थ्य शिविर और वृक्षारोपण
- सामने घाट, वाराणसी में पशु चिकित्सा स्वास्थ्य शिविर

परामर्श और मार्गदर्शन केंद्र

इस प्रकोष्ठ की स्थापना मुख्य रूप से बीएचयू के छात्रों, कर्मचारियों और कर्मचारियों के परिवारों की आवश्यकतों को पूरा करने, विशेषकर कैरियर मार्गदर्शन के क्षेत्र में और साथ ही उनके व्यक्तिगत, मनोवैज्ञानिक, और सामाजिक समस्याओं के लिए समाधान खोजने में उनकी मदद करने के उद्देश्य से किया गया था। केंद्र छात्रों के लिए उनके व्यक्तित्व और सामाजिक कौशल को बढ़ाने के लिए कार्यशालाओं और विशेषज्ञों के लोकप्रिय व्याख्यानों को आयोजित करता है। केंद्र छात्रों को विभिन्न विषयों, पाठ्यक्रमों और शैक्षिक विकल्पों और कैरियर के नियमों के बारे में जानने में मदद करने के लिए कैरियर परामर्श सत्र आयोजित करता हैय इस प्रकार, छात्र एक अवगत विकल्प बना सकते हैं, और उक्त कैरियर का मूल्यांकन कर सकते हैं जो कैरियर के निर्णय लेने में जोखिम से बचने में मदद करता है। यह मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ा सकता है और छात्रों को नई दिशा दे सकता है। इसके अलावा, यह प्रकोष्ठ बीएचयू के छात्रों के लिए शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन, मनोवैज्ञानिक परामर्श सेवाएँ और जागरूकता और शिक्षाप्रद प्रक्रियाओं जैसे विभिन्न प्रकार की सेवाएँ प्रदान करता है।

९.१६. जलपान गृह

मैत्री जलपान गृह की कई शाखाएँ हैं, जो कि विश्वविद्यालय के विभिन्न स्थानों पर स्थित हैं, जिनका संचालन विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त प्रबंध समिति द्वारा होता है। मैत्री जलपान गृह का संचालन लाभार्जन के उद्देश्य से नहीं किया जाता है। यहाँ पर खाद्य पदार्थों की पूर्ति साफ-सफाई को ध्यान में रखकर की जाती है। विगत वर्षों की तरह जलपान गृह के द्वारा विश्वविद्यालय के शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों एवं छात्रों को नाश्ता, दोपहर का भोजन तथा अन्य खाद्य पदार्थों की पूर्ति की जाती है। ये सुविधाएँ विश्वविद्यालय के प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को भी दी जाती है। जब कभी विश्वविद्यालय में सेमिनार, कान्फ्रेंस होते हैं, तब इनके लिए आवश्यकता के अनुरूप नाश्ते एवं भोजन की व्यवस्था भी मैत्री जलपान गृह के द्वारा की जाती है।

वर्तमान सत्र में विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:

- लगभग २००० से २५०० व्यक्ति प्रतिदिन जलपान गृह से लाभ लेते है।
- लगभग रू.२५००० से रू.३००००/- प्रतिदिन की बिक्री है।

इस समय का.हि.वि.वि. परिसर में निम्न कैन्टीन कार्यरत हैं:

१. मैत्री जलपान गृह एवं इसकी निम्नलिखित शाखाएँ
   (क) चिकित्सा विज्ञान संस्थान जलपान गृह
   (ख) विश्वविद्यालयी चिकित्सालय जलपान गृह
   (ग) चिकित्सा ऑपरेशन थियेटर जलपान गृह
   (घ) रूचिरा, महिला महाविद्यालय जलपान गृह
   (ड.) मधुबन जलपान गृह
   (च) केन्द्रीय कार्यालय जलपान गृह
   (छ) केन्द्रीय विद्यालय जलपान गृह

२. एग्रो जलपान गृह

९.१७. राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

- राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यालय पर १५ अगस्त २०१८ को स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- शहीदे आजम भगत सिंह की १११ जयंती नशाखोरी न करने की प्रतिबद्धता के साथ मनायी गयी।
- बीएचयू के राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं द्वारा 'मेरा मोबाइल मेरा बटुआ' जन जागरूकता आरम्भ किया गया।
- सात दिवसीय विशेष शिविर के दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविरार्थियों द्वारा विशेषकर कन्दवा, सुसुवाही, आदित्य नगर, के कुओं, तालाबों और घाटों पुष्कर तालाब, कुरूक्षेत्र तालाब के साथ बी.एच.यू. परिसर के विभिन्न स्थानों पर सफाई की गयी।
- विशेष शिविर के दौरान एड्स जागरूकता, मतदाता जागरूकता, जल संरक्षण एवं साम्प्रदायिक सद्भाव रैलियों का आयोजन महिला महाविद्यालय, बसन्त कन्या महाविद्यालय, वसन्त महिला महाविद्यालय राजघाट, आर्य महिला एवं डी.ए.वी. डिग्री कालेज विज्ञान संकाय, कला एवं समाज विज्ञान संकाय द्वारा किया गया।
- शिविरों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता जागरूकता एवं अन्य कई

प्रकार के कार्यक्रम भी किये गये। राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़े बीएचयू के सामाजिक विज्ञान संकाय के स्वयंसेवकों ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं' का आह्वान किया।

९.१८. राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.)

एन.सी.सी. ग्रुप हेडक्वार्टर 'ए' की स्थापना काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में १४ फरवरी १९६३ को हुई। ग्रुप हेडक्वार्टर ए की नौ यूनिटें हैं जिनमें से पाँच यूनिटें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रांगण में, दो यूनिटें बलिया, एक गाजीपुर तथा एक मुगलसराय में स्थित है। उपर्युक्त सभी यूनिटों का उदय वर्ष **१९६३ से पहले हुआ।** उल्लेखनीय है कि २ उ.प्र. ई.म.ई कम्पनी की स्थापना ०५ अगस्त १९२१ को बनारस इंजिनियरिंग कॉलेज (बीईएनसीओ) के रूप में हुई थी। इस ग्रुप हेडक्वार्टर के प्रथम ग्रुप कमान्डर लेफ्टिनेन्ट कर्नल बृजपाल सिंह (राजपूत रेजीमेन्ट) थे। तब से लेकर अब तक २४ ग्रुप कमांडर ग्रुप हेडक्वार्टर को अपनी सेवा दे चुके हैं। ०१ अप्रैल २००८ से ब्रिगेडियर प्रबीर बारीक ग्रुप कमांडर हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का विस्तार

ग्रुप हेडक्वाटर 'ए' का मुख्यालय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में स्थित है। इसमें वाराणसी, चन्दौली, गाजीपुर, बलिया तथा मऊ जनपद के कुल ६११६ लड़के तथा २४५१ लड़कियाँ कैडेट के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस मुख्यालय का विस्तार ३ विश्वविद्यालय, १८ विद्यालय, ६२ इण्टरमीडिएट तथा डिग्री कॉलेजों में है। इस मुख्यालय तथा उसके अधीनस्थ एनसीसी इकाईयों में १४ कमीशन-प्राप्त सैन्य अधिकारी, ३९ कनिष्ठ कमीशन-प्राप्त अधिकारी, ८६ गैर कमशीन प्राप्त अधिकारी, ४४ वरिष्ठ डिवीजन सहयोगी एनसीसी अधिकारी, १९ कनिष्ठ डिवीजन सहयोगी एनसीसी अधिकारी तथा १३१ असैन्य कर्मचारी हैं।

उपलब्धियाँ

- इस मुख्यालय को इस वर्ष एन.सी.सी. निदेशालय, उत्तर प्रदेश में आठवाँ स्थान प्राप्त हुआ।
- ०९ कैडेटों ने थल सैनिक शिविर, दिल्ली में सहभागिता की।
- ११ कैडेटों ने नौ सैनिक शिविर, विशाखापट्टनम में सहभागिता की।
- ०८ कैडेटों ने गणतंत्र दिवस शिविर, नई दिल्ली में सहभागिता की।
- एक कैडेट ने भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून में १३-२४ जून २०१८ तक विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। ।
- १३ संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए जिसमें ४५४४ कैडेटों ने सहभागिता की।
- राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में १४२ कैडेटों ने सहभागिता की, जिनका आयोजन अखिल भारतीय स्तर पर हुआ था। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय के निर्देश पर वाराणसी में भी १०से २१ अक्टूबर २०१८ को इस शिविर का आयोजन किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश एवं पूर्वोत्तर भारत एनसीसी निदेशालय के ६०० कैडेट ने सहभागिता की।
- २३६ कैडेटों ने आर्मी अटैचमेन्ट कैम्पों के माध्यम से सेना की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की।
- ८० कैडेटों ने दो अलग-अलग ट्रेकिंग में भाग लिया, जिसका आयोजन अलग-अलग एनसीसी निदेशालयों द्वारा किया गया।
- ८३ भूतपूर्व एनसीसी कैडेटों ने एनसीसी के 'ए', 'बी' तथा 'सी' प्रमाणपत्र के आधार पर सेना में तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार की नौकरियां प्राप्त की।
- अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस २०१८ के अवसर पर ५८५५ कैडेटों ने सहभागिता की।
- कैडेट अमन कुमार, ९१ उप्र एनसीसी मुगलसराय ने ६२वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता दिनांक १६- ३० नवम्बर २०१८ को भाग लिया, जिसमें उसे टीम स्पर्धा में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।
- कैडेट राहुल शर्मा, ३ उप्र एनसीसी, वाराणसी का चयन २०१९-२० के यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के लिए हुआ, जिसमें भारत के मित्र देशों में भ्रमण शामिल है।
- कैडेट मनिकांत उपाध्याय, ३ उप्र एनसीसी, वाराणसी का चयन भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में हुआ और वह अक्टूबर २०१८ से अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, चेन्नई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है।

सम्मान एवं पुरस्कार

- कैडेट कामना मिश्रा, २८ उप्र गर्ल्स बटालियन एन.सी.सी. को मेजर एस. एल. दर रजत पदक से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया।
- इस मुख्यालय के कैडेट पी के यादव तथा कैडेट कामना मिश्रा को एनसीसी दिवस के उपलक्ष्य में एनसीसी निदेशालय, लखनऊ में मुख्यमंत्री पदक द्वारा सम्मानित किया गया।

सामुदायिक विकास और सामाजिक सेवा योजना: इस मुख्यालय ने निम्नलिखित सामाजिक सेवा गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की-

आयोजन	इकाइयाँ	अवधि	कैडेटों की संख्या
फुट पालिसिंग	सभी इकाइयाँ	प्रत्येक माह में अन्तिम शनिवार	४०३२
विश्व पर्यावरण दिवस	सभी इकाइयाँ	०५ जून २०१८	६५
स्वच्छता अभियान	सभी इकाइयाँ	१५ जून २०१८	१५०
रक्तदान	९०, ९१, ९३ वाहिनी, ३ आर्मड, २ इमई	१७ जून एवं २६ जुलाई २०१८	४८
विश्व जल दिवस	८९ एनसीसी	१७ जून २०१८	२००
रक्तदान व्याख्यान	वाराणसी	०७ जून २०१८	२११

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	सभी इकाइयाँ	२१ जून २०१८	५८१८
वृक्षारोपण कार्यक्रम	सभी इकाइयाँ	३० जुलाई - ५ अगस्त २०१८	८४८
स्वच्छता ही सेवा	सभी इकाइयाँ	१५ सितम्बर – ०२ अक्टुबर २०१८	५७७१
पराक्रम पर्व-सर्जिकल स्ट्राईक डे	सभी इकाइयाँ	२९ सितम्बर २०१८	८९०
स्वच्छता पखवाड़ा	सभी इकाइयाँ	०१-१५ दिसम्बर २०१८	४९३३
युवा दिवस	सभी इकाइयाँ	१२ जनवरी २०१९	६५
मतदाता जागरूकता रैली	९१ उप्र एनसीसी	२३ फरवरी २०१९	९०
यातायात नियंत्रण जागरूकता कार्यक्रम	वाराणसी स्थित सभी इकाइयाँ	२३ फरवरी २०१९	२६७

अतिमहत्वपूर्ण व्यक्तियों का आगमन

- मेजर जनरल ए के सप्रा, वी.एस.एम. अपर महानिदेशक, एन.सी.सी. निदेशालय, लखनऊ द्वारा १५ अक्टूबर एवं २१ नवंबर २०१८ को इस मुख्यालय तथा अधीनस्थ इकाइयों का निरीक्षण किया गया।
- ब्रिगेडियर, अरविन्द कुमार, उप महानिदेशक, एन.सी.सी. निदेशालय, लखनऊ ने ०९ जुलाई २०१८ को इस मुख्यालय का निरीक्षण किया।

विविध

- स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर कैडेटों द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति को गार्ड आफ आनर प्रदान किया गया। इस अवसर पर मार्च पास्ट तथा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस **बसन्त पंचमी** के अवसर पर दिनांक १० फरवरी २०१९ को इस मुख्यालय की एक झाँकी भी प्रदर्शित की गई, जिसमें तीनों सेनाओं तथा एनसीसी की गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया।
- **एन.सी.सी. प्रमाण-पत्र परीक्षा -** २५९१ कैडेटों ने इस वर्ष निम्नलिखित एन.सी.सी. प्रमाण पत्र परीक्षाएं उत्तीर्ण की -

  (क) 'ए' प्रमाण पत्र - ७०३ कैडेट

  (ख) 'बी' प्रमाण पत्र - १४२४ कैडेट

  (ग) 'सी' प्रमाण पत्र - ४६४ कैडेट

- **मोस्ट इंटरप्राइजिंग नेवल यूनिट (मेनु)** इस मुख्यालय के अधीनस्थ ७ उप्र नौसेना यूनिट द्वारा नौका से साहसिक यात्रा का आयोजन उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय के निर्देशानुसार दिनांक १२ से २१ नवम्बर २०१८ को किया गया। २२० किसी लम्बा यह साहसिक नौकायन प्रयागराज से वाराणसी के बीच सम्पन्न हुआ।
- **रक्तदान शिविर** का अयोजन 'रक्तदान महादान' इस ध्येय वाक्य को ध्यान में रखते हुए इस मुख्यालय द्वारा प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। वर्ष २०१८ में ४८ कैडेटों ने सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, बीएचयू में रक्तदान किया।

९.१९ बैंक एवं डाक घर

बैंक

विश्वविद्यालय परिसर में दो राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाएँ हैं जो छात्रों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को बैंकिंग सुविधाओं के साथ-साथ निवेश सम्बन्धि समस्त जरूरतों को भी पूरा करता है।

१. भारतीय स्टेट बैंक की निम्नलिखित चार शाखाएँ परिसर में कार्यरत हैं:

(अ) बी.एच.यू. मुख्य शाखा

(ब) शापिंग सेन्टर बी.एच.यू. शाखा

(स) आई.एम.एस. बी.एच.यू. शाखा

(द) आई.टी. शाखा (बी.एच.यू.)

वित्त मंत्री श्री अरुण जेटली ने २३ नवम्बर २०१७ को एसबीआई योनो (yono) ऐप को देश को समर्पित किया। इस ऐप के माध्यम से १४ अलग-२ श्रेणी में आपके लिए किताबें, कैब बुकिंग, मनोरंजन, खाना पीना, यात्रा, चिकित्सा सेवाएं, आनलाइन शॉपिंग इत्यादि शामिल होंगी।

२. बैंक आफ बड़ौदा, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय परिसर, का.हि.वि.वि.

उपरोक्त बैंकों के ४ एटीएम केन्द्र भी विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत हैं।

डाकघर

विश्वविद्यालय परिसर में डाकघर (कोर बैंकिंग सर्विस) निम्नलिखित तीन शाखाएँ कार्यरत हैं:

(अ) मुख्य विश्वविद्यालय डाकघर

(अ) बी.एच.यू. चिकित्सालय डाकघर

(ब) मालवीयनगर डाकघर

एच.वी.वी. डाकघर में उपलब्ध सुविधाएँ:

१. सभी तरह की बचत बैंक सुविधाएँ

२. मेघदूत मिलेनियम

३. बिजनेस पोस्ट

४. खुदरा पोस्ट

५. बी.एन.पी.एल. सर्विस

६. डाक जीवन बीमा पॉलिसी

७. आधार नामाकंन और अद्यतन सेवा

९.२०. बी.एच.यू. कम्प्यूटरीकृत रेलवे आरक्षण केन्द्र

बी.एच.यू. परिसर स्थित उत्तर रेलवे के आरक्षण केन्द्र ने १३ जून, २००६ से कार्य प्रारम्भ किया। इस केन्द्र में प्रात: ९ बजे से अपराह्न ३ बजे तक (रविवार को छोड़कर) परिसर एवं परिसर के बाहर के लोगों को रेलवे आरक्षण की सुविधा प्राप्त होती है।

९.२१. एयर स्ट्रिप एवं हेलीपैड

विश्वविद्यालय के छात्रों के बहुआयामी व्यक्तित्व को निखारने के उद्देश्य से ७ यू.पी. एयर दल के सहयोग से परिसर में एक हवाई पट्टी/हेलीपैड की भी व्यवस्था है, जहाँ भारी संख्या में विश्वविद्यालय के छात्र/कैडेट (कनिष्ठ व वरिष्ठ) को राष्ट्रीय स्तर का तकनीकी प्रशिक्षण के विस्तार की सुविधा है।

९.२२. विपणन संकुल

मरीजों एवं उनके सहयोगियों, आगन्तुओं, छात्रों एवं विश्वविद्यालय कर्मचारियों को उच्च गुणवत्तायुक्त अल्पाहार, शीतल पेय, कॉफी, चाय इत्यादि प्रदान करने के लिए १६५ दुकाने/ कियास्क/ आउटलेट / बैंक इत्यादि (राजीव गांधी दक्षिणी परिसर बरकच्छा) विश्वविद्यालय के विभिन्न भागों पर संचालित है।

९.२३. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय क्लब

महामना ने एक समग्र एवं अनूठे शैक्षणिक संस्थान के रूप में इस विश्वविद्यालय की स्थापना की जहाँ पूर्वी धर्म तथा पाश्चात्य विचार आपस में घुलमिल सकें और उनके बीच जीवन्त संवाद हो सके। यह मेल जोल और संवाद न केवल पृथक-पृथक माध्यम से हो बल्कि एक महत्वपूर्ण सामूहिक भवन के जरिए अनौपचारिक तरीके से हो जिसे वह विश्वविद्यालय क्लब कहा करते थे। उन्होंने सन् १९३४ में इसकी स्थापना इस उद्देश्य की थी कि यह क्लब योग्यता व उत्कृष्टता की संस्थागत विचारधारा की पूर्ति अपने बहु-विषयी श्रेष्ठ ज्ञान के आदान-प्रदान के जरिए करेगा। तब से लेकर पिछली शताब्दी के अन्त तक, यह क्लब अनिवार्य रूप से एक संवाद केन्द्र रहा है, जहाँ काली चाय का स्वाद लेते हुए, विविध प्रदेशों के सदस्य इनडोर खेलो, जिसमें दाव रहित ताश के खेल भी शामिल थे, का आनन्द लेते थे, विभिन्न मतावलंबी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सम्पूर्ण शैक्षणिक तथा प्रशासनिक समुदाय के प्रति अपनेपन के भाव के साथ एक विशेष माहौल पैदा करते थे। यह एक अनौपचारिक मिलन केन्द्र था, जहाँ एक समय किसी को भी यह 'लघु भारत' प्रतीत होता था, समवेत रूप में सुन्दरम् सांस्कृतिक अभिव्यक्ति थी। विभिन्न प्रकार के दावतों का आनंद उठाते थे। तथा विविध गतिविधियों में बिना किसी पदानुक्रम के नियमों के, अनुशासित रूप से, विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते थे। विश्वविद्यालय क्लब अपने संकाय तथा प्रशासकों के सुन्दरतम् सांस्कृतिक शिष्टता को प्रतिबिंबित करता था।

नई शताब्दी के आरम्भ के साथ ही, विश्वविद्यालय क्लब की भूमिका भी परिवर्तित हो गयी है। जहाँ पहले इसकी भूमिका विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में थी, वही अब यह विश्वविद्यालय के लिए आय का स्रोत बन गया है। प्रतिवर्ष इसमें विवाह तथा अन्य कार्यक्रमों के आयोजन से अच्छी-खासी आय प्राप्त हो जाती है। विश्वविद्यालय क्लब विश्वविद्यालय के सामासिक संस्कृति का कई वर्षों से प्रतिनिधित्व कर रहा है।

९.२४. छात्र कल्याण

९.२४.१ संस्थापन सेवा

कृषि विज्ञान संस्थान

पर्यावरण और धारणीय विकास संस्थान

शिक्षण और अनुसंधान के अलावा, आईईएसडी के संकायों ने ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में छात्रों को वैज्ञानिक कार्य के लिए प्रशिक्षित किया। एम.एससी. टेक एनवायरनमेंट साइंस एंड टेक्नोलॉजी के अंतिम वर्ष के ५ छात्रों का वर्तमान सत्र में रैमकी एनवायरो इंजीनियर्स लिमिटेड, हैदराबाद में चयन हुआ।

प्रबंधशास्त्र संस्थान

विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित कंपनियों की भागीदारी और प्रतिष्ठित नौकरियों के प्रस्ताव के साथ २०१७-१९ बैच के एमबीए, एमबीए इन्टरनेशनल बिजनेस और एमबीए एग्री बिजनेस के छात्रों के लिए प्लेसमेंट की एक सराहनीय शुरुआत हुई। बीएफएसआई (बैंकिंग,

कंपनी का नाम	बी.एससी.	एम.एससी.	पीएच.डी.	कुल चयनित
एचडीएफसी	४	-	-	४
जुबिलेंट लाइफ साइंसेज	४	-	-	४
एडवेंट्ज	३	-	-	३
बीआरएलपीएस	२	४	-	६
एएसआईएनटीएल	३	२	-	५
एनएसपीडीटी	६	-	-	६
वीएनआर सीड्स	५	५	-	१०
सिनजेन्टा फाउंडेशन	२	१	-	३
प्रदान	२	१	-	३
रैलीज इंडिया	२	-	-	२
एनईएमएल	-	१	-	१
यूपीएसआरएलएम	-	६	-	६
नुजीवेडु	-	२	-	२
रासी	-	३	-	३
धनुका	-	१	-	१
कैशफर	-	३	-	३
जैन इरीगेशन	-	३	-	३
सहगल फाउंडेशन	-	२	१	३
एमआरएसआरएलएम	-	४	-	४
केलग्स	-	२	-	२
जीएसके	-	१	-	१
नेस्ले	-	२	-	२
एएकेएएमएएनआई	-	१	-	१
कोंपो एक्सपर्ट	-	१	-	१
नागार्जुन फर्टिलाईजर	-	४	-	४
अल्केम	-	१	-	१
रेकीट बैन्काइजर	१	१	१	३
कुल	**३४**	**५१**	**२**	**८७**

वित्तीय सेवा और बीमा) के क्षेत्र में आईसीआईसीआई बैंक, उज्जीवन, आईडीबीआई कैपिटल, एसबीआई लाइफ, आईडीएफसी बैंक, महिंद्रा फाइनेंस, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी, उत्कर्ष बीएसबी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां आईं और कॉर्पोरेट बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं में एमबीए, एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस और एमबीए एग्री बिजनेस के छात्रों को आकर्षक भूमिकाएं और अवसर प्रदान किया।

विज्ञान संस्थान

भूविज्ञान विभाग

एम.एससी (टेक) और एम.एससी के बहुतायत छात्रों को ओएनजीसी, कोल इंडिया लिमिटेड, एटॉमिक मिनरल्स डिवीजन (एएमडी), मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमईसीएल) मोनेट इस्पात, विप्रो, टाटा स्टील, बीएआरसी, एचजेडएल, वेदांता आदि जैसी कंपनियों से चयन का प्रस्ताव मिला। अंतिम वर्ष के तीन छात्रों का चयन प्रिज्म सीमेंट, वेदांत और बीएआरसी जैसी कंपनियों में हुआ है।

विभाग के अधिकांश स्नातकोत्तर छात्र वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनजीआरआई), फिजिकल रिसर्च लेबोरेटरी (पीआरएल), सीआईएमएफईआर, जीएसआई, इसरो और बीएआरसीआदि जैसे प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थानों में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए जाते हैं।

भूभौतिकी विभाग

एमएससी (टेक) के अंतिम वर्ष के छात्रों के साथ-साथ पिछले वर्ष उत्तीर्ण छात्रों को यूपीएससी के माध्यम से जीएसआई में, अन्य सरकारी, अर्ध-सरकारी और निजी संगठनों मे चयन हुआ है। वर्तमान सत्र के दौरान कैंपस साक्षात्कार के माध्यम से भूभौतिकी के सात छात्रों का चयन ओएनजीसी मे हुआ। दिसंबर २०१८ और जनवरी २०१९ में सेमेस्टर ब्रेक के दौरान प्रथम और द्वितीय वर्ष (अन्वेषण और साथ ही मौसम विज्ञान विशेषज्ञता) के छात्रों को शैक्षिक दौरे/क्षेत्र प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था।

रसायन विज्ञान विभाग

वर्तमान वर्ष के दौरान, सिप्ला और रेड्डी नामक दो कंपनियों ने विभाग में कैंपस चयन किया और पच्चीस में से सात छात्रों का चयन किया।

भौतिकी विभाग

हमारे अधिकांश छात्र आईआईटी, आईआईएससी, टीआईएफआर, आईआईएसईआरएस, एनआईएसईआर, डीआरडीओ, सीएसआईआर अनुसंधान प्रयोगशालाओं, डीएई संस्थानों जैसे विभिन्न संगठनों में उच्च शिक्षा के लिए जाते हैं।

जैव प्रौद्योगिकी स्कूल

सीएसआईआर/यूजीसी -नेट, आईसीएमआर और डीबीटी जेआरएफ जैसे राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षाओं में हमारे छात्रों का प्रदर्शन और सफलता दर ८०% से ऊपर है।

मंच कला संकाय

सोलह छात्रों की नियुक्ति देश के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों में हुई; पांच नवोदय विद्यालय में, दो छात्रों की नियुक्ति पीजीटी शिक्षक के रूप में हुई, एक टीजीटी ग्रेड के रूप में, एक डीएवी स्कूल, खारघर, नवी मुंबई में और एक की नियुक्ति परमाणु ऊर्जा शिक्षा सोसायटी में हुई। वर्तमान सत्र के दौरान चार छात्रों की नियुक्ति सहायक प्रोफेसर के रूप में देश और विदेश के विश्वविद्यालयों में हुई।

शिक्षा संकाय

इस सत्र के दौरान, कई शैक्षणिक संस्थानों जैसे टैगोर शिक्षण संस्थान, नागौर, राजस्थान, सी. पी. शिक्षा अकादमी, नोएडा, सनबीम मुगलसराय और इंटरनेशनल हिंदू स्कूल, नगवा ने कैंपस प्लेसमेंट के लिए दौरा किया। इस कैंपस प्लेसमेंट में कुल अठहत्तर छात्र शामिल हुए और जिनमे से स्कूलों में नियुक्तियों के लिए सैंतालीस छात्रों का चयन किया हुआ।

आनुवांशिक विकार केंद्र

गुणसूत्र, आनुवांशिक और आणविक निदान में एक वर्षीय पी.जी.डिप्लोमा पाठ्यक्रम को यूजीसी ने अपने इनोवेटिव रिसर्च प्रोग्राम के तहत फंडिंग के लिए चुना है। केंद्र ने प्लेसमेंट के लिए फार्मास्युटिकल उद्योगों और अन्य आर एंड डी प्रयोगशालाओं आदि से संपर्क किया। हमारे कुछ पूर्व छात्रों का चयन एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ, आईएमएस बीएचयू, सरकारी स्कूल, डीबीटी और आईसीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बीएचयू, सर गंगा राम हास्पिटल, नई दिल्ली आदि जैसे संस्थानों में हुआ।

खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र

एक छात्र का चयन खाद्य सुरक्षा अधिकारी के रूप हुआ; दो छात्रों का बैंक में चयनय अधिकांश छात्र प्रतिष्ठित खाद्य उद्योगों में चयनित हुए; तीन छात्रों का चयन बीएचयू कैंपस प्लेसमेंट में हुआ है

समन्वित ग्रामीण विकास केंद्र

दो छात्रों को का चयन झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसायटी मुख्यालय: रांची, झारखंड मे हुआ; छ: छात्र कैशपोर माइक्रो क्रेडिट मुख्यालय: वाराणसी, उत्तर प्रदेश में; दो छात्र एक्शन फॉर सोशल एडवांसमेंट (एएसए) मुख्यालय: भोपाल, मध्य प्रदेश में; नौ छात्र पीरामल फाउंडेशन (गांधी फैलोशिप) मुख्यालय: मुंबई, महाराष्ट्र में; तेरह छात्र केयर इंडिया, बिहार मुख्यालय: पटना, बिहार; एक उत्कर्ष लघु वित्त बैंक मुख्यालय: वाराणसी, उत्तर प्रदेश में; एक मेधा मुख्यालय: लखनऊ, उत्तर प्रदेश में; एक गूंज मुख्यालय: नई दिल्ली में चयनित हुआ।

राजीव गांधी दक्षिणी परिसर

- रा.गा.द.प. का एमबीए (एग्रीबिजनेस) पाठ्यक्रम प्रशिक्षण और रोजगार के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों और संगठनों जैसे पर्ल अकादमी, शवाना सीड्स, सिनोकैम, चंबल फर्टिलाइजर्स, डु-पोंट पायनियर, अंसल एपीआई, बैंडेड माइक्रोफाइनेंस, महिंद्रा टेक, पान बीज, धानुका एग्रीटेक, इंडोगल्फ फर्टिलाइजर्स, एएसए माइक्रोफाइनेंस, कैशपोर माइक्रोफाइनेंस, जेवीएल एग्रो, डाबर आयुर्वेद आदि से जुड़ा हुआ है।
- मास्टर ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म के छात्रों की नियुक्ति कॉक्स एंड किंग्स, ग्रीट होलिडेज, यात्रा डॉट कॉम, मौजी डॉट कॉम आदि जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में सफलतापूर्वक हुई है।
- पत्रकारिता और जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के छात्र विभिन्न मीडिया हाउसों जैसे ईटीवी भारत, टाइम्स ऑफ इंडिया, दैनिक जागरण और हिंदुस्तान टाइम्स से जुड़े हैं।
- एम.एससी (मृदा विज्ञान- मृदा और जल संरक्षण) और एम.एससी (एग्रोफॉरेस्ट्री) के छात्र वीएनआर सीड्स प्राइवेट लिमिटेड, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, एग्रीबिजनेस सिस्टम इंटरनेशनल (एनजीओ) और भारत के अन्य सरकारी और गैर-सरकारी कृषि संगठनों में कार्यरत हैं। छात्र अपनी ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप आईसीएआर भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान- (देहरादून) में कर रहे हैं। एम.एससी (एग्रोफोरेस्ट्री) के श्री पासुपुलति सुमन्थ का चयन आंध्र प्रदेश की राज्य सरकार में कृषि विस्तार अधिकारी के रूप में हुआ है।
- बी. फार्मा (आयुर्वेद) और एम.फार्मा (आयुर्वेद), के छात्रों को श्री बैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड में प्रशिक्षण के लिए चुना गया है। साथ ही छात्रों की नियुक्ति श्री बैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड, इमामी लिमिटेड, पतंजलि आयुर्वेद और चरक जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में हुई।
- रा.गा.द.प. बी.एससी (कृषि) के छात्रों का बैंकिंग क्षेत्र, भारत के सरकारी और गैर-सरकारी कृषि संगठनों में सफल चयन हुआ है। सुश्री नेहा टंडन का प्रवेश भारतीय प्रबंधन संस्थान (अहमदाबाद) में तथा सुश्री चंचल सिंह का प्रवेश भारतीय विज्ञान संस्थान (हैदराबाद) में हुआ। छात्र भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (लखनऊ) में अपनी ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कर रहे हैं।
- एम.एससी. (टेक.) पर्यावरण विज्ञान के छात्रों का विभिन्न संगठनों जैसे रामकी एन्वायरों इंजीनियर्स लिमिटेड में सफल चयन हुआ। कुछ छात्रों ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की।
- डीडीयू कौशल केंद्र, बीएचयू में मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, रिटेल लॉजिस्टिक एवं मैनेजमेंट तथा हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट के छात्रों के लिए कैंपस चयन हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया गया। जिसमे भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियां जैसे पैथकाइंड लैब्स, पैथकेयर लैब्स, रामकृष्णा मिशन और स्वीडन के एम हॉस्पिटल आदि ने छात्रों को अच्छे पैकेज चयन हुआ।

वसंता कॉलेज फॉर वुमेन

देश भर में विभिन्न शिक्षण और प्रशासनिक पदों कुल ०८ छात्राओं का चयन हुआ।

वसंत कन्या महाविद्यालय

गृह विज्ञान के स्नातकोत्तर की छात्राओं की इंटर्नशिप के लिए दो कंपनियों, सम्यक क्रिएशन्स और उमराई फैशन, इंडस्ट्रियल इस्टेट, लहतारा से संपर्क किया गया।

९.२४.२. विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र

'माडल ब्यूरो' के नाम से ख्याति-प्राप्त विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मन्त्रणा केन्द्र देश का सम्भवत: प्रथम केन्द्र है, जिसकी स्थापना जून १९५९ में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, रुइया हॉस्टल, मेडिकल ब्लाक में की गयी थी। राष्ट्रीय नियोजन सेवा की ऐसी इकाइयां इस समय देश के लगभग ८२ विश्वविद्यालयों में कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का प्रयास है कि देश के सभी विश्वविद्यालयों में सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्रों की स्थापना की जाय। विश्वविद्यालय जीवन में केन्द्र की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण तथा चुनौतियों से भरपूर है। शिक्षित नवयुवकों तथा युवतियों को समुचित शैक्षणिक और व्यावसायिक मार्ग निर्देशन देकर, उनका भविष्य निर्माण करना, इन केन्द्रों का प्रमुख दायित्व है। विश्वविद्यालय के छात्र तथा छात्राओं को परिसर में ही शैक्षणिक तथा व्यावसायिक मार्ग निर्देशन सेवाएं उपलब्ध करायी जा सकें, इस उद्देश्य से इस केन्द्र का सूत्रपात किया गया था। विश्वविद्यालय की प्राचीन

परम्पराओं तथा गरिमा के अनुकूल छात्रोपयोगी सेवाएं अर्पित करने की दिशा में केन्द्र सर्वथा प्रतिबद्ध रहा है।

पंजीयन, सम्प्रेषण और प्लेसमेण्ट,कॅरियर स्टडीज एंव व्यावसायिक शोध, रोजगार एवं स्वरोजगार सम्बन्धी सूचना, शिक्षण-प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति/अधिवृत्ति से सम्बन्धित सूचना,व्यावसायिक निर्देशन एवं कैरियर काउंसिलिंग : व्यक्ति एवं सामूहिक,कैम्पस भर्ती।

व्यावसायिक सूचना कक्ष की स्थापना एक बड़े हाल में की गयी है। इस कक्ष को केन्द्र की सूचना सेवाओं का मेरूदण्ड कहना अधिक उपयुक्त होगा। कक्ष में कुल ८० फोल्डर है जिनका वर्गीकरण संकाय, उद्योग, संस्था तथा विभिन्न अनुभागों में किया गया है। कक्ष का महिला अनुभाग, अपना रोजगार अनुभाग, चिकित्सा तथा प्राविधिक शिक्षा अनुभाग, प्रतियोगितात्मक अनुभाग, राष्ट्रीय विकास और प्रतिरक्षा अनुभाग, रोजगार क्षेत्र सूचना अनुभाग आदि छात्रों में विशेष लोकप्रिय है। देश तथा विदेशों में उपलब्ध शिक्षा, प्रशिक्षण, रोजगार, छात्रवृत्ति, अधिवृत्ति आदि सम्बन्धित सूचना वर्गीकृत रूप से कक्ष में उपलब्ध करायी गयी हैं।

व्यावसायिक सूचनाओं का संकलन, अध्ययन, अनुशीलन, संदर्शन, वर्गीकरण तथा संरक्षण करना केन्द्र का प्रमुख दायित्व है। केन्द्र की समस्त सूचना तथा निर्देशन सेवाएं उपयुक्त सूचना साहित्य की उपलब्धि तथा उपादेयता पर ही आधारित है। छात्रों की व्यक्तिगत तथा सामूहिक आवश्यकताओं के अनुसार ही सूचना साहित्य का संग्रहण तथा सन्दर्शन किया जाता है। वांछित सूचना तत्काल उपलब्ध न होने पर सम्बन्धित स्थानों से मंगा कर अभ्यर्थियों को उपलब्ध करायी जाती है।

व्यावसायिक परामर्श इकाइयों का संचालन केन्द्र के निर्देशन में, विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में किया जा रहा है। ऐसी इकाइयां हमारी सेवाओं को लघु रूप में अपने छात्रों को उपलब्ध कराती है। किशोरावस्था में निर्देशन की महत्ता का अनुभव करते हुए केन्द्र इन इकाइयों को अधिकाधिक सूचना सम्पन्न तथा सुदृढ़ बनाने की दिशा में प्रयत्नशील है। केन्द्र इन्हीं के माध्यम से सम्बन्धित संस्थाओं में व्यावसायिक वार्ताओं का आयोजन कर, छात्रों को भावी जीवन की ठोस व्यावसायिक योजना बनाने में सहायता करता है।

केन्द्र के पुस्तकालय में कीमती तथा उपयोगी सन्दर्भ साहित्य उपलब्ध है। पत्र-पत्रिकाओं के अतिरिक्त विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम, नियमावली, प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के निर्देशन-साहित्य, स्वत: नियोजन, व्यवसाय प्रोन्नयन, व्यावसायिक मार्ग निर्देशन, आत्मविकास आदि से सम्बन्धित छात्रोपयोगी साहित्य पुस्तकालय में एकत्रित किया जा रहा है।

केन्द्र द्वारा व्यावसायिक शोध, अध्ययन, साहित्य सृजन तथा प्रकाशन सम्बन्धी कार्य अनवरत रूप से किया जा रहा है। प्रकाशन की तीन मालाओं 'प्लान ए कैरियर सीरीज' 'नो योर सब्जेक्ट सीरीज' तथा 'गाइडेन्स लीफ्लेट सीरीज' में अब तक कुल ५१ पुस्तकों, पुस्तिकाओं तथा विवरणिकाओं का प्रकाशन किया जा चुका है। समय-समय पर रोजगार सर्वेक्षण आयोजित कर प्रतिवेदन प्रकाशित किए जाते हैं।

प्लान ए कॅरियर सीरीज के अन्तर्गत प्रकाशित साहित्य का विषय-वस्तु अपेक्षाकृत अधिक विस्तृत तथा सारगर्भित होता है। ये पुस्तकें विविध पाठ्य-विषयों से सम्बन्धित उच्चशिक्षा, प्रशिक्षण, रोजगार, स्वत: रोजगार आदि के साथ-साथ विदेशों में उपलब्ध विशेषीकरण और व्यावसायिक अवसरों की जानकारी देती है। व्यक्तिगत निर्देशन के अवसर पर छात्रों तथा अभ्यर्थियों को उनकी आवश्यकतानुसार इन पुस्तकों की प्रतियां उपलब्ध करायी जाती हैं। केन्द्र के सभी प्रकाशन नि:शुल्क रूप से देश के समस्त व्यवसाय निर्देशन से सम्बन्धित अभिकरणों, प्रमुख पुस्तकालयों, संस्थाओं आदि को प्रेषित किए जाते हैं।

पत्राचार निर्देशन सेवा केन्द्र की विशिष्ट सेवाओं में एक है। देश के सभी भूभागों से छात्रों, अभ्यर्थियों, संस्थाओं तथा अभिभावकों से पृच्छाएं प्राप्त होती रहती हैं जिनका समुचित उत्तर दिया जाता है। कभी-कभी केन्द्र को बड़ी जटिल तथा समस्यापरक पृच्छाओं का भी निराकरण करना पड़ता है।

विदेशों में उच्चाध्ययन तथा रोजगार के प्रति विश्वविद्यालय के छात्रों तथा अध्यापकों में विशेष आकर्षण दृष्टिगत होता है। सूचना कक्ष में अमेरिका, कनाडा, इंग्लैण्ड, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, रूस, जापान, आदि देशों से सम्बन्धित शिक्षा, छात्रवृत्ति, प्रवेश नियम, भौगोलिक परिस्थितियाँ आदि सम्बन्धी सूचना अलग-अलग पत्रावलियों में सन्दर्शित की गई है। विदेशी विनिमय, पारपत्र, वीजा, पूर्व परीक्षा आदि में भी अद्यावधिक जानकारी दी जाती है।

रोजगार सूचना सहायता सभी इच्छुक अभ्यर्थियों को दी जाती है किन्तु पंजीयन की सुविधा केवल स्नातकोत्तर तथा व्यावसायिक स्नातकों (कृषि, चिकित्सा, तकनीकी, प्रौद्योगिकी, कानून, शिक्षा, पुस्तकालय विज्ञान, प्रबन्ध शास्त्र आदि) तक ही सीमित है।

नियोजन हेतु पंजीकृत अभ्यर्थियों के विवरण तथा आवेदन पत्र सम्बन्धित नियोजको को, उनकी मांगों के सन्दर्भ में, प्रेषित किए जाते है। ऐसी रिक्तियों की सूचना केन्द्र को सीधे नियोजक से, स्थानीय तथा देश के अन्य सेवायोजन कार्यालयों तथा केन्द्रीय सेवायोजन कार्यालय, नई दिल्ली से प्राप्त होती है।

प्लेसमेन्ट सेल: केन्द्र में स्थापित प्लेसमेन्ट सेल द्वारा समय-समय पर विभिन्न कम्पनियों के लिए कैम्पस प्लेसमेन्ट पर कार्य किया जा रहा है।

इण्टरनेट की सुविधा: केन्द्र में आने वाले आगन्तुकों एवं अभ्यर्थियों को उनकी आवश्यकता अनुसार सेवायोजन, प्रवेश से सम्बन्धित जानकारी, छात्रवृत्ति/अधिवृत्ति आदि से सम्बन्धित सूचना इण्टरनेट के माध्यम से प्रदान की जाती हैं।

कैरियर परामर्श

समय –समय पर कैरियर परामर्श सत्रों का आयोजन किया जाता है जिससे छात्रों को अपने कौशल और अपनी नौकरी की उम्मीदों के अनुरूप एक क्षेत्र चुनने में मदद मिलती है। इस प्रकार कैरियर परामर्श की सहायता से अधिकांश उम्मीदवार सही कैरियर का चयन करते हैं और अपने स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं जो अंतत: उन्हें सफल होने में मदद करता है।

एक कैरियर चुनने के लिए एक सूचित विकल्प बताने का कार्य करती है।

कैरियर परार्मश कार्यक्रम (समाधान अवसर)

समाधान अवसर का आयोजन ०१ अप्रैल २०१८ से ३१ जुलाई २०१८ के दौरान किया गया है। इस कार्यक्रम को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्रों को कैरियर अन्वेषण, कैरियर परिवर्तन, व्यक्तिगत कैरियर विकास और अन्य कैरियर से संबंधित चीजों के बारे में जानना और समझना है। कुल ११७१ छात्रों ने विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो और वाराणसी के विभिन्न कॉलेजों के परिसर में आयोजित १३ कार्यक्रमों से कैरियर की जानकारी प्राप्त की।

अपना व्यवसाय चुनिए पखवाड़ा

अपना व्यवसाय चुनिए पखवाड़ा का आयोजन छात्रों व नौकरी चाहने वालों व नियोक्ता और आम जनता के बीच ब्यूरो की व्यावसायिक मार्गदर्शन सेवाओं के लिए व्यापक प्रचार हेतु १५ अगस्त २०१८ से ३१ अगस्त २०१८ के दौरान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कैरियर योजना के साथ कई संबंधितों से सराहनीय प्रतिक्रिया मिली। स्कूलों और कॉलेजों में ब्यूरो द्वारा ०५ कार्यक्रम आयोजित किए गए थे और इससे ८१५ जॉबसीकर्स को फायदा हुआ।

कैरियर काउंसिलिंग तथा व्यक्तित्व विकास (अवसर शिविर): प्रोग्राम अगस्त २०१८ से मार्च २०१९ के महीने तक आयोजित हुआ। कार्यक्रम में वाराणसी, मिर्जापुर और जौनपुर के ३५ कॉलेजों के ४३२३ छात्र व छात्राओं को कैरियर की जानकारी दी गई।

कैरियर काउंसिलिंग कार्यक्रम (अवसर शिविर): जनवरी २०१९ के महीने में आयोजित इस कार्यक्रम ने मां शांति देवी महाविद्यालय, नारायणपुर, मिर्जापुर कॉलेज में ४९ छात्रों को लाभान्वित किया गया है।

विश्वविद्यालय सेवायोजना सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र ने नेशनल सर्विस, श्रम और रोजगार मंत्रालय के तहत भारत सरकार के मिशन मोड परियोजना का स्वागत किया है। इस योजना के तहत ब्यूरो के परिसर में मॉडल कैरियर सेंटर की स्थापना की जा रही है।

सरकार अब एनसीएस की एक महत्वपूर्ण गतिविधि के रूप में कैरियर काउंसलिंग पर अधिक ध्यान दे रही है ताकि हमारे इच्छुक सेवाओं को उनकी योग्यता के अनुसार सही कैरियर विकल्प मिल सके और वे विकास को बढ़ाने के लिए बेहतर कौशल के साथ कार्यबल में शामिल हो सकें। इसमें नौकरी करने वालों और प्रदाताओं के लिए एक वास्तविक विनिमय मंच के रूप में कैरियर केंन्द्रो को विकसित करने की दृष्टि है। इन केंद्रों को शैक्षणिक संस्थानों और संभावित उद्योगो के साथ जोड़ने के लिए एक रोड मैप विकसति किया है।

मॉडल कैरियर सेंटर

मॉडल कैरियर सेंटर – बीएचयू ने ०१ जुलाई २०१७ को लॉन्च किया है अब तक हमने एनसीएस पोर्टल के तहत २५३६ जॉब सीकर पंजीकृत किए हैं।

यह कैरियर सेंटर स्थानीय युवाओं और अन्य नौकरीपेशा लोगों को नौकरी के सभी पारदर्शी और प्रभावी तरीके से प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ-साथ परामर्श और प्रशिक्षण के माध्यम से जोड़ता है। हालांकि अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी संचालित राष्ट्रीय कैरियर सेवा पोर्टल: www.ncs.gov.in निरंतर तरीके से कार्य केंद्रों के लिए उपलब्ध नौकरी के अवसरों और संसाधनों के बारे में प्रभावी जानकारी प्रदान करेगा। कैरियर केंद्रो का महत्वपूर्ण विस्तार होगा और ग्रामीण, अर्ध शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ समाज के वंचित वर्गों के लाखों आकांक्षी युवाओं के लिए राष्ट्रीय कैरियर सेवा का परामर्श इंटरफेस हैं।

एनसीएस पोर्टल की विशेषताएं: उम्मीदवारों का ऑनलाइन पंजीकरण, पैन/आधार आधारित संत्यापन, रिक्तियों की खोज, काउंसलर आदि और कैरियर सामग्री का मूल्यवान भंडार, नौकरी मेलो की भागीदारी, काउंसलिंग और मार्गदर्शन सेवाओं का पंजीकरण।

- प्रतिष्ठानों का ऑन-लाइन पंजीकरण,नौकरी की रिक्तियों को पोस्ट करना और प्रबंधित करना, कुशल कर्मचारियों की खोज, नौकरी मेलों में भागीदारी।
- काउंसलर और मार्गदर्शन विशेषज्ञों का ऑनलाइन पंजीकरण –पैन/आधार आधारित सत्यापन,परामर्श/मार्गदर्शन सेवाएं प्रदान करना।
- स्थानीय सेवा प्रदाताओं (प्लंबर, ड्राइवर, इलेक्ट्रीशियन आदि) का ऑनलाइन पंजीकरण
- एकाधिक वितरण चैनल रोजगार कार्यालय (कैरियर केंद्र) सामान्य सेवा केंद्र
- इंटरनेट और मोबाइल आधारित पहुंच
- मूल्य वर्धित सेवाएँ एसएमएस, ई-मेल और आईवीआरएस आदि के माध्यम से अपडेट/सूचनाएं/अलर्ट।
- पंजीकरण और प्रोफाइल अपडेशन आदि में उम्मीदवारों और प्रतिष्ठानों की मदद के लिए मल्टी लिंगुअल कॉल सेंटर (१८००-४२५-१५१४) सेवाएं।

व्यक्तिगत कैरियर परामर्श

मॉडल कैरियर सेंटर-वाराणसी में नियुक्त यंग प्रोफेशनल के माध्यम से छात्रों / जॉब सीकर्स को मुफ्त कैरियर परामर्श प्रदान करना शुरू कर दिया है। छात्र काउंसलिंग सत्र के लिए अपनी सीट को व्यक्तिगत रूप से कार्यालय में जाकर या एनसीएस पोर्टल www.ncs.gov.in पर जाकर बुक कर सकते हैं।

इस प्रकार व्यक्तिगत कैरियर परामर्श के माध्यम से कुल २३७ छात्रों के पास दिशा लक्ष्य आत्मविश्वास है और उन्हें प्राप्त करने में सक्षम है।

नेशनल कैरियर सर्विस पर नौकरी करने वालों का पंजीकरण कैरियर सेंटर आईडी www.ncs.up.mcc.hpmathur **के माध्यम से:** एक स्थान के माध्यम से पूरे भारत की नौकरी की जानकारी,

नौकरी रिक्तियों के लिए आवेदन में आसानी, एकाधिक एक्सेस चैनल, काउंसलर के पंजीकृत नेटवर्क के माध्यम से कैरियर परामर्श सेवा, पंजीकृत उपयोगकर्ताओं के लिए अनुकूलित अलर्ट,मूल्यांकन परीक्षणों तक पहुंच, नौकरी मेलों तक पहुंच,

- वर्तमान वर्ष में मॉडल कैरियर सेंटर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी ने कुल ११८२ जॉब सीकर पंजीकृत किए हैं।
- मॉडल कैरियर सेंटर ने अपने परिसर में कुछ प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया है जो उम्मीदवारों ने कुल -८७ पद हासिल किए।

National Career Service
सही अवसर, सही समय
Right Opportunities, Right Time

मॉडल कॅरियर सेन्टर, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

वर्तमान वर्ष में किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण

- पंजीयन (एन.सी.एस. पोर्टल पर) -११८२
- व्यक्तिगत सूचना -२३७
- पंजीयन मार्गदर्शन (एन.सी.एस. पोर्टल) -६६८०
- व्यक्तिगत मार्गदर्शन -२३७
- सामूहिक मार्गदर्शन -६६८०
- स्कूल/कॉलेज में वार्ता -५४
- विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अभ्यर्थियों की संख्या -६३५८
- सूचनाकक्ष में आने वाले आगंतुक -२१०९
- विशिष्ट आगंतुक -४४
- सेवायोजन से सम्बन्धित सम्पर्क -३३
- व्यावसायिक मार्गदर्शन से सम्बन्धित सम्पर्क -५४
- कैम्पस प्लेसमेन्ट -८७
- कैम्पस साक्षात्कार में भाग लेने वाले अभ्यर्थी -९५७

९.२४.३. छात्र परिषद् कार्यालय

छात्र परिषद् द्वारा वर्तमान सत्र में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गये:

''अर्न व्हाइल लर्न'' कार्यक्रम- ५०० जरूरतमंद एवं मेधावी छात्रों को विश्वविद्यालय परिसर के अन्दर विभिन्न स्थानों पर केवल धन अर्जित करने के लिए ही नहीं बल्कि अनुभव प्राप्त करने के लिए भी विभिन्न स्थानों पर जैसे- विभाग की लाइब्रेरी, संकायोंके कार्यालय, सर सुन्दरलाल अस्पताल, साइबर कैफे इत्यादि पर कार्य प्रदान किये गये।

'दृष्टि' शोध पत्रिका सातवां संस्करण- दिनांक २०.०९.२०१९ ''दृष्टि'' शोध पत्रिका का सातवां संस्करण प्रकाशित किया गया। इस संस्करण में शोध पत्र तीन भाषाओं (हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी) में प्रकाशित किये जायेंगे। सभी पत्रों को पुन:पढ़ा गया है और उसमें आवश्यक संशोधन हेतु लेखकों को भेज दिया गया है। लगभग सभी शोध पत्रों को लेखकों से प्राप्त करने के बाद प्रेस में प्रकाशन हेतु भेज दिया गया है।

छात्र परिषद् द्वारा विश्वविद्यालय के युवाओं के लिए एक अतिरिक्त पत्रिका भी **''युवा आवाज''** के नाम से प्रकाशित की जाती है। इस पत्रिका में मुख्य रूप से कविता, लघु कथा जो काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा रचित होती है प्रकाशित की जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को लिखने हेतु प्रेरित करना है।

कवि सम्मेलन – दिनांक २७/०२/२०१९ को एम्फीथियेटर मैदान में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें विश्वप्रसिद्ध १० कवियों जिनके नाम निम्नलिखित है- श्री मेयार सनेही, श्री राजेश रेड्डी, श्री रमेश शर्मा, श्री भाल चन्द्र त्रिपाठी, श्री कमलेश राय, श्री राजेश राही, श्री अरूण गोपाल, श्री प्रकाश उदय द्वारा अपनी रचनात्मक कविताओं को प्रस्तुत किया गया। उन सभी छात्रों को भी कविता पाठ के लिए निमंत्रित किया गया जिन्होंने 'स्पंदन' में अपनी कृतियों को प्रस्तुत किया था तथा उसे वहाँ सराहा गया था।

९.२४.४. नगर छात्र निकाय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ऐसे सभी छात्र जो छात्रावास में न रह कर शहर के विभिन्न अंचलों या विश्वविद्यालय परिसर में निवास करते हैं, उनका पंजीकरण नगर छात्र-निकाय के संरक्षण में किया जाता है। ऐसे छात्रों के शैक्षिक, सांस्कृतिक व बौद्धिक विकास के दायित्व का निर्वहन नगर छात्र-निकाय विभिन्न ईकाइयों के मुख्य संरक्षक एवं संरक्षकों की देख-रेख में किया जाता है। नगर छात्र निकाय की कुल पाँच इकाइयाँ निम्नलिखित हैं :

१. पूर्वी निकाय
२. पश्चिमी एवं डी.एल.डब्ल्यू. निकाय
३. उत्तरी निकाय
४. दक्षिणी एवं रामनगर निकाय
५. महिला महाविद्यालय इकाई (केवल छात्राओं के लिए)

नगर छात्र निकाय नगरीय छात्रों के लिए टेबल-टेनिस, शतरंज, कैरम, फुटबॉल, बालीबॉल, कबड्डी व क्रिकेट इत्यादि खेलकूद के अतिरिक्त स्तरीय प्रतियोगी पत्रिकाएं, दैनिक समाचार पत्र (हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में) आदि छात्रों के अध्ययनार्थ उपलब्ध कराता है।

नगर छात्र निकाय द्वारा प्रतिवर्ष बहुउद्देश्यीय क्रिया-कलापों तथा विभिन्न प्रकार के साहित्यिक तथा सांस्कृतिक निबन्ध लेखन, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, सुभाषण, कार्टूनिंग पेंटिंग, फोटोग्राफी, पोस्टर मेकिंग, मेंहदी, रंगोली, वादन (सितार, तबला, बॉसुरी एकल गायन व काव्य पाठ) इत्यादि 'उन्मेष' प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

इसी क्रम में वर्तमान सत्र में नगर छात्र निकाय द्वारा आयोजित 'उन्मेष' प्रतियोगिताओं में ६२० छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विशेष समारोह उन्मेष में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। वर्तमान सत्र का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह ०५ अप्रैल, २०१९ को आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता प्रो.आर.पी राय,

विभागाध्यक्ष एवं संकाय प्रमुख, विधि संकाय, का.हि.वि.वि. ने की। विजेता ८५ प्रतिभागियों को प्रो. आर.पी. राय द्वारा प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। इस समारोह के मौके पर छात्र अधिष्ठाता के अतिरिक्त अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

९.२४.५. समान अवसर एवं समावेशी पद्धति छात्र कल्याण : अनु.जाति/अनु.जनजाति

(क) अनु.जाति/अनु.जनजाति के लिए विशेष प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में सम्पर्क अधिकारी के रूप में संयुक्त कुलसचिव के प्रभार के अन्तर्गत, अनु.जाति/अनु.जनजाति समुदाय के कर्मचारियों, छात्रों एवं शिक्षकों के हितों के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ का गठन किया गया है जिसका कार्य भारत सरकार की आरक्षण सम्बन्धित नीतियों के क्रियान्वयन की देखरेख और सम्बन्धित सरकारी मंत्रालयों/ कार्यालयों को समय-समय पर सूचनाएँ उपलब्ध कराना है। कुलपति जी के आदेशानुसार निम्नलिखित प्रकोष्ठों का गठन किया गया है:

(१) विश्वविद्यालय स्तर पर अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति शिकायत प्रकोष्ठ
(२) संकाय स्तर पर अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति शिकायत समिति
(३) विभागीय स्तर पर अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति शिकायत समिति

(ख) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित विश्वविद्यालय स्तर पर क्रियान्वित की गई आरक्षण नीति

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/भारत सरकार द्वारा अधिसूचित अनिवार्य प्राविधानों को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए क्रमश: १५ प्रतिशत एवं ७.५ प्रतिशत की दर से निम्नलिखित हेतु आरक्षण लागू किया गया है:

१. विभिन्न पाठयक्रमों में प्रवेश हेतु
२. छात्रावासों में कमरों के आवंटन हेतु
३. शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के आवासों के आवंटन हेतु
४. शिक्षकों के चयन (असिस्टेंट प्रोफेसर से प्रोफेसर स्तर तक) हेतु
५. गैर-शिक्षण कर्मचारियों के चयन हेतु

(ग) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति हेतु स्थायी समिति

माननीय कुलपति के आदेशानुसार एक स्थायी समिति का पुनर्गठन और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की स्थायी समिति की एक उप समिति भी गठित की गयी है जो विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की प्रवेश समितियों द्वारा अग्रसारित संदिग्ध जाति प्रमाण-पत्रों की जाँच एवं सत्यापन का कार्य करती है। उप-समिति के निर्देशानुसार संदिग्ध जाति प्रमाण-पत्रों के सत्यापन के लिए मुख्य आरक्षाधिकारी, काशी हिन्दूविश्वविद्यालय के माध्यम से सक्षम अधिकारियों के पास भेजा जाता है।

(घ) अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति पर्यवेक्षक

विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के हितों की रक्षा के लिए विभिन्न प्रवेश समितियों/चयन समितियों/छात्रावास आवंटन समिति/नियुक्ति सहित पदोन्नति हेतु गठित समितियों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति श्रेणी के अध्यापकों में से एक व्यक्ति को पर्यवेक्षक के रूप में नामित किया जाता है। इसमें इस वर्ग से सम्बन्धित अध्यापकों की सूची इस प्रकोष्ठ द्वारा प्रत्येक वर्ष जुलाई माह में जारी की जाती है।

(ङ) आंकड़ों (डाटा) का संकलन

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ नियमित रूप से छात्रों के प्रवेश, छात्रावास सुविधा, अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति एवं शिक्षण तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों के आवासों से सम्बन्धित सांख्यिकीय आंकड़ों उपलब्ध कराता रहता है, जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुवीक्षण समिति द्वारा अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के लिए निर्धारित आरक्षण नीति निर्धारण एवं क्रियान्वयन के लिए उपयोग किया जाता है।

(च) शिकायत पंजिका

इस प्रकोष्ठ द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के छात्रों, कर्मचारियों तथा शिक्षकों से प्राप्त शिकायतों को प्रकोष्ठ में उपलब्ध शिकायत पुस्तिका में पंजीकृत कर, सम्बन्धित इकाइयों को आख्या/आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित किया जाता है तथा प्रकरण पर की गई प्रत्येक कार्रवाई का विवरण भी दर्ज होता है तथा समय-समय पर प्रकोष्ठ इन उपलब्ध आकड़ों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग एवं राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को प्रेषित करता है।

(छ) आनलाईन शिकायत पंजिका

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ के अधीन आनलाईन शिकायत पंजिका विकसित की गयी है जिसे bhu.ac.in पर देखा जा सकता है। आनलाईन शिकायत दर्ज करने के लिये http://internet.bhu.ac.in/scstobc/complaint.php पर लॉगिन किया जा सकता है।

(ज) शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/ जनजाति के सदस्यों की माँग पर शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा तीन स्तरों (विश्वविद्यालय स्तर, संकाय स्तर एवं विभाग स्तर) पर अनुसूचित जाति/जनजाति शिकायत निवारण प्रकोष्ठ का गठन किया गया है । विश्वविद्यालय स्तर पर गठित अनुसूचित जाति/जनजाति निवारण प्रकोष्ठ ने प्राप्त कुल ५ शिकायतों का निवारण किया।

अन्य पिछड़ा वर्ग

(क) अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए विशेष प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में सम्पर्क अधिकारी के रूप में संयुक्त कुलसचिव के प्रभार के अन्तर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए निर्धारित आरक्षण नीति के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु एक विशेष प्रकोष्ठ की स्थापना की गयी है। यह प्रकोष्ठ पहले अ.जा./अ.ज.जा. प्रकोष्ठ का ही अंग था परन्तु वर्तमान् में कुलपति जी के आदेशानुसार **पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ** का गठन किया गया है साथ ही

वर्तमान में इस प्रकोष्ठ को **अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ** का भी कार्य दिया गया है।

(ख) अन्य पिछड़ी जाति से सम्बन्धित आरक्षण नीति

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग/भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अधिसूचनाओं के क्रियान्वयन फलस्वरूप विश्वविद्यालय द्वारा चयन एवं प्रवेश प्रक्रियाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए २७ प्रतिशत आरक्षण के अनिवार्य प्रावधान को विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित हेतु क्रियान्वित किया गया है:-

१. विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश
२. शिक्षक सदस्यों का चयन (असिस्टेंट प्रोफेसर स्तर तक)
३. गैर-शिक्षण कर्मचारी पदों पर चयन

(ग) आंकड़ा (डाटा) संकलन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार यह प्रकोष्ठ छात्रों के प्रवेश, अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के चयन, जैसे-विभिन्न मामलों पर नियमित रूप से सांख्यकीय आंकड़े उपलब्ध करता है।

(घ) शिकायत पंजिका

अन्य पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में एक शिकायत पंजिका उपलब्ध है जिसमें अन्य पिछड़ी जाति के अभ्यर्थियों से प्राप्त शिकायतों को पंजीकृत कर इन शिकायतों को संबंधित इकाइयों में आख्या/आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजता है। इन शिकायतों के नियमानुसार निस्तारण एवं तद्नुसार जबाब प्रेषित करता है।

(च) संदिग्ध प्रमाण पत्रों के सत्यापन हेतु समिति का गठन

माननीय कुलपति जी के आदेशानुसार अन्य पिछड़ा वर्ग के संदिग्ध प्रमाण पत्रों की जाँच के लिये **''कमेटी फार वेरीफिकेशन ऑफ डाउटफुल ओबीसी सर्टिफिकेट''** का गठन किया गया है, जो विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों की प्रवेश समितियों द्वारा अग्रसारित संदिग्ध जाति प्रमाण-पत्रों की जाँच एवं सत्यापन करवाने का कार्य करती है।

रेमेडियल कोचिंग सेन्टर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की नि:शुल्क कोचिंग योजना के अन्तर्गत निर्धारित निर्देशों के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ी जाति (नान क्रीमी लेयर), अल्पसंख्यक समुदाय के लिए नेट (ँ) परीक्षा की तैयारी के लिए माननीय कुलपति महोदय ने एक सात सदस्यीय सलाहकार समिति का गठन किया है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ी जाति (नान क्रीमी लेयर) तथा अल्पसंख्यक छात्रों के लिए सामाजिक विज्ञान संकाय के मनोविज्ञान विभाग में एक रेमेडियल कोचिंग सेन्टर का संचालन हो रहा है।

रिमेडियल कोचिंग के तहत २०१८-१९ में नेट परीक्षा हेतु कुल ४३६ छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया। जिसमें ३०० अन्य पिछड़ा वर्ग (नान क्रीमी लेयर), ९२ अनुसूचित जाति, ३४ अनुसूचित जनजाति जाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग के १० छात्र-छात्राओं ने सकुशल प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वर्ष २०१८-१९ में सिविल सेवा परीक्षा हेतु कुल १३२ छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया जिसमें ८७ अन्य पिछड़ा वर्ग (नान क्रीमी लेयर), ३४ अनुसूचित जाति, १० अनुसूचित जनजाति जाति एवं अल्पसंख्यक वर्ग के ०१ छात्र-छात्राओं ने सकुशल प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विकलांगता प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विकलांगजनों के लिए संवैधानिक सुविधाएं लागू करने हेतु विश्वविद्यालय में ''विकलांगता इकाई'' का गठन किया गया। उपकुलसचिव (शिक्षण) को उक्त इकाई का प्रभार सौंपा गया था। वर्तमान समय में इस प्रकोष्ठ के सम्पर्क अधिकारी संयुक्त कुलसचिव स्तर के अधिकारी हैं। भारत सरकार के नियमानुसार विकलांगजनों को शिक्षण तथा गैर शिक्षण नियुक्तियों में ४% प्रतिशत तथा छात्रों के प्रवेश में ५% प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण दिया जाता है। भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त अन्य सुविधाएं /छूट भी प्रदान की जाती हैं।

समान अवसर प्रकोष्ठ

कुलपति महोदय के निर्देशानुसार उपकुलसचिव, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति को समान अवसर प्रकोष्ठ का प्रभारी भी बनाया गया है। वर्तमान समय में उक्त प्रकोष्ठ के सम्पर्क अधिकारी विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव स्तर के अधिकारी हैं।

समान अवसर प्रकोष्ठ का उद्देश्य/कार्य: इस प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, विकलांग एवं अन्य पिछड़े वर्ग (नान क्रीमी लेयर) के छात्रों को सफल एवं रोजगारपरक बनाने हेतु विशिष्ट योजना के तहत कोचिंग चला कर उन्हें मुख्य धारा में लाना है।

भेद-भाव उन्मूलक अधिकारी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशानिर्देश पर माननीय कुलपति महोदय ने समान अवसर प्रकोष्ठ के अन्तर्गत डॉ. एम.के. सिंह, प्रोफेसर, नेत्र चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का भेद-भाव उन्मूलक अधिकारी (Anti Discrimination Officer), नियुक्त किया है।

अन्नदान योजनाकाशी

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिसर स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर की स्थापना चैत्र कृष्ण अष्टमी तद् दिनांक ११ मार्च १९३१ को कृष्णाश्रम जी के कर-कमलों द्वारा किया गया। श्री कृष्णाश्रम जी काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पं. मदन मोहन मालवीय के निवेदन पर आये थे। श्री कृष्णाश्रमजी गंगोत्री से और आगे तपस्यारत थे। सफेद संगमरमर से निर्मित इस मंदिर को बिरला मंदिर के नाम से भी जाना जाता हैं क्योंकि इस मंदिर के निर्माण में बिरला परिवार का योगदान सर्वाधिक है। इस मंदिर की ऊँचाई २५२ फीट है। इस मंदिर में प्रतिदिन हजारों की संख्या में देश-विदेश से दर्शनार्थी आते हैं। श्रावण मास, श्री महाशिवरात्रि, कार्तिक मास में दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थियों की संख्या अधिक रहती है। श्री विश्वनाथ मंदिर द्वारा अन्नदान नामक एक योजना संचालित की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत काशी हिन्दू

विश्वविद्यालय के निर्धन एवं मेधावी छात्र को नि:शुल्क दोपहर एवं रात्रि का भोजन दिया जाता है। वर्तमान वर्ष में इस योजना का लाभ ६० छात्रों को प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त वर्तमान वर्ष में मंदिर में रुद्राभिषेक, श्रावण महोत्सव, नवरात्र, दीपावली एवं अन्नकूट, मालवीय जयन्ती, श्री महाशिवरात्रि, श्री विश्वनाथ मंदिर का स्थापना दिवस, हनुमान जयन्ती आदि महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

९.२४.६. पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान संस्थान

कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशालय में स्थित छात्र सलाहकार का कार्यालय कृषि संकाय के छात्रों की सुविधाओं, पाठ्येत्तर गतिविधियों की जरूरतों को पूरा करता हैं। इस वर्ष, प्रोफेसर कल्याण, छात्र सलाहकार और उनके छात्रों का दल और कृषि संकाय के शिक्षकों ने कई गतिविधियों को अंजाम दिया। उनमें से कुछ निम्नानुसार हैं।

सफाई और स्वच्छता की पहल (स्वच्छ भारत अभियान): इस वर्ष सभी छात्रों ने ''स्वच्छ भारत अभियान'' में भाग लिया जो वर्तमान सरकार द्वारा लागू किया गया था।

वृक्षारोपण: इसलिए, छात्रावास द्वारा ''आम के पेड़ों का वृक्षारोपण कार्यक्रम'' आयोजित कियागया। इस कार्यक्रम में, बीजीटी छात्रावास के छात्रों ने आम के पौधे लगाए। यह वृक्षारोपण कार्यक्रम बहुत सफल रहा क्योंकि सभी छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और लगभग २५ पौधे लगाए।

आयाम: कनिष्ठ बैच के छात्रों के शैक्षणिक संवर्द्धन के लिए और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उन्हें तैयार करने के उद्देश्य से वीडीएलएम के सदस्यों द्वारा एक नई शुरुआत की गई है। इसमें विभिन्न कृषि संबंधित विषयों को शामिल करते हुए एक मासिक परीक्षण आयोजित की जाती है।

पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान

डॉ. जयप्रकाश वर्मा, आईईएसडी, बीएचयू द्वारा पूर्वी उत्तर प्रदेश के जौनपुर, आजमगढ़, चंदौली और मिर्जापुर जिले में स्थायी कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए घरेलू स्तर पर जैव उर्वरक और जैव कीटनाशकों की तैयारी के बारे में कई अनुप्रयोगों के लिए किसानों को प्रशिक्षण देना और प्रचारित करना।

प्रबंधन शास्त्र संस्थान

संस्थान ने पिछले सत्र के दौरान विभिन्न सह-पाठयक्रम और पाठयक्रमेत्तर गतिविधियों जैसे कि- राष्ट्रीय पर्व, पूर्व छात्र समागम, अन्य शैक्षणिक कार्यक्रम जैसे सम्मेलन, संगोष्ठियाँ आदि, संस्थान का वार्षिकोत्सव - उन्नयन का आयोजन किया। छात्रों ने विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न अन्य कार्यक्रमों जैसे स्पंदन २०१८, स्पर्धा २०१८, जन्माष्टमी, विश्वविद्यालय स्थापना दिवस - वसंत पंचमी कार्यक्रमों आदि में सक्रिय रूप से भाग लिया और पुरस्कार जीते। सत्र के दौरान छात्रों ने अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित वाद-विवाद और प्रतिस्पर्धात्मक प्रतियोगिताओं में भी सक्रिय रूप से भाग लिया और पुरस्कार जीते।

विज्ञान संस्थान

संस्थान ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया जैसे: स्थापना दिवस झाँकी, स्वच्छ भारत मिशन, नव प्रवेशित छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम, अन्त: या अंतर-विभागीय खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी और स्कूल परिसर में वृक्षारोपण। संकाय में विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे- भाषण, तात्कालिक भाषण, निबंध, पोस्टर, रंगोली, और प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के बीच क्रिकेट और बैडमिंटन मैच पूर्ववर्ती महीने में किसी भी दिन आयोजित किए जाते हैं और भूविज्ञान दिवस के अवसर पर पुरस्कार दिए जाते हैं। विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों को संकाय भ्रमण के लिए आमंत्रित किया गया है।

महिला महाविद्यालय

महिला महाविद्यालय सांस्कृतिक संगठन ने छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। छात्राओं द्वारा खेलों में कई पुरस्कार जीते गए: एमएमवी वॉलीबॉल टीम मैडम ब्लावात्स्की इंटर कॉलेज वॉलीबॉल टूर्नामेंट में पहले स्थान पर रही, यूएसबी बीएचयू द्वारा आयोजित इंटर हॉस्टल टूर्नामेंट में एमएमवी डे स्कॉलर क्रिकेट टीम दूसरे स्थान पर रही, एमएमवी तैराकी टीम यूएसबी बीएचयू द्वारा आयोजित अंतर संकाय तैराकी टूर्नामेंट में पहले स्थान पर रही, ०३ छात्राओं ने बीएचयू टीम के सदस्यों के रूप में ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल टूर्नामेंट में भाग लिया। कई आउटरीच कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। दर्शनशास्त्र (ऑनर्स) प्रथम एवं तृतीय वर्ष के छात्राओं द्वारा स्वच्छता ही स्वास्थ्य है कार्यक्रम आयोजित किया गया, छात्रावास के छात्राओं द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, विज्ञान विभागों द्वारा बुनियादी विज्ञानों में विविध करियर का परिचय: स्कूली बच्चों के लिए व्याख्यान सह लैब भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आर्य महिला महाविद्यालय

स्पिक मैके, तेजस्विनी, युवा महोत्सव, छात्र परिषद, पूर्व छात्र समागम-२०१९, स्पंदन- २०१९, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शैक्षिक यात्रा के तत्वावधान में कई शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वसंता महिला महाविद्यालय

मेधा: कॉलेज ने २०१७ में एक गैर सरकारी संगठन मेधा के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

लीडर्स एक्स्लरटिंग डेवलपमेंट (लीड): इस मंच के माध्यम से छात्र अपने समुदायों में छोटी और बड़ी समस्याओं के लिए साहसिक समाधान निकालते हैं और साथ ही साथ अपने आत्मविश्वास और नेतृत्व कौशल का निर्माण करते हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी): वर्तमान सत्र में, एनसीसी में ९८ छात्राएं पंजीकृत हुई। एनसीसी के अंतर्गत छात्राएं विभिन्न गतिविधियों जैसे ड्रिल अभ्यास, हथियार प्रशिक्षण, और मानचित्र अध्ययन आदि में शामिल हुईं।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस): राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राएँ नियमित गतिविधियों के तहत एक शैक्षणिक वर्ष के दौरान लगभग १२० घंटे गांवों, झुग्गियों और स्वैच्छिक एजेंसियों में काम करती हैं।

शैक्षणिक भ्रमण: ०१-०६ अप्रैल, २०१९ के दौरान छात्राओं के लिए नैनीताल, अल्मोड़ा, रानीखेत, मुक्तेश्वर, नैनादेवी और कॉर्बेट नेशनल पार्क आदि के भ्रमण हेतु छह दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। देहरादून के लिए ०३ अप्रैल, २०१९ से छह दिनों का शैक्षिक दौरा भी आयोजित किया गया। ०३-०८, २०१९ के दौरान, देहरादून, ऋषिकेश और हरिद्वार के लिए यात्रा एवं पर्यटन प्रबंधन, मास कम्युनिकेशन और बी.एड. के छात्राओं के लिए छः दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया।

चिकित्सा उपचार के लिए सहयोग: सीजीएचएस योजना के तहत कॉलेज के शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल ट्रीटमेंट का लाभ उठाने के लिए हेरिटेज, अपोलो, गैलेक्सी और एएसजी आई हॉस्पिटल के अलावा, शुभम हॉस्पिटल, वाराणसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है।

स्पिक मैके: स्पिक मैके के अंतर्गत, अगस्त २०१८ में डॉ. जयंती कुमारेश द्वारा एक सरस्वती वीणा वादन और श्री सरफराज चिश्ती द्वारा सूफी कव्वाली प्रस्तुत की गई। विदुषी मीता पंडित ने दिसंबर २०१८ में हिंदुस्तानी गायन (शास्त्रीय) और डॉ. प्रतीक चौधरी ने सितार वादन (अप्रैल २०१९) का प्रदर्शन किया। श्री प्रकाश जोशी द्वारा १०-१४ सितंबर २०१८ के दौरान फाड़ पेंटिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की गई।

वसंत कन्या महाविद्यालय

सर्जना: सर्जना, वसंत कन्या महाविद्यालय का रचनात्मक मंच है, जो छात्रों की रचनात्मकता को दर्शाता और आकार देता है। सत्र २०१८-१९ में, सर्जना दो चरणों में आयोजित किया गया था।

स्पंदन: बीएचयू में २२-२६ फरवरी, २०१९ के दौरान आयोजित युवा महोत्सव 'स्पंदन २०१९' में विभिन्न कार्यक्रमों में स्नातक और स्नातकोत्तर के ८८ छात्राओं ने भाग लिया। कॉलेज ने कुल ८ पुरस्कार जीते, जिसमें एक -प्रथम, एक - द्वितीय और छः-तृतीय पुरस्कार थे।

राष्ट्रीय सेवा योजना: दिनांक ३०.१०.२०१८ को राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी पांच इकाइयों ने एक दिवसीय शिविर; दिनांक १६.११.२०१८ को राष्ट्रीय सेवा योजना की चार इकाइयों ने एक दिवसीय शिविर; दिनांक १.२.२०१९ से ७.२.२०१९ तक सात दिवसीय शिविर आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी पांच इकाइयों ने शहर में ५ अलग-अलग वार्डों - बरदोपुर, भेलूपुर, नगवा, भदैनी और बागहाड़ा को गोद लिया।

महत्त्वपूर्ण दिन: वर्तमान सत्र के दौरान पाठ्यचर्या, सह-पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों के अलावा, कॉलेज ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, लाइब्रेरियन दिवस, युवा दिवस, एनी बेसेंट दिवस, अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस जैसी अन्य गतिविधियों को बढ़ावा दिया।

डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज

महाविद्यालय में एक आउटडोर और एक इनडोर स्टेडियम है जिसमें क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केट-बॉल, बैडमिंटन और टेबल-टेनिस आदि जैसे खेल खेलने की पूरी सुविधा है।

छात्र मंच: सभी विभागों में इको-वाइस, रिपब्लिक, आदि जैसे छात्र मंच हैं जो वाद, संभाषण इत्यादि के लिए छात्रों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम: महाविद्यालय ने तीन दिवसीय युवा महोत्सव 'उड़ान' का आयोजन किया। उड़ान में चुने गए छात्रों ने 'स्पंदन -२०१९' में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

एनएसएस कार्यक्रम: डॉ. मीनू लकड़ा, डॉ. अखिलेन्द्र कुमार सिंह, डॉ. शिव नारायण, सुश्री प्रियंका सिंह, डॉ. सुषमा मिश्रा, डॉ. शोभनाथ पाठक, डॉ. नेहा चौधरी, डॉ. तरु सिंह ने कई कार्यक्रमों का संचालन किया।

एनसीसी कार्यक्रम: डॉ. सत्य गोपाल की देखरेख में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए: योग शिविर और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, स्वतंत्रता दिवस समारोह, वृक्षारोपण, पोलिथिन मुक्त अभियान, सीएटीसी शिविर, शहीद स्मारक सम्मान, बेटी बचाओ अभियान, एनसीसी दिवस, रक्तदान, स्वच्छ भारत यात्रा, कौशल विकास यात्रा, राष्ट्रीय युवा दिवस, यातायात नियम और सुरक्षित वहाँ चालन अभियान, सड़क सुरक्षा जागरूकता, एंटी-ड्रग एंड टोबैको अवेयरनेस रैली, विश्व जल दिवस, आपदा प्रबंधन मैनेजमेंट, सीएटीसी कैंप २८ यूपी बटालियन एनसीसी, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस।

९.२५ हिन्दी प्रकाशन समिति (भौतिकी प्रकोष्ठ)

हिन्दी प्रकाशन समिति (भौतिकी प्रकोष्ठ), विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना विश्वविद्यालय के महान संस्थापक महामना पं. मदन मोहन मालवीय जी द्वारा सन् १९३० में की गयी। इसकी स्थापना के पीछे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कृषि एवं चिकित्सा शिक्षा की पुस्तकों को छात्र/छात्राओं के लिए हिन्दी में उपलब्ध कराना था। यह प्रकोष्ठ हिन्दी में विज्ञान लेखन, पुस्तक लेखन एवं अंग्रेजी में लिखी पुस्तकों के अनुवाद में संलग्न है। प्रकोष्ठ द्वारा पिछले तीन वर्षों से *विज्ञान-गंगा* (ISSN २२३१-२४५५) का प्रकाशन किया जा रहा है। जिसमें विज्ञान के लोकप्रिय लेख हिन्दी में होते हैं। यह विज्ञान पत्रिका वर्ष में दो बार प्रकाशित की जाती है। अब तक विज्ञान-गंगा के ग्यारह अंक प्रकाशित किये जा चुके हैं।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा *विज्ञान गंगा* को विभिन्न केन्द्रीय विद्यालयों में क्रय हेतु संस्तुत किया गया है। वर्ष २०१८ जून माह में भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री माननीय डॉ. हर्षवर्द्धन जी ने यहाँ से हिन्दी में प्रकाशित पुस्तकों की कुछ प्रतियाँ देश के विभिन्न राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में क्रय हेतु निर्देशित की है। इसके साथ ही प्रकोष्ठ द्वारा हिन्दी में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए समय-समय पर संगोष्ठी/परिसंवाद/ कार्यशालाओं का भी आयोजन किया जाता है।

१०. नवीन अध्यादेश/संशोधन

मौजूदा आदेश	प्रस्तावित संशोधन
11.A. (1. प्रोफेसर, सह प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर और ऐसे अन्य पद जिन्हें शैक्षणिक परिषद द्वारा शिक्षण पद घोषित किया गया है, पर नियुक्ति के लिए संस्तुति करने में चयन समिति को बीएचयू नियम एवं परिनियम के परिनियम २७ (२) के प्रावधानों के तहत अध्यादेशों का अनुपालन करना होगा।	कोई परिवर्तन नहीं
I. आवेदन आमंत्रित करने की अधिसूचना	I. कोई परिवर्तन नहीं
I.1.) बीएचयू वेबसाइट पर आवर्ती (रोलिंग) विज्ञापन	I.1.) कोई परिवर्तन नहीं
I.1.1.) स्थायी प्रकृति के सभी रिक्त शिक्षण पदों, योजना पदों, संभावित जारी अस्थायी पदों, जिनका वेतनमान रुपये १५६००-३९१०० और उससे अधिक है, का विज्ञापन चयन एवं आकलन प्रकोष्ठ (आर.ए.सी.) द्वारा बीएचयू वेबसाइट पर पूर्ण विवरण युक्त एक संयुक्त आवर्ती (रोलिंग) विज्ञापन के रूप में किया जाएगा।	I.1.1.) कोई परिवर्तन नहीं
I.1.2.) संयुक्त रोलिंग विज्ञापन को हर बार तब अद्यतन किया जाएगा जब कोई नया पद सृजित किया जाता है या जब कोई मौजूदा पद रिक्त हो जाता है और पहले दिये गए उन पदों का विज्ञापन हटा दिया जाएगा जिन पदों हेतु चयन पहले ही किया जा चुका है। आवेदक वर्ष में कभी भी आवेदन कर सकते हैं, लेकिन वेबसाइट पर पहले से बताई गई कट-ऑफ तारीखों के बाद ही आवेदन पत्रों पर कार्रवाई की जाएगी।	I.1.2.) कोई परिवर्तन नहीं
I.1.3.) रोलिंग विज्ञापन के उपयुक्त लिंक संबंधित इकाई/केंद्र/स्कूल/संकाय/संस्थान/एमएमवी/रा.गा.द.प. के व्यक्तिगत वेब पेजों और किसी अन्य उपयुक्त साइट पर भी प्रदान किए जा सकते हैं।	I.1.3.) कोई परिवर्तन नहीं
I.2) समाचार पत्र और रोजगार समाचार और विश्वविद्यालय की वेबसाइट में संदर्भ विज्ञापन और प्रसार के माध्यम से प्रचार।	I.2) कोई परिवर्तन नहीं
I.2.1.) पहले और बाद में अद्यतन संयुक्त रोलिंग विज्ञापन के समरूप, एक संक्षिप्त विज्ञापन कम से कम ०२ राष्ट्रीय समा चार पत्रों और रोजगार समाचार में प्रकाशित किया जाएगा। (यदि प्रकाशित होता है) (प्रत्येक में एक प्रविष्टि, कट -ऑफ तारीख से कम से कम ३० दिन पहले, विवरण के लिए बीएचयू वेबसाइट का संदर्भ प्रदान करते हुए।	I.2.1.) कोई परिवर्तन नहीं
I.2.2.) इसके साथ ही, यदि संबंधित संकाय/विभाग की पीपीसी चाहे तो कुलपति के अनुमोदन से विवरण के लिए बीएचयू वेबसाइट का संदर्भ प्रदान करने वाला एक संक्षिप्त विज्ञापन, संबन्धित विषय की एक या दो प्रमुख पहचान वाली शोध पत्रिकाओं में भी प्रकाशित किया जा सकता है।	I.2.1.) कोई परिवर्तन नहीं
I.2.1.) संबंधित संकाय/विभाग के पीपीसी के सुझाव के आधार पर, विज्ञापन की सूचनाएँ विश्वविद्यालयों / प्रतिष्ठित कॉलेजों/प्रयोगशालाओं और राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों/प्रमुख उद्योगों/सार्वजनिक उपक्रमों/वित्तीय संस्थानों को भी भेजे जा सकते हैं। इस प्रयोजन के लिए, संबंधित संकाय /विभाग समय-समय पर चिन्हित संस्थानों की एक सूची तैयार करेगा और उसे आरएसी को उपलब्ध कराएगा।	I.2.1.) कोई परिवर्तन नहीं

I.3.) आवेदन जमा करने के लिए निर्दिष्ट तिथि।	I.3.) कोई परिवर्तन नही
I.3.1.) एक कैलेंडर वर्ष में ६ महीने के अंतर पर दो कटऑफ तिथियाँ होंगी। कटऑफ की तिथि तक प्राप्त आवेदनों की शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी और चयन समिति के मार्गदर्शन हेतु आगे बढ़ाया जाएगा। उपलब्ध रिक्तियों, जिसके लिए आवेदन प्रक्रियारत हैं, उन्हें वेबसाइट पर दर्शाया जाएगाऔर उन्हें वेबसाइट से केवल तभी हटाया जाएगा, जब उन्हें भर दिया जाएगा। एक कटऑफ तिथि तक प्राप्त आवेदनों की चयन प्रक्रिया आम तौर पर बाद की कटऑफ तिथि से पहले पूरी कर ली जाएगी।	I.3.1.) कोई परिवर्तन नही
I.3.2.) सामान्यतया, संबंधित कटअ ॅफ तिथियों तक प्राप्त आवेदनों पर संयुक्त रोलिंग विज्ञापन में अधिसूचित रिक्तियों के लिए कार्रवाई की जाएगी। विज्ञापन में यह दर्शाया जाएगा कि संबंधित कटऑफ तिथियों के बाद प्राप्त आवेदनों पर चयन प्रक्रिया के पूरा होने के बाद उपलब्ध किसी भी रिक्तियों के लिए विचार नहीं किया जाएगा।	I.3.2.) कोई परिवर्तन नही
I.3.3.) कटऑफ तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर अगले दौर के चयन प्रक्रिया के दौरान विचार किया जाएगा बशर्ते कि जारी चयन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के बाद संयुक्त रोलिंग विज्ञापन में रिक्ति बनी रहे और आवेदन न्यूनतम पात्रता मानदंडो को पूरा करता हो। एक आवेदन की पात्रता का निर्धारण 'विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों और अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता पर यूजीसी विनियमों और उच्च शिक्षा में मानकों के रखरखाव के मापदंड, २०१०'के अनुसार किया जाएगा। आगे यह शॉर्टलिस्टिंग (लघुसूचीयन) मानदंडों के अधीन होगा जो बेहतर उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग के लिए और अधिक कठोर हो सकता है।	I.3.3.) कटऑफ तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पर अगले दौर के चयन प्रक्रिया के दौरान विचार किया जाएगा बशर्ते कि जारी चयन प्रक्रिया पूर्ण हो जाने के बाद संयुक्त रोलिंग विज्ञापन में रिक्ति बनी रहे और आवेदन न्यूनतम पात्रता मानदंडो को पूरा करता हो। एक आवेदन की पात्रता का निर्धारण 'विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों और अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता पर यूजीसी विनियमों और उच्च शिक्षा में मानकों के रखरखाव के मापदंड, २०१८'के अनुसार किया जाएगा। आगे यह शॉर्टलिस्टिंग (लघुसूचीयन) मानदंडों के अधीन होगा जो बेहतर उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग के लिए और अधिक कठोर मानदंड अपना सकता है।
I.3.4.) निरसित	I.3.4.) निरसित
I.3.5.) शोध की गुणवत्ता, शैक्षणिक रिकॉर्ड, प्रकाशन रिकॉर्ड, प्रतिष्ठित फैलोशिप और/या पुरस्कार आदि की प्राप्ति आवेदक की उत्कृष्टता को पहचानने और "गुणवत्ता अंक" प्रदान करने के लिए प्रमुख मानदंड होंगे। एक उम्मीदवार के "गुणवत्ता अंक" को निर्धारित करने वाले विषय -वार मानदंड वे होंगे जो समय -समय पर प्रत्येक संकाय द्वारा परिभाषित किए जाते हैं, और विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा अनुमोदित किए जाते हैं। भावी उम्मीदवारों की जानकारी के लिए अंक तालिका के साथ "गुणवत्ता अंक" निर्धारित करने वाले मापदंडों को बीएचयू वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा।	I.3.5.) शैक्षणिक/शोध अंक और लघु-सूची (शॉर्टलिस्टिंग) अंक का मापदंड तत्संबंधी प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर के पद की पात्रता का निर्धारण करेगा, जो कि परिशिष्ट-द्वितीय के अंतर्गत यूजीसी नियमों, २०१८ के तालिका -२ और तालिका ३ एएस में निर्धारित किया गया है, जिसका उल्लेख संशोधित लघु-सूची (शॉर्टलिस्टिंग) दिशानिर्देश में किया गया है।
II. आवेदन को जमा करना	II. कोई परिवर्तन नही
II.1.) ऑनलाइन माध्यम से आवेदन जमा करना आवश्यक होगा। उम्मीदवारों को आवेदन अपलोड करने और शैक्षणिक प्रदर्शन सूचकांक (एपीआई) की गणना के लिए बीएचयू वेबसाइट पर चयन एवं आकलन प्रकोष्ठ के पोर्टल पर उपलब्ध सॉफ्टवेयर के माध्यम से अपने आवेदन ऑनलाइन अपलोड करने होंगे।	II.1.) ऑनलाइन माध्यम से आवेदन जमा करना आवश्यक होगा। उम्मीदवारों को आवेदन अपलोड करने और शैक्षणिक/शोध अंक और शॉर्टलिस्टिंग (लघुसूचीयन) की गणना के लिए बीएचयू वेबसाइट पर चयन एवं आकलन प्रकोष्ठ के पोर्टल पर उपलब्ध सॉफ्टवेयर के माध्यम से अपने आवेदन ऑनलाइन अपलोड करने होंगे।

II.2.) किसी पद के लिए अपनी अभ्यर्थिता प्रस्तुत करने के इच्छुक व्यक्ति पहले बीएचयू की वेबसाइट पर आरएसी पोर्टल पर अपना पंजीकरण करेंगे। इसके बाद, वे उक्त पोर्टल पर उपलब्ध सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑनलाइन के लिए निर्धारित इलेक्ट्रानिक आवेदन भर सकते हैं। पोर्टल पर प्रस्तुत किए गए आवेदनों को इस उद्देश्य के लिए निर्धारित आवेदन रजिस्टर में दर्ज किया गया माना जाएगा और उम्मीदवार के ईमेल आईडी पर एक सिस्टम जनरेटेड ईमेल के माध्यम से पावती भेज दी जाएगी।	II.2.) कोई परिवर्तन नहीं
II.3.) आरएसी पोर्टल पर पूर्ण आवेदन के सफलतापूर्वक ऑनलाइन जमा करने की तिथि को उस तिथि के रूप में माना जाएगा जिस तिथि पर विश्वविद्यालय को आवेदन (सॉफ्ट कॉपी) प्राप्त होता है। अपूर्ण आवेदन या आवेदन में किए गए दावों के समर्थन में दस्तावेजों (सॉफ्ट कॉपी/ हार्ड कॉपी) के बिना आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।	II.3.) कोई परिवर्तन नहीं
II.4.) यदि उम्मीदवार भिन्न भिन्न पदों के लिए आवेदन करने का इच्छुक है, तो प्रत्येक पद के लिए अलग से आवेदन प्रस्तुत करना होगा, जिसके लिए वेबसाइट पर विकल्प उपलब्ध होगा।	II.4.) कोई परिवर्तन नहीं
II.5.) पहले से सेवाओं में नियोजित उम्मीदवारों को उचित माध्यम द्वारा अपना आवेदन प्रस्तुत करना होगा। ऐसे आवेदन जिनको उचित माध्यम से अग्रेषित नहीं किया जाता है और उसे एफएसी द्वारा साक्षात्कार के लिए लघु -सूचीबद्ध (शॉर्ट लिस्ट) कर लिया जाता है तो साक्षात्कार से पूर्वनियोक्ता द्वारा जारी ''अनापत्ति प्रमाण पत्र'' प्रस्तुत करना होगा, ऐसा नहीं करने पर उन पर आगे विचार नहीं किया जाएगा।	II.5.) कोई परिवर्तन नहीं
II.6.) आवेदक विशेष रोलिंग विज्ञापन के तहत निर्धारित कट - ऑफ तिथियों तक अपनी लॉगिन आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके पोर्टल में लॉग इन करके अपनी योग्यता और अन्य शैक्षणिक उपलब्धियों आदि (एपीआई/गुणवत्ता अंक के लिए) को अद्यतन कर सकते हैं। आवेदकों को कट-ऑफ तिथि के बाद अपने आवेदन को अद्यतन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, यदि पद अगली कट -ऑफ तिथि तक नहीं भर पाता है, तो उम्मीदवारों को उस कट-ऑफ तिथि तक अपने आवेदन को अद्यतन करने की अनुमति होगी। चयन के किसी विशेष दौर के लिए उम्मीदवार की पात्रता उस दौर की कट-ऑफ तिथि के रूप में तय की जाएगी। कुलपति, कुलसचिव, निदेशक/ संकायप्रमुख/ प्राचार्य, एमएमवी आदि द्वारा संकाय पद के लिए सीधे प्राप्त किसी भी आवेदन पर विचार किया जाएगा और उसे संबंधित विभागाध्यक्ष / स्कूल समन्वयक/ केंद्र समन्वयक को अग्रेषित कर दिया जाएगा। संबंधित विभाग आवेदक को उपरोक्त के अनुसार औपचारिक आवेदन ऑनलाइन जमा करने के लिए कह सकता है (यथा संशोधित ईसीआर संख्या- १४१ दिनांक १७.०९.२०१३)	II.6.) आवेदक विशेष रोलिंग विज्ञापन के तहत निर्धारित कट- ऑफ तिथियों तक अपनी लॉगिन आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके पोर्टल में लॉग इन करके अपनी योग्यता और अन्य शैक्षणिक उपलब्धियों आदि (शैक्षणिक /शोध अंक/ लघु - सूची अंक के लिए) को अद्यतन कर सकते हैं। आवेदकों को कट-ऑफ तिथि के बाद अपने आवेदन को अद्यतन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, यदि पद अगली कट-ऑफ तिथि तक नहीं भर पाता है, तो उम्मीदवारों को उस कट-ऑफ तिथि तक अपने आवेदन को अद्यतन करने की अनुमति होगी। चयन के किसी विशेष दौर के लिए उम्मीदवार की पात्रता उस दौर की कट - ऑफ तिथि के रूप में तय की जाएगी। कुलपति, कुलसचिव, निदेशक/संकायप्रमुख/प्राचार्य, एमएमवी आदि द्वारा संकाय पद के लिए सीधे प्राप्त किसी भी आवेदन पर विचार किया जाएगा और उसे संबंधित विभागाध्यक्ष/ स्कूल समन्वयक/ केंद्र समन्वयक को अग्रेषित कर दिया जाएगा। संबंधित विभाग आवेदक को उपरोक्त के अनुसार औपचारिक आवेदन ऑनलाइन जमा करने के लिए कह सकता है (यथा संशोधित ईसीआर संख्या- १४१ दिनांक १७-१८/२०१३) II.7.) शिक्षण पदों के लिए सामान्य और अ.पि.वर्ग के उम्मीदवारों से रु. १०००/ का एक अप्रतिदेय आवेदन शुल्क ऑनलाइन माध्यम से लिया जाएगा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और विकलांग श्रेणी के उम्मीदवारों से कोई आवेदन शुल्क नहीं लिया जाएगा। आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग / डेबिट कार्ड / क्रेडिट कार्ड द्वारा पेमेंट गेटवे के माध्यम से करना होगा।

III. साक्षात्कार के लिए उम्मीदवारों की लघु-सूची: अपलोड किए गए सभी आवेदन स्वचालित रूप से संबंधित इकाई/केंद्र/स्कूल/विभाग में हस्तांतरित कर दिए जाएंगे साथ ही रिकार्ड के लिए एक प्रति चयन एवं आकलन प्रकोष्ठ (आरएसी) को भी चली जाएगी। आवेदनों की लघु-सूची (शॉर्ट लिस्टिंग) विभाग/स्कूल/ केंद्र/इकाई के स्तर पर संकाय मामलों की समिति द्वारा की जाएगी।	III. कोई परिवर्तन नहीं
III.1.) संकाय मामलों की समिति (एतद्पश्चात एफएसी)	III.1.) कोई परिवर्तन नहीं
III.1.1.) गठन	III.1.1.) गठन एफएसी का गठन निम्नानुसार होगा:
i. निदेशक/ संकायप्रमुख-अध्यक्ष .	i. कोई परिवर्तन नहीं
ii. विभागाध्यक्ष/विभाग/स्कूल/केंद्र/इकाई संयोजक	ii. कोई परिवर्तन नहीं
iii. निरसित	iii. निरसित
iv. वरिष्ठता के आधार पर दो साल के रोटेशन (नियमित क्रम) पर विभाग/स्कूल/केंद्र/इकाई के प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर में से प्रत्येक: सदस्य	iv. कोई परिवर्तन नहीं
v. यूजीसी-एसएपी/सीएएस कार्यक्रम के समन्वयक (यदि लागू हो): सदस्य	v. कोई परिवर्तन नहीं
vi. निरसित	vi. निरसित
vii. अ.ज./अ.ज.जा. /अध्यक्ष द्वारा मनोनीत (आरक्षित पदों के लिए): सदस्य	vii. अ.ज./अ.ज. जा./अध्यक्ष द्वारा मनोनीत (आरक्षित पदों के लिए): सदस्य vii. कोई परिवर्तन नहीं
viii. यदि आवश्यक हो तो एफएसी द्वारा अतिरिक्त सदस्य को चुना जा सकता है।	viii. कोई परिवर्तन नहीं
ix. जहां निदेशक अध्यक्ष होगा, वहाँ संकाय प्रमुख भी एफएसी के सदस्य होंगे	कोई परिवर्तन नहीं
अध्यक्ष के पास संबंधित विभाग/केंद्र के किसी एक सदस्य को एफएसी के सचिव के रूप में मनोनीत बने कि शक्ति निहित होगी।	कोई परिवर्तन नहीं
a) निरसित	a) निरसित
b) निरसित	b) निरसित
c) कोई भी व्यक्ति जो स्वयं /या उसका पास का कोई रिश्तेदार किसी पद के लिए आवेदक है, वह उस पद के एफएसी का हिस्सा नहीं होगा। एफएसी में किसी भी खाली स्लॉट के लिए कोई प्रतिस्थापन नहीं किया जाएगा (यथासंशोधित ईसीआर संख्या १४१ दिनांक १७.०८.२०१३)।	c) कोई परिवर्तन नहीं
d) एमएमवी में पद के मामले में, प्राचार्य भी संबंधित विभाग की एफएसी की सदस्य होंगी।	d) कोई परिवर्तन नहीं
e) निरसित	e) निरसित
f) यदि नोडल विभाग द्वारा कोई अतिरिक्त शिक्षण पाठ्यक्रम दिया जा रहा है और इस तरह के पाठ्यक्रम के लिए पद उपलब्ध हैं, तो उक्त पाठ्यक्रम के लिए शिक्षण पदों हेतु एफएसी में पाठ्यक्रम समन्वयक भी सदस्य होंगे।	f) कोई परिवर्तन नहीं
ईसीआर-ईसीआर संख्या १४१ दिनांक १७.०८.२०१३ द्वारा निम्नलिखित संशोधन किया गया है जिसे निम्नलिखित रूप में पढ़ा जाए:	कोई परिवर्तन नहीं

h) ऐसे किसी भी पद के लिए, जिसके लिए एफएसी का गठन इन अध्यादेशों में शामिल नहीं है, उस पद के लिए एफएसी का गठन करने का अधिकार कुलपति के पास होगा।	h) कोई परिवर्तन नहीं
i) ऐसे छोटे विभाग, जहाँ शिक्षकों की संख्या दो से कम है, सह विभाग के दो वरिष्ठ शिक्षकों को अध्यक्ष द्वारा नामित किया जा सकता है।	i) कोई परिवर्तन नहीं
j) ५०% सदस्य एफएसी के कोरम का निर्माण करेंगे।	j) कोई परिवर्तन नहीं
III.1.2.) संकाय मामलों की समिति (एफएसी) के विचारार्थ विषय	III.1.2.) कोई परिवर्तन नहीं
संकाय मामलों की समिति (एफएसी) के विचारार्थ विषय निम्नानुसार होंगे	
a) न्यूनतम पात्रता आवश्यकताओं को पूरा करने और पूर्णता के लिए आवेदनों की प्रारंभिक परीक्षा।	a) कोई परिवर्तन नहीं
b) सभी पात्र आवेदनों की विस्तृत परीक्षा।	b) कोई परिवर्तन नहीं
c) निरसित	c) निरसित
d) निरसित	d) निरसित
e) लघु-सूचीकरण के लिए प्राप्त किए गए पात्र आवेदनों की निरंतर जांच करना और उन पर कार्रवाई करना। हालांकि, कट-ऑफ तिथि से पहले प्राप्त कोई भी आवेदन कट ऑफ तिथि से ३० दिन के बाद एफएसी के पास लंबित नहीं रहेगा। (यथा संशोधित ईसीआर संख्या १४१ दिनांक १७.०८.२०१३)	e) कोई परिवर्तन नहीं
f) निरसित	f) निरसित
III.1.3.) लघु-सूचीकरण (शॉर्ट लिस्टिंग) के सिद्धांत: किसी उम्मीदवार द्वारा न्यूनतम आवश्यकता/पात्रता को पूरा करना साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने के लिए पर्याप्त कारण नहीं होगा।	III.1.3.) कोई परिवर्तन नहीं
III.1.4.) लघु-सूचीकरण (शॉर्ट लिस्टिंग) की प्रक्रिया: एफएसी निम्नलिखित लघु -सूची (शॉर्ट लिस्टिंग) प्रक्रिया का अनुपालन करेगा:	III.1.4.) कोई परिवर्तन नहीं
(i) आवेदन में दी गई जानकारी के आधार पर उम्मीदवार की एपीआई और गुणवत्ता अंकों की गणना। एक विषय के लिए एपीआई और गुणवत्ता अंकों की गणना के मानदंड समय-समय पर संबंधित संकाय द्वारा परिभाषित और कुलपति द्वारा अनुमोदित हैं।	(i) उम्मीदवार के आवेदन मे दी गई जानकारी के आधार पर प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के पद के लिए शैक्षणिक/ शोध अंकों की गणना की पद्धति और सहायक प्रोफेसर के लिए लघु -सूची (शॉर्ट लिस्टिंग) गणना की पद्धति, यूजीसी विनियम, २०१८, के तहत परिशिष्ट -II, तालिका २ और तालिका ३ ए पर निर्धारित मानदंडो के अनुसार होगी। किसी विषय के लिए शैक्षणिक/शोध अंकों की गणना और लघुसूचीयन अंकों की गणना के लि ए मानदंड समय -समय पर संकाय द्वारा परिभाषित और कुलपति द्वारा अनुमोदित होगा।
(ii) निरसित	(ii) निरसित
(iii) निरसित	(iii) निरसित
(iv) पूर्व-निर्धारित मानदंडों के आधार पर आवेदक के ''गुणवत्ता अंक'' की गणना: ''गुणवत्ता अंक'' निर्धारित करने वाले मानदंड विशिष्ट विषय/ संकाय के संबंध में भिन्न होंगे। तदनुसार, किसी विषय के लिए ''गुणवत्ता अंक'' की गणना के मानदंड समय-समय पर संबंधित संकाय द्वारा परिभाषित किए गए और कुलपति द्वारा अनुमोदित किए जाते हैं।	(iv) पूर्व-निर्धारित मानदंडों के आधार पर आवेदक पर ''शैक्षणिक/ शोध अंक'' और ''लघु-सूची अंक'' की गणना: ''शैक्षणिक/शोध गणना'' और ''शॉर्टलिस्टिंग (लघुसूचीयन) अंक'' निर्धारित करने वाले मंडन विशिष्ट विषय/संकाय के संबंध में भिन्न होंगे। तदनुसार, किसी विषय के लिए ''शैक्षणिक/शोध अंक'' और ''लघु-सूची अंक'' की गणना के मानदंड ऐसे होंगे जो समय-समय संबंधित संकाय द्वारा परिभाषित किए गए हों और पर कुलपति द्वारा अनुमोदित हों।

(v) उपरोक्त चरणों के आधार पर, एफएसी एपीआई और गुणवत्ता अंक के तहत प्राप्त संयुक्त स्कोर द्वारा योग्यता के क्रम में आवेदकों की एक लघु सूची (प्रति रिक्ति १०) तैयार करेगा, जिन्हें साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाएगा।	(v) उपरोक्त चरणों के आधार पर, संकाय मामलों की समिति यूजीसी विनियमों, २०१८ के तहत परिभाषित शैक्षणिक / शोध अंकों और लघु-सूची स्कोर के अनुसार योग्यता के क्रम में आवेदकों की एक लघु सूची (प्रति रिक्ति १०) तैयार करेगी, जिन्हें साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उपरोक्त के अलावा अगर किसी विषय के लिए एक उम्मीदवार एससी/एसटी/विकलांग श्रेणी और चिकित्सा विज्ञान की सभी श्रेणियों के मामले में पात्र है, तो उसे साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा
(vi) निरसित	(vi) निरसित
(vii) निरसित	(vii) निरसित
(viii) निरसित	(viii) निरसित
(ix) निरसित	(ix) निरसित
(x) निरसित	(x) निरसित
(xi) एपीआई अंकों और गुणवत्ता अंकों के आधार पर वरीयता क्रम में एफएसी लघु-सूचीबद्ध उम्मीदवारों की अंतिम मेरिट सूची तैयार करेगा। एक उम्मीदवार /आवेदक के समग्र स्कोर को प्राप्त करने के लिए उक्त घटकों के सापेक्ष वेटेज होगा: a) एपीआई अंक : ४३% b) गुणवत्ता अंक : ५७% एपीआई और गुणवत्ता अंक केवल लघु - सूचीकरण का आधार बनेंगे। एक बार उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए लघु -सूचीबद्ध हो जाते हैं, वे समान स्तर पर होंगे और चयन समिति द्वारा उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड, विषय ज्ञान, शिक्षण क्षमताओं को पढ़ाने और साक्षात्कार में उनके प्रदर्शन के लिए स्वतंत्र रूप से आंका जाएगा। (यथा संशोधित ईसीआर संख्या १७० दिनांक ३०.११.२०१३)	(xi) एफएसी शैक्षणिक/शोध अंक और लघु-सूची अंक के आधार पर शॉर्ट-लिस्टेड उम्मीदवारों की मेरिट के क्रम में अंतिम मेरिट तैयार करेगा। शैक्षणिक/शोध और लघु-सूची अंक केवल लघु-सूचीकरण के आधार होंगे। एक बार जब उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए सूचीबद्ध का लिया जाता है, तो वे समान स्तर पर होंगे और उन्हें चयन समिति द्वारा स्वतंत्र रूप से आंका जाएगा
(xii) निरसित	(xii) निरसित
III.2.) निरसित	III.2.) निरसित
III.2.1.) निरसित a) निरसित b) निरसित c) निरसित d) निरसित	III.2.1.) निरसित a) निरसित b) निरसित c) निरसित d) निरसित
III.2.2.) निरसित a) निरसित b) निरसित c) निरसित d) निरसित	III.2.2.) निरसित a) निरसित b) निरसित c) निरसित d) निरसित
IV.) चयन समिति में सेवा देने के लिए विशेषज्ञ सदस्यों का नामांकन	IV.) कोई परिवर्तन नहीं
a) कुलपति विभागों के पीपीसी द्वारा अनुशंसित और अन्य स्रोतों से एकत्र सभी विषयों के लिए विशेषज्ञ सदस्यों की सूची कार्यकारी परिषद के समक्ष उसके विचार और अनुमोदन हेतु प्रस्तुत रखेगा	a) कोई परिवर्तन नहीं

b) आम तौर पर कुलपति कार्यकारी परिषद द्वारा अनुमोदित पैनल से चयन समिति की बैठक में भाग लेने के लिए विशेषज्ञों को आमंत्रित करेगा, यह साबित करेगा कि विशेष आग्रह की स्थिति में कुलपति पैनल में परिवर्धन कर सकते हैं और कार्यकारिणी परिषद को रिपोर्ट कर सकते हैं।	b) कोई परिवर्तन नहीं
V.) चयन समिति द्वारा लघु-सूचीबद्ध (शॉर्ट लिस्टेड) उम्मीदवारों का साक्षात्कार	V.) कोई परिवर्तन नहीं
a) अगली कटऑफ तिथि से पहले चयन एवं आकलन प्रकोष्ठ चयन समिति की बैठकों की व्यवस्था करेगी। यदि कुछ अपरिहार्य कारणों से चयन समिति की बैठक इस अवधि के भीतर नहीं होती है, तो कार्यकारिणी परिषद को सूचित किया जाएगा	a) कोई परिवर्तन नहीं
b) प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर और अन्य शिक्षण पदों के लिए चय ान समिति का गठन परिनियम २७ के प्रावधान के अनुसार किया जाएगा।	b) कोई परिवर्तन नहीं
c) चयन समिति एफएसी द्वारा अनुशंसित सभी आवेदकों की उम्मीदवारी पर विचार करेगी। आम तौर पर, दिए गए पद के लिए साक्षात्कार हेतु १० से अधिक उम्मीदवारों को नहीं बुलाया जाएगा। प्रत्येक उम्मीदवार चयन समिति के समक्ष दिए गए विषय पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति देगा। चयन समिति आवेदकों के शैक्षणिक कैरियर, उनके विषय ज्ञान, शिक्षण क्षमता, शोध क्षमता, अनुसंधान उत्पादन की गुणवत्ता और साक्षात्कार में प्रदर्शन को ध्यान में रखेगी।	c) चयन समिति एफएसी द्वारा अनुशंसित सभी आवेदकों के उम्मीदवारी पर विचार करेगी। आम तौर पर, दिए गए पद के लिए साक्षात्कार हेतु १० से अधिक उम्मीदवारों को नहीं बुलाया जाएगा। चयन समिति साक्षात्कार में प्रदर्शन पर ध्यान देगी। इस प्रणाली को और अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए, विश्वविद्यालय शिक्षण और/या योग्यता के बारे में आकलन करने के लिए साक्षात्कार के दौरान एक सेमिनार या कक्षा में व्याख्यान के माध्यम से या शिक्षण और अनुसंधान में नवीनतम तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर चर्चा कर सकता है।
d) यदि कतिपय अभ्यर्थी ठोस कारणों से व्यक्तिगत रूप से स्वयं को प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, तो उनके अनुरोध पर चयन समिति यदि उचित समझे, तो वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से साक्षात्कार आयोजित कर सकती है।	d) कोई परिवर्तन नहीं
e) चयन समिति, अपने विवेकाधार से असाधारण रूप से अच्छे उम्मीदवारों जो प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर या सहायक प्रोफेसर के पद के लिए विदेश में हैं उनकी अनुपस्थिति में उनके मामले पर विचार कर सकती है।	e) कोई परिवर्तन नहीं
f) चयन समिति, अपने विवेकाधार से, प्रोफेसर के पद के लिए उच्च शैक्षणिक विशिष्ट, प्रतिष्ठा और पेशेवर उपलब्धि के व्यक्ति पर भी विचार कर सकती है, भले ही वह औपचारिक रूप से पद के लिए आवेदन न करे, और उसकी सिफारिश कार्यकारिणी परिषद के समक्ष कर सकती है।	f) कोई परिवर्तन नहीं
g) निरसित	g) निरसित
h) साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों को वैध दस्तावेज के प्रस्तुत करने पर यात्रा व्यय (भारत के भीतर एसीतृतीय टायर) की प्रतिपूर्ति की जाएगी। (यथा संशोधित ईसीआर संख्या १४१ दिनांक १७.०८.२०१३ ।)	h) साक्षात्कार के लिए बुलाए गए एससी/एसटी/विकलांग उम्मीदवारों को भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार वैध दस्तावेज के प्रस्तुत करने पर यात्रा व्यय (भारतीय में AC-III, टायर) की प्रतिपूर्ति की जाएगी।
i) निरसित	i) निरसित
j) रुपये १५६००-३९१०० और उससे अधिक के ग्रेड में शिक्षण पदों पर नियुक्ति के लिए चयन समिति की सिफारिश को विचार के लिए कार्यकारिणी परिषद के समक्ष रखा जाएगा।	j) कोई परिवर्तन नहीं

VI.) स्थायी/अस्थायी पदों को भरने के लिए चयन समिति की बैठक और अनुशंसा का स्थान।	VI.) कोई परिवर्तन नहीं
a) विभिन्न पदों के लिए चयन समिति आमतौर पर वाराणसी में बैठक करेगी। हालांकि, विशेष मामलों में चयन समिति भारत के किसी अन्य स्थान पर बैठक कर सकती है	a) कोई परिवर्तन नहीं
b) शिक्षण पदों की सभी नियुक्तियाँ वैधानिक चयन समिति की अनुशंसा पर बीएचयू नियम और परिनियम के परिनियम २७ के अनुसार की जाएंगी।	b) कोई परिवर्तन नहीं
c) निरसित	c) निरसित
d) चयन समिति, यदि यह उचित समझती है, तो चयन समिति रिक्तियों के लिए नियुक्ति के लिए योग्यता के क्रम में प्रतीक्षा सूचीरत उम्मीदवारों के नाम की भी सिफारिश कर सकती है।	d) कोई परिवर्तन नहीं
VII. वेतन निर्धारण, अग्रिम वेतन वृद्धि देने और वेतन के संरक्षण के मामले को यूजीसी विनियमों के अनुसार विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों और अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता और उच्च शिक्षा में मानकों के रखरखाव, २०१० के अनुसार और समय -समय पर कार्यकारिणी परिषद द्वारा उल्लिखित, दिशानिर्देश और नीतियां के अनुसार निपटाया जाएगा	VII. कोई परिवर्तन नहीं
VIII. छूट का अधिकार कुलपति के पास यह शक्ति निहित होगी कि ठोस कारणों के साथ वह ऑनलाइन आवेदनों की प्राप्ति के लिए कट - ऑफ तिथि मे छूट एफएसी को आवेदन के प्रसंस्करण की अवधि में छूट प्रदान कर सके, यदि ऐसा करना उचित प्रतीत हो। कुलपति द्वारा पारित किए गए छूट के ऐसे सभी आदेश कार्यकारिणी परिषद को इसकी सुनिश्चित बैठक में सूचित किए जाएंगे।	VIII. कोई परिवर्तन नहीं
टिप्पणी : कार्यकारिणी परिषद, बीएचयू की ECR No. 269 दिनांक 21.04.2015 द्वारा Clause I.3.4., III.1.1. (iii), (vi), (a), (b), (e), III.1.2. (c), (d), (f), III 1.3. (ii), (iii), (vi), (vii), (viii), (ix), (x), (xii), III.2., III.2.1. (a), (b), (c), (d), III.2.2. (a), (b), (c), (d), V. (g), (i), VI.(c) को हटा दिया है	

शिक्षण पदों के लिए लघु-सूचीयन (शॉर्ट लिस्टिंग) करने संबंधी दिशा निर्देश

उम्मीदवार विज्ञापित पद के लिए यूजीसी द्वारा निर्धारित न्यूनतम योग्यताएं धारण करेंगे।

एसोसिएट प्रोफेसर के पद के लिए यूजीसी विनिमय, २०१८ में उल्लिखित उत्तम अकादमिक रिकॉर्ड निम्नानुसार परिभाषित किया जाएगा: हाई स्कूल, इंटरमीडिएट/उच्चतर माध्यमिक और स्नातक स्तर पर न्यूनतम ५५% अंक।

यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार अनु.जा./ अनु.जनजा./ अपिव/दिव्यांगजन को स्नातक और परास्नातक स्तर पर ५% की छूट प्रदान की जा सकती है।

चयन समिति के समक्ष साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने वाले पात्र आवेदकों के लघु-सूचीयन हेतु निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।

फैकल्टी अफेयर्स कमेटी द्वारा आवेदनों का लघु-सूचीयन प्रारंभ में विभाग/स्कूल/केंद्र/इकाई स्तर पर किया जाएगा। इस प्रयोजन के लिए, निम्नलिखित दिशानिर्देशों के अनुसार स्कोर का उपयोग किया जाएगा :

(i) एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के पद के लिए यूजीसी विनियम, २०१८ के परिशिष्ट-II, तालिका-२ में यथापरिभाषित शैक्षणिक/अनुसंधान स्कोर की गणना।

(ii) सहायक प्रोफेसर के पद के लिए यूजीसी रेगुलेशन, २०१८ के परिशिष्ट-II, तालिका-३ ए में यथापरिभाषित शैक्षणिक स्कोर, शोध प्रकाशन और शिक्षण कार्य के अनुभव की गणना।

उपरोक्त के आधार पर, फैकल्टी अफेयर्स कमेटी प्रत्येक विभाग/स्कूल/केंद्र/इकाई के लिए एक पद के लिए १० से अनधिक नामों की सिफारिश करने के लिए, योग्यता के क्रम में एक अंतिम रिपोर्ट तैयार करेगी। यदि संकाय मामलों की समिति को उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलते हैं, तो वह रिपोर्ट में कारण दर्शाते हुए अपेक्षाकृत कमतर नामों की संख्या की सिफारिश कर सकती है। यदि सूचीबद्ध किए गए न्यूनतम स्कोर वाले

उम्मीदवार की भाँति समान स्कोर वाले उम्मीदवार अधिक हैं तो ऐसे उम्मीदवारों को भी सूचीयन में शामिल किया जाएगा। तदनुसार, उम्मीदवार का अंतिम स्कोर निकटतम पूर्णांक तक किया जाएगा।

विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों और अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए न्यूनतम योग्यता संबंधी यूजीसी विनियमन और उच्च शिक्षा में मानकों के रखरखाव के लिए उपाय, २०१८ के अनुसार प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के पद के लिए शैक्षणिक/अनुसंधान स्कोर की गणना करने की कार्यप्रणाली संलग्न है और परिशिष्ट-II, तालिका-२ के रूप में चिह्नित की गई है। सहायक प्रोफेसर के पद के लिए साक्षात्कार के लिए उम्मीदवारों की लघु-सूचीयन के मानदंड संलग्न हैं और यह परिशिष्ट-II, तालिका-३ ए के रूप में चिह्नित है। यूजीसी विनियमन, २०१८ के चयन प्रक्रिया के प्रावधान ६.० के उपबंध V के अंतर्गत यथाउल्लिखित उत्कृष्ट पेशेवरों हेतु मानदंड ४.१ (III.B), ४.२ (I.B, II.B, III.B), ४.३ (I.B, II.B, III.B) फैकल्टी अफेयर्स कमेटी द्वारा परिभाषित किया जाएगा।

शैक्षणिक/शोध अंक की गणना हेतु विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के शिक्षकों के लिए कार्यप्रणाली

(आंकलन शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों पर आधारित होना चाहिए, जैसे: प्रकाशनों की प्रति, परियोजना स्वीकृति पत्र, विश्वविद्यालय द्वारा जारी उपयोग तथा पूर्णता प्रमाण पत्र, पेटेंट दर्ज कराने संबंधी अभिस्वीकृति और स्वीकृति पत्र, विद्यार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान किए जाने संबंधी पत्र इत्यादि।)

क्रम सं.	शैक्षणिक/शोध क्रियाकलाप	विज्ञान/अभियांत्रिकी/ कृषि/ चिकित्सा/ पशु-चिकित्सा विज्ञान संकाय	भाषा/मानविकी/कला/समाजिक विज्ञान/पुस्तकालय/शिक्षा/शारीरिक शिक्षा/वाणिज्य/प्रबंधन तथा अन्य संबंधित विधाएं
१.	पिअर रिव्यूड अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सूचीबद्ध पत्रों में शोध पत्र	०८ प्रति पत्र	१० प्रति पत्र
२.	प्रकाशन (शोध पत्रों के अतिरिक्त)		
	(क) प्रकाशित पुस्तकें, जो प्रकाशित हैं:		
	अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक	१२	१२
	राष्ट्रीय प्रकाशक	१०	१०
	संपादित पुस्तक में अध्याय	०५	०५
	अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशक द्वारा पुस्तक का संपादक	१०	१०
	राष्ट्रीय प्रकाशक द्वारा पुस्तक का संपादक	०८	०८
	(ख) योग्य संकाय द्वारा भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवाद कार्य		
	अध्याय अथवा शोध पत्र	०३	०३
	पुस्तक	०८	०८
३.	आईसीटी के माध्यम से शिक्षण ज्ञान–अर्जन, शिक्षण शास्त्र और विषयवस्तु का सृजन तथा नए और नवोन्मेषी पाठयक्रमों और पाठ्यचर्या का विकास		
	(क) नवोन्मेषी अध्यापन का विकास	०५	०५
	(ख) नई पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रमो को तैयार करना	०२ प्रति पाठ्यचर्या/पाठ्यक्रम	०२ प्रति पाठ्यचर्या/पाठ्यक्रम
	(ग) एमओओसी		
	चार चतुथांश में पूर्ण एमओओसी का विकास (४ क्रेडिट पाठ्यक्रम) (कम क्रेडिट के एमओओसी के मामले में ०५ अंक/क्रेडिट)	२०	२०
	प्रति मॉड्यूल/व्याख्यान एमओओसी (चार यतुर्थांश में विकसित)	०५	०५
	विषयवस्तु लेखक/ एमओओसी के प्रत्येक मॉड्यूल हेतु विषयवस्तु विशेषज्ञ (कम से कम एक चतुर्थांश)	०२	०२
	एमओसी हेतु पाठ्यक्रम समन्वयक (४ क्रेडिट पाठ्यक्रम) (कम क्रेडिट के एमओओसी के मामले में ०२ अंक / क्रेडिट)	०८	०८

	(घ) ई-विषयवस्तु		
	पूर्ण पाठ्यक्रम /ई - पुस्तक हेतु चार चतुर्थांशों में ई-विषयवस्तु का विकास	१२	१२
	प्रति मॉड्यूल ई - विषयवस्तु (चार चतुर्थांश में विकसित)	०५	०५
	समग्र पाठ्यक्रम /पत्र / ई-पुस्तक में ई -पुस्तक में ई-विषयवस्तु मॉड्यूल के विकास में योगदान (कम से कम एक चतुर्थांश)	०२	०२
	संपूर्ण पाठ्यक्रम / पत्र/ई-पुस्तक हेतु ई - विषयवस्तु का संपादक	१०	१०
४	**(क) शोध मार्गदर्शन**		
	पीएचडी	१० प्रति प्रदान की गई उपाधि ०५ प्रति जमा किए गए शोध प्रबंध	१० प्रति प्रदान की गई उपाधि ०५ प्रजि जमा किए गए शोध प्रबंध
	एम.फिल./ स्नातकोत्तर शोध प्रबंध	०२ प्रति प्रदान की गई उपाधि	०२ प्रति प्रदान की गई उपाधि
	(ख) पूरी की गई शोध परियोजनाएं		
	१० लाख से अधिक	१०	१०
	१० लाख से कम	०५	०५
	(ग) जारी शोध परियोजनाएं:		
	१० लाख से अधिक	०५	०५
	१० लाख से कम	०२	०२
	(घ) परामर्शत्री सेवाएं	०३	०३
५	**(क) पेटेंट**		
	अंतर्राष्ट्रीय	१०	१०
	राष्ट्रीय	०७	०७
	(ख) *नीतिगत दस्तावेज (सं.रा.सं./यूनेस्को/विश्व बैंक/अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष इत्यादि अथवा केंद्र सरकार या राज्य सरकार जैसे किसी अंतर्राष्ट्रीय निकाय/संगठन को सौंपे गए)		
	अंतर्राष्ट्रीय	१०	१०
	राष्ट्रीय	०७	०७
	राज्य	०४	०४
	(क) पुरस्कार/ अध्येतावृत्ति		
	अंतर्राष्ट्रीय	०७	०७
	राष्ट्रीय	०५	०५
६	अतिथि व्याख्यान/संसाधक/संगोष्ठियों/सम्मेलनों में पत्र प्रस्तुतीकरण/सम्मलेन कार्यवाहियों में पूर्ण पत्र प्रस्तुत करना (संगोष्ठियों/सम्मेलनों में प्रस्तुत किए गए पत्र और सम्मेलन कार्यवाहियों में पूर्ण पत्र के रूप में प्रकाशित पत्रों की गणना सिर्फ एक बार की जाएगी)		
	अंतर्राष्ट्रीय (विदेश)	०७	०७
	अंतर्राष्ट्रीय (देश के भीतर)	०५	०५
	राष्ट्रीय	०३	०३
	राज्य/विश्वविद्यालय	०२	०२

सहकर्मी द्वारा समीक्षित अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जर्नल (थॉमसन रॉयटर्स की सूची के अनुसार निर्धारित किए जाने वाले प्रभाव कारक):

i. प्रभाव कारक रहित संदर्भित जर्नल में प्रकाशित पत्र - ५ अंक
ii. १ से कम प्रभाव कारक वाले पत्र - १० अंक
iii. १ और २ के बीच प्रभाव कारक वाले पत्र - १५ अंक
iv. २ और ५ के बीच प्रभाव कारक वाले पत्र - २० अंक
v. ५ और १० के बीच प्रभाव कारक वाले पत्र - २५ अंक
vi. १० से अधिक प्रभाव कारक वाले पत्र - ३० अंक

(क) दो लेखक : प्रत्येक लेखक हेतु प्रकाशन के कुल मान का ७० प्रतिशत

(ख) दो से अधिक लेखक: प्रथम/मूल/संवादी लेखक हेतु प्रकाशन के कुल मान का ७० प्रतिशत और प्रत्येक संयुक्त लेखकों हेतु प्रकाशन के कुल मान का ३० प्रतिशत

संयुक्त परियोजनाए: मूल शोधकर्ता और सह- शोधकर्ता में से प्रत्येक को ५० प्रतिशत प्राप्त होगा

नोट:

- यदि संपादित पुस्तक अथवा कार्यवाहियों का भाग के रूप में पत्र प्रस्तुत किया जाता हैं तो इस पर एक बार ही दावा किया जा सकता है।
- शोध विद्यार्थियों के संयुक्त पर्यवेक्षण के लिए पर्यवेक्षक और सह पर्यवेक्षक हेतु सूत्र, कुल प्राप्तांक का ७० प्रतिशत होगा। पर्यवेक्षक और सह- पर्यवेक्षक दोनों में से प्रत्येक को ७ अंक मिलेंगे।
- *शिक्षक के शोध अंकों की गणना करने के प्रयोजनार्थ ५(ख), नीतिगत दस्तावेज और ६ की श्रेणियों से संयुक्त शोध अंक, आमंत्रित व्याख्याता / संसाधक / पत्र प्रस्तुतीकरण संबंधित शिक्षक के कुल शोध अंकों के लिए अधिकतम ३० प्रतिशत की ऊपरी सीमा होगी।
- शोध प्राप्तांक ६ श्रेणियों में से कम से कम तीन श्रेणियों सें होंगे।

विश्वविद्यालयों में सहायक आचार्यों के पद हेतु साक्षात्कार के लिए अभ्यर्थियों के चयन संबंधी मानदंड

क्रम संख्या	शैक्षणिक रिकॉर्ड	प्राप्तांक			
१	स्नातक	८० प्रतिशत और उससें अधिक =१५	६० प्रतिशत से लेकर ८० प्रतिशत से कम =१३	५५ प्रतिशत से लेकर ६० प्रतिशत से कम =१०	४५ प्रतिशत से लेकर ५५ प्रतिशत से कम =०५
२	स्नातकोत्तर	८० प्रतिशत और उससें अधिक =२५	६० प्रतिशत से लेकर ८० प्रतिशत से कम तक =२३	५५प्रतिशत लेकर (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग के मामले में ५० प्रतिशत (असंपन्न वर्ग) / शरीरिक रूप से निशक्त) से ६० प्रतिशत से कम =२०	
३	एम फिल	६० प्रतिशत और इससे अधिक =०७	५५ प्रतिशत से लेकर ६० प्रतिशत से कम =०५		
४	पीएचडी	३०			
५	नेट सहित जेआरएफ	०७			
	नेट	०५			
	एसएलईटी/एसईटा	०३			
६	शोध प्रकाशन (सहकर्मी द्वारा समीक्षित अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सूचीबद्ध जर्नल में प्रकाशित प्रत्येंक शोध प्रकाशन हेतु २ अंक)	१०			
७	शिक्षण /पोस्ट डॉक्टोरल अनुभव (प्रत्येक एक वर्ष के लिए २ अंक) #	१०			
८	पुरस्कार				
	अंतर्राष्ट्रीय/ राष्ट्रीय स्तर (अंतरराष्ट्रीय संगठनों/ भारत सरकार / भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय स्तर के निकायों द्वारा दिए गए पुरस्कार)	०३			
	राज्य स्तरीय (राज्य सरकार द्वारा दिए गए पुरस्कार)	०२			

तथापि, यदि शिक्षण /पोस्ट डॉक्टोरल अनुभव की अवधि एक वर्ष से कम है तो अंकों को अनुपातिक रूप से घटा दिया जाएगा।

नोट:

(क)

i. एमफिल +पीएचडी	अधिकतम -	३० अंक
ii. जेआरएफ/नेट/सेट	अधिकतम -	०७ अंक
iii. अवार्ड की श्रेणी में	अधिकतम -	०३ अंक

(ख) साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या संबंधित विश्वविद्यालयों द्वारा निर्धारित की जाएगी।

(ग)

शैक्षणिक प्राप्तांक	-८०
शोध प्रकाशन	-१०
शिक्षण अनुभव	-१०
कुल :	**१००**

(घ) एसएलईटी/ सेट प्राप्तांक केवल संबंधित राज्यों के विश्वविद्यालयों/संस्थाओं में नियुक्ति के लिए वैध होंगे।

भाग - २

वार्षिक प्रतिवेदन २०१८-२०१९

परिशिष्ट - १

I - कोर्ट के सदस्य

१. न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय, कुलाधिपति
२. प्रो. राकेश भटनागर, कुलपति
३. प्रो. (डॉ.) राजीव सीजरीया
४. प्रो. जितेन्द्र प्रसाद
५. प्रो. सन्तोष कुमार
६. प्रो. आशीष डहिया
७. प्रों. रेखा चतुर्वेदी
८. प्रो. आनन्द पालीवाल
९. प्रो. सुधा सिन्हा
१०. प्रो. एस.एस.सवरीकर
११. प्रो. चन्द्रकान्त दन्यन्देव लोखान्डे
१२. डॉ. प्रवीण कुमार
१३. डॉ. श्री राम वर्मा
१४. डॉ. उमा श्रीवास्तव
१५. डॉ. के.डी. त्रिपाठी
१६. डॉ. राजेश शर्मा
१७. डॉ. पिजूशकान्ती पनिग्रही
१८. डॉ. हेमेन्द्र सिंह चंडालीया
१९. डॉ. रक्षा सिंह
२०. डॉ. के.वी.एस.एस. नारायण राव
२१. डॉ. सी.एच. गोपाल रेड्डी
२२. डॉ. एस.के.वर्मा
२३. डॉ. सी.के. सुब्रया
२४. डॉ. संगीत कले
२५. प्रो. महेन्द्र कुमार गुप्ता
२६. डॉ. रजनीश कुमार शुक्ला
२७. डॉ. गिरीश चन्द्र सक्सेना
२८. श्रीमति. अरुणा शारस्वत
२९. श्री अनिकेत दिवाकर कले
३०. श्री सुमन कुमार
३१. श्री. इला पटनायक
३२. श्री विपीन विहारी
३३. श्री. नीरज शेखर
३४. डॉ. कृष्ण प्रताप सिंह
३५. श्री. आन्नद्रो अदशुल

II - कार्यकारिणी परिषद् के सदस्य

(परिनियम १७(१) (i) के अन्तर्गत)

१. **प्रो. राकेश भटनागर,** कुलपति
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
(कार्यकारी परिषद के कार्यकारी अधिकारी हैं)

२. **डॉ. ए.के. सिंह**
आईसीए आर अनुसंधान परिसर पूर्वी क्षेत्र,
अनुसंधान केंद्र, झारखंड

३. **डॉ. ए.के. त्रिपाठी**
वैज्ञानिक-एफ एण्ड रजिस्ट्रार, वन अनुसंधान संस्थान डीम्ड विश्वविद्यालय

४. **प्रो. आद्या प्रसाद पांडेय**
कुलपति,
मणिपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय

५. **प्रो.अशिम कुमार मुखर्जी**
प्रोफेसर, प्रमुख वाणिज्य और निदेशक मोनिरबा,
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, सीनेट हाउस इलाहाबाद

६. **प्रो. हरीश चंद्र नैनवाल**
प्रमुख, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय
उत्तराखंड

७. **डॉ. राम नरेश मिश्रा**
प्रोफेसर, और प्रमुख,
हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

८. **प्रो. आनंद मोहन**
इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

९. **डॉ.बच्चा सिंह**
पूर्व प्रोफेसर, विज्ञान संस्थान,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

III - विद्वत् परिषद् के सदस्य

कुलपति (परिनियम १७(१) (i) के अन्तर्गत)

प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी

संस्थानों के निदेशक (परिनियम १७ (१) (iii) के अन्तर्गत)

१. **कृषि विज्ञान**
प्रो. ए.वैशम्पायन (१०.०१.२०१९ तक)
प्रो. रमेश चन्द (११.०१.२०१९ से)

२. चिकित्सा विज्ञान
प्रो. वी.के. शुक्ला (३१.०१.२०१९ तक)
प्रो. ए.के. अस्थाना (०१.०२.२०१९ से)

३. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास
प्रो. कविता शाह (२८.११.२०१८ तक)
प्रो. ए.एस.रघुवंशी (२९.११.२०१८ से)

४. प्रबंध अध्ययन संकाय
प्रो. राज कुमार (२२.०७.२०१८ तक)
प्रो. पी.एस.त्रिपाठी (२३.०७.२०१८ से २९.११.२०१८ तक)
प्रो. एस.के. दुबे (३०.११.२०१८ से)

५. विज्ञान संकाय
प्रो. नवीन कुमार (३१.१०.२०१८ तक)
प्रो. मल्लीकार्जुन जोशी (०१.११.२०१८ से ३१.०१.२०१९ तक)
प्रो. अनील कुमार त्रिपाठी (०१.०२.२०१९ से)

संकायों के प्रमुख

(परिनियम १७ (१) (iv) के अन्तर्गत)

आयुर्वेद संकाय
प्रो. वाई.बी.त्रिपाठी

चिकित्सा संकाय
प्रो. जय प्रकाश (३०.११.२०१८तक)
प्रो. ए.के. अस्थाना (०१.१२.२०१८ से)

कला संकाय
प्रो. श्री निवास पाण्डेय (३०.०४.२०१८ तक)
प्रो. यू.सी. दूबे (२१.०५.२०१८ से ३१.१२.२०१९ तक)
प्रो. अशोक सिंह (०१.०१.१९ से)

कृषि संकाय
प्रो. (सुश्री.) वन्दना बोष (३०.१२.२०१८ तक)
प्रो. ए.पी.सिंह (०१.०१.२०१९ से)

वाणिज्य संकाय
प्रो. सी.पी.मल्ल (२८.०२.२०१९ तक)
प्रो. प्रशांत कुमार (०१.०३.२०१९ से)

दन्त विज्ञान संकाय
प्रो. (सुश्री.) नीलम मित्तल

शिक्षा संकाय
प्रो. आर.पी. शुक्ला

विधि संकाय
प्रो. देवेन्द्र कुमार शर्मा (३१.०४.२०१८ तक)
प्रो. आर.पी. सिंह (०१.०५.२०१८ से)

प्रबन्ध शास्त्र संकाय
प्रो. राजकुमार (२२.०७.२०१८ तक)
प्रो. पी.एस.त्रिपाठी (२३.०७.२०१८ से)

मंच कला संकाय
प्रो. विरेन्द्र नाथ मिश्रा (३०.०५.२०१८ तक)
प्रो. राजेश शाह (०१.०६.२०१८ से)

संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय
प्रो.चन्द्रमा पाण्डेय

विज्ञान संकाय
प्रो. एन.के. सिंह (३०.१०.२०१८ तक)
प्रो. एम. जोशी (०१.११.२०१८ से)

समाजिक विज्ञान संकाय
प्रो. एम.के.चतुर्वेदी (३१.०४.२०१८ तक)
प्रो. आर.पी. पाठक (०१.०५.२०१८ से)

दृश्य कला संकाय
प्रो. दिप्ती प्रकाश मोहन्ती

पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संकाय
प्रो. जी.एस.सिंह

पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय
प्रो. रमादेवी निम्मनपल्ला

शैक्षणिक विभागों के अध्यक्ष

(परिनियम १७(१) (v) के अन्तर्गत)

१. कला संकाय

१. प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व
प्रो. (सुश्री) पुष्पलता सिंह (३०.३.२०१९ तक)
प्रो. ओंकार नाथ सिंह (३१.०३.२०१९ से)

२. **अरबी**
प्रो. वजीर हसन अब्बास

३. **बंगाली**
प्रो. (सुश्री) नमिता भट्टाचार्या

४. **अंग्रेजी**
प्रो. एम.एस. पाण्डेय (३१.०१.२०१९ तक)
प्रो. (सुश्री) आनंद प्रभा बराट (०१.०२.२०१९से)

५. **विदेशी भाषाएँ**
प्रो. (सुश्री) अदिति झा

६. **फ्रांसीसी**
प्रो. अखिलेश कुमार (३०.०७.२०१८ तक)
प्रो. डी.के. सिंह (०१.०८.२०१८ से)

७. **जर्मन अध्ययन**
डॉ. अभय कुमार मिश्रा

८. **हिन्दी**
प्रो. अशोक सिंह (३०.०६.२०१८ तक)
प्रो. (सुश्री) आर.के. सराफ (०१.०७.२०१८ से)

९. **कला इतिहास**
प्रो. अतुल त्रिपाठी (०२.०७.२०१८ तक)
प्रो. प्रदोष कुमार मिश्रा (०३.०७.२०१८ से)

१०. **भारतीय भाषाएँ**
डॉ. संजय राय (०७.०४.२०१८ तक)
दिवाकर प्रधान (०८.०४.२०१८ से)

११. **पत्रकारिता एवं जनसम्प्रेषण**
प्रो. अनुराग दवे

१२. **पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान**
डॉ. आदित्य त्रिपाठी

१३. **भाषा विज्ञान**
प्रो. राजनाथ भट (०५.०९.२०१८ तक)
संकाय प्रमुख (विभागाध्यक्ष) (०६.०९.२०१८ से)

१४. **मराठी**
डॉ. प्रमोद भगवान पडवाल

१५. **पालि एवं बौद्ध अध्ययन**
प्रो. लालजी (३१.०१.२०१९ तक)
प्रो. विमलेन्द्र कुमार (०१.०२.२०१९ से)

१६. **फारसी**
प्रो. मोहम्मद अकील

१७. **दर्शन एवं धर्म**
प्रो. कृपा शंकर (३०.०६.२०१८ तक)
प्रो. मुकुल राज मेहता (०१.०७.२०१८ से)

१८. **शारीरिक शिक्षा**
प्रो. डी.के. सुषमा घिल्डियाल (३१.०८.२०१८ तक)
प्रो. अभिमन्यु सिंह (०१.०९.२०१८ से)

१९. **संस्कृत**
प्रो. आनन्द कुमार श्रीवास्तव

२०. **तेलगू**
प्रो.सी.एस. रामा चन्द्रमूर्ति (३१.०३.२०१९ तक)
प्रो. (सुश्री.) शारदा सुन्दरी भरतुला (०१.०४.२०१८ से)

२१. **उर्दू**
आफताब अहमद

२. आयुर्वेद संकाय

१. **द्रव्य गुण**
प्रो. अनिल कुमार सिंह (३१.०५.२०१८ तक)
प्रो. के.एन.द्विवेदी (०१.०६.२०१८ से)

२. **कौमारभृत्य/बाल रोग**
प्रो.बी.एम.सिंह

३. **काय चिकित्सा**
प्रो. जे.एस. त्रिपाठी (३१.०१.२०१९ तक)
प्रो. ओ.पी. सिंह (०१.०२.२०१९ से)

४. **क्रिया शरीर**
प्रों. (सुश्री) संगीता गेहलत

५. **रसायन**
प्रो. त्रियम्बकम देव सिंह (०५.०७.२०१८ तक)
प्रो. (सुश्री.) अल्का अग्रवाल (०६.०७.२०१८ से)

६. **प्रसूति तंत्र**
प्रो. (सुश्री) नीलम

७. **रचना शरीर**
डॉ. कामेश्वर नाथ सिंह

८. **रस शास्त्र**
प्रो. के.आर.सी.रेड्डी (१९.०७.२०१८ तक)
प्रो. अनंद कुमार चौधरी (२०.०७.२०१९ से)

९. **संहिता एवं संस्कृत**
डॉ. मुरलीधर पालीवाल

१०. **शालक्य तंत्र**
डॉ. मनोज कुमार

११. **शल्य तंत्र**
प्रों. सुरेन्द्र शेखर मिश्रा

१२. **सिद्धांत दर्शन**
प्रों. उमा गुप्ता

१३. **स्वास्थ्यवृत एवं योग**
डॉ. नीरू नथानी

१४. **विकृत विज्ञान**
प्रो. ए.सी. कर (०४.१२.२०१८ तक)
डॉ. पी.एस. ब्यादगी (०५.१२.२०१८ से)

१५. **संज्ञाहरण**
प्रो. डी.एन. पाण्डेय

३. कृषि विज्ञान संकाय

१. कृषि अर्थशास्त्र
प्रो. प्रकाश सिंह बादल

२. शस्य विज्ञान
प्रो. जे.एस. बोहरा

३. पशु पालन एवं दुग्ध विज्ञान
प्रो. आर.के. पाण्डेय (२७.१२.२०१८ तक)
प्रो. डी.सी. राय (२८.१२.२०१८ से)

४. कीट एवं कृषि जन्तु विज्ञान
प्रो. पी.एस. सिंह

५. प्रसार शिक्षा
प्रो. ओम प्रकाश मिश्रा (२८.११.२०१८ तक)
प्रो. बी. जिर्ली (२९.११.२०१८ से)

६. कृषि अभियांत्रिकी
प्रो. राम मंदिर सिंह

७. आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन
प्रो. ए. वैशम्पायन (१४.०५.२०१८ तक)
प्रो. आर.पी. सिंह (१५.०५.२०१८ से)

८. उद्यान विभाग
प्रो. बी.के. सिंह (०२.१०.२०१८ तक)
प्रो. आनंद कुमार सिंह (०३.१०.२०१८ से)

९. कवक विज्ञान एवं पादप रोग विज्ञान
प्रो. रमेश चन्द

१०. पादप कार्यिकी विज्ञान
प्रो. पद्मनाभ द्विवेदी

११. मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन
प्रो. पी. राहा

४. वाणिज्य संकाय

वाणिज्य
प्रो. सी.पी. मल्ल (२८.०२.२०१८ तक)
प्रो. प्रशान्त कुमार (०१.०३.२०१९ से)

५. दन्त विज्ञान संकाय

दन्त विज्ञान
प्रो. नीलम मित्तल

६. शिक्षा संकाय

शिक्षा
प्रो. पी.सी. शुक्ला (३०.०६.२०१७ तक)
प्रो. आर.पी.शुक्ला (०१.०७.२०१७ से)

७. विधि संकाय

विधि
प्रो. बी.एन.पांडेय (३१.०४.२०१८ तक)
प्रो. आर.पी. राय (०१.०५.२०१८ से)

८. प्रबन्ध शास्त्र संकाय

प्रबन्ध शास्त्र
प्रो. राजकुमार (२२.०७.२०१८ तक)
प्रो. पी.एस. त्रिपाठी (२३.०७.२०१८ से)

९. चिकित्सा संकाय

१. नि:संज्ञा विज्ञान
प्रो. पुष्कर रंजन (२५.१०.२०१८ तक)
प्रो. शारदा कुमार ठाकुर (२६.१०.२०१८ से)

२. शरीर रचना विज्ञान
प्रो. (सुश्री.) सी. मोहन्ती

३. जीव रसायन शास्त्र
डॉ. सुरेन्द्र प्रताप मिश्रा (१३.०९.२०१८ तक)
डॉ. (सुश्री.) रागिनी श्रीवास्तव (१४.०९.२०१८से)

४. जैव भौतिकी
संकाय प्रमुख (विभागाध्यक्ष)

५. हृदय रोग
प्रो. गीता सुब्रमनियम (३०.०७.२०१८ तक)
डॉ. धर्मेन्द्र कुमार जैन (०१.०८.२०१८ से)

६. हृदय वक्ष शल्य चिकित्सा
डॉ. सिद्धार्थ लखोटिया

७. त्वचा एवं रति रोग विज्ञान
प्रो. सतेन्द्र कुमार सिंह (३१.०१.२०१९ तक)
प्रो. संजय सिंह (०१.०२.२०१९ से)

८. अत:स्त्राव विज्ञान
प्रो. नीरज कुमार अग्रवाल (३०.१०.२०१८ तक)
प्रो. एस.के. सिंह (०१.११.२०१८ से)

९. फॉरेंसिक मेडिसिन
डॉ. मनोज कुमार

१०. जठरांत्र शोथ विज्ञान
डॉ. सुनीत कुमार शुक्ला

११. सामान्य चिकित्सा
प्रो. कैलाश कुमार (२४.०४.२०१८ तक)
प्रो. (सुश्री.) जया चक्रवर्ती (२७.०४.२०१८ से

१२. सूक्ष्मजीव विज्ञान
प्रो. (सुश्री.) शम्पा अनुपूर्बा

१३. वृक्क रोग विज्ञान
डॉ. शिवेन्द्र सिंह

१४. **तंत्रिकीय चिकित्सा**
प्रो. दीपिका जोशी (०६.१२.२०१८ तक)
प्रो. आर.एन. चौरसिया (०७.१२.२०१८ से)

१५. **तंत्रिकीय शल्य चिकित्सा**
डॉ. कुलवंत सिंह भिखेल

१६. **प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान**
प्रो. (सुश्री) मधु जैन (३०.०५.२०१८ तक)
प्रो. (सुश्री) एन.आर. अग्रवाल (०१.०६.२०१८ से)

१७. **नेत्र विज्ञान**
प्रो. एम.के.सिंह (१६.१०.२०१८ तक)
प्रो. ओ.पी.एस. मौर्या (१७.१०.२०१८ से)

१८. **विकलांग विज्ञान**
प्रो. अनिल कुमार राय

१९. **कर्ण नासा कण्ठ विज्ञान**
प्रो. राजेश कुमार

२०. **बाल चिकित्सा**
प्रो. विनिता गुप्ता (०४.०८.२०१८ तक)
प्रो. राजनीती प्रसाद (०५.०८.२०१८ से)

२१. **बाल शल्य-चिकित्सा**
प्रो. शिव प्रसाद शर्मा

२२. **पैथालाजी**
प्रो. अमृता घोष कर

२३. **भैषजकी विज्ञान**
प्रो. अमित सिंह

२४. **शरीर विज्ञान**
प्रो. बी.एम. मंडल

२५. **प्लास्टिक शल्य चिकित्सा**
प्रो. नीरज कांत अग्रवाल

२६. **सामुदायिक चिकित्सा (पी एस एम)**
प्रो. (सुश्री.) संगीता कंशल

२७. **मनोरोग चिकित्सा**
प्रो. ए.एस श्रीवास्तव

२८ **विकिरण-निर्धारण छायांकरण (विकरण विज्ञान)**
प्रो. आर.सी.शुक्ला

२९. **विकिरण उपचार व विकिरण औषधि**
प्रो. यू.पी.साही

३०. **सामान्य शल्य चिकित्सा**
प्रो. मुमताज अहमद अंसारी (२८.०४.२०१९तक)
प्रो. पुनीत (२९.०४.२०१९ से)

३१. **यक्ष्मा एवं वक्ष रोग**
प्रो. जे.के. मिश्रा

३२. **मूत्ररोग विज्ञान**
डॉ. समीर त्रिवेदी

३३. **सर्जिकल ऑंकोलाजी**
प्रो. मनोज पाण्डेय

१०. मंच कला संकाय

१. **नृत्य**
डॉ. (सुश्री) विधी नागर

२. **वाद्य संगीत**
प्रो. (सुश्री.) संगीता सिंह

३. **संगीत शास्त्र**
संकाय प्रमुख (विभागाध्यक्ष)

४. **कण्ठ संगीत**
प्रो.शशी कुमार (३१.०९.२०१८ तक)
प्रो. (सुश्री.) संगीता पंडित (०१.१०.२०१८ से)

११. विज्ञान संकाय

१. **जैवरसायन**
प्रो. एस.पी. सिंह

२. **वनस्पति विज्ञान**
प्रो. (सुश्री.) मधुलिका अग्रवाल (३०.०७.२०१८ तक)
प्रो. आर.एस. उपाध्याय (०१.०८.२०१८ से)

३. **रसायन विज्ञान**
प्रो.डी.एस. पांडेय

४. **संगणक विज्ञान**
प्रो. एस.कार्तिकेयन

५. **भूगोल**
प्रो. के.एन.पी. राजू (३०.०७.२०१८ तक)
प्रो. राम शंकर यादव (०१.०८.२०१८ से)

६. **भूविज्ञान**
प्रो. आर.के.श्रीवास्तव

७. **भू-भौतिकी**
प्रो. रवी शंकर सिंह (१०.०६.२०१८ तक)
प्रो. एन.पी. सिंह (११.०६.२०१८ से)

८. **गृह विज्ञान**
डॉ. अर्चना चक्रवर्ती

९. **गणित**
प्रो. अशोक कुमार सिंह

१०. **भौतिक विज्ञान**
प्रो. आर.पी. मल्लीक

११. **सांख्यिकी**
प्रो. बी.बी. खरे

१२. **प्राणि विज्ञान**
प्रो. (सुश्री) चंदना हल्दर (३०.०७.२०१८ तक)
प्रो. जे.के.राय (०१.०८.२०१८ से)

१३. आण्विक एवं मानव आनुवांशिकी विज्ञान
डॉ. असीम मुखर्जी (०५.०४.२०१८ तक)
प्रो. गोपेश्वर नारायण (०६.०४.२०१८ से)

१२. सामाजिक विज्ञान संकाय

१. अर्थशास्त्र
अचल कुमार गौण

२. इतिहास
प्रो. अजय प्रताप

३. राजनीति विज्ञान
प्रो. अशोक कुमार उपाध्याय (३०.११.२०१८ तक)
प्रो. आर.पी.सिंह (०१.१२.२०१८ से)

४. मनोविज्ञान
प्रो. तारा सिंह

५. समाजशास्त्र
प्रो. ए.के.जोशी

१३. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

१. बौद्ध एवं जैन दर्शन
डॉ.ए.के.जैन (३१.१०.२०१८ तक)
प्रो. प्रद्युम्न शाह सिंह (०१.११.२०१८ से)

२. धर्मागम
प्रो. शितला प्रसाद पाण्डेय

३. धर्मशास्त्र एवं मीमांसा
डॉ. एम.जी. रटाटे

४. ज्योतिष
प्रो. राम जीवन मिश्रा (३०.०७.२०१८ तक)
प्रो. विनय कुमार पांडेय (०१.०८.२०१८ से)

५. साहित्य
प्रो. श्यामानन्द मिश्रा

६. वेद
डॉ. उपेन्द्र नाथ त्रिपाठी

७. वैदिक दर्शन
प्रो. धनन्जय कुमार पाण्डेय (२७.१०.२०१८ तक)
प्रो. जी.एस.शास्त्री (२८.१०.२०१८ से)

८. व्याकरण
प्रो. बाल शास्त्री

१४. दृश्य कला संकाय

१. प्रयुक्त कला
प्रो. हीरा लाल प्रजापति

२. चित्रकारी
प्रो. दिप्ती प्रकाश मोहन्ती

३. प्लास्टिक कला
प्रो. एम.एल.गुप्ता

१५. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संकाय

प्रो. जी.एस.सिंह

१६. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय

१. पशुचिकित्सा शरीर रचना
संकाय प्रमुख

२. पशुचिकित्सा मनोविज्ञान और जैव रसायन
संकाय प्रमुख

३. पशुचिकित्सा फार्माकोलॉजी और विषाक्त विज्ञान
डॉ. शाहिद परवेज

४. पशुचिकित्सा सूक्ष्मजीव
प्रो. रमादेवी निम्मनपल्ली

५. पशुचिकित्सा रोग विज्ञान
संकाय प्रमुख

६. पशुचिकित्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य महामारी विज्ञान
संकाय प्रमुख

७. पशुचिकित्सा पोषण
संकाय प्रमुख

८. पशुचिकित्सा स्त्री रोग और प्रसूति
संकाय प्रमुख

९. पशुचिकित्सा सर्जरी और रेडियोलॉजी
डॉ. नरेश कुमार सिंह

१०. पशुचिकित्सा दवा
संकाय प्रमुख

११. पशुचिकित्सा पैरासिटोलॉजी
संकाय प्रमुख

१२. पशुधन उत्पादन और प्रबंधन
संकाय प्रमुख

१३. पशुधन उत्पादन और प्रबन्धन
संकाय प्रमुख

१४. पशुधन उत्पादन प्रौद्योगिकी
संकाय प्रमुख

१५. पशु आनुवंशिकी और प्रजनन
संकाय प्रमुख

अन्तर्विषयी स्कूल के समन्वयक

१. जैव प्रौद्योगिकी स्कूल
प्रो. अरविन्द कुमार

२. खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्यागिकी केन्द
प्रो. अनिल कुमार चौहान

प्राचार्या, महिला महाविद्यालय

(परिनियम १७(१)(vi) के अन्तर्गत)

प्रो. (सुश्री) संध्या सिंह कौशिक (३०.०६.२०१८ तक)
प्रो. चन्द्र कला त्रिपाठी (०१.०७.२०१८ से)

विश्वविद्यालय की सुविधाओं के लिए स्वीकृत महाविद्यालयों के प्राचार्य

(परिनियम १७(१)(vii) के अन्तर्गत)

१. **प्राचार्या, वसन्त कन्या महाविद्यालय**
डॉ. रचना श्रीवास्तव

२. **प्राचार्या, वसन्त महिला महाविद्यालय**
डॉ.(सुश्री) अल्का सिंह

३. **प्राचार्या, आर्य महिला पीज़ी.महाविद्यालय**
डॉ. (श्रीमती) रचना दूबे

४. **प्राचार्य, दयानन्द पोस्ट ग्रेजुएट महाविद्यालय**
डॉ. एस.डी. सिंह

संकायों के वरिष्ठ आचार्य, उपाचार्य, सहायक आचार्य

१७ (१) (viii) के अन्तर्गत):

१. **कृषि विज्ञान संकाय**
१. डॉ. आर.पी. सिंह
प्रोफेसर
२. डॉ. शाहिद परवेज
असोसिएट प्रोफेसर
३. डॉ. जय प्रकाश राय
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

२. **कला संकाय**
१. डॉ. कुमार पंकज
प्रोफेसर
२. डॉ.अभय कुमार मिश्रा
असोसिएट प्रोफेसर
३. डॉ. (सुश्री) सुमित चटर्जी
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

३. **आयुर्वेद संकाय**
१. डॉ. वी.के. जोशी
प्रोफेसर
२. डॉ. केएचएचवीएसएस नरसिम्हा मुर्ती
असोसिएट प्रोफेसर
३. डॉ. गोपाल मीना
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

४. **वाणिज्य संकाय**
१. डॉ. वी.एस.सिंह
प्रोफेसर
२. श्री राम स्वरूप मीना
असोसिएट प्रोफेसर
३. डॉ.लाल बाबू जायसवाल
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

५. **दन्त चिकित्सा संकाय**
१. डॉ. (सुश्री) नीलम मित्तल
प्रोफेसर
२. डॉ. अदिती
असोसिएट प्रोफेसर
३. डॉ. आशीष अग्रवाल
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

६. **शिक्षा संकाय**
१. डॉ. एच.सी.एस. राठौर
प्रोफेसर
२. डॉ.अल्का रानी
असोसिएट प्रोफेसर
३. श्री. अजीत कुमार राय
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

७. **विधि संकाय**
१. डॉ. देवेन्द्र कुमार शर्मा
प्रोफेसर
२. डॉ. राजनीश कुमार पटेल
असोसिएट प्रोफेसर
३. श्री विजय कुमार सरोज
असोसिएट प्रोफेसर

८. **प्रबन्धशास्त्र संकाय**
१. डॉ. एच.सी. चौधरी
प्रोफेसर
२. डॉ. अमित गौतम
असोसिएट प्रोफेसर
३. डॉ. (सुश्री) शशी श्रीवास्तव
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

९. **चिकित्सा संकाय**
१. डॉ. जय प्रकाश
प्रोफेसर
२. डॉ. कुलवन्त सिंह भइखल
असोसिएट प्रोफेसर
३. डॉ.मनुशी श्रीवास्तव
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

१०. मंच कला संकाय

१. डॉ.(सुश्री) ऋत्वीक शान्याल
प्रोफेसर

२. श्री विधी नागर
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. प्रेम किशोर मिश्रा
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

११. विज्ञान संकाय

१. डॉ. एन.के. सिंह
प्रोफेसर

२. डॉ. एस. भटट्ाचार्या
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. प्रथा प्रतिम घोश
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

१२. सामाजिक विज्ञान संकाय

१. डॉ. (सुश्री) सी. पाडीया
प्रोफेसर

२. डॉ. राकेश पाण्डेय
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. (सुश्री) शबाना बानो
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

१३. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

१. डॉ. बाला शास्त्री
प्रोफेसर

२. डॉ. श्रीकृष्णा त्रिपाठी
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. शिवराम गंगोपाध्याय
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

१४. दृश्य कला संकाय

१. डॉ.(सुश्री) मृदुला सिन्हा
प्रोफेसर

२. डॉ. विजय सिंहा
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. शान्ति स्वरूप सिंहा
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

१५. पर्यावारण एवं संपोष्य विकास संकाय

१. डॉ. ए.एस. रघुवंशी
प्रोफेसर

डॉ. विरेन्द्र कुमार मिश्रा
असोसिएट प्रोफेसर

२. डॉ. विशाल प्रसाद
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

१६. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय

डॉ. रमादेवी निम्मनपल्ली
प्रोफेसर

१७. महिला महाविद्यालय

१. डॉ. (सुश्री) संध्या सिंह कौशिक
प्रोफेसर

२. डॉ. (सुश्री) एस. सेनगुप्ता
असोसिएट प्रोफेसर

३. डॉ. (सुश्री) नम्रता राठौर
असिस्टेन्ट प्रोफेसर

विद्वत परिषद के बाह्य सदस्य (परिनियम १७ (१) (ix) के अन्तर्गत)

१. प्रो. वी.सी. पाण्डेय
प्रोफेसर,
इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

२. प्रो.पंकज चन्द्रा
कुलपति एवं चेयरमैन
अहमदाबाद विश्वविद्यालय

३. रवि कांत
कुलपति
किंग जोर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ

४. प्रो. आर.सी सोबित
कुलपति
बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ

५. डॉ. शोमा घोष
पदम श्री
मनचूबाई रोड, मुम्बई

६. प्रो. कमलेश पी.जोशीपुरा
प्रोफेसर
विधी संकाय, स्वराष्ट्र विश्वविद्यालय, गुजरात

७. डॉ. वाई.एम.कूल
निदेशक योजना एवं कृषि विकास राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

८. प्रोफेसर नन्दिता सिंह,
शिक्षा विभाग,
पंजाब विश्वविद्यालय, चंड़ीगढ

इमेरिटस प्रोफेसर (विशेष आमंत्रित)

(अध्यादेश १२ के प्रावधानों के अन्तर्गत)

१. प्रो. एम.एस. श्रीनिवाशन
भूविज्ञान विभाग विज्ञान संकाय

२. **प्रो. जे.एस.सिंह**
वनस्पति विभाग, विज्ञान संकाय

३. **प्रो. ओ.एन. श्रीवास्तव**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

४. **प्रो. टी.वी. रामाकृष्णन्**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

५. **प्रो. के.डी. त्रिपाठी**
धर्मागम विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

६. **प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी**
संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

७. **डॉ. वनश्री,**
अंग्रेजी विभाग, कला संकाय

८. **प्रो.वी.बी.सिंह**
रसायन शास्त्र विभाग, विज्ञान संकाय

९. **प्रो. सी.एम.चतुर्वेदी**
जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय

१०. **प्रो. आर.सी. मिश्रा**
मनोविज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय

११. **अरुणा सिन्हा**
इतिहास विभाग, समाजिक विज्ञान संकाय

१२. **प्रो. श्रीनिवास पांडेय**
हिन्दी विभाग, कला संकाय

१३. **प्रो. अशोक कुमार कौल**
समाजशात्र विभाग, समाजिक विज्ञान संकाय

१४. **प्रो. वी.के. जोशी**
द्रव्यगुण विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान

१५. **प्रो.इन्द्रमनी लाल सिंह**
मनोविज्ञान विभाग, समाजिक विज्ञान संकाय

१६. **प्रो. वैशम्पायन**
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान

डिस्टिंग्विश्ड प्रोफेसर (विशेष आमंत्रित)

१. **प्रो. टी.के.लाहिरी**
हृदय वक्ष शल्य चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान

२. **प्रो. एच.एस. शुक्ला**
सर्जिकल ऑनकोलॉजी, चिकित्सा विज्ञान संस्थान

३. **प्रो. (श्रीमती) एस. चूड़ामणी गोपाल**
बाल शल्य चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान

४. **प्रो. टी.एम. महापात्रा**
सूक्ष्म जीविकी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान

५. **प्रो. आर.जी. सिंह**
वृक्क रोग विज्ञान

६. **प्रो. आर एच. सिंह**
कायचिकित्सा विज्ञान, आयुर्वेद संकाय, चि.वि.सं.

७. **प्रो. जी.पी. दूबे**
क्रिया शरीर, आयुर्वेद संकाय, चि.वि.सं.

८. **प्रो. यशवंत सिंह**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

९. **प्रो.एस.सी.लखोटिया**
जीवविज्ञान विभाग,विज्ञान संस्थान

१०. **प्रो.एल.सी.राय**
वनस्पति विज्ञान विभाग,विज्ञान संस्थान

११. **प्रो. पी.सी.मिश्रा**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

१२. **प्रो. श्री सिंह**
भौतिक विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

१३. **प्रो. बी.एन.सिंह**
जीवविज्ञान विभाग, विज्ञान संकाय

१४. **प्रो. एच.आर. शर्मा**
संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

१५. **प्रो. आर.के. पांडेय**
प्रबंध अध्ययन संस्थान

१६. **प्रो. डी.पी. सिंह**
भूतपूर्व प्रोफेसर खनन अभियांत्रिकी

१७. **प्रो. ए.एन. त्रिपाठी**
भूतपूर्व प्रोफेसर इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी

१८. **प्रो. एस. लेले**
भूतपूर्व प्रोफेसर धातुकीय अभियांत्रिकी

१९. **प्रो. पृथ्वी कुमार अग्रवाल**
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व

२०. **प्रो. श्याम सुन्दर**
सामान्य चिकित्सा, विज्ञान संस्थान

२१. **प्रो. राजीव रमन**
जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान

२२. **प्रो. अश्विनी कुमार राय**
वनस्पति विभाग, विज्ञान संस्थान

२३. **प्रो. मनोरंजन शाहू**
शल्य तंत्र विभाग, आयुर्वेद संकाय

२४. **प्रो. ए.के. श्रीवास्तव**
मनोविज्ञान विभाग, समाजिक विज्ञान संकाय

२५. **प्रो. लल्लन मिश्रा**
रसायनशास्त्र विभाग, विज्ञान संस्थान

२६. प्रो. जे.पी. लाल
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान

२७. प्रो. गणेश पाण्डेय
सेंटर ऑफ बायोमेडिकल रिसर्च, एसजीपीजीआई कैम्पस, लखनऊ

विश्वविद्यालय के अधिकारी

विजिटर
भारत के राष्ट्रपति

कुलाधिपति
डॉ. गिरधर मालवीय (०८.१२.२०१८ से)

कुलपति
प्रो. राकेश भटनागर

कुलसचिव
डॉ. नीरज त्रिपाठी

वित्त अधिकारी
डॉ. एस.बी.पटेल

परीक्षा नियन्ता
श्री मनोज पाण्डेय

पुस्तकालयाध्यक्ष
प्रो. एच.एन. प्रसाद

छात्र अधिष्ठाता
डॉ. एम.के. सिंह

मुख्य कुलानुशासक
प्रो. रॉयना सिंह

चिकित्सा अधीक्षक
डॉ. ओम प्रकाश उपाध्याय (०३.०७.२०१८ तक)
निदेशक, चि.वि.सं. (०४.०७.२०१८ से १७.०७.२०१८ तक)
प्रो. वी.एन.मिश्रा (१८.०७.२०१८ से २२.०२.२०१९ तक)
प्रो. एस.के. माथुर (२३.०२.२०१९ से)

संस्थानों के निदेशक

१. कृषि विज्ञान
प्रो. ए.वैशम्पायन (१०.०१.२०१९ तक)
प्रो. रमेश चन्द (११.०१.२०१९ से)

२. चिकित्सा विज्ञान
प्रो. वी.के. शुक्ला (३१.०१.२०१९ तक)
प्रो. ए.के. अस्थाना (०१.०२.२०१९ से)

३. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास
प्रो. कविता शाह (२८.११.२०१८ तक)
प्रो. ए.एस.रघुवंशी (२९.११.२०१८ से)

४. प्रबंध अध्ययन संकाय
प्रो. राज कुमार (२२.०७.२०१८ तक)
प्रो. पी.एस.त्रिपाठी (२३.०७.२०१८ से २९.११.२०१८ तक)
प्रो. एस.के. दुबे (३०.११.२०१८ से)

५. विज्ञान संकाय
प्रो. नवीन कुमार (३१.१०.२०१८ तक)
प्रो. मल्लीकार्जुन जोशी (०१.११.२०१८ से ३१.०१.२०१९ तक)
प्रो. अनिल कुमार त्रिपाठी (०१.०२.२०१९ से)

संकायों के प्रमुख

(परिनियम १७ (१) (iv) के अन्तर्गत)

१. आयुर्वेद संकाय
प्रो. यामनी भूषण त्रिपाठी

२. चिकित्सा संकाय
प्रो. जय प्रकाश (३०.११.२०१८ तक)
प्रो. ए.के. अस्थाना (०१.१२.२०१८ से)

३. कला संकाय
प्रो. श्रीनिवास पाण्डेय (३०.०४.२०१८ तक)
प्रो. उमेश चंद्र दूबे (०१.०५.१८ से ३१.१२.२०१८ तक)
प्रो. अशोक सिंह (०१.०१.२०१९ से)

४. कृषि संकाय
प्रो. (सुश्री.) वन्दना बोष (३०.१२.२०१८ तक)
प्रो. ए.पी. सिंह (०१.०१.२०१९ से)

५. वाणिज्य संकाय
प्रो.सी.पी.मल्ल (२८.०२.२०१९ तक)
प्रो. प्रशान्त कुमार (०१.०३.२०१९ से)

६. दन्त विज्ञान संकाय
प्रो. नरेश कुमार

७. शिक्षा संकाय
प्रो. आर.पी. शुक्ला

८. विधि संकाय
प्रो. देवेन्द्र कुमार शर्मा (३१.०४.२०१८ तक)
प्रो. आर.पी. सिंह (०१.०५.२०१८ से)

९. प्रबन्ध शास्त्र संकाय
प्रो. राजकुमार (२२.०७.२०१८ तक)
प्रो. पी.एस. त्रिपाठी (२३.०७.२०१८ से)

१०. मंच कला संकाय
प्रो. विरेन्द्र नाथ मिश्रा (३०.०५.२०१८ तक)
प्रो. राजेश शाह (०१.०६.२०१८ से)

११. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय
प्रो.चन्द्रमा पाण्डेय

१२. विज्ञान संकाय
प्रो. एन.के. सिंह (३०.१०.२०१८ तक)
प्रो. एम.जोशी (०१.११.२०१८ से)

१३. समाजिक विज्ञान संकाय
प्रो. एम.के.चतुर्वेदी (३१.०४.२०१८ तक)
प्रो. आर.पी. पाठक (०१.०५.२०१८ से)

१४. दृश्य कला संकाय
प्रो. दिप्ती प्रकाश मोहन्ती

१५. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संकाय
प्रो. जी.एस.सिंह

१६. पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय
प्रो. रमादेवी निम्मनपल्ली

परिशिष्ट - २

विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शैक्षणिक योगदान का विवरण (सत्र २०१८-२०१९)

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
कृषि विज्ञान संस्थान									
कृषि अर्थशास्त्र									
डॉ. पी.एस. बादल	४	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ओ.पी. सिंह	१४	१४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी. कमलवंशी	३	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पी.के. सिंह	१	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राकेश सिंह	५	-	-	-	-	-	-	-	१
डॉ. एच.पी. सिंह	१०	-	-	-	-	-	-	-	-
पशुपालन और डेरी उद्योग									
डॉ. डी.सी. राय	२८	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी.के. पासवान	१०	-	-	-	-	-	-	-	-
कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान									
डॉ. प्रेम शंकर सिंह	८	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एन.एन. सिंह	४	-	६	-	१	-	-	-	६
डॉ. सी.पी. श्रीवास्तव	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.एन. सिंह	१	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.वी.एस. राजू	७	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम. रघुरमन	८	-	-	-	३	-	-	-	१
डॉ. राम केवल	२	२	-	-	-	१	-	-	४
डॉ. आर.एस. मीना	५	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रसार शिक्षा									
डॉ.बी.जिर्ली	७	-	-	-	-	-	-	१	-
डॉ. ए.के. सिंह	४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. कल्यान घदेई	२	१	-	-	-	-	-	-	-
कृषि अभियांत्रिकी									
डॉ. आर.एम. सिंह	४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी.के. चंडोला	२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए.के. नेमा	४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अभिषेक सिंह	४	१	-	-	-	-	-	-	-
अनुवांशिकी और पादप प्रजनन									
डॉ. पी.के. सिंह	२	१०	२	१	१	१	-	-	-
डॉ. कार्तिकेय श्रीवास्तव	४	१	१	-	१ किताब में अध्याय	-	-	१	-
उद्यान विभाग									
डॉ. आनन्द कुमार सिंह	६	-	५	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनिल कुमार सिंह	३४	-	२	-	-	-	-	-	२
डॉ.बी.के. सिंह	३	-	-	-	-	-	-	-	१
डॉ. ए.के. पाल	१६	-	-	-	-	-	-	-	१
डॉ. अंजना सिसोदिया	२५	-	१	-	-	-	-	-	१
डॉ. कल्यान वर्मन	६	२	३	-	-	१	-	-	३

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान									
डॉ. रमेश चंद	२	५	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. एच.बी. सिंह	-	७	-	११	१	६	-	-	
डॉ. आशा सिन्हा	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी.के. शर्मा	-	५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.एस. वैश	३	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रामचन्द्र	९	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.के. सिंह	३	-	१	-	१	-	-	-	-
डॉ. विनीता सिंह	६	१	१	-	-	-	-	-	-
पादप शरीर क्रिया विज्ञान									
डॉ. पदमनाभ द्विवेदी	-	९	-	३	-	-	-	-	-
डॉ. वन्दना बोष	१	७	-	२	१	-	-	-	-
डॉ. जे.पी. श्रीवास्तव	-	४	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. ए. हेमन्तरंजन	-	९	१	-	१	-	-	-	-
डॉ. प्रवीण प्रकाश	-	३	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. विजय. पी.	-	१	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. सविता जंगडे	-	१	-	-	-	-	-	१	-
मृदा और कृषि विज्ञान									
डॉ. ए.पी. सिंह	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. सिंह	७	३	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. एस. सिंह	७	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी.आर. मौर्या	४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पी. राहा	६	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एन. डे	७	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जे. यादव	५	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए.के. घोष	६	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. पी.के. शर्मा	६	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वाई.वी. सिंह	८	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए. रक्षित	२	३	-	-	-	२	-	-	-
डॉ. आर. मीना	४	-	-	-	-	-	-	-	-
खाद्य प्रौद्योगिकी विज्ञान केन्द्र									
डॉ. अनिल कुमार चौहान	५	२	-	-	-	४किताब में अध्याय	-	१	-
डॉ. ए.डी. त्रिपाठी	-	७	-	-	-	२किताब में अध्याय	-	-	-
डॉ. अरविन्द	२	१	२	-	१	-	-	१	२
श्री.डी.एस. बुनकर	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अमृता पुनिया	-	२	-	-	-	-	-	-	-
पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय									
डॉ. शाहिद परवेज	३	१	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
डॉ. नरेश कुमार सिंह	४	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मनीष कुमार	-	-	-	-	-	-	-	२	-
डॉ. प्रिय रंजन कुमार	-	-	-	-	-	१	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
डॉ. महिपाल चौबे	८	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.पी. सरखेल	१	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विवेक कुमार सिंह	-	१	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. दुष्यंत यादव	२	२	६	१	-	-	-	-	-
डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार सिंह	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनशुमान कुमार	-	३	१	-	-	-	-	-	१
प्रबंध अध्ययन संकाय	१०	-	१	-	४	-	-	-	-
चिकित्सा विज्ञान संस्थान									
आयुर्विज्ञान संकाय									
प्रो. श्याम सुन्दर	-	२३	-	-	२	१	-	-	-
प्रो. डी. दास	-	९	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ओ.पी. मिश्रा	५	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. अशोक कुमार	-	३	-	-	७	-	-	-	-
प्रो. दीपिका जोशी	२	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.एन. मिश्रा	४	३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. गोपाल नाथ	२	१०	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एन.के अग्रवाल	१	३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. अमित सिंह	२	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनूप सिंह	-	१३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आनन्द कुमार चौधरी	-	८	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. डी.एन.एस. गौतम	-	१०	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. डी.एन. पाण्डे	१	५	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. संगीता गहलोत	-	७	-	-	२	-	-	-	-
प्रो. के. पटवर्धन	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. नीरू नथानी	१	८	-	-	-	१	-	-	-
डॉ. पी.एस. व्यादगी	१०	८	-	-	-	२	-	-	-
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान									
डॉ.कविता शाह	१	४	-	-	-	-	-	-	-
प्रो.ए.एस. रघुबंशी	५	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ.जी.एस.सिंह	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.के.मल्ल	३	९	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी.के. मिश्रा	३	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुनिता वर्मा	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जे.पी. वर्मा	१	१३	१	-	-	-	-	-	३
डॉ. राजीव प्रताप सिंह	१	५	-	-	-	१	-	-	-
डॉ. पी.सी. अभिलाष	१	८	-	-	-	३	-	-	-
डॉ. टी.बनर्जी	१	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विशाल प्रसाद	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. के. राम	-	१०	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुधाकर श्रीवास्वत	-	१२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रशान्त श्रीवास्तव	-	३०	-	-	-	-	-	-	-
विज्ञान संकाय									
जैवरसायन विभाग									
प्रो. आर.एस. दूबे	-	५	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
डॉ. एस.पी. सिंह	-	७	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.के. सिंह	-	१०	-	-	-	१	-	-	-
डॉ. आंचल सिंह	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अंकुश गुप्ता	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.सी. गुप्ता	-	११	-	-	-	-	-	-	-
जैव प्रौद्योगिकी स्कूल									
प्रो. अशोक कुमार	-	३	-	-	-	-	-	-	१
प्रो. ए.के. त्रिपाठी	-	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.एम. सिंह	-	३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.एम. कायस्थ	-	७	१	-	-	-	-	-	१
डॉ. अरविन्द कुमार	१	२	-	-	-	-	-	-	-
वनस्पति विज्ञान विभाग									
प्रो. एम. अग्रवाल	-	१४	१	४	-	१	-	-	-
प्रो. आर.एस. उपाध्याय	३	८	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एन.के. दूबे	-	९	-	३	-	२	-	-	-
प्रो. आर.के. अस्थाना	-	५	-	-	-	-	-	-	५
प्रो. एस.बी. अग्रवाल	२	१२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर.पी. सिन्हा	१	६	-	-	-	१	-	-	-
प्रो. ए.के. मिश्रा	-	४	-	२	-	१	-	-	-
प्रो. शशि पाण्डेय	-	११	२	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर. सागर	१	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. संतोष कुमार दूबे	१	५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. हेमा सिंह	-	७	-	२	-	-	-	-	-
डॉ. संजय कुमार	५	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सतीश कुमार पी.के.	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राघवेन्द्र सिंह	२	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.पी.सिंह	-	३	-	८	-	-	-	-	
डॉ. भानु प्रकाश	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.के. शर्मा	-	३	-	१	-	-	-	-	४
डॉ. वाई. मिश्रा	२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनीता सिंह	-	२	-	२	-	-	-	-	-
डॉ. पी. सिंह	-	६	-	-	-	-	-	-	६
डॉ. ए.के.द्विवेदी	-	५	-	१	-	-	-	-	-
प्रो. एल.सी. राय	-	२	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. पी.के. सिंह	-	३	-	-	-	१	-	-	१
रसायनशास्त्र विभाग									
प्रो. बी. सिंह	-	४	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एल. मिश्रा	-	५	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.बी. सिंह	-	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. गनेश पाण्डेय	-	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. नन्हें सिंह	-	३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. डी.एस. पाण्डेय	-	८	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी.बी. प्रसाद	-	५	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एम.एस. सिंह	-	३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. के.एन. सिंह	-	१५	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
प्रो. वी.पी. सिंह	-	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी. रे	-	१०	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. रामनन्द राय	-	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. के.के. उपाध्याय	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अरविन्द मिश्रा	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राजेश कुमार	-	७	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी. गनेशन	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी.के. तिवारी	१	११	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस. कृष्णामूर्ति	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.शाहा	-	४	-	१	-	-	-	-	२
डॉ. एस.के. पाण्डेय	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.के. मिश्रा	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.डी. पाण्डेय	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी. कुईला	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी. प्रसाद	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विश्वजीत मैती	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.के. भारती	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एन. गोयल	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जय सिंह	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अशोक बसाक	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. डी. गुईन	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी. सिंह	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एल. मिश्रा	-	५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. गनेश पाण्डेय	-	१	-	-	-	-	-	-	-
संगणक विज्ञान विभाग									
प्रो. एस. कार्तिकेयन	-	२	-	१	-	-	-	-	-
प्रो. पी.के. मिश्रा	-	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.के. सिंह	१	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मनोज सिंह	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वन्दना कुशवाहा	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. गौरव बरनवाल	-	२	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. अंकिता वैश	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अंशुल वर्मा	-	-	-	२	-	-	-	-	-
भूगोल विभाग									
प्रो. वी.के. कुमरा	५	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर.एस. यादव	३	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.पी. मिश्रा	३	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी.आर.के. सिन्हा	२	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.एन. शर्मा	१	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.के. राय	२	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.पी. मिश्रा	५	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर.एस. सिंह	३	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.के. त्रिपाठी	४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. डी. गोवनामनी	४	-	२	-	-	-	-	-	-
डॉ.एस. आलम	३	-	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
डॉ. जी. राय	५	-	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस. सान्याल	२	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. के.पी. गोस्वामी	५	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुमन सिंह	३	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.एल. मीणा	३	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एन. वर्मा	४	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. के.एन.पी. राजू	२	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी.एन. सिंह	३	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. राम विलास	३	-	-	-	-	-	-	-	-
भूविज्ञान विभाग									
प्रो. एच.बी. श्रीवास्तव	-	७	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर.के. श्रीवास्तव	१	७	-	-	-	१	-	-	-
प्रो. बी.पी. सिंह	१	६	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.डी. सिंह	-	५	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. पी. के.सिंह	१	८	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एन.वी.सी. रॉव	५	१०	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी. पाण्डेय	६	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी श्रीवास्तव	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.पी. राय	१	३	-	-	-	१	-	-	-
डॉ. पी घोष	२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. दिनेश कुमार पंडित	५	१०	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. कोमल वर्मा	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डा. अमिया कुमार सामल	-	७	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. दिनेश कुमार नायक	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए. विश्वास	१	३	-	-	-	१	-	-	-
डॉ. आर.के. बिक्रमादित्य सिंह	-	२	-	-	-	-	-	-	-
गणित विभाग									
प्रो. ए.के. सिंह	-	५	-	-	-	१	-	-	-
प्रो. श्याम लाल	-	३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. हरिश चन्द्र	-	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. डी.आर. साहू	१	४	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.के. मिश्रा	-	७	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अरविन्द कुमार सिंह	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अखिलेश यादव	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बुद्धदेव पाल	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनुपम प्रियदर्शी	२	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. क्रिसनेन्दू भट्टाचार्या	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रवि प्रताप गुप्ता	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. के.एल. महतो	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आशीष पाठक	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विवेक लाहा	-	२	-	-	-	-	-	-	-
आणविक एवम् मानव अनुवंशिक विभाग									
प्रो. गोपेश्वर नारायण	-	६	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. असीम मुखर्जी	-	७	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
डॉ. किरन सिंह	-	८	१	२	-	-	-	-	-
डॉ. मौसुमी मुत्सुद्दी	-	७	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. गीता राय	-	-	-	-	-	१	-	-	-
भौतिकी विभाग									
प्रो. आर.पी. मलिक	-	५	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर.डी.एस. यादव	२	६	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर.ए. यादव	-	५	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. संजय कुमार	-	७	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. राजेन्द्र कुमार सिंह	-	१२	-	१	--	-	-	-	-
प्रो. वी.पी. मण्डल	-	१२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. रंजन कुमार सिंह	-	५	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. अभय कुमार सिंह	-	१३	४	-	-	-	-	-	-
प्रो. ए.के. घोष	-	८	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी.के. सिंह	-	१४	-	-	-	-	१	-	-
प्रो. एच.पी. शर्मा	-	८	-	-	-		-		
प्रो. आंचल श्रीवास्तव	-	१३		-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.के. श्रीवास्तव	-	९	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.ए. शाज	-	५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विवेक सिंह	-	१६	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. हरेश कुमार	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वी.एस. सुब्रमनियम	१	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस. प्रसाद	-	९	-	-	-	-			
डॉ. संजय शिवॉच	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अमित पाठक	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. देवेन्द्र कुमार मिश्रा	१	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रजनीश कुमार	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. नीरज मेहता	१	१६	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वेंकटेश सिंह	२	१०	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अजय कुमार	-	१५	-	-	-	-	-	-	९
डॉ. ए. बहादुर	-	११	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अच्छेलाल सरोज	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. टी.पी. यादव	-	१४	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस.बी. राय	-	१६	-	-	-	१	-	-	-
प्रो. ओ.एन. श्रीवास्तव	-	१५	-	-	-	-	-	-	-
सांख्यिकी विभाग									
डॉ. उमेश सिंह	१	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. के.के. सिंह	३	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. उपाध्याय	२	४	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी.बी. खरे	२	५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. सिंह	-	५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. ज्ञान प्रकाश सिंह	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राजेश सिंह	४	५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. संजीव कुमार	१	३	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
डॉ. आलोक कुमार	२	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बृजेश प्रताप सिंह	५	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पियूष कांत राय	१	३	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. अभय कुमार तिवारी	१	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.के. चौधरी	३	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एन. कुमार	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.एस. पंवार	१	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. दिनेश कुमार	१	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पूनम सिंह	१	३	-	-	-	-	-	-	-
जन्तु विज्ञान विभाग									
प्रो. जे.के . रॉय	-	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एम. वीनायक	-	८	-	-	-	१ किताब में अध्याय	-	-	-
प्रो. एन. के. रस्तोगी	१	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एम.जी. टपाड़ीया	१	२	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर. मिश्रा	-	३	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एस. मित्तल	-	४	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. पी.एस. सक्सेना	-	५	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. जी. चौबे	-	६	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी. कोच	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी. महापात्रा	-	२	१	१	-	-	-	-	-
डॉ. आर. चौबे	२	१०	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. अजय कुमार	-	-	-	३	-	-	-	-	-
श्री राकेश वर्मा	१	१	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. भूपेन्द्र कुमार	२	२	-	-	-	१	-	-	३
डॉ. एस.सी. लखोटिया	४	३	८	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी.एन. सिंह	१	२	-	-	-	-	-	-	-
भू-भौतिकी विभाग									
प्रो. जी.एस. यादव	-	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर. भाटला	-	१४	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एन.पी. सिंह	-	१०	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. जी.पी. सिंह	-	५	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एम.के. श्रीवास्तव	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. उमाशंकर	-	२	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. संदीप	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वीरेन्द्र प्रताप	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. दिप कुमार सिन्हा	१	-	-	-	-	-	-	-	-
गृह विज्ञान विभाग									
प्रो. इंदिरा विश्नोई	६	१	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. कल्पना गुप्ता	२	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मुक्ता सिंह	३	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पुष्पा कुमारी	१	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुवांशिकी विकार									
प्रो. परिमल दास	-	२	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
डॉ. अमित कुमार राय	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अख्तर अली	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पवन के दूबे	-	५	१	-	-	-	-	-	-
डी.एस.टी.-अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान									
प्रो. एस. के. उपाध्याय	-	११	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी. तिवारी	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मंजरी गुप्ता	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर. चौबे	-	५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जी. राम	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राकेश रंजन	१	-	-	-	-	-	-	-	-
कला संकाय									
भारत अध्ययन केन्द्र									
प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी	-	-	-	-	१	-	-	-	-
प्रो. युगल किशोर मिश्र	-	-	२	-	१	-	१	१	-
प्रो. राकेश कुमार उपाध्याय	-	-	१	-	२	-	१	-	-
प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी	४	-	२	-	२	-	१	-	-
डॉ. मलय कुमार झा	-	-	-	-	-	-	१	-	-
डॉ. अमित कुमार पाण्डेय	-	-	-	-	-	-	१	-	-
डॉ. अर्चना दीक्षित	-	-	-	-	-	-	१	-	-
डॉ. अनूपपति तिवारी	१	-	-	-	-	-	१	-	-
डॉ. ज्ञानेन्द्र नारायण राय	१	-	-	-	-	-	१	-	-
डॉ. गीता योगेश भट्ट	-	-	-	-	-	-	१	-	-
डॉ. पल्लवी त्रिवेदी	-	-	-	-	-	-	२	-	-
वाणिज्य संकाय									
डॉ. एस.एन. झा	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.सी. दास	१	-	-	-	-	१	१	-	-
डॉ. आर.एस. मिना	३	-	२	-	१	-	-	-	-
डॉ.सी.के. राय	-	-	-	-	१	-	-	-	
डॉ. वन्दना श्रीवास्तव	-	१	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. ए.के. चौधरी	-	-	-	-	१	-	-	-	-
शिक्षा संकाय									
डॉ. सीमा सिंह	२	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अर्जली वाजपेई	३	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुनिल कुमार सिंह	-	१	१	१	-	१	-	-	-
डॉ. रश्मि चौधरी	१	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. नागेन्द्र कुमार	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अल्का रानी	४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. दीपा मेहता	३	४	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. आलोक गार्डिया	२	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुनीता सिंह	२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. लालता प्रसाद	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राघवेन्द्र नरायन शर्मा	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अजीत कुमार रॉय	३	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. किशोर एच. माने	२	२	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
डॉ. पूनम सिंह खरवार	१	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. छाया सोनी	३	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रियंका श्रीवास्तव	१	१	-	-	-	-	-	-	-
मंच कला संकाय									
गायन विभाग									
प्रो. के. शशि कुमार	-	-	-	-	-	-	३ किताब, १ अध्याय		६
प्रो. शारदा वेलंकर	१	-	-	-	-	-			४
डॉ. संगीता पंडित	१	-	-	-	-	-			१२
प्रो. रेवती साकलकर	१	-	-	-	-	-	३ किताब में अध्याय		६ कन्सर्ट्स, १ लर्निंग मटीरियल, २ लेख पुस्तको में अध्याय के लिए
डॉ. रामशंकर	२	-	-	-	-	-	१ संपादित,१ किताब		६
डॉ. के.ए. चंचल	१	२	-	-					३
डॉ. जी.सी. पाण्डेय	२		-	-	१		२		५
डॉ. मधुमिता भट्टाचार्या	१		-	-	-	-			८
वाद्य विभाग									
प्रो. राजेश शाह	१	-	-		-	-	५ राष्ट्रीय		१
प्रो. संगीता सिंह	१	-	-		-	-	-	-	१
डॉ. प्रेम किशोर मिश्रा	-	२	१		-	-			-
डॉ. स्वर्ण कुंतिया	-	-	-	३	-	१	-	-	१ राष्ट्रीय, ३ अन्तर्राष्ट्रीय
डॉ. सुप्रिया शाह	-	-	-	-	-	-	-	-	४ राष्ट्रीय
डॉ. बी. सत्यवण्र प्रसाद	१	१	१	-	-	-	-	-	१
श्री राकेश कुमार	१	-	१	-	-	-	-	-	१
नृत्य विभाग									
डॉ. विधि नागर	-	-	-	-	-	१	-	-	-
सामाजिक विज्ञान संकाय									
अर्थशास्त्र विभाग									
डॉ. ए.के. कौर	१	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बी. वी. सिंह	१	-	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. आर. के. भट्ट	२	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. एन.के. मिश्रा	२	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राकेश रमन	२	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम. मिश्रा	२	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. जे. बी. कुमारैया	२	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. मनीषा ए. मेहरोत्रा	२	१	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. निधि शर्मा	२	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मनोकामना राम	४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अमीषा गुप्ता	१	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मनोज कुमार	२	१	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
श्री गजेन्द्र कुमार साहू	१	१	-	-	-	-	-	-	-
इतिहास विभाग	२	-	-	-	८	-	-	-	-
मनोविज्ञान विभाग									
प्रो. राकेश पाण्डेय	२	९	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. तारा सिंह	८	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. एच.एस. अस्थाना	३	-	-	-	२ स्वीकार्य	-	-	-	-
प्रो. सोभना जोशी	२	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. योगेश कुमार आर्या	१	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. यू. आर. श्रीवास्तव	४	-	-	-	२	-	-	-	-
डॉ. संदीप कुमार	३	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. सोभना बानो	-	२	-	-	-	२	-	-	-
डॉ. टी. तिवारी	४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. स्वर्णलता	५	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. तुषार सिंह	१	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. वीरेन्द्र ब्यादवाल	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जय कुमार रंजन	३	-	-	-	२ स्वीकार्य	-	-	-	-
महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र									
डॉ. मिनाक्षी झॉ	-	-	-	-	-	१	-	-	-
मालवीय शान्ति अनुसंधान केन्द्र									
प्रो. प्रियंकर उपाध्याय	-	२	-	१	-	१	१	-	-
डॉ. मनोज कुमार मिश्रा	१	-	-	-	-	१	-	-	-
डॉ. अजय कुमार यादव	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुनीता सिंह	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रशांत कुमार	१	-	-	-	-	-	-	-	-
समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र									
डॉ. आलोक कुमार पाण्डेय	२	१	-	-	-	-	-	-	-
नेपाल अध्ययन केन्द्र									
डॉ. नृपेन्द्र प्रताप सिंह	-	-	२	-	-	-	-	-	-
संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय									
वेद विभाग									
प्रो. एच. दीक्षित	१	-	-	१	-	-	-	-	-
प्रो. पी. मिश्रा	१	-	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. यू. के. त्रिपाठी	१	-	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. यू.पी. भारती	-	१	-	-	-	-	-	-	-
व्याकरण विभाग									
प्रो. बाल शास्त्री	१	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. बी. शुक्ला	५	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर. एन. द्विवेदी	४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर. पाण्डेय	२	-	-	-	-	-	-	-	-
वैदिक दर्शन विभाग									
प्रो. जी.ए. शास्त्री	१	-	१	१	१	-	-	-	-
प्रो. वी.पी. मिश्रा	२	-	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. त्रिपाठी	२	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. द्विवेदी	३	३	२	१	-	-	-	-	-
डॉ. एस.के. पाढ़ी	३	-	३	१	२	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
जैन बौद्ध दर्शन विभाग									
प्रो. ए.के. जैन	५	-	४	-	२	-	-	-	-
प्रो. पी.एस. सिंह	३	१	४	१	-	-	२	१	-
धर्मागम विभाग									
डॉ. एस.पी. पाण्डेय	३	-	१	-	१	-	-	-	-
प्रो. के. झॉ	२	-	१	-	१	-	-	-	-
डॉ. बी. रोहतम	३	-	१	-	-	-	-	-	-
ज्योतिष विभाग									
प्रो. सी. उपाध्याय	२	-	२	-	-	-	-	-	-
प्रो. आर. मिश्रा	२	-	२	-	-	-	-	-	-
प्रो. वी.के. पाण्डेय	१	-	-	-	-	३ जनरल चीफ एडिटर	-	-	-
प्रो. जी. शंकर	२	१	१	-	-	-	-	-	४ लेख समाचार पत्र में
डॉ. एस. त्रिपाठी	२	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. एस.पाण्डेय	१	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. एस.के. गुप्ता	१	-	-	-	-	-	-	-	-
साहित्य विभाग									
प्रो. यू. के. चतुर्वेदी	२	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रो. के. पाण्डेय	३	-	-	-	३	-	-	-	-
प्रो. एस. मिश्रा	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस. एल. साल्वी	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर. पाण्डेय	२	-	-	-	-	-	-	-	-
धर्मशास्त्र मीमांसा विभाग									
डॉ. एम. जे. रटाटे	१	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. एस. के. मिश्रा	२	-	-	-	-	-	-	-	-
महिला महाविद्यालय									
प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व विभाग	१	१	२	१	-	-	-	-	-
बंगला विभाग	१	१	-	-	-	-	-	-	-
बायोइंफॉरमेटिक्स विभाग	२	३	-	-	-	-	-	-	-
वनस्पति विज्ञान विभाग	६	३२	-	-	-	१	-	-	-
रसायनशास्त्र विभाग	५	२२	-	२	-	-	-	-	-
संगणक विज्ञान विभाग	२	३	-	-	-	-	-	-	-
नृत्य विभाग	२	-	-	-	-	-	-	-	-
गृह विज्ञान विभाग	४	९	-	-	-	-	-	-	-
अर्थशास्त्र विभाग	१	-	२		-	-	-	-	-
शिक्षा विभाग	१	-	-	-	-	-	-	-	-
अंग्रेजी विभाग	२	३	-	-	-	-	-	-	-
हिन्दी विभाग	४	-	५	-	२	-	-	-	-
भूगोल विभाग	२	२	-	-	-	-	-	-	२
कला इतिहास विभाग	२	-	-	-	-	-	-	-	-
गणित विभाग	१	३	-	-	-	-	-	-	-
गायन संगीत विभाग (वी/आई)	१	-	५	-	-	-	-	-	-
चित्र कला विभाग	१	-	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
दर्शनशास्त्र विभाग	७	-	-	-	-	-	-	-	-
भौतिकी विभाग	२	१०	-	-	-	-	-	-	-
राजनीति शास्त्र	१	-	-	-	-	-	-	-	-
मनोविज्ञान	४	६	४	-	-	-	-	-	-
संस्कृत विभाग	२	१	-	-	-	-	-	-	-
समाजशास्त्र विभाग	४	-	-	-	-	-	-	-	-
सांख्यिकी विभाग	१	४	-	-	-	-	-	-	-
उर्दू	३	-	-	-	-	-	१	-	-
जीव विज्ञान विभाग	४	-	-	-	-	-	-	-	-
राजीव गांधी दक्षिणी परिसर									
प्रो. एस.के. स्वान	१	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. आशिष सिंह	१	-	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
डॉ. बी.एन.एम. कुमार	-	६	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. एम.के. नन्दी	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अचिन्त्य सिंघल	-	६	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मनोज कुमार मिश्रा	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.एस.मिश्रा	२	२	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. अनील कुमार सिंह	२	२	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. अजय कुमार सिंह	१	१	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. विनोद कुमार सिंह	३	१	१	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. शोमू सिंह	२	१	२	१	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
डॉ. सुभाष प्रताप सिंह	२	-	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
डॉ. अश्वनी कुमार कुशवाहा	-	४	-	-	-	-	-	-	-
श्री अनूप एम.	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. लटारे आशिष मार्टराव	१	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रविन्द्र प्रसाद	१३	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. राजेश कुमार	-	१	-	-	-	-	-	-	-
सुश्री रचना विश्वकर्मा	१	१	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
श्री अनिल कुमार राम	-	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. राजया कुमार सिंह	-	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
श्री कौस्तव चटर्जी	-	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. गौरव कुमार राय	-	-	१	-	-	-	-	-	३ किताब में अध्याय

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
श्री नवीन कुमार	-	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. प्रियंका सिंह	-	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. सविता देवांगन	२	-	१	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
डॉ. अशोक कुमार यादव	२	-	-	-	-	-	१	१	-
श्री विवेक मिश्रा	-	-	१	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
श्री कृष्ण कान्त	-	-	- -	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. राघवेन्द्र रमन मिश्रा	२	२	३	१	१	८	१	-	८ किताब में अध्याय
श्री मनीष सेठ	-	५	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. नेहा जायसवाल	-	१	-	-	-	-	-	-	-
श्री पावस राय	४	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
श्री अम्बरीश कुमार सिंह	-	५	-	-	-	-	-	-	-
सुश्री. सुचेता मण्डल	-	१	-	-	-	-	-	-	-
श्री सिद्धार्थ सिंह	२	१	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. जावेद आलम शेख	-	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
सुश्री शिल्पी राज	-	२	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. शान्तनु सौरभ	१	-	-	-	१	-	-	-	२ किताब में अध्याय
डॉ. इरफान अहमद अंसारी	-	-	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
सुश्री. स्वेता सिंह	१	१	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
श्री मंजीत वर्मा	१	-	१	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
श्री सुरेन्द्र कुमार	१	-	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
डॉ. शिवेस	१	-	१	-	-	-	-	-	-
सुश्री. रश्मि चौरसिया	-	-	-	-	-	-	-	-	२ किताब में अध्याय
डॉ. तोरान सिंह	२	१	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. धर्मेन्द्र कुमार	-	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. विशाल श्रीवास्तव	१	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. अशोक कुमार	-	२	-	-	-	-	-	-	५ किताब में अध्याय

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
डॉ. सविता देवगन	१	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब में अध्याय
डॉ. अभिषेक कुमार	-	६	-	-	-	-	-	-	-
श्री राहुल कुशवाहा	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अनील कुमार पाण्डेय	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. रजनी श्रीवास्तव	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विजय कृष्णा	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बृजेश कुमार मिश्रा	-	१	-	२	-	-	-	-	-
डॉ. श्रवन कुमार	-	२	-	४	-	-	-	-	-
डॉ. सिराजूदिन कुरैशी	२	-	-	-	-	-	-	-	-
श्री. विजय अमृत राज	-	३	-	-	-	-	-	-	-
सुश्री. श्रुती सिंह	१	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रयाग मिश्रा	२	१	-	-	-	-	-	-	४ किताब में अध्याय
डॉ. प्रिया सिंह	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुधीर कुमार	४	-	-	-	-	-	-	-	-
विश्वविद्यालय के विशेषाधिकार के अन्तर्गत									
आर्य महिला महाविद्यालय									
बंगला	५	-	३	-	-	-	-	-	-
हिन्दी	४	३	-	-	१	-	-	-	-
संस्कृत	४	-	१	-	-	-	-	-	-
अंग्रेजी	३	-	-	-	-	-	-	-	-
इतिहास	३	-	-	-	-	-	-	-	-
राजनीतिविज्ञान	२	-	-	-	१	-	-	-	-
वाणिज्य संकाय	३	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रा.भा.इ.सं. एवं पुरातत्व	६	-	-	-	-	-	-	-	-
दर्शनशास्त्र	४	२	-	-	-	-	-	-	-
कंठ संगीत	२	-	१	-	-	-	-	-	-
मनोविज्ञान	४	-	२	-	-	-	-	-	-
गृह विज्ञान	४	-	-	-	-	-	-	-	-
बी.एड.	५	-	-	-	-	-	-	-	-
समाजशास्त्र	४	२	-	-	१	-	-	-	-
अर्थशास्त्र	३	-	-	-	-	-	-	-	-
वसन्त महिला महाविद्यालय									
डॉ. अल्का सिंह	-	१	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. शशीकला त्रिपाठी	२	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. विभा जोशी	-	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. संजीव कुमार	-	-	-	-	१ संपादित	-	-	-	-
डॉ. प्रवीन शुल्तान	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अर्चना तिवारी	२	-	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. आशा पाण्डेय	-	१	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. बन्दना झा	-	-	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. मंजरी झुनझुनवाला	-	१	-	१	-	-	-	-	-
डॉ. मोहम्मद अख्तर	१	२	१	-	-	१	-	-	-
डॉ. सुशीला भारती	-	२	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
डॉ. ऋचा सिंह	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अमृता कत्यायनी	३	-		-	-	-	-	-	-
डॉ. अंजना सिंह	२	-	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. पुनीता पाठक	१	-	१	-	१	-	-	-	-
डॉ. स्वेता	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. विभा सिंह	-	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. योगिता बेरी	-	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. मनीषा मिश्रा	-	-	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. लूना मोनी दास	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुभाष मीना	१	२	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. लईक अहमद	-	-	१	-	-	-	-	-	-
वसन्त कन्या महाविद्यालय									
डॉ.रचना श्रीवास्तव	२ स्वीकार्य	-	-	-	२	-	-	-	-
डॉ. नैरंजन श्रीवास्तव	-	-	२ स्वीकार्य	-	-	-	-	-	-
डॉ. आरती कुमारी	-	-	१ स्वीकार्य	-	-	-	-	-	-
डॉ. बिना सिंह	-	१	३ अध्याय	-	१ किताब	-	-	-	-
डॉ. सुप्रिया सिंह	-	-	-	-	१ किताब स्वीकार्य	-	-	-	-
डॉ. पुर्णिमा	-	-	३ अध्याय	-	-	-	-	-	-
डॉ. तृप्ती रानी जयशवाल	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. संगीता देओदिया	-	२	१ अध्याय	-	१ किताब	-	-	-	-
डॉ. गरिमा उपाध्याय	४	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अंशु शुक्ला	२	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. सुनिता दिक्षित		१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. स्वरवंदना शर्मा	२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मनोज कुमार सिंह	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शांता चटर्जी	१ स्वीकार्य	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. इन्दू उपाध्याय	-	-	२ अध्याय	-	१ किताब	-	-	-	-
डॉ. विजय कुमार	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. स्मृति भटनागर	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. पूनम पाण्डेय	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. शशीकेश कुमार गौड	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. माधुरी अग्रवाल	२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आर.पी. सोनकर	२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अंजूलता सिंह	१	१	-	-	-	-	-	-	-
दयानन्द पी.जी. कॉलेज									
वाणिज्य विभाग									
डॉ. विजय नाथ दूबे	१	१	-	-	-	-	-	-	-
सुश्री. साक्षी चौधरी	१	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. राहुल	१	-	-	-	-	-	-	-	-
श्री. संजय कुमार शाह	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. आनंद कुमार सिंह	२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. तारू सिंह	१	२	-	-	-	-	-	-	-

संस्थान/संकाय/विभाग	प्रकाशनों की संख्या								
	शोध-पत्र		लेख		प्रकाशित पुस्तकें		मोनोग्राफ	मैन्युल	अन्य
	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अन्तर राष्ट्रीय			
मनोविज्ञान विभाग									
डॉ. सत्य गोपाल जी	१	५	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. ऋचा रानी यादव	-	१	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अखिलेन्द्र कुमार सिंह	-	१	-	-	-	-	-	१	-
डॉ. कमालूद्दिन शेख	-	-	-	-	-	-	-	-	१ किताब
समाजशास्त्र विभाग									
डॉ. वी. राय	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. मधु शीशोदिया	-	२	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. जीयाऊद्दिन	१	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. हसन बानों	-	-	१	-	-	-	-	-	-
डॉ. नेहा चौधरी	१	-	-	-	-	-	-	-	-
राजनीतिक विज्ञान विभाग									
डॉ. स्वाती सुचरिता नन्दा	३	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रियंका सिंह	-	४	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. प्रतिमा गुप्ता	२	-	-	-	-	-	-	-	-
अर्थशास्त्र विभाग									
डॉ. अनूप कुमार मिश्रा	५	१	८	-	१	-	-	-	४
डॉ. पारूल जैन	-	-	-	-	१	-	-	-	१
हिन्दी विभाग									
डॉ. राकेश कुमार द्विवेदी	२	-	-	-	१	-	-	-	-
डॉ. राकेश कुमार राम	३	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. समीर कुमार पाठक	४	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. अस्मिता तिवारी (संविदा)	५	-	-	-	-	-	-	-	-
अंग्रेजी विभाग									
डॉ. संगीता जैन	-	३	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. इन्द्रजीत मिश्रा	२	-	-	-	-	-	-	-	-
डॉ. बन्दना बाल चन्दनी	-	-	-	-	-	-	-	-	२
श्री. नजमुल हसन	१	-	-	-	-	-	-	-	१
डॉ. महिमा सिंह	३	-	-	-	-	-	-	-	-
संस्कृत विभाग									
डॉ. मिश्री लाल	२	-	२	-	-	-	-	-	-
डॉ. पूनम सिंह	२	-	२	-	१	-	-	-	-
दर्शनशास्त्र विभाग									
डॉ. हरिशचन्द्र यादव	१	-	-	-	१	-	-	-	-
उर्दू विभाग									
डॉ. हबीबुल्ला	२	-	-	-	-	-	-	-	-
प्राचिन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व									
डॉ. प्रशान्त कश्यप	-	१	-	-		-	-	-	-
डॉ. मुकेश कुमार सिंह	१	-	-	-		-	-	-	-
शारीरिक शिक्षा विभाग									
सुश्री मीनू लाकरा	-	-	१	-	-	-	-	-	-

परिशिष्ट - ३

विभिन्न अभिकरणों द्वारा वित्तपोषित शोध परियोजनाओं की सूची

सत्र २०१८-१९ में स्वीकृत नयी शोध परियोजनाएँ

संस्थान/संकाय/विभाग का नाम	परियोजनाओं की संख्या	स्वीकृत धनराशि
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग		
वनस्पति विज्ञान	१	८२२८००
रसायनशास्त्र	१	७५७५००
संगणक विज्ञान	१	८०००००
अर्थशास्त्र	१	३४५४००
अंग्रेजी	१	८६९८००
शिक्षा संकाय	१	१२००००
इतिहास	२	१०४९६००
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	१	४२०००००
प्रबंधन अध्ययन संकाय	३	२०३६९००
आणविक एवं मानव जनन विज्ञान	१	११७००००
भौतिकी विज्ञान	१	१२१०८००
राजनीतिशास्त्र	२	७९७०००
संस्कृत महिला महाविद्यालय	१	५८८१००
संस्कृत	१	६५२६००
व्याकरण	१	४०५७००
जीवविज्ञान	१	७४०८००
जैव-प्रौद्योगिकी विभाग		
वनस्पति विज्ञान	१	४१४११६१
अनुवंशिकी और पदप प्रजनन	१	४८९११०७
अनुवंशिकी और पदप प्रजनन	१	६८१४६९०
भूगोल	१	१५८०००
गृह-विज्ञान	१	४०७३७६०
आर्युविज्ञान	१	२९५०००
सूक्ष्म जीविकी	२	४१५१०००
आणविक एवं मानव जनन विज्ञान	३	१०६०२५००
आणविक जीव विज्ञान इकाई	२	७१७८०८०
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	२	७८६४६००
जीवविज्ञान	२	४४९०९०४
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग		
शस्य विज्ञान	१	३६०८७७
प्रयुक्त गणित	१	१६४०२४०
प्रयुक्त भौतिकी विभाग	१	१४४७९८५०
वनस्पति विज्ञान	४	१७८८९१००
जीव रसायन विज्ञान संकाय	१	५३५९०००
रसायनशास्त्र	९	४८००४५४५
संगणक विज्ञान	१	२७६१२४०
भूविज्ञान	५	२००१५३००

पर्यावरण एवं धारणीय विकाश संस्थान	५	१५२३००९४
पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान	१	१९८००००
गणित	४	१११८१५६८
सूक्ष्म जीविकी चिकित्सा संकाय	१	३०००००
भौतिकी	६	२५९११०२०
मनोविज्ञान	१	४७६३२००
जैव-प्रौद्योगिकी स्कूल	१	३५१२०००
सांख्यिकी	१	५२३८६००
जीवविज्ञान	११	३६५६९७६०
जीवविज्ञान महिला महाविद्यालय	१	८५००००
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्		
जीव-रसायन चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	१३६४०००
वनस्पति विज्ञान	१	३४३५३००
रसायनशास्त्र	२	१३९३४५४
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्		
जीव रसायन विज्ञान संकाय	१	११३००००
वनस्पति विज्ञान	१	१८५०
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	१	२७४२०७५
जीव विज्ञान	१	९३६२००
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्		
जीव रसायन विज्ञान संस्थान	१	६५३०८००
वनस्पति विज्ञान	१	१६१७०००
आनुवंशिकी और पादप रोगविज्ञान	१	३५६००००
जीव विज्ञान	१	११३९४०००
परमाणु उर्जा विभाग		
वनस्पति विज्ञान	१	३१४३४५०
भूविज्ञान	२	६३२४६५०
पर्यावरण एवं धारणीय विज्ञान संस्थान	१	२६९०९००
भौतिकी	१	३३९४१५०
भारतीय समाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्		
सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र	१	८०००००
अर्थशास्त्र	१	४०००००
भूगोल	२	२२०००००
प्रबंधन अध्ययन	१	४०००००
राजनीतिशास्त्र	२	१३२६७५०
मनोविज्ञान	२	८०००००
विदेशी अभिकरण वित्त पोषण एजेंसी		
शस्य विज्ञान	१	२६७८१२
प्रसूति विज्ञान और स्त्रीरोग विज्ञान	१	३७३३३५०
भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली		
शस्य विज्ञान	१	३०९८२४
ड्रग्स ट्रेल		
अतं:स्त्राव विज्ञान	१	७५१७२
विकलांग विज्ञान	१	१०८०००
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी	१	४५०००
रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन		
आर्युविज्ञान	१	१०२६०००

भौतिकी विज्ञान	१	३२४८०००
वित्त आयोग, नई दिल्ली		
प्रबंध अध्ययन संकाय	१	२४३०००
डर्मोटोलॉजी, वेनेरोलॉजी और लेप्रौलॉजी के भारतीय संघ		
त्वचा एवं रतिरोग विज्ञान	१	४५००००
दर्द के अध्ययन के लिए इंटरनेशनल एसोसिएसन		
निश्चेतन विज्ञान	१	३९५६८२
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी युवा वैज्ञानिक		
जीव विज्ञान	१	१५०००००
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय		
आर्युविज्ञान	१	३२८०५३१
नेत्र विज्ञान	१	१४०००००
मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
समन्वित ग्रामीण विकास	१	४००००
जल संसाधन विकास मंत्रालय		
पर्यावरण एवं धारणीय विज्ञान संस्थान	१	४०१७५२०
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय		
भूविज्ञान	२	२८२६८२०
वनस्पति विज्ञान	१	२५०००००
वित्त मंत्रालय		
रसायन विज्ञान	१	९५००००
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय		
सामान्य और जन संचार	१	२३४०००
राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी वरिष्ठ वैज्ञानिक		
भौतिकी विज्ञान	१	१५०००००
राष्ट्रीय अंटार्कटिक एवं समुद्री अनुसंधान		
भूभौतिकी	१	१७२००००
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्		
मनोविज्ञान	१	३९१७००
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय		
अर्थशास्त्र	१	२०६२५०
तेल और प्राकृतिक गैस निगम		
भूभौतिकी	१	१५६८०००
चिकित्सा अनुसंधान महासंघ		
आर्युविज्ञान	१	६५०००
जनसंख्या और स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान		
तंत्रिकीय चिकित्सा	१	३६०२९०
राष्ट्रीय कृषि विकाश योजना		
पशु और पशु चिकित्सा विज्ञान	१	२०००००००
संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन		
मालवीय शान्ति व अनुसंधान केन्द्र	१	४०००००
यूपीएसएएल		
मालवीय शान्ति व अनुसंधान केन्द्र	१	५५१०००
विश्व स्वास्थ्य संगठन		
आर्युविज्ञान	२	९७८४९३५
अंतराष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार केन्द्र		
शस्य विज्ञान	१	४२४३२०
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	१	४४२१५६

जारी शोध परियोजनाएँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग		
वनस्पति विज्ञान	२	१३२८८००
रसायनशास्त्र	२	१३३४३००
संगणक विज्ञान	१	८०००००
अर्थशास्त्र	१	३४५४००
अंग्रेजी	१	८६९८००
भूविज्ञान	१	१६५५०००
इतिहास	२	१०४९६००
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	२	५२९८८००
पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान	१	७४१६००
भाषा विज्ञान	१	१०७४४००
प्रबंध अध्ययन	४	२९०२५००
आणविक एवं मानव जनन विज्ञान	१	११७००००
शारीरिक शिक्षा	१	४८५०००
भौतिक विज्ञान	४	२४३४८००
राजनीतिशास्त्र	३	११३५९००
संस्कृत	२	१२४०७००
व्याकरण	१	४०५७००
जीवविज्ञान	२	२२१५८००
अंतर विश्वविद्यालय त्वरण केन्द्र		
भौतिक विज्ञान	१	७५०००
अनाज अनुसंधान और विकास निगम		
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	१	८३२९४५
जैव प्रौद्योगिकी विभाग		
पशुपालन और डेरी उद्योग	१	६७५४६००
जीव रसायन, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	२	१२९६८०००
वनस्पति विज्ञान	३	७४५३९९६
आनुवांशिकी विकार केन्द्र	१	६५७४६००
आनुवांशिकी और पादप प्रजनन	३	१७१०४४००
भूगोल	१	१५८०००
गृह-विज्ञान	१	१८६९१००
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	१	२४९६७००
आर्युविज्ञान चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	२९५००००
सूक्ष्म जीविकी	२	५००७६००
आणविक एवं मानव जनन विज्ञान	७	३४०३७९५०
आणविक जीवविज्ञान इकाई चिकित्सा विज्ञान संस्थान	३	२२८५०३००
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	२	६०५३२००
मनोविज्ञान	१	१२५६९३००
जीव विज्ञान	३	१४२७७७०४
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग		
पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय	१	३१५००००
शस्य विज्ञान	२	३१२५०००
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व	१	२५४४०००
प्रयुक्त गणीत	१	१६४०२४०
प्रयुक्त भौतिकी विभाग	१	१४४७९८५०
जीव रसायन	२	१०१५८५२०
जीव रसायन, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	५	३५५४७२८७

वनस्पति विज्ञान	१३	४४५०७९९१
वनस्पति विज्ञान, महिला महाविद्यालय	१	२३४६०००
रसायनशास्त्र, महिला महाविद्यालय	३	११४३६२७०
सामुदायिक चिकित्सा	१	३७१६०००
संगणक केन्द्र	१	६६००००
दंत विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	२	१३९७०३०८
डी.एस.टी.-अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान	१	५०००००
अनुवंशिकी और पादप रोग विज्ञान	१	३२९६०००
भूविज्ञान	८	१६५४०७८४०
भूभौतिकी	२	५२२३२००
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	९	५८१३०६१०
पुस्तकालय तथा सूचना विज्ञान	१	१९८००००
गणित	४	६७६९५०१
गणितीय विज्ञान	१	३०८००
चिकित्सकीय रसायनशास्त्र	१	२९५०००
आर्युविज्ञान चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	११२७४६००
सूक्ष्म जीविकी चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	३०००००
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	२	४३२९२००
तंत्रिकीय चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	३०९५५२०
भौतिकी	१७	१९४७४७५५६
मनोविज्ञान	३	१३९५९८८४
जैव-प्रौद्योगिकी स्कूल	१	३५१२०००
मृदा और कृर्षि विज्ञान	२	५१६३४७०
सांख्यिकी	१	२२७२६००
जीवविज्ञान	२२	१३५६१५४२३
जीवविज्ञान महिला महाविद्यालय	१	८५००००
विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद् (उत्तर प्रदेश)		
शरीर रचना विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	११९४०००
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	१	८५८०००
उद्यान विज्ञान	१	१७९८५००
सूक्ष्म जीविकी, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	२४४१४५०
आणविक एवं मानव जनन विज्ञान	१	१०४००००
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	२	३४२६८९०
मृदा और कृषि विज्ञान	२	३०५५५०१
जीव विज्ञान, महिला महाविद्यालय	१	३९२०००
रसायनशास्त्र	१	५८४०००
भौतिकी विज्ञान महिला महाविद्यालय	१	३९००००
वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्		
प्रयुक्त गणीत	१	११८००००
जीव रसायन, महिला महाविद्यालय	२	३४६००००
वनस्पति विज्ञान	३	७०४५७४१
रसायनशास्त्र	४	३१०३४५४
भूविज्ञान	१	१२३२०००
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	१	२७९६०००
भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्		
जीव रसायन, विज्ञान संस्थान	१	११३००००
जीव रसायन, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	२	२७०२१४७
हृदय रोग विज्ञान चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	१८५०

सामुदायिक चिकित्सा	१	६८५८००
सूक्ष्म जीविकी	१	५५१०००
आणविक एवं मानव जनन विज्ञान	१	२७४२०७५
तंत्रिकीय चिकित्सा,चिकित्सा विज्ञान संस्थान	२	६५४०८९७
बाल चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	७४७०००
जीव विज्ञान	३	६२८९०२०
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय		
वनस्पति विज्ञान	१	२५०००००
भूविज्ञान	३	७००९२४१
भूभौतिकी	१	११८०३२०
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्		
अर्थशास्त्र, कृषि विज्ञान संस्थान	१	३३६२०००
शस्य विज्ञान	१	१२६२००००
जीव रसायन, विज्ञान संस्थान	१	६५३०८००
वनस्पति विज्ञान	३	६६८६०००
रसायनशास्त्र	१	१७०००००
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	१	२४९५९००
कृषि विज्ञान केन्द्र बरकछा का.हि.वि.वि.	१	९१५०००००
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	२	५४१५०००
मृदा और कृषि विज्ञान	३	२०१६४०७
जीव विज्ञान	१	११३९४०००
भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान		
शस्य विज्ञान	२	४१२२३३
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	१	२०००६०४
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	१	४२५०३७
भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी		
वनस्पति विज्ञान	४	२४१७४१९
भौतिकी	३	२१५१६६७
जीव विज्ञान	२	७१६३९८
परमाणु उर्जा विभाग		
वनस्पति विज्ञान	२	३७७३४५०
भूविज्ञान	२	६३२४६५०
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	१	२६९०९००
भौतिकी	३	५५८४६५०
विदेशी संस्थान		
शस्य विज्ञान	१	२६७८१२
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	२	६५९१६४
प्रसूति विज्ञान और स्त्रीरोग विज्ञान	१	३७३३३५०
जीव विज्ञान	१	३०७५६२५
कोलाबोरेट प्रोजेक्ट, एस.टी.आर.ए.एस.ए		
शस्य विज्ञान	१	१९४९७९
प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व	१	२८९५४३
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	१	१४६२३५
रक्षा मंत्रालय		
मृदा और कृषि विज्ञान	१	१९३९९०२
रसायनशास्त्र	१	४००३०४५
भौतिकी	१	४००३०४५
संस्कृति मंत्रालय		

इतिहास (मालवीय मूल्य अनुशिलन केन्द्र)	१	१०७००००
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन		
भौतिकी	१	३५४८०००
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	३	६८७८२००
विश्व स्वास्थ्य संगठन		
आर्युविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	**३**	३९३६९२३५
अंतरिक्ष विभाग भारत सरकार, अहमदाबाद		
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	१	२४०८०००
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	१	११२२७५०
बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउडेंशन, यू.एस.ए.		
आर्युविज्ञान	१	३१९१२५९५
जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद्, नई दिल्ली		
नेत्र विज्ञान	१	१५३००००
जी.बी.पी.एन.आई.एच.ई.एण्ड एस.डी.		
मृदा और कृषि विज्ञान	१	१४१५९२०
प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (उत्तर प्रदेश)		
पर्यावरण विज्ञान केन्द्र	१	२४०३५००
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय		
खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केन्द्र	१	४१२७०००
राष्ट्रीय आकादमी विज्ञान भारत		
वनस्पति विज्ञान	२	६६००००
अंतर्राष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार केन्द्र (सीआईएमएमवाईटी)		
शस्य विज्ञान	१	४२४३२०
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	२	८३७५०९
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान		
मृदा और कृषि विज्ञान	१	२०००००
जीएफएससी गर्नसे वित्तीय सेवा आयोग		
मृदा और कृषि विज्ञान	१	१२९८०००
मानव और परिवार स्वास्थ्य कल्याण समाज मंत्रालय, नई दिल्ली		
आयुर्विज्ञान	२	५५८०५३१
नेत्र विज्ञान	१	१४०००००
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्		
अध्ययन के लिए सामाजिक वहिष्करण और समावेशी नीति केन्द्र	१	८०००००
वाणिज्य संकाय	२	८०००००
अर्थशास्त्र	२	२९०००००
शारीरिक शिक्षा	२	१५०००००
भूगोल विभाग	४	२८६००००
प्रबंध अध्ययन संकाय	१	४०००००
राजनीतिशास्त्र	२	१३२६७५०
मनोविज्ञान	३	१२०००००
समाजशास्त्र	१	६४०००००
आई.आई. टी., दिल्ली		
दंत चिकित्सा	१	१७५०००
इंडोफिल उद्योग लिमिटेड, नई दिल्ली		
कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान	१	३९००००
जवाहर लाल नेहरू संस्थान, बेलगाम		
प्रसूति विज्ञान और स्त्रीरोग विज्ञान	१	३०७०००
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन		

सूक्ष्म जीविकी,चिकित्सा विज्ञान संस्थान	**१**	१५००००
राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, ब्लूमबर्ग		
आर्युविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	१०१४२८१
स्ट्रेस टालरेन्ट राईस फार अफ्रीका एण्ड साउथ एशिया राईस		
शस्य विज्ञान	१	५०००००
संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, लखनऊ		
बाल चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	६२५०००
कृषी अनुसंधान परिषद् (उत्तर प्रदेश)		
अनुवंशिकी और पादप प्रजनन	१	४६२५१०
केन्द्रीय औषधीय एवं सुगंध पौधा संस्थान, लखनऊ		
काय चिकित्सा	१	२७७४०००
कोलंबो विश्वविद्यालय, श्रीलंका		
वनस्पति विज्ञान	१	९४२५८०
कोरोमन्डल, अन्तर्राष्ट्रीय लिमिटेड, सिकन्दराबाद		
मृदा और कृषि विज्ञान	१	२०४६००
क्रिश्चियन मेडिकल, वेल्लोर		
बाल चिकित्सा	१	८०१९००
धनुका एग्रीटेक लिमिटेड		
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	१	८०३४००
रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन		
आर्युविज्ञान	१	१०२६०००
वित्त कमिशन, नई दिल्ली		
प्रबंध अध्ययन संकाय	१	२४३०००
डर्मोटोलॉजी, वेनेरोलॉजी और लेप्रौलॉजी के भारतीय संद्य		
त्वचा एवं रतिरोग विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान		
जनसंख्या के अध्ययन के लिए भारतीय संघ		
निश्चेतन विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	३९५६८२
मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
आईआरडीपी	१	४००००
जल संसाधन विकास मंत्रालय		
पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान	१	४०१७५२०
रक्षा मंत्रालय		
रासायनशास्त्र	१	९५००००
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय		
पत्रकारिता तथा जन संचार	१	२३४०००
ध्रुवीय और महासागर अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय केन्द्र		
भूभौतिकी	१	१७२००००
शिक्षा अनुसंधान प्रशिक्षण की राष्ट्रीय परिषद		
मनोविज्ञान	१	३९१७००
राष्ट्रीय मिशन स्वच्छ गंगा		
महामना मालवीय गंगा शोध केन्द्र	१	६३०७१७५
शिक्षा योजना और प्रशासन के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय		
अर्थशास्त्र	१	२०६२५०
तेल और प्राकृतिक गैस निगम		
भूभौतिकी	१	१५६८०००
जनसंख्या और स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान		
तंत्रिकीय चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	३६०२९०
चिकित्सक अनुसंधान महासंघ,एपीआई		

आर्युविज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१	६५०००
राष्ट्रीय कृषि विकास योजना		
पशु चिकित्सा विज्ञान	१	२०००००००
निवास जीवन समन्वयक		
कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान	१	१०७७०००
संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और संगठन		
मालवीय शान्ति व अनुसंधान केन्द्र	१	४०००००
यूपी.एस.ए.एल.		
मालवीय शोध केन्द्र	१	५५१०००

परिशिष्ट - ४

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का आयोजन

(अप्रैल २०१८ से मार्च २०१९ तक)

अप्रैल- २०१८

३१-०३-२०१८ से ०६-०४-२०१८	'अभियान मंजरी' पर कार्यशाला	डॉ. विधी नागर, विभागाध्यक्ष व संयोजक, नृत्य विभाग, मंच कला संकाय
०२-०४-२०१८ से ०८-०४-२०१८	''शोध छात्रों हेतु शोध कार्यप्रणाली के प्रयोगों एवे अनुप्रयोगो'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला	डॉ. मुक्ता सिंह, संयोजक, गृह-विज्ञान विभाग, महिला महाविद्यालय
०७-०४-२०१८ से ०८-०४-२०१८	''उभरती व्यावसायिक प्रथाओं'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. राजकिरन प्रभाकर, आयोजक सचिव,प्रबंध अध्ययन संकाय
०७-०४-२०१८ से ०८-०४-२०१८	छँठवा महामना मालवीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता	डॉ. नवल किशोर मिश्रा, आयोजक सचिव, विधी संकाय
०८-०४-२०१८ से ०९-०४-२०१८	''आयुर्वेद एवं योग में नवीन प्रगति और भावी संभावनाएं'' पर अंर्तराष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. देवनाथ सिंह गौतम, संयोजक, राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, बरकछा
०९-०४-२०१८	''शोध पुर्नजागरण, शारीरिक शिक्षा और योग'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रो. एन.बी.शुक्ला, आयोजक सचिव, सी.एच.सी. एथलेटिक्स एसोसिएशन, कला संकाय
०३-०४-२०१८ से १०-०४-२०१८	''राम: साहित्य कला एवं परम्परा'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला	डॉ. आभा मिश्रा पाठक, संयोजक व आयोजक सचिव, कला इतिहास इकाई, महिला महाविद्यालय
०६-०४-२०१८ से ०८-०४-२०१८	''ब्रम्हाण्ड विज्ञान में नवीन प्रगति'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आर डी सी ओ:२०१८)	प्रो. बी.पी.मंडल, संयोजक, भौतिक विभाग, विज्ञान संकाय
०६-०४-२०१८ से ०७-०४-२०१८	''गैर संक्रामक रोगों के लिए बहुआयामी दृष्टि कोण'' पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. प्रिया दर्शनी तिवारी, आयोजक सचिव, काय चिकित्सा विभाग, आर्युवेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
१६-०४-२०१८ से १७-०४-२०१८	चयापचय विकार के Srotodusti W.S.R. के पूर्वरूप लक्षण के लिए नैदानिक उपकरण विकसित करने में सामान्य विज्ञान की भूमिका'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. विजय लक्ष्मी गौतम, संयोजक,रचना शरीर विभाग, आर्युवेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
१८-०४-२०१८ से २८-०४-२०१८	एम फिल/पी एच डी/पी डी एफ छात्रों हेतु शोध कार्य प्रणाली पाठ्यक्रम	डॉ. ओम प्रकाश भारतीय, समाज शास्त्र विभाग बी. एच. यू.
१९-०४-२०१८ से २०-०४-२०१८	''वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अम्बेडकर के विचारों की प्रासंगिकता'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. वी.के. लहरी, समाज शास्त्र विभाग, बी.एच.यू.
२२-०४-२०१८	''गणितीय विज्ञान में नवीन प्रगतियों'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ. वी. शास्त्री, संयोजक और डॉ. राघवेन्द्र चौबे, सह-संयोजक, डीएसटी-सीआईएमएस, विज्ञान संस्थान
२७-०४-२०१८ से २९-०४-२०१८	''भारतीय जठरांत्र एडोस्कोपी संघ का वार्षिक सम्मेलन (एस जी ई आई)'' इ एन डी सी ओ एन -२०१८	डॉ. वी.के. दिक्षीत, आयोजक सचिव, जठरांत्र शोथ विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२७-०४-२०१८ से २९-०४-२०१८	भारतीय सांस्कृतिक चेतना के प्रमुख आयाम और विश्व कवि तुलसीदास विषय पर अंतर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. अशोक सिंह, आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
२८-०४-२०१८ से २९-०४-२०१८	''आयर्वेद में पंचगव्य चिकित्सा'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. ओ.पी.सिंह, आयोजन अध्यक्ष, और डॉ. जे.पी. सिंह, आयोजन सचिव, काय चिकित्सा विभाग, आर्युवेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संकाय
२८-०८-२०१८ से ३०-०४-२०१८	अमेरिकन हार्ट एसोसिएसन द्वारा मान्यता प्राप्त ''बेसिक लाइफ सपोर्ट एंड एडवांस लाइफ सर्पोट (बी एल एस/ ए सी एल एस)'' पर कार्यशाला	डॉ. यश पाल सिंह, आयोजन सचिव, निश्चेतन विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान

मई- २०१८

०१-०५-२०१८ से ११-०५-२०१८	''वैज्ञानिक प्रलेखन के लिए उपकरण: लेटेक्स जैबरेफ,डॉकइअर और अन्य ओपन सोर्स साफ्टवेयर'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ. गंगा राम, संयोजक, डीएसटी-सीआईएमएस, विज्ञान संस्थान

जून- २०१८

०७-०६-२०१८ से २१-०६-२०१८	''योग एवं स्वास्थ्य'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला	प्रो. डी.के. पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, वैदिक दर्शन, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय
९-०६-२०१८ से १०-०६-२०१८	काशी फिजियोकॉन-२०१८पर राष्ट्रीय फिजियोथेरेपी सम्मेलन।	डॉ. एस.एस. पाण्डेय, आयोजन सचिव, और डॉ. ओ.पी. सिंह, सह-आयोजन सचिव, विकलांग विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२१-०६-२०८	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	प्रो. एन.बी. शुक्ला, आयोजन सचिव, सीएचसी, एथलेटिक एसोसिएशन, कला संकाय, बी.एच.यू.
२५-०६-२०१८ से २६-०६-२०१८	''शारीरिक शिक्षा और क्रीड़ा विज्ञान'' पर यूजीसी राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. एन.बी. शुक्ला, आयोजन सचिव, सीएचसी, एथलेटिक एसोसिएशन, कला संकाय

जुलाई- २०१८

०३-०७-२०१८ से २३-०७-२०१८	एच ए सी सी पी के सन्दर्भ में खाद्य उत्पादों की सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन, मूल्य सवंर्धन एवं गुणवत्ता मानक	प्रो. अनिल कुमार चौहान, समन्वयक, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र, कृषि विज्ञान संकाय, कृषि विज्ञान संस्थान
११-०७-२०१८ से १७-०७-२०१८	''प्रयोगशला परिचारक एवं पंचकर्म परिचारक (मालिश करने वाले)'' पर कार्यशाला	प्रो. ए.सी.कर, संयोजक व विभागाध्यक्ष, विक्रिती विज्ञान, और डॉ. जे.पी. सिंह, संयोजक प्रभारी, पंचकर्मा इकाई, काय चिकित्सा विभाग,आर्युवेद, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
१९-०७-२०१८ से २५-०७-२०१८	''शिक्षण एवं शोध कार्य प्रणाली'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला	प्रो. के.एन. सिंह विभागाध्यक्ष व संयोजक, रचना शरीर विभाग, आर्युवेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२१-०७-२०१८ से २२-०७-२०१८	ई एम आई एन डी आई ए -२०१८ सम्मेलन	प्रो. एस.के. शुक्ला, जठरांत्र शोथ विज्ञान विभाग,चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२६-०७-२०१८ से २७-०७-२०१८	''आयुष शिक्षा एवं शोध का वर्तमान, भूत एवं भविष्य'' पर अतंर्राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रो. के.एन. सिंह विभागाध्यक्ष व संयोजक, रचना शरीर विभाग, आर्युवेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२७-०७-२०१८ से २९-०७-२०१८	''अद्वैत वेदान्त की परम्परा: इसके समकालीन व्याख्याकार और प्रोफेसर रेवती रमण पाण्डेय'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. ए.के. राय और प्रो. आनन्द मिश्रा, समन्वयक संगोष्ठी,भारतीय दर्शन एवं धर्म विभाग,कला संकाय

अगस्त- २०१८

०४-०८-२००८ से ०६-०८-२०१८	ए आई सी आर आई पी-आर एम का १५ वां वार्षिक समूह बैठक	प्रो. कार्तिकेय श्रीवास्तव,आयोजन सचिव, अनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान
१०-०८-२०१८ से ११-०८-२०१८	''प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया तंत्र'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. गीता राय, संयोजक व आयोजन सचिव, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान विज्ञान संस्थान
१९-०८-२०१८	''बाल चिकित्सा संज्ञाहरण में अद्यतन'' पर सी एम ई	प्रो. पुष्कर रजंन, आयोजन प्रभारी व डॉ. शशी प्रकाश आयोजन सचिव, निश्चेतन विभाग,चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२९-०८-२०१८ से ३०-०८-२०१८	''कृषि संधारणीयता के लिए संसाधन प्रयोग की योजना'' पर कार्यशाला सह संगोष्ठी	प्रो. पी.एस.बादल, समन्वयक, कार्यशाला, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान
३०-०८-२०१८ से ०१-०९-२०१८	''मूल ग्रन्थ का बोध: साहित्य अध्ययन और अकादमिक लेखन के दृष्टिकोण'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला	डॉ. प्रवीन कुमार पटेल, डॉ. अमर सिंह, अंग्रेजी विभाग, महिला महा विद्यालय और सुश्री. शिप्रा थोलिया, समन्वयक जर्मन स्टडीज विभाग, कला संकाय

सितंबर- २०१८

०१-०९-२०१८ से ०७-०९-२०१८	''मातृ एवं नवजात देखभाल: मुद्दे और चुनौतियां'' पर कार्यशाला।	डॉ. किरन सिंह, आणविक एवं मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संस्थान
०१-०९-२०१८ से ०३-०९-२०१८	अमेरिकी हार्ट एसोसिएसन द्वारा मान्यता प्राप्त ''बेसिक लाइफ सपोर्ट एंड एडवांस लाइफ सपोर्ट (बी एल एस/ए सी एल एस)'' पर कार्यशाला।	डॉ. बिक्रम कुमार गुप्ता, आयोजन सचिव, निश्चेतन विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
०६-०९-२०१८ से ०९-०९-२०१८	टी आर ओ पी ए ओ एन २०१८ (१२ वां आई ए टी पी राष्ट्रीय सम्मेलन)	डॉ. तुहिन बनर्जी, आयोजन सचिव,सूक्ष्म जीविकी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
०८-०९-२०१८ से १०-०९-२०१८	''जैविक शोध के सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर के प्रयोग'' पर कार्यशाला।	प्रो. ऐ.के. सिंह, समन्वकय और कोषाध्यक्ष, जीव विज्ञान विभाग
१४-०९-२०१८ से १५-०९-२०१८	''मध्यकालीन भारत में सामासिक संस्कृति के उदभव'' राष्ट्रीय सम्मेलन।	डॉ. ताबीर कलाम, आयोजन सचिव, इतिहास विभाग
१५-०९-२०१८ से	''इनसॉलवेन्सी एंड बैंकरप्सी कोड २०१६'' पर कार्यशाला।	डॉ. रजनीश कुमार सिंह, विधि संकाय
१५-०९-२०१८ से १६-०९-२०१८	''संधानित पदार्थ भौतिकी और पदार्थ विज्ञान में नवीन प्रवृत्तियों'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन।	डॉ. एम.ए. शाज, संयोजक, भौतिक विभाग, विज्ञान संस्थान
०८-०९-२०१८ से २०-०९-२०१८	आई ए एस पी का ४९वां सम्मेलन और ''सैद्धान्तिक और अपुप्रयुक्त सांख्यिकी में उभरती पद्धतियों'' पर अंतर्राष्ट्री सम्मेलन।	प्रो. के.के. सिंह, संयोजक, सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संस्थान
२२-०९-२०१८	''शारीरिक शिक्षा में कम्पूटर का सामान्य अनुप्रयोग'' पर पूर्व छात्र मिलन सह कार्यशाला।	प्रो. सुषमा घिलदयाल, विभागाध्यक्ष, कार्यशाला निदेशक, और डॉ. अखिल मेहरोत्रा, आयोजन सचिव, शारीरिक शिक्षा विभाग
२२-०९-२०१८ से २३-०९-२०१८	''आर्युवेद में पंचगव्य चिकित्सा'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. जे.एस. त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, आर्युवेद संकाय
२५-०९-२०१८ से २६-०९-२०१८	''बनारस, भोजपुरी और केदारनाथ सिंह'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. श्रीप्रकाश शुक्ल, समन्वयक, भोजपुरी अध्ययन केन्द्र, कला संकाय,
२८-०९-२०१८ से ३०-०९-२०१८	एस ई एल एस आई सी ओ एन-२०१८, भारतीय इण्डोस्कोपिक एंड लैप्रोस्कोपिक सर्जन संघ का ११ वां वार्षिक सम्मेलन।	प्रो. अजय खन्ना, आयोजन अध्यक्ष और प्रो. मुमताज अहमद अंसारी, आयोजन सचिव, सामान्य शल्य चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२९-०९-२०१८	''फोरेंसिक विज्ञान और चिकित्सा न्याय- शास्त्र में नई प्रवृत्तियां और मुद्दे'' पर सम्मेलन।	प्रो. धर्मेन्द्र कुमार मिश्रा, विधि संकाय

अक्टूबर- २०१८

०३-१०-२०१८ से १३-१०-२०१८	''सामाजिक विज्ञान में शोध कार्य प्रणाली'' पर विस्तृत पाठ्यक्रम।	प्रो. एच.एन. प्रसाद, पाठ्यक्रम निदेशक,विश्वविद्यालय पुस्तकालय अध्यक्ष , केन्द्रीय पुस्तकालय
०४-१०-२०१८ से ०६-१०-२०१८	''मेंटल पेट्रोलाजी में उन्नति'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. राजेश कुमार श्रीवास्तव, संयोजक, भूविज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान
०४-१०-२०१८ से ०६-१०-२०१८	''लोक संस्कृति संवर्धनम-III ''वैश्विक लोक संस्कृति: परंपरा और प्रतिबिम्ब'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।	डॉ. विधि नागर, संयोजक और विभागाध्यक्ष, नृत्य विभाग, मंच कला संकाय, बी.एच.यू.
०५-१०-२०१८ से ०६-१०-२०१८	''समालोचनात्मक स्वास्थ्य मानविकी: साहित्य एवं लोक संस्कृति में स्वास्थ्य एवं रोग'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन।	डॉ. प्रवीन कुमार पटेल,संयोजक, अंग्रेजी इकाई,महिला महा विद्यालय, डॉ.राहुल चर्तुवेदी सह-संयोजक , अंग्रेजी विभाग, सुश्री. सिप्रा थोलिया, आयोजन सचिव, जर्मन स्टडीज विभाग, कला संकाय
१२-१०-२०१८	''भारत में मीडिया नियामक तंत्र: मुद्दे और चुनौतियां'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	डॉ. आदेश कुमार, विधि संकाय

१३-१०-२०१८ से १४-१०-२०१८	''यू पी चैप्टर ए आर ओ आई का ३०वां वार्षिक सम्मेलन(यू पी ए आर ओ आई सी ओ एन-२०१८)	प्रो. यू.पी. शाही, आयोजन अध्यक्ष, और डॉ. एस. चौधरी, आयोजन सचिव, विकिरण चिकित्सा और विकिरण आयुर्विज्ञान,चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२१-१०-२०१८	वाराणसी नेत्र विज्ञान संघ का वार्षिक सम्मेलन।	डॉ. दीपक मिश्रा, आयोजन सचिव, नेत्र विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२२-१०-२०१८ से २८-१०-२०१८	''भारतीय संस्कृति में पर्यावरण एवं विरासत के मुद्दे'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला।	प्रो. पुष्पलता सिंह, विभागाध्यक्ष और संयोजक,प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व, कला संकाय
२४-१०-२०१८ से २७-१०-२०१८	टी आर ओ पी एम ई टी -२०१८ ''मौसम एवं जलवायु परिवर्तनशीलता का बोध:समाज के लिए शोध अनुप्रयोग'' पर सम्मेलन।	प्रो. आर.भाटला,संयोजक ,भूभौतिकी विभाग
२६-१०-२०१८ से २७-१०-२०१८	''बनारस, भोजपुरी और केदारनाथ सिंह'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो.श्रीप्रकाश शुक्ला, भोजपुरी अध्ययन केन्द्र, कला संकाय,
२७-१०-२०१८ से २८-१०-२०१८	''डिफरेन्शियल इक्वेशन, बायफरकेशन एंड के ऑस विथ न्यूमेरिकल सिम्यूलेशन इन एम ए टी एल ए बी'' पर सम्मेलन ।	डॉ. अनुपमा प्रियदर्शी, संयोजक, गणित विभाग, विज्ञान संस्थान
२७-१०-२०१८ से २८-१०-२०१८	''जीवन शैली विकारों के प्रबंधन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।	प्रो. राजेन्द्र प्रसाद, आयोजन अध्यक्ष,और डॉ. अजय कुमार पाण्डेय, आयोजन सचिव, काय चिकित्सा, आर्युवेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संकाय
२७-१०-२०१८	''भारतीय कर प्रणाली: आर्थिक विकास के प्रेरणा एवं अवरोध'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. दिनेश कुमार श्रीवास्तव, विधि संकाय
२९-१०-२०१८ से ३१-१०-२०१८	भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी का ३६वां वार्षिक सम्मेलन (आई ए एन)	प्रो. एस. प्रसाद, आयोजन सचिव, जीव विज्ञान विभाग
३१-१०-२०१८ से ०१-११-२०१८	'पृथ्वी प्रणाली विज्ञान में उन्नति' पर कार्यशाला और पृथ्वी प्रणाली विज्ञान पत्रिका (जे इ एस एस) के संपादक मंडल की बैठक।	डॉ. एन.वी.चलपथी राव,संयोजक, भूविज्ञान विभाग ,विज्ञान संस्थान
३१-१०-२०१८ से ०२-११-२०१८	''भारतीय परिप्रेक्ष्य में हाइड्रोजन उर्जा: नैनो की भूमिका और कार्यात्मक सामाग्री'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन।	प्रो. ओ.एन.श्रीवास्तव, संयोजक, भौतिक विभाग

नवम्बर- २०१८

०२-११-२०१८ से २२-११-२०१८	''संगठित खुदरा क्षेत्र में किसानों को बराबर का भागीदार बनानें हेतु कार्रवाई शोध'' पर विंटर स्कूल।	प्रो. पी.एस.बादल, पाठ्यक्रम निदेशक, डॉ. ओ.पी.सिह, पाठ्यक्रम समन्वयक, कृषि अर्थशास्त्र, कृषि विज्ञान संस्थान
०२-११-२०१८ से ०४-११-२०१८	भारतीय विज्ञान अकादमी का ८४वां वार्षिक बैठक।	प्रो. संजय कुमार, आयोजन सचिव, भौतिक विभाग,और प्रो. डी.एस.पाण्डेय, आयोजन सचिव, रसायनशास्त्र विभाग, विज्ञान संस्थान
०२-११-२०१८ से ०४-११-२०१८	एम डी एस ओथौडोन्टिक स्पेश्यलिटि का व्यावहारिक/व्यक्तिगत कार्यशाला।	प्रो. टी.पी. चर्तुवेदी,दंत चिकित्सा संकाय,चिकित्सा विज्ञान संस्थान
१४-११-२०१८ से १५-११-२०१८	''इतिहास, मिथक और ओरलीटी: भारत में सांस्कृतिक और साहित्यिक परंपरा'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. पी.सी.प्रधान,संयोजक, डॉ. देवेन्द्र कुमार ट्रेजरार और आरती निर्मल, आयोजन सचिव, अग्रेजी विभाग, कला संकाय
१६-११-२०१८ से १८-११-२०१८	''सार्वभौमिक धर्म और शिक्षा'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'आई सी यू आर ई)	प्रो. सुनील कुमार सिंह,आयोजन सचिव, शिक्षा संकाय
१६-११-२०१८ से १८-११-२०१८	समायोजन २०१८(अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेद यूथ कॉनक्लेव- आइ ए वाई सी)	डॉ. ऐ.के. द्विवेदी, आयोजन सचिव,आर्युवेद संकाय,चिकित्सा विज्ञान संस्थान
१६-११-२०१८ से २१-११-२०१८	''जल-खाद्य-उर्जा-जलवायु संबंध: संधारणीय भविष्य के प्रति एक दृष्टिकोण'' पर इण्डो.यू एस कार्यशाला।	प्रो. ए.एस. रघुवंशी, और डॉ. आर.पी. सिंह, आयोजन सचिव,पर्यावरण एवं धारणीय विज्ञान संस्थान
१७-११-२०१८	''भारतीय कर प्रणाली: आर्थिक विकास के प्रेरणा एवं अवरोध'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. दिनेश कुमार श्रीवास्तव, विधी संकाय

१७-११-२०१८ से २३-११-२०१८	''प्रोटिओमिक्स की प्रगति और अनुप्रयोग'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला।	प्रो. बेचन लाल, संयोजक, जीवविज्ञान विभाग
१७-११-२०१८ से १८-११-२०१८	''रासायनिक विज्ञान में उभरती प्रवृन्तियां'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद।	प्रो. डी.एस. पाण्डेय,संयोजक, रसायनशास्त्र विभाग
१८-११-२०१८	प्राकृतिक चिकित्सा दिवस	प्रो. एन.बी. शुक्ला, आयोजन सचिव,सी.एच.सी. क्रीडा परिषद, कला संकाय,
१९-११-२०१८ से २५-११-२०१८	''विभिन्न खेलों में उन्नत प्रशिक्षण पद्धतियां और खेल कोचिंग के नए चलनों का उन्मुखीकरण'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला (ए टी एम ओ टी एस-२०१८)	प्रो. सुषमा घिलदयाल, विभागाध्यक्ष, कार्यशाला निदेशक, और डॉ. राजीव वयश, आयोजन सचिव, शारीरिक शिक्षा विभाग
२१-११-२०१८ से २३-११-२०१८	ई ई जी कार्यशाला	प्रो. दिपीका जोशी, विभागाध्यक्ष, तंत्रिकीय चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२१-११-२०१८ से २२-११-२०१८	''दक्षिण एशिया में स्त्री, संघर्ष और शान्ति प्रक्रिया'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।	डॉ. अनुज शर्मा उपाध्याय, संयोजक, और डॉ. सुनिता सिंह, सह-संयोजक,मालवीय शान्ति व अनुसंधान केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय
२४-११-२०१८	व्याख्यान एवं सॉफ्ट टिसू लेजर का प्रदर्शन।	प्रो. एच.सी. बर्नवाल, आयोजन सचिव, दंत चिकित्सा संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२५-११-२०१८ से ३०-११-२०१८	''क्षेत्र सिद्धान्त में नई प्रवृत्तियां'' पर द्विवार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एन टी एफ टी ६:२०१८)	प्रो. आर.पी. मल्लिक,संयोजक, भौतिक विभाग, और डीएसटी- सीआईएमएस, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२८-११-२०१८ से २९-११-२०१८	''नजीर बनारसी: जीवन एवं कार्य'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	डॉ. आफताब अहमद, संयोजक, और विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग,कला संकाय
२९-११-२०१८ से ३०-११-२०१८	''लोक और आधुनिकतावाद'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. श्रीप्रकाश शुक्ल, समन्वयक, भोजपुरी अध्ययन केन्द्र, कला संकाय
३०-११-२०१८ से ०६-११-२०१८	''विज्ञान और नीवन प्रगति और पर्यावरण पर उसका प्रभाव'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला सह व्याख्यान। (आर ए एस आई ई-२०१८)	डॉ. रिचा रघुवंशी, संयोजक, वनस्पति विज्ञान इकाई और डॉ. गीता जे गौतम, संयोजक, जीवविज्ञान इकाई, महिला महा विद्यालय

दिसम्बर-२०१८

०५-१२-२०१८	''मृदा एवं सभ्यता'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और ''पूर्वछात्र सम्मेलन''।	प्रो. प्रियंकर राहा, विभागाध्यक्ष, मृदा और कृषि विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान
०६-१२-२०१८ से ०८-१२-२०१८	''प्रवास, स्मृति, उत्परिर्वतन'' पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।	डॉ. गीतांजली सिंह, संयोजक, फ्रेंच विभाग, कला संकाय
०६-१२-२०१८ से ०७-१२-२०१८	''सामाजिक समावेशन पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचार'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	समन्वयक, समाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन, सामाजिक विज्ञान संकाय
०८-१२-२०१८	चौथा वार्षिक यू पी ए ओ एम एस आई सम्मेलन।	प्रो. नरेश कुमार, दंत विज्ञान संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
०८-१२-२०१८ से ०९-१२-२०१८	पूर्व छात्र समागम।	प्रो. यू.एस.द्विवेदी और डॉ. समीर त्रिवेदी, मूत्र रोग विज्ञान विभाग,चिकित्सा विज्ञान संस्थान
११-१२-२०१८ से १२-१२-२०१८	''विज्ञान सलाह और पर्यावरण'' पर कार्यशाला आई एन जी एस ए – एशिया।	प्रो. कविता शाह, आयोजक सचीव, पर्यावरण एवं धारणीय विज्ञान संस्थान
१५-१२-२०१८ से १६-१२-२०१८	''दन्त विज्ञान संकाय में लेजर कार्यशाला।	डॉ. अदित और डॉ. पवन दूबे, दतं चिकित्सा विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
१५-१२-२०१८ से १७-१२-२०१८	''अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन एवं वैदिक विज्ञान के विविध आयाम'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	डॉ. उपेन्द्र कुमार त्रिपाठी, समन्वयक, वैदिक विज्ञान केन्द्र
२२-१२-२०१८ से २४-१२-२०१८	अन्तर्राष्ट्रीय पूर्व छात्र समागम २०१८ के साथ ''कृषि शिक्षा एवं शोध में वैश्विक भागीदारी'' पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. ए. वैष्मपायन, निदेशक,कृषि विज्ञान संस्थान
२६-१२-२०१८ से ०४-०१-२०१९	''एस ए एस का प्रयोग करके आकड़ा विश्लेषण''पर कार्यशाला।	डॉ. राकेश रजंन, संयोजक, डीएसटी-सीआईएमएस,

जनवरी- २०१९

०२-०१-२०१९ से ०३-०१-२०१९	''शारीरिक शिक्षा: वैश्विक परिप्रेक्ष्य और भारतीय दृष्टिकोण'' पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. एन.बी.शुक्ला, आयोजन सचिव, सीएचसी एथलेटिक एसोसिएशन
०८-०१-२०१९ से ०९-०१-२०१९	''विदेशी समाग्री और उपकरणों'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन।	प्रो.भाष्कर भट्टाचार्या, भौतिक विभाग,महिला महाविद्यालय
११-०१-२०१९ से १२-०१-२०१९	''बाइनरी (दोहरेपन) से परे: लिंग विविधता पर एक दृष्टि' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. रिता सिंह, संयोजक, समाजशास्त्र इकाई, महिला महाविद्यालय
१२-०१-२०१९ से १३-०१-२०१९	प्रथम बी एच यू टी ई ई और अल्ट्रा डायनमिक्स कार्यशला।	प्रो. एस.के. माथुर, आयोजन अध्यक्ष और डॉ. विक्रम कुमार गुप्ता, आयोजन सचिव, निश्चेतन विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
१६-०१-२०१९ से १८-०१-२०१९	युवा सामाजिक विज्ञान संकाय सदस्यों हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी)	डॉ. एस.सी. दास, वाणिज्य संकाय
१८-०१-२०१९ से २०-०१-२०१९	''उत्तर भारतीय प्रवासी: जडे और प्रक्षेप पथ'' पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. धनश्याम, इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय
१९-०१-२०१९ से २०-०१-२०१९	''गणितीय विज्ञान के कुछ अनुप्रयोगों का अन्वेषण'' विषय पर कार्यशाला।	डॉ. कृष्णनेन्दू भट्टाचार्या, संयोजक, गणित विभाग विज्ञान संस्थान
२४-०१-२०१९ से २५-०१-२०१९	''भारतीय प्रवासी की भारतीय पहचान: विश्व एवं भारत में इसका ऐतिहासिक, दार्शनिक और समकालीन योगदान'' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. तेज प्रताप सिंह, समन्वयक, सामाजिक वहिष्कारण एवं समावेशी नीति अध्ययन, समाजिक विज्ञान संकाय
२७-०१-२०१९	राष्ट्रीय पूर्वछात्र समागम (बी एच यू एम ए ए २०१९)	प्रो. एच.पी. माथुर, प्रबंध शास्त्र संस्थान
२८-०१-२०१९ से ३०-०१-२०१९	''सटीक और जलवायु स्मार्ट कृषि के लिए इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद और आई एस ए ई का ५३ वां वार्षिक सभा।	डॉ. वी.के. त्रिपाठी, आयोजन सचिव, कृषि अभियांत्रिकी विभाग,कृषि विज्ञान संस्थान
२८-०१-२०१९ से २९-०१-२०१९	''मीडिया कर्मियों तथा गैर-सरकारी संगठनों के लिए पर्यावरण जागरूकत'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	डॉ. वी.के. मिश्रा, आयोजन सचिव, और डॉ. विशाल प्रसाद, संयुक्त आयोजन सचिव, पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान
३०-०१-२०१९ से ३१-०१-२०१९	''पर्यावरण एवं धारणीय विकास: पर्यावरण उद्योग इंटरफेस- एक आवश्यक विश्लेषण'' विषय पर ५वां स्नातक संगोष्ठी।	डॉ. विशाल प्रसाद, आयोजन सचिव और डॉ. वी.के. मिश्रा, संयुक्त आयोजन सचिव, पर्यावरण एवं धारणीय विकास संस्थान

फरवरी- २०१९

०१-०२-२०१९ से ०३-०२-२०१९	''पादप विज्ञान शोध में वर्तमान प्रवृत्तियां और भावी संभावनाएं'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन।	प्रो. रवि कुमार अस्थाना, संयोजक, वनस्पति विभाग, विज्ञान संस्थान
०१-०२-२०१९ से ०३-०२-२०१९	''पी जी मास्टर क्लासेज-२०१९	डॉ. सतेन्द्र कुमार अस्थाना,आयोजन सचिव, सामान्य शल्य चिकित्सा,चिकित्सा विज्ञान संस्थान
०४-०२-२०१९ से १३-०२-२०१९	''सामाजिक विज्ञान में एम.फिल/ पी. एच डी./ शोधार्थी हेतु शोध कार्यप्रणाली।	डॉ. आर.एस.मीना, वाणिज्य संकाय
०७-०२-२०१९ से १३-०२-२०१९	''महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा, योग, खेल विज्ञान के संगठन और प्रशासन में भविष्य के प्रति जागरूकता कार्यक्रम'' विषय पर यूजीसी का कार्यक्रम ।	प्रो. एन.बी.शुक्ला आयोजन सचिव,सीएचसी एथलेटिक एसोसिएशन, कला संकाय
११-०२-२०१९ से १६-०२-२०१९	''शोध कार्यप्रणाली'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला।	डॉ. आशुतोष मोहन, कार्यशाला समन्वयक, प्रबंध शास्त्र संस्थान
११-०२-२०१९ से १५-०२-२०१९	पंचदिवसीय राष्ट्रीय गायन कार्य शाला।	डॉ. ज्ञानेश चन्द्र पाण्डेय, संयोजक, गायन विभाग, संगीत एवं मंच कला संकाय,
१४-०२-२०१९ से १६-०२-२०१९	शिक्षा, पेशा और आयुर्वेद आधारित प्रयासों सहित शोध में नवीन प्रवृत्तियों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।	प्रो. आनन्द कुमार चौधरी, आयोजन सचिव, रसशास्त्र विभाग, आयुर्वेद संकाय
१४-०२-२०१९ से १६-०२-२०१९	''कलाक्षर:कला और प्रौद्योगिकी से सामाजिक – सांस्कृतिक विविधता के माध्यम से अभिकल्प नवाचार''विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला।	डॉ. मनीष अरोरा, आयोजन सचिव, प्रयुक्त कला विभाग, दृश्य कला संकाय

१५-०२-२०१९ से १६-०२-२०१९	''उन्माद का रहस्य: साहित्य दर्शन और दृश्य संस्कृति'' पर चौथा वार्षिक छात्र सम्मेलन। (एक राष्ट्रीय कार्यक्रम)	डॉ. प्रवीन कुमार पटेल, और डॉ. अमर सिंह, समन्वयक, अंग्रजी विभाग, महिला महाविद्यालय
१९-०२-२०१९ से २१-०२-२०१९	९वां राष्ट्रीय बीज सम्मेलन।	प्रो. पी.के.सिंह आयोजन सचिव, अनुवांशिकी और पादप प्रजनन विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान
२०.०२.२०१९	विचार मंथन सत्र।	समन्वयक और संकाय सदस्य डीएसटी-सीआईएमएस,डीएसटी-सीआईएमएस
२०-०२-२०१९ से २२-०२-२०१९	''जैविक विज्ञान में नवीन जैव सूचना विज्ञान के उपकरण और तकनीक'' विषय पर कार्यशाला।	प्रो. अरविन्द कुमार, संयोजक और समन्वयक,जैव सूचना विज्ञान केन्द्र, जैव प्रौद्योगिकी स्कूल, विज्ञान संस्थान
२१-०२-२०१९ से २२-०२-२०१९	''वर्तमान समय में मातृभाषा का महत्व एवं भूमिका: अन्तर्राष्ट्रीय दिवस के परिप्रेक्ष्य में'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	डॉ. सोमा दत्ता, संयोजक, बंगाली विभाग, महिला महाविद्यालय
२२-०२-२०१९ से २३-०२-२०१९	''साहचर्य और इसके अनुप्रयोगों में उभरते प्रवृत्तियों'' पर बी एच यूकी गणितीय संघ का ३४ वां वार्षिक सम्मेलन।	डॉ. शिवशंकर दास, संयोजक, गणित विभाग, विज्ञान संस्थान
२५-०२-२०१९ से २७-०२-२०१९	''भारतीय धर्म, दर्शन और साहित्य'' पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।	डॉ. आफताब अहमद, संयोजक और विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग, कला संकाय
२५-०२-२०१९ से ०७-०३-२०१९	''वैज्ञानिक प्रलेखन के लिए उपकरण:लेटेक्स जैवरेफ, डॉकइअर, और अन्य ओपन सोर्स साफ्टवेयर'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।	डॉ. अभिषेक सिंह, प्रशिक्षण समन्वयक, कृषि अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान
२५-०२-२०१९ से ०२-०३-२०१९	''भूगोल में शोध कार्य प्रणाली'' पर अल्पावधि कार्यशाला।	डॉ. गोवनामनी, संयोजक, भूगोल विभाग, विज्ञान संस्थान
२६-०२-२०१९ से २८-०२-२०१९	''धारणीय पादप स्वास्थ्य प्रबंधन में नवीन चुनौतियां और अवसर'' विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद।	डॉ. श्याम शरन वैष, आयोजन सचिव, कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान,कृषि विज्ञान संस्थान

मार्च- २०१९

०१-०३-२०१९ से ०२-०३-२०१९	''एकात्मक मानववाद और भारत में समकालीन विकास के मुद्दे'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	डॉ. श्याम कर्तिक मिश्रा, अध्यक्ष प्रोफेसर, पं दिनदयाल उपाध्याय अध्यक्ष,सामाजिक विज्ञान संकाय
०१-०३-२०१९ से ०२-०३-२०१९	''सामाजिक समावेशन पर डॉ भीम राव अम्बेडकर के विचार'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	संयोजक, समाजिक वहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन, सामाजिक विज्ञान संकाय
०१-०३-२०१९ से ०३-०३-२०१९	''विरासत कथा'' पर राष्ट्रीय परिसंवाद।	डॉ. ज्योति रोहिल्ला राना, इतिहास विभाग, कला संकाय
०२-०३-२०१९	''व्यावसायिक प्रथाओं में नवाचार'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन।	डॉ. अमित गौतम और डॉ. अनुराग सिंह, सम्मेलन संयोजक,प्रबंध शास्त्र संस्थान
०२-०३-२०१९ से ०३-०३-२०१९	''वर्तमान मानव संसाधन प्रबंधन प्रथाएं'' विषय पर सातवाँ राष्ट्रीय सम्मेलन। (७वाँ एन सी सी एच आर एम पी-२०१९)	प्रो. तारा सिंह, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग
०५-०३-२०१९ से ०६-०३-२०१९	''हाल ही में उन्नति और स्वास्थ्य में प्रगति'' पर तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन।	प्रो. तारा सिंह, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग
०६-०३-२०१९ से १६-०३-२०१९	''वैज्ञानिक प्रलेखन के लिए उपकरण: लेटेक्स, जैबरेफ, डॉकइअर और अन्य ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर'' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।	डॉ. अभिषेक सिंह, प्रशिक्षण समन्वयक, कृषि अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान
०९-०३-२०१९ से १०-०३-२०१९	''धर्मागमीय-भक्तित्व-विमर्श'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।	प्रो. शीतला प्रसाद पाण्डेय, अध्यक्ष, धर्मागम विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय,
०८-०३-२०१९ से १२-०३-२०१९	विज्ञान की सीमाएं (भूत,वर्तमान एवं भविष्य): भौतिक, रासायनिक एवं पृथ्वी विज्ञान'' पर परिसंवाद।	प्रो. एन.वी.चलपति राव, संयोजक, भूविज्ञान, विज्ञान संस्थान
११-०३-२०१९ से १२-०३-२०१९	''परिवार एवं समाज पर सामाजिक परिवर्तन और प्रौद्योगिकी का प्रभाव'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन।	डॉ. पुष्पा कुमारी, संयोजक, गृह विज्ञान विभाग, महिला महा विद्यालय
११-०३-२०१९ से १२-०३-२०१९	''स्वास्थ्य विज्ञान में सीमाएं'' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन।	प्रो. गोपाल नाथ, संयोजक सूक्ष्म जीविकी, चिकित्सा विज्ञान संस्थान

११-०३-२०१९ से १७-०३-२०१९	''कला प्रदर्शन में शिक्षा एवं प्रथाओं'' पर अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला।	प्रो. प्रदोश कुमार मिश्रा, विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, कला संकाय
१३-०३-२०१९ से १४-०३-२०१९	''विज्ञान की सीमाएं (वर्तमान एवं भविष्य)- प्राणी विज्ञान'' पर परिसंवाद।	प्रो. मधुलिका अग्रवाल, संयोजक,वनस्पति विभाग, विज्ञान संस्थान
१४-०३-२०१९ से १६-०३-२०१९	अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ''वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ अयुर्वेद- बीएचयू २०१९(डब्ल्यू सी ए बी एच यू-२०१९)	प्रो. यामिनी भूषण त्रिपाठी संकाय प्रमुख, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२३-०३-२०१९	बालचिकित्सा सेप्सिस७ अपडेट पर सीएमई।	प्रो. एस.पी. शर्मा, आयोजन अध्यक्ष और डॉ. सरीता चौधरी आयोजन सचिव, बाल शल्य चिकित्सा, चिकित्सा विज्ञान संस्थान
२७-०३-२०१९	''कहाँ और कैसे प्रकाशन करें: वैज्ञानिक प्रकाशन में नैतिकता पर परिसंवाद'' विषय पर परिसंवाद।	डॉ. मौसमी मुत्सुद्दी संयोजक, आणविक एंव मानव जनन विज्ञान, विज्ञान संस्थान

परिशिष्ट - ५

वर्ष २०१८-१९ के अन्तर्गत शैक्षणिक विचार गोष्ठियों में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षकों की संख्या का विवरण

क्र.सं.	विभाग/संकाय	शिक्षक का नाम	कार्यक्रम का विवरण एवं अवधि
अ. भारत में			
१.	विकिरण चिकित्सा और विकिरण आयुर्विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. अभिजीत मंडल	०२-०४ नवंबर, २०१८ को चेन्नई में आयोजित "भारतीय चिकित्सा संघ (एएमपीआईसीओएन २०१८ चेन्नई) का ३९वें वार्षिक सम्मेलन"
२.	जीव रसायन विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. डी. दास	२४-२७ फरवरी, २०१८ के दौरान गोवा में आयोजित "एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्स ऑफ इंडिया (एसीबीआईसीओएन २०१८) का ४५वां राष्ट्रीय सम्मेलन"
३.	दंत चिकित्सा संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. नीरज कुमार धीमन	११-१३ अक्टूबर, २०१८ के दौरान चेन्नई में आयोजित "एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन्स ऑफ इंडिया (एओएमएसआई) का ४३वां वार्षिक सम्मेलन"
४.	दंत चिकित्सा संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. मोनिका बंसल	५-७ अक्टूबर, २०१८ के दौरान पंचकुला में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ पीरियोडॉन्टोलॉजी, २०१८ का ४३वां राष्ट्रीय सम्मेलन।
५.	दंत चिकित्सा संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. रोमेश सोनी	१४-१६ सितंबर, २०१८ के दौरान होटल ताज गंगा, वाराणसी में आयोजित "इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ सर्जन्स इंडियन सेक्शन का ६४वां वार्षिक सम्मेलन"
६.	सूक्ष्म जीविका विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. रागिनी तिलक	२८ नवम्बर- २ दिसम्बर, २०१८ के दौरान बेंगलुरु में आयोजित "इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट का ४२वां वार्षिक सम्मेलन"
७.	दंत चिकित्सा संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. हरख चन्द बरनवाल	१६-१८ नवम्बर, २०१८ के दौरान विजयवाड़ा में "३३वां आईएसीडीई राष्ट्रीय सम्मेलन २०१८"
८.	दंत चिकित्सा संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. अखिलेश कुमार सिंह	२६-२८ अक्टूबर, २०१८ के दौरान कोलकाता में आयोजित "हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजी (एफएचएनओ) इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ हेड एंड नेक ऑन्कोलॉजिकल सोसाइटीज (आईएफएचएनओएस) वर्ल्ड टूर कोलकाता" के लिए फाउंडेशन की १८वीं राष्ट्रीय बैठक
९.	निश्चेतन विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. बद्री प्रसाद दास	२५-२९ नवंबर, २०१८ के दौरान आगरा में आयोजित "इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट का ६६वां वार्षिक सम्मेलन"
१०.	निश्चेतन विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. कविता मीना	२५-२९ नवंबर, २०१८ के दौरान आगरा में आयोजित "इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट का ६६वां वार्षिक सम्मेलन"
११.	दंत चिकित्सा संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. विपुल कुमार शर्मा	७-९ दिसंबर, २०१८ के दौरान कोच्चि में आयोजित "५३वां भारतीय दंतसंशोधन (ऑर्थोडॉन्टिक) सम्मेलन"
१२.	सामान्य चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. अभिषेक पाण्डेय	• १५-१८ नवंबर, २०१८ के दौरान भुवनेश्वर में आयोजित "भारतीय एंडोक्राइन सोसायटी (ईएसआईसीओएन) का ४८वां वार्षिक सम्मेलन" • २२-२५ नवंबर, २०१८ के दौरान अहमदाबाद में आयोजित भारत में मधुमेह के अध्ययन के लिए रिसर्च सोसाइटी (आरएसएसडीआई) की ४६वीं वार्षिक बैठक" • ७-१० फरवरी २०१९ के दौरान कोच्चि में आयोजित "भारतीय चिकित्सक संघ (एपीआईसीओएन) का ७४वां वार्षिक सम्मेलन"
१३.	शरीर विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. पारुल शर्मा	• २२-२४ नवंबर, २०१८ के दौरान हुगली के सेरामपुर में आयोजित "फिजियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया" का ३०वां वार्षिक सम्मेलन • २६-२९ सितंबर, २०१८ के दौरान आणद में आयोजित "एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया का ५वाँ वार्षिक सम्मेलन"

१४.	शल्य तंत्र विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. रश्मि गुप्ता	१४-१७ दिसंबर, २०१८ के दौरान अहमदाबाद में आयोजित ''८वीं विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और एआरआईजीटीए एक्सपो: स्वास्थ्य पर फोकस को पुन: संरेखित करना''
१५.	सामुदायिक चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. सुनिल कुमार	३१ जनवरी - ३ फरवरी, २०१९ के दौरान काकीनाडा में आयोजित ''भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ का ६३वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन और आईपीएचए का आंध्र प्रदेश रजत जयंती सम्मेलन''
१६.	दंत चिकित्सा संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. अजित विक्रम परिहार	७-९ दिसंबर, २०१८ के दौरान कोच्चि में आयोजित ''५३वां भारतीय ऑर्थोडॉन्टिक सम्मेलन''
१७.	किट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव	२७-२९ सितंबर, २०१८ के दौरान बेंगलुरु में आयोजित '' जैवनियंत्रण की पद्धतियाँ और अनुप्रयोग पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
१८.	किट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. राजेन्द्र नाथ सिंह	२७-२९ सितंबर, २०१८ के दौरान बेंगलुरु में आयोजित ''जैवनियंत्रण की पद्धतियाँ और अनुप्रयोग पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
१९.	किट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. एम. रघुरमन	• २७-२९ सितंबर, २०१८ के दौरान बेंगलुरु में आयोजित ''जैवनियंत्रण की पद्धतियाँ और अनुप्रयोग पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' • २०-२२ दिसंबर, २०१८ के दौरान अजमेर में आयोजित ''जलवायु परिवर्तन और सतत कृषि-बागवानी भूमि के लिए अनुकूल फसल संरक्षण पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
२०.	कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. रमेश चन्द	• २५-२६ सितंबर, २०१८ के दौरान रायपुर में आयोजित ''एक्सटेंशन प्लांट पैथोलाजी: टेक्नोलॉजिकल बैकस्टापिंग टू द् फार्मर्सध्अदर स्टेक होल्डर्स विषय पर विशेष राष्ट्रीय परिसवांद'' • १७-१९ नवंबर, २०१८ के दौरान सबौर (भागलपुर) में आयोजित ''पादप स्वास्थ्य प्रबंधन के नए प्रतिमान: जल वायु परिवर्तन परिदृश्य के तहत खाद्य सुरक्षा को बनाए रखने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और भारतीय फाइटोपैथोलॉ जिकल सोसाइटी (पूर्व क्षेत्र) की वार्षिक बैठक''
२१.	शस्य विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. मनोज कुमार सिंह	२१-२४ नवंबर, २०१८ को जबलपुर में आयोजित ''आईएसडबल्यूएस गोल्डन जुबली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, वीड्स एंड सोसाइटी: चुनौतियां और अवसर''
२२.	शस्य विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. राम नारायण मीना	२४-२६ अक्टूबर २०१८ के दौरान उदयपुर में आयोजित ''बदलते परिदृश्य के तहत कृषि हस्तक्षेप के माध्यम से किसानों की आय दुगुनी करने के विषय पर भारतीय कृषि विज्ञान समाज का २१वां द्विवार्षिक राष्ट्रीय परिसंवाद''
२३.	शस्य विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. मनोज कुमार सिंह	२१-२४ नवंबर, २०१८ को जबलपुर में आयोजित ''आईएसडबल्यूएस गोल्डन जुबली इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, वीड्स एंड सोसाइटी: चुनौतियां और अवसर''
२४.	कृषि अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. विनोद कुमार त्रिपाठी	३-७ अक्टूबर २०१८ के दौरान हैदराबाद में आयोजित ''कृषि और प्राकृतिक संसाधन के लिए वैश्विक जल सुरक्षा सम्मेलन''
२५.	कृषि अभियांत्रिकी विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. राम मन्दिर सिंह	३-६ अक्टूबर २०१८ के दौरान हैदराबाद में आयोजित ''कृषि और प्राकृतिक संसाधन के लिए वैश्विक जल सुरक्षा सम्मेलन''
२६.	कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. श्याम सरन वैश	२५-२६ सितंबर, २०१८ के दौरान रायपुर में आयोजित ''एक्सटेंशन प्लांट पैथोलाजी: टेक्नोलॉजिकल बैकस्टापिंग टू द् फार्मर्सध्अदर स्टेक होल्डर्स विषय पर विशेष राष्ट्रीय परिसवांद''
२७.	कृषि अर्थशास्त्र विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. प्रशान्त कुमार सिंह	१-३ नवंबर, २०१८ के दौरान आर्थिक विकास संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित ''भारतीय कृषि अर्थशास्त्र सोसायटी ७८वाँ वार्षिक सम्मेलन''
२८.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. बन्दना बोस	२७-३० नवंबर २०१८ के दौरान लखनऊ में आयोजित ''पर्यावरण और पर्यावरण प्रदूषण (आईसीपीईपी -६) पर छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
२९.	पशुपालन और डेरी उद्योग विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. विनोद कुमार पासवान	१९-२१ नवंबर, २०१८ के दौरान बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना में आयोजित ''पशु पोषण संघ का ग्यारहवां द्विवार्षिक सम्मेलन''
३०.	कीट विज्ञान तथा कृषि जीव विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. सी.पी. श्रीवास्तव	२०-२२ दिसंबर, २०१८ के दौरान अजमेर में आयोजित ''जलवायुपरिवर्तन और सतत कृषि -बागवानी भूमि के लिए अनुकूल फसल संरक्षण पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''

३१.	कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. बी. के. शर्मा	१६-१८ नवंबर, २०१८ के दौरान कानपुर में आयोजित ''३९ वीं आईएसएमपीपी वार्षिक सम्मेलन और पादप और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन: नई चुनौतियां और अवसरपर राष्ट्रीय परिसंवाद''
३२.	पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. प्रिया रंजन कुमार	२८-३० दिसंबर, २०१८ के दौरान आनंद में आयोजित ''भारतीय पशु प्रजनन अध्ययन सोसाइटी का ३४वां वार्षिक सम्मेलन और सतत ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए पशुधन की प्रजनन क्षमता में वृद्धि के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने पर अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद''
३३.	पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. महिपाल चौबे	१९-२१ नवंबर, २०१८ के दौरान पटना में आयोजित ''पशु कल्याण संघ के ग्यारहवां द्विवार्षिक सम्मेलन: किसान कल्याण के परिप्रेक्ष्य में पशु पोषण अनुसंधान''
३४.	पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान संकाय, कृषि विज्ञान संस्थान	डॉ. मनीष कुमार	१४-१६ फरवरी, २०१९ के दौरान पटना में आयोजित ''छोटे जुगाली पशुओं की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए वर्तमान परिदृश्य और भावी रणनीतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी''
३५.	गणित विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. अनुपम प्रियदर्शी	२६-२७ अप्रैल, २०१८ के दौरान एनआईटी, हमीरपुर में आयोजित ''एफआईएएम -२०१८: औद्योगिक और अनुप्रयुक्त गणित की सीमाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
३६.	भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. भाषकर भट्टाचार्या	१२-१८ अप्रैल, २०१८ के दौरान इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर (आईयूएसी), नई दिल्ली में आयोजित ''इंटरनेशनल स्कूल ऑन आयन बीम्स इन एनर्जी मटीरियल''
३७.	सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. ब्रिजेश पी. सिंह	१-३ नवंबर, २०१८ के दौरान एनआईएमएचएएनएस, बैंगलुरु में आयोजित ''इंडियन सोसायटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (आईएसएमएससीओएन - २०१८) का ३६ वां वार्षिक सम्मेलन''
३८.	सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. अभय कुमार तिवारी	१-३ नवंबर, २०१८ के दौरान एनआईएमएचएएनएस, बैंगलुरु में आयोजित ''इंडियन सोसायटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (आईएसएमएससीओएन-२०१८) का ३६ वां वार्षिक सम्मेलन''
३९.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. नीलकमल रस्तोगी	४-६ दिसंबर, २०१८ के दौरान कालीकट विश्वविद्यालय में आयोजित ''ईएसआई का ४२ वां वार्षिक सम्मेलन और पशु व्यवहार, जैव विविधता और मानव भविष्य पर राष्ट्रीय परिसंवाद''
४०.	सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. के.के. सिंह	१-३ नवंबर, २०१८ के दौरान एनआईएमएचएएनएस, बैंगलुरु में आयोजित ''इंडियन सोसायटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स (आईएसएमएससीओएन - २०१८) का ३६ वां वार्षिक सम्मेलन''
४१.	आणविक एवं मानव जनन विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. गीता राय	१-३ नवंबर, २०१८ के दौरान फरीदाबाद में आयोजित ''इंडियन इम्यूनोलॉजि सोसायटी (आईएमएमयूएनओसीओएन-२०१८) की ४५ वीं वार्षिक बैठक''
४२.	सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. महावीर सिंह पनवार	२८-३० नवंबर, २०१८ के दौरान बेंगलुरु में आयोजित ''वर्कशाप ऑन रेलियाबिलिटी थ्योरी एंड सर्वाइवल एनालिसिस''।
४३.	भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. संजय कुमार श्रीवास्तव	१२-१५ दिसंबर २०१८ के दौरान आईआईटी, दिल्ली मेंआयोजित ''फाइबर ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स (फोटोनिक्स २०१८) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
४४.	रसायनशास्त्र विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. बिश्वजित मैती	३-१६ फरवरी २०१९ के दौरान बिट्स पिलानी में आयोजित ''सैद्धांतिक रसायन विज्ञान संगोष्ठी (टीसीएस-२०१९)''
४५.	पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान	डॉ. तिर्थंकर बनर्जी	०८-११ मार्च २०१९ के दौरान कोट्टायम, केरल में ''वायु प्रदूषण और निगरानी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएम-२०१९)''
४६.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. राघव कुमार मिश्रा	२२-२४ फरवरी, २०१९ को जेएनयू कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित ''व्यावसायिक पर्यावरण और जीवन शैली कारकों (आईएसएसआरएफ - २०१९) पर ध्यान देने के साथ प्रजनन स्वास्थ्य पर वैश्विक सम्मेलन''
४७.	गणित विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. रवि प्रताप गुप्ता	३-७ जनवरी, २०१९ के दौरान लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, जालंधर में आयोजित ''१०६वां भारतीय विज्ञान कांग्रेस''
४८.	इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. रंजना शील	५-८ जुलाई, २०१८ के दौरान इंडिया है बिटेट सेंटर, नई दिल्ली में एसोसिएशन ऑफ द एशियन स्टडीज एएएस-इन-एशिया २०१८ के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए पैनल प्रस्ताव

४९.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. त्रयम्बक तिवारी	• ११-१३ अक्टूबर, २०१८ के दौरान विशाखापत्तनम में आयोजित "स्कूल मनोविज्ञान पर ८वां इनसपा (आईएनएसपीए) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" • ३-७ जनवरी, २०१९ के दौरान जालंधर में आयोजित "१०६वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस"। • १४-१६ फरवरी, २०१९ के दौरान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी (आईएएपी) का ५४वां राष्ट्रीय और २३वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
५०.	समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. मनोज कुमार वर्मा	२७-२८ दिसंबर, २०१८ के दौरान मैसूरु में आयोजित "४४वां अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन"
५१.	समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. दिनेश कुमार सिंह	२७-२८ दिसंबर, २०१८ के दौरान मैसूरु में आयोजित "४४वां अखिल भारतीय समाजशास्त्रीय सम्मेलन"
५२.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. शबाना बानो	१७-२१ दिसंबर, २०१८ के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी (एनएओपी) का २८वां कांग्रेस"
५३.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. तुषार सिंह	१८-२१ दिसंबर, २०१८ के दौरान रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी (एनएओपी) का २८वां कांग्रेस"
५४.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. योगेश कुमार आर्या	१८-२१ दिसंबर, २०१८ के दौरान रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित "राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी (एनएओपी) का २८वां कांग्रेस"
५५.	मालवीय शान्ति व अनुसंधान केन्द्र	प्रो. प्रियंकर उपाध्याय	१०-११ दिसंबर, २०१८ के दौरान यूनेस्को हाउस, नई दिल्ली में आयोजित "यूनेस्को चेयर्स इन इंडिया"
५६.	इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. केशव मिश्रा	२६-२८ फरवरी, २०१९ के दौरान भोपाल में आयोजित "भारतीय इतिहास कांग्रेस का ७९वां सत्र"
५७.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. संदीप कुमार	• १८-२१ दिसंबर २०१८ के दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित भारतीय मनोविज्ञान अकादमी (एनएओपी २०१८) की २८ वीं कांग्रेस। • २०-२१ दिसंबर, २०१८ के दौरान गया में आयोजित मानव कल्याण पर राष्ट्रीय सम्मेलन: एक बहु-विषयक दृष्टिकोण" • २३-२४ फरवरी, २०१९ के दौरान वडोदरा में आयोजित भारतीय औद्योगिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान (आईसीआईओपी) की द्वितीय भारतीय कांग्रेस
५८.	इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय प्रो.	बिन्दा दत्तात्रय परांजपे	• ७-८ जनवरी, २०१९ के दौरान कोपरगाँव में आयोजित "राष्ट्रीय अखंडता और सरदार वल्लभभाई पटेल पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन" • ८-९ जनवरी, २०१९ के दौरान संगमनेर में आयोजित "भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और महाराष्ट्र पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी"
५९.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	डॉ. अमित कुमार उपाध्याय	१-२ जून २०१८ के दौरान आईआईटी इंदौर और आईआईएम इंदौर में आयोजित "डीएचएआई २०१८: डिजिटल ह्यूमैनिटीज एलायंस ऑफ इंडिया सम्मेलन"
६०.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	डॉ. शिजु पी.जे.	• १-२ जून २०१८ के दौरान आईआईटी इंदौर और आईआईएम इंदौर में आयोजित "डीएचएआई २०१८: डिजिटल ह्यूमैनिटीज एलायंस ऑफ इंडिया सम्मेलन" • १०-१४ अगस्त, २०१८ के दौरान तमिलनाडु के इरोड में आयोजित "आर स्टूडियो का उपयोग करके डेटा विश्लेषण पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला"
६१.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	प्रो. प्रवेश कुमार श्रीवास्तव	२३-२५ दिसंबर, २०१८ के दौरान गुवाहाटी में "अखिल भारतीय संकल्प योजना" का ग्यारहवां राष्ट्रीय सम्मेलन
६२.	अंग्रेजी विभाग, कला संकाय	डॉ. उमेश कुमार	२५-२७ फरवरी, २०१९ को सेंटर फॉर कंटेम्पोररी थ्योरी, बड़ौदा में आयोजित "लिटेररी एक्रोस कल्चर: कल्चरल पोएटिक्स ऑफ भाषा लिटरेचर इन थेओरी एंड प्रैक्टिस" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी

६३.	महिला महाविद्यालय	डॉ. नम्रता राठौर महन्ता	२१-२२ अगस्त २०१८ के दौरान पांडिचेरी के फ्रेंच इंस्टीट्यूट, पडुचेरी में आयोजित ''दक्षिण एशिया में साहित्यिक प्रसार पर अ न्तरराष्ट्रीय सम्मेलन: ग्रंथों का अनुवाद, उत्पादन, संरक्षण''
६४.	महिला महाविद्यालय	प्रो. नीलम श्रीवास्तव	३१ जुलाई - १ अगस्त, २०१८ को शारदा विश्वविद्यालय ग्रेटर नोएडा में आयोजित ''सामग्री और उपकरणों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएमडी - २०१८)''
६५.	दर्शनशास्त्र अनुभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ. जय सिंह	''दर्शन परिषद का ६३वां अधिवेशन: अखिल भारतीय दर्शन परिषद्'' २१-२३ अक्टूबर २०१८ को लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ में सम्पन्न हुआ
६६.	संगीत अनुभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ. शोभित कुमार नाहर	१-४ नवंबर, २०१८ के दौरान मैसूरु में आयोजित ''भारत की समृद्ध कला और सांस्कृतिक विरासत का प्रसार करने के लिए राष्ट्रीय युवा संगीतोत्सव २०१८''
६७.	वनस्पति विज्ञान अनुभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ. कविन्द्र नाथ तिवारी	१४-१६ फरवरी, २०१९ के दौरान आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित ''प्लांट साइंसेज एंड एग्रोबायोटेक्नोलॉजी - २०१९ (आईसीटीपीए- २०१९) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
६८.	रसायनशास्त्र अनुभाग, महिला महाविद्यालय	डॉ. दिक्षा कटियार	७ से १० फरवरी, २०१९ के दौरान आईआईटी मद्रास, चेन्नई में आयोजित ''२४वां सीआरएसआई राष्ट्रीय परिसंवाद रसायन विज्ञान (सीएसआरआई एनएससी -२४) और १३ वां सीआरएसआई- आरएससी संयुक्त परिसंवाद''
६९.	रसायनशास्त्र अनुभाग, महिला महाविद्यालय	प्रो. मिनाक्षी सिंह	७ से १० फरवरी, २०१९ के दौरान आईआईटी मद्रास, चेन्नई में आयोजित ''२४ वां सीआरएसआई राष्ट्रीय परिसंवाद रसायन विज्ञान (सीएसआरआई एनएससी -२४) और १३वां सीआरएसआई- आरएससी संयुक्त परिसंवाद''
७०.	भौतिकी अनुभाग, महिला महाविद्यालय	प्रो. भाष्कर भट्टाचार्या	२७-२८ फरवरी, २०१९ के दौरान डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में आयोजित ''भौतिक विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स (आरएएमएसई-२०१९) में नवीन प्रगतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी''
७१.	वाणिज्य संकाय	प्रो. एच.के. सिंह	२०-२२ दिसंबर, २०१८ के दौरान उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में आयोजित ''भारतीय वाणिज्य संघ (आईसीए) का ७१वां अखिल भारतीय वाणिज्य सम्मेलन''
७२.	वैदिक दर्शन विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	डॉ. शशीकान्त द्विवेदी	१८-२० मई, २०१८ के दौरान सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, सोमनाथ में आयोजित ''अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन''
७३.	व्याकरण विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	डॉ. ब्रजभूषण ओझा	०१-१५ अप्रैल, २०१८ के दौरान हरिद्वार के पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित ''व्याकरण पर कार्यशाला''
७४.	साहित्य विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	डॉ. शान्ति लाल साल्वी	२८-३० सितंबर, २०१८ के दौरा न कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी में आयोजित ''भारतीय बौद्ध अध्ययन समाज का १८वां वार्षिक सम्मेलन''
७५.	शिक्षा संकाय	डॉ. सुनीता सिंह	३०-३१ जनवरी २०१९ के दौरान भेल, हैदराबाद में आयोजित ''भारत में उच्च शिक्षा: उभरती चुनौतियाँ विषसी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी''
७६.	शिक्षा संकाय	डॉ. विनोद कुमार सिंह	३०-३१ जनवरी २०१९ के दौरान भेल, हैदराबाद में आयोजित ''भारत में उच्च शिक्षा: उभरती चुनौतियाँ विषसी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी''

क्र.सं.	विभाग/संकाय	शिक्षक का नाम	कार्यक्रम का विवरण एवं अवधि
ब. विदेश में			
१.	निश्चेतन विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. बद्री प्रसाद दास	• १७-२१ मई २०१८ के दौरान सिंगापुर में आयोजित "५वीं एसजी एशिया पैसिफिक इंटेंसिव केयर फोरम (एएनजेडआईसीएस)" • १५-१६ नवंबर, २०१८ के दौरान दुबई, यूएई में आयोजित "एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर विषय पर ११वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"
२.	सूक्ष्म जीविकी विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. शम्पा अनुपूर्बा	७-११ जून २०१८ के दौरान अटलांटा, यूएसए में आयोजित "एएसएम माइक्रोब २०१८"
३.	दन्त विज्ञान संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. चन्द्रेश जयसवार	२६-२८ अप्रैल, २०१८ के दौरान काठमांडू, नेपाल में "एमआईडीसीओएमएस -२०१८: एनएओएमएस व एओएमएस की दूसरी संयुक्त बैठक और २२ वां मध्यावधि सम्मेलन और भारतीय ओरल मैक्सिलोफेशियल सर्जन संघ का ८वें पीजी कन्वेंशन" का आयोजन
४.	दन्त विज्ञान संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. नीरज कुमार धीमन	२६-२८ अप्रैल, २०१८ के दौरान काठमांडू, नेपाल में "एमआईडीसीओएमएस -२०१८: एनएओएमएस व एओएमएस की दूसरी संयुक्त बैठक और २२वां मध्यावधि सम्मेलन और भारतीय ओरल मैक्सिलोफेशियल सर्जन संघ का ८वें पीजी कन्वेंशन" का आयोजन
५.	दन्त विज्ञान संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. ऋचिक त्रिपाठी	७-१० मई २०१८ के दौरानएथेंस, ग्रीस में आयोजित "स्वास्थ्य और चिकित्सा विज्ञान पर ६वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"
६.	नेत्र विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. राजेन्द्र प्रकाश मौर्या	"नेत्र विज्ञान सम्मेलन की १४वीं सार्क अकादमी"
७.	निश्चेतन विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. निमिषा वर्मा	१२-१६ सितंबर, २०१८ के दौरान बोस्टन, यूएसए में आयोजित "दर्द पर १७वां विश्व कांग्रेस"
८.	बाल चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. प्रियंका अग्रवाल	"अंतर्राष्ट्रीय बाल रोग अन्कोलॉजी सोसायटी की ५०वीं कांग्रेस"
९.	काय चिकित्सा विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. ओम प्रकाश सिंह	०४-१६ अगस्त, २०१८ के दौरान क्रास्नोडार,मास्को (रूस) में आयोजित "पंचकर्म (जैव-शोधन चिकित्सा) और आयुर्वेद में पुरानी चिकित्सा विकारों का प्रबंधन"
१०.	शल्य चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. पुनीत	"विश्व कांग्रेस ४-७ सितंबर, २०१८ के दौरान जिनेवा, स्विट्जरलैंड में १३वीं आईएचपीबीए विश्व सम्मेलन का आयोजन
११.	सामान्य चिकित्सा विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. अभिषेक पाण्डेय	२३-२६ मार्च, २०१९ के दौरान न्यूअरलियन्स, ला, यूएसए में "ईएनडीओ २०१९" का आयोजन
१२.	काय चिकित्सा विभाग, आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	प्रो. ओम प्रकाश सिंह	२८ नवंबर से १ दिसंबर, २०१८ के दौरान पलेर्मो (सिसिली), इटली में आयोजित "११ वें अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन वैश्विक पर्यटन में नवाचार और अवसर" का आयोजन
१३.	नेत्र विज्ञान विभाग, चिकित्सा विज्ञान संस्थान	डॉ. राजेन्द्र प्रकाश मौर्या	६-९ मार्च २०१९ के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित "एशिया- पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी (एपीएओ २०१९) की ३४ वीं कांग्रेस"
१४.	अनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. विनोद कुमार मिश्रा	१४-१७ अप्रैल, २०१८ के दौरान मार्केश, मोरक्को में आयोजित "बोरलॉग ग्लोबल रस्ट इनिशिएटिव (बीजीआरआई) २०१८ टेक्निकल वर्कशॉप"
१५.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. अखोरी हेमन्तरंजन	२१-२२ मई, २०१८ के दौरान ओसाका, जापान में आयोजित "पादप विज्ञान एवं कर्यिकी विषय पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"
१६.	मृदा और कृषि विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. सतीष कुमार सिंह	१६-१८ अगस्त, २०१८ के दौरान हांगकांग पलिटेक्निक विश्वविद्यालय में आयोजित "दूषित भूमि, पारिस्थितिक मूल्यांकन और उपचार २०१८ (सीएलइएआर २०१८) विषय पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"
१७.	मृदा और कृषि विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. सुरेन्द्र सिंह	२०-२२ सितंबर, २०१८ के दौरान रोम, इटली में आयोजित "खाद्य विज्ञान, सस्य विज्ञान और तकनीकी विषय पर यूरो-ग्लोबल सम्मेलन"
१८.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. पद्नाम द्विवेदी	२४-२६ अक्टूबर, २०१८ के दौरान नाइस, फ्रांस में आयोजित "७वां प्लांट नाइट्रिक ऑक्साइड अंतर्राष्ट्रीय बैठक"
१९.	शस्य विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. उदय प्रताप सिंह	१५-१७ अक्टूबर, २०१८ के दौरान सिंगापुर में आयोजित "५वीं अंतर्राष्ट्रीय चावल कांग्रेस"

२०.	अनुवंशिकी और पादप प्रजनन विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. पी.के. सिंह	१३-१८ अक्टूबर, २०१८ के दौरान सिंगापुर में आयोजित "५वीं अंतर्राष्ट्रीय चावल कांग्रेस"
२१.	पादप शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. ए. हेमन्तरंजन	• "१५-१६ नवंबर, २०१८ के दौरान पेरिस, फ्रांस में आयोजित पादप विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"
२२.	कवक विज्ञान और पादप रोग विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान	प्रो. हरीकेश बहादुर सिंह	२२-२५ नवंबर, २०१८ के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित "धारणीय विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में मृदा और पादप स्वास्थ्य की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"
२३.	वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. शशि भूषण अग्रवाल	२१-२५ मई, २०१८ के दौरान फिरेंजे, इटली में आयोजित "ओजोन और प्लांट इकोसिस्टम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन"
२४.	जीव रसायन विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. सूर्यप्रताप सिंह	१४-१५ मई, २०१८ के दौरान सिंगापुर में "पार्किंसंस एंड मूवमेंट डिसआर्डर पर चौथे वैश्विक विशेषज्ञों की बैठक"
२५.	डी.एस.टी- अन्तर्विषयक गणितीय विज्ञान केन्द्र	प्रो. बंकटेश्वर तिवारी	• २१-२५ मई, २०१८ के दौरान पीसा, इटली में आयोजित "फिंसलर ज्योमेट्री में नई पद्धतियों पर सम्मेलन" • २०-२४ अगस्त, २०१८ के दौरान रोमानिया में आयोजित "वैश्विक विश्लेषण और इसके अनुप्रयोगों पर २३वां अंतर्राष्ट्रीय ग्रीष्मकालीन स्कूल"
२६.	जीव विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. राधा चौबे	३ से ८ जून, २०१८ के दौरान मनौस, ब्राजील में आयोजित "में रेप्रोडक्टिव फिजियोलॉजी ऑफ फिश पर ११ वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएसआरपीएफ २०१८)"
२७.	भूविज्ञान विभाग विज्ञान संस्थान	प्रो. राजेश कुमार श्रीवास्तव	१६-२२ जून, २०१८ के दौरान वैंकूवर, कनाडा में आयोजित "भावी पीढ़ियों के लिए संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन २०१८ : और सम्मेलनोपरांत एक दिवसीय लघु पाठ्यक्रम"
२८.	भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. राजेन्द्र कुमार सिंह	१७-२२ जून २०१८ के दौरान क्योटो, जापान में आयोजित "लिथियम बैटरियों (आईएमएलबी २०१८) पर १९ वीं अंतर्राष्ट्रीय बैठक"
२९.	भूगोल विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. आनन्द प्रसाद मिश्रा	२८-३१ अगस्त २०१८ के दौरान कार्डिफ विश्वविद्यालय, यूके में आयोजित"रॉयल जियोग्राफिकल सोसाइटी-आईबीजी वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन २०१८"
३०.	भूभौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव	१४-२२ जुलाई २०१८ के दौरान पासाडेना, सीए, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित "४२ वाँ सीओएसपीएआर(सीओएसपीएआर) वैज्ञानिक सभा"
३१.	भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. अभय कुमार सिंह	१४-२२ जुलाई २०१८ के दौरान पासाडेना, सीए, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित "४२ वाँ सीओएसपीएआर(सीओएसपीएआर) वैज्ञानिक सभा"
३२.	जीवविज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. समीर गुप्ता	३०-३१ अगस्त, २०१८ के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित"इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन मॉलिक्यूलर एंड क्लिनिकल एस्पेक्ट्स ऑफ मेलाटोनिन"
३३.	रसायनशास्त्र विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. वी. गनेशन	२-७ सितंबर, २०१८ के दौरान इटली के बोलोग्ना में आयोजित"इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री की ६९ वीं वार्षिक बैठक"
३४.	भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. वेंकटेश सिंह	८-१८ जुलाई, २०१८ के दौरान सिचुआन विश्वविद्यालय, चेंगदू, चीन में आयोजित "डार्क मैटर और न्यूट्रिनोलस डबल बीटा क्षय खोज कार्यशाला"
३५.	भौतिकी विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. ऑचल श्रीवास्तव	२६-२९ जून २०१८ के दौरान डेस्डेन, जर्मनी में आयोजित "ग्राफीन और २ डी सामग्रियों का सबसे बड़े यूरोपीय सम्मेलन और में प्रदर्शनीका ८ वां संस्करण"
३६.	वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. आर. के. अस्थाना	१३-१४ सितंबर, २०१८ के दौरान कोरिया गणराज्य में आयोजित "४ वां अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद- मीठे जल की जैव विविधता- वर्तमान स्थिति और इसका भविष्य"
३७.	पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान	प्रो. गोपाल शंकर सिंह	३० जुलाई से ३ अगस्त, २ ०१८ के दौरान फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में आयोजित "जैवविविधता और पारिस्थितिकी सेवाओं के वैश्विक मूल्यांकन के लिए यूएन-आईपीबीईएस वैश्विक मूल्यांकन तृतीय लेखक बैठक"
३८.	रसायनशास्त्र विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. विनोद कुमार तिवारी	१२-१४ दिसंबर, २०१८ के दौरान श्रीलंका में आयोजित "१६ वीं एशियाई संगोष्ठी औषधीय पौधों, मसालों और अन्य प्राकृतिक उत्पादों (एएसओएमपीए XVI) पर १६वीं एशियाई संगोष्ठी"

३९.	वनस्पति विज्ञान विभाग, विज्ञान संस्थान	प्रो. रविन्द्र नाथ खरवार	२२-२५ नवंबर, २०१८ के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में आयोजित ''धारणीय विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में मृदा और पादप स्वास्थ्य की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
४०.	पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान	डॉ. प्रशान्त कुमार श्रीवास्तव	१५-१९ अक्टूबर, २०१८ के दौरान कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित ''रिमोट सेंसिंग (एसीआरएस २०१८) पर ३९वाँ एशियाई सम्मेलन''
४१.	सांख्यिकी विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. आलोक कुमार	२-५ अक्टूबर, २०१८ के दौरान बाली, इंडोनेशिया में आयोजित ''अंतर्राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संघ की १३वीं एसईए क्षेत्रीय वैज्ञानिक बैठक और सार्वजनिक स्वास्थ्य और धारणीय विकास पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन''
४२.	भूगोल विभाग, विज्ञान संस्थान	डॉ. मुरारी लाल मीना	१३-१५ दिसंबर, २०१८ के दौरान कुनमिंग, चीन में आयोजित ''पैन-एशिया कैपेसिटी डेवलपमेंट ट्रेनिंग वर्कशॉप ऑन वॉटर गवर्नेंस: इंटरनेशनल वाटर लॉ एंड मल्टी-स्टेकहोल्डर प्रोसेस''
४३.	पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान	डॉ. पी.सी. अभिलाष	३० नवंबर से ३ दिसंबर, २०१८ के दौरान बॉन, जर्मनी में आयोजित ''ग्लोबल लैंडस्केप फोरम (जीएलएफ) के दौरान जलवायु और विकास लक्ष्यों के लिए बढ़ती ऊर्जा और पुनर्स्थापना भूमि पर विमर्श मंच''
४४.	जीवविज्ञान, विज्ञान संस्थान	प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे	७-११ जनवरी २०१९ के दौरान जेना, जर्मनी में आयोजित ''ट्रांस यूरेशियन बाजरा और सेम, भाषा और जीन पर अंतर्विषयक कार्यशाला''
४५.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. त्रयम्बक तिवारी	• १०-१२ जनवरी, २०१९ के दौरान कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित ''स्कूल मनोविज्ञान पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' • ७-९ मार्च, २०१९ के दौरान पेरिस, फ्रांस में आयोजित ''मनोवैज्ञानिक विज्ञान की अंतर्राष्ट्रीय सभा (आईसीपीएस)''
४६.	मालवीय शान्ति व अनुसंधान केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. प्रियंकर उपाध्याय	• २२-२८ अप्रैल, २०१८ के दौरान किंग्स कॉलेज, लंदन में आयोजित ''ग्लोबल इंडिया यूरोपियन ट्रेनिंग नेटवर्क (एच २०२०) की बैठक'' • २४-२९ सितंबर, २०१८ के दौरान काठमांडू, नेपाल में आयोजित ''शान्ति और संघर्ष अध्ययन पर छमाही अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी''। • ५-८ मार्च, २०१९ के दौरान काठमांडू, नेपाल में आयोजित ''शान्ति और संघर्ष अध्ययन पर छमाही अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी''
४७.	राजनीतिशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. अंजू शरण उपाध्याय	२२-२८ अप्रैल, २०१८ के दौरान किंग्स कॉलेज, लंदन में आयोजित ''ग्लोबल इंडिया यूरोपियन ट्रेनिंग नेटवर्क (एच २०२०) की बैठक''
४८.	इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. अजय प्रताप	२२-२८ अप्रैल, २०१८ के दौरान किंग्स कॉलेज, लंदन में आयोजित ''ग्लोबल इंडिया यूरोपियन ट्रेनिंग नेटवर्क (एच २०२०) की बैठक''
४९.	अर्थशास्त्र विभाग, सामाजिक विभाग विज्ञान संकाय	प्रो. नंदी शर्मा	२१-२५ जुलाई २०१८ के दौरान ब्रिसबेन (ऑस्ट्रेलिया) में आयोजित ''राजनीति विज्ञान की २५वीं आईपीएसए विश्व कांग्रेस''
५०.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. संदीप कुमार	२६-३० जून, २०१८ के दौरान मॉन्ट्रियल, कनाडा में आयोजित ''व्यावहारिक मनोविज्ञान का २९वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
५१.	मनोविज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. तुषार सिंह	• २६-३० जून, २०१८ के दौरान मॉन्ट्रियल, कनाडा में आयोजित ''व्यावहारिक मनोविज्ञान का २९वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' • १५-२८ अप्रैल, २०१८ के दौरान बीजिंग, चीन में आयोजित ''द वर्कशॉप इन फ्रंटियर्स ऑफ साइकोलॉजी''
५२.	राजनीतिशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. हेमन्त कुमार मालवीय	३०-३१ अगस्त, २०१८ के दौरान सुराबाया, इंडोनेशिया में आयोजित ''एयरलांगा कॉन्फ्रेंस ऑन इन्टरनेशलन रिलेशन्स (एसीआईआर) २०१८''
५३.	इतिहास विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. जय लक्ष्मी कौल	३०-३१ अगस्त, २०१८ के दौरान सुराबाया, इंडोनेशिया में आयोजित ''एयरलांगा कॉन्फ्रेंस ऑन इन्टरनेशलन रिलेशन्स (एसीआईआर) २०१८''
५४.	राजनीतिशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. चन्द्रकला पाडिया	१५-१७ सितंबर, २०१८ के दौरान साद जिनराखिता, जकार्ता, इंडोनेशिया में आयोजित ''बौद्ध धर्म महिला और शिक्षा परतीसरा एबीसी सम्मेलन(एबीसी-३)''
५५.	समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. अशोक कुमार कौल	३० जुलाई - ३ अगस्त, २०१८ के दौरान बैडेन-बैडेन, जर्मनी में संयुक्त रूप से आयोजित ''एडवांस्ड स्टडीज के लिए इंटरनेश नल इंस्टीट्यूट की ३८वीं

			वार्षिक बैठक और ३०वीं वर्षगांठ पर सिस्टम रिसर्च, इंफॉर्मेटिक्स और साइबरनेटिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
५६.	अर्थशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. नृपेन्द्र किशोर मिश्रा	३० अगस्त से १ सितंबर, २०१८ तक ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना में आयोजित ''एंड कैपेबिलिटी एसोसिएशन का सम्मेलन-२०१८ -ह्यूमन डेवलपमेंट एंड सोशल इनक्लुजन इन ऐन अर्बनाईजिंग वर्ल्ड''
५७.	अर्थशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. मनीषा आशीष मेहरोत्रा	• १-२ सितंबर, २०१८ के दौरान डबलिन, आयरलैंड में आयोजित ''प्रबंधन, अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-आईसीएमईएसएस २०१८'' • ५-१० सितंबर २०१८ के दौरान डबलिन, आयरलैंड में आयोजित ''आईआरआईएसएच अरहाटिक योगा रिट्रीट २०१८'' • १७-१९ सितंबर २०१८ के दौरान कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, ब्रिटेन में आयोजित ''इंटरडिसिप्लिनरी बिजनेस स्टडीज पर तीसरा अकादमिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
५८.	अर्थशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. राजीव कुमार भट्ट	२४-२५ नवंबर २०१८ के दौरान शंघाई विश्वविद्यालय, चीन में आयोजित ''चीन और दक्षिण एशिया पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
५९.	राजनीतिशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	प्रो. अंजू शरण उपाध्याय	• २४-२९ सितंबर, २०१८ के दौरान काठमांडू, नेपाल में आयोजित ''शान्ति और संघर्ष अध्ययन पर छमाही अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी'' • ५-८ मार्च, २०१९ के दौरान काठमांडू, नेपाल में आयोजित ''शान्ति और संघर्ष अध्ययन पर छमाही अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी''
६०.	अर्थशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय	डॉ. मनीषा आशीष मेहरोत्रा	२६-२९ मार्च, २०१९ के दौरान कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, यूसी सैन डिएगो में आयोजित ''ओपन एडक्स सम्मेलन''
६१.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	डॉ. अशोक कुमार सिंह	२-६ जुलाई, २०१८ के दौरान नेपल्स (इटली) में आयोजित ''यूरोपीय एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन आर्कियोलॉजी एंड आर्ट (ईएएसएए) का २४ वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
६२.	अंग्रेजी विभाग, सामाजिक विज्ञान	डॉ. उमेश कुमार	२१ मई से १ जून, २०१८ के दौरान मिसानो एड्रियाटिको (रिमिनी), इटली में आयोजित ''निदा स्कूल ऑफ ट्रांसलेशन स्टडीज: ट्रांसलेटिंग पेडागोगीज''
६३.	अंग्रेजी विभाग, सामाजिक विज्ञान	डॉ. देवेन्द्र कुमार	२७-२९ अप्रैल, २०१८ के दौरान ब्रिटेन के रीडिंग विश्वविद्यालय में आयोजित ''ऑफोकलोर सोसाइटी कॉन्फ्रेंस''
६४.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	डॉ. विकास कुमार सिंह	२-६ जुलाई, २०१८ के दौरान नेपल्स, इटली में आयोजित ''यूरोपीय एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन आर्कियोलॉजी एंड आर्ट (ईएएसएए) का २४वां सम्मेलन''
६५.	जर्मन विभाग, कला संकाय	प्रो. एम.के. नटराजन	५-८ सितंबर २०१८ के दौरान ओइदाह /बेनिन में आयोजित ''द वर्ल्ड एंड अफ्रीका - न्यू वेज ऑफ इंटरकल्चरल लैंग्वेज एंड लिटरेचर रिसर्च'' पर सोसायटी ऑफ इंटरकल्चरल जर्मन स्टडीज की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
६६.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	प्रो. पुष्पलता सिंह	• ''पर्यावरण अनुकूलन और जलवायु परिवर्तन के प्रति लोच: सिंधु सभ्यता (सिंधु स्थिरता) की धारणीयता की जांच'' परियोजना के तहत २०-२८ जून २०१८ के दौरान कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का दौरा • २-६ जुलाई, २०१८ के दौरान नेपल्स, इटली में आयोजित ''यूरोपीय एसोसिएशन फॉर साउथ एशियन आर्कियोलॉजी एंड आर्ट (ईएएसएए) का २४वां सम्मेलन''
६७.	प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग, कला संकाय	डॉ. विनय कुमार	४-८ सितंबर, २०१८ के दौरान पीएसआर बौद्ध विश्वविद्यालय, नोम पेन्ह, कंबोडिया में आयोजित ''दक्षिण पूर्व एशिया में बौद्ध धर्म पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
६८.	हिन्दी विभाग, कला संकाय	प्रो. चम्पा कुमारी सिंह	• १८-२० अगस्त २०१८ के दौरान मॉरीशस में आयोजित ''११वां विश्व हिंदी सम्मेलन'' • २०-३०दिसंबर, २०१८ के दौरान कम्बोडिया में आयोजित ''हिंदी की वैश्विक महत्ता पर अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी''

६९.	हिन्दी विभाग, कला संकाय	प्रो. रामकली सराफ	१८-२० अगस्त २०१८ के दौरान मॉरीशस में आयोजित ''११वां विश्व हिंदी सम्मेलन''
७०.	पालि तथा बौद्ध अध्ययन विभाग, कला संकाय	प्रो. बिमलेन्द्र कुमार	• ४-८ सितंबर, २०१८ के दौरान पीएसआर बौद्ध विश्वविद्यालय, नोम पेन्ह, कंबोडिया में आयोजित ''दक्षिण पूर्व एशिया में बौद्ध धर्म पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' • २७-२९ नवंबर,२०१८ के दौरान कोलंबो, श्रीलंका में, थेरवाद बौद्ध धर्म के कोष पर ५वाँ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन • २-३ मार्च, २०१९ के दौरान बैंकॉक, थाईलैंड में सिल्पाकॉन यूनिवर्सिटी में आयोजित ''ब्राह्मणवाद-हिंदू धर्म और दक्षिण पूर्व एशिया में बौद्ध धर्म (रामायण के विशेष संदर्भ में) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन''
७१.	हिन्दी विभाग, कला संकाय	प्रो. श्रद्धा सिंह	१८-२० अगस्त २०१८ के दौरान मॉरीशस में आयोजित ''११वां विश्व हिंदी सम्मेलन''
७२.	हिन्दी विभाग, कला संकाय	प्रो. राज कुमार	• १८-२० अगस्त २०१८ के दौरान मॉरीशस में आयोजित ''११वां विश्व हिंदी सम्मेलन'' • २४-२७ जुलाई, २०१८ के दौरान पेरिस में आयोजित ''दक्षिण एशियाई अध्ययन पर २५वां यूरोपीय सम्मेलन (ईसीएसएएस २०१८)''
७३.	अंग्रेजी विभाग, कला संकाय	प्रो. अर्चना कुमार	२४-२७ जुलाई, २०१८ के दौरान पेरिस में आयोजित ''दक्षिण एशियाई अध्ययन पर २५ वां यूरोपीय सम्मेलन (ईसीएसएएस २०१८)''
७४.	इतिहास विभाग, कला संकाय	डॉ. नीशान्त	१-२ नवंबर २०१८ के दौरान अल्माटी, कजाकिस्तान में आयोजित ''कल्चरल फेस्टिवल: द आर्ट ऑफ वीविंमद वे ऑफ़ लिविंग, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, फोटो और कलाकृतियों की प्रदर्शनी, महात्मा गांधी के १५०वें -जन्मदिन का जश्न शामिल''
७५.	इतिहास विभाग, कला संकाय	प्रो. अतुल त्रिपाठी	• ०२-०३ अक्टूबर, २०१८ के दौरान कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित ''प्रथम अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन शिखर सम्मेलन -२०१८'' • ४-५ अक्टूबर २०१८ के दौरान कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित ''टूरिज्म लीडर्स समिट (टीएलएस) और इंटरनेशनल टूरिज्म रिसर्च कॉन्फ्रेंस (आईटीआरसी) -२०१८''
७६.	पर्यटन विभाग, कला संकाय	डॉ. प्रवीण सिंह राणा	१८-२० फरवरी २०१९ के दौरान सियोल, कोरिया गणराज्य में आयोजित ''इंटरनेशनल वर्कशाप: कल्चरल लैंडस्केप्स विज-ए-विज सेक्रिड प्लेसेज: एक्सपोजिंग नेशनल आइडेंटिटी''
७७.	इतिहास विभाग, कला संकाय	डॉ. अनील कुमार सिंह	२८ नवंबर से १ दिसंबर, २०१८ के दौरान पलेर्मो (सिसिली), इटली में आयोजित ''११वां अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन: वैश्विक पर्यटन में नवाचार और अवसर''
७८.	फ्रेंच अध्ययन विभाग, कला संकाय	डॉ. गीताजंली सिंह	• २६ से २७ नवंबर, २०१८ के दौरान ला रीयूनियन, सेंट डेनिस फ्रांस में आयोजित ''युद्ध और शांति आज पुरातनता के हिन्द महासागर में'' • २८ नवंबर से १ दिसम्बर, २०१८ के दौरान ला रीयूनियन, सेंट डेनिस फ्रांस में आयोजित ''गुलामी, इतिहास, स्तृति क दांव''
७९.	रसायनशास्त्र विभाग, महिला महाविद्यालय	प्रो. मीनाक्षी सिंह	१४-२२ जुलाई, २०१८ के दौरान पासाडेना, कैलिफोर्निया में आयोजित ''अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (सीओएसपीएआर) २०१८'' की ४२वीं सभा
८०.	मंच कला संकाय	प्रो. राजेश शाह	६-१० सितंबर, २०१८ के दौरान उज्बेकिस्तान के शाखरीबाज में आयोजित ''इंटरनेशनल मकाम आर्ट्स फोरम''
८१.	सितार, मंच कला संकाय	डॉ. स्वर्ण खुंतिया	११-२० दिसंबर, २०१८ के दौरान फीनिक्स, एरिजोना, अमेरिका में आयोजित ''लेक्चर कम डिमोंस्ट्रेशन अ न इंडियन क्लासिकल म्यूजिक (वायलिन) एंड गेस्ट पब्लिक परफ मैंस''
८२.	शिक्षा संकाय	डॉ. विनोद कुमार सिंह	२८ नवंबर से १ दिसंबर, २०१८ के दौरान पलेर्मो (सिसिली), इटली में आयोजित ''११वां अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन:वैश्विक पर्यटन में नवाचार और अवसर''
८३.	शिक्षा संकाय	डॉ. अजय कुमार सिंह	२८ नवंबर से १ दिसंबर, २०१८ के दौरान पलेर्मो (सिसिली), इटली में आयोजित ''११वां अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन सम्मेलन:वैश्विक पर्यटन में नवाचार और अवसर''

परिशिष्ट - ६

सीधी नियुक्ति और पदोन्नति

(१ अप्रैल, २०१८ से ३१ मार्च, २०१९)

गैर-शिक्षण कर्मचारी

समूह	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	योग
ग्रुप 'ए'	२१	०३	-	०१	-	२५
ग्रुप 'बी'	२२३	६५	३१	११९	-	४३८
ग्रुप 'सी'	२८	०६	०२	०९	-	४५
योग	**२७२**	**७४**	**३३**	**१२९**	**-**	**५०८**

पदोन्नतियाँ

सी ए एस के तहत				**डी ए सी पीएस के तहत**				
प्रोफेसर (स्टेज-५)	असोसिएट प्रोफेसर (स्टेज-४)	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्टेज-३)	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्टेज-२)	प्रोफेसर (स्टेज-५)	असोसिएट प्रोफेसर (स्टेज-४)	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्टेज-३)	असिस्टेन्ट प्रोफेसर (स्टेज-२)	योग
०५	१३	१०	०८	१८	५२	-	-	१२६